



MCL

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इण्डिया लिमिटेड के एक अनुषंगी कंपनी)

वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा

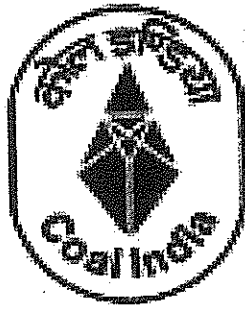
२०२०-२१



खनन गहरा

लक्ष्य ऊंचा

वार्षिक रिपोर्ट तथा
लेखें
2020-21



MCL

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

(कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी)

स्था/पो - जागृति विहार, बुर्ला

सम्बलपुर -768020 (ओडिशा)

वेबसाइट: www.mahanadicoal.in

‘संकल्पना’

“खदान से बाजार तक सर्वोत्तम कार्य पद्धतियों का पालन करते हुए विश्व के अग्रणी ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं में उभरना”

‘लक्ष्य’

“सुरक्षा, संरक्षण और गुणवत्ता को सम्यक प्रतिष्ठा प्रदान करते हुए कुशलतापूर्वक और मितव्ययता के साथ पर्यावरण हितैषी तरीके से योजनाबद्ध परिमाण में कोयला एवं कोयला उत्पाद का उत्पादन एवं विपणन करना”

विषय सूची

क्रमांक	पृष्ठ संख्या
1. प्रबंधन/बैंकर्स/लेखा परीक्षक	1-3
2. सूचना	4-7
3. अध्यक्ष का वक्तव्य	8-23
4. निदेशको की रिपोर्ट	24-115
5. सामाजिक उत्तरदायित्व की रिपोर्ट	116-160
6. सचिवीय लेखा परीक्षक की रिपोर्ट	161-168
7. निदेशको की रिपोर्ट का अनुलग्नक	169-173
8. कॉर्पोरेट शासन पर रिपोर्ट	174-185
9. प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट	186-190
10. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां	191-192
11. स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	193-230
12. 31 मार्च, 2021 के अनुसार तुलनपत्र	231-232
13. 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण	233-234
14. नकद प्रवाह विवरण	235-236
15. तुलनपत्र एवं लाभ- हानि लेखा के अंश स्वरूप टिप्पणियां	237-320
16. एमसीएल और उसके सहायक कंपनियों का समेकित लेखा	321-413

गत 10 वर्षों हेतु प्रमुख वित्तीय आंकड़े

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
1	कायले का उत्पादन	एमटी (मिलियन टन)	100.28	103.12	107.89	110.44	121.38	137.90	139.21	143.01	144.15	140.36	148.01
2	कायले का प्रेषण	एमटी (मिलियन टन)	102.09	102.52	111.96	114.34	123.00	140.22	143.01	138.26	142.30	134.02	146.71
3	कायले की बिक्री (सकल)	रु. करोड़	9,249.75	12,068.60	13,190.42	13,165.61	14,989.05	19,829.58	23,450.72	22,379.91	24,607.68	22,834.92	23,619.94
4	पीबीटी	रु. करोड़	4,039.30	5,463.69	6,202.48	5,429.08	5,314.24	6,260.43	6,854.72	7,339.66	9,281.08	8,645.47	9,316.79
5	पीएटी	रु. करोड़	2,609.32	3,709.51	4,212.44	3,624.30	3,554.10	4,184.74	4,492.01	4,761.29	6,039.54	6,427.39	6,872.35
6	लाभार्श	रु. करोड़	1,570.02	2,226.55	2,529.45	5,983.16	3,841.82	3,608.45	2,982.00	4,350.00	3,875.00	5,225.00	5,225.00
7	शुद्ध नियत आस्तियां	रु. करोड़	2,019.19	2,048.05	2,212.52	2,788.58	3,087.48	3,252.55	3,943.29	4,534.24	6,433.84	7,248.57	8,232.15
8	नेट वर्थ	रु. करोड़	6,548.14	7,674.42	8,939.12	5,563.42	4,477.57	4,319.26	3,385.38	2,943.12	3,873.17	3,923.11	5,533.04
9	दीर्घ अवधि ऋण	रु. करोड़	124.13	119.42	96.60	9.14	6.90	7.21	6.64	7.09	6.29	6.10	5.67
10	नियोजित पूंजी	रु. करोड़	11,704.47	14,211.30	16,208.23	14,248.04	15,208.55	16,629.66	15,183.59	15,469.43	18,437.96	19,862.23	20,429.40
11	नियोजित पूंजी पर रिटर्न	%	22	26	26	25	23	25	23	31	33	32	34
12	मूल्य संवर्धन	रु. करोड़	6,945.29	8,825.63	9,206.31	9,153.60	10,203.46	11,990.49	12,474.74	12,979.8	13,176.07	12,258.82	11,959.40
13	प्रति शेयर अंकित मूल्य	रु.	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00	1,000.00
14	प्रति शेयर पर बही मूल्य	रु.	35,129.34	41,171.58	47,956.42	29,846.53	24,021.18	23,171.89	23,971.26	41,67.94	5,852.16	5,927.61	8,360.13
15	प्रति शेयर लाभार्श	रु.	8,422.81	11,944.95	13,569.95	32,098.34	20,610.52	19,358.54	21,115.00	61,60.31	5,854.92	7,894.70	7,894.70
16	प्रति शेयर अर्जन	रु.	13,998.43	19,900.71	22,598.82	19,443.58	19,066.97	22,450.21	31,800.60	32,419.32	8,622.45	9,592.93	10,327.22
17	ईक्यू शेयर सं.	संख्या	1,864,009	1,864,009	1,864,009	1,864,009	1,864,009	1,864,009	1,412,266	706,1330	661,8363	661,8363	661,8363

वर्तमान प्रबंधन
(10.08.2021 के अनुसार)

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	:	श्री पी.के. सिन्हा
कार्यकारी निदेशक	:	श्री ओ.पी. सिंह निदेशक (तक/संचालन)
		श्री के.आर. वासुदेवन निदेशक (वित्त)
		श्री केशव राव निदेशक (कार्मिक)
		श्री बबन सिंह निदेशक (तक/परि एवं यो)
आधिकारिक अंशकालिक निदेशकगण	:	श्री एम. नागराजु अपर सचिव , कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली.
		श्री एस.एन. तिवारी, निदेशक (विपणन), सीआईएल, कोलकाता
गैर-आधिकारिक अंशकालिक निदेशकगण	:	श्री एस. मोहन
स्थायी आमंत्रित	:	श्री पी.के. जेना प्रधान मुख्य संचालन प्रबन्धक, पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर.
कंपनी सचिव	:	श्री ए.के. सिंह

2020-21 के दौरान प्रबंधन

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	:	श्री पी.के. सिन्हा (01.11.2020 से प्रभावी)
		श्री बी.एन. शुक्ला (31.10.2020 तक)
कार्यकारी निदेशक	:	श्री ओ.पी. सिंह निदेशक (तक/संचालन)
		श्री के.आर. वासुदेवन निदेशक (वित्त)
		श्री केशव राव निदेशक (कार्मिक)
		श्री बबन सिंह निदेशक (तक./योजना एवं परियोजना) (29.04.2020 से प्रभावी)
		श्री के.के. मिश्रा (29.04.2020 तक)
आधिकारिक अंशकालिक निदेशकगण	:	श्री एम. नागराजु अपर सचिव, कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली.
		श्री एस.एन. तिवारी, निदेशक (विपणन), सीआईएल, कोलकाता
गैर-आधिकारिक अंशकालिक निदेशकगण	:	श्री एस. मोहन
स्थायी आमंत्रित	:	श्री पी.के. जेना प्रधान मुख्य संचालन प्रबन्धक, पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर.
कंपनी सचिव	:	श्री ए. के. सिंह

बैंकर्स

भारतीय स्टेट बैंक,
यूको बैंक, कैनरा बैंक,
पंजाब नैशनल बैंक,
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया,
इंडियन ओवरसीज बैंक,
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,
बैंक ऑफ इंडिया,
आईसीआईसीआई बैंक,
आंध्रा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा,
ऐक्सिस बैंक, आईडीबीआई बैंक,
एचडीएफसी बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया,
ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स,
इलाहाबाद बैंक, सिंडीकेट बैंक,
कॉर्पोरेशन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र

सांविधिक लेखा परीक्षक

मेसर्स सिंह रे मिश्रा एंड कंपनी, (पहली तिमाही के लिए)
सनदी लेखाकार, भुवनेश्वर
मेसर्स पी ए एम एस एंड एसोसिएट्स, (दूसरी, तीसरी तिमाही और वार्षिक के लिए)
सनदी लेखाकार, भुवनेश्वर

शाखा लेखा परीक्षक

मेसर्स एससीएम एसोसिएट्स, (पहली तिमाही के लिए)
सनदी लेखाकार, भुवनेश्वर
मेसर्स पी ए एम एस एंड एसोसिएट्स, (दूसरी, तीसरी तिमाही और वार्षिक के लिए)
सनदी लेखाकार, भुवनेश्वर

लागत लेखा परीक्षक

मेसर्स एम गोयल एंड कंपनी,
लागत लेखाकार, राजस्थान

शाखा लागत लेखा परीक्षक

मेसर्स जितेंद्र नवनीत एंड कंपनी,
लागत लेखाकार, नई दिल्ली

सचिवीय लेखाकार

मेसर्स महापात्र एंड कं
कंपनी सचिव, भुवनेश्वर, ओडिशा

पंजीकृत कार्यालय

स्था/पो : जागृति विहार, बुर्ला,
सम्बलपुर - 768020, ओडिशा
वेबसाइट: www.mahanadicoal.in

29वीं सामान्य वार्षिक बैठक की सूचना

एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड की 29 वीं वार्षिक सामान्य बैठक 13.08.2021 को सुबह 10.20 बजे कं पनी के पंजीकृत कार्यालय पोस्ट- जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर-768020 में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यम द्वारा निम्नलिखित कार्यों के प्रबंधन के लिए आयोजित की जाएगी।

I. सामान्य कार्य:

1. विचार करने और स्वीकार करना :

- क) 31 मार्च, 2021 को लेखापरीक्षित तुलन पत्र समेत 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए उस पर लाभ और हानि का विवरण और निदेशक मंडल तथा सांविधिक लेखा परीक्षक और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट।
- ख) 31 मार्च, 2021 को समेकित लेखापरीक्षित तुलन पत्र समेत 31 मार्च, 2021 के अनुसार वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि का विवरण और निदेशक मंडल तथा उस पर सांविधिक लेखा परीक्षक और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट।
2. वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए इक्विटी शेयरों पर 5,225 करोड़ रुपये के अंतरिम लाभांश को मंजूरी देने और 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए 800 करोड़ रुपये अर्थात प्रति इक्विटी शेयर रु. 1208.76 के अंतिम लाभांश की घोषणा करना। इस प्रकार वर्ष 2020-21 के लिए कुल लाभांश रु. 6025 करोड़ हुआ
3. श्री केशव राव, निदेशक (डीआईएन:08651284), जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152 (6) के संदर्भ में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होंगे, के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति के लिए पात्र होने पर पुनः नियुक्ति के लिए खुद को प्रस्तुत करेंगे।
4. श्री बबन सिंह, निदेशक (डीआईएन 08745789), जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152 (6) के संदर्भ में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होंगे, के स्थान पर निदेशक की नियुक्ति के लिए पात्र होने पर पुनः नियुक्ति के लिए खुद को प्रस्तुत करेंगे।

II. विशेष कार्य:

मद संख्या 1

विषय : वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए लागत लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक का निर्धारण।

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए मेसर्स एम गोयल एंड सीओ और मेसर्स नवनीत एंड कंपनी को क्रमशः सेंट्रल कॉस्ट ऑडिटर और ब्रांच कॉस्ट ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया गया। तदुसार निम्नलिखित संकल्प पारित किया जाना प्रस्तावित है:-

सामान्य संकल्प :

वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए लागत लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक की पुष्टि करने के लिए और यदि योग्य साबित हो, तो संशोधन के अथवा बिना संशोधन के पारित होने के लिए, एक साधारण संकल्प के रूप में निम्न संकल्प किया जाता है

संकल्प किया गया है कि मेसर्स गोयल एण्ड कंपनी के सेंट्रल कॉस्ट ऑडिटर के रूप में वर्ष 2020-21 के लिए एतद्वारा

नियुक्त किए गए हैं, जिन्हें वर्ष अवधि 2021-22 तक बढ़ाकर नियुक्त किए गए हैं। कंपनी (कॉस्ट रिकॉर्ड्स और ऑडिट) के नियमावली, 2014 के अनुसार कंपनी मुख्यालय और उसकी इकाइयों, ईबवैली कोलफील्ड्स, बसुंधरा एवं केंद्रीय कर्मशाला ईब वैली के लागत रिकॉर्ड का लेखा-परीक्षण करने के लिए इसकी अवधि बढ़ाकर वर्ष 2020-21 और 2021-22 कर दी गई है जिसके लिए कुल लेखा परीक्षा शुल्क ₹ 6,00,000.00 तथा ऊपरी व्यय तथा लेखापरीक्षा शुल्क पर लागू जीएसटी ₹3,00,000.00 (कुल शुल्क का अधिकतम 50%) है।”

यह भी संकल्प किया गया है कि मेसर्स नवनीत एण्ड कंपनी के ब्रांच कॉस्ट ऑडिटर के रूप में वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 के लिए एतद्वारा नियुक्त किए गए हैं। कंपनी (कॉस्ट रिकॉर्ड्स और ऑडिट) के नियमावली, 2014 के अनुसार कनिष्ठा एवं केंद्रीय कर्मशाला ईब वैली सहित तालचर कोलफील्ड्स के लागत रिकॉर्ड का लेखा-परीक्षण करने के लिए इसकी अवधि बढ़ाकर वर्ष 2020-21 और 2021-22 कर दी गई है जिसके लिए कुल लेखा परीक्षा शुल्क ₹3,98,000.00 तथा ऊपरी व्यय तथा लेखापरीक्षा शुल्क पर लागू जीएसटी ₹199,000.00 (अधिकतम 50%) है।”

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

ह/-

(ए. के. सिंह)

कंपनी सचिव पंजीकृत कार्यालय

जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर, ओडिशा - 768020

टिप्पणियाँ:

1. देश में व्याप्त कोविड 19 के कारण उत्पन्न महामारी के कारण वर्तमान असाधारण परिस्थितियों के मद्देनजर, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 जिसे कंपनी नियमावली (प्रबंधन एवं प्रशासन), 2014 के नियम 18 के साथ पढ़ा जाएँ, कारपोरेट मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार (किसी भी वैधानिक संशोधन या उसके लागू होने के बाद फिर से लागू करने सहित) द्वारा जारी सामान्य परिपत्र क्रमशः संख्या 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल, 2020, सामान्य परिपत्र संख्या 17/2020 दिनांक 13 अप्रैल, 2020 और सामान्य परिपत्र संख्या 17/2020 दिनांक 5 मई, 2020 एवं अन्य लागू कानून और विनियमों के प्रावधानों के अनुसार महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के सचिवीय लेखा परीक्षक सहित, शेयरधारकों निदेशकों और लेखा परीक्षकों को बैठक में भाग लेने और / या मत देने का अधिकार है। वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) या अन्य ऑडियो विजुअल साधनों (ओएवीएम) के माध्यम से बैठक में भाग ले सकते हैं और/या मतदान कर सकते हैं। बैठक में स्वीकार किए गए विषयों पर केवल cs.mcl@coalindia.in पर ई-मेल भेजकर अपनी सहमति या असंतोष व्यक्त कर सकते हैं। सदस्यों द्वारा प्रोक्सी की नियुक्ति की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। यद्यपि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 112 और 113 के अनुसरण में सदस्यों के प्रतिनिधियों को वीसी या ओएवीएम के माध्यम से भागीदारी और मतदान के लिए नियुक्त किया जा सकता है। वीसी या ओएवीएम के माध्यम से बैठक में भाग लेने के लिए, कंपनी के अधिकृत मेल आईडी से पहले ही भलीभाँति लिंक प्रदान कर दिया जाएगा। और बैठक में शामिल होने की सुविधा बैठक शुरू करने के निर्धारित समय से कम से कम 15 मिनट पहले खोल दी जाएगी और निर्धारित समय से 15 मिनट बाद भी बंद नहीं होगी।
2. शेयरधारकों से अनुरोध किया जाता है कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 101 (1) के प्रावधानों के अनुपालन में वार्षिक आम बैठक बुलाकर लिखित या इलेक्ट्रॉनिक तरीके से अपनी सहमति दें।
3. विशेष कार्य के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102 (1) के अनुसार प्रासंगिक विवरण, जैसा कि ऊपर दिया गया है, उसे भी संलग्न किया गया है।
4. 29 वें वार्षिक आम बैठक की तारीख से पहले, सभी अनिवार्य रजिस्ट्रार/दस्तावेजों के साथ-साथ अन्य अनिवार्य रजिस्ट्रार/दस्तावेजों के साथ निर्दिष्ट सभी दस्तावेज कार्य दिवसों के दौरान कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे।
5. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 171 (1) (खी) और 189 (4) के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी के प्रत्येक वार्षिक आम बैठक में आवश्यक रजिस्ट्रार निरीक्षण के लिए खुले रहेंगे जो बैठक में शामिल होने का अधिकार रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए निरंतर उपलब्ध होंगे।
6. निदेशकों की नियुक्ति/पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों के संबंध में संक्षिप्त प्रोफाइल और अन्य आवश्यक जानकारी, जैसा कि केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सामान्य बैठकों पर सचिवीय मानक के तहत आवश्यक है, इस नोटिस के साथ संलग्न है।

व्याख्यात्मक कथन
(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102(1) के अधीन)

मद सं. 1

विषय: वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए लागत लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक का निर्धारण।

भारत सरकार के राजपत्र प्रकाशन और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की अधिसूचना संख्या G.S.R. 430 (ई) दिनांक 3 जून, 2011 तथा कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के लागत लेखा परीक्षक शाखा, भारत सरकार द्वारा जारी आदेश F. No. 52/26 / CAB-2010 दिनांक 24 जनवरी, 2011 और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय, द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 52/26 / CAB- 2010 दिनांक 24 जनवरी, 2012 को कोयला उद्योग के संबंध में लागत लेखा परीक्षा अनिवार्य बनाने हेतु।

लेखा परीक्षा समिति की सिफारिश के आधार पर, निदेशक मंडल ने परिपत्र संकल्प सं. 34 (2020-21) दिनांक 22.09.2020 को वित्तीय वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 के लिए एमसीएल में लागत लेखा परीक्षा आयोजित करने के लिए निम्नलिखित फर्मों की नियुक्ति को मंजूरी दी। लागत लेखा परीक्षा और लागू वैधानिक करों / लेवी की प्रतिपूर्ति के लिए शुल्क की संरचना निम्नानुसार है:

1. मेसर्स गोयल एण्ड कंपनी सेंट्रल कॉस्ट ऑडिटर के रूप में वर्ष 2020-21 के लिए एतद्वारा नियुक्त किए गए हैं। कंपनी (कॉस्ट रिकॉर्ड्स और ऑडिट) के नियमावली, 2014 के अनुसार कंपनी मुख्यालय और उसकी इकाइयों, ईबवैली कोलफील्ड्स, बसुंधरा एवं केंद्रीय कर्मशाला ईब वैली के लागत रिकॉर्ड का लेखा-परीक्षण करने के लिए कुल लेखा परीक्षा शुल्क ₹ 6,00,000.00 तथा ऊपरी व्यय तथा लेखापरीक्षा शुल्क पर लागू जीएसटी ₹3,00,000.00 (कुल शुल्क का अधिकतम 50%) है।”

2. मेसर्स जितेंद्र नवनीत एण्ड कंपनी ब्रांच कॉस्ट ऑडिटर के रूप में वर्ष 2020-21 के लिए एतद्वारा नियुक्त किए गए हैं। कंपनी (कॉस्ट रिकॉर्ड्स और ऑडिट) के नियमावली, 2014 के अनुसार कनिहा एवं केंद्रीय कर्मशाला ईब वैली सहित तालचर कोलफील्ड्स के लागत रिकॉर्ड का लेखा-परीक्षण करने के लिए कुल लेखा परीक्षा शुल्क ₹3,98,000.00 तथा ऊपरी व्यय तथा लेखापरीक्षा शुल्क पर लागू जीएसटी ₹199,000.00 (अधिकतम 50%) है।”

कंपनी नियमावली (लेखा परीक्षा एवं लेखापरीक्षक), 2014 के नियम 14 जिसे कंपनी अधिनियम (2013) की धारा 148 (3) के साथ पढ़ा जाए, कंपनी अधिनियम के अनुसार लेखा परीक्षा समिति द्वारा अनुशंसित पारिश्रमिक को निदेशक मंडल द्वारा स्वीकार एवं अनुमोदित किया जाएगा और उसके बाद शेयरधारकों द्वारा मंजूरी दी जाएगी।

तदनुसार, सदस्यों से अनुरोध किया जाता है कि वे वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए लागत लेखा परीक्षकों को देय पारिश्रमिक की पुष्टि करें। कंपनी के किसी भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार किसी भी तरह से आर्थिक या अन्य रूप से संकल्प में नहीं हैं।

बोर्ड ने आपकी मंजूरी के लिए प्रस्ताव की सिफारिश की।

निदेशक मंडल के आदेशानुसार
कृते महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
ह/-
(ए. के. सिंह)
कंपनी सचिव

स्थान: संबलपुर
दिनांक: 10.08.2021

सामान्य वार्षिक बैठक में रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले और पुनर्नियुक्ति की मांग करने वाले निदेशकों का विवरण:

1) श्री केशव राव (DIN: 08651284):

श्री केशव राव आई. आई. टी बॉम्बे और आईआईएम, अहमदाबाद के पूर्व छात्र हैं। वे मानव संसाधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा धारक हैं। उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत निजी क्षेत्र में एक वर्ष का अल्प समय व्यतीत करने के बाद दो वर्ष के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड से की थी।

इसके बाद वे भारतीय दूरसंचार सेवा से जुड़े जहां उन्होंने लगभग छब्बीस वर्षों तक अपनी सेवा दी। अपने उन्तीस वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने परियोजना, प्रशासन, क्रय, आईटी कार्यान्वयन और विपणन आदि जैसे क्षेत्रों में कार्य किया है। दूरसंचार प्रौद्योगिकी होने के अलावा, वे मानव संसाधन और सतर्कता के क्षेत्र में पारंगत हैं।

वे 2010 से 2015 तक केंद्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली में निदेशक के रूप में कार्य कर चुके हैं। केन्द्रीय सतर्कता आयोग में निदेशक के रूप में, वे कोयला मंत्रालय के तहत सभी संगठनों के सतर्कता मामलों की जांच से गहन रूप से जुड़े थे और कई सतर्कता सुधारों के क्रियान्वयन में आयोग की सहायता की।

उन्होंने नागर विमानन मंत्रालय के तहत चार संगठनों यथा, पवन हंस लिमिटेड, डीजीसीए, आईजीआरयूए और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में भी कार्य किया है। बाद में बीएसएनएल में महाप्रबंधक (कार्मिक) के रूप में, उन्होंने लगभग 50,000 अधिकारियों के मानव संसाधन मामलों को संभाला है। उन्होंने कई वैश्विक समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे 03 महीने के भीतर 10,000 से अधिक पदोन्नति के लिए लंबे समय से लंबित मामलों का निपटारा संभव हुआ। उन्होंने एक नई पदोन्नति नीति तैयार करने में भी योगदान दिया।

उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों / सम्मेलनों में भाग लिया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को मानव संसाधन में प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने केन्द्रीय सतर्कता आयोग की पत्रिका विजआई वाणी के संपादक के रूप में कार्य किया है।

उन्होंने विभिन्न सरकारी संगठनों में अनुशासनात्मक कार्यवाही में देरी की जांच के लिए गठित दो समितियों का नेतृत्व किया और 2017 में सीवीसी द्वारा जारी सतर्कता संहिता के प्रारूपण समिति के सदस्य भी थे। उन्होंने दिल्ली एनसीआर के सतर्कता अध्ययन सर्कल के सचिव के रूप में भी कार्य किया। वे पिछले 8 वर्षों के दौरान कई संगठनों में एचआर और सतर्कता के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दे रहे हैं।

श्री राव ने दिनांक 18.12.2019 को निदेशक (कार्मिक), एमसीएल का कार्यभार ग्रहण किया है।

2) श्री बबन सिंह DIN 08745789:

श्री बबन सिंह ने वर्ष 1985 में इंडियन स्कूल ऑफ मैनेज्मेंट (आईएसएम), धनबाद से स्नातक किया और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की विभिन्न खुली और भूमिगत खानों में विभिन्न पदों और ग्रेड में अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का पालन करते हुए गहरा अनुभव प्राप्त किया है। श्री सिंह ने वर्ष 2013 में मानव संसाधन में एमबीए की उपाधि प्राप्त की और खनन के क्षेत्र में अपने ज्ञान का सदुपयोग किया है।

उन्होंने 2016 में कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा "एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद" में हुए "एमपावरिंग प्रोवेन लीडरशिप टू ड्राइव स्ट्रेटजिक रिन्यूअल फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ" विषय पर उन्नत प्रबंधन पाठ्यक्रम तथा अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में एसडीए बोकोनी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में प्रायोगिक शिक्षा विषय पर रोम, फ्लोरेंस, वेनिस, मिलानो, ज्यूरिख, पेरिस और एम्स्टर्डम के उद्योग दौरों में हिस्सा लिया। श्री सिंह ने 2018 में भारतीय प्रतिनिधि के रूप में चाइना माइनिंग कांग्रेस में भाग लिया है और प्रौद्योगिकी अंतरण के पद्धतियों की खोज करते हुए एचईएमएम और भूमिगत मशीनरी विनिर्माण के क्षेत्रों में चीनी निर्माताओं की क्षमता का आकलन करने हेतु उनके साथ परस्पर वार्ता की।

श्री सिंह ने विशेष रूप से महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, सामान्य रूप से कोल इंडिया लिमिटेड तथा समग्र रूप से भारत देश की बेहतरी के लिए उच्च जिम्मेदारियों का वहन करने हेतु 29 अप्रैल, 2020 को महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक(तकनीकी) का पदभार ग्रहण किया।

अध्यक्ष महोदय का वक्तव्य

सज्जनों,

मुझे महानदी कोलफील्ड्स की 29वीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) में आपका स्वागत करते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। वर्ष 2020-21 के लेखा परीक्षित रिपोर्ट, निदेशकों की रिपोर्ट के साथ ही साथ वैधानिक लेखा परीक्षक तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रिपोर्ट एवं समीक्षा, पहले ही आप तक परिचालित की गई है। आपकी अनुमति से, मैं यह मानता हूँ कि आपने उन्हें पढ़ लिया है।

राष्ट्र की बढ़ती ऊर्जा मांग के अनुरूप, एमसीएल उत्पादन बढ़ाने, निरंतर विकास के साथ उत्पादकता और समाज के समावेशी विकास के साथ स्वच्छ कोयले की आवश्यकता को पूरा करने हेतु कोयला उत्पादन और उत्पादकता पर जोर दे रहा है। आपकी कंपनी राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान की नई परिभाषा गढ़ रही है।

वित्तीय वर्ष 2020-21 एमसीएल के लिए एक और चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा है। विषमताओं के बावजूद, अपने सर्वोत्तम कार्यों और परिचालन उत्कृष्टता के कारण एमसीएल, सीआईएल के सर्वश्रेष्ठ अनुषंगी कंपनियों में से एक के रूप में उभरा है। एमसीएल ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के अपने उच्चतम कोयला उत्पादन 144.15 मैट्रिक टन के मुकाबले 5.5% की वृद्धि के साथ इस वर्ष 148.01 मैट्रिक टन उत्पादन करके कोयला उत्पादन में एक नया शिखर हासिल किया। एमसीएल में अपनी स्थापना के बाद से यह अब तक का सर्वाधिक कोयला उत्पादन है।

एमसीएल ने पर्यावरण हितैषी सरफेस माइनर के माध्यम से 139 मिलियन टन (94%) का सर्वोत्तम कोयला उत्पादन भी हासिल किया, जो सीआईएल की सभी अनुषंगी कंपनियों में सबसे अधिक है। सरफेस माइनर के माध्यम से कोयले का उत्पादन, परम्परागत खनन प्रक्रिया अर्थात् ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और क्रशिंग में उपयोग किए जाने वाले वायु प्रदूषणकारी इकाई के संचालन को पूरी तरह से समाप्त कर देता है। सीआईएल की अनुषंगियों में सरफेस माइनर द्वारा औसत कोयला उत्पादन 50% से कम है।

एमसीएल ने वित्तीय वर्ष 2017-18 के 138.18 मिलियन क्यूबिक मीटर की सर्वोत्तम उपलब्धि के मुकाबले वर्तमान वित्तीय वर्ष में 173.15 मिलियन क्यूबिक मीटर की उपलब्धि के साथ एमसीएल के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक ओबीआर हासिल किया। इसमें गत वर्ष के मुकाबले 40.1% की वृद्धि दर्ज की गई।

आपकी कंपनी ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक का सर्वाधिक 146.71 मिलियन टन कोयले का प्रेषण किया है। 2016-17 के दौरान अंतिम सर्वोत्तम प्रेषण 143 मिलियन टन था। एमसीएल ने पर्यावरण हितैषी साधनों जैसे रेल, एमजीआर और बेल्ट (112.31 मैट्रिक टन, जो लगभग 77% है) के माध्यम से उच्चतम ऑफ-टैक दर्ज किया है।

एमसीएल ने विभिन्न कठिनाइयों और प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद सीआईएल में ₹. 6872.35 करोड़ कर पश्चात लाभ (पीएटी) का सबसे अधिक लाभ अर्जित किया है। यह आपके सतत सहयोग और बहुमूल्य मार्गदर्शन

से संभव हो पाया है। आपके सतत विश्वास और सद्भावना ने हमें सदैव प्रेरित किया है तथा यह हितधारकों और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में मार्गदर्शक रहा है।

1. कोयला - भारत में ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत :

कोयला भारत में ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान भारत में कुल विद्युत उत्पादन 13,81,827 मिलियन यूनिट (एमयू) था, जिसमें से ताप स्रोतों से विद्युत 10,32,395 मिलियन यूनिट (75%), नवीकरणीय स्रोतों के माध्यम से विद्युत उत्पादन 1,47,387 मिलियन यूनिट (10.6%), कोयला और लिग्नाइट संसाधनों के माध्यम से विद्युत उत्पादन 9,81,442 मिलियन यूनिट था। सौर माध्यम से विद्युत उत्पादन 59,084 मिलियन यूनिट (4.27%) था।

भारत में कोयला जीवाश्म ईंधन के रूप में सबसे महत्वपूर्ण और प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। यह देश की 55% ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करता है। देश की औद्योगिक परंपरा स्वदेशी कोयले पर बनी थी। पिछले चार दशकों में भारत में वाणिज्यिक प्राथमिक ऊर्जा खपत में लगभग 700% की वृद्धि हुई है। भारत में वर्तमान प्रति व्यक्ति वाणिज्यिक प्राथमिक ऊर्जा खपत लगभग 350 किग्रा/वर्ष है, जो विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। बढ़ती आबादी, अर्थव्यवस्था के विस्तार और जीवन की बेहतर गुणवत्ता की तलाश से प्रेरित, भारत में ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि होने की संभावना है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की सीमित भंडार क्षमता, जलविद्युत परियोजना पर पर्यावरण संरक्षण प्रतिबंध और परमाणु ऊर्जा की भू-राजनीतिक धारणा को ध्यान में रखते हुए, कोयला भारत के ऊर्जा क्षेत्र के केंद्र में बना रहेगा।

भारतीय कोयला अगली सदी और उससे आगे घरेलू ऊर्जा बाजार के लिए एक अद्वितीय पर्यावरण अनुकूल ईंधन स्रोत प्रदान कर रहा है। भारतीय कोयला अगली सदी और उससे आगे के लिए घरेलू ऊर्जा बाजार के लिए एक अद्वितीय पर्यावरण अनुकूल ईंधन स्रोत प्रदान करता है। 27 प्रमुख कोलफील्ड्स में व्यास कठोर कोयले के भंडार मुख्य रूप से देश के पूर्वी और दक्षिण मध्य भागों तक ही सीमित हैं। लिग्नाइट का भंडार लगभग 36 बिलियन टन है जिसमें से इसका 90% दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में है।

कोयले का प्राचुर्य, उपलब्धता और सामर्थ्य ही इसे एक मुख्य ऊर्जा ईंधन बनाता है। हमारे देश में जीवाश्म संसाधनों के 97% कोयले से प्राप्त होता है। राष्ट्रीय कोयला सूची के अनुसार 68 कोयलांचलों में 1200 मीटर की गहराई तक 326.495 बिलियन टन (बीटी) कठोर कोयला संसाधन है।

ओडिशा के तालचेर और ईब-वैली कोलफील्ड्स तापीय श्रेणी के नॉन - कोकिंग कोयले का विशाल भंडार गृह है। भारत में कोयला भंडार में झारखंड के बाद दूसरा स्थान ओडिशा का है। ओडिशा में कुल कोयले भंडार का 80.840 बिलियन टन का अनुमान लगाया गया है, जो कुल राष्ट्रीय कोयला भंडार का लगभग 24.76% है। ओडिशा के दो कोलफील्ड्स, तालचेर और ईब-वैली कोलफील्ड्स एमसीएल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। तालचेर भारत का सबसे बड़ा कोलफील्ड्स (51.220 बिलियन टन) तथा ईब-वैली कोलफील्ड्स भारत का तीसरा सबसे बड़ा (29.619 बिलियन टन) कोलफील्ड्स है।

2. वित्तीय वर्ष 2020-21 में एमसीएल की उपलब्धियाँ

- ❖ कोयला उत्पादन : एमसीएल ने वित्त वर्ष 2018-19 में 144.15 मिलियन टन के अपने पिछले सर्वाधिक कोयला उत्पादन को पार करते हुए 5.5% की वृद्धि के साथ इस वर्ष 148.01 मिलियन टन का सर्वाधिक कोयला उत्पादन हासिल किया।
- ❖ वित्त वर्ष 2017-18 में अपने पिछले 138.18 मिलियन क्यूबिक मीटर के ओबी रिमूवल को पार करते हुए 40.1% की वृद्धि के साथ इस वर्ष 173.15 मिलियन क्यूबिक मीटर का सर्वश्रेष्ठ ओबी रिमूवल हासिल किया।
- ❖ वित्त वर्ष 16-17 में अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 143.01 मिलियन टन के उत्पादन के मुकाबले 8.9% की वृद्धि के साथ इस वर्ष 146.71 मिलियन टन का उत्पादन करके अब तक का सर्वाधिक प्रेषण हासिल किया।
- ❖ अपने 168.44 करोड़ के लक्ष्य के संबंध में 121.71% की उपलब्धि के साथ सीआईएल की सभी अनुषंगियों के बीच सर्वाधिक सीएसआर व्यय रु. 205.34 करोड़ है।
- ❖ दिनांक 9 दिसंबर 2020 को 5.33 लाख टन के संचयी प्रेषण के साथ एक दिन में अब तक का सर्वाधिक कोयला प्रेषण हासिल किया।
- ❖ दिनांक 9 दिसंबर को प्रेषित 101 रैक (रेल द्वारा 3.75 लाख टन) के साथ एक ही दिन में सर्वाधिक रैक आपूर्ति हासिल की।
- ❖ 3,277 करोड़ के कुल व्यय पर प्रदूषण मुक्त अत्याधुनिक रैक लोडिंग सिस्टम प्रदान करने के लिए एमसीएल में 9 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं, जो 126 मैट्रिक टन/वर्ष की क्षमता उत्पन्न करेगी। इसमें से लिंगराज साइलो को शुरू किया गया है, भुवनेश्वरी, हिंगुला और लखनपुर में निर्माण कार्य प्रगति पर है और शेष 6 परियोजनाओं को कार्य सौंपा गया है।
- ❖ वित्त वर्ष 20-21 में सीआईएल की सभी अनुषंगियों में उच्चतम कैपेक्स उपलब्धि 2371.33 करोड़ है।
- ❖ एमसीएल ने धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने और आग से निपटने के लिए खनन कार्यों में रोबोटिक हस्तक्षेप करते हुए रोबोटिक नोज़ल को लागू किया है। इसके अलावा धूल प्रदूषण से निपटान के लिए 40 मीटर श्रो की 18 मोबाइल फॉग कैनन, कोयला खदान में 100 मीटर श्रो-1 की 100 फॉग कैनन, 21 रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई गईं।

- ❖ एमसीएल के हिंगुला खदान में पहली बार वर्टिकल रिपर के माध्यम से ब्लास्ट-फ्री ओवरबर्डन रिमूवल की शुरुआत की गई। इससे ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और सेकेंडरी क्रशिंग/ब्रेकिंग की आवश्यकता पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।
- ❖ सीआईएल के मार्गदर्शन में 21 जनवरी, 21 को एमसीएल में ईआरपी की शुरुआत हुई।
- ❖ एमसीएल ने एमएसएमई के लिए ऑनलाइन बिल ट्रेकिंग की शुरुआत की, जो रियल टाइम बिल ट्रेकिंग कर निर्धारित समय के भीतर बिलों के भुगतान के लिए सहायक होगी, ताकि सभी लंबित बकाया का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जा सके।
- ❖ तालचेर और ईब-वैली कोलफील्ड्स में "5 महात्मा गांधी उद्यान" का शुभारंभ किया गया, जहां 10 हेक्टेयर भूमि पर 5,500 से अधिक पेड़ उगाये जाएंगे।
- ❖ वन महोत्सव के अवसर पर भारत के माननीय गृह मंत्री द्वारा भूमिगत खदान में खान पर्यटन एवं लीलारी ओसीपी के परित्यक्त खदान में ईको पार्क के निर्माण का उद्घाटन किया गया।

2. वित्तीय कार्य -निष्पादन :

एमसीएल सरकार के राजकोष में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। एमसीएल ने रॉयल्टी, उपकर, वस्तु एवं सेवा कर, जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर, एनएमईटी, डीएमएफ, आयकर तथा अन्य लेवी के लिए रु.10,662.31 करोड़ का भुगतान किया है।

समीक्षित वर्ष में कर पश्चात लाभ रु. 6,872.35 करोड़ रुपये रहा है। आपकी कंपनी ने रु.6,025 करोड़ के लाभांश की अनुशंसा की है। रु.800 करोड़ की राशि को तीसरे और अंतिम लाभांश के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव है, जो वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।

3. विकास हेतु कार्यनीतियाँ :

एमसीएल को आने वाले वर्ष में चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों का सामना करना पड़ रहा है। हम एमसीएल में भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए चुनौतियों का सामना करने हेतु प्रतिबद्ध हैं। भविष्य में अपने ऑफटेक और उत्पादन में वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए, एमसीएल ने निम्नलिखित बहु-आयामी कार्यनीतियाँ तैयार की हैं :-

क) एमडीओ - 85 एमटीपीए की क्षमता के साथ कुल 3 एमडीओ परियोजना की योजना बनाई गयी है जिसमें सिआरमल 50 एमटीपीए, सुभद्रा 25 एमटीपीए और बलभद्र 10 एमटीपीए के साथ शामिल है। इसके अलावा 102.5 एमटीपीए की 3 विस्तार परियोजना अर्थात भुवनेश्वरी 50 एमटीपीए, गोपालजी-कनिहा 37.5

एमटीपीए तथा बलराम 15 एमटीपीए परियोजनाओं की योजना बनाई जा रही है, जो निकट भविष्य में चालू हो जाएंगी।

ख) झारसुगुडा-सरडेगा रेल लाइन का दोहरीकरण : इस परियोजना में 53 कि. मी. की झारसुगुडा-सरडेगा रेल लाइन का दोहरीकरण, झारसुगुडा और बरपाली लूप में तथा कुल 70 एमटीपीए की क्षमता वाले 7 संकेंद्रित रेल लाइन और 7 आरएलएस के साथ डबल-लेन रेल फ्लाईओवर शामिल हैं। पूरी परियोजना की अनुमानित लागत रु. 3300 करोड़ है।

ग) क्रिटिकल रेलवे लिंक - देश की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने हेतु रेल द्वारा कोयले की निर्बाध आपूर्ति के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान देने के साथ आपकी कंपनी ने भारतीय रेलवे और ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी कर संयुक्त उद्यम / विशेष प्रयोजन माध्यम साधन यानि एम.सी.आर.एल. का गठन किया है। एमसीआरएल ने अंगुल-बलराम रेल लिंक की पहली परियोजना (चरण- I) के रूप में 'इनर कॉरिडोर' के कार्य की शुरुआत की है। एमसीआरएल के माध्यम से चिन्हित परियोजनाएं हैं :

चरण-I (क) : अंगुल-बलराम लिंक (लंबाई -13 कि.मी.)

चरण-I (ख) : बलराम-जारपाड़ा कनेक्टिविटी जिसमें पुदुगडिया-टेंदुलोई लिंक शामिल है (इनर कॉरिडोर) - 55 कि.मी.

चरण-II: जरापाड़ा-बुधापंक वाया टेंदुलोई (आउटर कॉरिडोर) - 136 कि.मी.

खदान बैकफील्ड क्षेत्र के माध्यम से 'Y' कर्व की शिफ्टिंग के अतिरिक्त, लिंगराज एमजीआर साइडिंग के साथ देउलबेड़ा साइडिंग को जोड़ना, आदि कुछ प्रमुख रेल परियोजनाएँ एमसीएल द्वारा की जा रही हैं।

घ) भूमि का अधिग्रहण और अधिकार : वर्ष 2020-21 के दौरान, एमसीएल ने 275.02 हेक्टेयर भूमि पर भौतिक अधिकार प्राप्त किया है।

ड) वेब आधारित ऑन लाइन मॉनिटरिंग सिस्टम : मुख्यालय तथा क्षेत्रीय स्तर पर कोलनेट एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के विभिन्न मॉड्यूल जैसे कि वित्तीय सूचना प्रणाली (एफआईएस), कार्मिक सूचना प्रणाली (पीआईएस), पेट्रोल, विपणन एवं विक्रय, सामग्री प्रबंधन प्रणाली, उत्पादन सूचना प्रणाली और उपकरण नियंत्रण प्रणाली कार्यरत हैं। कोलनेट एप्लिकेशन के सभी मॉड्यूल मुख्यालय स्थित केंद्रीय सर्वर पर कार्य कर रहे हैं। कोलनेट प्रणाली में कुछ विविध मॉड्यूल भी जोड़े गए हैं जिनमें बिल ट्रैकिंग सिस्टम, फाइल ट्रैकिंग सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक कैपिटल फंड मैनेजमेंट सिस्टम (ई-कैपेक्स), ऑनलाइन कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट सिस्टम, के साथ-साथ अनुबंधित श्रमिकों की तस्वीरों के साथ विस्तृत जानकारी पाने के लिए कार्मिक सूचना प्रणाली, उत्पादकता सुधार योजना के तहत भुगतान के लिए प्रोत्साहन की गणना, आवधिक चिकित्सा परीक्षा, निविदाओं का विवरण और रु. 2 लाख से कम के संविदागत कार्य, कोयलेनेट में हॉलिडे होम की ऑनलाइन बुकिंग आदि भी शामिल हैं।

च) प्रौद्योगिकी विकास : एमसीएल, संस्था निर्माण कार्य में अग्रणी है और जब सरफेस माइनर के प्रयोग की या खरीद या अन्य संविदाओं के लिए निविदा की ई-मोड की बात हो, तो यह सीआईएल की अन्य अनुषंगी कंपनियों से विशिष्ट है। विस्फोट-मुक्त प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सरफेस माइनर के माध्यम से लगभग 94% कोयला

उत्पादन किया जाता है। असफल बोलीदाताओं के लिए ईएमडी की ऑटो रिफंड शुरू करने वाली एमसीएल भारत की पहली कंपनी है। एमसीएल कोलनेट के माध्यम से ई-कैपिटल फंड मैनेजमेंट सिस्टम को लागू करने और अनुरक्षण करने वाली भी पहली कंपनी है। एमसीएल सभी खानों में हायरिंग मोड पर 40-50 मीटर थ्रो की दूरी पर मोबाइल फॉग कैनन की शुरुआत करने वाली पहली कंपनी है। एमसीएल 37 केडब्ल्यू ब्लोअर फैन और 15 एचपी पंप वाले रॉबर्ट्स डिजाइन और विनिर्देशन के साथ 100 एमटीआर फिक्स थ्रो टाइप फॉग की खरीद करने वाली पहली कोयला कंपनी भी है। एमसीएल पुनः रोबोटिक नोजल की शुरुआत करने वाली पहली कोल कंपनी है, जो धूल के दमन / अग्निशमन / हाइड्रोलिक दबाव के माध्यम से हार्ड कटार्ड, आदि के लिए एक अभिनव डिजाइन है।

छ) नवोन्मेष प्रकोष्ठ (इनोवेशन सेल) की स्थापना : सर्वोत्तम अभ्यासों के साथ पर्यावरण अनुकूल और सतत खनन हेतु नवीन आधुनिक प्रौद्योगिकियों और प्रणाली की शुरुआत के लिए, आपकी कंपनी ने इनोवेशन सेल की स्थापना की है, जिसने कंपनी के समक्ष आने वाली समस्याओं के नवीन समाधान के लिए काम करना शुरू कर दिया है।

ज) ओपरेटर इंडिपेंडेंट ट्रक डिस्पैच सिस्टम (ओआईटीडीएस) :

एमसीएल की तीन खुली परियोजनाओं यानि बलराम, लिंगराज और भरतपुर ओसीपी में संस्थापित ओआईटीडीएस सफलतापूर्वक चल रहे हैं। कुल 137 एचईएमएम ओआईटीडीएस के लिए उपकरण के साथ लगाए गए हैं।

झ) सीसीटीवी निगरानी प्रणाली :

i) आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय, बुर्ला के कार्यालय परिसर में 71 कैमरों की सीसीटीवी निगरानी प्रणाली स्थापित की है, जिसका उपयोग कॉर्पोरेट कार्यालय की सुरक्षा वृद्धि के लिए किया जा रहा है।

ii) आपकी कंपनी ने सभी क्षेत्रीय / केंद्रीय भंडार, एमसीएल के केंद्रीय कार्यशालाओं में 376 कैमरों के सीसीटीवी निगरानी प्रणाली स्थापित किए हैं।

iii) एमसीएल के सभी क्षेत्रों में एमसीएल के विभिन्न परियोजनाओं में विभिन्न अरक्षित स्थानों पर जैसे - सभी खदानों के प्रवेश और प्रस्थान द्वार पर, कोल स्टॉक, कोल सैम्पलिंग लैब्स आदि कई स्थानों पर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

iv) आपकी कंपनी ने 21 रेलवे साईडिंग में सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं।

v) आपकी कंपनी ने 90-इन-मोशन और स्टैटिक रोड में स्टिल-शॉट आईपी कैमरे तथा 112 बे-ब्रिजों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं।

VI) आपकी कंपनी ने एक व्यापक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की स्थापना के लिए पहल की है, जिसमें खानों के प्रवेश / निकास, द्वार पर बारूद गृह एचईएमएम कार्यशालाओं, डीजल वितरण स्टेशनों और अनधिकृत गतिविधि की संभावना को कम करने के लिए, परियोजनाओं के अन्य कमजोर बिंदुओं पर सुरक्षा वृद्धि तथा अनधिकृत वाहनों एवं कर्मियों के प्रवेश को रोकने के लिए 2469 कैमरे शामिल हैं।

ज) 24x7 असीमित संचार को न्यूनतम लागत पर सक्षम बनाने हेतु ओडिशा राज्य में एमसीएल के सभी संगठनों की विभिन्न इकाइयों में सेवा प्रदान करने के लिए एमसीएल के सभी अधिकारियों, जेसीसी सदस्यों, प्रमुख कर्मचारियों, रेलवे साइडिंग अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों, बचाव ब्रिगेड कार्मिकों और खान बचाव स्टेशनों के ड्राइवरों, को मोबाइल सीयूजी सुविधा प्रदान की गई है, जिससे एमसीएल के संचार के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सके। मौजूदा सीयूजी योजनाओं को कंपनी को किसी भी अतिरिक्त वित्तीय लागत के बिना सभी अधिकारियों को असीमित डेटा और बात करने के लिए उन्नत किया गया है।

ट) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली :

प्रमुख प्रबंधन कार्मिक द्वारा त्वरित और सहयोगी निर्णय लेने हेतु सीआईएल के निजी नेटवर्क के साथ-साथ इंटरनेट (सार्वजनिक नेटवर्क) पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठकें आयोजित करने के लिए एमसीएल मुख्यालय, संबलपुर और एमसीएल कार्यालय, भुवनेश्वर में एक एंटरप्राइज ग्रेड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम स्थापित किया गया है। यह प्रणाली लाइसेंस प्राप्त उच्च ग्रेड मल्टी कांफ्रेंस यूनिट और एमसीएल के क्लाउड सर्वर पर चलती है, जो संसाधनों की गोपनीयता और उपलब्धता सुनिश्चित करती है।

आपकी कंपनी द्वारा क्लाउड आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंस सेवाएं भी क्रय की गई हैं, जिसका उपयोग स्मार्टफोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप के साथ-साथ वीसी एंड पॉइंट्स का उपयोग करके घर या कार्यालय से बड़े पैमाने पर कार्य करने में किया गया है। आपकी कंपनी द्वारा 2020-21 में इन संसाधनों का उपयोग करके हजारों वीडियो कॉन्फ्रेंस, साक्षात्कार, बैठकें, प्रशिक्षण, वेबिनार, कार्यक्रम आदि निष्पादित किए गए हैं।

इन संसाधनों ने यात्रा लागत के साथ-साथ कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और अन्य कर्मचारियों की यात्रा के अनगिनत घंटों में करोड़ों रुपये की बचत की है।

ठ) लीज्ड लाइनों का उपयोग कर हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी :

आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय, एमसीएल भुवनेश्वर कार्यालय, एमसीएल के क्षेत्रों (सीडब्ल्यूएस तालचौर, सीडब्ल्यूएस ईब-वैली और एनएससीएच तालचौर सहित) में लीज्ड लाइनों का उपयोग करके हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी स्थापित की है। इन हाई स्पीड लिंक का उपयोग निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के साथ-साथ बीएसएनएल, रेलटेल (आरसीआईएल) और पावर ग्रिड (पीजीसीआईएल) की

सेवाओं का उपयोग करके एमसीएल में अन्य बैंडविड्थ व्यापक अनुप्रयोगों जैसे एमसीएल वेबसाइट, वीडियो एप्लिकेशन और डेटाबेस सर्वर, सीसीटीवी कैमरों की स्ट्रीमिंग आदि की मेजबानी के लिए किया जाता है।

ड) फाइलों के लिए यूवी आधारित सैनिटाइजर कैबिनेट :

कोविड -19 महामारी के चरम के दौरान, आपकी कंपनी ने 07 यूवी आधारित सैनिटाइजर कैबिनेट खरीदे और स्थापित किए हैं, जिनका उपयोग सेंट्रल डिस्पैच, एमसीएल मुख्यालय के साथ-साथ एमसीएल के सीएमडी, निदेशकगणों और सीवीओ के सचिवालयों में प्राप्त कागजात और फाइलों को सैनिटाइज करने के लिए किया जाता है। इससे आपकी कंपनी को आंतरिक संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद मिली है।

ढ) तीव्र और अधिक जानकारीपूर्ण निर्णय लेने एवं 24x7 संचार और सूचना चैनल सुनिश्चित करने हेतु तथा ऑन-द-गो इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए आपकी कंपनी ने कार्यालय एवं आवासीय कार्यालयों में बीएसएनएल ब्रॉडबैंड/एफटीएचएच (फाइबर टू द होम) के अलावा एमसीएल मुख्यालय के सभी निदेशकों, सीवीओ और विभागाध्यक्ष के अलावा कुछ अन्य अधिकारियों को हाई स्पीड वायरलेस इंटरनेट हॉटस्पॉट प्रदान किया है। इंटरनेट कनेक्टिविटी में इन सभी विकास ने दैनिक संचार को कागजों से इलेक्ट्रॉनिक मोड में स्थानांतरित कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप समय और संसाधनों की बचत हुई है।

ण) सीएसआर सॉफ्टवेयर मॉड्यूल का विकास :- सीएसआर गतिविधियों की बेहतर निगरानी के लिए एक नए मॉड्यूल की योजना बनाई जा रही है ताकि सीएसआर गतिविधियों के लिए निर्धारित राशि के उपयोग की निगरानी आसान हो सके। मॉड्यूल को मुख्यालय और क्षेत्रों में किए गए विभिन्न सीएसआर गतिविधियों के विभिन्न चरणों की रियल टाइम की निगरानी के लिए मौजूदा कोलनेट एप्लिकेशन के साथ मॉड्यूल को एकीकृत किया जाना चाहिए।

त) एसएपी ईआरपी का कार्यान्वयन - पहले चरण में एमसीएल में एसएपी ईआरपी को कार्यान्वित किया गया है तथा इसमें (1) विपणन एवं विक्रय , (2) सामग्री प्रबंधन (3) संयंत्र रखरखाव, (4) मानव संसाधन प्रबंधन , (5) वित्त (अकाउंटिंग एंड कंट्रोलिंग), (6) उत्पादन योजना, (7) परियोजना प्रणाली की गतिविधियां शामिल होंगी। ईआरपी टीम के गठन जैसी सभी आवश्यक गतिविधियाँ चल रही हैं जिनमें विषय -वस्तु विशेषज्ञ, कोर टीम के सदस्य, प्रशिक्षण, मास्टर डेटा तैयारी आदि शामिल हैं।

4. ग्राहक संतुष्टि : एमसीएल ने विभिन्न बिजली घरों (पावर हाउसों) के साथ-साथ अन्य उपभोक्ताओं की उपभोक्ता संतुष्टि को पूरा करने हेतु विभिन्न आकार और गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति के लिए कई उपाय किए हैं। वर्ष के दौरान किए गए उपाय इस प्रकार हैं:

- 1) एमसीएल में वर्ष 2020-21 के दौरान लगभग 94% कोयला उत्पादन सरफेस माइनर के उपयोग द्वारा द्वारा चयनित खनन के माध्यम से प्राप्त किया गया। इससे 78% (अनंतिम) के स्तर पर ग्रेड अनुरूपता बनाए रखने में मदद मिली है।
- 2) कोयला मंत्रालय के निर्देश पर, कोयला नियंत्रक संगठन, कोलकाता ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान एमसीएल की 14 सबसे अधिक उत्पादन करने वाली कोयला खदानों का ग्रेड सत्यापन किया है। तदनुसार, एमसीएल की 14 खदानों के सीम, साइडिंग, डिस्पैच पॉइंट की ग्रेड घोषणा का कार्य पूरा कर लिया गया है।
- 3) उपभोक्ता प्रेषित माल के नमूने में पारदर्शिता और उपभोक्ता संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए सीआईएमएफआर और भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) जैसे प्रतिष्ठित संगठनों को बिजली क्षेत्र और गैर-विद्युत उपभोक्ताओं के कोयले के प्रेषण के तीसरे पक्ष के नमूने के लिए नियोजित किया गया है।
- 4) वर्ष के दौरान, लखनपुर, बसुंधरा, ईब-वैली, हिंगुला, जगन्नाथ और भरतपुर क्षेत्रों को नमूना तैयार करने के उपकरण, अर्थात् क्रशर और पल्वराईज़र प्रदान किए गए हैं। परिणामस्वरूप एमसीएल के पास कोयले के नमूने तैयार करने की 100% क्षमता है। इसके अलावा, कोयला उत्पादन और प्रेषण में वृद्धि के कारण भविष्य में नमूने की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने हेतु कोयले के नमूनों की तैयारी और विश्लेषण के लिए उपकरणों के अतिरिक्त सेट उपलब्ध कराने और निर्बाध नमूना की तैयारी और विश्लेषण करने के लिए आपातकालीन प्रबंध के रूप में कार्य करने के लिए भी पर्याप्त कार्रवाई की गई है।
- 5) कोयला सैंपलिंग के लिए कोयले के नमूनों के संग्रह और तैयारी का पर्यवेक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसलिए एमसीएल के लोडिंग पॉइंट्स पर पर्याप्त पर्यवेक्षण प्रदान करने के लिए योग्य विभागीय कर्मचारियों में से 06 तकनीकी निरीक्षकों का चयन किया गया था।
- 6) विभिन्न क्षेत्रों अर्थात् ईब वैली, लखनपुर, ओरिएंट, बसुंधरा, जगन्नाथ, लिंगराज, भरतपुर, हिंगुला और कनिहा क्षेत्र में कुल नौ कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाएँ हैं। ईब-वैली, भरतपुर, जगन्नाथ, हिंगुला, कनिहा, लखनपुर और लिंगराज क्षेत्रों की सात कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाओं को एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है। बसुंधरा क्षेत्र और ओरिएंट क्षेत्र की कोयला विश्लेषण प्रयोगशाला की एनएबीएल मान्यता के लिए एनएबीएल को आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं, जिसकी शीघ्र ही लेखा परीक्षा की जाएगी।
- 7) एमसीएल की कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाओं में कोयले के नमूनों के विश्लेषण में केमिस्टों की पर्याप्त संख्या और उनकी क्षमता महत्वपूर्ण कारक हैं। अतः वर्ष के दौरान केमिस्ट का काम करने के लिए विभागीय कर्मचारियों में से 06 योग्य केमिस्टों का चयन किया गया। वर्ष के दौरान 07 केमिस्टों ने आईएसओ/आईईसी के अनुसार प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और आंतरिक लेखा परीक्षा पर

दिनांक 19.01.21 से 22.01.21 तक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रीय परीक्षण प्रयोगशाला (पूर्व), सेंटर फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्ट इंजीनियरिंग (सीईटीई), कोलकाता में ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- 8) गुणवत्ता विभाग द्वारा नियमित रूप से कामकाज, साइडिंग और कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की विसंगति या गलती पाए जाने पर सुधारात्मक उपाय करने हेतु संबंधित क्षेत्र को सूचित किया जाता है।
- 9) ग्राहकों को -100 मिमी आकार के कोयले की आपूर्ति के लिए उचित व्यवस्था की गई है। इसके लिए, पारंपरिक माध्यम द्वारा निकाले गए कोयले को रेल, बेल्ट और एमजीआर द्वारा प्रेषण के लिए सीएचपी और एफबी द्वारा क्रश किया गया।
- 10) एक अभिनव उपाय के रूप में, एमसीएल कोलनेट में तृतीय पक्ष नमूनाकरण के परिणामों की प्रविष्टि और ग्रेड भिन्नता के कारण डेबिट/क्रेडिट नोट जारी करने के लिए दिनांक 1 अप्रैल, 2020 से एक "गुणवत्ता मॉड्यूल" विकसित किया गया है। इसने तृतीय पक्ष नमूनाकरण के डेटा प्रबंधन और उपभोक्ताओं को समय पर डेबिट/क्रेडिट नोट जारी करने की पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को संतुष्टि हुई है।
- 11) कोयले के उत्पादन और प्रेषण में शामिल कर्मचारियों के बीच 'कोयले की गुणवत्ता' पर जागरूकता के विस्तार के लिए दिनांक 27.04.20 से 02.05.20 और 30.11.20 से 05.12.20 तक सभी क्षेत्रों, परियोजनाओं, खानों, रेलवे साइडिंग आदि में गुणवत्ता सप्ताह मनाया गया।
- 12) जमीनी स्तर के कर्मचारियों, जैसे विभागीय/संविदा पे लोडर ऑपरेटरों, सर्वेस माइनर ऑपरेटरों, कोल फेस सुपरवाइजर, कोल लोडिंग सुपरवाइजर, कोल फेस ओवरमैन और माइनिंग सरदार, कोल प्रभारी, प्रेषण प्रभारी, साइडिंग प्रभारी, परियोजना और क्षेत्र के कोयला उत्पादन की देखभाल करने वाले शिफ्ट प्रभारी और उपभोक्ता प्रतिनिधि को शामिल करते हुए कोयला उत्पादन और प्रेषण में शामिल सभी कर्मियों के बीच जागरूकता फैलाने हेतु नियमित रूप से सभी क्षेत्रों में कोल गुणवत्ता पर जागरूकता बैठकें आयोजित की जाती हैं।
- 13) ग्राहक-संतुष्टि में सुधार के लिए विभिन्न उपभोक्ता के साथ नित्य चर्चा की जाती है।

5. पर्यावरण पहल :-

आपकी कंपनी ने पूरे सीआईएल में 50% से कम की औसत उपलब्धि की तुलना में 94 % के बराबर पर्यावरण हितैषी सर्वेस माइनर द्वारा सर्वोच्च मात्रा में कोयले का उत्पादन किया है। परिवहन में भी आपकी कंपनी ने पर्यावरण हितैषी माध्यम रेल, वाहन, वाशरी मोड के माध्यम से 77% कोयले का और शेष 23% सड़क के माध्यम से कोयले का प्रेषण किया है। आवासीय क्षेत्रों में धूल, प्रदूषण को कम करने के लिए, घनी आबादी

वाले क्षेत्रों को छोड़कर अलग अलग कोयला गलियारे के निर्माण हेतु आपकी कंपनी ने आवश्यक कदम उठाए हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करने हेतु आपकी कंपनी ने आनंद विहार, बुर्ला, संबलपुर में 02 मेगावाट फोटोवोल्टिक सौर ऊर्जा संयंत्र सफलतापूर्वक स्थापित किया है और यह 22 लाख इकाई/वर्ष की बिजली का उत्पादन कर रहा है। पर्यावरण संधारणीय कोयला खनन को बढ़ावा देने के लिए निदेशक तकनीकी (परियोजना और योजना), एमसीएल के नियंत्रण में 'सतत विकास प्रकोष्ठ'(एसडीसी) का गठन एमसीएल स्तर पर किया गया है।

सतत विकास प्रकोष्ठ में होने वाली गतिविधियों के रूप में अन्य बातों के साथ साथ निम्नानुसार शामिल हैं।

1. प्रभावी धूल दमन हेतु एमसीएल की सभी खुली खदानों में, प्रत्येक परियोजना में कम से कम 01 मोबाइल फॉग कैनन का नियोजन।
2. वैगन लोडिंग संचालन के दौरान और खदान कार्य क्षेत्र में प्रभावी धूल शमन हेतु कोयले के रेलवे साइडिंग में और सभी खानों/क्षेत्रों के ओबी फेसेस पर न्यूनतम 100 मीटर श्रो की स्थायी फॉग कैनन का नियोजन।
3. पक्की सतहों और सड़क के किनारों आदि से धूल की निकासी के लिए हायरिंग के आधार पर सभी खानों में मैकेनिकल रोड स्वीपर का नियोजन।
4. बलांडा, जगन्नाथ और भरतपुर साउथ क्वैरी में परित्यक्त क्वैरी की खदानों में सुधार - फ्लाई ऐश के निपटान और इको-पार्क / पिकनिक स्पॉट में इन क्षेत्रों के विकास साथ ही पर्याप्त उथले जल निकायों के निर्माण के माध्यम से बलांडा क्वैरी के 218 हेक्टेयर को 1 मीटर मृदाभरण और वृक्षारोपण द्वारा सुधारा जा रहा है।
5. मनोरंजक सुविधाएं, एयर स्ट्रिप आदि के साथ जैव-विविधता-सह-इको पार्क के रूप में रानी पार्क का निर्माण ताकि यह पूरे तालचैर कोलफील्ड के लिए कार्बन सिंक के रूप में और आर्थिक गतिविधियाँ तथा आय सृजन के साथ एक पर्यटक स्थल के रूप में भी कार्य कर सके, जिससे यह संधारणीय मॉडल बन जाए।
6. सतत और पर्यावरण अनुकूल कोयला परिवहन मॉडल बनाने के लिए लिंगराज एमजीआर से चैनपाल फ्लाईओवर तक कोल कॉरिडोर रोड के फ्लाईओवर / बाय-पास का निर्माण।
7. ईब वैली कोलफील्ड्स में अलग कोल कॉरिडोर - सार्वजनिक सड़कों/रेल लाइनों के साथ कोई क्रॉसिंग नहीं और सार्वजनिक सड़कों के साथ कोई विलय नहीं।

8. डंप के ढलान क्षेत्र के जैविक पुनर्ग्रहण के लिए हाइड्रो सीडर्स की खरीद / किराए पर लेना।

बेहतर तरीके से मानव उपभोग के लिए खदान के पानी का उपयोग करने हेतु कई कदम उठाए गए हैं। डिस्पोजेबल खदानों में संग्रहित खुली खदान परियोजनाओं के अधिशेष जल का उपयोग एचईएमएम की धुलाई, धूल शमन, अग्निशमन और जलभृत के पुनर्भरण जैसे उद्देश्यों के लिए किया जाता है। समुदाय को पेय, कृषि, वानिकी, तालाबों के पुनर्भरण आदि के लिए आपूर्ति हेतु अधिशेष भूमिगत खदान के पानी का उपयोग किया जा रहा है।

पर्यावरण के लिए कंपनी की सचेतना को ध्यान में रखते हुए:-

- एमसीएल ने (पर्याप्त भौतिक सुधार के बाद) बाहरी डंप तथा बैकफिल क्षेत्रों में साथ ही साथ खदान में अन्य भूमि और रास्ते के खाली भाग में मिश्रित स्वदेशी प्रजाति के पौधों का रोपण किया है।
- आरंभ से अब तक वृक्षारोपण (1992-93 से 2020-21 तक) 63 लाख है (तालचर कोलफील्ड्स - 22.78309 लाख, ईब वैली कोलफील्ड्स -31.612 लाख, मुख्यालय तथा सरकारी भूमि में - 7.119 लाख)।
- एमसीएल ने अपने सरकारी भूमि में तथा इसके आसपास के संचालित जिलों - अंगुल, झारसुगुडा, संबलपुर, खोरधा और सुंदरगढ़ में शहरी वृक्षारोपण के माध्यम से हरियाली में सुधार के अपने दायरे का विस्तार किया है, जिसमें डीएफओ द्वारा सदाबहार पौधे, बरगद, महुआ, जामुन, पीपल, आम, कटहल, इत्यादि लगाए जाते हैं।
- 2-3 वर्ष के बाद अधीन भूमि पर फलदार वृक्ष जैसे बीजरहित जामुन, अमरुद, ड्रैगन फल, अनार, आम, पपीता, नींबू आदि का रोपण।
- जैविक सब्जियां और फल आदि उगाने के लिए कृषियोग्य भूमि /अधिकृत भूमि पर पॉली हाउस।
- निकटवर्ती गांवों / कस्बों में फलदार पौधों का वितरण।
- मेंग्रोव का विकास। Development of mangroves
- सागौन (टीक), साल, महागुनि, आदि जैसे इमारती पौधे।
- औषधीय पौधे जैसे - प्रतापगढ़ आंवला, हर्रे, बहेड़ा, अश्वगंधा, आदि।
- अग्निशमन और धूल शमन के लिए रोबोटिक नोजल।
- अग्निशमन, धूल दमन और अन्य बहुउद्देशीय उपयोगों के लिए क्वाड्रान्ट नोजल।

6. सुरक्षा (सेफ्टी) :

एमसीएल में खदानों और इनमें कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता दी जाती है। उत्पादन के उच्च लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सुरक्षा के मामलों में कोई समझौता नहीं किया जाता है। 'शून्य दुर्घटना' लक्ष्य के साथ, आपकी कंपनी स्वयं को नियमित रूप से तैयार करती है, योजना बनाती है तथा सुसज्जित होती है। इस दिशा में हमारे प्रयासों में अन्य बातों के साथ उचित सुरक्षा उपकरण प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं विकास उपलब्ध कराना और सुरक्षा से संबंधित अनुपालन की सख्त निगरानी शामिल है। आपकी कंपनी अपने सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने हेतु प्रयासरत है और किसी भी खनन कार्य में सुरक्षा मानकों के साथ वह कभी समझौता नहीं करती। इसके अलावा, खनन कार्य के दौरान किसी भी अप्रत्याशित घटना पर नियंत्रण पाने के लिए, आपकी कंपनी ने अपने सभी बचाव स्टेशनों को पूरी तरह से सुसज्जित किया है और पर्याप्त प्रशिक्षित बचाव कर्मी तैनात किए हैं। आपकी कंपनी का दृढ़ विश्वास है कि सुरक्षा और उत्पादकता को अलग नहीं किया जा सकता। निदेशकों के रिपोर्ट के प्रासंगिक हिस्से में "सुरक्षा और बचाव" शीर्षक के तहत विस्तृत आंकड़े प्रदान किए गए हैं।

कंपनी के शून्य दुर्घटना के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए आपकी कंपनी ने सभी कर्मचारियों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने हेतु अनेक उपाय किए हैं।

7. निगमित प्रशासन:

एमसीएल भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग (सी.पी.एस.ई.) द्वारा समय समय पर जारी सार्वजनिक उपक्रमों के लिए निगमित प्रशासन के दिशानिर्देशों में अनुबंधित शर्तों को पूरा करता है। कथित दिशानिर्देशों और प्रावधानों के तहत, निदेशकों की रिपोर्ट में कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर एक अलग खंड जोड़ा गया है और कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन का प्रमाण पत्र कार्यरत कंपनी सचिव से प्राप्त किया गया है बोर्ड के कामकाज में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की आवश्यकता के अनुसार सचिवीय लेखा परीक्षा आरंभ की गई है। सचिवीय लेखा-परीक्षा रिपोर्ट निदेशकों के रिपोर्ट के अंश के रूप में संलग्न है।

8. कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी

एक जिम्मेदार सार्वजनिक कॉर्पोरेट होने के नाते एमसीएल ने अपने सीएसआर के माध्यम से राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकासात्मक उद्देश्यों में योगदान देने के लिए अपनी अद्वैत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन जारी रखा है, जो कंपनी अधिनियम 2013 में सीएसआर के अधिनियमन के पीछे अंतर्निहित सिद्धांत है। एमसीएल ने रु. 168.44 रुपये के बजट के मुकाबले 205.34 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। एमसीएल ने अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से समुदाय बनाम कंपनी इंटरफेस के संतुलन को आत्मसात और बनाए रखा है।

क) कोविड-19 संकट से निपटने की तैयारी :

- क) एमसीएल ने भुवनेश्वर और तालचेर में कोविड अस्पतालों के कार्य में सहयोग किया है। वर्ष 2020-21 में कंपनी ने भुवनेश्वर में 775 बिस्तर वाले और तालचेर में 150 बिस्तर वाले अस्पताल के कार्य में सहयोग किया है। एमसीएल से सहयोगप्राप्त अस्पताल में 11,000 से अधिक लोगों ने इलाज कराया है। ओडिशा राज्य में विभिन्न कोविड शमन गतिविधियों में 140 करोड़ रुपये की राशि दी गई है।
- ख) एमसीएल ने 200 ऑक्सीमीटर की खरीद की तथा अंगुल जिला प्रशासन को इसकी आपूर्ति की।
- ग) एमसीएल के विभिन्न परिचालन क्षेत्रों और ओडिशा के विभिन्न जिलों के पास रहने वाले समुदाय के सदस्यों को लगभग 6,43,000 मास्क और 7,556 लीटर हैंड सैनिटाइजर वितरित किए गए हैं। प्रत्येक इकाई के प्रवेश द्वार पर सैनिटाइजर व साबुन डिस्पेंसर की व्यवस्था की गई है, थर्मल स्कैनर के माध्यम से की जा रही श्रमिकों की निगरानी और सोशल डिस्टेंसिंग सहित अन्य सभी सावधानियों का पालन किया जा रहा है।
- घ) अंगुल जिला प्रशासन के कोविड योद्धाओं के लिए रु. 32.44 लाख की वाहन सुविधा प्रदान की गई। कोविड -19 अस्पताल, झारसुगुडा में 3 महीने के लिए किराए पर एम्बुलेंस प्रदान की गई।
- ङ) संबलपुर जिले की आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 2800 नग छाते का वितरण किया गया।
- च) श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से आवागमन करने वाले प्रवासियों को भोजन और पानी उपलब्ध कराना, इस उद्देश्य हेतु संबलपुर रेल प्रशासन को कुल 6,700 भोजन पैकेट उपलब्ध कराए गए।
- छ) एमसीएल ने डीसीएच, संबलपुर को फेविपीरावर की 10000 गोलियों की आपूर्ति की।
- ज) समर्पित कोविड अस्पताल, तालचेर के लिए जैव चिकित्सा अपशिष्ट का उपचार और निपटान।
- झ) एनएससीएच, तालचेर में नए डॉक्टरों के अतिरिक्त आवास में 5.32 लाख राशि की लॉजिस्टिक सहायता।

ख) अन्य सीएसआर गतिविधियां

कंपनी ने स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पाइप द्वारा जलापूर्ति, ग्रामीण सामुदायिक विकास और स्वच्छता पर भारी निवेश किया है। विगत कई वर्षों से ओडिशा राज्य में कॉर्पोरेशनों द्वारा किए गए सर्वाधिक सीएसआर व्यय के मामले में एमसीएल ने अपने शीर्ष स्थान को बनाए रखा है। कंपनी ओडिशा राज्य में कॉर्पोरेट्स द्वारा सामुदायिक सेवा में सबसे आगे रही है।

पाइप द्वारा जलापूर्ति योजनाएँ कंपनी की विशिष्ट सीएसआर परियोजनाएँ हैं जहाँ कंपनी रु. 55.07 करोड़ के निवेश से तालचेर कोलफील्ड्स क्षेत्र के 35 गाँवों में पाइप द्वारा पानी उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है। इस कार्य को पूरा करने के लिए वर्ष 2020-21 में 7.44 करोड़ रुपये की राशि खर्च की गई है तथा परियोजना में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और यह पूरा होने के कगार पर है।

एमसीएल बुर्ला में जल शोधन संयंत्र की परियोजना में सहयोग प्रदान कर

रहा है, वर्ष 2020-21 में लगभग 90% कार्य पूरा हो चुका है और जल शोधन संयंत्र शीघ्र ही पूरी तरह से चालू हो जाएगा।

आकांक्षी जिला विकास कार्यक्रम के तहत एमसीएल ने ओडिशा के नुआपाड़ा जिले में विभिन्न विकास परियोजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2020-21 में विभिन्न विकास परियोजनाओं पर 1.24 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। भारत सरकार, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पोषण के वार्षिक विषय पर 60% सीएसआर खर्च करने हेतु अनुशंसा करती है। एमसीएल ने वैधानिक बजट का 90% स्वास्थ्य और पोषण के विषयगत क्षेत्रों पर खर्च किया है।

वर्ष 2020-21 में गैर-लाभकारी संगठनों के साथ साझेदारी में किए गए दो ग्रामीण विकास परियोजनाओं में तेजी से प्रगति देखी गई।

क) 'हैंडीमैन' परियोजना एमसीएल द्वारा क्रियान्वित एक बहु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें इसके परिचालन परिधि क्षेत्रों के 24 युवाओं को छह महीने का आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ख) 'बीएआईएफ' के साथ 'सीसीडीपी-उत्थान' परियोजना : यह कृषि-बागवानी विकास और मवेशी पालन कार्यक्रम पर 20 करोड़ की 5 साल की सतत आजीविका परियोजना है। यह अंगुल, झारसुगुडा, संबलपुर और सुंदरगढ़ जिलों के 40 गांवों को लाभान्वित करता है।

महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2020-21 में दो प्रमुख परियोजनाएं शुरू की गई हैं। विवरण निम्नानुसार हैं :-

- महिलाओं के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण - एमसीएल ने हमारा बचपन ट्रस्ट के साथ एक परियोजना शुरू करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य वंचित महिलाओं को स्वतंत्र जीवन यापन करने और गरीबी से बाहर निकलने का एक स्थायी मार्ग प्रदान करने के लिए कौशल प्रदान करना है। कार्यक्रम का जोर अन्य बातों के अलावा उद्यमशीलता कौशल और व्यवसाय प्रबंधन में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को अपनी व्यावसायिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद करना है। यह हस्तक्षेप ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों में गरीब आर्थिक वर्गों के बीच सामान्य कौशल, सामाजिक कौशल, संज्ञानात्मक कौशल, पेशेवर कौशल (करियर वृद्धि कौशल) और उद्यमिता कौशल में सुधार करेगा।
- देसी बीज घर - इस परियोजना का उद्देश्य खेती के क्षेत्र के विस्तार के लिए कृषक समुदायों के बीच अच्छी गुणवत्ता वाले स्थानीय स्वदेशी बीजों और पौधों को लोकप्रिय बनाना और जैविक स्वदेशी बीजों और पौधों की मांगों को पूरा करने के लिए बाजार संपर्क स्थापित करना है।

एमसीएल ने 'देसी बीज घर' परियोजना, स्वदेशी बीज उगाने के महत्व और लाभ के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने की एक पहल, को लागू करने के लिए दिनांक 28.12.2020 को ग्राम समृद्धि ट्रस्ट, कृषि विकास के

क्षेत्र में काम करने वाले एक स्वैच्छिक संगठन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना हेमगीर ब्लॉक के 10 गांवों में लागू की जाएगी। यह परियोजना स्वदेशी बीजों की खेती और संरक्षण के लिए सहायता प्रदान करेगी, और बीज बैंक के माध्यम से साथी किसानों को उत्पाद के विपणन के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करेगी।

9. अपेक्षा

हमें आशा है कि जिस प्रकार हम अपने संसाधनों और क्षमताओं का निर्माण कर रहे हैं उससे आने वाले वर्षों में निश्चित रूप से हमें और अधिक सफलता मिलेगी और लगातार ऐसा करते हुए हम राष्ट्र सहित अपने असंख्य हितधारकों की उम्मीदों को पूरा कर सकते हैं।

10. अभिस्वीकृति

मैं कंपनी के सभी शेयर धारकों, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार, कोल इंडिया लिमिटेड, विभिन्न केन्द्रीय सरकार के अधिकारियों, राज्य सरकार के अधिकारियों, प्रतिनिधियों, स्थानीय निकायों, सभी कर्मचारियों तथा उनके संघों, हमारे मूल्यवान ग्राहकों, आपूर्तिकर्ता और मीडिया के प्रति उनके सहयोग एवं सहकारिता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

ह/-

(पी. के. सिन्हा)

अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक

निदेशक-प्रतिवेदन

सेवा में,
शेयरधारको,
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड,

प्रिय शेयरधारको,

मुझे निदेशक मण्डल की ओर से कंपनी की 29वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित लेखों के साथ सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट एवं भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ प्रस्तुत करते हुए काफी हर्ष का अनुभव हो रहा है।

आपकी कंपनी ने सभी मोर्चों में उत्कृष्टता प्राप्त की है। उत्पादकता, कोयला उत्पादन, ओबी और प्रेषण में यह वर्ष भी सफल रहा।

2.1 संगठन

क्षेत्रों, खदानों आदि का संगठन:

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड संगठन में 2 कोलफील्ड्स शामिल हैं जिसमें बुर्ला में स्थित मुख्यालय के साथ 4 प्रचालन भूमिगत खदान एवं 15 खुली खदान को शामिल करते हुए 13 खनन क्षेत्र, 02 केन्द्रीय कर्मशालाएँ, एमसीएल कार्यालय, कोलकाता तथा एमसीएल कार्यालय, भुवनेश्वर शामिल हैं।

संचालन क्षेत्र निम्नवत हैं :

क	तालचेर कोलफील्ड्स
(i)	जगन्नाथ क्षेत्र
(ii)	भुवनेश्वरी क्षेत्र
(iii)	भरतपुर क्षेत्र
(iv)	हिंगुला क्षेत्र
(v)	लिंगराज क्षेत्र
(vi)	कनिहा क्षेत्र
(vii)	सुभद्रा क्षेत्र
(viii)	तालचेर क्षेत्र (भूमिगत)

ख	ईब वैली कोलफील्ड्स
(i)	लखनपुर क्षेत्र
(ii)	ईब वैली क्षेत्र
(iii)	बसुंधरा क्षेत्र
(iv)	महालक्ष्मी क्षेत्र
(iv)	ओरिएंट क्षेत्र (भूमिगत)

तालचेर कोलफील्ड्स में एक केन्द्रीय कर्मशाला और नेहरू शताब्दी केन्द्रीय चिकित्सालय है, वहीं ईब वैली कोलफील्ड्स में इसका एक केन्द्रीय कर्मशाला और केन्द्रीय चिकित्सालय है।

3. एमसीएल की अनुषंगी एवं सहयोगी कंपनियाँ :

3.1 एमजेएसजे कोल लिमिटेड

एमजेएसजे कोल लिमिटेड को गोपालप्रसाद ओसीपी के लिए एमसीएल की 60% हिस्सेदारी वाली संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में 13 अगस्त, 2008 को शामिल किया गया था। भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दिनांक 25.08.2014 के अपने निर्णय और दिनांक 24.09.2014 के आदेश द्वारा एमजेएसजे कोल लिमिटेड को आवंटित उत्कल-ए कोयला ब्लॉक के आवंटन को अवैध घोषित करते हुए इसके आवंटन को रद्द कर दिया गया है।

3.2 एमएनएच शक्ति लिमिटेड

एमएनएच शक्ति लिमिटेड को तालाबीरा-II और III ओसीपी के लिए एमसीएल की संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में 70% शेयर के साथ 16 जुलाई, 2008 को शामिल किया गया था। भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दिनांक 25.08.2014 के अपने निर्णय और दिनांक 24.09.2014 के आदेश द्वारा एमएनएच शक्ति लिमिटेड को आवंटित तालाबीरा-II और तालाबीरा-III कोयला ब्लॉकों के आवंटन को अवैध घोषित करते हुए इसके आवंटन को रद्द कर दिया गया है।

3.3 महानदी बेसिन पावर लिमिटेड

एक अन्य कंपनी "महानदी बेसिन पावर लिमिटेड" को दिनांक 2 दिसंबर, 2011 को शामिल किया गया था और दिनांक 06-02-2012 को आरओसी द्वारा उसे व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रमाण पत्र जारी किया गया था। एमबीपीएल का गठन बसुंधरा कोलफील्ड्स में पिट हेड पावर प्लांट के माध्यम से 2X800 मेगावाट की बिजली उत्पादन क्षमता के साथ महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसके नामांकित व्यक्तियों द्वारा 100% हिस्सेदारी के साथ एसपीवी के रूप में किया गया है। दिनांक 31.03.2021 को शेयर पूंजी पांच लाख रुपये थी।

3.4 महानदी कोल रेलवे लिमिटेड

दिनांक 20 मई, 2015 को आईडीसीओ, एमसीएल और इरकॉन के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसरण में, ओडिशा राज्य में खदानों से कोयले की निकासी हेतु महत्वपूर्ण कोयला कनेक्टिविटी के लिए दोहरीकरण, तीसरी लाइन, यातायात सुविधा परियोजनाओं सहित चिन्हित रेल कॉरिडोर परियोजनाओं के निर्माण, संचालन और रखरखाव हेतु एमसीएल, इरकॉन और आईडीसीओ के बीच 64:26:10 के अनुपात में इक्विटी भागीदारी के साथ 31 अगस्त, 2015 को एक संयुक्त उद्यम कंपनी, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड का गठन किया गया था। दिनांक 31.03.2021 को शेयर पूंजी पांच लाख रुपये थी।

वित्त वर्ष 2020-21 में एमसीएल की उपलब्धियां

- ❖ कोयला उत्पादन: पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में 144.15 मिलियन टन कोयला उत्पादन की तुलना में 5.5% की वृद्धि के साथ अब तक सबसे अधिक 148.01 मिलियन टन का उच्चतम कोयला उत्पादन।

- ❖ वित्त वर्ष 2017-18 में 138.18 मिलियन घन मीटर के उच्चतम ओबी निष्कासन की तुलना में 40.1% की वृद्धि के साथ अब तक का सबसे अधिक 173.15 मिलियन घन मीटर की प्राप्ति।
- ❖ पिछले वित्त वर्ष 2016-17 में 143.01 मिलियन टन के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ कोयला प्रेषण को पीछे छोड़ते हुए 8.9% की वृद्धि के साथ 146.71 मिलियन टन का सबसे अधिक कोयला प्रेषण
- ❖ एमसीएल ने सारफेस माइनर के माध्यम से पर्यावरण अनुकूल तरीके से लगभग 139 मिलियन टन (94%) का उत्पादन किया, जो सीआईएल की सभी अनुषंगी कंपनियों में सबसे अधिक है।
- ❖ एमसीएल पर्यावरण अनुकूल रेल, एमजीआर और बेल्ट के माध्यम से लगभग 112.31 मिलियन टन (77%) का प्रेषण करता है, जो सीआईएल की सभी अनुषंगी कंपनियों में सबसे अधिक है।
- ❖ सीआईएल की सभी अनुषंगी कंपनियों में सबसे अधिक सीएसआर व्यय खर्च: अपने 168.44 करोड़ लक्ष्य से 191.21% वृद्धि के साथ 205.34 करोड़।
- ❖ एमसीएल ने 9 दिसंबर 2020 को 5.33 लाख टन के संचयी प्रेषण के साथ एक दिन में अब तक का सबसे अधिक कोयला प्रेषण किया है।
- ❖ एमसीएल ने 9 दिसंबर को भेजे गए 101 रैक (रेल द्वारा 3.75 लाख टन) के साथ एक ही दिन में उच्चतम रैक आपूर्ति की है।
- ❖ एमसीएल में 3,600 करोड़ के कुल व्यय पर प्रदूषण मुक्त अत्याधुनिक रैक लोडिंग सिस्टम प्रदान करने के लिए 9 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं, जो 126 मि.टन/वर्ष की क्षमता उत्पन्न करेगी। इसमें से लिंगराज साइलो को शुरू कर दिया गया है, 2 निर्माण चरण में है और शेष 6 परियोजनाओं में निविदाएं पहले ही जारी की जा चुकी हैं।
- ❖ वित्त वर्ष 20-21 में 2371.33 करोड़ अर्थात् सीआईएल की सभी अनुषंगी कंपनियों में उच्चतम कैपेक्स की उपलब्धि।
- ❖ एमसीएल ने धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने और आग से बचने के लिए खनन कार्यों में रोबोटिक हस्तक्षेप करते हुए रोबोटिक नोजल को लागू किया है। इसके अलावा 50 मीटर दूरी की 18 मोबाइल फॉग कैनन, कोयला खदान में पहली बार 100 मीटर दूरी की 100 फॉग कैनन, धूल प्रदूषण से निपटने के लिए 21 रोड स्वीपिंग मशीनें नियुक्त की गई हैं।
- ❖ एमसीएल, हिंगुला माइन में पहली बार एक्ससेंट्रिक रिपर के माध्यम से ब्लास्ट-फ्री ओवरबर्डन हटाने की शुरुआत की गई। इससे ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और सेकेंडरी क्रशिंग/ब्रेकिंग की आवश्यकता पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।
- ❖ सीआईएल के मार्गदर्शन में 21 जनवरी, 21 को एमसीएल में ईआरपी शुरू हुआ।

- ❖ एमसीएल ने एमएसएमई के लिए एक वास्तविक समय बिल ट्रैकिंग ऑनलाइन बिल ट्रैकिंग शुरू किया है, जो निर्धारित समय के भीतर बिलों के भुगतान के लिए सहायक होगी, ताकि सभी लंबित बकाया बिलों का भुगतान समय पर किया जा सके।
- ❖ तालचेर और ईब वैली कोलफील्ड्स में "5 महात्मा गांधी उद्यान" का उद्घाटन किया है, जिसमें 10 हेक्टेयर भूमि पर 5,500 से अधिक पेड़ लगाए जाएंगे।
- ❖ वन महोत्सव के अवसर पर भारत के माननीय गृह मंत्री द्वारा लीलारी ओसीपी की परित्यक्त खदान में ईको-पार्क के निर्माण और भूमिगत खदान में खान पर्यटन का उद्घाटन।
- ❖ एमसीएल ने कोविड महामारी के विरुद्ध लड़ाई के लिए ओडिशा सरकार को पूरा समर्थन दिया है जिसमें 25 आईसीयू और क्रिटिकल केयर यूनिट के साथ भुवनेश्वर में 500 बिस्तरों वाले कोविड अस्पताल की स्थापना के लिए एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा, तालचेर में 06 आईसीयू और क्रिटिकल केयर यूनिट के साथ 150 बिस्तरों वाला एक कोविड अस्पताल स्थापित किया गया था। ईब-वैली में 04 बिस्तरों और बसुंधरा अस्पताल में 02 बिस्तरों के साथ तथा खनपुर में 50 बिस्तरों के साथ कोविड स्वास्थ्य देखभाल केंद्र स्थापित किए हैं। एमसीएल मुख्यालय, बसुंधरा क्षेत्र और हिंगुला क्षेत्र में 03 कोविड देखभाल केंद्र (85 बिस्तर) स्थापित किए गए थे।
- ❖ 04 एएलएस एम्बुलेंस चौबीसों घंटे एम्बुलेंस सेवाओं के लिए नियुक्त किए गए थे।
- ❖ इसके अलावा, एमसीएल द्वारा 5.7 लाख मास्क, 9,215 लीटर हैंड सैनिटाइजर, भोजन के पैकेट, पानी की बोतलें, शौचालय-वाशरूम सक्षम पोर्टा केबिन, फेविपिरावीर टेबल आदि का वितरण किया गया।

4. उत्पादन कार्यनिष्पादन

(क) पिछले वर्ष के लक्ष्य और उपलब्धि की तुलना में वित्त वर्ष 2020-21 के लिए एमसीएल का उत्पादन कार्य निष्पादन नीचे दिया गया है:

(आंकड़े मि.टन में)

उत्पादन	2020-21		2019-20		लक्ष्य की तुलना में प्रतिशत प्राप्ति
	एमओयू /एएपी लक्ष्य	वास्तविक	एमओयू /एएपी लक्ष्य	वास्तविक	
i) कोयला (मि.टन)					
खुली खदान	159.140	147.478	159.10	139.522	92.7
भूमिगत	0.860	0.535	0.900	0.835	62.2
कुल(ओसी +यूजी)	160.000	148.013	160.000	140.358	92.5
ii) ओबीआर (मि. घन मीटर)					
	260.300	173.150	160.000	124.514	66.5

सरफेस माइनर (विभागीय+संविदात्मक) द्वारा कोयला उत्पादन

(आंकड़े मि. टन में)

वित्त वर्ष	उपलब्धि विभागीय एवं संविदा. एसएमएस	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि		कुल उत्पादन के मुकाबले एसएम द्वारा उत्पादन %
		पूर्ण	प्रतिशत	
2016-17	127.81	2.13	1.7	91.8
2017-18	130.89	3.08	2.4	91.5
2018-19	133.80	2.91	2.2	92.8
2019-20	129.10	-4.71	-3.5	92.0
2020-21	139.10	10.00	7.7	94.0

कोयला उत्पादन (आंकड़े .टन)					
वित्त वर्ष	एएपी लक्ष्य	वास्तविक	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि		% प्राप्ति
			पूर्ण	प्रतिशत	
2016-17	167.00	139.21	1.31	0.95	83.4
2017-18	150.00	143.06	3.85	2.77	95.4
2018-19	151.50	144.15	1.09	0.76	95.1
2019-20	160.00	140.36	-3.79	-2.63	87.7
2020-21	160.00	148.01	7.66	5.45	92.5

ओबी हटाना (आंकड़े मि.घन मीटर में)					
वित्त वर्ष	एएपी लक्ष्य	वास्तविक	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि		% प्राप्ति
			पूर्ण	प्रतिशत	
2016-17	150.000	123.342	24.93	25.3	82.2
2017-18	160.000	138.179	14.84	12.03	86.4
2018-19	157.000	130.002	-8.18	-5.92	82.8
2019-20	160.000	124.514	-5.49	-4.22	77.8
2020-21	206.300	173.150	48.64	39.06	83.9

क. कोयले और ओबीआर की कमी के ओपन कास्ट इकाईवार प्रमुख कारण।

जगन्नाथ ओसीपी	कोविड -19 लॉकडाउन और कम कोयला अनावरण के कारण कम संचालन जिसके कारण ओबी ठेकेदार के कार्य निष्पादन में कमी तथा परियोजना में ब्लास्टिंग प्रतिबंध के कारण कोयले का उत्पादन कम हो गया। राकस बस्तियों में झोपड़ियों का स्थानांतरण अभी भी लंबित है। जिला प्रशासन के हस्तक्षेप की आवश्यकता है। एकडाल और हिलोई के ग्रामीणों द्वारा रोजगार की मांग और बढ़ाया मुआवजा राशि में बढ़ोतरी को लेकर 4 दिन का बंद । अनुग्रह राशि और बोनस के मुद्दे पर ठेकेदारों के चालकों द्वारा बंद।
अनंता ओसीपी	ग्रामीण अवैध निर्माण पर बढ़ाए गए निर्माण के मुआवजे की मांग कर रहे हैं, जिसे सैटेलाइट इमेजरी के माध्यम से सत्यापित किया गया है। बुंदाबनपुर व हिलोई के दोनों ओबी पैच पर ग्रामीणों द्वारा अवैध मांगों को लेकर बार-बार रुकावट। रोजगार की मांग और बढ़े हुए मुआवजे को लेकर एकडाल व हिलोई के ग्रामीणों का 4 दिन का बंद। अनुग्रही राशि और बोनस के भुगतान के मुद्दे पर ठेकेदारों के चालकों द्वारा बंद।
भरतपुर ओसीपी	कम कोयला एक्सपोजर - कोविड महामारी के कारण ठेकेदार को मजदूरों के गतिशीलता में हो रही समस्या के कारण ओबी आउटसोर्सिंग अनुबंध 9 महीने बाद 23 जून को शुरू हुआ। बेड़े की गतिशीलता समस्या हो रही है। लक्षित टीपीडी दर के 50% पर ओबी हटाने का काम किया जा रहा है।
लिंगराज ओसीपी	लांगीजोडा के बचे हुए पीडीएफ को स्थानांतरित करने का मुद्दा। श्री बेनुधर नाइक और अन्य लोगों द्वारा खदान के पश्चिमी हिस्से में 1.32 एकड़ भूमि के खिलाफ अवैध रोजगार का दावा करने में बाधा।
कनिहा ओसीपी	कोयला अनावरण मुद्दा। जर्दा गांव को स्थानांतरित न करने से खदान की ब्लास्टिंग प्रतिबंध और प्रगति प्रभावित हो रही है क्योंकि पाथरमुंडा (बहाली स्थल) के ग्रामीण एमसीएल द्वारा अधिग्रहित पट्टा भूमि के एक तिहाई के लिए नौकरी की मांग कर रहे हैं, जो कि मानदंडों से परे है। राज्य सरकार हस्तक्षेप की मांग की गई है। इसके अलावा जरदा के ग्रामीणों ने लिए पुरस्कार पारित करने से पहले आर एंड आर की मांग पर कानून कार्यों में बाधा डालते हैं, जो स्वीकार्य नहीं हैं।
हिंगुला ओसीपी	कोविड -19 लॉकडाउन और ओबी ठेकेदार के असंतोषजनक कार्य निष्पादन के कारण ठेकेदारों द्वारा वाहनों की नियुक्ति में कमी । भूमि की कमी और निष्कासन की समस्याएँ । ओबीआर कॉन्ट्रेक्टर के अनावरण कार्य में खराब कार्य निष्पादन । सभी पुनर्वास लाभों का भुगतान करने के बाद भी भालुगड़िया ग्रामीणों का स्थानांतरण न होना। ग्रामीण ढांचों को गिराने के लिए अनिच्छुक हैं और प्रोत्साहन राशि के साथ कुल पुनर्वास लाभ के अग्रिम भुगतान की मांग कर रहे हैं , जो अनुचित है।
समलेश्वरी ओसीपी	चरण - II एफसी में देरी हुई थी। चिंगरीगुडा और सुखवासी गांव के स्थानांतरण न होने के कारण भूमि की कमी थी।
कुल्डा ओसीपी	तुमुलिया सड़क का स्थानान्तरण न होने के कारण भूमि की कमी थी। आखिरकार 29 अक्टूबर 2019 को तुमुलिया सड़क की खुदाई की गई
गर्जनबहाल ओसीपी	कोयला उत्पादन को प्रभावित करने वाले भारी स्टॉक मुद्दे
बसुंधरा (प.) ओसीपी	भंडार समाप्त

ख) कोयला उत्पादन और ओबीआर प्रभावित करने वाले अन्य प्रमुख कारण:-

- 1) 2 से 4 जुलाई तक विभिन्न मांगों को लेकर सभी ट्रेड यूनियनों की 3 दिवसीय हड़ताल, लगभग 1 मिलियन टन का नुकसान।
- 2) 24 से 26 अप्रैल तक भारी वर्षा ने कोयला उत्पादन, ओबी निष्कासन और ऑफ-टेक को प्रभावित किया।
- 3) जुलाई'20 में तालचेर कोलफील्ड्स में पिछले वर्ष 143 मिमी की तुलना में लगभग 263 मिमी और ईब वैली कोलफील्ड्स में पिछले वर्ष 103 मिमी की तुलना में लगभग 289 मिमी की बारिश ने ओबीआर, कोयला उत्पादन और उठाव को बुरी तरह प्रभावित किया था।
- 4) अगस्त' 20 में तालचेर कोलफील्ड्स में पिछले वर्ष 268 मिमी की तुलना में लगभग 526 मिमी तथा ईब वैली कोलफील्ड्स में पिछले वर्ष 568 मिमी की तुलना में लगभग 585 मिमी भारी बारिश हुई, जिससे कोयला उत्पादन, ओबी निष्कासन और ऑफ-टेक प्रभावित हुआ।
- 5) सुंदरगढ़ के विधायक के सहयोग से तुमुलिया के ग्रामीणों द्वारा 21 से 23 जुलाई तक बसुंधरा कोलफील्ड में खनन कार्य ठप होने से कोयला उत्पादन और ऑफ-टेक में लगभग 2 लाख का नुकसान हुआ।
- 6) विभिन्न मांगों के कारण 26 नवंबर को पूरे भारत में सभी केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा 1 दिन की हड़ताल का आह्वान - लगभग 4 लाख टन उत्पादन का नुकसान।
- 7) 25 जनवरी 21 को करीब 12 घंटे तक विभिन्न मांगों को लेकर तालचेर सुरक्षा मंच द्वारा सभी खनन गतिविधियों को रोक दिया गया।
- 8) 26 मार्च 21 को किसान मोर्चा के कारण एमसीएल की सभी खदानों में खनन कार्य करीब 8 घंटे तक ठप रहा।

5. उत्पादकता

5.1 आपकी कंपनी ने उत्पाद प्रति मैनशिफ्ट (ओएमएस) के संदर्भ में उत्पादकता भी प्राप्त की है जो निम्नवत है:

(आंकड़े टन/मैनशिफ्ट)

	2020-21		2019-20	लक्ष्य की तुलना में % उपलब्धि	% गत वर्ष से वृद्धि
	एएपी लक्ष्य (बजटीय)	वास्तविक	वास्तविक		
खुली खदान	37.62	32.30	26.74	85.86	20.79
भूमिगत	0.89	0.60	0.87	67.42	-31.03
सर्वसंकुल	30.76	27.15	22.73	88.26	19.45

5.2 2020-21 के दौरान ओएमएस 23.73 टन/मैनशिफ्ट था।

ओएमएस की गणना का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.		2020-21	2019-20	गत वर्ष से वृद्धि
1	ओसी ओएमएस	32.30	26.74	20.79
2	यूजी ओएमएस	0.60	0.87	(30.81)
3	ओसी के लिए समायोजित एम/एस (लाख)	45.66	52.18	(12.49)
4	यूजी का मैनशिफ्ट (लाख)	8.86	9.58	(7.50)
A	सर्वसंकुल ओएमएस का कुल मैनशिफ्ट	54.522	61.759	(11.72)
6	ओसी कोल(लाख टन)	1474.777	1,395.218	5.70
7	यूजी कोल (लाख टन)	5.348	8.357	(36.01)
B	कुल कोयला (लाख टन)	1480.125	1,403.575	5.45
8	सर्वसंकुल ओएमएस (बी/ए)	27.15	22.73	19.45
9	फॉर्मूला ओएमएस			
	यूजी =	कोयला उत्पादन / वास्तविक मैनशिफ्ट		
	ओसी =	कोयला उत्पादन + (1.4 x ओबी उत्पादन)		
		वास्तविक मैनशिफ्ट x (1+(1.4xएसटी अनुपात))		
	कुल =	यूजी में कोयला उत्पादन + ओसी में कोयला उत्पादन		
		यूजी में मैनशिफ्ट + ओसी का समायोजित मैनशिफ्ट		
10	समायोजित मैनशिफ्ट(ओसी के लिए खनन वार) =	कोयला उत्पादन/ ओएमएस		
	सर्वसंकुल ओएमएस की गणना =			
		<u>1474.777+5.348</u>	<u>1395.218+8.357</u>	
		45.66+8.86	52.18+9.58	
		<u>1480.125</u>	<u>1403.575</u>	
		54.522	61.759	
		27.15	22.73	

6. एचईएमएम की संख्या और कार्यनिष्पादन -

6.1 सीएमपीडीआईएल द्वारा निर्धारित लक्ष्य को दर्शाते हुए फ्लीट की ताकत के साथ एचईएमएम की उपलब्धता और उपयोग का विवरण तथा उपलब्धि नीचे दी जा रही है:

क. एचईएमएम की संख्या और कार्यनिष्पादन -

I. प्राप्त की गई उपलब्धता तथा उपयोगिता % (आंकड़े पूर्णांक में):

क्र.	उपकरण	के अनुसार संख्या		% उपलब्धता			% उपयोगिता		
		31.03.21	31.03.20	अप्रैल, '20 मार्च, 21 तक	से अप्रैल, 19 से मार्च, 20 तक	सीएमपीडीआईएल मानदंड	अप्रैल, '20 मार्च, 21 तक	से अप्रैल, 19 से मार्च, 20 तक	सीएमपीडीआईएल मानदंड
1	ड्रैगलाइन	01	01	15	84	85	01	04	73
2	शौवेल	62	61	78	70	80	32	28	58
3	सरफेस/माइनर	22	17	85	85	--	47	41	--
4	डंपर	226	279	79	77	67	24	20	50
5	डोजर	132	135	76	70	70	23	25	45
6	ड्रिल	65	81	84	81	78	17	16	40
कुल		508	574						

II. प्राप्त कार्य समय :

क्र.	उपकरण	कार्य समय	
		2020-21	2019-20
1	ड्रैगलाइन	28	290
2	शौवेल	153132	148997
3	सरफेस/माइनर	68515	59621
4	डंपर	420796	414091
5	डोजर	193539	174782
6	ड्रिल	49216	53497

III.

क. डंपर, डोजर और ड्रिल की प्राप्त उपलब्धता पिछले वर्ष की तुलना में तथा सीएमपीडीआई मानदंडों से भी अधिक है। प्राप्त शौवेल की उपलब्धता पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। प्राप्त सरफेस माइनर की उपलब्धता पिछले वर्ष के बराबर है।

ख. 1 अप्रैल से 15 जून तक गर्मियों के दौरान 11.00 बजे से 3.30 बजे तक समय की पाबंदी परियोजनाओं के संचालन को बंद करना एचईएमएम के उपयोग को प्रभावित करता है और उत्पादन पर इसका प्रभाव लगभग 2% है।

ग.भरतपुर ओसीपी की ड्रेगलाइन वर्किंग फेस की अनुपलब्धता के कारण पूरे वर्ष बेकार रही। एमसीएल में ड्रेगलाइन के लिए वर्किंग फेस नहीं है।

- शोवेल, सरफेस माइनर, डम्पर और ड्रिल का उपयोग पिछले वर्ष की तुलना में अधिक किया गया है। पिछले वर्ष की तुलना में डोजर का उपयोग कम हुआ है।
- उपयोग को प्रभावित करने वाले कारण –
 - 1) कानून और व्यवस्था की समस्या, विशेषकर तालचेर कोलफील्ड में
 - 2) कोविड-19 महामारी ने समय उत्पादन प्रक्रिया को प्रभावित किया है।
 - 3) जगन्नाथ ओसीपी में प्रतिबंधित ब्लास्टिंग और लिंगराज ओसीपी में संकीर्ण खनन कार्य स्थल।
 - 4) बेलपहाड़, समलेश्वरी, हिंगुला और बलराम ओसीपी में लगातार भूमि की कमी।
 - 5) एचईसी और बीईएमएल मैसर्स द्वारा आपूर्ति किए गए बीई 1600 शोवेल का 10 घन मीटर शोवेल का खराब कार्यनिष्पादन।
 - 6) जुलाई'20 से सितंबर'20 के महीने में लगातार बारिश और अक्टूबर'20 के दौरान रुक-रुक कर हुई बारिश ने उपकरणों के उपयोग को प्रभावित किया।

IV. उपलब्धता और उपयोगिता बढ़ाने के लिए उठाए गए कदम -

- क) एचईएम से दैनिक उत्पादन और उनके कार्य घंटों का क्षेत्रीय स्तर और मुख्यालय स्तर पर बारीकी से निरीक्षण किया जा रहा है।
- ख) एचईएमएल का समय पर सर्वे ऑफ करना और ऐसे सर्वे ऑफ किए गए उपकरणों के खिलाफ प्रतिस्थापन खरीद कार्रवाई।
- ग) अनिवार्य आवश्यकता के प्रस्थापन हेतु विभिन्न फ्लोट उप-असेंबली जैसे इंजन, प्रसारण और अन्य असेंबली को मुख्यालय और सीडबल्यूएस में बनाए रखना।
- घ) ओईएम द्वारा नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करके नए मॉडल उपकरणों के संचालन और रखरखाव के लिए तकनीकी कौशल में सुधार करना।
- ड) मानसून अवधि से पहले दुर्गम सड़कों का रखरखाव।
- च) संचालक के सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नए एचईएमएल जो खरीदे जा रहे हैं, वे वातानुकूलित केबिनों से सुसज्जित हैं।
- छ) एमसीएल प्रबंधन द्वारा विभिन्न मंचों पर भूमि अधिग्रहण तथा कानून और व्यवस्था की समस्याओं को उठाया जा रहा है।

v. एचईएमएम के टूट-फुट की स्थिति :

उपकरण	संख्या		टूट-फुट > 3 माह	
	31.03.21 के अनुसार	31.03.20 के अनुसार	31.03.21 के अनुसार	31.03.20 के अनुसार
ट्रैगलाइन	01	01	00	00
शोवेल	62	61	02	06
सरफेस माइनर	22	17	00	01
डंपर	226	279	24	38
डोजर	132	135	13	26
ड्रिल	65	81	12	19
एमसीएल कुल	508	574	51	90

ख. क्षमता उपयोगिता (खुली परियोजनाएं)

क्रमांक	विवरण	क्षमता (वर्ष के 1 अप्रैल के आधार पर)		गत वर्ष से वृद्धि
		2020-21	2019-20	
1	विभागीय क्षमता (मि. क्यूब मी)	89.37	103.64	- 13.76%
2	प्रणाली क्षमता (मि. क्यूब मी)	322.79	322.05	0.23%
3	विभागीय उत्पादन (मि. क्यूब मी)	44.426	40.409	9.94%
4	कुल उत्पादन (मि. क्यूब मी)	263.020	208.563	26.11%
5	विभागीय क्षमता उपयोगिता	49.70%	39%	27.47%
6	प्रणाली क्षमता उपयोगिता	81.48%	64.76%	25.82%

8. ऊर्जा

- तालचर कोलफील्ड्स : 31.0 एमवीए की अनुबंध मांग के साथ केंद्रीय विद्युत आपूर्ति उपयोगिता, ओडिशा (सीईएसयू) के कमांड क्षेत्र के ओपीटीसीएल अंगुल सब-स्टेशन से 11 किलोमीटर लम्बे 132 केवी डबल सर्किट ओवर-हेड ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से नंदिरा कोलियरी 60 एमवीए (3X20 एमवीए), 132/133 केवी, ग्रिड सब-स्टेशन को बिजली प्रस हो रही है।
- ईब-वैली कोलफील्ड्स : 22.25 एमवीए की अनुबंध की मांग के साथ पश्चिम विद्युत आपूर्ति, कंपनी, ओडिशा (वेस्को) के कमांड क्षेत्र के ओपीटीसीएल बुधिपाड़ा सबस्टेशन से 19 कि.मी. लंबा 132 केवी डबल सर्किट ओवर हेड ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से जोराबाग, 52.5 एमवीए (2x20एमवीए +1x12.5 एमवीए) 132/33 केवी ग्रिड सबस्टेशन को बिजली प्राप्त हो रही है।

- iii) बसुंधरा कोलफील्ड्स : 6 एमवीए की अनुबंध की मांग के साथ 220 केवी पर पश्चिमी विद्युत आपूर्ति कंपनी , ओडिशा (वेस्को) के कमांड क्षेत्र के तहत 33 कि.मी. लंबा 220 केवी ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन 40 एमवीए (2x20एमवीए) 220/33 केवी सबस्टेशन के द्वारा ओपीटीसीएल, बुधिपदार से बसुंधरा क्षेत्र को बिजली प्राप्त हो रही है।

8.4 ऊर्जा की उपलब्धता

पैरामीटर	2020-21	2019-20
अनुबंध मांग (एमवीए)	62.793	62.597
अधिकतम मांग (एमवीए) (वित्तीय वर्ष के दौरान महीने में उच्चतम)	64.797	62.071
ऊर्जा की खपत (मिलियन किलावाट)	350.85	313.69
कुल राशि (करोड़ रु.)	213.95	188.32
यूनिट मूल्य (रु./किलावाट)	6.10	6.00
विशिष्ट ऊर्जा खपत (किलोवाट/टन)	2.37	2.23
बिजली की विशिष्ट खपत समग्र उत्पादन के लिए) (कोयला + ओबी रिमूवल).किलोवाट/क्यूबिक मीटर	1.33	1.5
0.97 से अधिक पावर फेक्टर के रखरखाव के लिए पावर फेक्टर इनसेंटिव लाख रु. में	169.33	129.88
छूट की तारीख से पहले यानी हर महीने के 4 वें या 5 वें दिन के पहले बिजली के भुगतान पर लाख रु की छूट।	201.86	177.14

9. एमसीएल के प्रमुख भूमिगत उपकरणों की संख्या:

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष के दौरान प्रमुख भूमिगत उपकरणों की संख्या और उनकी उपलब्धता यहाँ दी गई है :

क्र.	उपकरण का नाम	सूची में संख्या		2020-21		2019-20	
		2020-21	2019-20	% उपलब्धता	% उपयोगिता	% उपलब्धता	% उपयोगिता
1	एसडीएल *	8	10	87.00	21.65	82.11	21.73
2	एलएचडी *	20	21	82.18	33.82	66.53	39.30

भूमिगत उत्पादन	2020-21	2019-20
वास्तविक (मि.टन.)	0.53	0.84
लक्ष्य (मि.टन.)	0.86	0.90

एसडीएल और एलएचडी के लिए सूत्र सीआईएल मानदंड के अनुसार हैं

$$* \% \text{ उपलब्धता} = \frac{H_w + H_i}{H_s} \times 100$$

जहां,

H_w = वास्तविक कार्य घंटे/ वर्ष,

H_i = निष्क्रिय घंटे/ वर्ष

H_s = शिफ्ट घंटे/ वर्ष

$$* \% \text{ उपयोगिता} = \frac{H_w}{H_s} \times 100$$

जहां,

H_w = वास्तविक कार्य घंटे/ वर्ष,

H_s = शिफ्ट घंटे/ वर्ष

9.2 कोल हैंडलिंग संयन्त्रों, वेबब्रिज की संख्या और उनकी कार्यप्रणाली

2019-20 के दौरान सीएचपी और फीडर ब्रेकरों से 6.40 मिलियन टन कोयले की तुलना में 2020-21 के दौरान 7.37 मिलियन टन कोयले को क्रश किया गया।

वर्ष	2020-21		2019-20	
	कटाव क्षमता (एमटीवाई)	क्रश किए गए कोयले (एमटी)	कटाव क्षमता (एमटीवाई)	क्रश किए गए कोयले (एमटी)
क्षमता बनाम कोयला कुचला गया	10.50	7.37	36.5	6.40
% संयंत्र की कटाई क्षमता का उपयोग	70.19		17.54	

एमसीएल के अधिकांश ओसीपी में सरफेस माइनर की शुरुआत के बाद, क्रशर / सीएचपी का उपयोग काफी हद तक कम हो गया और इस प्रकार इसे अतिरिक्त के रूप में उपयोग किया जाता है और जहां भी कोयला उत्पादन न्यून गुणवत्ता का पारंपरिक रूप से किया जाता है, उस मात्रा को केवल क्रश कर दिया जा रहा है। 2020-21 के दौरान कुल कोयला उत्पादन का 94% सरफेस माइनर द्वारा किया गया। एमसीएल में 2020-21 के दौरान रॉम (ROM) कोयला उत्पादन सिर्फ 8.87 मिलियन टन था। चूंकि क्रशिंग की क्षमता काफी अधिक है, इसलिए किसी भी नए क्रशर या फीडर ब्रेकर को आगे जोड़ने की आवश्यकता नहीं है। पे लोडर लोडिंग न करने के लिए सड़क द्वारा बिक्री वाले ट्रकों से ट्रक लोडिंग सिस्टम की शुरुआत तथा सीएचपी के नवीकरण के लिए कार्रवाई की जा रही है।

9.2.1 इन सीएचपी के कार्यात्मक बिंदु इस प्रकार हैं:-

क्षेत्र	सीएचपी का स्थान	क्षमता (एमटीवाई)
जगन्नाथ	जगन्नाथ ओसीपी	3.0
	अनंता ओसीपी	1.0
भरतपुर	भरतपुर ओसीपी	3.5
	नया साइलॉ	15.0
लिंगराज	नया सीएचपी (साइलॉ I एवं II)	16.0
ईब वैली	लजकुरा ओसीपी	1.0
कुल		39.5

एमसीएल में पूर्ण/जारी सीएचपी/साइलो परियोजनाएँ

क्र.	सीएचपी/साइलो विवरण	क्षमता	वर्तमान स्थिति
1	भरतपुर साइडिंग में साइलो के साथ कोल हैंडलिंग प्लांट	15 एमटीवाई	एमसीएल द्वारा संयंत्र के निर्माण कार्य को दिनांक 09.10.2018 पूरा किया गया गया। कार्य निष्पादन गारंटी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और संयंत्र दिसंबर 2018 से परिचालन में है।
2	लिंगराज ओसीपी में कोयला परिवहन और एसएलओ लोडिंग की व्यवस्था	16 एमटीवाई	प्लांट का ट्रायल रन 25.04.2020 को पूरा हो चुका है। संयंत्र चालू है और परिचालन में है।
3	भुवनेश्वरी ओसीपी से साइलो तक स्पर साइडिंग -III के पास जगन्नाथ वाशरी के पास कच्चे कोयले का परिवहन	10 एमटीवाई	परियोजना की समग्र प्रगति 98 % है और दिसंबर, 2021 तक परियोजना के पूरा होने की उम्मीद है।
4	प्रस्तावित हिंगुला वाशरी के साथ ही साथ बलराम साइडिंग, हिंगुला क्षेत्र में साइलो व्यवस्था तक हिंगुला ओसीपी से पाइप कनवेयर द्वारा कोयला परिवहन।	10 एमटीवाई	परियोजना की समग्र प्रगति 79%। जुलाई 2021 तक परियोजना के पूर्ण होने की उम्मीद है।
5	ईब वैली वाशरी को कच्चे कोयले की आपूर्ति के लिए लखनपुर में साइलो के साथ कोल हैंडलिंग प्लांट और रैपिड लोडिंग सिस्टम।	10 एमटीवाई	कार्य की प्रगति 9% है और अप्रैल 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है।

3.3 वेब्रिजों का विवरण

क्रमांक	वेब्रिज का प्रकार	2020-21	2019-20
1	इलेक्ट्रॉनिक रोड वेब्रिज (स्टैटिक)	116	112
2	इलेक्ट्रॉनिक रोड वेब्रिज (इन-मोशन)	40	40
3	रेल वेब्रिज(इलेक्ट्रॉनिक)	35	38

दोनों सिरों (साइडिंग्स और स्टॉकयार्ड) पर 100% वजन सुनिश्चित करने के लिए, 100 टन का 34 इनमोशन रोड वेब्रिजों खरीद कार्रवाई के तहत हैं। इसके अलावा, अतिरिक्त वजन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए 100 टन क्षमता के 21 स्टैटिक रोड वेब्रिज की खरीद की गई है। 21 में से 20 वेब्रिज को शुरू किया गया है और शेष 01 वेब्रिज को प[अहले ही स्थापित किया जा चुका है तथा शुरुआत की प्रक्रिया के अधीन है। इसके अतिरिक्त, 140 टन वाले 15 रेल इन-मोशन वेब्रिज की खरीद की गई है। 15 में से, 9 वेब्रिज चालू किया गए हैं और 6 वेब्रिज स्थापना के अधीन हैं।

10. पूंजीगत संरचना :

दिनांक 31.03.2021 को कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी ₹ 980.00 करोड़ है, जो 1,000/- के 77,58,200 इक्विटी शेयर्स में। एवं प्रत्येक 1,000/- शेयर के 10% संचयी प्रतिदेय वरीयता शेयर 20,41,800 शेयर में विभाजित है।

पूंजीगत शेयर

दिनांक 31.03.2021 को कंपनी की पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी, ₹ 661,83,63,000 करोड़ है। संपूर्ण इक्विटी शेयर पूंजी, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और उसके नामितों द्वारा नियंत्रित होती है।

11. वित्तीय समीक्षा

कंपनी ने पिछले वर्ष के कुल ₹. 22834.92 करोड़ के सकल कारोबार की तुलना में चालू वर्ष में सकल विक्रय मूल्य ₹. 23619.64 करोड़ का कारोबार रिकॉर्ड किया है। गतवर्ष के ₹. 8645.47 करोड़ का कर पूर्व लाभ 2020-21 में ₹. 9316.79 करोड़ हुआ है। पिछले वर्ष ₹. 6427.39 करोड़ के तुलना में इस वर्ष कर प्रश्नात लाभ ₹ 6872.35 करोड़ है। वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2020-21 के वित्तीय परिणाम निम्नानुसार है:

	2020-21	2019-20
कुल लाभ ब्याज और ह्रास से पूर्व	9957.82	9220.52
घटाव : ह्रास सामाजिक मद मूल्य ह्रास सहित	572.65	494.74
ब्याज एवं वित्तीय प्रभार	68.38	80.31
कर पूर्व निवल लाभ	9316.79	8645.47
घटाव : आयकर के लिए प्रावधान एवं आस्थगित का दायित्वा	2444.44	2218.08
कर पश्चात निवल लाभ	6872.35	6427.39
पी और एल में उपलब्ध ओपी बेलेन्स	1008.39	1201.38
घटाव : सामान्य आरक्षित में अंतरित	343.62	321.37
इक्विटी शेयरों पर अंतरिम लाभांश	5225.00	5225.00
अंतिम लाभांश	-	-
लाभांश पर कर	-	(1074.01)
बाय बैंक इक्विटी शेयर पर दिया गया बाय बैंक वितरण कर		

उपरोक्त विनियोग के पश्चात लाभ/हानि	2312.12	1008.39
कर पूर्व अन्य व्यापक आय ओसीआई	(50.00)	(104.82)
घटाव: ओसीआई पर आयकर का प्रावधान	(12.58)	(26.38)
कर पश्चात अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	(37.42)	(78.44)
कर पश्चात कुल व्यापक आय	6834.93	6348.95

11.1 रिजर्व स्थानांतरण

वर्ष के लिए रु.343.62 करोड़ की राशि कर के बाद लाभ का 5% होने के नाते, जनरल रिजर्व में स्थानांतरित कर दिया गया है।

11.2. लाभांश

निदेशकों द्वारा अंतरिम लाभांश के रूप में 5225.00 करोड़ रुपये के लाभांश की और बोर्ड द्वारा 800 करोड़ रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की गई है, जिसे एजीएम में 661.84 करोड़ की भुगतान की गई इक्विटी शेयर पूंजी पर शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन घोषित करने का प्रस्ताव दिया गया है। आपकी अनुमोदन हेतु इस वर्ष कुल लाभांश 6025 करोड़ रुपये अर्थात भुगतान की गई इक्विटी शेयर पूंजी (पिछले वर्ष 789.47%) का 910.34% किया गया।

11.3. ऋण

असुरक्षित ऋण:

कंपनी ने एनएलसीआईएल को 7% मासिक ब्याज की दर से रु. 2000 करोड़ सामान्य व्यय के लिये दिया है जिसका मूल पुनर्भुगतान की 48 बराबर की किस्तें हैं। दिनांक 31.03.2021 तक कुल बकाया कर्ज रु 625 करोड़ है।

12. निवेश

12.1 एमसीएल की सहायक कंपनियां एमएनएच शक्ति लिमिटेड, एमजेएसजे कोल लिमिटेड, महानदी बेसिन पावर लिमिटेड और महानदी कोल रेलवे लिमिटेड (एमसीआरएल) के इक्विटी शेयर में गैर-वर्तमान निवेश क्रमशः रु 59.57 करोड़, रु. 57.06 करोड़, रु.5.00 लाख और रु.3.20 लाख हैं।

12.2. दिनांक 31.03.2021 को 7.22% सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय आईआरएफसी टैक्स फ्री 2021 श्रृंखला 79 बांड, 8% सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय आईआरएफसी बांड, 7.22% सुरक्षित गैर-परिवर्तनीय आईआरएफसी टैक्स फ्री बॉन्ड, 7.22% सुरक्षित प्रतिदेय क्रमशः 200.00 करोड़, रु. 108.75 करोड़, रु 499.95 करोड़ और रु 150.00 करोड़ था।

13. पूंजीगत व्यय

गत वर्ष के रु.1532.22 करोड़ (पुनर्वर्णित) खर्च की तुलना में इस वर्ष कुल पूंजीगत व्यय रु 2371.33 रु करोड़ था।

14. उधार

दिनांक 31.03.2021 तक मेसर्स लिबेनर फ्रांस एसए, फ्रांस को क्रेडिट पर चार हाइड्रोलिक शोवेल की आपूर्ति के लिए ₹ 5.67 करोड़ की राशि बकाया है।

कंपनी ने 2020-21 के दौरान बैंक से एक ऋण लिया है, जिसमें टीडीआर देने के लिये राशि ₹ 2646.20 करोड़ और अग्रिम कर के रूप में भुगतान करने के लिए ₹ 1706.45 करोड़ की राशि का भुगतान किया। 31.03.2021 तक का बकाया राशि ₹ 1706.45 करोड़ है।

15. विक्रय प्राप्ति

वर्ष 2019-20 में एमसीएल की सकल बिक्री ₹. 24464.46 करोड़ की तुलना में वर्ष 2020-21 के दौरान 25636.01 करोड़ रहा।

वर्ष 2020-21 में कुल प्राप्ति ₹. 25738.13 करोड़ थी जो चालू वर्ष के सकल विक्रय पर 100.40 % काम करता है।

16. राजकोष को भुगतान

आपकी कंपनी का केंद्र और राज्य के सरकारी कोष में बड़ा योगदान रहा है। पिछले वर्ष के दौरान किए गए भुगतानों की तुलना में इस वर्ष के दौरान रॉयल्टी, एनएमईटी, डीएमएफ, जीएसटी, जीएसटी क्षतिपूर्ति, आयकर, लाभांश वितरण कर, एवं बायबैक वितरण कर के लिए कंपनी द्वारा किए गए भुगतान निम्नानुसार हैं:

[₹ करोड़ में]

	2020-21	2019-20
रॉयल्टी	1624.71	2115.69
एनएमईटी	36.45	37.05
डीएमएफ	541.23	561.75
सेवा एवं वस्तु कर	461.32	466.41
जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर	5748.60	5320.10
आयकर	2250.00	4300.00
लाभांश वितरण कर	0.00	1074.01
कुल	10662.31	13875.01

विज्ञापन एवं प्रचार पर व्यय -

चालू वर्ष के दौरान विज्ञापन एवं प्रचार पर व्यय ₹ 2.63 करोड़ रुपए है, जबकि गत वर्ष यह खर्च ₹ 7.00 करोड़ रुपए था।

ऋणग्रस्तता

भुगतान को छोड़कर बकाया/उपार्जित ब्याज सहित कंपनी की ऋणग्रस्तता निम्न है:-

विवरण	जमा को छोड़कर सुरक्षित ऋण	असुरक्षित ऋण	जमा	कुल ऋणग्रस्तता
वित्तवर्ष की शुरुआत में ऋण				
i) मूल राशि	1706.31	6.10	-	1712.41
ii) ब्याज देय मगर भुगतान नहीं किया गया	0.14	-	-	0.14
iii) अर्जित ब्याज मगर देय नहीं	-	-	-	-
कुल (i + ii + iii)	1706.45	6.10	-	1712.55
वित्तीय वर्ष के दौरान ऋण में परिवर्तन				
* अतिरिक्त	2646.20	0.21	-	2646.41
* कमी	4352.65	0.64	-	4353.29
शुद्ध परिवर्तन	(1706.45)	(0.43)	-	(1706.88)
वित्तीय वर्ष के अंत में ऋण				
i) मूल राशि	-	5.67	-	5.67
ii) ब्याज देय मगर भुगतान नहीं किया गया	-	-	-	-
iii) अर्जित ब्याज मगर देय नहीं	-	-	-	-
कुल (i + ii + iii)	-	5.67	-	5.67

अतिरिक्त भौतिक जानकारी

- वर्ष के दौरान कंपनी ने पुरानी देनदारियों और प्रावधानों के लिए ₹ 39.75 करोड़ का राइट बॅक था, जो 31.03.2020 तक 5 वर्षों से किसी ने दावा नहीं किया।
- वर्ष के दौरान कंपनी ने पुरानी देनदारियों के लिए ₹ 3.73 करोड़ को बटूटे खाते में डाल दिया था, जिसके लिए पहले से ही संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान रखा गया था।
- वर्ष के दौरान वसुंधरा (वेस्ट)ओसीपी के लिए 21.51 एमसीयूएम ओवरबर्डन के लिए ₹844.86 करोड़ और बेलपहाड़ ओसीपी के लिए 15.09 एमसीयूएम ओवरबर्डन के लिए ₹ 262.62 करोड़ के अतिरिक्त अनुपात विचलन आरक्षित राशि को 01.04.2020 तक वापस ले लिया गया था।
- कंपनी ने वित्तवर्ष 2020-21 से सभी पूंजीगत व्यय पर जीएसटी का पूंजीकरण किया है और 24.12.2020 को आयोजित 415 वीं सीआईएल बोर्ड बैठक के निर्णय के अनुसार कंपनी अधिनियम 2013 और आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के अनुसार मूल्यहास का दावा किया है।

परियोजना गठन /पूंजी परियोजना

योजनाएँ:

एमसीएल ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 160.00 मिलियन टन कोयला प्राप्त करने की योजना बनाई है। वर्ष 2020-21 के लिए अनुमानित पूंजीगत व्यय रु. 2300.00 करोड़ है, जिसका बड़ा हिस्सा भूमि अधिग्रहण, आधारभूत संरचनाओं के विकास (फ़र्स्ट माइल कनेक्टिविटी सहित) और हेवी अर्थ मूविंग मशीन (एचईएमएम) की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा।

परियोजना गठन:

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान एमसीएल/सीआईएल बोर्ड द्वारा चार परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई थी:

1. बलराम विस्तार ओसीपी (15 एमटीवाई)
2. गोपालजी -कनिहा विस्तार ओसीपी (40 एमटीवाई)
3. भुवनेश्वरी विस्तार ओसीपी (40 एमटीवाई)
4. सुभद्रा ओसीपी (25.0 एमटीवाई)

17.3 परियोजना कार्यान्वयन:

2020-21 के दौरान एमसीएल का कुल पूंजी व्यय लक्ष्य 2300 करोड़ रुपये की तुलना में 2304.95 करोड़ रुपये है।

17.4 कोयला परियोजनाएं:-

एमसीएल में अब तक कुल 54 (3 समाप्त परियोजनाओं सहित) स्वीकृत कोयला खनन परियोजनाएं हैं। इन स्वीकृत परियोजनाओं की उत्पादन दर क्षमता 310.61 एमटीवाई थी, जिसमें स्वीकृत पूंजी लागत (आरसीई सहित) रु 34357.72 करोड़ थी। कुल 54 परियोजनाओं में से 39 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 15 परियोजनाएं चालू परियोजनाएं हैं। 54 परियोजनाओं की पूंजी परिव्यय के साथ वर्तमान क्षमता निम्नानुसार है:

परियोजना वर्ग (करोड़ रु.)	स्वीकृत परियोजना की संख्या	स्वीकृत क्षमता (एमटीवाई)	स्वीकृत पूंजी (करोड़ रु.)	स्थिति		
				समाप्त	पूर्ण	कार्यरत (चालू)
100 और उससे अधिक	22	257.40	33381.75	01	09	12
50 से 100	12	17.83	685.52	00	09	03
20 से 50	13	28.10	225.93	01	12	00
20 से कम	07	7.28	64.52	01	06	00
कुल	54	310.61	34357.72	03	36	15

17.5 पूर्ण परियोजना : - 39 .

क्र.	परियोजना का नाम	परियोजना क्षमता (एमटीवाई)	स्वीकृत पूंजी (रुकोड़ .)	पूर्ण करने की तय तिथि
तालचर कोलफील्ड्स				
1.	अनंता ओ/सी	4.00	338.44*	मार्च 2008
2.	अनंता ओ/सी विस्तार चरण-I	1.50		
3.	अनंता ओ/सी विस्तार चरण-II	6.50		
4.	बलान्डा ओ/सी & आरपीआर (समाप्त)	1.00	33.20	मार्च 1984
5.	बलराम ओ/सी ओसीपी)	8.00	344.63*	मार्च 2000
6.	भरतपुर ओ/सी	3.50#	158.97 (RCE)#	मार्च 1991
7.	भरतपुर ओ/सी विस्तार चरण-I	1.50#	48.02#	मार्च 1998
8.	भरतपुर ओ/सी विस्तार चरण-II	6.00#	95.87#	मार्च 2007
9.	भरतपुर ओ/सी विस्तार चरण-III	9.00#	131.39#	मार्च 2010
10.	छेंडिपाडा ओ/सी (समाप्त)	0.35	19.75	मार्च 2007
11.	हिंगुला-II ओ/सी	2.00	47.93*	मार्च 2002
12.	हिंगुला -II ओ/सी विस्तार चरण-I	2.00	89.78	मार्च 2009
13.	हिंगुला -II ओ/सी विस्तार चरण-II	4.00	35.67	मार्च 2009
14.	जगन्नाथ ओ/सी / जगन्नाथ विस्तार	4.00	66.71 / 4.71	मार्च 1991
15.	जगन्नाथ ओ/सी विस्तार चरण-II	2.00	4.95	मार्च 2008
16.	जगन्नाथ पुनः संगठन ओसी	6.00	437.011*	अक्टूबर 2020
17.	लिंगराज ओ/सी	5.00	229.84	मार्च 1998
18.	लिंगराज ओ/सी विस्तार चरण-I	5.00	98.89	मार्च 2007
19.	लिंगराज ओ/सी विस्तार चरण-II	3.00	2.18	मार्च 2008
20.	लिंगराज ओ/सी विस्तार चरण-III	3.00	306.18**	मार्च 2014
21.	नंदिरा भूमिगत (वृद्धि)	0.33	17.96	मार्च 1995
उप कुल (क्षमता समाप्त खानों सहित)		51.68	2077.831	
ईब वैली कोलफील्ड्स				
22.	बसुंधरा (ई) ओ/सी (समाप्त)	0.60	19.70	मार्च 1998
23.	बसुंधरा (प.) ओ/सी	2.40	68.74 (RCE)	मार्च 2007
24.	बसुंधरा (प.) विस्तार चरण-I	4.60	46.52	मार्च 2011
25.	बेलपहाड़ ओ/सी	2.00#	246.93*	मार्च 2015
26.	बेलपहाड़ ओ/सी विस्तार चरण-I	1.50#		
27.	बेलपहाड़ ओ/सी विस्तार चरण-II	4.50#		
28.	कुलड़ा ओसीपी	10.00	487.06**	फरवरी-2020
29.	लजकुरा ओ/सी / लजकुरा विस्तार	1.00	38.98 (RCE) / 3.22	मार्च 1991
30.	लजकुरा ओ/सी विस्तार चरण-I	1.50	194.99**	मार्च 2013
31.	लखनपुर ओ/सी	5.00#	215.02*	मार्च 2000
32.	लखनपुर ओ/सी विस्तार चरण-I	5.00#	98.74	मार्च 2010
33.	लखनपुर ओ/सी विस्तार चरण-II	5.00#	116.54	मार्च 2011

34.	लिलारी ओ/सी / लिलारी विस्तार .	0.80#	19.78 / 0.63	मार्च 1992
35.	समलेश्वरी ओ/सी	3.00	636.24**	मार्च 2013
36.	समलेश्वरी ओ/सी विस्तार चरण-I	1.00		
37.	समलेश्वरी ओ/सी विस्तार चरण-II	1.00		
38.	समलेश्वरी ओ/सी विस्तार चरण-III	2.00		
39.	समलेश्वरी ओ/सी विस्तार चरण -IV.	5.00		
उप कुल (क्षमता समाप्त खानों सहित)		32.10	2193.09	
कुल (पूर्ण परियोजनाएँ)		83.78	4270.921	

(*) स्वीकृत आरसीई-सह-समापन रिपोर्ट के अनुसार पूर्ण लागत.

(**)स्वीकृत आरसीई-सह-समापन रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्य वर्ष से अधिक स्वीकृत अतिरिक्त पूंजी ।

(#) नर्सगठन/दोहरी परियोजना रिपोर्ट के अनुमोदन के बाद इन खानों की क्षमता और/या पूंजी को छोड़कर ।

17.6 चालू परियोजनाएं -15

क्र.	परियोजना का नाम	परियोजना क्षमता (एमटीवाई)	स्वीकृत पूंजी (रुकोड .)	पपीआर अनुमोदन की तिथि
तालचर कोलफील्ड्स				
1	अनंत ओसी विस्तार चरण -III	3.00(Inc)	251.95#	31.08.2008
2	बलराम विस्तार ओसीपी	15.00	3504.21	04.08.2020
3	भुवनेश्वरी विस्तार ओसीपी	40.00	3145.45	25.08.2020
4	गोपालजी-कनिहा ओसीपी	30.00	8416.19	25.08.2020
5	हिंदुला-II ओसी विस्तार चरण-III	7.00(Inc)	479.53	08.11.2008
6	जगन्नाथ भूमिगत	0.67	80.75	15.10.2001
7	नटराज भूमिगत	0.64	92.11	30.01.2001
8	तालचर (पश्चिम) भूमिगत	0.52	85.08	18.02.2002
9	भरतपुर पुनर्संगठन ओसी	20.00	2838.87	12.11.2018
10	सुभद्रा ओसीपी	25.00	2623.69	25.03.2021
उप कुल		141.83	21517.83	
ईब बैली कोलफील्ड्स				
11	बसुंधरा (पश्चिम)विस्तार	7.00*	**620.42	07.05.2014
12	कुलड़ा विस्तार ओसीपी	5.00(Inc)	**382.05#	25.06.2014
13	सियालमल ओसीपी	40.00	**3756.36	29.05.2014
14	गर्जनबहाल ओसीपी	10.00	**1375.38	03.05.2016
15	एकीकृत लखनपुर-बेलपहाड़-लिलारी ओसीपी	30.00	2434.75	22.05.2018
उप कुल		85.00	8568.97	
कुल (चालू परियोजनाएँ)		226.83	30086.80	
कुल योग (समाप्त खदानों की क्षमता सहित)		310.61	34357.72	

(*)विस्तार परियोजना के लिए क्षमता में कोई वृद्धि नहीं।

(**)आरसीई-सह-समापन रिपोर्ट और/या लक्षित वर्ष के अतिरिक्त स्वीकृत पूंजी के अनुसार

(#)सीएमडी, एमसीएल के शक्तियों के प्रत्यायोजन में स्वीकृत पूंजी का 10% शामिल।

(^)परियोजना को केवल प्रथम वर्ष की मंजूरी के साथ "सैद्धांतिक" अनुमोदन दिया गया।

वर्तमान पुरानी भूमिगत खदानें: - 05.

क्र.	परियोजना का नाम	सीएमपीडीआईएल (एमटी/वाईआर) द्वारा मूल्यांकित एमटीवाई में क्षमता					
		2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
1.	हीराखंड बुंदिया खान	0.551	0.612	0.612	0.505	0.551	0.366
2.	ओरिएंट खान 1 एवं 2	0.428	0.428	0.367	0.352	0.398	0.397
3.	ओरिएंट खान 3	0.551	0.490	0.000	0.122	0.122	0.122
4.	ओरिएंट खान 4	0.061	0.061	0.122	0.061	0.000	0.000
5.	तालचेर भूमिगत	0.318	0.340	0.272	0.173	0.107	0.000
	कुल	1.909	1.931	1.373	1.213	1.178	0.885
	कुल क्षमता (वर्तमान भूमिगत खानों सहित)=285.61+0.885						=286.495

17.7 भावी परियोजनाएँ :- 02

क्र.	परियोजना का नाम	परियोजना क्षमता (एमटीवाई)	टिप्पणी
1.	कुलड़ा गर्जनबहाल विस्तार ओसीपी	40.0 (अतिरिक्त - 15.0 एमटीवाई)	सीएमपीडीआई द्वारा एमसीएल को 23.12.20 को परियोजना प्रस्तुत की गई। विभिन्न विभागों की टिप्पणियों की जांच की गई और एमसीएल बोर्ड के आगामी टीएससी में प्रस्तुत किए जाने की आशा है।
2.	बलभद्र ओसीपी	10.0 एमटीवाई (नई)	सीएमपीडीआई द्वारा दिनांक 27.12.20 को एमसीएल को परियोजना प्रस्तुत की गई। एमडीओ संस्करण के साथ परियोजना अप्रैल 2021 तक सीएमपीडीआई द्वारा प्रस्तुत की जाएगी।
कुल	कुल अतिरिक्त क्षमता - 25.00 एमटीवाई		

अनुमोदित परियोजना के अनुसार एमसीएल में स्वीकृत कोयला खनन परियोजनाओं की बायो-प्रोफाइल

क्र.	परियोजनाएं	पूँजी परिव्यय (रुपये करोड़ में)	परियोजना क्षमता (एमटीवाई)	अनुसूचित समापन तिथि	कार्यान्वयन की स्थिति
ए1. पूर्ण परियोजनाएं (100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत):-					
1.	अनंता ओसी	156.49	4.00 (Incr.)	03/95	03/2008 को पूर्ण
2.	बसुंधरा(प.) ओसी	176.55	2.40	03/07	समय पर पूर्ण
3.	भरतपुर ओसी विस्तार चरण-III	131.39^	9.00^ (Incr.)	03/10	Dovetailed in 11/2018
4.	जगन्नाथ पुनः संगठन	337.66	6.00#	03/19	10/2020 को पूर्ण
5.	कलिंगा ओसी (समाप्त)	345.96	8.00**	03/00	03/2000 को पूर्ण
6.	लखनपुर ओसी	221.51	5.00*	03/96	03/2001 को पूर्ण
7.	लखनपुर ओसी विस्तार चरण-II	116.54	5.00 (Incr.)*	03/10	समय पर पूर्ण
8.	लिंगराज ओसी	229.84	5.00	03/98	समय पर पूर्ण
9.	समलेश्वरी ओसी	126.85	3.00	03/96	03/2013 को पूर्ण
10.	कुलड़ा ओसीपी	302.96	10.00	03/12	02/2020 में पूर्ण
उप कुल A1		2014.37	32.40	-	-

बी1. पूर्ण परियोजनाएं (50 से 100 करोड़ रुपये के बीच लागत):-					
1.	बेलपहाड़ ओसी	57.38	2.00*	03/94	03/2015 को पूर्ण
2.	भरतपुर ओसी	61.84^	3.50^	03/90	Dovetailed on 11/2018
3.	भरतपुर ओसी विस्तार चरण-II	95.87^	6.00^ (Incr.)	03/07	Dovetailed on 11/2018
4.	हिंगुला-II ओसी विस्तार चरण-I	89.78	2.00 (Incr.)	03/06	समय पर पूर्ण
5.	जगन्नाथ ओसी	66.71	4.00	03/91	समय पर पूर्ण
	जगन्नाथ ओसी विस्तार	4.71	4.00#	03/04	समय पर पूर्ण
6.	लखनपुर ओसी विस्तार चरण-I	98.74	5.00 (Incr.)*	03/07	समय पर पूर्ण
7.	लिंगराज ओसी विस्तार चरण-I	98.89	5.00 (Incr.)	03/07	समय पर पूर्ण
8.	लिंगराज ओसी विस्तार चरण-III	52.25	3.00 (Incr.)	03/13	03/2014 को पूर्ण
9.	समलेश्वरी ओसी विस्तार चरण-III	87.95	2.00 (Incr.)	03/09	03/2013 को पूर्ण
उप कुल B1		556.41	16.00	-	-
सी1. पूर्ण परियोजनाएं (20 से 50 करोड़ रुपये के बीच लागत):-					
1.	अनंता ओसी विस्तार चरण-I	46.99	1.50 (Incr.)	03/97	03/2008 को पूर्ण
2.	अनंता ओसी विस्तार चरण-II	35.88	6.50 (Incr.)	03/07	03/2008 को पूर्ण
3.	बेलपहाड़ ओसी विस्तार चरण-I	35.47	1.50 (Incr.)*	03/07	03/2015 को पूर्ण
4.	दक्षिण बलाण्डा (समाप्त)	3.65	1.00**	03/85	07/2005 को समाप्त
	दक्षिण बलाण्डा आरपीआर (समाप्त)	29.55	1.00#	03/85	07/2005 को समाप्त
5.	बसुंधरा (प.) ओसी विस्तार चरण-I	46.52	4.60	03/11	समय पर पूर्ण
6.	भरतपुर ओसी विस्तार चरण-I	48.02^	1.50 (Incr.)	03/97	03/1998 को पूर्ण
7.	हिंगुला-II ओसी	48.57	2.00	03/02	03/2002 को पूर्ण
8.	हिंगुला -II ओसी विस्तार चरण-II	35.67	4.00 (Incr.)	03/08	समय पर पूर्ण
9.	लजकुरा ओसी	25.79	1.00	03/88	समय पर पूर्ण
	लजकुरा ओसी विस्तार	3.22	1.00#	03/92	समय पर पूर्ण
10.	लजकुरा ओसी विस्तार चरण-I	43.27	1.50 (Incr.)	03/12	समय पर पूर्ण
11.	लिलारीओ/सी	19.78	0.80*	03/92	समय पर पूर्ण
	लिलारी विस्तार	0.63	0.80#	03/04	समय पर पूर्ण
12.	समलेश्वरी ओसी विस्तार चरण-I	28.69	1.00 (Incr.)	03/06	03/2013 को पूर्ण
13.	समलेश्वरी ओसी विस्तार चरण-IV	27.82	5.00 (Incr.)	03/12	03/2013 को पूर्ण
उप कुल C1		431.50	28.10	-	-
डी1. पूर्ण परियोजनाएं (रु.20 करोड़ से कम लागत):-					
1.	बसुंधरा (पूर्व) ओ/सी (समाप्त)	19.70	0.60**	03/93	06/2005 को समाप्त
2.	बेलपहाड़ ओसी विस्तार चरण-II	14.40	1.50 (Incr.)*	03/14	03/2015 को पूर्ण
3.	छेडिपाड़ा ओ/सी	19.75	0.35	03/02	03/2007 को पूर्ण
4.	जगन्नाथ ओसी विस्तार चरण-II	4.95	2.00 (Incr.)	03/07	समय पर पूर्ण
5.	लिंगराज ओसी विस्तार चरण-II	2.18	3.00 (Incr.)	03/09	समय पर पूर्ण
6.	नंदिरा भूमिगत (Aug.)	17.95	0.33	03/95	समय पर पूर्ण
7.	समलेश्वरी ओसी विस्तार चरण-II	13.38	1.00 (Incr.)	03/06	
उप कुल D1		92.30	7.28	-	
(ए1+बी1+सी1+डी1) = X		3094.58	83.78		1076.99
आरसीई-सह-पूर्णता लागत और अतिरिक्त अनुमोदन सहित पूंजी = X'		4270.921			

^ भरतपुर ओसीपी और बलराम विस्तार ओसीपी के क्रमशः पुनः संगठन परियोजना स्वीकृति के बाद इन परियोजनाओं की क्षमता और पूंजी को छोड़कर।

* लखनपुर-बेलपहाड़-लीलारी ओसीपी के एकीकृत परियोजना अनुमोदन के बाद इन परियोजनाओं की क्षमता को छोड़कर

** समाप्त परियोजनाओं की क्षमता सहित।

ये अतिरिक्त क्षेत्रों को जोड़ने वाली मूल परियोजनाओं के विस्तार हैं। इसलिए, क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

ए2. चालू परियोजनाएं (100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत):-					
1.	अनंता ओसी विस्तार चरण-III	207.28	3.00 (Incr.)	03/12	विलंबित
2.	बलराम विस्तार ओसीपी	3504.21	15.00	03/29	समय पर
3.	भुवनेश्वरी विस्तार ओसीपी	3145.45	40.00	03/31	समय पर
4.	भरतपुर (प.) विस्तार	620.42	7.00#	03/17	विलंबित
5.	भरतपुर पुनः संगठन	2838.87	20.00	03/27	समय पर
6.	गर्जनबहाल ओसीपी	1375.38	10.00	03/21	समय पर
7.	गोपालजी-कनिहा ओसीपी	8416.19	30.00	03/28	समय पर
8.	हिंगुला-II ओसी विस्तार चरण-III	479.53	7.00 (Incr.)	03/13	विलंबित
9.	एकीकृत लखनपुर-बेलपहाड़-लीलारी ओसीपी	2434.75	30.00	03/27	समय पर
10.	कुलड़ा विस्तार ओसीपी	319.26	5.00 (Incr.)	03/18	विलंबित
11.	सियारमाल ओसीपी	3756.36	40.00	03/26	समय पर
12.	सुभद्रा ओसीपी	2623.69	25.00		समय पर
उप कुल ए2		29721.39	225.00	-	-
B2. चालू परियोजनाएं (50 से 100 करोड़ रुपये के बीच लागत):-					
1.	जगन्नाथ भूमिगत	80.75	0.67	03/08	विलंबित
2.	नटराज भूमिगत	92.11	0.64	03/08	विलंबित
3.	तालचेर(प.) भूमिगत	85.08	0.52	03/08	विलंबित
उप कुल बी2		257.94	1.83	-	-
सी2. चालू परियोजनाएं (20 से 50 करोड़ रुपये के बीच लागत):-					
उप कुल C2		0.00	0.00	-	-
डी2. चालू परियोजनाएं (रु.20 करोड़ से कम लागत):-					
उप कुल D2		0.00	0.00		
(ए2+बी2+सी2+डी2) = Y		29979.33	226.83		
आरसीई-सह-पूर्णता लागत और अतिरिक्त अनुमोदन सहित पूंजी = वाई		30086.80			
वर्तमान भूमिगत खानों की क्षमता (2019-20 में मूल्यांकित)			0.885		
क्षमता-समग्र योग (एक्स+वाई खदानें)		-	310.610		
कुल योग(एक्स+वाई+भूमिगत खान)		33073.91	311.495		
कुल योग ('एक्स+वाई'+भूमिगत खान)		34357.72			
आरसीई-सह-पूर्णता लागत और अतिरिक्त अनुमोदन सहित					

ये अतिरिक्त क्षेत्रों को जोड़ने वाली मूल परियोजनाओं के विस्तार हैं। इसलिए, क्षमता में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

17.8 एमसीएल में स्वीकृत परियोजनाओं की मुख्य विशेषताएं:

कुल 54 कोयला खनन परियोजनाएं स्वीकृत। 02 परियोजनाएं समाप्त हो चुकी हैं, 39 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 15 परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन हैं। 15 चालू परियोजनाओं में से 07 परियोजनाएं समय पर हैं और 08 परियोजनाएं विलंबित हैं।

परियोजना श्रेणी	पूर्ण परियोजनाएं			चालू परियोजनाएं							महायोग		
				समय पर			विलंबित			चालू			
	ओसी	भूमिगत	कुल	ओसी	भूमिगत	कुल	ओसी	भूमिगत	कुल	कुल	ओसी	भूमिगत	कुल
>रु.100 करोड़	10	0	10	7	0	7	5	0	5	12	22	0	22
रु. 50-100 करोड़	9	0	9	0	0	0	0	3	3	3	9	3	12
रु.20-50 करोड़	13	0	13	0	0	0	0	0	0	0	13	0	13
<रु. 20 करोड़	6	1	7	0	0	0	0	0	0	0	6	1	7
कुल	38	1	39	7	0	7	5	3	8	15	50	4	54

17.9 एमसीएल में परियोजनाओं का विलम्ब विश्लेषण:

परियोजनाओं की स्थिति की तुलना में पूरा करने के लिए मानदंड

कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालय ज्ञापन संख्या- 43012/50/2012-सीपीएम-IV दिनांक - 24/03/2021 के अनुसार परियोजनाओं को पूरा करने के लिए मानदंड तय किए गए हैं।

क्र.	पूरा करने के लिए मानदंड					
1	निर्धारित क्षमता के 80% कोयला उत्पादन क्षमता की उपलब्धि,					
2	सभी प्रमुख सुविधाओं और प्रारंभिक खान विकास कार्यों को पूरा करना,					
3	पूंजी निवेश का 80% किया जाता है।					
क्र.	परियोजना	अनुमोदन /स्वीकृति की तिथि	समाप्ति की तिथि		मार्च-21तक स्लिपेज (माह में)	टिप्पणी/ विलंब का कारण
			Sch.	Ant.		
7 वर्ष से अधिक विलंब						
1	नटराज भूमिगत	30.01.01	03/08	03/25	156	परियोजना अभी शुरू नहीं हुई है क्योंकि वन विभाग द्वारा गैर वन भूमि पर इनक्लाइन ड्राइवेज का काम रोक दिया गया था, जिसके परिणामस्वरूप इनक्लाइन ड्राइवेज के लिए कार्य आदेश रद्द कर दिया गया और अनुबंध को बंद करने के लिए आरसीई में देरी हुई। कंसोर्टियम की सिफारिशों और सीआईएल के अनुवर्ती निर्देशों को ध्यान में रखते हुए, सीएमपीडीआई में संशोधित परियोजना रिपोर्ट (2 निरंतर खनिक के साथ आरपीआर- 1.02 एमटीवाई) तैयार की जा रही है, जिसके जनवरी -2021 तक पूरा होने की उम्मीद है। फिलहाल परियोजना पर काम बंद है।
2	जगन्नाथ भूमिगत	06.03.02	03/08	03/26	156	परियोजना अभी प्रारम्भ नहीं हुई है क्योंकि बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रौद्योगिकी के लिए कोई प्रतिक्रिया और चयन नहीं होने के कारण इंकलाइन ड्राइवेज के लिए निविदा रद्द कर दी गई थी। भूमि की

						भारी कमी और इनलाइन माउथ को अंतिम रूप देने से जुड़े मुद्दों के कारण, परियोजना को वर्तमान में स्थगित कर दिया गया है।
3	तालघेर(प.) भूमिगत	20.02.03	03/08	03/26	156	कोई प्रतिक्रिया नहीं होने, काम रुकने और ठेका बंद होने से पुनः निविदा प्रक्रिया में देरी के कारण परियोजना प्रारम्भ होना शेष है। जीएम (पीएमडी) की सलाह के अनुसार एमडीओ मोड के माध्यम से खदान को विकसित करने के लिए सीआईएल प्रस्ताव प्रक्रिया में है।
4	अनंता ओसी विस्तार चरण- III	31.08.08	03/12	03/21	108	एफसी में देरी और वन भूमि अधिग्रहण एवं भूमि की कमी के कारण परियोजना पूरा होने के लिए आवश्यक अपनी निर्धारित क्षमता का 80% उत्पादन प्राप्त नहीं किया है। परियोजना ने वित्त वर्ष 2020-21 में 8.83 मीट्रिक टन (Q4 में प्राप्त 3.675 मीट्रिक टन अर्थात आनुपातिक रेटेड क्षमता का 80% से अधिक) प्राप्त किया है। परियोजना को पूरा करने के लिए प्रस्तावित किया जाना है।
5	हिंगुला-II ओसी विस्तार चरण- III	08.11.08	03/13	03/22	96	परियोजना 80% प्राप्त नहीं हुई है। कोचियाली आर एंड आर साइट के विकास में बाधा के कारण वन भूमि और गांव भालुगडिया का स्थानांतरण। साथ ही साइलो का निर्माण भी प्रगति पर है।
4 वर्ष से अधिक विलंब						
निरंक						
2 वर्ष से अधिक विलंब						
6	भरतपुर (प) विस्तार	07.05.14	03/17	03/24	48	परियोजना अभी शुरू नहीं हुई है क्योंकि वन भूमि डायवर्जन और ईसी प्रगति पर है।
7	कुलड़ा विस्तार.	25.06.14	03/18	03/24	36	परियोजना ने पूरा होने के लिए स्वीकृत पूंजी के 90% के व्यय मानदंड को प्राप्त नहीं किया है।
8	गर्जनबहाल	03.05.16	03/21	03/24	01	प्रमुख बुनियादी ढांचे के रूप में बरपाली बल्ब में साइलों के निर्माण के बाद परियोजना को पूरा किया जाना है।
समय पर						
9	सियारमाल ओसीपी	29.05.14	03/26	03/26	-	समय पर
10	एकीकृत लखनपुर - बेलपहाड़- लिलारी ओसीपी	22.05.18	03/27	03/27	-	समय पर
11	गोपालजी- कनिहा ओसीपी	25.08.20	03/28	03/28		समय पर
12	भरतपुर पुनः	12.11.18	03/29	03/29	-	समय पर

	संगठन					
13	बलरामओसी विस्तार	12.06.20	03/29	03/29	-	समय पर
14	भुवनेश्वरी विस्तार ओसीपी	25.08.20	03/31	03/31		समय पर
15	सुभद्रा ओसीपी	25.03.21	-	-		समय पर

20-2021 के दौरान भूमि अधिग्रहण और अधिकार :

(आंकड़ें हेक्टेयर में हैं)

क्र	क्षेत्र	किराये पर		सरकारी गैर वन भूमि		वन भूमि		कुल अधिग्रहण	कुल अधिकार	टिप्पणी
		अधिग्रहण	अधिकार	अधिग्रहण	अधिकार	अधिग्रहण	अधिकार			
1	जगन्नाथ	0.00	34.53	0.00	7.63	0.00	130.31	0.00	172.47	
2	हिंगुला	0.00	27.37	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	27.37	
3	सुभद्रा	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
3	भरतपुर	0.00	5.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.60	
4	लिंगराज	0.00	0.53	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.53	
5	कनिहा	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
6	इब वैली	0.00	8.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.66	
7	लखनपुर	0.00	57.38	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	57.38	
8	बी-जी क्षेत्र	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
9	महालक्ष्मी	0.00	3.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.01	
	कुल	0	137.08	0	7.63	0	130.31	0.00	275.02	

17.0 निर्माण, संचालन और रखरखाव (बीओएम) के आधार पर वाशरी की स्थिति:

अधिक राख वाले कोयले के सस्ती के लिए बिल्ड-ऑपरेट-मेंटेन (बीओएम) आधार पर कोयला वॉशरियों की स्थापना के लिए सीआईएल के निर्णय के अनुरूप एमसीएल प्रथम चरण- I में बीओएम अवधारणा पर प्रत्येक 10.0 एमटीपीए की क्षमता वाले चार कोयला वॉशरी अर्थात् हिंगुला वाशरी, बसुंधरा वाशरी, लखनपुर क्षेत्र में इब-वैली वाशरी और जगन्नाथ वाशरी को स्थापित करने की योजना बना रहा था।

चूंकि हिंगुला वाशरी (10.0 एमटीपीए) और जगन्नाथ वाशरी (10.0 एमटीपीए) के लिए बीओएम अवधारणा पर निविदा कार्यान्वित नहीं की गई थी, बीओएम अवधारणा पर जगन्नाथ वाशरी (10.0 एमटीपीए) और हिंगुला वाशरी (10.0 एमटीपीए) के लिए 26 मार्च, 2018 को निविदा जारी की गई थी।

जगन्नाथ वाशरी (10.0 एमटीपीए) और हिंगुला वाशरी (10.0 एमटीपीए) की स्थापना के लिए क्रमशः दिनांक 29.12.2018 और 07.02.2019 को सबसे कम बोलीदाता को सूचना पत्र (एलओआई) जारी किया गया था।

जगन्नाथ वाशरी की स्थापना के लिए दिनांक 24/02/2020 को एमओईएफ और सीसी से संशोधित ईसीओ प्राप्त किया गया था तथा एसपीसीबी, ओडिशा से दिनांक 24.08.2020 को संशोधित सीटीई प्रपट की गई थी। लेटर ऑफ अवार्ड जारी किया जाना शेष है।

हिंगुला वाशरी की स्थापना के लिए संशोधित पर्यावरण मंजूरी, स्थापना और अन्य सांविधिक मंजूरी के प्राप्त होने के बाद एल-1 बोलीदाता को लेटर ऑफ अवार्ड (LoA) जारी किया जाएगा।

लखनपुर में इब-वैली वाशरी (10.0 एमटीपीए) के लिए दिनांक 14.03.2018 को एल-1 बोलीदाता को लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) जारी किया गया तथा लखनपुर क्षेत्र में ईबी-वैली वाशरी स्थापित करने का अनुबंध दिनांक 15.10.2018 को मेसर्स ग्लोबल कोल एंड माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड (जीसीएमपीएल) के साथ हस्ताक्षरित किया गया था। लखनपुर क्षेत्र में इब-वैली वाशरी (10 एमटीपीए) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। (फरवरी 2021 तक 71%)

बसुंधरा वाशरी (10.0 एमटीपीए) के संबंध में एल-1 बोलीदाता अर्थात् मेसर्स एसीबी (इंडिया) लिमिटेड ने बसुंधरा वाशरी के लिए बोली और बोली सुरक्षा की वैधता का विस्तार करने में असमर्थता व्यक्त की है और बैंक गारंटी वापस करने का अनुरोध किया है। बसुंधरा वाशरी की निविदा को रद्द करने का प्रस्ताव एमसीएल बोर्ड की दिनांक 28.03.2020 की बैठक में रखा गया है।

बीओएम अवधारणा पर बसुंधरा वाशरी के लिए न्यूनतम बोलीदाता को जारी निविदा और सूचना पत्र (एलओआई) पत्र संख्या 2728 दिनांक 11.04.2020 के तहत रद्द कर दी गई है तथा बैंक गारंटी के रूप में बोली एवं 50.00 लाख रु. राशि की बोली जमा को वापस कर दिया गया है।

चरण-1 के तहत तीन (3) वशरियों की वर्तमान स्थिति नीचे दी गई है।

(ए) बीओएम अवधारणा पर लखनपुर में इब-वैली वाशरी (10.0 एमटीपीए क्षमता):

1. मई, 2015 में निविदा आमंत्रित की गई थी।
2. दिनांक 12.09.2016 को सबसे कम बोली दाता मेसर्स ग्लोबल कोल एंड माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को सूचना पत्र जारी किया।
3. दिनांक 31.03.2017 को पर्यावरण मंजूरी (दिनांक 30/03/2017) प्राप्त हुई। एमओईएफ और सीसी से ईसी की कुछ विशिष्ट स्थितियों में संशोधन की मांग की गई थी। दिनांक 15.06.2017 की संशोधित ईसी दिनांक 26.07.2017 को प्राप्त हुई।
4. दिनांक 01.07.2017 से प्रभावी जीएसटी के कार्यान्वयन के मद्देनजर, एल-1 बोलीदाता ने क्रमशः दिनांक 08/01/2018 और 22/01/2018 को परियोजना पूंजी लागत तथा संचालित लागत (उल्लिखित मूल्य पर जीएसटी और मुनाफाखोरी विरोधी प्रावधानों के प्रभाव को देखते हुए) का अंतिम संशोधित मूल्य ब्रेक-अप प्रस्तुत किया। जिसे बाद में फरवरी 2018 में एमसीएल के सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया था।
5. एल-1 बोलीदाता को दिनांक 14/03/2018 को लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) जारी किया गया।
6. लखनपुर क्षेत्र में इब-वैली वाशरी स्थापित करने का अनुबंध दिनांक 15.10.2018 को मेसर्स ग्लोबल कोल एंड माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड (जीसीएमपीएल) के साथ हस्ताक्षरित किया गया था।

7. कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप से निपटने के लिए सरकार द्वारा 25/03/2020 से पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा के कारण इब-वैली वाशरी का निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है।
 8. मेसर्स जीसीएमपीएल ने अपने पत्र दिनांक 15/04/2020 द्वारा कोविड -19 के कारण लॉकडाउन सहित विभिन्न कारणों से इब-वैली वाशरी के निर्माण की तिथि को आगे बढ़ाने के लिए अनुरोध किया था।
 9. दिनांक 12.06.2020 के पत्रानुसार 365 दिन / 12 महीने अर्थात् 27/05/2020 से 26/05/2021 तक की समय अवधि में अंतिम विस्तार करने की मंजूरी प्रदान की गई थी।
 10. लखनपुर क्षेत्र में इब-वैली वाशरी (10 एमटीपीए) का निर्माण कार्य चल रहा है। (फरवरी 2021 तक 71% पूर्ण)।
- (बी) बीओएम संकल्पना पर जगन्नाथ वाशरी (10 एमटीपीए क्षमता):**

1. अपेक्षित पुष्टिकरण दस्तावेजों को प्रस्तुत नहीं करने तथा एल-1 बिडर की पेशकश की अस्वीकृति के कारण 15 जून 2015 को ई-टेंडर मोड पर आमंत्रित निविदा को रद्द कर दिया गया। दिनांक 06.10.16 को रद्द करने के आदेश को दिनांक 07.10.16 को अपलोड किया गया।
2. बीओएम अवधारणा पर जगन्नाथ वाशरी (10.0 एमटीपीए) के लिए नई निविदा 26 मार्च, 2018 को जारी की गई थी।
3. दिनांक 20.12.2018 को आयोजित एमसीएल निदेशक मण्डल अपनी बैठक में "न्यूनतम बोलीदाता" अर्थात् एम/एस ग्लोबल कोल एंड माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड को "अवार्ड ऑफ वर्क" का अनुमोदन दिया गया है।
4. दिनांक 29.12.2018 को सबसे कम बोली लगाने वाले को पत्र जारी किया गया था।
5. ईसी में संशोधन का प्रस्ताव दिनांक 05/03/2019 को एमओईएफ वेबसाइट पर अपलोड किया गया।
6. जगन्नाथ वाशरी की स्थापना के लिए दिनांक 24.02.2020 को एमओईएफ एवं सीसी से संशोधित ईसी प्राप्त किया गया था।
7. दिनांक 24/08/2020 को एसपीसीबी, ओडिशा से प्राप्त सीटीई संशोधित।
8. जगन्नाथ वाशरी की स्थापना के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (LoA) जारी किया जाना शेष है।

(सी) बीओएम संकल्पना पर हिंगुला वाशरी (10.0 एमटीपीए क्षमता):

1. दिनांक 04.05.2012 की हिंगुला वाशरी (10.0 एमटीपीए) की स्थापना के लिए निविदा जारी की गई थी।
2. निर्धारित अवधि के भीतर पीएफएस जमा नहीं करने के कारण मेसर्स एमआईईएल को जारी एलओए दिनांक 03.11.2016 को रद्द कर दिया गया और मेसर्स एमआईईएल की बोली सुरक्षा के खिलाफ बैंक गारंटी दिनांक 05.11.2016 को भुनाया गया।
3. बीओएम अवधारणा पर हिंगुला वाशरी (10.0 एमटीपीए) के लिए नई निविदा 26 मार्च, 2018 को आमंत्रित की गई थी।
4. एमसीएल के निदेशक मण्डल ने दिनांक 28.01.2019 को आयोजित बैठक में "सबसे कम बोली लगाने" वाले यानी मेसर्स झार खनन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड को "अवार्ड ऑफ वर्क" देने की मंजूरी दी।
5. दिनांक 07.02.2019 को सबसे कम बोली लगाने वाले को पत्र जारी किया गया था।
6. ईसी में संशोधन का प्रस्ताव दिनांक 26.03.2019 को एमओईएफ वेबसाइट पर अपलोड किया गया था।

7. दिनांक 29.01.2021 को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (EAC) के बैठक का कार्यवृत्त(MoM) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF & CC) के परिवेश पोर्टल पर दिनांक 08.02.2021 को अपलोड किया गया। ईएसी ने पर्यावरण संरक्षण नियम और शर्तों / विशिष्ट शर्तों के अनुपालन के अधीन हिंगुला वाशरी के ईसी में संशोधन के लिए सिफारिश की। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से संशोधित ईसी पत्र की प्रतीक्षा है।
8. हिंगुला वाशरी की स्थापना के लिए संशोधित पर्यावरण मंजूरी, स्थापना और अन्य सांविधिक मंजूरी के प्राप्त होने के बाद एल-1 बोलीदाता को लेटर ऑफ़ अवार्ड (LoA) को जारी किया जाएगा।

18. पर्यावरण प्रबंधन

18.1 सीएसआर और संधारणीयता पर वार्षिक रिपोर्ट का प्रकाशन :

एमसीएल, 2011-12 से सीएसआर और संधारणीयता रिपोर्ट प्रकाशित कर रहा है। अब तक एमसीएल ने नव रिपोर्ट प्रकाशित की हैं। संधारणीयता रिपोर्टिंग में हमारा क्रमिक विकास, हमें साथियों के खिलाफ हमारे प्रदर्शन को बेंचमार्क करने में मदद कर रहा है और पर्यावरण और समाज के लिए हमारी प्रतिबद्धताओं को पूरा करता है। हम सामग्री के मुद्दों पर अपने हितधारकों के लिए संधारणीयता प्रकटीकरण की प्रक्रिया को जारी रखना हमारा प्रयोजन हैं। वित्त वर्ष 2019-20 के लिए खनन और धातु क्षेत्र अनुपूरक सहित मुख्य मानदंडों के अनुसार 'ग्लोबल रिपोर्टिंग इनीशियाटिव्स-जीआरआई दिशा निर्देश' के अनुरूप किया गया है। जीआरआई दिशानिर्देश यूएनजीसी के 'दस सिद्धांतों' और एनवीजी सिद्धांतों के अनुरूप किए गए हैं।

18.2 सांविधिक मंजूरी और अनुपालन

18.2.1 मंजूरी:

18.2.1.1 वन मंजूरी (एफसी) प्राप्त करना

वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 और उसके संशोधन के अनुसार गैर-वन प्रयोजन के लिए वन भूमि का उपयोग करने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी) वन मंजूरी देता है। तदनुसार, एमसीएल ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान चरण-I और चरण-II वन मंजूरी (एफसी) प्राप्त की है।

क) चरण-I वन मंजूरी

क्रमांक	परियोजना का नाम	वन क्षेत्र (हेक्टेयर में)	पत्रांक और दिनांक
1.	समलेश्वरी ओसीपी	230.20	फाइल सं. 8-147/1989-FC(Pt.) दिनांक 01.03.2021

18.2.1.2 पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करना:

ईआईए अधिसूचना, 2006 (पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत अधिसूचित) के अनुसार, किसी भी खदान, वाशरी के संचालन / निर्माण या किसी भी खदान के वृद्धि/विस्तार के लिए एमओईएफ और सीसी से पूर्व पर्यावरण मंजूरी अनिवार्य है। तदनुसार, एमसीएल द्वारा नियमित रूप से सभी खानों (नए और विस्तारित) के लिए ईसी लागू की जा रही है और प्राप्त की जा रही है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान प्राप्त ईसी को नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध किया गया है।

क. वर्ष 2020-21 के दौरान प्राप्त ईसी

क्रमांक	परियोजना का नाम	क्षमता (एमटीवाई)	पत्रांक और दिनांक
1.	जगन्नाथ ओसीपी	7.50	J-11015/177/2015-IA.II(M);dated: 09.09.2020
2.	नंदिरा भूमिगत	0.33	J-11015/866/2007-IA.II(M);dated: 15.11.2020
3.	बेलपहाड़ ओसीपी	9.00	J-11015/189/2008-IA.II(M);dated: 15.01.2021
4.	कुल्डा ओसीपी	16.80	J-11015/10/1995-IA.II(M);dated: 02.03.2021.
5.	हिंगुला वाशरी	10.00	दिनांक 28/10/2015 की ईसी में संशोधन 26.03.2019 से लागू। क्षेत्र और धुलाई प्रौद्योगिकी में बदलाव के कारण संशोधन की मांग की जा रही है। दिनांक 29.01.2021 को आयोजित ईएसी की बैठक में अनुशंसित। चुनाव आयोग के पत्र की प्रतीक्षा है।

ख. एमसीएल खानों के लिए उपलब्ध कुल ईसी

सं.	विवरण	तालचर कोलफील्ड्स	ईब वैली कोलफील्ड्स	कुल
1	01.04.2021 के अनुसार उपलब्ध कुल ईसी	132.83 Mty	89.81 एमटीवाई	222.64 एमटीवाई

18.2.1.3 भूजल निकासी अनुमति प्राप्त करना:

गजट अधिसूचना 18 दिसंबर 2018 के अनुसार, जल संसाधन मंत्रालय, आरडी एंड जीआर के तहत, केंद्रीय भूजल प्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) नए उद्योगों द्वारा भूमिगत जल के विस्तार और 1999 के बाद से खनन परियोजनाएं अवसंरचना/खनन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्रदान करेगा। तदनुसार, एमसीएल की सभी मौजूदा और आगामी परियोजनाओं ने भूजल की निकासी के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान सीजीडब्ल्यूए से एनओसी प्राप्त परियोजनाएं नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध हैं।

क्र.	परियोजना का नाम	एनओसी राशि (मी ³ /दिन)	पत्र सं. एवं तिथि	वैधता समय
1.	बेलपहाड़ ओसीपी	1812.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9025 Dated: 26.11.2020	25.11.2022
2.	लखनपुर ओसीपी	5233.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9248 Dated: 09.12.2020	08.12.2022
3.	कुल्डा ओसीपी	2496.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9245 Dated: 09.12.2020	08.12.2022
4.	सियारमल ओसीपी	2622.08	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9246 Dated: 09.12.2020	08.12.200
5.	बसुंधरा (डबल्यू) ओसीपी विस्तार	1249.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9349 Dated: 15.12.2020	14.12.2022
6.	भुवनेश्वरी ओसीपी	1239.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9378 Dated: 16.12.2020	15.12.2022
7.	तालचेर कोलियरी भूमिगत	8016.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9388 Dated: 16.12.2020	15.12.2022
8.	नंदिरा कोलियरी भूमिगत	6861.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9385 Dated: 16.12.2020	15.12.2022
9.	लिंगराज ओसीपी	1667.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9454 Dated: 17.12.2020	16.12.2022
10.	देउल्बेरा कोलियरी	6868.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9548 Dated: 22.12.2020	21.12.2022
11.	बसुंधरा(डबल्यू) ओसीपी	39.00	CGWA/NOC/MIN/ORIG/2020/9528 Dated: 22.12.2020	21.12.2022

18.2.3. वैधानिक अनुपालन:

- एमसीएल के सभी परिचालन खानों के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी), ओडिशा सरकार से जल और वायु अधिनियमों के तहत कार्य करने के लिए सहमति (सीटीओ) प्राप्त की गई है।
- एमसीएल के सभी परिचालन खानों के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी), ओडिशा सरकार से खतरनाक अपशिष्ट (मैनेजमेंट एंड ट्रांसबाउंडरी मूवमेंट) नियमावली, 2016 के तहत "प्राधिकरण" भी प्राप्त किया गया है। इस्तेमाल की गई बैटरी और बरामद जले हुए तेल और ग्रीस अधिकृत री-प्रोसेसर के लिए नीलाम किए जाते हैं। विधि के अनुसार बैटरी के लिए अर्ध-वार्षिक रिटर्न और अन्य खतरनाक कचरे के लिए वार्षिक रिटर्न एसपीसीबी, ओडिशा सरकार को प्रस्तुत किया गया था।
- ईआईए अधिसूचना, 2006 के तहत पर्यावरणीय मंजूरी वाले सभी परिचालन खानों के संबंध में पर्यावरण मंजूरी की शर्तों के अनुपालन की अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट, एमओईएफ और सीसी, पूर्वी क्षेत्र कार्यालय, भुवनेश्वर और एमओईएफ और सीसी, नई दिल्ली को 2019-20 के दौरान समय पर प्रस्तुत की गई।

- वर्ष 2020-21 के दौरान पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली, 1986 के नियम -14 के तहत फॉर्म-V में पर्यावरणीय विवरण तैयार करने के लिए 22 खानों, 01 रेलवे साईडिंग और 01 वशरी प्रत्येक के लिए अधिकारियों की बहुअनुशासनिक टीम द्वारा पर्यावरण ऑडिट किया गया था। दिनांक 28.09.2020 के पत्रों के अनुसार सभी 24 परियोजनाओं के लिए उक्त रिपोर्ट समय पर एसपीसीबी को प्रस्तुत की गई थी।
- खनन कार्य के कारण भूजल की गुणवत्ता और अस्थिरता की नियमित निगरानी 39 पाइजोमीटर के नेटवर्क (तालचर कोलफील्ड्स में 23 और ईब वैली कोलफील्ड्स में 16) के साथ-साथ अन्य बोर/खुले कुएं के माध्यम से की जा रही है।
- खदान जल का उपयोग:
 - अनुपयोगी खदानों में संग्रहीत ओसीपी के अधिशेष पानी का उपयोग एचईएमएम की धुलाई, धूल दमन, अग्निशमन और एक्वाफाइयर्स के पुनर्भरण जैसे उद्देश्यों के लिए किया जाता है।
 - अधिशेष भूमिगत खदान के पानी का उपयोग पेय, कृषि आदि हेतु समुदाय की आपूर्ति के लिए किया जा रहा है।
- 11 सतत व्यापक वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (CAAQMS), (तालचर कोलफील्ड्स में 04 , ईब वैली कोलफील्ड्स में 04 और बसुंधरा क्षेत्र में 03) की खरीद, स्थापना और शुरुआत करने का कार्य सीएमपीडीआई, आरआई -VII, भुवनेश्वर को सौंपा गया है। आरओ, ओएसपीसीबी और सीएमपीडीआई के परामर्श से सीएएक्यूएमएस के स्थान तय किए गए थे। सीएएक्यूएमएस के 11 निगरानी प्रणाली की खरीद और 10 प्रणाली की स्थापना वित्त वर्ष 2020-21 में पूर्ण हो गई है और 01 प्रणाली स्थापित की जा रही है।

18.3 पर्यावरण सुरक्षा और सुधार हेतु किए गए उपाय.

18.3.1 वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपाय

कंपनी की पर्यावरण के प्रति चिंता को ध्यान में रखते हुए इसने वायु प्रदूषण की जांच करने के लिए लंबे समय से चले आ रहे कार्यों को उचित संख्या में किया जा रहा है, जिनमें से कुछ पर यहां प्रकाश डाला गया है।

- एमसीएल ने पर्यावरण के अनुकूल सरफेस माइनर तकनीक (1999-2000 में 4.2% से 2020-21 में 94.34% तक) के माध्यम से उत्तरोत्तर कोयला उत्पादन बढ़ाया है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान सरफेस माइनर के माध्यम से कोयले का उत्पादन नीचे दर्शाया गया है।

कुल कोयला उत्पादन (एमटीवाई)	खुले खदान द्वारा उत्पादन(एमटीवाई)	सरफेस माइनर द्वारा कोयला उत्पादन	
		एमटीवाई	%
148.01	147.48	139.14	94.34

यह एक गैर-विस्फोटक खनन तकनीक है जो ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और क्रशिंग जैसे धूल पैदा करने वाले कार्य के समय पानी छिड़कते हुए धूल को पूर्णरूप से समाप्त कर देती है। ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग, क्रशिंग, ट्रांसपोर्टेशन टू क्रशर-अनलोडिंग और री-लोडिंग जैसे आधारभूत कार्य संचालित करने और इन कार्यों में

- डीजल की खपत के परिणामस्वरूप ग्रीनहाउस गैसों के उत्पादन (पारंपरिक माध्यम से कोयला उत्पादन किया जा रहा था) में कमी आई है।
- 2020-21 के दौरान लगभग 77% कोयला परिवहन सबसे अधिक पर्यावरण के अनुकूल इनलैंड मास ट्रांसपोर्ट सिस्टम यानी रेल, बेल्ट और एमजीआर के माध्यम से और सड़क के माध्यम से मात्र 23% कोयले का प्रेषण किया जाता है।
 - रेल लोडिंग सुविधा और रेल आधारभूत संरचना को बढ़ाया/बेहतर और मजबूत किया जा रहा है, वर्तमान में 23 रेलवे साइडिंग, 01 एमजीआर तथा आरएलएस और 02 साइलों के साथ 01 एमजीआर के माध्यम से कोयला प्रेषण किया जाता है।
 - दिनांक 31.03.2021 के अनुसार साइलो/सर्ज के साथ 11 रैपिड लोड सिस्टम (आरएलएस) निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं –
 - ✓ 173.20 करोड़ की लागत से भरतपुर साइलो (2X10 एमटीवाई) – 9 अक्टूबर 2018 को पूर्ण।
 - ✓ 230.82 करोड़ रुपये की लागत से लिंगराज साइलो (2X10 एमटीवाई) – 25 अप्रैल 2020 से प्रारम्भ
 - ✓ रु. 159.20 करोड़ की लागत से हिंगुला साइलो (10 एमटीवाई) 79.26% पूर्ण।
 - ✓ रु. 247.01 करोड़ की लागत से भुवनेश्वरी साइलो (10 एमटीवाई) 98.05% पूर्ण
 - ✓ रु. 164.38 करोड़ लागत की लखनपुर वाशरी (10 एमटीवाई)। - 9% पूर्ण।
 - ✓ भुवनेश्वरी - (15 एमटीवाई) और लखनपुर (20 एमटीवाई) के लिए साइलों के साथ आगामी 2 आरएलएस।
 - ✓ आगामी साइलो सहित 04 आरएलएस - सर्ज बिन- कनिहा (10 एमटीवाई), अनंता (20 एमटीवाई) और सरदेगा (20 एमटीवाई) और लजकुरा (15 एमटीवाई)
 - खनन गतिविधियों के कारण होने वाले धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न क्षमताओं (04 किलोलीटर से 34 किलोलीटर तक) के 28 किलोलीटर के 58 विभागीय तथा 111 संविदात्मक चालित वाटर टैंकर खानों में तैनात हैं।
 - आवासीय क्षेत्रों, स्कूलों और अन्य क्षेत्रों को बायपास करते हुए अलग समर्पित कोयला परिवहन कॉरीडोर का निर्माण:
 - ✓ तालचेर कोलफील्ड्स लिमिटेड में समर्पित कोयला परिवहन कॉरीडोर की लंबाई 20.99 किमी और ईब-वैली कोलफील्ड्स में 17.03 किमी तथा बसुंधरा कोलफील्ड्स में 30.811 किलोमीटर है।
 - ✓ तालचेर कोलफील्ड्स :
 - चरण - I में कोयला परिवहन कॉरीडोर की भौतिक प्रगति बलराम- 90%, भरतपुर -100%, जगन्नाथ- 100%, अनंत - 100%, भुवनेश्वरी - 100% और लिंगराज -100%।
 - द्वितीय चरण में कोल कॉरिडोर की भौतिक प्रगति- बलराम- 87%, भरतपुर -100%, अनंत -100%, लिंगराज- 65% और जगन्नाथ- 100%।

○ ईब वैली कोफील्ड्स:

ओरिएंट क्षेत्र के संबंध में, 1.6 किमी की लंबाई का काम पूरा कर लिया गया है और ईब-वैली क्षेत्र में लजकुरा ओसीपी का 30%, समलेश्वरी ओसीपी का 28 कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

○ बसुंधरा क्षेत्र:

भूमि अधिग्रहण और वन मंजूरी प्रक्रियाधीन है।

कार्य में, पैकेज I - कार्य प्रगति पर है।

पैकेज II - कार्य प्रगति पर है।

परियोजना की कुल प्रगति -20%।

- 35% राखवाला कोयला प्राप्त करने हेतु कोयले की धुलाई के लिए 10 एमटीवाई के क्षमता के प्रत्येक चार वाशरी पहले चरण में स्थापित की जानी है। इब वैली वाशरी का निर्माण पहले ही शुरू हो गया था। वित्त वर्ष 2020-21 में शेष वाशरी की ईसी और एफसी की स्थिति नीचे दी गई है

क्र.	वाशरी का नाम	ईसी एवं एफसी की स्थिति
1	हिंगुला वाशरी	ईसी दिनांक 28.10.2015 में संशोधित दिनांक 26.03.2019 को लागू। क्षेत्र और धुलाई प्रौद्योगिकी में बदलाव के कारण संशोधन की मांग की जा रही है। 29.01.2021 को आयोजित ईएसी की बैठक में अनुशंसित। ईसी पत्र की प्रतीक्षा है।

- सड़क मार्ग से कोयला परिवहन हेतु धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 40 मीटर दूरी की ट्रक माउंटेड फॉग कैनन, चालित वाटर टैंकर और फिक्स्ड थुंध स्पिंकलर संविदा आधार पर नियुक्त किए जा रहे हैं।
- प्रभावी धूल दमन के लिए सभी रेलवे साईडिंग को फिक्स्ड स्पिंकलर, 100 मीटर दूरी की फॉग कैनन तथा चालित वाटर टैंकर प्रदान किए गए हैं। कुल 286 वाटर स्पिंकलर स्थापित किए गए हैं और संचालन में हैं।
- धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मिस्ट, स्थायी स्पिंकलर और रेन गन के साथ कोल हैंडलिंग प्लांट प्रदान किये जाते हैं। हालांकि पारंपरिक नगण्य कोयला उत्पादन (केवल 5.66%) ने सीएचपी में क्रशिंग कार्य को सीमित कर दिया है, जिसके कारण सीएचपी से धूल का उत्पादन काफी कम हो गया है।
- वर्ष के दौरान स्थायी और अर्ध-स्थायी सड़कों की ब्लैक टॉपिंग को बनाए रखा गया है और इसे और मजबूत किया गया है।
- सभी रोड सेल ट्रकों को खदान परिसर छोड़ने से पहले तिरपाल से ढंका दिया जाता है।
- कोयला परिवहन सड़कों के साथ स्पिलज कोयला और धूल की मैनुअल स्वीपिंग और सफाई की जाती है।
- तालचेर कोलफील्ड में कोयला परिवहन सड़कों और अन्य सार्वजनिक सड़कों पड़े कोयले के टुकड़ों को एकत्रित करने तथा धूल साफ करने के लिए पर 03 हेवी ड्यूटी ट्रक-माउंटेड वैक्यूम-संचालित मैकेनिकल रोड स्वीपर संचालित है। इसके अलावा 14 ट्रक माउंटेड मैकेनिकल रोड स्वीपरों को नियुक्त करने के लिए प्रस्ताव

बनाया गया है जिसमें से 01 लखनपुर क्षेत्र में नियुक्त किया गया है तथा ईब वैली क्षेत्र में 01 रोड स्वीपर की नियुक्ति के लिए एलओए जारी किया गया है। 09 प्रस्ताव अनुमोदित किए जा चुके हैं एवं निविदात्मक है और शेष 03 प्रस्ताव अनुमोदन के विभिन्न चरणों में हैं।

- जगन्नाथ ओसीपी में एक व्हील वाशिंग सिस्टम नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 08 प्रस्तावों की प्रक्रिया की जा चुकी है, जिसमें से 02, 01 लखनपुर और 01 इब वैली क्षेत्र में पूरी की जा चुकी है। हिंगुला, बलराम और कुल्दा ओसीपी में काम शुरू हो चुका हुआ। शेष 03 अनुमोदन के विभिन्न चरणों में हैं।
- सभी ड्रिल में डस्ट एक्सट्रैक्टर सिस्टम और वेट ड्रिलिंग सिस्टम हैं।
- सड़कों के किनारे प्रभावी धूल दमन के लिए, 18, 40 मीटर दूरी की 10 पहियों वाले ट्रक माउंटेड मिस्ट ब्लोअर फॉग कैनन को किराए पर लेने के प्रस्तावों पर कार्रवाई की गई है। 18 में से 12 फॉग कैनन को नियुक्त किया गया है तथा 03 का एलओए जारी किया गया है। शेष 03 के लिए प्रस्ताव निविदा के अधीन हैं।
- रेलवे साईडिंग, कोयला परिवहन सड़कों, कोयला और ओबी स्थानों, तथा कोयला भंडार से प्रभावी धूल दमन के लिए 100 मीटर दूरी के 97 ट्रॉली माउंटेड फॉग कैनन के खरीद प्रस्ताव की प्रक्रिया परियोजनाओं द्वारा की जा चुकी है जिसमें से 29 की नियुक्ति की गई है तथा 48 की आपूर्ति के गई है 05 की आपूर्ति आदेश दिया गया है और एमसीएल मुख्यालय में 15 फॉग कैनन के लिए निविदा की गई है।
- आवासीय और खनन क्षेत्रों के बीच ग्रीन बेल्ट का विकास जारी है।

18.3.2 जल संसाधन प्रबंधन के लिए कार्यनीति:

- खनन कार्य के कारण अन्य बोर कुओं के साथ-साथ भूजल की गुणवत्ता और अस्थिरता की नियमित निगरानी 39 पाइज़ोमीटर के नेटवर्क के माध्यम से की जा रही है।
- सतह जल की गुणवत्ता और जल प्रवाह की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जा रही है।
- मृदा जल संरक्षण के लिए बांध का निर्माण किया गया है।
- सतह के प्रवाह के लिए कैच नालियाँ और गारलैंड नालियों का निर्माण किया गया है।
- कोयला हटाने के बाद रिक्तियों (डी-कोल वाइड्स) का उपयोग वर्षा जल संचयन और जलीय पदार्थ को पुनः चार्ज करने के लिए किया जाता है। वर्षभर औद्योगिक कार्यों जैसे अग्निशमन, धूल दमन, कार्यशालाओं में वाहन धोने, खनन क्षेत्रों में वृक्षारोपण आदि में खनन जल की आपूर्ति की जाती है।
- वर्षा ऋतु में सतही अपवाह जल के लिए माध्यम के रूप में कार्य करने वाले माइन संप भी बहुत महत्वपूर्ण है।
- शुद्धिकरण के बाद भूमिगत जल उपयोग कॉलोनियाँ और आसपास के गावों में पीने योग्य पानी की आपूर्ति के लिए भी किया जाता है। आसपास के गांव में सिंचाई के प्रयोजनों के लिए इस तरह के पानी की मांग करते हैं।
- भूमिगत जल की रिचार्जिंग के लिए एम.सी.एल में कुल 74 जल संचयन संरचनाएं मौजूद हैं।
- एचईएमएम कार्यशालाओं से निकले प्रवाह को ईटीपी/तेल और ग्रीस ट्रेप में शुद्ध किया जाता है और शुद्ध किए गए पानी का पुनः उपयोग किया जा रहा है।
- स्थानीयकृत अपवाह के शुद्धिकरण के लिए अवशोषण तालाब/खनन जल निकासी उपचार संयंत्र प्रदान किए गए हैं।

- सभी बड़ी कॉलोनियों के लिए 09 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) उपलब्ध कराए गए हैं। अन्य कॉलोनियों में सीवेज निपटान के लिए सेप्टिक टैंक की व्यवस्था है। इसके अलावा लिंगराज कॉलोनी और नंदीरा कॉलोनी में 0.5 एमआईडी क्षमता के 02 एसटीपी के निर्माण के लिए निविदा जारी की गई है।
- सीएमपीडीआई, आरआई-VII द्वारा भूजल स्तर की निगरानी तथा तालचेर और आईबी वैली कोलफील्ड्स प्रत्येक के 150 हाइड्रोग्राफ स्टेशन के सर्वेक्षण के लिए एक अध्ययन किया गया था।

18.3.3 ध्वनि एवं भूमि कंपन नियंत्रण उपाय:

- कुल कोयले का 94.34% गैर-विस्फोटक पर्यावरण अनुकूल सर्फेस माइनर तकनीक के माध्यम से उत्पादन किया जा रहा है, जो पारंपरिक खनन की तुलना में शोर और जमीन कंपन को काफी कम करता है जिसके लिए आकार के कोयले के उत्पादन के लिए ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग और सीएचपी ऑपरेशन की आवश्यकता होती है।
- शोर शराबे में कार्य करनेवाले कामगारों तथा नए कामगारों को ईयर मफ एवं ईयर प्लग्स प्रदान किए गए।
- विस्फोट के लिए नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर्स का प्रयोग किया गया है जिससे शोर तथा कम भूमिगत कंपन होता है। शोर और जमीन के कंपन को कम करने के लिए नियंत्रित ब्लास्टिंग तकनीक को अपनाया जाता है।
- सभी एचईएमएम में पर्याप्त शोर के स्तर को कम करनेवाली तकनीक लगाई गई हैं।
- ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए एक ग्रीन बेल्ट एक्ट विकसित किया गया है।

18.3.4 भूमि सुधार एवं वृक्षारोपण :

- कोयला रिक्ति स्थान को ओवरबर्डन मटेरियल से भरा दिया जाता है और तत्पश्चात जैविक सुधार प्रक्रिया के रूप में वृक्षारोपण किया गया।
- एमसीएल ने कोयला रिक्ति स्थान को वैकल्पिक रूप से भरने के लिए पाइपलाइनों में स्लरी मोड के माध्यम से फ्लाईएश को अपनाया है। जगन्नाथ और बालगाम खानों में फ्लाईएश भरने के लिए टीटीपीएस, एसटीपीएस कनिहा, एनबीवीएल और बीएसएल के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) दिया गया है। दक्षिण बलान्डा ओसीपी कोयला रिक्ति में मार्च, 2021 तक 15.194 Mm3 और जगन्नाथ ओसीपी कोयला रिक्ति में 1.019 Mm3 भरा गया है।
- पर्यावरण के लिए कंपनी की चिंता को ध्यान में रखते हुए एमसीएल ने खाली जगह के साथ-साथ बाहरी डंप तथा भरे हुए आंतरिक डंप पर (पर्याप्त भौतिक पुनर्वसन के बाद) मिश्रित देशी प्रजातियों के पौधे लगाए हैं। शुरुआत से (1992-1993 से 2020-21) 61.51 लाख (तालचेर कोलफील्ड्स- 22.78 लाख, ईब कोलफील्ड्स- 31.61 लाख, मुख्यालय और सरकारी भूमि – 7.11 लाख) पौधों का वृक्षारोपण किया है।
- खदान क्षेत्रों में भूमि की कमी और परिणामस्वरूप वृक्षारोपण में गिरावट के कारण एमसीएल ने अपने परिचालन जिलों- अंगुल, झारसुगुडा, संबलपुर, खोर्दा और सुंदरगढ़ में सरकारी भूमि पर वृक्षारोपण कार्य को बढ़ाया है।

- वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान कुल वितरित पौधों की संख्या 30,217 लाख (तालचेर कोलफील्ड्स में 27210, ईब वैली कोलफील्ड्स 9200 तथा मुख्यालय में 1496) है।
- पेड़ों के साथ आवासीय बस्तियाँ और कार्यालय परिसर में विशेष रूप से फलदार, फूलदार और औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया है।
- वर्ष 2020-21 में राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग एजेंसी द्वारा बनाए गए रिमोट सेंसिंग डेटा के माध्यम से सीएमपीडीआईएल द्वारा दोनों ईब वैली कोलफील्ड्स तथा तालचेर कोलफील्ड्स में 14 खुली खदान में 5 Mm3/Yr से अधिक और 05 खुली खदान तथा 03 भूमिगत खदान में 5m3/Yr से कम की क्षमता के लिए भूमि के पुनर्ग्रहण/बहाली की निगरानी की गई है।

18.3.5 अपशिष्ट प्रबंधन :

- नीलामी में अपशिष्ट पदार्थों (एच.ई.एम.एम से जले हुए तेल एवं इस्तेमाल की गई बैटरियाँ) को पंजीकृत रिसाइक्लिंग एजेंसियों को बेचा गया है।
- 2020-21 के दौरान, खतरनाक अपशिष्ट जैसे रु. 1,24,06,235.00 के मूल्य के 390KL जला हुआ तेल, रु. 3,31,000.00 मूल्य के 117 टायर तथा रु. 1,76,079.00 मूल्य के 16007.15 किलोग्राम ई-कचरे को अधिकृत रिसाइक्लिर्स को बेचा गया।
- मेडिकल यूनिटों से बायो मेडिकल और अन्य खतरनाक अपशिष्टों का निपटान निर्धारित विधियों/प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाता है।
- कचरे के संग्रह के लिए कॉलोनियों के निर्दिष्ट स्थानों में अलग-अलग इस्टबिन रखे गए थे।

18.3.6 पर्यावरणीय निगरानी:

- वर्ष 2020-21 के दौरान रुपये 18,20,03,992.96 करोड़ की अनुमानित लागत पर सीएमपीडीआई, आरआई- VII के माध्यम से एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला द्वारा हवा, पानी और शोर की नियमित पर्यावरण निगरानी की गई। जीएसआर.742 (ई), ईसी / सीटीओ/सीटीई की शर्तों और एसपीसीबी /सीपीसीबी या किसी अन्य वैधानिक निकायों के निर्देशों के अनुपालन में नियमित पर्यावरण निगरानी (आरईएम) कार्य किए जाते हैं।
- सीपीसीबी द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार क्रियाविधि, आवृत्ति, आदि को सख्ती से अनुरक्षण किया गया था।
- संविधान के अनुसार एसपीसीबी और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को निगरानी के परिणाम प्रस्तुत किए गए थे। पर्यावरण निगरानी के परिणाम कंपनी के वेबसाइट पर मासिक आधार पर अपलोड किए जाते हैं।
- ईब नदी और ब्राह्मणी नदी में दो निरंतर जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सीडब्ल्यूक्यूएमएस) स्थापित हैं, वास्तविक समय की निगरानी के परिणाम सीधे एसपीसीबी और सीपीसीबी साइटों पर प्रदर्शित होते हैं।

18.4 वेब साइट का प्रकाशन:

पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एमसीएल अपनी वेबसाइट www.mahanadicoal.in पर नियमित रूप से निम्नलिखित पर्यावरण सूचना प्रकाशित और अद्यतन कर रहा है।

- पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और उसके अर्ध-वार्षिक अनुपालन द्वारा जारी पर्यावरण मंजूरी पत्र।
- प्रत्येक डायवर्सन परियोजना के लिए पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी वन मंजूरी पत्र।
- प्रत्येक परियोजना के एसपीसीबी द्वारा जारी किए जाने वाले संचालन और सहमति के लिए सहमति।
- एस.पी.सी.बी द्वारा जारी प्रत्येक परियोजना का खतरनाक अपशिष्ट प्राधिकरण।
- एमसीएल के सभी संचालित खानों का पर्यावरणीय विवरण।
- वार्षिक सीएसआर और संधारणीयता रिपोर्ट।
- पर्यावरणीय निगरानी रिपोर्ट की वार्षिक और मासिक रूटीन।
- सेटलाइट डेटा पर आधारित भूमि उपयोग योजना पर रिपोर्ट।
- भूमि पुनरुद्धार
- खदान जल उपयोगिता।

18.5 वर्ष 2020-21 के लिए खदान बंदी प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ :

- 26 परियोजनाओं के लिए सीसीओ, कोलकाता के साथ एमसीएल का एस्करो अकाउंट हैं, जिसमें खदान बंदी दिशानिर्देश 2009 तथा समय-समय पर कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संशोधन के अनुसार खान बंदी गतिविधियों के लिए उल्लिखित परियोजना विशिष्ट एमपी/एमसीपी में प्रति वर्ष धनराशि जमा की जाती है।
- वर्ष 2020-21 के लिए एमसीएल को सीसीओ मुख्यालय, कोलकाता से 8 परियोजना के रु. 9047.83 लाख राशि की आंशिक प्रतिपूर्ति (दावे का 50%) एस्करो खातों से प्राप्त होने का आदेश प्राप्त हुआ है।

क्र.	खदान का नाम	* प्रगतिशील एमसीपी गतिविधियों का चरण	प्राप्त राशि रु. लाख में
1	अनंता ओसीपी	चरण-1	762.290
2	भरतपुर ओसीपी	चरण-1	2081.42
3	समलेश्वरी ओसीपी	चरण-1	2220.750
4	लखनपुर ओसीपी	चरण-1	2097.000
5	लल्लारी ओसीपी	चरण-1	366.900
6	बेलपहाड़ ओसीपी	चरण-1	1476.635
7	नंदिरा भूमिगत	चरण-1	15.660
8	तालचेर भूमिगत	चरण-1	27.175
	कुल		9047.83

* चरण पांच साल की अवधि को दर्शाता है।

18.6 शीर्ष समिति का गठन

- दिनांक 11.06.2019 को कोयला खदानों में ईसी और एफसी स्थिति के अनुपालन की निगरानी के लिए कोयला मंत्रालय स्तर पर एक सर्वोच्च समिति का गठन किया गया है और इसकी प्रथम बैठक दिनांक 03.07.2019 को आयोजित की गई थी।
- ईसी के अनुपालन और शर्तों की बारंबार निगरानी के लिए सीआईएल/कोयला मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी क्षेत्रों में बहु-अनुशासनात्मक समितियों (क्षेत्र-स्तरीय समिति के लिए मासिक और मुख्यालय स्तर की समिति के लिए त्रैमासिक) का गठन किया गया है।
- सभी क्षेत्र स्तरीय समितियों ने जुलाई-सितंबर, 2020 तथा अक्टूबर-दिसंबर, 2020 की तिमाही में उनके निरीक्षण पूरे किए हैं। निरीक्षण रिपोर्ट एमसीएल मुख्यालय स्तर की समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाती है और बाद में मुख्यालय समिति के निदेशक मंडल की रिपोर्ट को कोयला मंत्रालय के निर्देश के अनुसार एमसीएल के निदेशक मंडल के समक्ष रखा जाता है।
- एक माइन डेटा मैनेजमेंट सिस्टम (एमडीएमएस) पोर्टल बनाया गया है, जहाँ नियमित पर्यावरण निगरानी आंकड़ों के साथ ईसी, एफसी शर्तों का अनुपालन अद्यतन किया जाता है।
- सभी अनुषंगी कंपनियों के प्रत्येक ईसी और एफसी स्थिति की निगरानी के लिए सीआईएल द्वारा एक एमएस परियोजना पोर्टल विकसित किया गया है तथा सीआईएल के निर्देशों के अनुसार पोर्टल को हर महीने के 10 वें, 20 वें और अंतिम दिन अद्यतन किया जाता है। पत्र प्राप्ति के अगले कार्य दिवस तक किसी भी विशिष्ट परिवर्तन को अद्यतन किया जाता है।

18.7 पर्यावरण जागरूकता:

- विश्व पर्यावरण दिवस समारोह
"जैव विविधता समारोह -प्रकृति के लिए समय " विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जहाँ मुख्यालय में पेंटिंग, लघु सूचनात्मक वीडियो और स्लोगन प्रतियोगिता जैसे ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी क्षेत्रों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। पक्षियों के लिए एक पहल के रूप में कॉलोनी परिसर में फीडर स्थापित किए गए और कर्मचारियों के बीच वितरित किए गए। इसके अलावा विश्व पर्यावरण दिवस 2020 के दौरान कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई के लिए 2500 मास्क और 1000 सैनिटाइजर वितरित किए गए थे।
- वनमहोत्सव समारोह
वन महोत्सव 2020 के अवसर पर, श्री अमित शाह, माननीय गृह मंत्री और कोयला और संसदीय मामलों के माननीय मंत्री श्री प्रहलाद जोशी के गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 23.07.2020 को अभाषी वृक्षारोपन मनाया गया। वन महोत्सव 2020 के दिन मुख्यालय सहित विभिन्न क्षेत्रों में 15 अलग-अलग जगहों पर ऑनलाइन के माध्यम से कुल 17,065 पौधे लगाए गए।
- महात्मा गांधी उधयन का उद्घाटन

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड ने दिनांक 02.10.2020 को महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती मनाने की पहल की। इस अवसर पर, एफडी और सीवीओ की उपस्थिति में श्री बी एन शुक्ला, पूर्व-अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमसीएल ने खदान स्थानों में अर्थात् तालचर क्षेत्र (0.4 हेक्टेयर) के रिजनल स्टोर के पास, भुवनेश्वरी ओसीपी (2 हेक्टेयर) के बैकफिल्ड क्षेत्र, बलराम ओसीपी (3 हेक्टेयर) के बैकफिल्ड क्षेत्र, बसुंधरा वेस्ट ओसीपी (34.25 हेक्टेयर) के बैकफिल्ड क्षेत्र और गर्जनबाहुल ओसीपी (1 हेक्टेयर) के टिकलीपाड़ा स्थल पर 05 महात्मा गांधी उद्यान का उद्घाटन किया। उपरोक्त 05 स्थलों पर 5310 फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। इन स्थलों के अलावा डीएफओ, झारसुगुडा द्वारा दिनांक 02.10.2020 को समशेश्वरी ओसीपी के किछोबहुल क्षतिपूरक वनीकरण स्थल पर महात्मा गांधी उपवन का उद्घाटन किया गया। गांधी उद्यानों में लगाई गई पौधों की कुछ प्रजातियाँ आम, अमरुद, सपोटा, जामुन, नींबू आदि थी।

19. विक्रय एवं विपणन कार्यनिष्पादन

एमसीएल ने कोविड -19 महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन, हड़ताल, बंद और ग्रीष्म ऋतु में साइडिंग तक कोयले के परिवहन पर राज्य सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद 2020-21 के दौरान 146.009 मिलियन टन का ऑफ-टेक प्राप्त किया है।

19.1. डिमांड एण्ड ऑफ-टेक

2020-21 के दौरान 160.00 मिलियन टन के लक्ष्य की तुलना में 146.009 मिलियन टन ऑफ-टेक रहा जो लक्ष्य का 91.26% है।

2020-21 के दौरान क्षेत्र-वार कोयले का प्रेषण नीचे संलग्न है।

(आंकड़े मि. टन में)

क्षेत्र	2020-21			2019-20
	लक्ष्य	वास्तविक	% प्राप्ति	वास्तविक
ऊर्जा	108.34	98.20	90.64	92.68
सीमेंट	0.20	0.17	85.86	0.21
सीपीपी एवं अन्य	51.46	47.64	92.58	41.13
कोयले की खपत	0.00	0.00	-	0
कुल	160.00	146.01	91.26	134.02

टिप्पणी : 2020-21 के लिए एमसीएल के 146.009 मिलियन टन के कुल ऑफ-टेक में ओडिशा कोल एंड पावर लिमिटेड (ओसीपीएल) के 1.799 मिलियन टन कोयला शामिल है जिसे एमसीएल द्वारा विक्रय गया था। तालाबीरा खदान से भी 0.700 मिलियन टन कोयले की मात्रा भेजी गई है, जिसका बिल ईब वैली क्षेत्र में किया गया है, जो एमसीएल के कुल ऑफ-टेक में शामिल नहीं है।

अप्रत्याशित घटना और अन्य कारणों से 2020-21 के दौरान कोयले के ऑफ-टेक में कमी के कारण नीचे दिए गए हैं:

(आंकड़े मि. टन में)

परियोजना/क्षेत्र का नाम			अप्रत्याशित घटना के कारण वास्तविक क्षति	टिप्पणियाँ
	2020-21			
	एमओयू लक्ष्य	वास्तविक		
ओरिएंट क्षेत्र	0.78	0.47	0.31	कोविड -19 महामारी से लॉकडाउन के कारण कम ऑफ-टेक और उपभोक्ताओं द्वारा कम मांग, विशेष रूप से पहली दो तिमाहियों में। कम उत्पादन के कारण भरतपुर, अनंता, कनिहा और समलेश्वरी की खदानों में कोयला ऑफ-टेक में कमी हुई। 19 जनवरी '21 से 24 मार्च '21 तक बसुंधरा कोलफील्ड में तपेरिया ग्रामीणों द्वारा सड़क ब्लॉक करने के कारण सड़क द्वारा निकासी प्रभावित हुई। राज्य सरकार द्वारा गर्मी के मौसम में सुबह 11.00 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक प्रतिबंध के कारण कम प्रेषण। दोनों कोयला क्षेत्रों में आंदोलन/हड़ताल के कारण कम प्रेषण।
ईब वैली क्षेत्र	8.5	6.88	1.62	
बसुंधरा पश्चिम (महालक्ष्मी)	1.14	1.01	0.13	
तालचेर क्षेत्र	0.08	0.06	0.02	
लिंगराज क्षेत्र	16	12.02	3.98	
कनिहा क्षेत्र	10	8.19	1.81	
जगन्नाथ क्षेत्र	19	13.27	5.73	
भरतपुर क्षेत्र	10.5	5.32	5.18	
हिंगुला क्षेत्र	14	11.01	2.99	

अप्रत्याशित घटना के कारण ऑफ-टेक में कुल हानि 21.765 मीट्रिक टन थी लेकिन प्रभावी हानि 13.991 मीट्रिक टन थी क्योंकि अन्य खदानों ने 2020-21 के दौरान अधिक प्रेषण किया है।

19.2. वैगन लोडिंग

एमसीएल में 2019-20 के दौरान 56.9 रेक/दिन की तुलना में 2020-21 के दौरान 14.4 रेक/दिन की वृद्धि के साथ दैनिक औसत वैगन लोडिंग 71.3 रेक/दिन थी। लक्ष्य और आपूर्ति की तुलना में क्षेत्रवार लदान नीचे संलग्न है:

(आंकड़े रेक/प्रतिदिन में)

क्षेत्र	2020-21			2019-20 वास्तविक
	लक्ष्य	आपूर्ति	लोडिंग	
ईब वैली	30	30.7	30.7	23.7
तालचेर	45	40.6	40.6	33.3
कुल	75	71.3	71.3	56.9

19.3. ई-नीलामी

एमसीएल ने 2020-21 के दौरान स्पोट और अन्य विशेष प्रकार की ई-नीलामी के तहत 167.0 मिलियन टन की पेशकश की थी। इस के लिए विभिन्न बोलीदाताओं द्वारा अधिसूचित मूल्य से अधिक ₹१३.९४ करोड़ रुपये का प्रीमियम पंजीकृत रते हुए 51.0 मिलियन टन बुक किया गया था।

19.4. ईंधन आपूर्ति समझौता (एफएसए) और समझौता ज्ञापन

एमसीएल ने 2020-21 के दौरान कोयले की आपूर्ति के लिए उपभोक्ताओं के साथ तैंतीस (33) एफएसए/समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

20. कोयले की गुणवत्ता में सुधार

एमसीएल ने उपभोक्ताओं की संतुष्टि के लिए विभिन्न बिजली घरों के साथ-साथ अन्य उपभोक्ताओं को उचित आकार और गुणवत्ता वाले कोयले की आपूर्ति के लिए कई उपाय किए हैं। वर्ष के दौरान किए गए उपाय इस प्रकार हैं: -

- 1) 2020-21 के दौरान एमसीएल में लगभग 94% कोयला उत्पादन सरफेस माइनर्स के उपयोग द्वारा चयनात्मक खनन के माध्यम से प्राप्त किया गया था। इससे 78% (अनंतिम) के स्तर पर ग्रेड अनुरूपता बनाए रखने में मदद मिली है।
- 2) कोयला मंत्रालय के निर्देश पर, कोयला नियंत्रक संगठन, कोलकाता ने वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान एमसीएल की 14 सबसे अधिक उत्पादन करने वाली कोयला खदानों का ग्रेड सत्यापन किया है। तदनुसार, एमसीएल की 14 खदानों के सीम की ग्रेड घोषणा, साइडिंग, डिस्पैच पॉइंट का कार्य पूरा कर लिया गया है।
- 3) उपभोक्ता के प्रेषित माल में पारदर्शिता और उपभोक्ता की संतुष्टि सुनिश्चित करने के लिए, सीआईएमएफ़आर और भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) जैसे प्रतिष्ठित संगठनों को ऊर्जा क्षेत्र और गैर-ऊर्जा उपभोक्ताओं को कोयले के प्रेषण के नमूने की जांच के लिए तीसरे पक्ष के रूप में लगाया गया है।
- 4) वर्ष के दौरान लखनपुर, बसुंधरा, ईब वैली, हिंगुला, जगन्नाथ और भरतपुर क्षेत्रों में नमूना तैयार करने वाले उपकरण अर्थात् क्रशर और पल्वराइज़र प्रदान किए गए हैं। परिणामस्वरूप एमसीएल के पास कोयले के नमूने तैयार करने की 100% क्षमता है। इसके अलावा, कोयला उत्पादन और प्रेषण में वृद्धि के कारण भविष्य में नमूने की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए कोयले के नमूनों की तैयारी और विश्लेषण के लिए उपकरणों के अतिरिक्त सेट उपलब्ध कराने और निर्बाध नमूना तैयार करने के लिए आपातकालीन व्यवस्था के रूप में कार्य करने के लिए भी पर्याप्त कार्यवाई की गई है।
- 5) कोयले के नमूने संग्रह करने और तैयार करने का पर्यवेक्षण बहुत आवश्यक है। इसलिए एमसीएल के लोडिंग पॉइंट्स पर पर्याप्त पर्यवेक्षण के लिए योग्य विभागीय कर्मचारियों में से 06 तकनीकी निरीक्षकों का चयन किया गया था।

- 6) विभिन्न क्षेत्रों अर्थात ईब वैली, लखनपुर, ओरिएंट, बसुंधरा, जगन्नाथ, लिंगराज, भरतपुर, हिंगुला और कनिहा क्षेत्र में कुल नौ कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाएँ हैं। ईब वैली, भरतपुर, जगन्नाथ, हिंगुला, कनिहा, लखनपुर और लिंगराज क्षेत्रों की सात कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाओं को एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है। बसुंधरा और ओरिएंट क्षेत्र की कोयला विश्लेषण प्रयोगशाला के एनएबीएल मान्यता के लिए एनएबीएल को आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं, जो बहुत जल्द लेखापरीक्षा करने जा रहा है।
- 7) एमसीएल की कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाओं में कोयले के नमूनों के विश्लेषण में केमिस्टों की पर्याप्त संख्या और उनकी क्षमता महत्वपूर्ण कारक हैं। अतः वर्ष के दौरान केमिस्ट का काम करने के लिए विभागीय कर्मचारियों में से 06 योग्य केमिस्ट का चयन किया गया था। वर्ष के दौरान 07 केमिस्टों ने 19.01.21 से 22.01.21 तक इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रीय परीक्षण प्रयोगशाला (पूर्व), सेंटर फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्ट इंजीनियरिंग (सीईटीई), कोलकाता में 'आईएसओ/आईईसी के अनुसार प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और आंतरिक लेखा परीक्षा' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किया था।
- 8) गुणवत्ता विभाग द्वारा नियमित रूप से कामकाज, साइडिंग और कोयला विश्लेषण प्रयोगशालाओं का बार-बार निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की विसंगति या गलती पाए जाने पर सुधारात्मक उपाय करने के लिए संबंधित क्षेत्र को सूचित किया जाता है।
- 9) उपभोक्ताओं को -100 मिमी आकार के कोयले की आपूर्ति की दिशा में उचित सावधानी बरती गई है। इसके लिए पारंपरिक तरीके से निकाले गए कोयले को रेल, बेल्ट और एमजीआर द्वारा प्रेषण के लिए सीएचपी और एफबी द्वारा क्रश कर दिया गया है।
- 10) एमसीएल कोलनेट में तृतीय पक्ष नमूना, नमूना जांच के परिणामों की प्रविष्टि के लिए तथा ग्रेड भिन्नता के कारण डेबिट/क्रेडिट नोट जारी करने के लिए दिनांक 1 अप्रैल, 2020 से एक नवोन्मेषी उपाय के रूप में "गुणवत्ता मॉड्यूल" विकसित किया गया है इसने तृतीय पक्ष नमूनाकरण के आंकड़ा प्रबंधन और उपभोक्ताओं को समय पर डेबिट/क्रेडिट नोट जारी करने की पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया है जिसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं की संतुष्टि हुई है।
- 11) कोयला उत्पादन और प्रेषण में संलग्न कर्मिकों में 'कोयले की गुणवत्ता' पर जागरूक करने के लिए सभी क्षेत्रों परियोजनाओं, रेलवे साइडिंग इत्यादि में दिनांक 27.04.20 से 02.05.20 तथा दिनांक 30.11.20 से 05.12.20 तक गुणवत्ता सप्ताह मनाया गया।
- 12) प्रभारी, प्रेषण प्रभारी, साइडिंग प्रभारी, परियोजना और क्षेत्र के कोयला उत्पादन की देखभाल करने वाले शिफ्ट प्रभारी, उपभोक्ता प्रतिनिधि और कोयले के उत्पादन और प्रेषण में शामिल सभी कर्मियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए जमीनी स्तर के कर्मचारियों, जैसे विभागीय / संविदा पे लोडर ऑपरेटरों, भूतल माइनर ऑपरेटरों, कोल फेस सुपरवाइजर, कोल लोडिंग सुपरवाइजर, कोल फेस ओवरमैन और माइनिंग सरदार, कोल को शामिल करके कोयला गुणवत्ता पर संवेदीकरण बैठकें सभी क्षेत्रों में नियमित रूप से आयोजित की गईं।
- 13) ग्राहक की संतुष्टि के सुधार के लिए विभिन्न उपभोक्ताओं से कई बार वार्ता की गई।

- 14) उपभोक्ताओं को साईडिंग पर कोयला लदान प्रणाली व्यवस्था की व्यक्तिगत रूप से जांच और पर्यवेक्षण के लिए प्रोत्साहित किया गया।
- 15) उपभोक्ताओं की शिकायतों की जांच की गई तथा संबंधित क्षेत्रों द्वारा सुधारात्मक उपाय किए गए।
- 16) गुणवत्ता में पारदर्शिता एवं उपभोक्ताओं के सक्रिय सहभागिता के उद्देश्य के लिए सभी साईडिंग लोडिंग पॉइंट में बॉर्ड पेज रजिस्टर रखा गया है जिसमें लोडिंग के समय उपभोक्ता के प्रतिनिधि कोयले की गुणवत्ता/आकार तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में अपनी टिप्पणी/सुझाव लिखने के लिए स्वतंत्र है।

21. सुरक्षा एवं बचाव

कई अंतर्निहित, परिचालन एवं व्यावसायिक खतरों और संबंधित जोखिमों के कारण कोयला खनन अत्यधिक विनियमित उद्योग है। "सुरक्षित खनन" हमारी कंपनी का मुख्य लक्ष्य है।

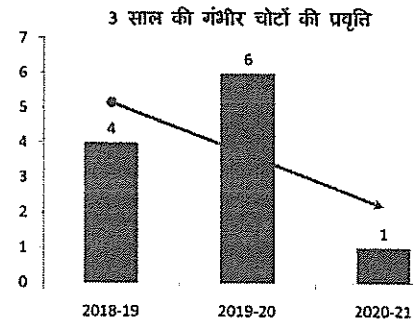
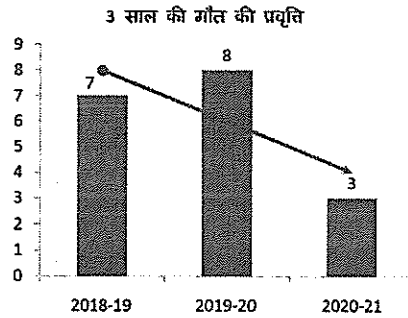
शून्य दुर्घटना लक्ष्य के साथ, कंपनी की खानों को वैज्ञानिक रूप से डिजाइन और संचालित किया जाता है। व्यावसायिक खतरों और संबंधित जोखिमों को कम करने के लिए कर्मचारियों को विभिन्न संसाधन प्रदान किए गए हैं एवं कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

1. दुर्घटना के आँकड़े

क्रमांक	विवरण	2020-21	2019-20
1	घातक दुर्घटनाओं की संख्या	3	5
2	मृत्यु की संख्या	3	8
3	गंभीर दुर्घटनाओं की संख्या	1	6
4	गंभीर चोटों की संख्या	1	6
5	मृत्यु दर (प्रति मिलियन टन आउटपुट प्रति 3 लाख मैन्शिफ्ट)	0.020 0.201	0.057 0.489
6	गंभीर चोट दर प्रति मिलियन टन आउटपुट प्रति 3 लाख मैन्शिफ्ट	0.007 0.067	0.043 0.366
7	स्थान-वार मृत्यु दर यूजी ओसी एजी	1 1 1	0 7 1

- 2019-20 की तुलना में 2020-21 में मृत्यु दर में 62.5% की कमी।
- 2019-20 की तुलना में 2020-21 में गंभीर चोटों में 83.33% की कमी।
- 2019-20 की तुलना में 2020-21 में प्रति मिलियन टन आउटपुट में मृत्यु दर में 64.91% की कमी।
- 2019-20 की तुलना में 2020-21 में प्रति मिलियन टन आउटपुट में गंभीर चोटों में 83.72% की कमी।

2. सुरक्षा में सुधार के लिए उठाए गए कदम :



एमसीएल ने वर्ष 2020-2021 में खानों में सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के लिए सांविधिक आवश्यकताओं के अनुपालन के अलावा, जारी सुरक्षा संबंधी पहलों के साथ-साथ कई उपायों का सख्ती से पालन किया है, जो नीचे दिए गए हैं-

क. वैज्ञानिक अध्ययन -

सीएमपीडीआईएल के इन-हाउस विशेषज्ञता एवं अन्य वैज्ञानिक संगठनों और प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के सहयोग से वैज्ञानिक योजना और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ उपलब्ध कराई गई हैं।

- (i) सीआईएमएफआर एवं सीएमपीडीआईएल जैसी विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए गए वैज्ञानिक अध्ययन द्वारा निर्धारित योजना एवं डिजाइन के आधार पर एमसीएल के सभी खुली खदान परियोजनाओं में कार्य पद्धति, गड्ढे की ढलान, डंप ढलान और ढलान की निगरानी आदि की गई है।
- (ii) सभी भूमिगत खानों के लिए खदानों के कार्यक्षेत्र की छत और किनारों को सुरक्षित करने हेतु, भू-तकनीकी आंकड़ों, जिसमें समर्थित योजना भी सम्मिलित है, पर विचार करते हुए वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर स्ट्रेटा कंट्रोल एंड मॉनिटरिंग प्लान (SCAMP) तैयार किए गए हैं।

ख. सुरक्षा प्रबंधन योजना

- (i) सभी खानों के जोखिम मूल्यांकन आधारित सुरक्षा प्रबंधन योजना का अद्यतन किया गया और उसकी समीक्षा की गई है, जिसे निदेशक (तक./संचा.) और निदेशक (तक. यो.परि.) द्वारा अनुमोदित किया गया है।
- (ii) प्रत्येक खान की सुरक्षा प्रबंधन योजना को उचित संसाधनों के साथ PHMP-प्रधान जोखिम प्रबंधन योजना विकसित करने पर पर्याप्त प्राथमिकता दी गई है ताकि यथोचित प्राप्य के लिए जोखिम के स्तर को कम किया जा सके।

(iii) कई घातक घटनाओं की संभावना वाले सभी प्रमुख खतरों के ट्रिगर एक्शन रिस्पांस प्लान (टीएआरपी) के आधार पर सुरक्षा प्रबंधन योजना में आपातकालीन निकासी और पुनः प्रवेश प्रोटोकॉल के लिए विशिष्ट दिशानिर्देश भी शामिल हैं।

(iv) साइट विशिष्ट, जोखिम मूल्यांकन आधारित मानक संचालन प्रक्रियाएं, सभी कार्यों के मानक संचालन प्रक्रियाएं विभिन्न स्थानों पर तैयार, परिचालित और प्रदर्शित किए गए हैं।

ग. पर्याप्त सुरक्षा निधि और सुरक्षा उपकरणों की खरीद का प्रावधान :

I) सभी कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण जैसे हेलमेट, सेफ्टी फुट वियर, एलईडी कैप लैंप इत्यादि प्रदान किए जाते हैं, ताकि अस्वस्थता और चोट लगने वाली स्थितियों से सुरक्षा प्रदान की जा सके :

क) इस वर्ष भूमिगत खदानों में उपयोग के लिए चार्जिंग बैक के साथ 3290 एलईडी पोर्टेबल माइनर कैप लैंप की खरीद की गई है।

ख) 9422 जोड़ी गमबूट खरीदे गए।

ग) नमी अवशोषण के लिए 10947 माइनर्स सेफ्टी हेलमेट की खरीद की गई, जिसे एडजस्टेबल शाफ्ट टाइप (बैक में होल्ड करने के लिए राउंड टाइप) हेड बैंड के साथ कुशन और कपड़े (हेड बैंड को कवर करते हुए) के साथ अतिरिक्त रूप से फिट किया गया है।

II) ऊंचाई से व्यक्तियों के गिरने के कारण होने वाली विद्युत दुर्घटनाओं को समाप्त करने हेतु एमसीएल की विभिन्न खदानों के लिए 14 मिनी / लाइट ट्रक माउंटेड हाइड्रोलिक मैन लिफ्टर खरीदे गए।

III) एमसीएल के विभिन्न खदानों के लिए 92 फिक्स्ड टाइप, 100 मीटर रेंज, फॉग कैनन खरीदे जाते हैं जो कोयला स्टॉक यार्ड और रेलवे साइडिंग पर परिनियोजित किए जाते हैं, जो प्रभावी रूप से हवा में उड़ने वाली धूल को कम करते हैं।

IV) हॉल रोड्स पर हवाई धूल को कम के लिए 14 ट्रक माउंटेड फॉग कैनन भी परिनियोजित किए गए हैं।

V) अन्य सुरक्षा मद, जो वर्ष 2020-21 में खरीदे गए :

- 02 बुस्टर पंप (पावर संचालित)
- 04 बुस्टर पंप (मैन्युअल संचालित)
- एमआरएस, ओरिएंट क्षेत्र के लिए स्मार्ट टेलीविजन और मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर।
- आरआरआरटी, तालचेर के लिए 01 एलईडी प्रोजेक्टर
- एमआरएस, ओरिएंट क्षेत्र और आरआरआरटी, तालचेर के लिए 160 कॉर्डलेस कैप लैंप।
- श्वास तंत्र के लिए स्पेयर पार्ट्स (बायोपैक -240आर)।
- 02 गतिशील विस्फोटक (वीओडी) सह विलंब परीक्षण उपकरण।

VI) निम्नलिखित प्रस्तावों को वर्ष 2020-21 में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया था जिसकी आपूर्ति वर्ष 2021-22 में की जाएगी:

- एमआरएस, ओरिएंट क्षेत्र और आरआरआरटी, तालचेर के फायर निविदा के लिए 02 क्वाड्रा जेट नोजल।
- आरआरआरटी, तालचेर के लिए 01 स्टेशन वैगन।
- 01 वायवीय कंक्रीट कटर।
- 05 आर्द्रतामापी (हाइड्रोमीटर)
- कार्बन डाइऑक्साइड शोषक के 3000 पैकेट
- ऑक्सीजन सिलेंडर का हाइड्रोलिक परीक्षण

घ. प्रशिक्षण और निरंतर सुरक्षा जागरूकता अभियान के माध्यम से कार्यबल के ज्ञान, कौशल और जवाबदेही में निरंतर सुधार-

क. प्रशिक्षण-

- (i) सभी क्षेत्रों / परियोजनाओं / खानों के क्षेत्रीय महाप्रबंधकों, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारियों, परियोजना अधिकारियों, खान प्रबंधकों और सुरक्षा अधिकारियों जैसे वरिष्ठ अधिकारियों का कोविड-19 के कारण ऑन लाइन माध्यम से "कोयला खान विनियमन 2017 में विधायी परिवर्तन" विषय पर एक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया।
- (ii) खान/क्षेत्र/मुख्यालय के भू तकनीकी कोष्ठ एवं स्ट्राटा नियंत्रण कोष्ठ के सभी सदस्यों को दिनांक 17/11/2020 से 19/11/2020 तक सीएमपीडीआई के विशेषज्ञों द्वारा "कैसे स्ट्राटा में विफलता को नियंत्रित किया जाए एवं कैसे स्ट्राटा एवं डंप्स की निगरानी की जाए" विषय पर कोविड-19 के कारण ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।
- (iii) दिनांक 16/09/2020 को विद्युत संबंधित कार्य के निष्पादन के दौरान सुरक्षित कार्य पद्धतियों पर विभिन्न खानों/उपकेन्द्रों/कार्यशालाओं में पदस्थापित विद्युत विभाग के 36 अधिकारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- (iv) कामगारों, पर्यवेक्षकों और अधिकारियों को सुरक्षा पहलुओं के बारे में जागरूक करने और उनके कौशल को उन्नत करने हेतु समूह व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों और कंपनी भर में सुविधाजनक स्थानों पर स्थापित अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में नौकरी से संबंधित प्रशिक्षण एवं पुनर्प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। आवश्यकता के अनुसार उन्हें बाहरी संस्थानों में भी प्रशिक्षण दिया जाता है। उदाहरण के लिए, उत्खनन संचालकों के कौशल में सुधार के लिए, 2020-21 के दौरान खड़गपुर और धारवाड़ कारखानों में टाटा हिताची प्रशिक्षण केंद्रों में 15 उत्खनन संचालकों को सिमुलेटर पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही 2020-21 के दौरान 25 उत्खनन संचालकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया।
- (v) ओडिशा फायर एंड डिजास्टर रिस्पांस एकेडमी (ओएफडीआरए), भुवनेश्वर में "आग से कैसे निपटें और आग के दौरान व्यक्तियों को कैसे बचाएं" विषय पर एमसीएल के 20 बचाव प्रशिक्षित व्यक्तियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

ख. जागरूकता-

- (i) खदान के कर्मचारियों में जागरूकता लाने के लिए विशिष्ट विषय पर खानों में नियमित रूप से विशेष सुरक्षा अभियान मनाया जाता है। वर्ष 2020-21 के दौरान समस्त खानों में निम्नलिखित विषयों पर विशेष सुरक्षा अभियान पालित किए गए :

क्रमांक	विशेष सुरक्षा अभियान दिनांक	विषय
1.	दिनांक 08/05/2020 से 13/05/2020 तक	यातायात नीति और वाहन पार्किंग योजना
2.	दिनांक 13/07/2020 से 18/07/2020 तक	सुरक्षित ब्लास्टिंग अभ्यास
3.	दिनांक 10/09/2020 से 16/09/2020 तक	मानसून की तैयारी और ढलान/डंप की निगरानी पर विशेष अभियान

- (ii) कार्यकारी व्यक्तियों के बीच सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के लिए, प्रमुख खदान अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से सभी खानों में पारी पूर्व सुरक्षा वार्ता की जाती है। एमसीएल के प्रमुख खान अधिकारियों द्वारा सुरक्षा के संबंध में ठेकेदार के शिविर में संविदा कर्मियों को सुरक्षा के संबंध में नियमित रूप से सुरक्षा वार्ता द्वारा उन्हें संवेदनशील बनाया जाता है।
- (iii) इसके अलावा खान कर्मचारियों के बीच सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के लिए एमसीएल की सभी खानों में विभिन्न विषयों पर "सुरक्षा दिवस" हर महीने मनाया जाता है जिसमें पीएससी सदस्य और आईएसओ, एमसीएल के अधिकारी भी भाग लेते हैं।
- (iv) 27 जनवरी से 9 फरवरी 2021 तक एमसीएल की सभी खदानों और कार्यशालाओं में वार्षिक सुरक्षा पखवाड़ा 2020-21 के आयोजन के माध्यम से एक भव्य सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम मनाया गया।
- (v) एमसीएल की विभिन्न खदानों में हुई दुर्घटनाओं/घटनाओं के कारणों के बारे में कर्मचारियों को शिक्षित करने के लिए कम अवधि के 17 सुरक्षा वीडियो तैयार किए गए। सीआईएल के अन्य सभी सुरक्षा वीडियो के साथ इन सुरक्षा वीडियो को व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से खान कर्मचारियों के बीच साझा किया गया है और जहाँ साझा करना संभव नहीं था, वहाँ खदान कर्मचारियों के बीच इसे प्रदर्शित किया गया।

ड. खदानों में सुरक्षा की निगरानी के लिए हर मंच पर श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना :

- (i) परियोजना स्तरीय सुरक्षा समितियों, क्षेत्र स्तरीय त्रिपक्षीय सुरक्षा समितियों और सहायक स्तर की त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति में कामगार प्रतिनिधियों के साथ सुरक्षा मामलों पर संयुक्त परामर्श आयोजित किया जाता है। कॉर्पोरेट स्तर के सुरक्षा बोर्ड के सदस्यों के साथ सुरक्षा बैठक दिनांक 11/12/2020 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई।
- (ii) कोयला खान विनियमन 2017 के प्रावधानों के तहत नियुक्त खान अधिकारियों द्वारा वैधानिक निरीक्षण के अलावा, खानों के सुरक्षा मानकों की निगरानी ट्रेड यूनियनों के कामगार निरीक्षकों के प्रतिनिधि (खान नियम 1955 के तहत नियुक्त) द्वारा भी की जाती है।

च. सूचना प्रौद्योगिकी पहल :

- (i). खान सुरक्षा ऐप- एमसीएल ने सभी हितधारकों के बीच सुरक्षा संबंधी जानकारी को आसानी से साझा करने के लिए सुरक्षा ऐप विकसित और अनुरक्षित किये हैं। सभी सुरक्षा संबंधी जानकारी

जैसे डीजीएमएस परिपत्र, दुर्घटना के आँकड़े, महत्वपूर्ण सुरक्षा बैठकों के कार्यवृत्त, आईएसओ परिपत्र आदि को ऐप में अपलोड किया जाता है। ऐप को "खान सुरक्षा जानकारी" टैग के तहत गूगल प्ले स्टोर से मुफ्त डाउनलोड किया जा सकता है।

(ii) मैगज़ीन लाइसेंस / ठेकेदारों में बदलाव/ विस्फोटक वेन की वैधता की समाप्ति के छह महीने पूर्व संबंधित खानों को एसएमएस और ईमेल के माध्यम से 15 दिनों के अंतराल पर स्वचालित सुरक्षा चेतावनी भेजने की एक प्रणाली विकसित की गई थी।

छ. वर्ष 2020-21 के दौरान एमसीएल के सभी खुली खदान एवं भूमिगत खदानों में एमसीएल के अंतर-क्षेत्रीय बहु-विषयक टीमों द्वारा सुरक्षा लेखा परीक्षा पूरी की गई।

ज. खानों की सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए सभी क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारियों, विद्युत सुरक्षा अधिकारियों और भू तकनीकी सेल और क्षेत्र के स्ट्रेट कंट्रोल सेल के प्रमुख के साथ नियमित समन्वय बैठक आयोजित की गई।

झ. बीमारियों का पता लगाने के लिए कामगारों और पर्यवेक्षकों की नियमित चिकित्सा जांच की जाती है ताकि समय रहते उनका इलाज किया जा सके। वर्ष 2020-21 के दौरान, एमसीएल के पीएमई केंद्रों पर 3175 विभागीय कर्मचारियों और 774 संविदा कर्मियों की आवधिक चिकित्सा जांच की गई।

3. कोविड-19 के प्रभाव को खत्म करने और खानों में परिनियोजित व्यक्तियों की स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई विशेष पहल:

- खानों में कार्यरत सभी श्रमिकों और अधिकारियों को इस वायरस से बचाने के लिए आवश्यक सैनिटाइजर, मास्क और अन्य व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण मुफ्त में उपलब्ध कराए गए हैं।
- खानों में कार्यस्थल की, विशेष रूप से बार-बार छुई जाने वाली सतहों की उचित सफाई और बार-बार सैनिटाइजेशन के साथ-साथ हैंड सैनिटाइजर साबुन और बहते पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की गई।
- भूमिगत खानों में मैनुअल ड्रिल मशीन के स्थान पर यूनिवर्सल ड्रिल मशीन के साथ मशीनीकृत ड्रिलिंग का सहारा लेना।
- वर्चुअल मोड के माध्यम से सभी सुरक्षा संबंधी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किए गए।
- एमसीएल के समस्त खानों/ कार्यशालाओं/ उप-स्टेशनों/ जीवीटीसी/ संविदात्मक प्रतिष्ठानों में तकनीकी मोड जैसे कि "ड्रोन कैमरा, वीडियोग्राफी, एवं फोटोग्राफी" के माध्यम से 27 जनवरी से 9 फरवरी 2021 तक वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा 2020-21 सफलतापूर्वक पालित किया गया।
वस्तुतः वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा 2020-21 के संबंध में की गई विभिन्न गतिविधियाँ हैं -

क. सभी क्षेत्रों के प्रतिभागियों को शामिल करते हुए आईएसओ, एमसीएल मुख्यालय की टीम द्वारा आयोजित वर्चुअल ट्रेड टेस्ट।

ख. सभी क्षेत्रों के प्रतिभागियों को शामिल करते हुए आईएसओ, एमसीएल मुख्यालय की टीम द्वारा आयोजित वर्चुअल क्विज प्रतियोगिता।

ग. सुरक्षा जागरूकता के वर्चुअल प्रचार एवं प्रसार के लिए सोशल मीडिया का उपयोग।

घ. सभी खुली खदान परियोजनाओं का मूल्यांकन वस्तुतः ड्रोन कैमरा, वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी की तकनीक अपनाकर किया गया।

ङ. सभी भूमिगत खदान और अन्य प्रतिष्ठानों का मूल्यांकन वस्तुतः वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी की तकनीक को अपनाकर किया गया।

4. खान आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और बचाव सेवाएं

- प्रत्येक खदान में संविधी के अनुसार आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना बनाई गई है और आपात स्थितियों से निपटने के लिए संगठन भी बनाया गया है।
- आपातकालीन कार्य योजना की प्रभावशीलता की जांच के लिए नियमित कृत्रिम पूर्वाभ्यास का आयोजन किया जाता है।
- सभी भूमिगत खानों में एस्केप मार्गों का सीमांकन किया गया है।

इसके अलावा एमसीएल के खानों में आपातकालीन स्थिति में जरूरतों को पूरा करने के लिए एमसीएल के ईब-वैली कोयलांचल के ओरिएंट क्षेत्र एवं तालचेर कोयलांचल के आरआरआरटी, तालचेर क्षेत्र में अच्छी तरह से सुसज्जित खान बचाव केंद्र स्थापित किए गए हैं। यह बचाव केंद्र न केवल एमसीएल की बल्कि पड़ोसी निजी भूमिगत खानों को भी सेवाएं प्रदान करता है।

एमसीएल की बचाव सेवाओं द्वारा पूरी की गई विभिन्न गतिविधियाँ इस प्रकार हैं :

1. खान बचाव केंद्र और आरआरआरटी ने वर्ष 2020-21 के दौरान कुल 18 आपातकालिन स्थिति / अग्निशमन कार्यों में भाग लिया, जिसमें 11 खान परिसर से और 07 किसी भी खनन गतिविधि से संबंधित नहीं हैं परंतु आसपास के समाज / नागरिक टाउनशिप में चलाए गए।
2. 187 बचाव प्रशिक्षित व्यक्तियों को खान बचाव केंद्र, ओरिएंट क्षेत्र और आरआरआरटी, तालचेर क्षेत्र में रेस्क्यू और रिकवरी कार्य में पुनर्श्रम प्रशिक्षण दिया गया।
3. एमसीएल के कुल 187 बचाव प्रशिक्षित व्यक्तियों की चिकित्सकीय जांच की गई और उन्हें स्वस्थ पाया गया।
4. वर्ष 2020-21 के दौरान मेसर्स हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रायगढ़ क्षेत्र के गारे पालमा IV / 4 और IV / 5 की निजी भूमिगत खदानों को प्रशिक्षण और आपातकालीन सहायता दी गई।
5. फायर टैंडरों पर अग्निशमन के संबंध में 05 विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए (जिनमें 01 एमआरएस, ओरिएंट क्षेत्र में और 04 आरआरआरटी, तालचेर क्षेत्र में), जिसमें 79 व्यक्तियों ने भाग लिया।
6. नियमित अंतराल पर खानों में सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) और सेल्फ रेस्क्यूअर प्रदर्शित किया गया। आरआरआरटी, तालचेर में ड्रेजर बीजी-4 ईपी पर बचाव प्रशिक्षित व्यक्तियों के कौशल विकास के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया।
7. ओडिशा अग्निशमन सेवा, ब्रजराजनगर, झारसुगुडा के सहयोग से संयुक्त रूप से "अग्निशमन पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

21. कंप्यूटरीकरण

1. कोलनेट, कस्टमाइज्ड ईआरपी सिस्टम - कोलनेट एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के निम्नलिखित मॉड्यूल मुख्यालय स्थित केंद्रीय सर्वर पर परिचालित एवं प्रयोग में हैं।
 - वित्तीय सूचना प्रणाली - वित्त मॉड्यूल का उपयोग केंद्रीय सर्वर पर एमसीएल के सभी क्षेत्रों के लिए जर्नल प्रविष्टि सहित प्रत्येक वित्तीय लेनदेन करने के लिए किया जाता है, जो संतुलन परीक्षण, लेजर विवरण, लेखा अनुसूची, बैलेंस शीट और लाभ और हानि लेखा सहित सभी वित्तीय जानकारी के समेकन और बेहतर एमआईएस रिपोर्ट बनाने में मदद करता है।
 - पर्सनल इंफॉर्मेशन सिस्टम एण्ड पेंसल - व्यक्तिगत सूचना प्रणाली का उपयोग प्रत्येक कर्मचारी के संपूर्ण विवरण जैसे कि उनके बायो-डेटा, शैक्षिक विवरण, परिवार / आश्रित विवरण, स्थानांतरण, पदोन्नति आदि को केंद्रीय डेटाबेस पर बनाने के लिए किया जाता है। पीआईएस का उपयोग वेतन की तैयारी, त्रैमासिक बोनस, कार्यनिष्पादन से संबंधित भुगतान और केंद्रीयकृत आयकर की गणना और विभिन्न पोस्ट पेंसल रिपोर्ट जैसे वेतन पर्ची, बैंक विवरण, विभिन्न आय और कटौती विवरण, फॉर्म -16 और समय-समय पर विभिन्न विभागों द्वारा एमआवश्यक एमआईएस रिपोर्ट लिए किया जाता है।
 - विपणन एवं विक्रय - इस मॉड्यूल का मुख्यालय में सड़क वितरण आदेशों के जारीकरण, क्षेत्रों द्वारा रेल और रोड सेल बिल तैयार करने और मुख्यालय में केंद्रीय कोलनेट सर्वर पर देनदारों के खातों के रखरखाव के लिए उपयोग किया जाता है।
 - सामग्री प्रबंधन प्रणाली (ओएमएमएस):- सभी केंद्रीय/क्षेत्रीय भंडार और केंद्रीय कर्मशालाओं से संबंधित गतिविधियों और यूनिट स्टोर्स पर पीओएल/विस्फोटक के जारी/प्राप्ति के लिए ओएमएमएस केंद्रीय कोलनेट सर्वर पर चल रहा है। इनवेंटरी के प्रभाव नियंत्रण के लिए विभिन्न रिपोर्ट भी उपलब्ध है।
 - बिल ट्रेकिंग प्रणाली - कोलनेट एप्लिकेशन के तहत बिल ट्रेकिंग प्रणाली सफलतापूर्वक कोलनेट पर चल रहा है। इस प्रणाली में ठेकेदारों / विक्रेताओं से प्राप्त बिल को संबंधित उपयोगकर्ता विभागों द्वारा कोलनेट एप्लिकेशन के बिल ट्रेकिंग मॉड्यूल के माध्यम से कैप्चर किया जाता है। मॉड्यूल के माध्यम से इन बिलों की स्थिति को भी अपडेट किया जा रहा है और इन्हें संबंधित पार्टियों द्वारा ऑनलाइन देखने के लिए "बिल स्टेटस" लिंक के तहत एमसीएल की वेबसाइट पर रियल टाइम बेसिस पर उपलब्ध कराया गया है।
 - फाइल ट्रेकिंग सिस्टम - फाइल ट्रेकिंग सिस्टम:-एमसीएल के विभिन्न विभागों और स्थानों पर महत्वपूर्ण फाइलों की आवाजाही पर नज़र रखने के लिए कोलनेट में विकसित सॉफ्टवेयर का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है। 31 मार्च 2021 तक लगभग 93824 फाइलों को इस मॉड्यूल के माध्यम से संसाधित किया गया है।
 - इलेक्ट्रॉनिक कैपिटल फंड मैनेजमेंट सिस्टम (ई-कैपेक्स)- पुनः विनियोजन सहित कैपिटल फंड आवंटन के लिए जुलाई -2017 से लागू कोलनेट में विकसित यह मॉड्यूल सफलतापूर्वक चल रहा

है। समय-समय पर आवश्यकतानुसार प्रक्रियात्मक बदलावों को मॉड्यूल में शामिल किया जा रहा है।

- ऑनलाइन संविदा प्रबंधन प्रणाली - कोलनेट एप्लिकेशन के तहत विकसित कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट मॉनिटरिंग सिस्टम मॉड्यूल का उपयोग सभी कोल और ओबी से संबंधित कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रभावी अनुश्रवण के लिए अनुबंध विवरण, कार्य आरंभ करने, मुख्यालय / क्षेत्र / परियोजना में दैनिक कार्यनिष्पादन को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है। इस मॉड्यूल में विभिन्न एमआईएस रिपोर्ट उपलब्ध हैं।
- उत्पादकता में सुधार योजना - उत्पादन से संबंधित कार्यों में लगन ऑपरेटरों को वेतन की गणना और त्वरित भुगतान के लिए इस सॉफ्टवेयर को विकसित किया गया है तथा और एमसीएल के विभिन्न खुली खानों में सफलतापूर्वक चल रहा है। विभागीय भूतल खनिक ऑपरेटरों के लिए प्रोत्साहन तथा समय-समय पर एमसीएल बोर्ड द्वारा योजना में बदलाव की गणना हेतु सॉफ्टवेयर नियमित रूप से संशोधित किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान कोलनेट में निम्नलिखित संवर्द्धन किए गए:

क. विक्रेता भुगतान का केंद्रीकरण - मुख्यालय में विक्रेताओं को भुगतान करने के लिए कोलनेट को उपयुक्त रूप से अनुकूल बनाया गया है, जिससे विक्रेताओं और ठेकेदारों को समय पर भुगतान करना सुनिश्चित होता है। क्षेत्रों के फंड इंडेंट, क्षेत्रों के धन प्रेषण जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं को अब पूरी तरह से टाला जाता है। इससे एमसीएल के बैंक खातों की संख्या युक्तिसंगत होगी और बेहतर फंड प्रबंधन होगा। ऑडिट के दौरान बैंक सुलह भी बहुत सरल और तीव्र हो गया है।

ख. आईआरएन और क्यूआर का कार्यान्वयन - सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार आईआरएन और क्यूआर को बिक्री चालान में शामिल किया जाना था। एमसीएल ने निर्धारित समय के भीतर, बी 2 बी और बी 2 सी श्रेणियों में सरकारी निर्देशों को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह एक वैधानिक आवश्यकता थी जिसका अनुपालन समय से किया गया है।

ग. रेल / सड़क द्वारा प्रेषण के लिए एलसी उपभोक्ता के लिए नए मॉड्यूल का विकास।

घ. एलसी उपभोक्ताओं के लिए पीआई के लिए रेल वेट शीट डेटा दर्ज करने और अंडरलोड मात्रा की ऑटो गणना के लिए कोलनेट प्रणाली में नई स्क्रीन का विकास

ड. नमूना परिणामों के संभावित रेफरी मामलों के लिए ऑटो अलर्ट उपयोगकर्ता के लिए QC (गुणवत्ता नियंत्रण) मॉड्यूल का संवर्द्धन।

च. विस्फोटक और आयुधागार के लिए सुरक्षा चेतावनी के लिए नया सब-मॉड्यूल विकसित किया गया है। इस माध्यम से क्षेत्रीय महाप्रबंधक, महाप्रबंधक(बचाव) एवं परियोजना के अधिकारी को विस्फोटक के लाइसेंस समाप्त होने से पहले एसएमएस और मेल किया जा रहा है।

- छ. कल्याणकारी व्यय के लिए नया उप मॉड्यूल विकसित किया गया है। इस मॉड्यूल के माध्यम से हॉस्टल शुल्क, कोचिंग व्यय को डिजिटल किया गया है।
 - ज. टीए/डीए के लिए नया उप मॉड्यूल विकसित किया गया है। दूर अनुमोदन, दूर एडवांस और दूर फाइनेल को इस मॉड्यूल के माध्यम से किया जा रहा है।
 - झ. सीएसआर सॉफ्टवेयर - मुख्यालय और क्षेत्रों में विभिन्न सीएसआर गतिविधियों के विभिन्न चरणों की वास्तविक निगरानी के लिए कोलनेट में एक सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है।
2. सीपीआरएमएसई पोर्टल- सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए एक पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से वे अपने चिकित्सा बिलों की भुगतान स्थिति को कंट्रीब्यूटरी पोस्ट-रिटायरमेंट मेडिकेयर स्कीम फॉर एक्जिक्यूटिव्स (CPRMSE) के तहत देख सकते हैं। कार्यकारी अधिकारी अपनी शेष राशि लिमिट और बिना लिमिट के एंटाइटलमेंट की जाँच कर सकते हैं। जीवन प्रमाण पत्र जमा करने और उपयोगकर्ता के परिचय के संबंध में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्व निर्मित एसएमएस चेतावनी दी जा रही है।
 3. वेब और ईमेल सर्वर होस्टिंग
 - कॉर्पोरेट मुख्यालय में स्थापित वेबसर्वर पर एमसीएल की कॉर्पोरेट वेबसाइट "www.mahanadicoal.in" को होस्ट किया गया है। वेबसाइट को एसएसएल सर्टिफिकेट के माध्यम से सुरक्षित किया गया है।
 - एमसीएल के मेल सर्वर भी डोमेन नाम "mail.mahanadicoal.in" के साथ कॉर्पोरेट मुख्यालय में होस्ट की गई है।
 - कर्मचारियों को उनके फॉर्म 16 और 26AS डाउनलोड करने के लिए पोर्टल आधारित ऐप बनाने के लिए विकसित किया गया है।
 - स्टोक होल्डर्स (कर्मचारियों, उपभोक्ताओं, विक्रेताओं, ठेकेदारों) की शिकायतों से निपटने के लिए संवाद (SAMVAAD) पोर्टल ऐप विकसित किया गया है।

वेबसाइट के सुरक्षित लेखा के लिए एसटीक्यूसी पर कार्यालयआदेश जारी किया गया है। एसटीक्यूसीने प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जिसके अनुसार एसटीक्यूसी द्वारा चिह्नित अंतराल को बंद करने के लिए कार्रवाई की गई है।
 4. एमसीएल इंटरनेट - एमसीएल इंटरनेट सर्कुलर / मैनुअल, निर्देशों और पत्रों को साझा करने के लिए एक आंतरिक पोर्टल है और इसे आंतरिक कर्मचारियों द्वारा उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड के माध्यम से संचालित(एक्सेस)-किया जा सकता है। इंटरनेट कहीं भी और कभी भी, वर्तमान से अतीत की जानकारी प्रदान करता है, और इसका उद्देश्य कंपनी के अधिकारियों के बीच सूचना का आदान प्रदान करना है और साथ ही बाहरी लोगों को अवांछित जानकारी के प्रसार से बचना है।

5. एसएमएस / ईमेल अलर्ट - ग्राहकों को डिलीवरी ऑर्डर, आरडीओ के रिफंड के विवरण आदि के संबंध में एसएमएस भेजे जा रहे हैं। एमसीएल के सभी कर्मचारियों को वेतन भुगतान के संबंध में एसएमएस भी भेजे जा रहे हैं। सड़क द्वारा विक्रय उपभोक्ताओं को दैनिक आधार पर उपभोक्ता-वार और डीओ-वार आंकड़े भी एसएमएस के माध्यम से भेजे जा रहे हैं। बैंक गारंटी की समाप्ति आदि के लिए भी एसएमएस भेजे गए हैं। सेवानिवृत्त अधिकारियों को वास्तविक समय के आधार पर जीवन स्थिति (लाइफ स्टेटस) का स्व निर्मित एसएमएस भी भेजा जा रहा है।
6. इंटरनेट लिज्ड लाइन - मुख्यालय के सभी उपयोगकर्ताओं को अतिरिक्त के साथ हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। मुख्यालय में मेसर्स बीएसएनएल और मेसर्स रेलटेल दोनों से प्राप्त वर्तमान इंटरनेट लीज्ड लाइन को 100 एमबीपीएस की गति पर अद्यतन किया गया है। क्षेत्रों और परियोजनाओं के कार्यालयों में स्थानीय स्तर पर अपनी अलग इंटरनेट कनेक्टिविटी है, लेकिन कॉर्पोरेट लैन के माध्यम से मुख्यालय में उपलब्ध उच्च गति की इंटरनेट सुविधा का उपयोग भी कर सकते हैं।
7. ई-ऑफिस कार्यान्वयन - ई-ऑफिस, एमसीएल-मुख्यालय, क्षेत्रों और परियोजनाओं में ई-फाइलों की प्राप्ति और निर्माण के लिए पूरी तरह कार्यात्मक है। मुख्यालय, क्षेत्रों और परियोजनाओं में सभी ई-ऑफिस उपयोगकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। सभी स्थानों पर ई-ऑफिस के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप फाइलों का तेजी से आवागमन और त्वरित निपटान हुआ है। अब उपयोगकर्ता वीपीएन कनेक्टिविटी के माध्यम से घर से काम कर सकते हैं। वर्ष के दौरान ई-ऑफिस के माध्यम से शुरू की गई कुल फाइलें 14821 हैं। वर्ष के दौरान कुल प्राप्तियां 16191 हैं। 1743 ई-ऑफिस उपयोगकर्ताओं में से, 1073 उपयोगकर्ताओं ने वर्ष के दौरान ई-ऑफिस का उपयोग किया।
8. पीसी, बाह्य उपकरणों और सॉफ्टवेयर की खरीद / प्रतिस्थापन - 786 डेस्कटॉप पीसी और 457 इंक टैंक आधारित प्रिंटर / एमएफडी की आपूर्ति और स्थापना की गई है। 627 मोनो लेजर प्रिंटर और 203 डेस्कटॉप पीसी की खरीद के लिए आपूर्ति आदेश जारी किया गया है। केंद्रीय चिकित्सालय, ईब वैली में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए अधिकांश हार्डवेयर की खरीद की गई है। वर्ष के दौरान 62 एमएस ऑफिस स्टैंडर्ड सॉफ्टवेयर और 4 माइक्रोसॉफ्ट पावर बीआई सॉफ्टवेयर की खरीद की गई। 04 RISCAN प्रो सॉफ्टवेयर की खरीद के लिए आपूर्ति आदेश जारी किया गया है।
9. मोबाइल एप्स - सीएसआर, बिल स्टेटस ट्रैकिंग, एमसीएल आवास जानकारी, रोड सेल डिस्पैच, खान सुरक्षा जानकारी, सीपीआरएमएसई आदि को एंड्रॉइड आधारित मोबाइल पर विभिन्न ऐप स्वयं एमसीएल द्वारा विकसित किए गए हैं। सिविलियन, ईएसएम और पीएपी अनुबंध के तहत टिपर, पे लोडर और सरफेस माइनर की नियुक्ति की उनकी क्षमता अनुसार नियुक्ति की निगरानी के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया है। यूनिट में क्षेत्रवार / इकाई वार और शिफ्ट वार जानकारी (डेटा) को

इस एप्लिकेशन द्वारा बारीकी से देखा जा सकता है क्योंकि डेटा सीधे खानों से प्रदान किया जाता है। हितधारकों की शिकायत से निपटने के लिए SAMVAAD मोबाइल ऐप विकसित किया गया है।

10. एसएपी ईआरपी का कार्यान्वयन - वर्ष के दौरान एसएपी ईआरपी के कार्यान्वयन से संबंधित सभी आवश्यक गतिविधियाँ जैसे कि मास्टर डेटा तैयार करना, डेटा की सफाई, वस्तुओं और विक्रेताओं का कोडीकरण, एसएपी प्लेटफॉर्म के लिए डेटा का माइग्रेशन, सिस्टम कॉन्फिगरेशन और डिजाइन के लिए उपयोगकर्ता स्वीकृति, परीक्षण और प्रशिक्षण, अंतिम उपयोगकर्ता प्रशिक्षण, रोल्स और प्राधिकरण को सफलतापूर्वक अंतिम रूप दिया गया। उत्पादन योजना, संयंत्र रखरखाव, सामग्री प्रबंधन (माल और सेवा) और मानव पूंजी प्रबंधन जैसे कुछ मॉड्यूल के लिए एसएपी ईआरपी का गो-लाइव 21.01.2021 को बनाया गया था। इन मॉड्यूलों को 01.04.2021 से लाइव करने के लिए वित्त और नियंत्रण, बिक्री और वितरण और परियोजना प्रणाली जैसे अन्य मॉड्यूल बनाने के लिए आवश्यक गतिविधियाँ भी पूरी कर ली गई हैं।
11. आपदा पुनर्वास स्थान- व्यवसाय निरंतरता योजना (बिजनेस कंटेन्यू प्लान) के हिस्से के रूप में, जगन्नाथ एरिया में डिजास्टर रिकवरी साइट बनाई गई है, जो कॉर्पोरेट मुख्यालय से 180 किमी दूर है। जगन्नाथ के दो आईबीएम सर्वर डेटा के वास्तविक समय प्रतिरूप के लिए कॉन्फिगर किए गए हैं। प्राथमिक साइट की विफलता की स्थिति में, डीआर साइट को प्रायः तुरंत बनाया जा सकता है।
12. i3MS और एसएपी का एकीकरण - आई 3 एम के एकीकरण के लिए एसएपी ईपी के साथ एसएपी सिस्टम से डेटा के सीधे हस्तांतरण के लिए मैसर्स सीएसएम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, भुवनेश्वर को कार्यादेश जारी किया गया है। एकीकरण किया जा चुका है। सिस्टम इंटीग्रेटर मैसर्स टेक महिंद्रा द्वारा मैसर्स सीएसएम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समन्वय से परीक्षण किया जा रहा है।
13. ई-अपशिष्ट निपटान - भारत सरकार के ई-अपशिष्ट (प्रबंधन) नियम 2016 के अनुसार 16 टन ई-अपशिष्ट का निपटान किया गया है, जो एक वैधानिक आवश्यकता है।

भावी योजना / अन्य चालू गतिविधियाँ

1. ईआरपी सॉफ्टवेयर का कंप्लीट गो-लाइव - 1 अप्रैल 2021 से एसएपी ईआरपी के सभी मॉड्यूल्स को गो-लाइव करने की योजना है। वित्तीय वर्ष से सभी मॉड्यूल को नए एकीकृत तरीके से गो-लाइव बनाने से संगठन को एसएपी ईआरपी से पुनः लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी।
2. चिकित्सालय प्रबंधन प्रणाली का कार्यान्वयन - अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (HIMS) के कार्यान्वयन के लिए बुनियादी ढांचा तैयार है। इस प्रणाली के तहत, सभी नैदानिक और गैर-नैदानिक विभाग, फार्मसी के अलावा आउट-डोर और इन-डोर इकाइयों के प्रबंधन, नैदानिक वर्गों और स्टोर्स को केंद्रीय चिकित्सालय, ईब वैली के प्रबंधन को प्रभावी रूप से संयुक्त मंच में एकीकृत किया जाएगा।

3. मोबाइल एप्स- हितधारकों को अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करने और जहां तक संभव एवं मुनासिब हो हितधारकों को अधिकतम सुसंगत जानकारी साझा करने के लिए और अधिक मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किए जाएंगे।
4. वेबसाइट अद्यतन - एसएपी ईआरपी के माध्यम से कंपनी की वेबसाइट अद्यतन एवं एकीकृत की जाएगी। 2 लाख से कम की निविदाओं से संबंधित सूचना जारी करने हेतु एक पोर्टल विकसित किया जाएगा जिसमें इच्छुक बोलीदाताओं द्वारा दस्तावेज डाउनलोड करने की सुविधा होगी।
5. बैकअप सर्वर - वेब/ईमेल सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए बैकअप सर्वर सेटअप किया जाएगा, ताकि ये सेवाएं किसी भी हार्डवेयर विफलता या अप्रत्याशित घटनाओं की स्थिति में निर्बाध रहें।

23. दूरसंचार

- ईआरपी और कोलनेट के लिए निरंतर (रेडुंडेंट) डेटा कम्यूनिकेशन नेटवर्क: ईआरपी और कोलनेट के लिए एमपीएलएस नेटवर्क एमसीएल के 284 स्थानों पर स्थापित किया गया है, जिसमें मेसर्स रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की सेवाओं का उपयोग कर सभी डेटा जनरेटिंग पॉइंट जैसे एरिया ऑफिस, प्रोजेक्ट ऑफिस, एमटीके, वेब्रिज आदि शामिल हैं। इसे निरंतर बनाए रखने के लिए, आपकी कंपनी में 116 डेटा जनरेटिंग पॉइंट्स को कवर करने वाली बीएसएनएल का एमपीएलएस नेटवर्क स्थापित किया गया है। उपरोक्त के अलावा स्थापित आईपी आधारित वाइड एरिया नेटवर्क (डब्ल्यूएएन), जो एमसीएल की लगभग सभी इकाइयों को शामिल करता है, का आपकी कंपनी द्वारा व्यापक रूप से और सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है।

एमसीएल मुख्यालय में एक 24x7 नेटवर्क ऑपरेटिंग सेंटर (एनओसी) भी स्थापित किया गया है ताकि पूरे एमसीएल में सभी लिंक की निगरानी की जा सके, साथ ही लिंक में किसी भी व्यवधान के मामले में त्वरित बहाली की जा सके।

इस नेटवर्क बैकबोन की सफल स्थापना के साथ पूरे एमसीएल में ईआरपी का उपयोग शुरू हो गया है, और इन नेटवर्कों के माध्यम से कोलनेट के मौजूदा मॉड्यूल को भी संचालित किया जा सकता है।

- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम:

आपकी कंपनी द्वारा एमसीएल मुख्यालय, एमसीएल भुवनेश्वर कार्यालय और एमसीएल के अन्य क्षेत्रों में एक उपक्रम श्रेणी का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम स्थापित किया गया है, जो सीआईएल के निजी नेटवर्क के साथ-साथ इंटरनेट (पब्लिक नेटवर्क) पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रमुख प्रबंधन कर्मियों द्वारा सहयोगात्मक निर्णय के लिए बैठकें आयोजित करने हेतु त्वरित और सक्षम बनाता है। यह सिस्टम एमसीएल के लाइसेंस प्राप्त एंटरप्राइज ग्रेड मल्टी कॉन्फ्रेंस यूनिट और क्लाउड सर्वर पर चलता है, जो गोपनीयता और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है।

आपकी कंपनी द्वारा क्लाउड आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंस सेवाएं भी खरीदी गई हैं, जिनका स्मार्टफोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप के साथ-साथ वीसी एंड पॉइंट्स का उपयोग करके घर या कार्यालय से व्यापक रूप से उपयोग किया गया है। आपकी कंपनी द्वारा 2020-21 में इन संसाधनों का उपयोग करके हजारों वीडियो कॉन्फ्रेंस, साक्षात्कार, बैठकें, प्रशिक्षण, वेबिनार, कार्यक्रम आदि निष्पादित किए गए हैं। इन संसाधनों ने यात्रा लागत के साथ-साथ कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और अन्य कर्मचारियों की यात्रा के अनगिनत घंटों में करोड़ों रुपये की बचत की है।

- लीज्ड लाइनों के उपयोग से हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी: आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय, एमसीएल भुवनेश्वर कार्यालय, एमसीएल क्षेत्रों (सीडब्ल्यूएस तालचर, सीडब्ल्यूएस आईबी वैली और एनएससीएच तलचर सहित) में लीज्ड लाइनों का उपयोग कर हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी स्थापित की है। इन हाई स्पीड लिंक का उपयोग निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के साथ-साथ एमसीएल में अन्य बैंडविड्थ व्यापक अनुप्रयोगों जैसे एमसीएल वेबसाइट की होस्टिंग, वीटीएस एप्लिकेशन और डेटाबेस सर्वर, सीसीटीवी कैमरों की स्ट्रीमिंग आदि के लिए बीएसएनएल, रेलटेल(RCIL), और पावर ग्रिड (PGCIL) की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।
- फाइलों के लिए यूवी आधारित सैनिटाइजर कैबिनेट: कोविड-19 महामारी के चरम के दौरान, आपकी कंपनी ने 07 यूवी आधारित सैनिटाइजर कैबिनेट खरीदे और स्थापित किए हैं, जिनका उपयोग सेंट्रल डिस्पैच, एमसीएल मुख्यालय के साथ-साथ सीएमडी, निदेशकों और सीवीओ के सचिवालयों में प्राप्त कागजात और फाइलों को सैनिटाइज करने के लिए किया जाता है। इससे आपकी कंपनी को कंपनी के भीतर संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद मिली है।
- हाई स्पीड वायरलेस इंटरनेट हॉटस्पॉट :- आपकी कंपनी द्वारा एमसीएल मुख्यालय के सभी निदेशकों, सीवीओ, विभागाध्यक्षों और कुछ अन्य अधिकारियों को तेजी से और अधिक सूचनात्मक निर्णय लेने के लिए 24x7 संचार और सूचना चैनल सुनिश्चित करने के लिए ऑन-द-गो इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ कार्यालयों और आवासीय कार्यालयों में ब्रॉडबैंड / एफटीएचएच (फाइबर टू द होम) कनेक्शन के अलावा हाई स्पीड वायरलेस इंटरनेट हॉटस्पॉट प्रदान किए गए हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी में इन सभी आगमनों ने दैनिक संचार को स्थानांतरित कर दिया है।
- वाई-फ़ाई नेटवर्क:- आपके कंपनी द्वारा एमसीएल के कॉर्पोरेट ऑफिस और जागृति विहार परिसर में वाई-फ़ाई नेटवर्क स्थापित किया गया है। जागृति विहार के अवसीय क्षेत्र में वाई-फ़ाई नेटवर्क को फिर से मजबूत और पुनर्स्थापित किया जा रहा है।

- मोबाइल सीयूजी सुविधा -आपकी कंपनी द्वारा संपूर्ण ओडिशा राज्य में संगठन की विभिन्न इकाइयों में कार्यरत एमसीएल के सभी अधिकारियों, जेसीसी सदस्यों, प्रमुख कर्मचारियों, रेलवे साइडिंग अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों, बचाव ब्रिगेड कर्मियों और खान बचाव स्टेशनों के ड्राइवरों, बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली आदि के लिए न्यूनतम लागत पर 24x7 असीमित संचार समर्थित मोबाइल सीयूजी सुविधा प्रदान की गई है, जिससे एमसीएल के संचार बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सके।

कोविड-19 महामारी के दौरान, आपकी कंपनी द्वारा हाई स्पीड इंटरनेट, वाईफाई नेटवर्क, मोबाइल इंटरनेट, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और सेवाओं आदि जैसे संसाधनों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया है। इन साधनों और संसाधनों का लचीलापन आपकी कंपनी के कर्मचारियों के बीच सहज सम्प्रेषण बनाए रखने में बड़ा लाभकारी सिद्ध हुआ है तथा आपकी कंपनी के कार्यालयीन कार्य पर कोविड के कारण लगे लॉकडाउन और प्रतिबंधों के असर को बहुत कम कर दिया है। इसके अलावा ये संसाधन पारंपरिक कार्यालयीन कार्य के लिए एक विकल्प भी साबित हुए हैं, जिससे महामारी के दौरान संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद मिली।

- आईपी आधारित टेलीफोन एक्सचेंज:-

आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय में एक नए आईपी आधारित टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित किया है, जिसने एमसीएल और एनसीएल के बीच इंटरकॉम कनेक्टिविटी को मजबूत किया है, जिससे आपकी कंपनी के शीर्ष प्रबंधन के बीच संचार आसान हो गया है। आईपी एक्सचेंज एमपीएलएस नेटवर्क या वाइड एरिया नेटवर्क पर सीएमडी, निदेशकों, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, परियोजना अधिकारियों आदि के बीच संचार की सुविधा प्रदान कर सकता है।

- जीपीएस/जीपीआरएस आधारित वेहिकल ट्रैकिंग सिस्टम:-

- (i) आपकी कंपनी द्वारा 3416 निजी ट्रक/टिपर, एचईएमएम, और कोयले और ओबी के उत्पादन और आंतरिक परिवहन में लगे अन्य वाहनों के साथ-साथ गश्त के लिए सुरक्षा विभाग द्वारा उपयोग किए जाने वाले वाहनों में जीपीएस आधारित वीटीएस (वाहन ट्रैकिंग सिस्टम) इकाइयां स्थापित की गई हैं। इन वाहनों की लाइव ट्रैकिंग के साथ-साथ जियो फेंस के उल्लंघन, ट्रिप, लंबे स्टॉपेज, तय की गई दूरी आदि से संबंधित विभिन्न रिपोर्ट ब इनेबल्ड लिंक अर्थात <http://mclvts.in> पर उपलब्ध हैं। यह लिंक हमारी वेबसाइट www.mahanadicoal.in पर भी उपलब्ध है। सिस्टम में परियोजनाओं और क्षेत्रीय कार्यालयों के संबंधित उपयोगकर्ताओं को ऑटो जेनरेटेड एसएमएस अलर्ट भेजने का भी प्रावधान है।

- (ii) आपकी कंपनी द्वारा जियो-फेंस बाउंडरी (सीमा) को पार करने वाले वाहनों पर नज़र रखने के लिए मार्गों के साथ-साथ खदान की सीमा की जियो-फेंसिंग की गई है।
- (iii) अलर्ट की निगरानी के लिए आपकी कंपनी के एमसीएल-मुख्यालय और सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं।
- **अस्पताल प्रबंधन प्रणाली :**

केंद्रीय अस्पताल, आईबी वैली में अन्य इलेक्ट्रॉनिक और संचार उपकरणों के साथ हाई स्पीड नेटवर्क बैकबोन स्थापित किया गया है। इस बुनियादी ढांचे का उपयोग करते हुए, अस्पताल प्रबंधन प्रणाली (एचएमएस) को अस्पताल में सफलतापूर्वक लागू किया गया है, जिसने संगठन के अस्पताल में बीमारों की संख्या और उपचार प्रक्रिया के काफी सुधार किया है।
- **सीसीटीवी निगरानी प्रणाली :**
 - (i) आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय, बुर्ला के कार्यालय परिसर में 71 कैमरों की सीसीटीवी निगरानी प्रणाली स्थापित की है, जिसका उपयोग कॉर्पोरेट कार्यालय की सुरक्षा बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।
 - (ii) आपकी कंपनी ने एमसीएल के सभी क्षेत्रीय/केंद्रीय भंडारों और केंद्रीय कार्यशालाओं में 376 कैमरों की सीसीटीवी निगरानी प्रणाली स्थापित की है।
 - (iii) आपकी कंपनी ने एमसीएल की अलग-अलग परियोजनाओं में विभिन्न संवेदनशील स्थानों जैसे एमसीएल के सभी क्षेत्रों के खदानों के प्रवेश निकास बिंदु, कोयला स्टॉक, कोयला नमूना प्रयोगशाला आदि पर कई सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए हैं, ।
 - (iv) आपकी कंपनी ने रेलवे साइडिंग पर 21 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं।
 - (v) आपकी कंपनी ने 90 इन-मोशन और स्टेटिक रोड वेब्रिज पर स्टिल-शॉट आईपी कैमरों के साथ-साथ 112 वेब्रिज पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए हैं।
 - (vi) आपकी कंपनी ने खदानों और मैंगजीन क्लस्टरों, एचईएमएम कार्यशालाओं, डीजल डिस्पेंसिंग स्टेशनों और परियोजनाओं के अन्य संवेदनशील स्थानों के विभिन्न प्रवेश/निकास द्वार पर 2469 कैमरों से युक्त एक व्यापक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की स्थापना के लिए पहल की है, जिससे कि अनधिकृत गतिविधि को कम करने, सुरक्षा बढ़ाने और अनधिकृत वाहनों और कर्मियों के प्रवेश को रोका जा सके।
- **वीएचएफ संचार:-** आपकी कंपनी ने कोल फेस तक परियोजनाओं में संचार के लिए विभिन्न खानों में वीएचएफ संचार नेटवर्क स्थापित किया है। परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए इसे हर साल बढ़ाया जा रहा है।

- **आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिती प्रणाली:-** भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अनुरूप, आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय, एमसीएल भुवनेश्वर कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों, परियोजना कार्यालयों, एमटीके में एईबीएस स्थापित किया है, जिसमें एमसीएल के सभी उपस्थिति स्थानों को शामिल किया गया है। सभी उपकरणों को अतिरिक्त के साथ इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। एईबीएस के लिए एमसीएल में कुल 807 उपकरण लगाए गए हैं।
- **आधार सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिती प्रणाली:-** भारत सरकार के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अनुरूप, आपकी कंपनी ने एमसीएल मुख्यालय, एमसीएल भुवनेश्वर कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों, परियोजना कार्यालयों, एमटीके में एईबीएस स्थापित किया है, जिसमें एमसीएल के सभी उपस्थिति-अभिलेखन-स्थलों को शामिल किया गया है। सभी उपकरणों को निरंतरतायुक्त इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। एईबीएस के लिए एमसीएल में कुल 807 उपकरण लगाए गए हैं।
- **दूरसंचार केंद्र:-** इन कार्यालयों में आंतरिक संचार सुविधाओं को बढ़ाने के लिए आपकी कंपनी द्वारा एमसीएल की लगभग सभी इकाइयों में आंतरिक टेलीफोन कनेक्टिविटी और ईपीएबीएक्स सिस्टम की हजारों लाइनें स्थापित की गई हैं और उनका रख-रखाव किया गया है।
- **सुरक्षित टेलीफोन नेटवर्क:-** कंपनी के शीर्ष प्रबंधन के मध्य गोपनीयता और त्वरित संचालन सुनिश्चित करने के लिए आपकी कंपनी द्वारा विशेष रूप से सीएमडी, निदेशकों और सीवीओ के लिए एक आंतरिक क्लोज्ड टेलीफोन नेटवर्क बनाया गया है।
- **डीटीएच सर्विस:-** एमसीएल मुख्यालय में कर्मचारियों और मेहमानों के मनोरंजन के लिए, एमसीएल मुख्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के आवास पर 700 से अधिक कनेक्शन के साथ जागृति विहार और आनंद विहार दोनों को शामिल कर अन्य स्थानों जैसे गेस्ट हाउस इत्यादि में डीटीएच सेवाओं और व्यवस्था की गई है और तथा इसका रख-रखाव किया गया है।
- **भूमिगत संचार प्रणाली:-** आपकी कंपनी द्वारा सभी भूमिगत परियोजनाओं में त्वरित और सुरक्षित संचार के लिए भूमिगत संचार प्रणाली स्थापित की गई है। विभिन्न भूमिगत परियोजनाओं में पर्यावरणीय टेली-मॉनिटरिंग सिस्टम का भी अनुरक्षण किया जा रहा है और इसे बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं।
- **कोल इंडिया में मानव संसाधन विकास पर जोर देते हुए मौजूदा मानव संसाधनों के विकास के साथ-साथ तकनीकी प्रगति के संदर्भ में स्पष्ट परिप्रेक्ष्य के साथ आगे बढ़ने और उत्पादन की मांग को पूरा करने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के लिए के लिए कोल इंडिया में मानव संसाधन विकास स्थापित किया गया है।**

24. अनुषंगी उद्योगों का विकास

एमसीएल स्थानीय उभरते उद्यमियों को आत्मनिर्भरता की प्रक्रिया के माध्यम से एसवी-रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भंडार/उपभोग्य/मरम्मत आदि के क्षेत्रों में राजस्व द्वारा पर्याप्त हिस्सेदारी के द्वारा उन्हें एक स्थायी व्यवसाय प्रदान करता है।

उपरोक्त कारणों के लिए एमसीएल की पूर्ण एमएसएमई-सहायक विकास प्रकोष्ठ है जो निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है :

- ओडिशा राज्य के भीतर अपने परिचालन क्षेत्राधिकार में छोटे पैमाने पर उद्योगों की संभावनाओं का पता लगाने और उनके विकास के लिए अनुमति देता है और सभी प्रयासों को प्रोत्साहित करता है।
- राज्यों के उद्योग निदेशालय और डी.आई.सी. की सहायता से एमसीएल की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए आयात प्रतिस्थापन, पुर्जों की उपलब्धता में सुधार करना।
- बड़ी हुई स्व-रोजगार की संभावना को बनाने और राज्य के क्षेत्रीय युवा जनसंख्या के बीच आत्मनिर्भरता के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण।
- वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक मानक को पाने की नई गतिशीलता तक पहुंचने के लिए इस राज्य के आम जनता की समृद्धि और देश के औद्योगिक मानचित्र में इस राज्य की उन्नति और एमएसईएस के साथ एससी/एसटी एमएसईएस के औद्योगिक उत्पादों का समायोजन।

कंपनी की स्थापना के बाद से एम.सी.एल. ने ओडिशा के एम.एस.ई. की मदद और विकास का कार्य किया है। एम.एस.ई. इकाइयों को विभिन्न उपभोग्य पुर्जों/वस्तुओं और सेवा से संबंधित नौकरियों के लिए निविदाएं प्रदान की गई हैं, जो एम.सी.एल. के इंजीनियरिंग और खनन खंड में शामिल उत्पादन प्रक्रियाओं से सीधे जुड़ी हुई हैं।

इसके अलावा अपने क्रियात्मक प्रयासों को जारी रखते हुये एमसीएल उन सहायक इकाइयों को स्थायी व्यवसाय दे रहा है जो गुणवत्तापूर्ण सामग्री की आपूर्ति और शीघ्र वितरण कार्यक्रम बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार द्वारा चिन्हित एम.एस.ई. के लिए 358 सामग्री आरक्षित हैं। भारत में विशेष रूप से केवल एम.एस.ई. से सामग्री खरीदे जाते हैं और इसके लिए एक विशिष्ट एन.आई.टी. भी तैयार की जाती है।

एमसीएल लगातार सहायक इकाइयों के साथ निरंतर सामंजस्य बनाये रखता है और समय-समय पर संवादात्मक सत्रों/बैठकों का आयोजन करके उनकी शिकायतों का निवारण करने की कोशिश करता रहा है। एमसीएल राष्ट्रीय हित में सदैव राज्य के एमएसएमई के गुणवत्ता, विपणन और समग्र व्यावसायिक विकास के उत्थान के लिए उनके साथ रहा है। इसे राज्य और राष्ट्रीय निकायों द्वारा विभिन्न मंचों से पहचान मिली है। कोविड महामारी के बावजूद वित्तीय वर्ष 2020-21 में, एमसीएल ने यूनिट-III, आईडीसीओ (इडको) प्रदर्शनी ग्राउंड, भुवनेश्वर में 05 मार्च से 09 मार्च, 2021 तक आयोजित "ओडिशा एमएसएमई ट्रेड फेयर - 2020" में हिस्सा लिया तथा विभिन्न ऑनलाइन वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम्स में भाग लिया है। इससे एमसीएल को एमएसएमई के उत्थान हेतु योगदान के लिए सार्वजनिक क्षेत्र क उपक्रम के रूप में "उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र" द्वारा सम्मानित किया गया है।

एमसीएल द्वारा अपनाई गई नीति की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

भारत सरकार के सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय (एमएसएमई) द्वारा जारी एमएसई आदेश 2012 के अनुसार सार्वजनिक खरीद नीति का कार्यान्वयन 2015-16 से अनिवार्य हो गया है। एमसीएल ने जुलाई, 2013 से प्रभावी मौजूदा सहायक नीति को तैयार और कार्यान्वित कर लिया था। एमएसईएस और अनुषंगी उद्योग के लिए एमसीएल द्वारा अनुसरित नई खरीद नीति एमसीएल पोर्टल में सहायक और एमएसई के शीर्ष (http://www.mahanadicoal.in/About/pdf/ANCILLARY_POLICY.pdf) पर उपलब्ध है।

- सूक्ष्म और लघु उद्योग द्वारा उत्पादित कुल वार्षिक उत्पादों और सेवाओं की कम से कम 25 प्रतिशत की खरीद की जाएगी। सूक्ष्म और लघु उद्यमों से वार्षिक खरीद के 25 प्रतिशत में से 20 प्रतिशत (अर्थात् 25 प्रतिशत में से 5 प्रतिशत) अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से खरीदे जाएंगे। हालांकि, ऐसे सूक्ष्म और लघु उद्योग की निविदा प्रक्रिया में भाग लेने या निविदा आवश्यकताओं और एल-1 मूल्य को पूरा करने की विफलता की स्थिति में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्योग के लिए निर्धारित 4% उपलब्ध को अन्य सूक्ष्म और लघु उद्योग से खरीदा जाएगा। इसके अलावा 25 प्रतिशत में से 3 प्रतिशत भी महिला उद्यमी के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से खरीदे जाएंगे।
- निविदा में भाग लेने वाले सूक्ष्म और लघु उद्योग, एल-1+15 प्रतिशत के प्राइस बैंड के भीतर कीमत का हवाला देते हुए उनकी कीमत एल-1 से कम कर ऐसी स्थिति में आपूर्ति की अनुमति दे सकते हैं जहां एल-1 मूल्य सूक्ष्म और लघु उद्योग के अलावा अन्य एंटरप्राइजेज दे और ऐसे सूक्ष्म और लघु उद्योग को कुल निविदा मूल्य के 20 प्रतिशत तक की आपूर्ति करने की अनुमति दी जाएगी।
- वर्तमान व्यापार करने के लेन-देन की लागत को कम करने के लिए, सूक्ष्म और लघु उद्यमों को निविदा का सेट निःशुल्क देकर, बकाया धन के भुगतान से सूक्ष्म और लघु उद्यमों को छूट देकर सहायता प्रदान की जाएगी।
- सूक्ष्म और लघु उद्यमों से 358 मर्गों की खरीद, जिसे उनसे विशेष खरीदारी के लिए आरक्षित किया गया है, नई नीति के कार्यान्वयन के लिए एक मानक एनआईटी पहले से ही कार्यान्वित कर दी गई है जहां केवल एमएसई फर्म ही भाग ले सकते हैं सूक्ष्म और लघु उद्यम कंपनियों के अलावा कोई भी प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यह बताया जा सकता है कि एमसीएल के पास निविदा 2.00 लाख से अधिक अनुमानित मूल्य वाले निविदाओं के लिए ई-निविदा की नीति है। एमएसई सहित सभी के लिए खुला है जो पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं।

एमसीएल की वार्षिक खरीद और पिछले तीन वर्षों के एमएसई से खरीद का % नीचे दिया गया है:

		2018-19	2019-20	2020-21
1	एचईएमएम, पीओएल, टिम्बर, विस्फोटक आदि को छोड़कर कुल वार्षिक खरीद (लाख में)	8181.00	7246.00	8622.04
2	एमएसई से कुल खरीद (लाख में)	3272.43	3639.74	3439.56
3	कुल खरीद में एमएसई खरीद का %	40.00	50.22	39.89

एमसीएल ने वित्त वर्ष 2020-21 में कुल वार्षिक खरीद का 39.89% एमएसई से खरीदा है और न्यूनतम 25% लक्ष्य को लगातार प्राप्त कर रहा है और भविष्य में इस प्रवृत्ति को बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है। पॉलिसी में एमएसई द्वारा उत्पादित या प्रदान किए गए उत्पादों या सेवाओं की कुल वार्षिक खरीद के 25% को प्राप्त करने की जरूरत है, जो सफलतापूर्वक हासिल की गई है।

एमसीएल, खरीद प्रक्रिया की निगरानी, ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर बोलीदाताओं के डाटाबेस को अद्यतन, 25% लक्ष्य को हासिल करने और सुधार करने के लिए हितधारकों के साथ परस्पर विचार विमर्श कर रहा है।

25. मानव संसाधन प्रबंधन (एचआरएम)

औद्योगिक संबंध:

अग्रणी औद्योगिक संस्थान के रूप में कंपनी ने संस्थान में सौहार्दपूर्ण कार्य का वातावरण बनाने के लिए अपने कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ स्वस्थ सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध बनाये रखा है। हमारी कंपनी ने बाह्य एजेंसियों तथा खनन क्षेत्रों के नजदीक के ग्रामीणों से भी मित्रतापूर्ण संबंध कायम रखा है।

उच्च विकास प्राप्त करने के लिए प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध महत्वपूर्ण है और इस तरह, कंपनी ने हमेशा अच्छे औद्योगिक संबंधों को बनाए रखने पर जोर दिया। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण ट्रेड यूनियनों के साथ कई भौतिक आईआर बैठकें करने में सक्षम न होने के बावजूद भी एमसीएल इस वर्ष ट्रेड यूनियनों के साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से औद्योगिक संबंधों को बनाए रखने में सफल रही है। यद्यपि, शक्तियों के प्रत्यायोजन एवं मुद्दों के आधार पर, कर्मचारियों की शिकायतों / मांगों को प्रबंधन ने विभिन्न स्तरों पर हल किया गया था।

कोयला उद्योग के केंद्रीय व्यापार संघों द्वारा 02 से 04 जुलाई, 2020 और 26 नवंबर 2020 तक आयोजित दो हड़तालों में औद्योगिक संबंध शांतिपूर्ण रहे। इसके अलावा, प्रबंधन और व्यापार संघों के मध्य बीच मजबूत संबंधों को दर्शाते हुए वर्ष 2020-21 के दौरान कोई हड़ताल नहीं हुई।

कार्यरत सभी चार श्रम संगठनों द्वारा प्रबंधन के साथ उच्च स्तरीय औद्योगिक संबंध बनाये रखने के लिए किए गये प्रयास बहुत ही सराहनीय हैं।

सहभागी प्रबंधन:

प्रबंधन के साथ एक निश्चित स्तर तक दैनंदिन कार्यों के साथ-साथ कार्पोरेट प्लानिंग में निर्णय लेने में कर्मचारियों की भागीदारी कार्पोरेट लक्ष्य प्राप्त करने का मार्ग बनाती है। आपकी कंपनी एमसीएल कंपनी ने सहभागिता प्रबंधन के मूल्यों को जानते हुए इसके आरंभ से ही इस सिद्धांत को अपनाया है।

जेसीसी और वेलफेयर बोर्ड में प्रतिनिधित्व के लिए ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों का नामांकन परिचालित ट्रेड यूनियनों द्वारा (आईआर प्रणाली के तहत शामिल) किया जाता है। उल्लेखित द्विपक्षीय फोरम के अलावा क्षेत्र के साथ-साथ कार्पोरेट स्तर पर भी त्रिपक्षीय सुरक्षा समितियां कार्य कर रही हैं जिसमें ट्रेड यूनियनों द्वारा नामांकित प्रतिनिधि शामिल होते हैं। उपरुल्लेखित द्विपक्षीय और त्रिपक्षीय समितियां विशेष निर्णय लेने और समस्याएं सुलझाने में प्रबंधन की सहायता करने में सक्रिय हैं।

एमसीएल न केवल सहभागिता प्रबंधन के जरिए ही नहीं बल्कि राजभाषा पखवाड़ा, सुरक्षा सप्ताह, गुणवत्ता पखवाड़े इत्यादि में सहभागिता के अवसर पर वाद-विवाद और संगोष्ठी जैसी श्रेष्ठ कार्यों में शामिल होकर कार्य संस्कृति, सौहार्दपूर्ण परिवेश और निष्ठा विकसित करने में विश्वास रखता है।

आपकी कंपनी लैंगिक संवेदनशीलता के महत्व को समझती है और अपनी महिला कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने और उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों/शिकायतों के निपटान के लिए विशेष ध्यान देती है। महिलाओं के उन्नति एवं विकास के लिये एमसीएल विप्स (सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाएं) फोरम के माध्यम से महिला कर्मचारियों को प्रशिक्षण एवं सेमिनार के द्वारा उन्हें सूचना एवं विचारों के आदान प्रदान के लिये मंच उपलब्ध कराता है ताकि वे अवसरों का सर्वोत्तम उपयोग अधिक आत्मविश्वास के साथ प्रभावी रूप से आगे बढ़ सके।

हालाँकि, 2020-21 में कोविड -19 महामारी के कारण औ.संबंध, कल्याण, सुरक्षा, जेसीसी आदि से संबंधित नियमित रूप से संरचित बैठकें कंपनी, क्षेत्र, परियोजना स्तर भौतिक रूप से आयोजित नहीं की जा सकीं, कुछ बैठकें कोविड-19 के सरकारी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए भौतिक रूप से आयोजित की गईं तथा शेष बैठकें और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गईं, जिसमें कर्मचारी के कल्याण, सुरक्षा और शिकायतों के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर संघ के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई और समस्याओं का सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किया गया। इन चर्चाओं के दौरान, कार्य प्रक्रियाओं में सुधार और संगठन के दिन-प्रतिदिन के मामलों की बेहतरी के लिए कई नए विचार और सुझाव भी दिए गए।

इसके अलावा, कोविड-19 के सभी सरकारी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कोल इंडिया-अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ (CISTEA) के साथ क्षेत्र/मुख्यालय में बैठकें आयोजित की गईं, जहाँ अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति समुदायों के संबंधित कर्मचारियों की शिकायतों पर चर्चा की गई और शिकायतों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए कदम उठाए गए।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति संघ का एक सदस्य इकाई/क्षेत्र/मुख्यालय स्तर की निम्नलिखित फोरम में शामिल किया गया जो सहभागिता प्रबंधन की ओर एक अच्छा कदम है :-

- i) आवास आबंटन समिति
- ii) क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार समिति
- iii) कॉर्पोरेट संयुक्त सलाहकार समिति

25.3 प्रशिक्षण और विकास

कोल इंडिया में मानव संसाधन विकास पर जोर मौजूदा मानव संसाधनों के विकास के साथ-साथ तकनीकी प्रगति के संदर्भ में स्पष्ट परिप्रेक्ष्य के साथ आगे बढ़ने और उत्पादन की मांग को पूरा करने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के लिए कोल इंडिया में मानव संसाधन विकास स्थापित किया गया है।

रणनीतिक योजना से उत्पन्न नियत कार्यों के कार्यान्वयन लिए एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित सभी आठ प्रशिक्षण केंद्रों में मानव संसाधन विकास के प्रयासों को निम्नलिखित चार खंडों में एकीकृत करने के लिए प्रत्येक वर्ष वार्षिक मानव संसाधन विकास की योजना तैयार की जाती है।

I. तकनीकी प्रशिक्षण:

कंपनी में उपयोग की जा रही प्रौद्योगिकी और कॉर्पोरेट स्तर पर विचार की जा रही किसी अन्य तकनीक के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, जिसके लिए प्रशिक्षण के माध्यम से कुशल जनशक्ति की वर्तमान कमी तथा वैधानिक दायित्वको पूरा करने के लिए कर्मियों को तैयार करने की आवश्यकता होती है। महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण श्रेणियों में कर्मियों की आवश्यकता का विश्लेषण और प्रस्तुतीकरण के साथ-साथ उन्हें तैयार करना ताकि क्षमता और नए उपकरणों के माध्यम से परियोजना के लिए पूंजी और प्रौद्योगिकी इनपुट या प्रौद्योगिकी में विशेष प्रणालियों के माध्यम से उत्पादन प्रक्रिया में संवर्धन उचित लाभ प्रदान कर सके।

उपरोक्त को लागू करने के लिए श्रमिकों को निम्नानुसार प्रशिक्षित किया जाता है-

- आधार पाठ्यक्रम : प्रौद्योगिकी, उपकरण और प्रणाली के लिए उपयुक्त
- पुनश्चर्या पाठ्यक्रम : आधार पाठ्यक्रम पूरा कर चुके या पहले से ही विशिष्ट कौशल क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए पांच वर्ष में एक बार।
- विशिष्ट पाठ्यक्रम: प्रौद्योगिकी में परिवर्तन के मामले में, उपकरण विन्यास और क्षमता और उत्पादन प्रणाली में सुधार के मामले में, सभी नए प्रवेशकों को महत्वपूर्ण कुशल क्षेत्रों में उपयुक्त इनपुट दिया जाता है और बुनियादी पाठ्यक्रमों से गुजरना पड़ता है, जबकि कुशल पदों पर कार्यरत लोगों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी होती है।

बुनियादी प्रशिक्षण कंपनी के तकनीकी प्रशिक्षण केंद्रों/वीटीसी/एमटीआई में आयोजित किया जाता है।

पुनश्चर्या प्रशिक्षण या तो वैबसाइट पर या कंपनी के प्रशिक्षण केंद्रों में आयोजित किया जाता है। सांविधिक दायित्व को ध्यान में रखते हुए 5 समूह व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और 3 एमटीआई के हैं। इन सभी प्रशिक्षण केंद्रों में आधार और पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया जाता है।

II. प्रबंधन प्रशिक्षण :

प्रत्येक स्तर पर और नए पद पर कार्यभार ग्रहण करने के समय अर्थात् उच्च स्तर पर प्रवेश के समय, कंपनी के प्रबंधन प्रशिक्षण केंद्र तथा शीर्ष प्रशिक्षण केंद्र, भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान, रांची में ई.1 से ई.5 तक के स्तर के लिए एक आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों के लिए, आईआईसीएम, रांची में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

III. परिवर्तन प्रशिक्षण:

यह उन लोगों की मदद करने का एक सुनियोजित प्रयास है जो प्रबंधन नीति के हिस्से के रूप में सीआईएल में कार्यभार ग्रहण करते हैं और उन कामगारों के लिए जिन्हें मध्यवर्ती प्रौद्योगिकी के साथ पारंपरिक से अर्ध-मशीनीकृत खानों में जाने के लिए कौशल हासिल करने की आवश्यकता होती है। इन प्रशिक्षुओं को अनुषंगी कंपनी के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकी के लिए महत्वपूर्ण और गैर-महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जनशक्ति की आपूर्ति के स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है।

IV. सामान्य विकास प्रशिक्षण:

खान की स्थिति, कंपनी की संकल्पना, संगठन की हालत - लाभ और हानि, उत्पादकता बढ़ाने के मानदंड के संदर्भ में बदलाव के साथ-साथ लागत मानकों और कंपनी के अस्तित्व के लिए कार्य निष्पादन में उत्कृष्टता के मानदंडों को अंतर-संगठनात्मक के माध्यम से प्रचारित किया जाता है साथ ही व्यापार की वास्तविकता को साझा करके नियोजित तरीके से श्रमिकों और पर्यवेक्षकों के साथ संचार के साथ-साथ आमने-सामने बातचीत की जाती है।

तेजी से बदलते ऊर्जा परिदृश्य के साथ तालमेल रखते हुए कंपनी तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल के विभिन्न पहलुओं में निरंतर प्रशिक्षण और पुनः प्रशिक्षण की प्रक्रिया के माध्यम से अपने कर्मचारियों को विकसित करने का प्रयास करती है। प्रशिक्षण हमारी कंपनी की कॉर्पोरेट नीति का एक अभिन्न अंग है जिसमें संगठनात्मक विकास की कुंजी के रूप में मानव संसाधनों के विकास की परिकल्पना की गई है।

रणनीतिक योजना से उत्पन्न नियत कार्यों के कार्यान्वयन लिए, तीन कंपनी प्रशिक्षण संस्थानों, यथा, प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई), एमसीएल मुख्यालय, बुर्ला, बेलपहाड़ प्रशिक्षण संस्थान (बीटीआई), लखनपुर, खनन इंजीनियरिंग और उत्खनन प्रशिक्षण संस्थान (MEETI), केंद्रीय कर्मशाला (उत्खनन), तालचेर तथा जगन्नाथ क्षेत्र, तालचेर क्षेत्र, लखनपुर क्षेत्र, ओरिएंट क्षेत्र और बसुंधरा क्षेत्र में स्थित पाँच समूह व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (GVTCs) के माध्यम से मानव संसाधन विकास के प्रयासों को एकीकृत करने के लिए प्रत्येक वर्ष वार्षिक मानव संसाधन विकास योजना तैयार की जाती है।

V. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम:

क. अधिकारी विकास कार्यक्रम.

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम। अधिकारियों के प्रबंधकीय कौशल और कार्य निष्पादन को बढ़ाने के लिए।

कार्यात्मक और क्रॉस फंक्शनल कार्यक्रम: अन्य विभाग के कार्यों के संबंध में ज्ञान विकसित करने के लिए।

कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम: कार्यालय से संबंधित सभी कार्यों के सुचारु एवं कुशलतापूर्वक संचालन के लिए

ख. पर्यवेक्षक कार्यक्रम

पर्यवेक्षी विकास कार्यक्रम: ज्ञान और कौशल उन्नयन के लिए।

पर्यवेक्षकों के लिए सुरक्षा प्रबंधन: पर्यवेक्षकों के बीच सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के लिए।

कैरियर के विकास जैसे ओवरमैन और माइनिंग सरदार योग्यता परीक्षा के लिए कोचिंग क्लास।

कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम: कार्यालय से संबंधित सभी कार्यों के सुचारु एवं कुशलतापूर्वक संचालन के लिए।

ग. श्रमिकों के कार्यक्रम।

श्रमिक विकास कार्यक्रम : श्रमिकों के कौशल उन्नयन के लिए

एचईएमएम प्रशिक्षण: इस प्रशिक्षण के लिए विभिन्न खदानों में उचित प्रशिक्षण के बाद चयनित होनेवाले भूमि विस्थापितों का चयन किया जाता है।

कंप्यूटर जागरूकता कार्यक्रम: कार्यालयीन कार्य के सुचारु एवं कुशलता पूर्वक संचालन के लिए।

VI. नई पहल

1. एमसीएल के कर्मचारियों/पूर्व कर्मचारियों के लड़के/लड़कियों पीएपी के लिए पीडीपीटी प्रशिक्षण के लिए अतिरिक्त 50 सीटें सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित की गई हैं और संबंधित पात्र उम्मीदवारों को तालचर क्षेत्र और ओरिएंट क्षेत्र के यूजी खानों में उनके पीडीपीटी प्रशिक्षण के लिए कार्यालय आदेश जारी किया गया है।
2. सीआईएल प्रतिभा प्रबंधन नीति और सीआईएल एलएंडडी नीति प्राप्त हो गई हैं और उन्हें एमसीएल में लागू करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।
3. सिम्युलेटर प्रशिक्षण: ओईएम के माध्यम से उत्खनन और डंपर के ऑपरेटरों को सिम्युलेटर आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा एमसीएल ने 02 सिमुलेटर की खरीद के लिए कार्यवाई शुरू की है, जो ऑपरेटरों को आंतरिक(इन हाउस) प्रशिक्षण देने में सक्षम होंगे।

VII. वर्ष 2019-20 तथा 2020-21 के प्रशिक्षण का ब्यौरा:

सोशल डिस्टेंसिंग के सख्त प्रतिबंधों और ऑफ-लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बंद करने के बावजूद, 2020-21 के दौरान कर्मचारियों और श्रमिकों को यथासंभव ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने का प्रयास किया गया।

वर्ष 2019-20 तथा 2020-21 में दिया गया प्रशिक्षण निम्नानुसार है;

01. वित्तीय वर्ष 2019-20 और 2020-21 के दौरान कंपनी एमओयू मापदण्डों और प्रशिक्षण लक्ष्य/उपलब्धियों का विवरण

क्र.	मापदण्डों का नाम	लक्ष्य	2019-20		2020-21	
			उपलब्धि	% प्राप्ति	उपलब्धि	% प्राप्ति
1.	सेंटर ऑफ एक्सीलेंस यानी आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईसीडब्ल्यूआई, एससीआई आदि में कम से कम एक सप्ताह/पांच दिन और उससे अधिक के प्रशिक्षण कार्यक्रम करके प्रतिभा प्रबंधन और कैरियर की प्रगति... कुल अधिकारियों का 5%।	90	107	118.88%	99	110%
2.	व्यवसायीक जीवन संतुलन के साथ-साथ नेतृत्व विकास के लिए महिला कर्मचारियों के लिए कम से कम 15 पहल	15	20	133.33%	23	153%

02. वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 के दौरान प्रशिक्षु अधिनियम, 1961 (संशोधित 2016) के तहत प्रशिक्षण प्रदान करना।

क्र.	संलग्न शिक्षार्थी	2019-20	2020-21
1	प्रशिक्षु के रूप में कार्यरत आईटीआई उत्तीर्णों की संख्या (एनएपीएस के माध्यम से)	747	663
2	संलग्न पीडीपीटी की संख्या (एनएटीएस के माध्यम से)	219	400
3	संलग्न पीजीपीटी की संख्या (एनएटीएस के माध्यम से)	18	59
कुल		984	1122

03. वर्ष 2019-20 और 2020-21 में एमटीआई, बीटीआई और मीटी में एक दिवसीय/दो दिवसीय लघु कार्यक्रम/कार्यशाला/संगोष्ठी

	2019-20		2020-21	
	प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या	प्रतिदिन प्रति व्यक्ति कार्य प्राप्ति	प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या	प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति कार्य प्राप्ति
अधिकारी	1448	1857	1511	1541
पर्यवेक्षक	409	443	64	64
मज़दूर	351	402	344	344
कुल	2208	2702	1919	1949

04. वर्ष 2019-20 और 2020-21 में एमटीआई, बीटीआई, मीटि और जीवीटीसी में आंतरिक प्रशिक्षण -

क्र.	कर्मचारी	वर्ष 2019-20	वर्ष 2020-21
1.	अधिकारी	395	92
2.	पर्यवेक्षक	569	264
3.	मज़दूर	6162	2839
	कुल	7126	3195

05. वर्ष 2019-20 और 2020-21 में बाहरी प्रशिक्षण विवरण

क्र.	कर्मचारी	वर्ष 2019-20	वर्ष 2020-21
1.	अधिकारी	644	486
2.	पर्यवेक्षक	50	112
3.	मज़दूर	12	27
	कुल	706	625

06. वर्ष 2019-20 और 2020-21 में कुल प्रशिक्षण (आंतरिक और बाहरी)

क्र.	कर्मचारी	वर्ष 2019-20	वर्ष 2020-21
1.	अधिकारी	1039	578
2.	पर्यवेक्षक	619	376
3.	मज़दूर	6174	2866
	कुल	7832	3820

07. एमसीएल बोर्ड के सदस्यों को कॉर्पोरेट गवर्नेंस और व्यापार आचार संहिता और आचार संहिता पर दिया गया प्रशिक्षण।

क्र.	प्रदत्त प्रशिक्षण	वर्ष 2019-20	वर्ष 2020-21
1.	भारत में	निरंक	निरंक
2.	विदेश में	निरंक	निरंक

08. वर्ष 2019-20 और 2020-21 में प्रशिक्षण प्रतिदिन प्रति व्यक्ति कार्य उपलब्धि प्रशिक्षण

क्र.	कर्मचारी	वर्ष 2019-20	वर्ष 2020-21
1.	अधिकारी	4094	4084
2.	पर्यवेक्षक	3177	2181
3.	मजदूर	60712	32879
	कुल	67983	39144

09. वर्ष 2019-20 और 2020-21 में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को इंटरनशिप प्रशिक्षण

क्र.	छात्र	वर्ष 2019-20	वर्ष 2020-21
1.	माइनिंग इंजिनियरिंग	102	07
2.	माइनिंग डिप्लोमा	437	06
3.	बी. टेक	93	09
4.	एमबीए	71	17
5.	अन्य	38	12
	कुल	741	51

10. विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.	कर्मचारी	वर्ष 2019-20	वर्ष 2020-21
1.	परियोजना प्रबंधन	16	09
2.	अनुबंध प्रबंधन	02	11
3.	जोखिम प्रबंधन	23	03
4.	पर्यावरण, वन प्रबंधन और भूमि अधिग्रहण	23	6
5.	सिम्युलेटर प्रशिक्षण	28	15

25.5 मनोरंजक गतिविधियां -

टीम भावना को प्रेरित करने और कर्मचारियों के बीच आपसी भावना के विकास को ध्यान में रखते हुए एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों सहित मुख्यालय में नियमित रूप से विभिन्न सामाजिक व मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। कर्मचारियों के लाभ के लिए विभिन्न अंतर्देशीय टूर्नामेंट के आयोजनार्थ प्रतिवर्ष स्पोर्ट्स-कैलेंडर बनाए जाते हैं। सीआईएल स्पोर्ट्स कैलेंडर के अनुसार सीआईएल की विभिन्न अनुषंगियों में आयोजित सीआईएल टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए टीम प्रतिनियुक्त किया गया। यद्यपि कोविड-19 महामारी को देखते हुए, वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान खेल गतिविधियों का आयोजन नहीं किया जा सका। इस वर्ष हमने COVID-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का आयोजन किया था। एमसीएल महिला मंडल ने एमसीएल और उसके आसपास के गावों में बहुत से परोपकारी कार्य किए। क्षेत्रों में मनोरंजक और सामाजिक गतिविधियों के लिए विभिन्न संगठनों को वित्तीय सहायता दी गई है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान दोनों कोलफील्ड्स (ईब वैली एवं तालचर) और एमसीएल मुख्यालय के हमारे कर्मचारियों के सांस्कृतिक प्रोत्साहन के लिए, हमने रु. 31,61,524.00 तक की वित्तीय सहायता दी है। हमारे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक प्रचार जैसी गतिविधियों का ध्यान रखा जाता है।

25.5.1 शिक्षा:

एमसीएल ने कोयला खदानों के आस-पास चल रही शैक्षिक संस्थाओं, 17 निजी रूप से प्रबंधित स्कूलों को सहायता-अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की है। हमारे बच्चों के लिए अच्छी शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु एमसीएल में 09 डीएवी पब्लिक स्कूल चल रहे हैं। इसमें विशेष रूप से बालिकाओं के लिए डीएवी गर्ल्स हाई स्कूल तथा सभी डीएवी स्कूल में स्मार्ट कक्षाओं का प्रावधान शामिल है। एमसीएल बोर्ड ने दो नए डीएवी पब्लिक स्कूल (अर्थात एक लिंगराज में और एक बसुंधरा क्षेत्र में) और महालक्ष्मी क्षेत्र में एक केंद्रीय विद्यालय खोलने की मंजूरी दी है। वर्ष 2020-21 के दौरान, डीएवी पब्लिक स्कूलों के आवर्ती व्यय के लिए रु. 5357.99 लाख (राजस्व) मंजूर किए गए और वर्ष 2020-21 में निजी प्रबंधित स्कूलों को 98,06,800 / - रुपये मंजूर किए गए। आईजीआईटी सारंग और ओएसएमई क्यॉइर (डिप्लोमा तकनीकी स्कूल) में प्रवेश के लिए वेज बोर्ड के कर्मचारी के बच्चों के लिए 40% से अधिक सीटें आरक्षित थीं।

25.5.2 मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

सीआईएल छात्रवृत्ति योजना के अनुसार कर्मचारी के बच्चों को योग्यता के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। 2020-21 के दौरान 242 मेधावी विद्यार्थियों (सभी कर्मचारी के बच्चे हैं) को योजना से रु 3,11,160/- की राशि प्रदान की गई।

एमसीएल ने कर्मचारियों के बच्चों को तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा के लिए ट्यूशन फीस और हॉस्टल का किराया देकर वित्तीय सहायता दी थी। वर्ष 2020-21 के दौरान 81 कर्मचारियों के बच्चों को इस योजना के तहत 23,73,233/- रुपये वितरित किए गए।

26. राजभाषा

वर्ष 2020-21 के दौरान एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन की गतिविधियाँ

भारत सरकार की राजभाषा नीति को एमसीएल मुख्यालय और क्षेत्रों में लागू करने के लिए प्रत्येक वर्ष एक वार्षिक कार्यक्रम / कैलेंडर तैयार किया जाता है और सभी कार्यक्रम कैलेंडर के अनुसार किए जाते हैं।

वर्ष 2020-21 के दौरान एमसीएल में निम्न कार्यक्रमों/गतिविधियों का आयोजन किया गया :

1. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समीक्षा बैठकें प्रत्येक तिमाही में क्षेत्रों और मुख्यालय द्वारा आयोजित की जाती हैं। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की सभी बैठकें मुख्यालय द्वारा क्रमशः दिनांक 25.06.2020, 13.08.2020, 24.11.2020 एवं 12.02.2021 को ऑनलाइन आभासी बैठकों के माध्यम से आयोजित की गईं, जिसमें क्षेत्रों और मुख्यालय के विभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई और भारत सरकार के राजभाषा नीति के सुचारु रूप से कार्यान्वयन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

2. राजभाषा कार्यशाला:

वर्ष 2020-21 में एमसीएल में कुल 37 राजभाषा कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिसमें 1332 प्रतिभागियों को भारत सरकार की राजभाषा नीति के नियम और विनियमों से परिचित कराया गया। कोविड-19 महामारी के कारण सभी कार्यशालाओं का आयोजन ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया गया। प्रतिभागियों को हिंदी में टिप्पणियां और मसौदा तैयार करने का अभ्यास कराया गया। वर्ष 2019-20 में 38 राजभाषा कार्यशालाएं आयोजित की गईं जिनमें कुल 1335 अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

3. विभागीय भर्ती परीक्षा की तैयारी हेतु प्रशिक्षण

एमसीएल के विभागीय कर्मचारियों की लिपिक(राजभाषा) एवं अनुवादक (राजभाषा) पद पर चयन हेतु आयोजित होनेवाली परीक्षा की तैयारी के लिए दिनांक 25 से 27, मार्च 2021 तक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एमसीएल मुख्यालय एवं क्षेत्रों से कुल 171 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षार्थियों को राजभाषा हिन्दी, प्रशासनिक ज्ञान, कम्प्यूटर ज्ञान, अंग्रेजी, सामयिकी एवं अनुवाद संबंधित विषयों पर प्रशिक्षित किया गया।

4. राजभाषा (हिंदी) का प्रशिक्षण:

हिंदी शिक्षण योजना, भारत सरकार के अंतर्गत राजभाषा (हिंदी) प्रशिक्षण और परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में कोविड-19 महामारी के कारण हिन्दी शिक्षण योजना द्वारा केवल एक ही सत्र का ही संचालन किया गया था जिसमें क्षेत्रों एवं मुख्यालय के कुल 26 कर्मचारी उत्तीर्ण हुए हैं। वित्त वर्ष 2019-20 में कुल 114 कर्मिक उत्तीर्ण हुए थे, जिनका ब्यौरा निम्नानुसार है: -

सत्र	प्रबोध	प्रवीण	प्राज्ञ	कुल
2020-21	05	15	06	26
2019-20	38	67	09	114

कोल इंडिया लिमिटेड के परिपत्र के अनुसार उत्तीर्ण उम्मीदवारों को एक बार एकमुश्त नगद राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाती है। इसके अलावा प्राप्त उत्तीर्ण उम्मीदवारों को एमसीएल द्वारा एकमुश्त नगद राशि के साथ-साथ उनके वार्षिक वेतन वृद्धि के बराबर का नगद पुरस्कार भी दिया जाता है।

5. कंप्यूटर पर यूनिकोड समर्थित हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण:

दिनांक 23, 24 एवं 25 फरवरी, 04, 05 एवं 06 मार्च 2021 को राजभाषा विभाग, एमसीएल, मुख्यालय द्वारा कंप्यूटर पर यूनिकोड समर्थित हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें एमसीएल के 66 कर्मिकों को प्रशिक्षित किया गया, जबकि 2019-20 में 41 कर्मिकों को प्रशिक्षित किया गया था।

6. हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा:

दिनांक 14.09.2020 को एमसीएल मुख्यालय तथा क्षेत्रों में हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री बी. एन. शुक्ला, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमसीएल द्वारा किया गया। एमसीएल मुख्यालय/क्षेत्रों में 14 से 28 सितंबर, 2020 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया। इस अवसर पर स्वलिखित हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, स्वलिखित टिप्पण आलेखन, स्वरचित एवं स्वलिखित हिंदी कविता लेखन प्रतियोगिता, स्वलिखित सुलेखन प्रतियोगिता, और ऑनलाइन राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (आरक्यूसी) आयोजित की गई थी। विशेष रूप से इस वर्ष सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन के माध्यम से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दिनांक 28.09.2020 को हिंदी पखवाड़ा के समापन अवसर पर प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को श्री बी. एन. शुक्ला, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमसीएल द्वारा ऑनलाइन के माध्यम से पुरस्कार प्रदान किए गए।

7. राजभाषा पुरस्कार योजना:

एमसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने और गति प्रदान करने के लिए, "एमसीएल राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार योजना" वर्ष 2015 में शुरू की गई है। कुल 09 में से 03 पुरस्कार क्षेत्रों को, 03 बड़े विभागों को और शेष 03 कंपनी मुख्यालय के छोटे विभागों को दिए गए। वर्ष 2019-20 के लिए सभी 9 पुरस्कार दिनांक 28.09.2019 को आयोजित राजभाषा पखवाड़ा-2020 के समापन समारोह के अवसर पर श्री बी. एन. शुक्ला, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमसीएल द्वारा प्रदान किए गए। श्रीओ.पी. सिंह, निदेशक तकनीकी (संचालन), श्री केशवराव, निदेशक (कार्मिक) और श्री बबन सिंह, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे।

8. विश्व हिंदी दिवस:

एमसीएल मुख्यालय में दिनांक 10.01.2021 को श्री कृष्ण देव प्रसाद, महाप्रबंधक (प्रबं.प्रशि.सं./राजभाषा) की अध्यक्षता में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक राजभाषा संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। संकाय सदस्य के रूप में श्री आर.पी. वर्मा, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, पुणे को आमंत्रित किया गया और उन्होंने सभा को संबोधित किया। उनके द्वारा राजभाषा पत्राचार में सुधार के लिए माइक्रोसॉफ्ट 365 के उपयोग का सुझाव दिया।

9. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर की बैठकें:

वर्ष के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), संबलपुर की दो छमाही बैठकों का जून एवं नवंबर में आयोजन किया जाना था किन्तु कोविड-19 महामारी के कारण प्रथम बैठक दिनांक 24.11.2020 को तथा द्वितीय बैठक 19.02.2021 को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाप्रबंधक, प्रबं.प्रशि.सं./राजभाषा ने की।

10. नराकास, राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार:

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, संबलपुर के सभी सदस्य कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन के प्रोत्साहन के लिए प्रत्येक वर्ष "नराकास राजभाषा शील्ड" प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2019-20 में कुल 09 चयनित सदस्य कार्यालय को "नराकास राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। दिनांक 24.11.2020 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सम्बलपुर की ऑनलाइन बैठक के अध्यक्ष महोदय द्वारा पुरस्कार की घोषणा की गई।

राजभाषा गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यालयों द्वारा नराकास अंतर-कार्यालय राजभाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। दिनांक 19.02.2021 को आयोजित बैठक में महाप्रबंधक(प्रबं.प्रशि.सं./राजभाषा)/सदस्य सचिव, नराकास, सम्बलपुर द्वारा नराकास सदस्य कार्यालयों के प्रतिभागियों को कुल 06 पुरस्कार दिए गए।

11. पुस्तकों की खरीद:-

वर्ष 2020-21 के दौरान कुल रु. 41495/- की हिन्दी और ओड़िया पुस्तकें खरीदी गईं।

12. एमसीएल की वेबसाइट:

एमसीएल की वेबसाइट द्विभाषी है और इसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

13. राजभाषा पोर्टल:

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के वेबसाइट में राजभाषा पोर्टल उपलब्ध है, जिसमें एमसीएल की राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को अद्यतन रूप में देखा जा सकता है।

14. राजभाषा पत्रिका:

वर्ष 2020-21 के दौरान नराकास, संबलपुर की गृह पत्रिका "संबलप्रभा" के आठवें अंक का विमोचन दिनांक 24.11.2020 को एमसीएल मुख्यालय में आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सम्बलपुर की प्रथम बैठक के दौरान किया गया।

27. भूमि/आर एंड आर

आपकी कंपनी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए परियोजना प्रभावित / विस्थापित परिवारों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है और परियोजना प्रभावित परिवारों की सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए प्रयास कर रही है और विकास के साथ प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है जो इसकी आर एंड आर नीति में काफी स्पष्ट दिखाई देता है। एमसीएल ओड़िशा राज्य की आर एंड आर नीति का पालन करता है और 2020-21 के दौरान रोजगार / वार्षिकी के बदले 612 रोजगार / नकद मुआवजा प्रदान किया है और शुरुआत के बाद से

कुल 16924 रोजगार/वार्षिकी के बदले में रोजगार/नकद मुआवजे प्रदान किया है। एमसीएल भूमि निकायों से संबंधित शिकायतों के निवारण की दिशा में आरपीडीएसी की सलाह पर काम कर रहा है। भूमि विस्थापितों के लाभ के लिए पक्की सड़कों, सड़क प्रकाश व्यवस्था, स्वास्थ्य केंद्रों, डाकघरों, दैनिक बाजारों, स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों, पूजा स्थानों आदि के साथ पुनर्वास कॉलोनियां स्थापित की गई हैं। एमसीएल कोलफील्ड्स में उपलब्ध मौजूदा अस्पतालों/ दवाखानों में मुफ्त में या 2.00 रुपये प्रति रोगी के मामूली शुल्क पर सभी आसपास के ग्रामीणों को ओपीडी सुविधा प्रदान करता है।

आपकी कंपनी ने प्रभावित ग्रामीणों को पुनर्वास और पुनर्स्थापन प्रदान करके खनन गतिविधियों के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण करती है। वर्ष 2020-21 के दौरान एमसीएल ने 275.02 हेक्टेयर भूमि का भौतिक कब्जा कर लिया है।

28. कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

एक जिम्मेदार सार्वजनिक कॉर्पोरेट होने के नाते, एमसीएल ने अपने सीएसआर के माध्यम से राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकासात्मक उद्देश्यों में योगदान के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन जारी रखा है, जो कंपनी अधिनियम 2013 में सीएसआर के अधिनियमन के पीछे का अंतर्निहित सिद्धांत है।

एमसीएल ने अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से समुदाय बनाम कंपनी इंटरफेस के संतुलन को आत्मसात किया और बनाए रखा है।

क. कोविड-19 संकट से निपटने की तैयारी:

- क) एमसीएल ने भुवनेश्वर और तालचेर में कोविड अस्पतालों के कार्य में सहयोग प्रदान किया है। वर्ष 2020-21 में, कंपनी ने भुवनेश्वर में 775 बिस्तरों वाले अस्पताल और तालचेर में 150 बिस्तरों वाले अस्पताल के कार्य में सहयोग प्रदान किया है। एमसीएल से सहयोगप्राप्त अस्पतालों में 11,000 से अधिक लोगों ने इलाज कराया है।
- ख) एमसीएल ने अंगुल जिला प्रशासन को 200 नग ऑक्सीमीटर की खरीद और आपूर्ति की है।
- ग) एमसीएल के विभिन्न परिचालन क्षेत्रों और ओडिशा के विभिन्न जिलों के निकटवर्ती समुदाय के सदस्यों को लगभग 6,43,000 मास्क और 7,556 लीटर हैंड सैनिटाइजर वितरित किए गए। प्रत्येक इकाई के प्रवेश द्वार पर सैनिटाइजर व साबुन डिस्पेंसर की व्यवस्था की गई है, थर्मल स्कैनर के माध्यम से श्रमिकों की निगरानी की जा रही है और सोशल डिस्टेंसिंग सहित अन्य सभी सावधानियों का पालन किया जा रहा है।
- घ) अंगुल जिला प्रशासन के कोविड योद्धाओं के लिए 32.44 लाख रुपये की परिवहन सुविधा प्रदान की गयी है।
- ङ) संबलपुर जिले की आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 2800 नग छाता वितरण किया गया।
- च) श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से आवागमन करने वाले प्रवासियों को भोजन और पानी उपलब्ध कराने के लिए संबलपुर रेल प्रशासन को कुल 6,700 भोजन के पैकेट उपलब्ध कराए गए।

- छ) एमसीएल ने डीसीएच, संबलपुर को फेविपिरावर की 10000 गोलियों की आपूर्ति की।
- ज) समर्पित कोविड अस्पताल, तालचेर हेतु जैव चिकित्सा अपशिष्ट का उपचार और निपटान।
- झ) कोविड-19 अस्पताल, झारसुगुडा में किराये पर 3 महीने के लिए एम्बुलेंस उपलब्ध कराया गया।
- ञ) एनएससीएच, तालचेर में नए डॉक्टरों के अतिरिक्त आवास में 5.32 लाख राशि की लॉजिस्टिक सहायता।

ख. अन्य सीएसआर गतिविधियां

कंपनी ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पाइप से जलापूर्ति, ग्रामीण सामुदायिक विकास और स्वच्छता पर भारी निवेश किया है। एमसीएल ओडिशा राज्य में किसी भी कॉर्पोरेट द्वारा सर्वाधिक सीएसआर व्यय के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से शीर्ष स्थान बनाए हुए है। वर्ष 2020-21 में, एमसीएल ने ओडिशा राज्य में विभिन्न कोविड शमन गतिविधियों में 140 करोड़ रुपये (लगभग) व्यय किए हैं।

वर्ष 2020-21 में, कंपनी ने 168.44 करोड़ रुपये के वार्षिक सीएसआर बजटीय आवंटन के मुकाबले 205.34 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

पाइप जलापूर्ति योजनाएं कंपनी की विशिष्ट सीएसआर परियोजनाएं हैं जहां कंपनी 55.07 करोड़ के निवेश के साथ तालचेर कोलफील्ड्स क्षेत्र के 35 गांवों में पाइप से पानी उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखती है। इस कार्य को पूरा करने के लिए वर्ष 2020-21 में 7.47 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं तथा परियोजना में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और यह पूरा होने के कगार पर है। एमसीएल बुर्ला में जल शोधन संयंत्र की परियोजना में सहयोग प्रदान कर रहा है। वर्ष 2020-21 में लगभग 90% कार्य पूरा हो चुका है और जल शोधन संयंत्र शीघ्र ही पूरी तरह से चालू हो जाएगा।

आकांक्षी जिला विकास कार्यक्रम के तहत, एमसीएल ने ओडिशा के नुआपाड़ा जिले में विभिन्न विकास परियोजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2020-21 में विभिन्न विकास परियोजनाओं पर 1.24 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। भारत सरकार स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पोषण के वार्षिक विषय पर 60% सीएसआर व्यय करने की अनुशंसा करती है। एमसीएल ने वैधानिक बजट का 90% स्वास्थ्य और पोषण के विषयगत क्षेत्रों पर व्यय किया है।

वर्ष 2020-21 में अन्य संगठनों के साथ साझेदारी में चल रही दो ग्रामीण विकास परियोजनाओं के संबंध में तेजी से प्रगति देखी गई है।

क) 'हैंडीमैन' परियोजना एमसीएल द्वारा निष्पादित एक बहु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जहां इसके परिचालन परिधि क्षेत्रों के 24 युवाओं को छह महीने का आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ख) 'बीएआईएफ' के साथ 'सीसीडीपी-उत्थान' परियोजना: यह कृषि-बागवानी विकास और पशु पालन कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करते हुए 20 करोड़ की 5 साल की स्थायी आजीविका परियोजना है। इससे अंगुल, झारसुगुडा, संबलपुर और सुंदरगढ़ जिलों के 40 गांवों को लाभ मिलता है।

कंपनी ओडिशा राज्य में कॉर्पोरेट्स द्वारा सामुदायिक सेवा में सबसे आगे रही है। कंपनी ने एक पुस्तक 'स्वच्छता माह-2020' प्रकाशित की है, जिसमें अक्टूबर, 2020 के दौरान मनाए गए स्वच्छता माह 2020 के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों को दर्शाया गया है।

महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण के लिए वर्ष 2020-21 में दो प्रमुख परियोजनाएं शुरू की गई हैं। जिनके विवरण निम्नानुसार हैं:-

- महिलाओं के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण :- एमसीएल ने वंचित महिलाओं को एक स्वतंत्र जीवन यापन करने और गरीबी से बाहर निकलने का एक स्थायी मार्ग प्रदान करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से एक परियोजना शुरू करने के लिए 'हमारा बचपन ट्रस्ट' के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अन्य विषयों के साथ-साथ उद्यमशीलता कौशल और व्यवसाय प्रबंधन में क्षमता निर्माण के प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं में व्यावसायिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद करना है। यह अन्तःक्षेप ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों में गरीब आर्थिक वर्गों के बीच सामान्य कौशल, सामाजिक कौशल, संज्ञानात्मक कौशल, पेशेवर कौशल (करियर वृद्धि कौशल) और उद्यमिता कौशल में सुधार करेगा।
- देसी बीज घर- एमसीएल ने स्वदेशी बीज उगाने के महत्व और लाभ के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने की पहल 'देसी बीज घर' परियोजना को लागू करने के लिए 28.12.2020 को कृषि विकास के क्षेत्र में काम करने वाले एक स्वैच्छिक संगठन ग्राम समृद्धि ट्रस्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना हेमगीर प्रखंड के 10 गांवों में लागू की जाएगी। यह परियोजना स्वदेशी बीजों की खेती और संरक्षण के लिए सहायता प्रदान करेगी, और बीज बैंक के माध्यम से साक्षी किसानों को उत्पाद के विपणन के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करेगी। बीज विज्ञान विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक मानकों का पालन करते हुए किसान उच्च गुणवत्ता वाले बीज उगाएंगे। बीज बैंक स्थापित किए जाएंगे जिनका संचालन बीज उत्पादकों द्वारा किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य खेती के क्षेत्र के विस्तार के लिए कृषक समुदायों के बीच अच्छी गुणवत्ता वाले स्थानीय आधारित स्वदेशी बीजों और पौधों को लोकप्रिय बनाना और जैविक स्वदेशी बीजों और पौधों की मांगों को पूरा करने के लिए बाजार संपर्क तैयार करना है।

आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार सीएसआर प्रावधानों का अनुपालन किया है। अधिनियम की धारा 134 की उप-धारा (3) के खंड (0) और कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) नियम, 2014 के नियम 9 के अनुसार आवश्यक प्रकटीकरण संविधि द्वारा अपेक्षित अनुलग्नक-1 के रूप में संलग्न है।

29. जेंडर बजट की व्यवस्था:

आपकी कंपनी का दृढ़ विश्वास है कि विकास के लाभों की पुरुषों के बराबर महिलाओं तक प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए जेंडर मैनस्ट्रीमिंग में जेंडर बजट व्यवस्थापन एक शक्तिशाली माध्यम है। नीति/कार्यक्रम निर्धारण, कार्यान्वयन तथा इसकी समीक्षा में जेंडर परिप्रेक्ष्य को बनाए रखते हुए एमसीएल में यह मात्र एक लेखा कार्य न होकर एक सतत प्रक्रिया है। 31 मार्च 2021 को कुल महिला कर्मचारियों की संख्या 2299 थी, जो एमसीएल के कुल कर्मचारियों की कुल 21902 संख्या का 10.49% थी।

एमसीएल ने अपनी सामाजिक त्वरित क्रिया के तहत हमेशा जेंडर बजट के मुद्दों पर कंपनी में और कंपनी के बाहर संवेदनशीलता दिखाई है और हर संभव प्रयासों द्वारा उन्हें संबोधित करने की कोशिश की है। कुछ उदाहरण निम्न हैं:

- एमसीएल में सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका (विप्स) को सक्रिय रूप से कार्य करने की अनुमति देने के साथ विस्तृत प्रदर्शन व ज्ञान वर्धन हेतु कंपनी और बाहर के सेमिनारों और सम्मेलनों में इसके सदस्यों को भाग लेने की अनुमति देना।
- अपने कार्यबल के जेंडर विशिष्ट डाटाबेस का अनुरक्षण।
- महिला कर्मचारियों द्वारा दाखिल की गई शिकायतों के उपयुक्त व समयानुसार निवारण के लिए शिकायत समिति गठित की गई है।
- सीआईएल नियमावली तथा विनियमन के अनुसार योग्य महिला अधिकारियों को शिशु देखभाल अवकाश (सीसीएल) प्रदान करना।
- खान दुर्घटनाओं में मृत कर्मचारियों की पत्नियों के रोजगार हेतु आयु सीमा में छूट।
- महिला संबंधित मामलों के प्रतिनिधित्व तथा निवारण हेतु प्रबंधन और ट्रेड यूनियनों के बीच होनेवाली औद्योगिक संबंध बैठकों में महिला कर्मचारियों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।

कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत प्रकटीकरण

"कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं के अनुरूप कंपनी ने एक यौन उत्पीड़न विरोधी नीति बनाई है। यौन उत्पीड़न के बारे में प्राप्त शिकायतों के निवारण के लिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की स्थापना की गई है। इस नीति के तहत सभी कर्मचारी (स्थायी, संविदात्मक, अस्थायी, प्रशिक्षु) शामिल हैं।

यौन उत्पीड़न

2020-21 के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या | 03

2020-21 के दौरान निपटाए गए शिकायतों की संख्या : 01

2021-22 के दौरान मई, 21 तक निपटाए गए शिकायतों की संख्या : 02

30. जनसम्पर्क

आपकी कंपनी में हितधारकों के लिए सक्रिय और सुलभ रहने के लिए जनसंपर्क का विचार किया गया है। अपने आदर्श वाक्य "संपर्क से समाधान" (संचार के माध्यम से समाधान) के साथ, आपकी कंपनी की टीम पीआर (जनसंपर्क) उत्तरदायी है और कंपनी के व्यवसाय संचालन, कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी उपाय, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के संबंध में चुनौतियों के लिए सदैव संचार के साथ-साथ विविध मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंच कर समाधान प्रदान करने के लिए उत्साही है।

आपकी कंपनी सभी हितधारकों को संगठन में होने वाली घटनाओं/घटनाओं के साथ-साथ व्यवसाय संचालन और सामाजिक गतिविधियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपने रुख के बारे में सूचित और अद्यतन रखने के लिए बहुत सक्रिय रही है।

कंपनी मीडिया को एक गुणक के रूप में मानती है जो कंपनी के विभिन्न व्यवसाय-संबंधी पहल के साथ-साथ सामाजिक और विकासात्मक पहलों को पूरा करने में मदद करती है।

मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि आपकी कंपनी फोर्थ एस्टेट के सदस्यों के साथ एक बहुत ही मजबूत व्यवसायिक संबंध बनाए रखती है, जो वास्तव में समाज के कान और आंखें हैं।

न्यू मीडिया और पत्रकार भातृत्व के सहयोग से हितधारकों के साथ हमारा संबंध दिन-प्रतिदिन मजबूत होता जा रहा है।

वर्ष 2020-21 जो विश्व अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाले कोविड 19 महामारी के साथ शुरू हुआ, के दौरान कंपनी ने राष्ट्र की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयले के खनन के साथ-साथ मानव जीवन को बचाने की राज्य की जिम्मेदारी में सहयोग किया। कोविड 19 के खिलाफ लड़ाई में आपकी कंपनी के प्रयासों के साथ-साथ इसके मुख्य व्यवसाय अर्थात् कोयला उत्पादन, ऑफ-टेक और ओबी हटाने में आपकी कंपनी की उपलब्धियों की सभी ने सराहना की।

कोविड-19 के साथ-साथ स्वच्छता ही सेवा अर्थात् स्वच्छता पर संचार के पारंपरिक और नए मीडिया उपकरणों के मिश्रण का सफलतापूर्वक उपयोग करते हुए टीम पीआर जागरूकता अभियानों में सक्रिय रूप से शामिल रही।

कंपनी की उपलब्धियों पर सोशल मीडिया, लघु फिल्मों और मोशन इन्फोग्राफिक्स की मदद से काफी सराहना की गई।

पारंपरिक मीडिया को प्रेस वक्तव्य/विज्ञप्ति जारी करने के अलावा आपकी कंपनी ने सोशल मीडिया सोशल नेटवर्किंग साइट Facebook @/mahanadicoal ; माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट Twitter @/mahanadicoal; और ऑडियो-वीडियो चैनल YouTube @/MahanadiCoalfields का बड़े पैमाने पर हितधारकों के बीच सूचना के प्रसार के लिए उपयोग किया।

31. सामाजिक सुविधाओं पर पूंजीगत निवेश

31.03.2021 तथा 31.03.2020 के अनुसार सामाजिक सुविधाओं पर पूंजी निवेश का विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	स्थायी आस्तियों का सकल मूल्य	
		31.3.2021 के अनुसार	31.3.2020 के अनुसार
1	भवन	601.50	574.86
2	संयंत्र और मशीनरी	91.03	88.06
3	फर्नीचर, फिटिंग और उपकरण	10.82	10.58
4	वाहन	7.45	7.73
5	विकास	1.03	1.03
	कुल	711.83	682.26

32. सतर्कता गतिविधियां और उपलब्धियां

परिचय:

एमसीएल के सतर्कता विभाग का मुख्य केंद्र, लीवरेजिंग प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से, निवारक सतर्कता पर रहा है। उनकी मुख्य भूमिका कंपनी के कारोबारी लेनदेन में मानव हस्तक्षेप को कम कर भ्रष्टाचार से प्रभावित क्षेत्र के रूप में चिह्नित क्षेत्रों में व्यवस्थित सुधार का सुझाव देना है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान, एक निवारक, भविष्य सूचक और प्रथम सतर्कता उपायों के रूप में, विभिन्न क्षेत्र संचालन के साथ-साथ उचित प्रणाली और प्रक्रियाओं में अनियमितताओं की पहचान के लिए सीवीओ के मार्गदर्शन में नियमित औचक निरीक्षण किया गया है।

1. सतर्कता निवारक गतिविधियां:

(क). निरीक्षण:

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान, 32 औचक निरीक्षण और 07 नियमित निरीक्षण किए गए हैं। इस तरह के निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र संचालन में निष्पक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए प्रणाली / प्रक्रिया की सुव्यवस्था पर ध्यान देना रहा है।

(ख). 2020-21 के दौरान किए गए प्रणालीगत सुधार:

वर्ष 2020-21 के दौरान व्यवस्थित सुधार लाने हेतु सतर्कता विभाग द्वारा नीचे दी गई तालिका के अनुसार 18 परामर्श जारी किए गए हैं।

क्र.	विवरण	जानकारी / तिथि
1	"एमसीएल में विस्फोटक वैन को किराए पर लेने" के कार्य के लिए एनआईटी में आयु मानदंड की समीक्षा के लिए प्रणालीगत सुधारात्मक सुझाव	20.03.2020
2	"बसुंधरा क्षेत्र में 02 वर्ष की अवधि के लिए सफाई, रख-रखाव, हाउस कीपिंग और अतिथि गृह में खानपान सेवाएं" के अनुबंध में कार्य निष्पादन में अनियमितताओं के संबंध में प्रणालीगत सुधारत्मक सुझाव, उसका विस्तार और नई निविदा को रद्द करना।	20.03.2020
3	पुराने कोयल भंडार के परिशोधन के मामले में परामर्श	24.04.2020
4	एनआईटी के "सापेक्ष खंड" में संशोधन के संबंध में परामर्श	05.06.2020
5	ई-ऑफिस के प्रभावी कार्यान्वयन के संबंध में सलाह	25.06.2020
6	कोयला भंडार के मापन के लिए 3डीटीएलएस उपकरण का उपयोग	03.07.2020
7	ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं/सेवा प्रदाता को बिलों के भुगतान में अत्यधिक देरी।	15.07.2020
8	खानों से स्टॉकयार्ड और रेलवे साइडिंग तक को स्रोत स्थल से गंतव्य तक ले जाने वाले कोयले का 100% वजन।	04.08.2020
9	कोलनेट और एमसीएल वेबसाइट में 2.00 लाख रुपये से कम मूल्य की निविदाओं को अपलोड करने के मामले में सलाह।	27.08.2020
10	एमसीएल में एनआईटी के "रिलेटिव क्लॉज" के संशोधन और समरूप अनुपालन पालन के संबंध में संशोधित परामर्श।	01.09.2020.
11	एमसीएल में 2.00 लाख रुपये से कम की निविदाओं के लिए निविदा आमंत्रण (एनआईटी) दस्तावेजों के मैन्युअल नोटिस के मानकीकरण के मामले में सलाह।	01.09.2020.
12	एमसीएल में अधिग्रहित भूमि के परिसर को सुरक्षित करने और सृजित संपत्ति के उपयोग के मामले में सलाह।	02.09.2020
13	भविष्य निधि, अग्रिम और पेंशन के अग्रोषण के दौरान कोयला सदस्य/दावेदारों के वास्तविक प्रमाण-पत्रों का सत्यापन।	16.09.2020
14	एमसीएल में ओवर बर्डन (ओबी) हटाने और परिवहन अनुबंधों के लिए हेवी अर्थ मूविंग मशीनरी (एचईएमएम) को किराए पर लेने में ठेकेदार द्वारा पर्याप्त उपकरण की नियुक्ति न करने के मामले में सलाह।	22.09.2020
15	कोयला गुणवत्ता प्रबंधन पर परामर्श।	24.09.2020
16	एमसीएल मुख्यालय के एमएम विभाग द्वारा आमंत्रित निविदाओं के निष्पादन में विलम्ब।	06.10.2020
17	सड़क वाहनों द्वारा विक्रय के लिए विभागीय पे लोडर, मिनी साइलों, कन्वेयर बेल्ट लोडिंग और अन्य नवीन/वैकल्पिक तकनीकी उपायों की शुरुआत जैसे प्रणालीगत सुधारात्मक उपाय।	21.10.2020
18	पुराने कोयल भंडार के परिशोधन के मामले में परामर्श	22.10.2020

2. दंडात्मक सतर्कता:

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान रिपोर्टिंग अवधि 01.04.2020 से 31.03.2021 तक जांच, पूछताछ इत्यादि के लिए गए सतर्कता मामलों का विवरण:

विवरण		01.04.2020 से 31.03.2021 तक	संलग्न कर्मचारियों की संख्या
(क)	कुल पंजीकृत सतर्कता मामलों की संख्या	14	67
(ख)	विभागीय कार्यवाही के लिए मामलों की कुल संख्या	3	8
(ग)	प्रमुख दंड कार्रवाई की संख्या	7	40
(घ)	लघु दंड कार्रवाई की संख्या	29	126
	कुल मामले जिनमें जुर्माना लगाया गया	4	7
	i) प्रमुख	12	54
	ii) लघु	13	65

4. सतर्कता मंजूरी :

वर्ष के दौरान, निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी सहित 19055 कर्मचारियों की पदोन्नति, परिवीक्षा, अधिवर्षिता मामलों से संबंधित सतर्कता अनापत्ति स्थिति कोल इंडिया लिमिटेड/ कोयला मंत्रालय/ मुख्य सतर्कता आयुक्त को प्रस्तुत किया गया।

5. कोयला खानों में बेहतर निगरानी और अनुरक्षण के लिए आईटी और अन्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग

30.03.2021 के अनुसार एमसीएल, संबलपुर की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के संबंध में पहल रिपोर्ट की स्थिति						
क्र.	गतिविधि	संशोधित आवश्यकता सहित कुल मात्रा (अद्यतन)	परियोजना की स्थिति		शेष	टिप्पणियां (मात्रा और काम न करने का कारण और शेष मात्रा के पूरा होने का अपेक्षित डेटा।)
			स्थापित / कमीशन प्राप्त	कार्यरत/ संचलित		
1	जीपीएस/जीपीआरएस आधारित वाहन ट्रैकिंग सिस्टम	4093	3416	2600	0	एमसीएल में जीपीएस को बदलने के लिए निविदा जारी की गई। पुनर्निवीनीकरण दस्तावेज के विरुद्ध टीसीआर तैयार किया जाता है। मूल्य बोली खोली जानी है। सीआईएल के दिशा-निर्देशों के अनुसार, सभी कोयला देने वाले टिपरों में जीपीएस उपकरण (2780 वाहन) लगे हैं। दैनिक संचलित वाहनों की संख्या के अनुसार परिचालन आंकड़े गतिशील हैं।

2	सीसीटीवी से इलेक्ट्रॉनिक निगरानी।	2845	848	758	1997	अव्यवस्थित कार्य संचालन और खराबी और बिजली के कारण 90 कैमरे बी/डी। शेष मात्रा के लिए निविदा जारी, 01.02.2021 को निविदा खोली गई, टीसीआर तैयार किए गए, सिविल टीसी सदस्य द्वारा जाँच की जा रही है।
3	बूम बैरियर / रीडर	139	0	0	139	30.03.2021 को निविदा जारी
	आरएफआईडी टैग	-	-	-	-	आरएफआईडी टैग बूम बैरियर टेंडर में शामिल हैं।
	सड़क वेब्रिज	148	157	148	0	एमसीएल मुख्यालय ई एंड टी विभाग से वेब्रिज की संख्या के आंकड़े एकत्र किए गए हैं।
4	सड़क वेब्रिज उपरोक्त सड़क वेब्रिज से वैन(WAN) के साथ कनेक्टिविटी.	146	146	146	0	सभी वेब्रिज में वैन कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। इसके अलावा, सभी सड़क द्वारा विक्रय के लिए वेब्रिज में इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई है।
	रेल वेब्रिज	21	35	35	-14	एमसीएल मुख्यालय ई एंड एम विभाग से वेब्रिज की संख्या के आंकड़े एकत्र किए गए हैं।
	रेल वेब्रिज उपरोक्त रेल वेब्रिज से वैन (WAN) के साथ कनेक्टिविटी	35	35	35	0	सभी वेब्रिज में वैन कनेक्टिविटी प्रदान की गई है।
5	वाइड एरिया नेटवर्किंग (डब्ल्यूएएन) (नोड्स/स्थान की संख्या)	288	284	284	4	04 नए वेब्रिज बलराम ओसीपी में 02, गर्जनबहुल ओसीपी में 02 वेब्रिज के लिए नई आवश्यकताओं के लिए कनेक्टिविटी हेतु कार्रवाई की जा रही है।

33. ई-प्रोक्योरमेंट

एमसीएल की ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली दिनांक 15.08.2009 को शुरू की गई और यह प्रणाली सफलतापूर्वक चल रही है और आज तक इस माध्यम से 22000 से अधिक निविदाएं को अंतिम रूप दिया गया है। एमसीएल इस वेब-आधारित सॉफ्टवेयर समाधान को लागू करके अत्यधिक लाभान्वित हुआ है। निविदाओं को अंतिम रूप देने के लिए समय में महत्वपूर्ण कमी आई है और यह निविदा प्रबंधन की प्रक्रिया में बेहतर पारदर्शिता और सुविधा की आवश्यकता पर जोर देता है। विभिन्न बोलीदाताओं द्वारा जमा बयाना राशि (ईएमडी) का प्रबंधन स्वचालित किया गया है और इस प्रक्रिया के कार्यान्वयन के बाद बोलीदाताओं को

उनकी ईएमडी, बोली की अस्वीकृति के अगले दिन स्वतः वापस कर दी जाती है। बोलीदाताओं के लिए बेहतर पारदर्शिता और सुविधा की वजह से संगठन के साथ में वृद्धि हुई है। सिस्टम में निरंतर सुधार हैं और समय-समय पर नई सुविधाओं को जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में वर्तमान नीति के अनुसार रु. 2.00 लाख और उससे अधिक की कीमत वाले निविदाओं को ई-प्रोक्योरमेंट मोड के माध्यम से अंतिम रूप दिया जा रहा है।

34. एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) (आईएमएस)

एमसीएल 1995 से आईएसओ/आईएमएस प्रमाणीकरण का अनुसरण कर रहा है और वर्ष 2012-13 में, एमसीएल का कंपनी-व्यापी एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) आईएसओ 9001: 2008 - गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, आईएसओ 14001: 2004-पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली और ओएचएसएस 18001: 2007 - व्यावसायिक स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली से मान्यता प्राप्त है।

नई एकीकृत प्रबंधन प्रणाली के साथ एमसीएल के कंपनी व्यापक प्रमाणन के लिए "क्यूएमएस प्रमाणन सेवा प्राइवेट लिमिटेड(क्यूएमसी सर्टिफिकेशन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड)" को कार्यादेश जारी किया गया है जो गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (9001: 2015), पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 14001: 2015) और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 45001: 2018) का अनुपालन करता है।

वर्ष 2020-21 में आईएमएस प्रकोष्ठ द्वारा जारी की गई गतिविधियां :-

सीएमपीडीआईएल को आईएसओ मानकों के परामर्श और उन्नयन तथा प्रभावी कार्यान्वयन का कार्य सौंपा गया था। इसके बाद सीएमपीडीआईएल ने एमसीएल अधिकारियों के साथ बैठकें और चर्चा सत्र आयोजित करके एमसीएल में आईएमएस का व्यापक अध्ययन किया।

आईएसओ 9001: 2015, आईएसओ 14001: 2015 और आईएसओ 45001: 2018 का अनुपालन करने वाला नया आईएमएस मैनुअल, सीएमपीडीआईएल, रांची के परामर्श के साथ तैयार किया जा रहा है। निरर्थक विशेषताओं को मिलाकर और अप्रचलित आवश्यकताओं को खत्म कर नई नियमावली को शिथिल और आसान बना दिया गया है।

नई एकीकृत प्रबंधन प्रणाली के साथ एमसीएल के कंपनी व्यापक प्रमाणन के लिए "क्यूएमएस प्रमाणन सेवा प्राइवेट लिमिटेड(क्यूएमसी सर्टिफिकेशन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड)" को कार्यादेश जारी किया गया है जो गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (9001: 2015), पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 14001: 2015) और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 45001: 2018) का अनुपालन करता है। उपरोक्त 3 अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ एमसीएल के कंपनी-व्यापी प्रमाणन 6 महीने (अर्थात अक्टूबर -2021) में पूरा किया जाएगा।

आईएसएस का उद्देश्य -

- A. कंपनी की गुणवत्ता, आंतरिक क्षमता, पर्यावरण, व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, सामाजिक जवाबदेही और ऊर्जा निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित और समान प्रबंधन के लिए व्यापक प्रबंधन प्रणाली की स्थापना करना।
- B. विभिन्न प्रबंधन प्रणालियों के कार्यान्वयन के लिए एक समेकित दृष्टिकोण और सरलीकृत प्रक्रियाओं के माध्यम से प्रयासों के दोहराव और लागत को दूर करना, जो कि अन्यथा असंबंधित और असंगत हो सकते हैं।
- C. एक अच्छे प्रबंधन प्रणाली नेटवर्क और स्वस्थ कार्य वातावरण के तहत बेहतरीन कार्य संकृति, सतत संचालन तथा स्पष्ट परिभाषित भूमिकाओं के माध्यम से परिचालन विवाद समाप्त करना, उत्तरदायीतव, जवाबदेही, और अधिकार को शामिल करना।
- D. नियमित कार्य निश्चित करने के दौरान हानिकारक और गैर मूल्य युक्त संचालनों को कम करना, इसके फलस्वरूप संचालन के दौरान समय, लागत और संसाधनों की प्रत्यक्ष बचत तथा पर्यावरण और सामाजिक लागतों पर अप्रत्यक्ष बचत करना।
- E. सभी इच्छुक पार्टियों में आत्मविश्वास पैदा करना।
 - i) कोयले का खनन एवं आपूर्ति जो लगातार उपभोक्ता, नियामक निकाय एवं समाज की आवश्यकता को पूरा करते हैं।
 - ii) पर्यावरण, व्यावसायिक, स्वास्थ्य और सुरक्षा, समाज और ऊर्जा के संबंध में अपनी जिम्मेदारी के प्रति वचनबद्धता।
 - iii) सतत सुधार करने के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण।
 - iv) सभी विधिक एवं अन्य आवश्यकताओं का अनुपालन।
 - v) कुछ अल्प अवधि की उपलब्धियों के स्थान पर स्थायी एवं सतत सुधार पर जोर देना।

20021-22 की भावी योजना:-

1. नई एकीकृत प्रबंधन प्रणाली, जो गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 9001: 2015), पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 14001: 2015) और व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 45001: 2018) का अनुपालन करती है, को लागू करना।
2. एमसीएल में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 9001: 2015), पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 14001: 2015) और व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 45001: 2018) में एमसीएल में बेहतर समझ और प्रभावी आंतरिक लेखा परीक्षा के लिए प्रशिक्षित आंतरिक लेखा परीक्षकों और मुख्य लेखा परीक्षकों को क्रेटपुल करना।
3. एमसीएल के कर्मचारी में एकीकृत प्रबंधन प्रणाली के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना।

35. औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा की गई गतिविधियाँ :-

एमसीएल में औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग की प्राथमिक भूमिका संसाधनों के क्षमता उपयोग के संदर्भ में कंपनी के लिए एक कार्य निष्पादन ढांचा प्रदान करना है। इस दिशा में प्रमुख कार्य, कार्य निष्पादन मानकों को तय करने, परिवहन दरों के संबंध में अध्ययन करना और प्रणालीगत सुधार इत्यादि द्वारा उत्पादकता बढ़ाना। विभाग द्वारा 2020-21 के दौरान किए गए विभिन्न कार्य निम्नानुसार हैं:-

- एक्स सर्विसमेन और परियोजना प्रभावित लोगों (वैडर विकास योजना के तहत) एजेंसियों को खानों से कोयला प्रेषण स्थानों तक कोयला ढुलाई के लिए एक माह में दो बार भुगतान के मानदंड दरों में वृद्धि।
- वर्ष में दो बार भूतल परिवहन शुल्क (एसटीसी) तैयार करना जो हमारे ग्राहकों से वसूला जाता है
- एमसीएल में कोयला उत्खनन के लिए दरों की अनुसूची (एसओआर) तैयार करने ओवरबर्डन हटाने और संबद्ध गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) के अध्ययन के साथ समन्वय और सुविधा।
- वर्ष 2020-21 के लिए सुरक्षा जनशक्ति के आकलन पर अध्ययन के साथ जनशक्ति बजट की तैयारी।
- प्रोत्साहन की गणना के लिए कोलनेट प्रणाली का उपयोग करने के साथ-साथ एमसीएल की खुली खदान परियोजनाओं में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन योजनाओं का गठन और कार्यान्वयन।
- सीएमपीडीआई मानदंडों के तहत विशिष्ट डीजल की खपत में सुधार करने के लिए एमसीएल की ओपन कास्ट परियोजनाओं पर अध्ययन।
- अतिरिक्त समय घंटों में कमी के रूप में लागत नियंत्रण के उपाय।
- एमसीएल इकाइयों के साथ-साथ पारियोजना प्रावधान में हल्के वाहनों की आवश्यकता का विश्लेषण करने के लिए अध्ययन।
- कोयले के प्रेषण के लिए परिवहन मैट्रिक्स की तैयारी और कोयले के उत्पादन और प्रेषण के लिए एमसीएल के ओसीपी में उपलब्ध कार्यदल की पर्याप्त संख्या को बनाए रखना।
- 2020-21 के दौरान स्टॉक लिक्विडेशन, उत्पादन की निगरानी, प्रेषण सुधार के लिए रैंक अनुकूलन जैसे अन्य अध्ययन किए गए थे।

36. पुरस्कार और सम्मान

1. 2020-21 के दौरान एमसीएल द्वारा निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए गए:

1. एमसीएल को दिनांक 12 दिसंबर, 2020 को आयोजित आभाषी रूप से आयोजित प्रतियोगिता में औद्योगिक निकाय भारतीय उद्योग संघ (सीसीआई) द्वारा पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा में सर्वश्रेष्ठ कार्यों के लिए 2 पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। कंपनी की ओर से श्री डी. के. खंडा, वरिष्ठ

- प्रबंधक (खनन) / पर्यावरण और वन विभाग, श्री। राजीव कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (खनन), एस एंड आर विभाग, और डॉ.जे. मिश्रा, उप चिकित्सा अधीक्षक, आनंद विहार अस्पताल पुरस्कार प्राप्त किए।
2. एमसीएल ने 1 नवंबर, 2015 अर्थात् सीआईएल के 46 वां स्थापना दिवस पर सीआईएल की सभी अनुषंगी कंपनियों के बीच सीएसआर कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है।
 3. एमसीएल को 1 नवंबर -2020 अर्थात् सीआईएल का 46 वां स्थापना दिवस को गुणवत्ता जागरूकता के लिए कॉर्पोरेट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था: 3 एमटीपीए से अधिक उत्पादन करने वाली समलेश्वरी ओसीपी, एमसीएल (105.19%) सर्वश्रेष्ठ खुली खदान
 4. एमसीएल को कोयला मंत्रालय द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान उत्कृष्ट योगदान और कार्य निष्पादन के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एक आभासी प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जहां श्री बी एन शुक्ला, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमसीएल ने औपचारिक रूप से लखनपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक को पुरस्कार प्रदान किया। 15 जून से 30 जून, 2019 तक स्वच्छ पखवाड़ा में योगदान के लिए लखनपुर क्षेत्र को कोल इंडिया लिमिटेड की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के 88 क्षेत्रों / इकाइयों में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया।

37. लेखा परीक्षक

सांविधिक लेखा परीक्षक:

1. मेसर्स सिंह राय मिश्रा एंड कंपनी,
(प्रथम तिमाही के लिए)
सनदी लेखाकार,
प्लॉट सं.-207, कृष्ण मेसन झरपाड़ा
भुवनेश्वर-751006, ओडिशा
2. मेसर्स पीएएमएस एण्ड एसोसिएट्स
(द्वितीय, तृतीय तिमाही और वार्षिक के लिए)
सनदी लेखाकार
प्लॉट नं. 506A, बया बाबा मठ के बाजू में
इकाई-IX, भुवनेश्वर -751022

शाखा लेखा परीक्षक :

1. मेसर्स एस.सी.एम. एसोसिएट्स(प्रथम तिमाही के लिए)
केशरी टॉकिज कॉम्प्लेक्स(प्रथम तल)
98, खरवल नगर, इकाई-III भुवनेश्वर, ओडिशा-751001
2. मेसर्स पीएएमएस एण्ड एसोसिएट्स
(द्वितीय, तृतीय तिमाही और वार्षिक के लिए)
सनदी लेखाकार
प्लॉट नं. 506A, बया बाबा मठ के बाजू में
इकाई-IX, भुवनेश्वर -751022

37.2 लागत लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के साथ पठित कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा) संशोधन नियमावली, 2014 के अनुसार, कोयले के खनन के संबंध में कंपनी द्वारा बनाए गए लागत लेखा परीक्षा रिकॉर्ड का लेखा परीक्षा किया जाना आवश्यक है। आपके निदेशकों ने लेखापरीक्षा समिति की सिफारिश पर (i) मेसर्स एम. गोयल एंड कंपनी, नंबर-8, चित्रगुप्त नगर, प्रथम ज्योति नगर रेलवे क्रॉसिंग, जयपुर, राजस्थान - 302005 को मुख्य लागत लेखा परीक्षक के रूप में वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी, मुख्यालय, ईब-वैली कोलफील्ड्स एरिया और सीडब्ल्यूएस (ईब-वैली) के लागत रिकॉर्ड का लेखा परीक्षा करने के लिए कुल लेखा परीक्षा शुल्क रु6,00,000.00, (आईसीसीएस रिट्यू सहित) और जेब खर्च रु 3,00,000.00 (अधिकतम) और

लेखा परीक्षा शुल्क पर लागू जीएसटी और (ii) मेसर्स जितेंद्र नवनीत एंड कंपनी, 2डी ओसीएस अपार्टमेंट, मयूर विहार, फेज -1 एक्सटेंशन, नई दिल्ली -110091 को कंपनी के शाखा लागत लेखा परीक्षक के रूप में वर्ष 2020-21 के लिए, रु 3,98,000.00, के कुल लेखा परीक्षा शुल्क पर, रु 1,99,000.00 (अधिकतम) के जेब खर्च और लेखा परीक्षा शुल्क पर लागू जीएसटी पर तालचेर कोलफील्ड्स क्षेत्रों और सीडब्ल्यूएस (तालचेर) के लागत रिकॉर्ड का लेखा परीक्षा करने के लिए नियुक्त किया था। "

37.3 सचिवीय लेखा परीक्षक

कंपनी लेखा परीक्षक कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 तथा कंपनी (नियुक्त और प्रबंधन कार्मिक के पारिश्रमिक) नियमावली, 2014 के प्रावधानों के तहत कंपनी ने मेसर्स देव महापात्र एंड एसोसिएट्स, कंपनी सचिव, भुवनेश्वर, ओडिशा को वर्ष, 2019-20 के लिए कंपनी की सचिवीय लेखा परीक्षा करने के लिए नियुक्त किया गया है। सचिवीय लेखा परीक्षकों द्वारा प्रस्तुत किए गए रिपोर्ट को अनुलग्नक II में संलग्न किया गया है।

38. सावधि जमा

आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों में यथापरिभाषित रूप में, लोगों से जमा के रूप में कोई राशि स्वीकार नहीं की है।

39. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) (एम) (यूएस) के तहत सूचनाओं का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) (एम) के प्रावधान के अनुसार ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण एवं विदेशी विनिमय के आय तथा व्यय से संबंधित सूचना इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक-III में दी गई है।

40. निदेशक मण्डल

40.1 रिपोर्ट के अंतर्गत वर्ष के दौरान निम्नलिखित व्यक्ति निदेशक बने रहे -

1.	श्री पी.के. सिन्हा	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
2.	श्री एम. नागराजु	अपर सचिव, कोयला मंत्रालय,
3.	श्री एस.एन. तिवारी	निदेशक (विपणन),
4.	श्री ओ.पी. सिंह	निदेशक (तक./संचालन)
5.	श्री के.आर. वासुदेवन	निदेशक (वित्त)
6.	श्री केशव राव	निदेशक (कार्मिक)
7.	श्री बबन सिंह	निदेशक (तक./परि. एवं योजना)
8.	श्री एस. मोहन	स्वतंत्र निदेशक

40.2 रिपोर्ट के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्ति वर्ष के दौरान निदेशक नियुक्त हुए।

1.	श्री पी.के. सिन्हा	सीएमडी (31.10.2020 से प्रभावी)
2.	श्री बबन सिंह	निदेशक (29.04.2020 से प्रभावी)

40.3 रिपोर्ट के अंतर्गत निम्न व्यक्ति वर्ष के दौरान निदेशक पद से मुक्त हुए:

1.	श्री बी.एन. शुक्ला	सीएमडी (31.10.2020 तक)

41. निदेशकों के उत्तरदायित्व का विवरण

प्राप्त जानकारी एवं स्पष्टीकरण तथा उनके सर्वोत्तम ज्ञान एवं विश्वास के आधार पर यह पुष्टि की जाती है कि आपकी कंपनी के निदेशकगण द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(सी) के अनुसार निम्न विवरण प्रस्तुत किये गए हैं -

- क. कि 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखा तैयार करने में, सामग्री प्रस्थान के संबंध में उचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखा मानकों का पालन किया गया है।
- ख. कि निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियों का, चयन किया और लगातार लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमान लगाए हैं जो उचित और विवेकपूर्ण हैं ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में समीक्षाधीन वर्ष के लिए कंपनी की स्थिति और कंपनी का लाभ या हानि के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण दिया जा सके।
- ग. कि निदेशकों ने कंपनी अधिनियम, 1956 / कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोक और जांच हेतु पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड के रखरखाव की उचित और पर्याप्त देखरेख की है;
- घ. कि निदेशकों ने 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 'गोइंग कंसर्न' के आधार पर लेखे तैयार किए हैं।
- ङ. कि उचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मौजूद थे और कि वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त थे और प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।
- च. सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सिस्टम मौजूद थे और पर्याप्त थे और प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।

42. निगमित शासन

इस रिपोर्ट के साथ निगमित शासन पर एक रिपोर्ट अनुलग्नक- IV में संलग्न है।

43. प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट अनुलग्नक -V में संलग्न है।

44. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणी

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लेखा पर की गई टिप्पणी इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक-VII में संलग्न है।

45. लेखा परीक्षा समिति:

एमसीएल बोर्ड द्वारा अनुमोदित परिपत्र संकल्प संख्या 20-(2019-20), दिनांक 02.12.2019 के तहत निम्नलिखित सदस्यों की समिति का पुनर्गठन किया गया है:-

1. श्री एस. मोहन, आईडी	-	अध्यक्ष
2. सरकारी नामित निदेशक	-	सदस्य
3. सीआईएल नामित निदेशक	-	सदस्य
4. निदेशक (तक/सं)	-	सदस्य
5. निदेशक (वित्त)	-	आमंत्रित

45.1 कार्यक्षेत्र

पुनर्गठित समिति के प्रावधान के तहत कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 में काम का दायरा और अधिकार निहित हैं, इसे कंपनी (बोर्ड और उसकी शक्तियों की बैठक) नियमावली, 2014 के साथ में पढ़ा जा सकता है।

लेखा परीक्षा समिति के पास एमसीएल के वित्तीय और अन्य आंकड़ें/जानकारी को प्राप्त किया जाता है। समिति द्वारा किए गए अवलोकन की सूचना एमसीएल बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की जाती है। समिति जितनी बार चाहे उतनी बार बैठक कर सकती है लेकिन एक तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करना अपेक्षित है।

46. लागत रिकॉर्ड

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के अनुसार कंपनी के लागत रिकॉर्ड का अनुरक्षण केंद्र सरकार द्वारा दिनांक-01.04.2011 से निर्धारित किया गया है। कंपनी एकमात्र कोयले का उत्पादन करती है और कंपनी ओवरहेड सहित मदवार लागत के ब्यौरों के साथ रिकॉर्डिंग, निर्धारण और रिपोर्टिंग की निरंतर एकीकृत प्रणाली है। इसका नियमित अंतराल पर लागत रिपोर्टों से मिलान किया जाता है।

47. क. समझौता-जापन मापदंडों के परिप्रेक्ष्य में निष्पादन

लोक उद्यम विभाग(डी.पी.ई.), भारी उद्योग एवं लोक उद्योग, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमसीएल और अध्यक्ष, कोल इंडिया लिमिटेड के बीच वर्ष 2018-19 के लिए हस्ताक्षरित समझौता जापन पर एमसीएल का निष्पादन तैयार किया गया है। वर्ष 2019-20 के लिये आपके कंपनी का भौतिक और वित्तीय निष्पादन पर आधारित समझौता जापन रेटिंग "बहुत अच्छा" रहा है।

ख.जेम(GeM) पोर्टल के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद

क्रमांक.	विवरण	राशि रु. करोड़ में
1	वित्तीय वर्ष 20-21 के लिए जीईएम पोर्टल के माध्यम से वस्तुओं की खरीद	66.15
2	वित्तीय वर्ष 20-21 के लिए जीईएम पोर्टल के माध्यम से सेवाओं की खरीद	24.97
3	वित्तीय वर्ष 20-21 के लिए जीईएम पोर्टल के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद	91.12
4	पिछले वर्ष यानी 2019-20 के दौरान वस्तुओं और सेवाओं की कुल खरीद (गैर-जीईएम वस्तुओं, सेवाओं और कार्यों को छोड़कर) जैसा कि दिनांक 10.12.2020 को आयोजित एमओयू 2020-21 पर अंतिम रूप देने की बैठक के कार्यवृत्त में प्रदान किया गया है।	269.48
5	वित्त वर्ष 2020-21 के लिए जीईएम पोर्टल के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद का%	33.81%

48. सीआईएल के अंशधारकों के लिए एमसीएल का लेखा

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय के दिनांक 08.02.2011 के सामान्य परिपत्र संख्या 2/2011 के तहत एम.सी.एल. मुख्यालय में एम.सी.एल. का वार्षिक लेखा कोल इंडिया लिमिटेड के अंशधारकों की मांग पर जांच एवं संबंधित सूचना की जानकारी प्रदान करने हेतु उपलब्ध रहेगा।

49. अभिस्वीकृति

- 49.1 आपके निदेशक, कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया लिमिटेड को उनकी बहुमूल्य सहायता, सहयोग और मार्गदर्शन के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और ओडिशा राज्य सरकार को भी उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक, सहयोगी संगठनों के उनके द्वारा प्रदान किए गए सहयोग और सहायता के लिए आभारी हैं।
- 49.2 निदेशकों ने कंपनी के उद्देश्यों और उसका सर्वांगीण विकास की प्राप्ति के लिए सभी स्तरों पर कर्मचारियों द्वारा दर्शाई गयी टीम भावना, मूल्यवान और निष्ठापूर्ण सेवाओं के लिए ट्रेड यूनियनों और ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की है।
- 49.3 निदेशकों ने मूल्यवान ग्राहकों को उनके निरंतर समर्थन, संरक्षण और प्रोत्साहन के लिए भी धन्यवाद दिया है, जिसके बिना कंपनी का सशक्त विकास संभव नहीं था।
- 49.4 निदेशक लेखा परीक्षकों, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के अधिकारियों और कर्मचारियों और कंपनी रजिस्ट्रार, ओडिशा द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की सराहना भी करते हैं।
- 49.5 निदेशक समय-समय पर सहयोग के लिए संबलपुर के विभिन्न महत्वपूर्ण नागरिकों और ओडिशा के कोलफील्ड क्षेत्रों के निवासियों को भी धन्यवाद देते हैं।

50. कार्यसूची

निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न हैं

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) के तहत निदेशकों की रिपोर्ट में दी जाने वाली आवश्यक जानकारी।
2. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट।
3. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) के तहत निदेशकों की रिपोर्ट का परिशिष्ट।
4. कॉर्पोरेट प्रशासन पर रिपोर्ट।
5. प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट।
6. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां।

ह/-

(पी.के. सिन्हा)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

(डीआईएन: 07599781)

स्थान : सम्बलपुर

तिथि: 10.08.2021

मैं पुष्टि करता हूँ कि समीक्षाधीन वर्ष के लिए, सभी निदेशकों और वरिष्ठ प्रबंधन ने आचार संहिता के प्रावधानों के पालन की पुष्टि की है।

ह/-

(पी.के. सिन्हा)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

(डीआईएन: 07599781)

स्थान : सम्बलपुर

तिथि: 10.08.2021

1 अप्रैल 2020 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखा:-

उद्देश्य:

सीएसआर नीति का मुख्य उद्देश्य सीएसआर को समाज के सतत विकास के लिए एक प्रमुख व्यवसाय प्रक्रिया बनाने के लिए एमसीएल का दिशानिर्देश निर्धारित करना है। इसका उद्देश्य उनकी गतिविधियों जैसे कोयला खनन के तत्काल और दीर्घकालिक सामाजिक और पर्यावरणीय परिणामों के आधार पर समाज के कल्याणकारी उपायों को बढ़ाने में सरकार की भूमिका को पूरक बनाना है।

एमसीएल एक अच्छे कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में कार्य करेगा, कार्यान्वयन के लिए वैश्विक कॉम्पैक्ट के सिद्धांतों की सदस्यता लेगा।

दायरा:

एमसीएल सीएसआर के दायरे के रूप में समय-समय पर संशोधन के साथ कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII का पालन करता है।

शामिल किए जाने वाले क्षेत्र:

एमसीएल के संबंध में, सीएसआर गतिविधियों के लिए, बजट राशि का 80% परियोजना/साइट/खानों/क्षेत्र मुख्यालय/कंपनी मुख्यालय के 25 किमी के दायरे में खर्च किया जाएगा तथा 20% खर्च ओडिशा राज्य में सीएसआर गतिविधियों के तहत किया जाएगा।

राशि आवंटन:

सीएसआर के लिए फंड, कंपनी के तीन वित्तीय पूर्ववर्ती के औसत शुद्ध लाभ के 2% के आधार पर आवंटित किया जाता है। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 198 के प्रावधान के अनुसार औसत शुद्ध लाभ की गणना की जाती है।

एमसीएल की पूरी सीएसआर नीति कंपनी की वेबसाइट पर प्रदर्शित की गई है। सीएसआर नीति के लिए वेब

लिंक: <http://www.mahanadicoal.in/About/csrpolicy.php>

II. सीएसआर समिति की संरचना

क्रमांक	निदेशक का नाम	पदनाम / निदेशक पद का कार्य	वर्ष के दौरान आयोजित सी.एस.आर. समिति की बैठकों की संख्या	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या, जिसमें भाग लिया गया
1	श्री के.आर. वासुदेवन	अध्यक्ष, निदेशक(वित्त), एमसीएल	5	5
2	श्री एस.एन.तिवारी	सदस्य, निदेशक (मार्केटिंग), सी.आई.एल.	5	3
3	श्री एस.मोहन	सदस्य, स्वतंत्र निदेशक, एमसीएल	3	3
4	सुश्री सीमा शर्मा	सदस्य, स्वतंत्र निदेशक, एमसीएल	2	2
5	श्री बबन सिंह	अध्यक्ष, निदेशक (तकनीकी/पी.&पी.), एमसीएल	5	5

III. वेब लिंक जहां बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और सीएसआर परियोजनाओं का कंपनी की वेबसाइट पर खुलासा किया गया: <https://www.mahanadicoal.in/About/index.php>

IV. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियमावली, 2014 के नियम 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें, यदि लागू हो (रिपोर्ट संलग्न करें)।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स को इंपैक्ट असेसमेंट स्टडी का काम सौंपा गया है। अध्ययन के अंश के रूप में, प्राथमिक सर्वेक्षण, दस्तावेज सत्यापन, साहित्य की समीक्षा, संग्रह और माध्यमिक डेटा का विश्लेषण का पहला चरण पहले ही किया जा चुका है। इस बीच, कोविड महामारी के आने से आवागमन पर प्रतिबंधात्मक आदेशों के कारण पूरी प्रक्रिया को रोक दिया गया। एक बार स्थिति में सुधार होने पर, क्षेत्र अध्ययन जल्द से जल्द फिर से शुरू होगा।

V. कंपनी (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पॉलिसी) नियम, 2014 के नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुसरण में उपलब्ध राशि का विवरण और वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो

क्रमांक	वित्तीय वर्ष	पिछले वित्तीय वर्षों के समायोजन के लिए उपलब्ध राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष हेतु समायोजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो (रुपये में)
1	2020-21	निल	निल

VI धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ :-

सीएसआर के लिए कर पूर्व 3 वर्षों के लाभ की गणना (2020-21 के लिए)

वर्ष	राशि (करोड़ में)
2017-2018	7339.66
2018-2019	9281.08
2019-2020	8645.47
कुल	25,266.21
पिछले तीन वित्तीय वर्षों का औसत शुद्ध लाभ है	8422.07

VII. ए) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत: 168.44 करोड़ रुपये

B) पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष:
निल

C) वित्तीय वर्ष के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो:
निल

D) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (7a+7b-7c):
रुपये 168.44 करोड़

VIII. A) वित्तीय वर्ष के लिए किए गये व्यय या अव्ययित सीएसआर राशि

वित्तीय वर्ष में खर्च की गई कुल राशि (रुपये में)	अव्ययित राशि (रुपये में)				
	धारा 135(6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित कुल राशि।		धारा 135(5) के दूसरे प्रावधान के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड की हस्तांतरित राशि।		
	राशि	स्थानांतरण की तिथि	राशि का नाम	राशि	स्थानांतरण की तिथि
रु 205,33,74,540.66	निल	लागू नहीं	लागू नहीं	निल	लागू नहीं

B) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के खिलाफ खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण
टेबल-I संलग्न

C) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य पर व्यय की गई सीएसआर राशि का विवरण:
टेबल-II संलग्न

D) प्रशासनिक कार्यों में व्यय की गई राशि:
निल

E) प्रभावी आकलन पर व्यय की गई राशि, यदि लागू हो:

निल

F) वित्तीय वर्ष के लिए व्यय की गई कुल राशि (8b+8c+8d+8e): रुपये 205,33,74,540.66

G) समायोजन के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो

क्रमांक संख्या	विशेष	राशि (रुपये में)
1	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	168,44,14,000.00
2	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि	205,33,74,540.66
3	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii)-(i)]	36,89,60,541.00
4	सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों से उत्पन्न अधिशेष या पिछले वित्तीय वर्षों की गतिविधियाँ, यदि कोई हों	0.00
5	आगामी वित्तीय वर्षों में समायोजन के लिए उपलब्ध राशि [(iii)-(iv)]	36,89,60,541.00

IX. क) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित सीएसआर राशि का विवरण:

क्रमांक संख्या	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष	धारा 135 (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (रुपये में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	धारा 135(6), के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड में स्थानांतरित राशि। यदि कोई हो,			आगामी वित्तीय वर्षों में व्यय की जाने वाली शेष राशि (रुपये में)
				फंड का नाम	राशि (रुपये में)	स्थानांतरण की तिथि	
1	2017-18	निल	रु 205,33,74,540.66	लागू नहीं	निल	लागू नहीं	निल
2	2018-19	निल		लागू नहीं	निल	लागू नहीं	निल
3	2019-20	निल		लागू नहीं	निल	लागू नहीं	निल
	कुल		रु 205,33,74,540.66				

B) पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों) की चालू परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में व्यय की गई सीएसआर राशि का विवरण:

टेबल-III संलग्न

X. पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के मामले में, वित्तीय वर्ष में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से इस प्रकार बनाई या अर्जित की गई संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें:

क) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि, (ख) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि, (ग) इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिसके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है , उनका पता आदि और (घ) बनाई या अर्जित की गई पूंजीगत संपत्ति (पूंजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) का विवरण टेबल-IV के रूप में संलग्न है

XI. कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत व्यय करने में विफल होने पर कारण स्पष्ट करें।

लागू नहीं

ह/-

अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक

ह/-

अध्यक्ष, सी.एस.आर. समिति

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सी.एस.आर. नीति का कार्यान्वयन और निगरानी, कंपनी के सी.एस.आर. उद्देश्यों और नीति के अनुपालन में है।

ह/-

महाप्रबंधक(सीएसआर), एमसीएल

ह/-

निदेशक (कार्मिक), एमसीएल
(डीआईएन: 08651284)

ह/-

अध्यक्ष, सी.एस.आर. तथा एस.डी. समिति
(डीआईएन : 07915732)

टबल - 1

वित्तीय वर्ष में चल रही परियोजनाओं पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	3	4	5	6	7	8	9	10	11
		अनुसूची VII में अतिरिक्त की गतिविधियाँ से संभावित वस्तुसूची	स्थानीय य क्षेत्र	परियोजना का स्थान राज्य जिला	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर राशि में हस्तांतरित राशि (रुपये में)	परियोजना का तिथि - प्रत्यक्ष (दि/महि)	परियोजना का संटीका - नाम सीएसआर पंजीकरण संख्या
1	धुआँबनो आश्रम विद्यालय में चारदीवारी एवं शौचालय का निर्माण	नद संख्या 2	हो	ओडिशा झारखंड	120	1298590.07	5,00,000.00	शून्य	हो	
2	ईश बेल्ही क्षेत्र के एसओसीपी के लिफ्ट ग्राम लंगुरा में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा झारखंड	365	376432.00	2,55,916.38	शून्य	हो	
3	ईश बेल्ही क्षेत्र के नरुवन नगर, सजीव खडिपाड़ा और बुद्धा पाड़ा गांव में पानी के टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा झारखंड	365	491470.00	4,09,000.00	शून्य	हो	
4	झारखंड शहर में कुमरोपण	नद संख्या 4	नहीं	ओडिशा झारखंड	1460	4,02,46,840.00	1,06,69,066.00	शून्य	नहीं	झारखंड, लांगू नहर
5	सीएसआर ईश बेल्ही क्षेत्र अंतर्गत देवगांव राजपुर गांव के पास ईश नदी के तल पर अस्थायी बांध रखे जा रहे हैं।	नद संख्या 4	हो	ओडिशा झारखंड	163	582307.76	4,69,000.00	शून्य	हो	
6	ईश बेल्ही क्षेत्र के तहत एलसीपी ओसीपी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा झारखंड	365	125000.00	44,588.26	शून्य	हो	
7	ईश बेल्ही क्षेत्र में भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन	नद संख्या 10	हो	ओडिशा झारखंड	110	118740.00	40,000.00	शून्य	हो	
8	एलसीपी (एपी-5) के तहत लाजपुरा ओसीपी में गांव विश्वविद्यालय में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा झारखंड	365	5,51,209.86	4,74,191.59	शून्य	हो	
9	एलसीपी (एपी-3) के तहत एलसीपी ओसीपी में गांवों लुटुरपाड़ा और सखवहल और पति के पति की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा झारखंड	365	5,32,603.62	3,88,144.01	शून्य	हो	
10	एलसीपी (एपी-4) के तहत एलसीपी ओसीपी में गांव खुडा को पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा झारखंड	365	5,51,209.86	4,01,703.61	शून्य	हो	
11	बुधरलाई ग्राम पंचायत में सीसी रोड अपघारा (पाड़ा नगर 1) का निर्माण	नद संख्या 10	हो	ओडिशा झारखंड	89	5,41,895.00	5,00,000.00	शून्य	हो	
12	सीओसीएम (एपी-1) के तहत दारलपात गांव में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा झारखंड	365	503034.00	4,79,750.60	शून्य	हो	
13	एलसीपी (एपी-2) के तहत एलसीपी ओसीपी में गांव फरसबारी और खालिपाली में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा झारखंड	365	61,142.72	4,67,360.71	शून्य	हो	
14	सीएसआर के तहत प्रभावित गांव बुधरलाई परियारा के पुनर्वास के लिए नई 11 केवी और 440 केवी विजली आपूर्ति का निर्माण	नद संख्या 10	हो	ओडिशा झारखंड	94	37,44,866.00	19,40,854.08	शून्य	हो	
15	बुधरलाई ग्राम पंचायत जमुना में सीसी रोड का निर्माण	नद संख्या 10	हो	ओडिशा झारखंड	120	7,00,702.48	6,91,009.65	शून्य	हो	
16	1 वर (एपी-4) के लिए बुधरलाई के तहत गांवों खलवहल और लुआपाड़ा में पेयजल की आपूर्ति।	नद संख्या 1	हो	ओडिशा झारखंड	365	787115.64	6,51,602.70	शून्य	हो	
17	बुधरलाई क्षेत्र के सीएसआर के तहत बुधरलाई स्कूल, टिकिलीपाड़ा में 30 सीट वाले छात्रावास का निर्माण	नद संख्या 2	हो	ओडिशा बुधरलाई	240	6617633.91	12,40,806.36	शून्य	हो	
18	बुधरलाई क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत बुधरलाई क्षेत्र के सीएसआर के तहत बुधरलाई बुधरलाई क्षेत्र के सीएसआर के तहत बुधरलाई बुधरलाई क्षेत्र के सीएसआर के तहत बुधरलाई	नद संख्या 7	हो	ओडिशा बुधरलाई	90	10,06,696.86	3,69,122.18	शून्य	हो	
19	बुधरलाई क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत बुधरलाई बुधरलाई क्षेत्र के सीएसआर के तहत बुधरलाई बुधरलाई क्षेत्र के सीएसआर के तहत बुधरलाई	नद संख्या 2	हो	ओडिशा बुधरलाई	120	9,92,363.91	2,00,000.00	शून्य	हो	
20	बुधरलाई क्षेत्र के सीएसआर के तहत बुधरलाई बुधरलाई क्षेत्र के सीएसआर के तहत बुधरलाई बुधरलाई क्षेत्र के सीएसआर के तहत बुधरलाई	नद संख्या 4	नहीं	ओडिशा बुधरलाई	1460	2,48,46,287.56	50,11,495.02	शून्य	नहीं	झारखंड, लांगू नहर

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अभिलेखित की गतिविधियों से संबंधित वस्तुएँ	स्थानीय क्षेत्र	राज्य	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)	चाहू वितीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	घर 13(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सेक्टर और चर में स्थायीत राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हानिहीन)	कार्यान्वयन का तरीका - सीपसआर प्रयोगकर्ता संख्या
21	तामर क्षेत्र के लिए वर्ष 2021 में ग्राम खुलसपुर खूँडा, बोरामुखपुर में पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	694156.80	1,67,754.56	शून्य	हो	
22	तामर क्षेत्र के लिए वर्ष 2021 के लिए ग्राम ब्रजनाथपुर और गुणारपुर में पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	717469.60	1,73,388.49	शून्य	हो	
23	तामर क्षेत्र के लिए वर्ष 2021 के लिए गांव खुंडी, नदीबाधा चक और बलपाड़ा में पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	509634.40	55,210.39	शून्य	हो	
24	ग्राम ब्रजनाथ में वर्ष 2021 के लिए जल आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	958008.00	1,03,784.20	शून्य	हो	
25	वर्ष 2021 के लिए सिरोनिगा ग्राम में जल की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	551697.20	59,767.20	शून्य	हो	
26	गर्मी के मौसम 2021 के दौरान गांव सनोरडा, कलपुर और नाली में पानी की आपूर्ति (पैकेज 2)	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	832910.03	97,000.00	शून्य	हो	
27	ग्राम ब्रज 2021 के दौरान ग्राम ब्रजोरडा को पानी की आपूर्ति (पैकेज 1)	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	707973.53	83,000.00	शून्य	हो	
28	एक वर्ष की अवधि के लिए एचए के तहत एचओसीपी और सीओसीपी के पास गार्ज के विटिड स्थान के परलू उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	365	1652931.49	11,12,583.57	शून्य	हो	
29	हिगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेलीपुर, तेलीपुर हरिजनसाही, देवपुर सिधवालासाही और खुरिगा में गार्मी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति (पैकेज 03)	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	625795.06	1,73,832.00	शून्य	हो	
30	हिगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नडिका, बोरामुखपुर, सोलादा देवलसाही, नाथगांव पुलिस चौकी कलामपुर, पेरपसी कलामपुर, सलित हिगुला हाई स्कूल, गोलकुला परिवार, शल्ला सही बनिचा सही चिपापर और अनाम्यानी को गार्मी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति (पैकेज 04)	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	1332569.28	3,70,158.25	शून्य	हो	
31	एचए (पैकेज संख्या 14) के तहत ग्राम गोपाल प्रसाद, गोपाल प्रसाद खलीसाही (स्कूल शाही) खनार और घटनासाही को गार्मी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	1343294.54	2,83,584.31	शून्य	हो	
32	हिगुला क्षेत्र (पैकेज-16) के अंतर्गत ग्राम चितलपुर खुंडा नकीपासी, हदीसाही, खुंडा हदीसाही, नालदेरसपुर और अंवासी को गार्मी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	1095727.94	2,31,320.25	शून्य	हो	
33	हिगुला क्षेत्र (पैकेज-18) के अंतर्गत ग्राम सोलादा को गार्मी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	1421876.87	3,94,965.75	शून्य	हो	
34	हिगुला क्षेत्र (पैकेज-11) के अंतर्गत ग्राम भासुगडिया को गार्मी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	291157.41	45,291.12	शून्य	हो	
35	हिगुला क्षेत्र (पैकेज-17) के अंतर्गत ग्राम खुंडा, खुंडा तानलासाही, खुंडा नुआ तानलासाही, खुंडा सेचुमिसाही और फुल्लापानी में गार्मी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	1337927.42	3,41,914.78	शून्य	हो	
36	हिगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चाले गांव न्यू गोपालप्रसाद, न्यू अंतर्गडिया, कंधानाली और खुसुमपाल को गार्मी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति (पैकेज-12)	नद संख्या 1	हो	आंध्रिशा	अंगुल	120	590001.39	1,44,222.54	शून्य	हो	

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की प्रतिविधियों से संबंधित वस्तुएँ	स्थानीय य क्षेत्र	परियोजना का स्थान राज्य जिला	परियोजना अधि (दिनां नं)	परियोजना के लिए आवृत्ति राशि (रुपये में)	घातु वित्तिय वर्ष में वर्ष की गई राशि (रुपये में)	घात 13(9) के अनुसार परियोजना के लिए अवधि सोपनागत चले में समाविष्ट राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हो/नहीं)	कार्यान्वयन का नाम	परियोजना का सोपनागत संख्या
37	हिंदुल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मल्लोबाधा, मुनोमल्लिन, अंतर्गत हिंदुल और अन्य ग्रामों में गन्नी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति (फैज-13)	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	735860.04	1,22,643.30	शून्य	हो		
38	हिंदुल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बनवतपुर एवं बायवतपुर को गन्नी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति (फैज-15)	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	971152.90	64,743.54	शून्य	हो		
39	हिंदुल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कलसरे, छतोरनौ पानी की आपूर्ति (फैज-23)	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	721412.35	1,50,294.70	शून्य	हो		
40	हिंदुल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कलामपुर (हदिसारी, हरिजनसारी, कालिकासाह और कलामपुर) बासगडिया सहित) में गन्नी के मौसम 2021 के दौरान पानी की आपूर्ति (फैज-20)	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	1222504.07	3,39,584.00	शून्य	हो		
41	हिंदुल क्षेत्र के सोपसागर के तहत एक राह/गन्नी के मौसम को छोड़कर) के लिए हिंदुला ओसीपी और बलराम ओसीपी के पास के गांवों के नमिष्ठ स्थान के घातु उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति।	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	365	1652931.49	1,07,520.46	शून्य	हो		
42	सोपसागर के तहत दत्तार गांव में कल्याण मंडप का निर्माण	मद संख्या.10	हो	आंध्रिशा अंगुल	180	11789828.54	73,30,000.01	शून्य	हो		
43	ग्राम सलामनौ एवं बालराम सारिह में गन्नी के मौसम में पानी की आपूर्ति	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	469540.21	86,082.37	शून्य	हो		
44	वर्ष 2021-22 के दौरान गन्नी के मौसम में पानी की आपूर्ति गांव जोरगडिया तंगरासारी, हदिसारी और सारंग	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	426061.14	49,707.13	शून्य	हो		
45	वर्ष 2021-22 के दौरान गन्नी के मौसम में पानी की आपूर्ति गांव दत्तार गांधी सगर और टावर आदिवासी सारी।	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	292940.60	41,499.92	शून्य	हो		
46	ग्राम अंगुल बलामलाला और सनमलाला में गन्नी के मौसम में पानी की आपूर्ति।	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	536617.38	98,379.85	शून्य	हो		
47	गांव बलालसारी में गन्नी के मौसम में पानी की आपूर्ति	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	335385.95	61,487.41	शून्य	हो		
48	गन्नी के मौसम में गांव नकोपारी में पानी की आपूर्ति	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	426061.14	61,749.70	शून्य	हो		
49	ग्राम कलामपुर, पुरनासारी, नायकसारी, एकताली आदि को गन्नी के मौसम में पानी की आपूर्ति	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	600667.20	1,40,155.68	शून्य	हो		
50	ग्राम सनयडसारासारी, सोलाद को गन्नी के मौसम में पानी की आपूर्ति	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	108514.00	93,012.34	शून्य	हो		
51	ग्राम बरपाली में गन्नी के मौसम में पानी की आपूर्ति	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	120	310511.81	36,226.38	शून्य	हो		
52	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जम्बुसली गांव को घातु उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	122	5,00,624.00	1,65,883.50	शून्य	हो		
53	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नुआ सारी, पबतपुर एवं लोभनपुर गांव को घातु उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	122	5,88,013.00	2,17,322.00	शून्य	हो		
54	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव बडसिंधा एवं सनासिंधा गांव को घातु उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	मद संख्या.1	हो	आंध्रिशा अंगुल	122	4,83,706.00	1,20,926.50	शून्य	हो		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियाँ से संबंधित पर्यटन	स्थानीय क्षेत्र	राज्य	परियोजना का स्थान जिला	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)	घातु वितीय रूप में खर्च की गई राशि (रुपये में)	घातु 13(0) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित संसाधन बजट में प्रतिशतित राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (संलग्न)	कार्यान्वयन नाम	सोपसआर योजना संख्या
55	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव गणस, बुढारीपारी और बुढामपुर गांव को घरेलू जल आपूर्ति के लिए पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	122	6,21,907.00	1,55,476.75	शून्य	हो		
56	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कुंजी एवं बुढारी पुनवास कालीनी के गांव को घरेलू जल आपूर्ति के लिए पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	122	8,45,353.00	69,291.23	शून्य	हो		
57	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम उदीपाड़ा (वार्ड 10, मन्दीरवा शाही एवं बल्ल शाही) को घरेलू जल आपूर्ति के लिए पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	123	8,51,699.57	55,849.15	शून्य	हो		
58	वर्ष 2021 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम उदीपाड़ा (वार्ड 10, मन्दीरवा शाही, जगन्ना शाही, कुंमरा शाही, मानर शाही, गौडपाड़ा शाही) को घरेलू जल आपूर्ति के लिए पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	122	8,95,802.00	58,741.12	शून्य	हो		
59	एनसीएल जगन्नाय क्षेत्र के सोपसआर कार्यक्रम के तहत घटापाड़ा गांव के पास चौराहे पर रोड और फिन (आजोमी) के निर्माण का परियोजना पर्यवेक्षण	मद संख्या 10	हो	ओडिशा	अंगुल	61	22,36,756.00	52,12,331.00	शून्य	हो		
60	अंगुल और उसके आसपास शहरी क्षेत्रों में जल आपूर्ति के लिए पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 4	नहीं	ओडिशा	अंगुल	36	15,78,950.00	25,42,668.00	शून्य	नहीं	डीएफओ, अंगुल	लागू नहीं
61	एनसीएल जगन्नाय क्षेत्र के सोपसआर कार्यक्रम के तहत तावडर कोलफील्ड्स में हरीपुआ चौक से नाली चौक तक सड़क पर एनटीपीसी कम्पेयर से पहले घटापाड़ा गांव के पास चौराहे पर रोड और फिन (आजोमी) का निर्माण	मद संख्या 10	हो	ओडिशा	अंगुल	61	37,21,547.94	51,41,742.99	शून्य	हो		
62	एनसीएल को सोपसआर योजना के तहत माइक शाही, हनुमन्त हार्ड स्कूल, हनुमन्त पुर्णवास स्थल, ड्रा ड्रिजिंग शाही और राडा शाही के लिए टैंकर के माध्यम से 2 साल के लिए वार्षिक पर्यवेक्षण की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	730	38,49,010.85	17,64,300.00	शून्य	हो		
63	वर्ष 2021 (फिज एसी) के लिए कॉन्सिड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जटा, तेलविद्या, छेलिया, कंसमुंडा, जयपुर, आदित्य प्रसाद, मुंडिराली, गुल्मन्दी और मालीपारी को पानी के टैंकर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	120	23,55,963.81	1,75,000.00	शून्य	हो		
64	कॉन्सिड क्षेत्र के सोपसआर के तहत (पुनः निर्माण) पवित्र मोहन स्कूल कॉन्सिड में होल का निर्माण।	मद संख्या 2	हो	ओडिशा	अंगुल	180	27,98,821.84	6,50,000.00	शून्य	हो		
65	वर्ष 2020-21 सिंगराज क्षेत्र (लोकेशन-IV) के लिए 303 दिनों के लिए पानी की कमी वाले गांवों लंगीजाड़ा और अनादीपुर से तावडर अनुसूचित को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	303	13,69,744.00	6,88,624.00	शून्य	हो		
66	वर्ष 2020-21 सिंगराज क्षेत्र (लोकेशन-द्वितीय) के लिए 303 दिनों के लिए पानी की कमी वाले गांवों बाजगांव शाही न्यू बाजगांव न्यू भाई और सोमनाथ नगर तलचर उपखंड के लिए पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	303	10,95,040.00	4,38,016.00	शून्य	हो		
67	वर्ष 2020-21 सिंगराज क्षेत्र (लोकेशन-III) के लिए तालचर अनुसूचित के कॉन्सिड शाही को पानी की कमी वाले गांवों को 303 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	303	16,28,211.20	8,62,951.94	शून्य	हो		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अवधि के गतिविधियों से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय य क्षेत्र	राज्य	परियोजना का स्थान जिला	परियोजना अवधि (दिनांक में)	परियोजना के लिए आवृत्ति राशि (रुपये में)	चाहू वित्तिय बर्ष में वर्ष की गई राशि (रुपये में)	घर 13(6) में अनुसार परियोजना के लिए आवंटित लेखन बर्ष में स्वीकृत राशि (रुपये में)	परियोजना का विवरण - प्रत्यक्ष (सिलसिले)	कार्यान्वयन का तरीका - सीएसआर परीक्षण संख्या
68	सं 2020-21 लिम्वल क्षेत्र (पॉलिगोन 303) दिनों के लिए के लिए पानी की कमी वाले ग्रामीण क्षेत्रों में तालचर अनुसूचित क्षेत्रों के पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	आंध्रप्रदेश	अंगुल	303	8,28,227.84	2,73,315.19	शून्य	हो	
69	सं 2020-21 लिम्वल क्षेत्र (120 दिनों के लिए प्रकृ- म) के लिए तालचर अनुसूचित क्षेत्रों के आंदोलन तालचर और तालचर अनुसूचित क्षेत्रों के पानी की कमी वाले ग्रामीण क्षेत्रों की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	आंध्रप्रदेश	अंगुल	120	4,98,205.44	74,730.82	शून्य	हो	
70	2.5 किमी की लंबाई पर एनएस-149 के साथ सड़क के दोनों किनारों पर डबल का निर्माण।	मद संख्या 10	हो	आंध्रप्रदेश	अंगुल	502	1,38,59,687.14	1,24,73,718.40	शून्य	हो	
71	सं 2020-21 लिम्वल क्षेत्र (पॉलिगोन 303) दिनों के लिए तालचर अनुसूचित क्षेत्रों के आंदोलन तालचर और तालचर अनुसूचित क्षेत्रों के पानी की कमी वाले ग्रामीण क्षेत्रों की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हो	आंध्रप्रदेश	अंगुल	303	8,26,944.00	2,72,891.52	शून्य	हो	
72	तालचर स्तंभ, अंगुल के अंतर्गत संस्थापना और उसके आसपास के गांवों को ग्रामीण पाक्य जलापूर्ति योजना।	मद संख्या 1	नहीं	आंध्रप्रदेश	अंगुल	1460	9,00,91,949.00	2,18,86,302.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, अंगुल
73	अंगुल जिले के तालचर और कनिसे प्रखंड के 35 गांवों के लिए 2 पाइप जलापूर्ति योजनाएं।	मद संख्या 1	नहीं	आंध्रप्रदेश	अंगुल	2190	55,05,57,632.00	7,44,21,131.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, अंगुल
74	तालचर स्तंभ, अंगुल के अंतर्गत ग्रामज और उसके आसपास के गांवों के लिए ग्रामीण पाक्य जलापूर्ति योजना।	मद संख्या 1	नहीं	आंध्रप्रदेश	अंगुल	1460	4,78,95,586.00	28,049.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, अंगुल
75	लोखारो रूडर अत्याधिक नती दिवालय, कुंडोपाली, बरगढ़ में छायादार भवन का निर्माण।	मद संख्या 2	नहीं	आंध्रप्रदेश	बरगढ़	730	21,27,151.00	10,63,575.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, बरगढ़
76	सीएसआर के तहत सांख्यिक केंद्र, चीनी मिल रोड, तिरा, बरगढ़ का निर्माण।	मद संख्या 10	नहीं	आंध्रप्रदेश	बरगढ़	730	22,66,618.00	11,07,809.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, बरगढ़
77	नयीपाली, बोजपुर, स्तंभ, बरगढ़ में पंचायत सड़ स्तांभ, कक्षा का निर्माण।	मद संख्या 2	नहीं	आंध्रप्रदेश	बरगढ़	730	21,00,000.00	2,10,000.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, बरगढ़
78	जौन रोड स्कूल, बरगढ़ में समाचार का निर्माण।	मद संख्या 2	नहीं	आंध्रप्रदेश	बरगढ़	730	21,85,000.00	14,20,250.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, बरगढ़
79	कमाल रोड, बरगढ़ में सामुदायिक भवन का निर्माण।	मद संख्या 10	नहीं	आंध्रप्रदेश	बरगढ़	730	9,75,600.00	1,46,340.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, बरगढ़
80	कल्याण मंडर हट्टीपाली जैरा बिज का निर्माण।	मद संख्या 10	नहीं	आंध्रप्रदेश	बरगढ़	730	23,77,365.00	11,88,782.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, बरगढ़
81	जोराली में सामुदायिक केंद्र और बाउंड्री वाल का निर्माण।	मद संख्या 10	नहीं	आंध्रप्रदेश	झारसुगुडा	2920	6,90,00,000.00	2,11,88,026.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, झारसुगुडा
82	आरुंदी में झारसुगुडा में लखनपुर स्तंभ के लिए 252 कार्य स्वीकृत किए।	मद संख्या 10	नहीं	आंध्रप्रदेश	झारसुगुडा	1550	8,17,11,666.67	1,01,36,712.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, झारसुगुडा
83	आरुंदी में झारसुगुडा में लखनपुर प्रखंड के लिए 111 कार्य स्वीकृत किए।	मद संख्या 10	नहीं	आंध्रप्रदेश	झारसुगुडा	1550	3,80,83,000.00	48,55,114.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, झारसुगुडा
84	कोलाबारा, लड़कियां, भिरनोरी और झारसुगुडा प्रखंड में विकास कार्य के लिए अतिरिक्त राशि।	मद संख्या 10	नहीं	आंध्रप्रदेश	झारसुगुडा	1825	6,72,00,000.00	17,16,557.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, झारसुगुडा
85	प्रमोदपुर की सीएसआर फल के रूप में एनरोपल अधिपति क्षेत्र में रस्ते वाले लवित भूमि सुधवती परिवार को स्थानीय आजीविका प्रदान करना।	मद संख्या 2	नहीं	आंध्रप्रदेश	झारसुगुडा	1095	14,22,00,000.00	1,26,00,000.00	शून्य	नहीं	जिल्लाधर, झारसुगुडा
86	डीएसओ चंदका इन्फ्लुएं डिवाजन, बीबीएसआर सं 2017-18 के दौरान बीबीएसआर में वनरोपण गतिविधियों का कार्यान्वयन।	मद संख्या 4	नहीं	आंध्रप्रदेश	खोटा	1460	2,18,83,164.00	55,75,435.00	शून्य	नहीं	डीएसओ, चंदका
87	डीएसओ चंदका इन्फ्लुएं डिवाजन, बीबीएसआर सं 2018-19 के दौरान बीबीएसआर में वनरोपण गतिविधियों का कार्यान्वयन।	मद संख्या 4	नहीं	आंध्रप्रदेश	खोटा	1460	2,99,98,600.00	23,01,064.00	शून्य	नहीं	डीएसओ, चंदका

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान राज्य जिला	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)	चासु वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	पाठ 13(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित संयोजन खर्च में स्वस्थिति में राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का नाम	कार्यान्वयन का तरीका - सीएसआर पंजीकरण संख्या
88	डीएफओ, नगर दम विभाग, भुवनेश्वर द्वारा वर्ष 2018-19 के दौरान वनरोपण गतिविधियों का कार्यान्वयन	मृद संख्या 4	नहीं	ओडिशा खारदा	1460	2,41,64,720.00	44,26,899.00	शून्य	नहीं	डीएफओ, नगर	लागू नहीं
89	अर्थात शहरी वनरोपण प्रयास	मृद संख्या 1	नहीं	ओडिशा खारदा	451	1,21,79,40,100.00	1,20,74,40,100.00	शून्य	नहीं	एनएसएम अन्यदाता	लागू नहीं
90	सुप्त अस्पताल, भुवनेश्वर में कोविड-19 अस्पताल का संचालन	मृद संख्या 10	नहीं	ओडिशा नुआपाड़ा	730	5,71,00,000.00	1,24,47,977.00	शून्य	नहीं	जिल्सचोरा, नुआपाड़ा	लागू नहीं
91	विज्ञान की योजना के तहत परियोजनाएं।										
92	कालापरिद, संबलपुर में समाचार का समापन	मृद संख्या 5	नहीं	ओडिशा संबलपुर	1460	28,77,800.00	33,76,000.00	शून्य	नहीं	जिल्सचोरा, संबलपुर	लागू नहीं
93	संबलपुर के जुड़बूट ब्लॉक के फूलझरणा में महिलाओं के लिए युवाश्रम का निर्माण	मृद संख्या 3	हां	ओडिशा संबलपुर	622	72,76,277.00	53,73,967.31	शून्य	हां		
94	गांव बसतपुर के विकास के लिए अंगनवाड़ी स्तु	मृद संख्या 10	हां	ओडिशा संबलपुर	241	1,13,46,402.44	51,05,881.10	शून्य	हां		
95	कार्यालय व्यापक योजना	मृद संख्या 2	हां	ओडिशा संबलपुर	180	28,53,369.07	28,53,369.07	शून्य	हां		
96	संबलपुर विभागपालय के महिला छात्रावास के परिसर के अंदर परिसर की दीवार और कंक्रीट का निर्माण कार्य	मृद संख्या 2	हां	ओडिशा संबलपुर	2104	5,47,26,774.81	76,93,477.20	शून्य	हां		
97	श्री अरविंदो इंडिया एग्रीकल्चर एंड रिसर्च सेंटर, बुलौ	मृद संख्या 2	हां	ओडिशा संबलपुर	215	22,51,936.75	15,72,929.14	शून्य	हां		
98	संबलपुर में अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण	मृद संख्या 2	हां	ओडिशा संबलपुर	150	13,66,476.47	68,323.82	शून्य	हां		
99	संबलपुर में जल शोधन संयंत्र का निर्माण	मृद संख्या 1	नहीं	ओडिशा संबलपुर	3285	8,62,10,000.00	1,10,44,563.00	शून्य	नहीं	जिल्सचोरा, संबलपुर	लागू नहीं
100	स्वाधीनता संग्राम (स्वतंत्रता संग्राम) होल, संबलपुर के ऊपर पब्लिक मंडल का निर्माण	मृद संख्या 5	नहीं	ओडिशा संबलपुर	730	32,98,000.00	12,05,200.00	शून्य	नहीं	जिल्सचोरा, संबलपुर	लागू नहीं
101	सौराष्ट्र के अंदर को नियंत्रित करने के लिए उपकरणों की आपूर्ति	मृद संख्या 4	नहीं	ओडिशा संबलपुर	1460	4,77,500.00	72,000.00	शून्य	नहीं	जिल्सचोरा, संबलपुर	लागू नहीं
102	सबसे, संबलपुर के पास पतित बेल पांडिया (बेल का भंडार) में बेल सुविधा का विकास	मृद संख्या 7	नहीं	ओडिशा संबलपुर	365	38,80,000.00	5,50,035.00	शून्य	नहीं	जिल्सचोरा, संबलपुर	लागू नहीं
103	एनसीएल के सीएसआर के तहत सेंट जोसेफ कोन्वेंट शहर सेंकरी स्थल, एसबीपी के स्थूल परिसर के विनाश संयंत्र और नाले का नवीनीकरण	मृद संख्या 2	नहीं	ओडिशा संबलपुर	1460	10,90,574.63	1,63,586.00	शून्य	नहीं	जिल्सचोरा, संबलपुर	लागू नहीं
104	बुलौ में बेल परिसर का निर्माण	मृद संख्या 7	नहीं	ओडिशा संबलपुर	2555	25,00,00,000.00	2,00,00,000.00	शून्य	नहीं	जिल्सचोरा, संबलपुर	लागू नहीं
105	विज्ञान व्यापार (प्रीडिक्टिव) को ई-रिक्शा प्रदान करने, स्वरोजगार का प्रवर्धन	मृद संख्या 2	नहीं	ओडिशा संबलपुर	730	25,08,807.00	17,85,000.00	शून्य	नहीं	जिल्सचोरा, संबलपुर	लागू नहीं
106	डीएफओ संबलपुर वन्यजीव प्रभाग द्वारा वर्ष 2017-18 के दौरान वनरोपण गतिविधियों का कार्यान्वयन	मृद संख्या 4	नहीं	ओडिशा संबलपुर	1460	57,80,295.00	15,29,873.75	शून्य	नहीं	डीएफओ, संबलपुर	लागू नहीं
107	अर्थात शहरी वनरोपण प्रयास	मृद संख्या 4	नहीं	ओडिशा संबलपुर	1460	83,48,620.00	45,55,190.00	शून्य	नहीं	डीएफओ, संबलपुर	लागू नहीं
108	एनसीएल के सीएसआर के तहत सुंदरगढ़ जिले के हेमगिर प्रखंड के ग्रामीण समुदाय के बीच जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए आधार मंडल का पहल।	मृद संख्या 1	नहीं	ओडिशा सुंदरगढ़	455	23,39,366.00	7,01,810.00	शून्य	नहीं	जिल संग्रहीत न्यास लागू नहीं	लागू नहीं
109	राजस्थान एनआईटी में स्थापित एनसीएल विज्ञान संस्युपेशन (एनटीबीआई)	मृद संख्या 9	नहीं	ओडिशा सुंदरगढ़	365	2,61,00,000.00	1,21,65,829.00	शून्य	नहीं	एनआईटी, राजस्थान	लागू नहीं

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियाँ से संबंधित वर्ग	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्वरूप	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित राशि (रुपये में)	चालू वित्तिय वर्ष में खर्च की गई राशि (रुपये में)	प्रा. 13(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसएम बजट में स्वीकृत राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका - नाम	कार्यान्वयन का तरीका - पंजीकरण संख्या
109	ओरिया झर ओडिशा के 14 जिलों में शैवाल प्लांट का निर्माण	मद संख्या 1	नहीं	ओडिशा अंगुल, बालंगीर, केन्दुआस गंज, गजपति, जयपुर, झारखण्ड, कातापदी, केपामाल, खोर्दा, नयागढ़, रायगढ़, सेवरापुर, सोनपुर	1825	70,67,34,000.00	23,44,000.00	शून्य	ओरिया	लागू नहीं
110	आजीविका बढ़ाने के लिए एमसीएल सतत विकास कार्य की सीएसएम फल के रूप में व्यापक सामुदायिक विकास कार्यक्रम (सीसीडी-डायन)	मद संख्या 2	नहीं	ओडिशा अंगुल, सुंदरगढ़, झारखण्ड और अंगुली	2011	20,28,62,584.00	1,49,58,619.28	शून्य	ओरिया	लागू नहीं
111	तालचर में मंडिकल कॉलेज (एनआईएमएसआर) का निर्माण	मद संख्या 2	नहीं	ओडिशा अंगुल	1825	4,92,62,00,000.00	1,18,55,568.00	शून्य	एनबीसीसी	लागू नहीं
112	विदाय वर्ष 2016-17 के लिए सुंदरगढ़ में आरक्षित स्वीकृत कार्य (शेकरा आरणी लाइन)	मद संख्या 1	हो	ओडिशा सुंदरगढ़	1825	16,29,00,000.00	5,02,58,519.00	शून्य	कलेक्टर	लागू नहीं
	कुल					9,51,18,85,672.40	1,61,26,32,918.53			

टैबल - II

वित्तीय वर्ष में जारी परियोजनाओं के अतिरिक्त अन्य पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की प्रविष्टिओं से संबंधित यस्तुसूची	स्वास्थ्य क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - के माध्यम से
				राज्य	जिला			
1	एकताली उप विधायक झारखंड में तीन स्टास रुम का निर्माण	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	12,76,281.98	हो	नाम सीएसआर पेजीकरण संख्या
2	निधिरा में कक्षा का निर्माण	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	9,79,412.11	हो	
3	सीएसआर के तहत मधुवन नगर, संजोव खदीपड़ा और बुधपाड़ा में पानी के टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारखंड	77,285.56	हो	
4	एसओसीपी, ईवी थली क्षेत्र के पास चिगरीगुड़ा गांव में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारखंड	61,219.20	हो	
5	एसओसीपी के निकट पानी की कमी वाले गांव में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारखंड	7,27,756.40	हो	
6	बुरोपाड़ा नुडापाड़ा लुचरपाड़ा और मधुवन नगर में सर्वमसिद्ध पर के साथ जोरदार उपलब्ध कराया।	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारखंड	2,19,950.26	हो	
7	इजराजानगर नगर पालिका के विभिन्न गांव में वीटीएम के साथ पानी के टैंकर से पेयजल की आपूर्ति।	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारखंड	2,09,321.30	हो	
8	एसओसीपी के निकट गांव लजकुरा में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारखंड	1,09,304.92	हो	
9	सीएसआर के तहत जिला पुलिस कार्यालय में वरिष्ठ नागरिक / संकट और आम जनता के लिए स्वागत केंद्र सह विश्राम कक्षा का निर्माण।	नद संख्या10	हो	ओडिशा	झारखंड	2,97,047.19	हो	
10	छडीमल ग्राम पंचायत के अंतर्गत बरपली बाटिका के भीमगुड़ा स्थान से होते हुए की की साई हाउस से बसुपरा नदी तक सीमेंटड कंक्रीट संकट का निर्माण	नद संख्या0	हो	ओडिशा	झारखंड	564.74	हो	
11	सीएसआर के तहत निधिरा में सामुदायिक केंद्र भवन का निर्माण	नद संख्या10	हो	ओडिशा	झारखंड	17,90,898.87	हो	
12	सीएसआर के तहत रमजा गांव से गोघघोरा गांव तक पक्की सड़क का निर्माण	नद संख्या10	हो	ओडिशा	झारखंड	15,89,911.12	हो	
13	वर्ष 2019-20 के लिए देवगांव के निकट ईवी नदी के तल पर अस्थायी बांध बंध का निर्माण।	नद संख्या4	हो	ओडिशा	झारखंड	7,24,203.01	हो	
14	फेस मार्स्क, सैनिटाइजर और सोडियम हाइपोक्लोराइट की आपूर्ति	नद संख्या12	हो	ओडिशा	झारखंड	10,67,593.00	हो	
15	धाने योग्य मार्स्क की आपूर्ति।	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	12,37,107.00	हो	
16	धाने योग्य मार्स्क की आपूर्ति।	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	12,37,107.00	हो	
17	स्वच्छता से सेवा का पालना।	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारखंड	80,280.00	हो	
18	सोडियम हाइपोक्लोराइट की आपूर्ति	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	40,600.00	हो	
19	सीएसआर के तहत स्वच्छता के लिए श्रमशक्ति की आपूर्ति	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	79,842.70	हो	
20	व्हीचिंग पाउडर की आपूर्ति	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	1,00,300.00	हो	
21	ओरिएट क्षेत्र द्वारा सीएसआर के तहत इजराजानगर कोलेज, इजराजानगर में एसएमएस (छात्र शैक्षिक प्रबंधन प्रणाली) के लिए विशाल कक्षा का निर्माण।	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	1,44,088.14	हो	
22	2 पियाओं का संरक्षण एवं संचालन	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारखंड	57,678.40	हो	
23	छिड़काव मशीन की आपूर्ति	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	24,603.00	हो	
24	ओरिएट क्षेत्र के अंतर्गत कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए पोर्टेबल हैंड सैंडिड ऑपरेटिंग मशीन द्वारा एमसीएल आसपास के गांवों की विभिन्न कॉलोनिजों को मैन्युअल रूप से साफ करना।	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारखंड	2,29,007.00	हो	

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अभिलेख की गतिविधियों से संबंधित वस्तुएँ	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यन्वयन प्रत्यक्ष (हो/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यन्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	संस्था
25	अग्रिस्ट परिया के सीएसआर कार्यों के तहत जननीमुंडा प्राइमरी स्कूल में एक कक्षा और छात्रावली का निर्माण	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	7,69,000.00	हो		
26	महिला नडल द्वारा समुदाय आधारित कार्य	नद संख्या3	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,00,000.00	हो		
27	हिंडू सैनिकाइनर की आपूर्ति	नद संख्या12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	45,878.40	हो		
28	हिंडू सैनिकाइनर की आपूर्ति	नद संख्या12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,40,420.00	हो		
29	ब्लॉकिंग पाउडर की आपूर्ति	नद संख्या12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,12,140.00	हो		
30	सूती फसत मारुक्त की आपूर्ति (8900 नग)	नद संख्या12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	2,64,000.00	हो		
31	180 मिलीलीटर की 3000 हिंडू सैनिकाइनर बोतल की आपूर्ति	नद संख्या12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	69,300.00	हो		
32	सूती फसत मारुक्त की आपूर्ति (5500 नग)	नद संख्या12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	34,790.47	हो		
33	लखनपुर क्षेत्र के प्रभावित गांवों के गरीब सुखसी परिवारों के पुनर्वास के लिए मेगोपाली स्थल के बनियादी ढांचे का विकास	नद संख्या10	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	67,32,677.99	हो		
34	बंयाबल में पोस्तीएस को मज्जा भवन के नवनिर्माण तथा जल आपूर्ति की व्यवस्था	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	70,237.37	हो		
35	कुंडालोई जीपी के गांव कुंडालोई में सामुदायिक केन्द्र का निर्माण	नद संख्या10	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	16,54,495.98	हो		
36	एलकवी ओसीपी के ग्राम तिरिस्मल को 8केएल क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	89,401.52	हो		
37	टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,43,900.76	हो		
38	एलकवी ओसीपी पर गांव करलजोरी और बलियापाली को 8केएल क्षमता के साथ पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,77,259.86	हो		
39	एलकवी ओसीपी में ग्राम लुहरपाड़ा और सलजबल को 8केएल क्षमता के साथ पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,57,685.76	हो		
40	सीएसआर के तहत ग्राम खलबल और लोचपाड़ा में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	80,321.83	हो		
41	सीएसआर के तहत ग्राम दरलोपाली में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	48,610.46	हो		
42	डलगाव काता (तालाब) एवं स्नान सीढ़ियों का सुधार एवं निर्माण	नद संख्या10	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	9,84,313.02	हो		
43	बदबल ग्राम पंचायत में फिल्टर प्लांट के पास कल्याण मंडप एवं सीसी रोड की परिसीमाबाजड़ी वालों का निर्माण	नद संख्या10	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	12,90,000.00	हो		
44	बीआईटी द्वारा 60 दिनों (एसपी-2) के अंतर्गत गांव सुनारी, रमाडा, तिलिया, फटापली, नगीपाली बटमाल, कंसबल, सेन्डमल, चेरकेटा (एसपी-1) में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	9,12,492.02	हो		
45	बीआईएसएम के अंतर्गत जुराबागा, माइपाड़ा और मुयाबल गांवों में 90 दिनों के लिए पेयजल की आपूर्ति (एसपी-8)	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	4,17,631.50	हो		
46	बीआईएसएम अंतर्गत गांव बाघमुंडा, दारुपाली, दारुपाली (मुंडापाड़ा), गोपीपाली और सालेपाली में 90 दिनों के लिए पेयजल आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	7,01,230.00	हो		
47	बीआईटी ने 5 केएल क्षमता वाले पानी के टैंकर द्वारा बेलपहाड़ एवं एसी (लिड 8 लिबी) में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	7,550.00	हो		
48	बीआईटी के अंतर्गत ग्राम बेलपहाड़ एनएसी, लखनपुर प्रखंड, जगदलपुर (एसपी-11) को 60 दिनों के लिए पेयजल आपूर्ति (एसपी-3)	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	4,75,781.90	हो		
49	बीआईटी के तहत गोपीपाली, तालीबल, निमतालीपाड़ा, बलियामुंडा (एसपी-IV) गांवों में 60 दिनों के लिए पेयजल की आपूर्ति (एसपी-4)	नद संख्या1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	5,68,376.50	हो		
50	दलगाव जीपी के अंतर्गत स्नेहमल काता (तालाब) का सुधार एवं स्नान सीढ़ियों का निर्माण	नद संख्या10	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	10,23,095.24	हो		
51	सीएसआर के तहत ग्राम खलबल और लोचपाड़ा में पेयजल की आपूर्ति	नद संख्या2	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	15,22,605.65	हो		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अतिविधियों की संश्लिष्ट वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपय में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हॉनरी)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन सेव्या के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सौस्तर पंजीकरण संख्या
52	एलकेपी ओसीपी सीएसएम में गांव पुराने बैरकुली, बुचापडा, जयचिदिया और चगापाडा में पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	5,01,795.00	हॉ		
53	बजारी ग्राम पंचायत के बजारी में कल्याण मंडप का निर्माण	मद संख्या।0	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	17,48,917.52	हॉ		
54	बजारी ग्राम पंचायत के बजारी में कल्याण मंडप का निर्माण	मद संख्या।0	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	17,58,953.68	हॉ		
55	बजारी ग्राम पंचायत के जयचिदिया में कल्याण मंडप का निर्माण	मद संख्या।0	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	17,40,393.51	हॉ		
56	एलकेपीए (एसीपी -6) के अंतर्गत एलकेपी ओसीपी में कुडालोई, चिंगरीगुडा, सिद्धुआपाडा, गंगापाडा, दलदेरा, भोलामत, छकलीपाडा और बाजारपाडा गांवों में पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	6,58,467.50	हॉ		
57	बीआईटी के अंतर्गत बांजीबुध, विपलिकाती, सतलग, चटलांग, डेलीकुप, पडापती, ओल्ड डेलीकुप, फाटा, करपवाहल, धुनेलिसी, बरगडा, खादिमुंडा, खमरडीही, चादम, चिरासाम (फेज-1) गांवों को 60 टिनो के लिए पेयजल की आपूर्ति (गोष्ठाकालीन प्रोजेक्ट-1)	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	10,64,129.90	हॉ		
58	बीआईटी/एलकेपीए में लिमदालिया पाडा और खलियायुंडा (लॉड 8 किमी) में 5 कएल क्षमता वाले पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति।	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	1,875.00	हॉ		
59	गोपीपाली में पानी के टैंकर से पेयजल की आपूर्ति (लॉड 15 किमी) -	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	5,840.00	हॉ		
60	बीआईटी में 5 कएल क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा फाटा गांव (लॉड 4 किमी) में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति।	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	4,325.50	हॉ		
61	बीआईटी/एलकेपीए में 05 कएल क्षमता वाले पानी के टैंकर द्वारा करपवाहल, धुनेलीपी और बरगडा (लॉड 2-4 किलोमीटर) में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	5,445.00	हॉ		
62	बीआईटी में 12 कएल क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा दोलगाव पंचायत (लॉड 11 किमी) के तहत नंगीपाली, यडीनल, कंसवाहल, सेरुमल और चेरकाटा में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति।	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	1,124.00	हॉ		
63	बीआईटी/एलकेपीए में 12 कएल क्षमता वाले पानी के टैंकर द्वारा लखनपुर ब्लॉक (लॉड 15 किमी) में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति।	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	1,041.00	हॉ		
64	बीआईटी में 12 कएल क्षमता वाले पानी के टैंकर द्वारा सुतारी जीपी (लॉड 20 किमी) में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	2,828.00	हॉ		
65	तलीपाडा में गौडापाडा तक मुख्य सड़क के दोनों ओर ड्रन सिस्टम से जोड़ने वाली सड़क पर क्लीट वाली सड़क का निर्माण	मद संख्या।0	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	47,92,560.70	हॉ		
66	बाधवाहाल ग्राम पंचायत के शांति नगर में नाली का निर्माण	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	11,70,560.06	हॉ		
67	बीओसीएम के तहत स्वच्छ अभियान के तहत 29 शौचालयों के लिए पी एंड एन जलपति व्यवस्था	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	76,503.16	हॉ		
68	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	2,31,280.00	हॉ		
69	कोविड-19 के लिए आईआर थर्मामीटर की आपूर्ति	मद संख्या।2	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	13,500.00	हॉ		
70	कोविड-19 के लिए स्टाफ नर्स (संविदात्मक) को मानदेय का भुगतान	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	26,000.00	हॉ		
71	स्टाफ नर्स को दिनांक 28.09.20 से 27.10.20 की अवधि के लिए संविदात्मक मानदेय का भुगतान	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	29,000.00	हॉ		
72	संविदा स्टाफ नर्स को दिनांक 28.10.2020 से 26.11.2020 की अवधि के लिए मानदेय का भुगतान	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	30,000.00	हॉ		
73	कोविड-19 अस्पताल के लिए रेगिस्ट्रार की आपूर्ति	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	21,200.00	हॉ		
74	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	10,500.00	हॉ		
75	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति	मद संख्या।	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	10,500.00	हॉ		
76	कोविड-19 के दौरान मास्क की आपूर्ति	मद संख्या।2	हॉ	ओडिशा	झारसुगुडा	12,248.78	हॉ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की शक्तों/विधियों से संबंधित धनसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए कार्य की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यप्रणाली (लॉन्ग)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
77	कोविड-19 के लिए स्टॉक नर्स (संविदात्मक) को मानदेय का भुगतान	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	26,000.00	हो		
78	कोविड-19 के लिए स्टॉक नर्स (संविदात्मक) को मानदेय का भुगतान	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	26,000.00	हो		
79	सोविदा स्टॉक नर्स को दिनांक: 28.09.20 से 27.10.20 की अवधि के लिए मानदेय का भुगतान	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	30,000.00	हो		
80	सोविदा स्टॉक नर्स को दिनांक 28.10.2020 से 26.11.2020 की अवधि के लिए मानदेय का भुगतान	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	28,000.00	हो		
81	कोविड-19 के लिए मृत शरीर रखने हेतु धन की आपूर्ति	नंद संख्या 12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	15,340.00	हो		
82	कोविड देखभाल केंद्र के लिए सामग्री की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	22,697.30	हो		
83	अस्पताल में कोविड-19 के लिए सफाई सामग्री की खरीद	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	2,32,735.00	हो		
84	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,12,500.00	हो		
85	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	3,66,730.00	हो		
86	सीएसआर के तहत लखनपुर क्षेत्र के लिए वाटर शुल्क सह शौचक की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,73,460.00	हो		
87	कोविड-19 के लिए स्टॉक नर्स (संविदात्मक) को मानदेय का भुगतान	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	13,000.00	हो		
88	दिनांक: 28.09.20 से 27.10.20 तक की अवधि के लिए मानदेय का भुगतान	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	30,000.00	हो		
89	दिनांक: 28.10.2020 से 26.11.2020 तक की अवधि के लिए मानदेय का भुगतान	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	30,000.00	हो		
90	कोविड-19 के लिए तैनात पुलिस कर्मियों के लिए स्वास्थ्य सामग्री की खरीद	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	16,800.00	हो		
91	सीएसआर के तहत कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की खरीद	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	4,07,120.00	हो		
92	सीएसआर के तहत कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की खरीद	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	18,30,506.00	हो		
93	सीएसआर के तहत कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की खरीद	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	73,736.25	हो		
94	सीएसआर के तहत कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की खरीद	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	2,24,988.76	हो		
95	सीएसआर के तहत एलकेपीए में कोविड-19 के दौरान सूती मास्क की आपूर्ति	नंद संख्या 12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	2,52,000.00	हो		
96	कोविड-19 अस्पताल के लिए फर्नीचर की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,07,757.60	हो		
97	कोविड देखभाल केंद्र में कार्यरत स्टॉक नर्स को मानदेय का भुगतान	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	26,000.00	हो		
98	एन-95 मास्क की खरीद	नंद संख्या 12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	89,460.00	हो		
99	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	4,15,968.00	हो		
100	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	3,81,528.00	हो		
101	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	2,47,266.60	हो		
102	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की खरीद	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	4,850.00	हो		
103	कोविड स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की रिफिलिंग हेतु भुगतान	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	6,160.00	हो		
104	सीएसआर के तहत वरिष्ठ नागरिकों को वितरण हेतु स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	1,19,906.00	हो		
105	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की खरीद	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	6,696.00	हो		
106	कोविड-19 स्वास्थ्य केंद्र के लिए IV सलास स्टैंड की आपूर्ति	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	54,280.00	हो		
107	कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की खरीद	नंद संख्या 1	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	2,09,000.00	हो		
108	कोविड-19 के लिए फेस शील्ड की आपूर्ति	नंद संख्या 12	हो	ओडिशा	झारसुगुडा	11,160.00	हो		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन प्रत्यक्ष (हो/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	पंजीकरण संख्या
109	केयसीरा गांव में सड़क किनारे बिजली (स्ट्रीट लाइट) (20 नंबर) की आपूर्ति	मद संख्या 10	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	2,51,340.00	हैं		
110	बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए टिकिलोपारा एवं सरडेगा आर एंड आर गांव को टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,76,560.70	हैं		
111	बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए खमरपारा गांव में टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,03,683.81	हैं		
112	बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए गोपालपुर गांव को टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,68,976.88	हैं		
113	बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए कुलदा एवं चैतलगाड़ी/बांकीबल गांवों में टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,50,538.81	हैं		
114	बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए सियारमल गांव में टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,36,343.84	हैं		
115	बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए टुमूलिया गांव में टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	2,73,640.24	हैं		
116	बीजी क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए गजबल गांव में टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,62,500.07	हैं		
117	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए टैंकर के माध्यम से बांगुरकेला और कालिकावर गांव में पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,94,729.29	हैं		
118	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए बरपाली गांव और आर एंड आर साइट को टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,15,401.60	हैं		
119	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए कुस्तीरा गांव में टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,33,771.31	हैं		
120	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए टैंकर के माध्यम से बालिंगा (वरपाली रोड साइट) गांव में पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,05,845.63	हैं		
121	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए टैंकर के माध्यम से ददुका गांव में पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,51,279.52	हैं		
122	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए टैंकर के माध्यम से कालेपल्ली गांव में पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	98,688.59	हैं		
123	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए टैंकर के माध्यम से सारंगीझरिया गांव में पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,36,201.69	हैं		
124	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए सुमुरा गांव में टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,46,053.30	हैं		
125	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए टैंकर के माध्यम से गांजेबढ़ गांव में पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,13,869.96	हैं		
126	बसुधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत वर्ष 2020 के लिए टैंकर के माध्यम से गांजेबढ़ गांव में पेयजल की आपूर्ति	मद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,45,286.58	हैं		
127	रतनपुर (मैरपाड़ा) गांव में सड़क किनारे प्रकाश प्रबंध (स्ट्रीट लाइट) आपूर्ति करना	मद संख्या 10	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	3,36,300.00	हैं		
128	सांयुगाधिक केंद्र, रतनपुर (मैरपाड़ा) गांव का निर्माण	मद संख्या 10	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	8,24,426.40	हैं		
129	बारपलाई आर एंड आर यूपी विधानसभा के भवन में पेयजल, नालियों का निर्माण एवं रंगई का प्रावधान	मद संख्या 2	हैं	ओडिशा	सुंदरगढ़	7,12,765.98	हैं		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अभियान की गतिविधियों से संबंधित व्ययवृत्ति	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए वर्ष की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (होना/होना)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
130	रतनसारा गांव में सोलर स्ट्रीट लाइट (30 नम) उपलब्ध कराना	नद संख्या 10	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	4,09,770.00	हो		
131	रतनसारा गांव में तालाब का जीर्णोद्धार	नद संख्या 4	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	4,03,488.04	हो		
132	टिकिलीपारा आर एच आर गांव में मंजूर की मरम्मत	नद संख्या 10	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	3,23,369.31	हो		
133	खमारपारा में मौजूदा स्नान घाटी की मरम्मत और नए स्नान घाटी (2 नम) का निर्माण	नद संख्या 10	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	8,14,994.40	हो		
134	बसुंधरा की सीएसआर योजना के तहत गर्लस हाई स्कूल प्राथमिक विद्यालय की मरम्मत एवं रखरखाव	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	3,49,099.80	हो		
135	रतनपुर हाई स्कूल एवं प्राइमरी स्कूल की मरम्मत एवं रखरखाव	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	16,91,689.41	हो		
136	रतनसारा प्राथमिक विद्यालय की मरम्मत एवं रखरखाव	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,74,568.68	हो		
137	गोपालपुर प्राथमिक विद्यालय की मरम्मत एवं रखरखाव	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	2,06,733.79	हो		
138	तेलंडी प्राथमिक विद्यालय की मरम्मत एवं रखरखाव	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	2,53,784.25	हो		
139	हनुमन्तल प्राथमिक विद्यालय की मरम्मत एवं रखरखाव	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	4,48,013.47	हो		
140	सुमेलिया हाई स्कूल की मरम्मत एवं रखरखाव	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	12,80,196.82	हो		
141	सुमारमल प्राथमिक विद्यालय की मरम्मत एवं रखरखाव	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	2,83,647.58	हो		
142	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत प्रवासी मजदूरों को गृह उपलब्ध बनाने के लिए आश्रय देने हुए स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना।	नद संख्या 1	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	3,49,400.00	हो		
143	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत कोरोना वायरस की रोकथाम के उपाय करने के लिए 10000 सजिले मास्क की खरीद	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	2,99,250.00	हो		
144	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत हेमगौर प्रकंड में कोविड लॉकडाउन से प्रभावित 300 ग्रामीण परिवारों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,38,870.00	हो		
145	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत हेमगौर प्रकंड में कोविड लॉकडाउन से प्रभावित 268 ग्रामीण परिवारों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना	नद संख्या 2	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,24,057.20	हो		
146	स्वच्छता की सेवा 2020 का पालन	नद संख्या 1	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	69,208.00	हो		
147	बसुंधरा क्षेत्र की परिधि में रहने वाले गरीब और जरूरतमंद लोगों को कंबल का वितरण	नद संख्या 1	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,98,400.00	हो		
148	बसुंधरा क्षेत्र की सीएसआर योजना के तहत दुर्गंगा गांव में सामुदायिक केंद्र की धुलाई एवं सेंटिंग	नद संख्या 10	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,61,800.17	हो		
149	बेनसारा गांव में सामुदायिक केंद्र का निर्माण	नद संख्या 10	हो	ओडिशा	सुंदरगढ़	85,008.80	हो		
150	वर्ष 2020 के लिए तालचर क्षेत्र (पैकेज V) 120 दिनों के लिए तालचर अनुमंडल के ग्राम मुख्यालय को पानी की आपूर्ति।	नद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	14,39,807.52	हो		
151	वर्ष 2020 के लिए तालचर क्षेत्र (पैकेज VII) में 120 दिनों के लिए तालचर अनुमंडल के मुख्यालय, कातोकोलिया, गोपालबल्लपुर और रंगमटिया गांवों को पानी की आपूर्ति।	नद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	9,74,412.80	हो		
152	वर्ष 2020 के लिए तालचर क्षेत्र (पैकेज VI) में 120 दिनों के लिए तालचर अनुमंडल के ग्राम सिरिगिछा में पानी की आपूर्ति।	नद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	6,87,088.40	हो		
153	वर्ष 2020 के लिए तालचर क्षेत्र के अनुमंडल के ग्राम सुहृदी, गोदीबांशा चक डंडी और जेलपाड़ा में पानी की आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	6,38,278.00	हो		
154	वर्ष 2020 के लिए तालचर क्षेत्र के अनुमंडल के राधारमणपुर एवं बलनाथपुर को जल आपूर्ति	नद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	8,73,909.60	हो		
155	वर्ष 2020 के लिए तालचर क्षेत्र (पैकेज-III) (120 दिनों के लिए तालचर अनुमंडल के गांवों रघुनाथपुर और धीरारामचंदपुर को पानी की आपूर्ति।	नद संख्या 1	हो	ओडिशा	अंगुल	8,74,883.20	हो		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अतिरिक्त की गतिविधियों से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए वर्ष की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हॉ/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सौरसमय एकीकरण संख्या
156	तालचंद क्षेत्र की सौरसमय गतिविधियों के अंतर्गत अजुनकाटा जंक्शन से मांजूदा किशोरीपाल गांव की सड़क को 720.00 मीटर लंबा चौड़ा करना।	मद संख्या 10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,00,000.00	हॉ		
157	आर्थिक रूप से गरीब वर्ग के लोगों को केबल और अन्य दैनिक उपयोगिताओं का वितरण।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	80,000.00	हॉ		
158	सिन्धुटी पेड़ का वितरण	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	5,900.00	हॉ		
159	एलडब्ल्यूपी स्कूल, डेरा के लिए सहायता अनुदान	मद संख्या 2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	3,70,000.00	हॉ		
160	एलडब्ल्यूपी स्कूल, नंदीरा के लिए सहायता अनुदान	मद संख्या 2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	3,02,400.00	हॉ		
161	अपेक्षित का शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	28,33,689.45	हॉ		
162	स्वच्छता ही सेवा/स्वच्छता महोत्सव 2020	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	57,299.98	हॉ		
163	वर्ष 2020 के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में गांव बड़जोराडा में पानी की आपूर्ति (पैकेज-1)	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,28,881.14	हॉ		
164	वर्ष 2020 के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में गांव सजोराडा, कणपुर और नाटिडा में पानी की आपूर्ति (पैकेज-2)	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	10,11,023.91	हॉ		
165	प्रतिभा महिला मंडल हिंगुला क्षेत्र द्वारा कल्याणकारी गतिविधियों पर व्यय	मद संख्या 2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,00,000.00	हॉ		
166	वर्ष 2019-20 के लिए हिंगुला क्षेत्र के सौरसमय कार्यों के तहत सांकोशिया हाई स्कूल सांकोशिया गांव में बाइडी बॉल का निर्माण	मद संख्या 2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,95,000.00	हॉ		
167	बलराम एसटीपी से कल्याणपुर गांव से 100 मीटर दूर नदी तट पर एक पक्के नाले का निर्माण	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	7,20,760.76	हॉ		
168	बलरामएसटीपी से कल्याणपुर गांव तक सड़क का सुधार (4 किमी)	मद संख्या 10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	40,00,000.00	नहीं	जिलाधीन, अंगुल	लागू नहीं
169	जिला महोत्सव अंगुल-2020 के लिए, मशाल शोभा यात्रा से संबंधित व्यय	मद संख्या 5	हॉ	ओडिशा	अंगुल	78,413.00	हॉ		
170	हिंगुला क्षेत्र के लिए 200 किलो फिटकरी की खरीद	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	23,600.00	हॉ		
171	ग्रामीण क्षेत्र के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मल्लीबांधा, नुआमुदिन, अंतगडिया और जम्भुधारा में पानी की आपूर्ति (पैकेज-13)	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	8,99,999.78	हॉ		
172	ग्रामीण क्षेत्र के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव न्यू गोपालपुर, न्यू अंतगडिया, कल्याणपुर और कुपुनपाल को पानी की आपूर्ति (पैकेज-12)	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	10,34,931.74	हॉ		
173	ग्रामीण क्षेत्र के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भानुगडिया को पानी की आपूर्ति (पैकेज-11)	मद संख्या 10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	4,98,063.84	हॉ		
174	हिंगुला क्षेत्र के सौरसमय कार्यों के तहत निशा गांव के सामुदायिक केंद्र का निर्माण	मद संख्या 10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	4,97,385.11	हॉ		
175	हिंगुला क्षेत्र के सौरसमय कार्यों के तहत निशा गांव के निशा बाजार चौक के सामुदायिक केंद्र का निर्माण	मद संख्या 10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	5,70,042.96	हॉ		
176	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेलोपुर, तेलोपुर हरिजनसाही, तेलोपुर सिन्धुपालसाही और बरिया को पानी की आपूर्ति (पैकेज-03)	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,69,954.38	हॉ		
177	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत गांव सोलाडा को पानी की आपूर्ति (पैकेज-18)	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	19,70,176.42	हॉ		
178	ग्रामीण क्षेत्र के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चितलपुर कुपुंडा नकीपासी, हदीसाही, कुपुंडा हदीसाही, मरहरिहरपुर और अंबापुरी को पानी की आपूर्ति (पैकेज-16)	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	11,84,461.34	हॉ		
179	ग्रामीण क्षेत्र के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बनसरपुर एल बांधासर को पानी की आपूर्ति (पैकेज-15)	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	10,01,748.99	हॉ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अतिनिम्न की गतिविधियों से संबंधित यत्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हो/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	संरचना संख्या
180	गर्मी के मौसम 2020 के दौरान एचए (पैकेज संख्या 14) के तहत ग्राम गोपाल प्रसाद, गोपाल प्रसाद खलीसाही (स्कूल शाही), खमार और पट्टासाही को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	15,02,925.68	हो		
181	गर्मी के मौसम 2020 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कोकरदे, छोटोदेरी और पिछाखन को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	11,13,259.20	हो		
182	गर्मी के मौसम 2020 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मझिका, बोरबरपुर, सोलादा देउलसाही, नथगांव पुलिस चौकी कलामपुरई, पोरपसी कलामपुरन सति हिंगुला रई स्कूल गोलकुला परिवार, थानाल शाही बनिया सही विवापर और अनाभ्यामी को पानी की आपूर्ति। (पैक-04)	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	15,56,761.05	हो		
183	गर्मी के मौसम 2020 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कलामपुरई (हदीसाही, हरिजनसाही, काविकाप्रसाद और कलामपुरन बोरगडिया सति) को पानी की आपूर्ति *। (पैकेज-20)	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	15,21,314.15	हो		
184	गर्मी के मौसम 2020 के दौरान हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कुमुंडा, कुमुंडा तानलासाही, कुमुंडा नुआ तानलासाही, कुमुंडा तनुलीसाही और पुलापाती को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	21,76,222.06	हो		
185	पुलापाती को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	7,58,252.42	हो		
186	पुलापाती को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	19,57,320.26	हो		
187	निशा गांव के रई स्कूल परिसर में 4 कक्षा का निर्माण	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	3,61,610.88	हो		
188	हिंगुला ओसीपी के सौरसभर के अंतर्गत गांव बनबरपुर के तालाब को गहरा किया जा रहा है	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	7,29,938.12	हो		
189	गाम कंधारनी, बालेश्वरसाही आदि को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	3,88,774.82	हो		
190	गांव बारापाती में पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	3,54,838.41	हो		
191	गांव दनारा गाँधी सागर एव दनारा आदिवासी सतिय को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	3,70,581.92	हो		
192	गांव तिलोपासी व खजुरिया में पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	7,14,075.20	हो		
193	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत गांव जोरागडिया, तनारा शाही, हदीसाही को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	6,29,101.36	हो		
194	ब्लास्टिंग सवालन से कलामपुरन गांव के क्षतिग्रस्त मकान को मरम्मत।	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	6,44,768.96	हो		
195	नरकईपासी गांव को रई के तहत पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	9,78,898.94	हो		
196	गाम अंबल, बदामहीताला और सना महीताला को रई के अंतर्गत पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	2,17,374.65	हो		
197	गाम नटला, बडखनन व बोटियानाई में पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	5,22,753.16	हो		
198	एचए के अंतर्गत ग्राम कलामपुरन, पुलासाही, नुआसाही, नुआमुंडा शाही को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	9,06,897.02	हो		
199	बीओसीपी के तहत मझिका गांव के निदिष्ट स्थानों पर घरखू उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	6,96,949.70	हो		
200	एचए के अंतर्गत जमुनाती गांव के बुधारतसाही को पानी की आपूर्ति	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	4,59,427.16	हो		
201	अभ्युत्पत्ती गांव में प्रवेश मार्ग के निकट पक्के नाले का निर्माण	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	7,67,203.07	हो		
202	बीओसीपी एचए के दनारा मध्य शाही पुनर्न पुनर्न पुनर्न पुनर्न नाले का निर्माण	नद संख्या।	हो	ओडिशा	अंगुल	7,76,343.97	हो		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अधिनियम की गतिविधियों से संबंधित वस्तुएँ	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए कार्य की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का प्रत्यक्ष (सीनरि)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
203	बीओसीपी, रघुए के दनारा गांव के कटासाही में आरसीसी नाले का निर्माण	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	7,79,417.13	हॉ		
204	जमुनाली गांव के हिंगुला क्षेत्र के आर एंड आर साइट के पास नुआवंध तालाब का गहरा होना	नद संख्या4	हॉ	ओडिशा	अंगुल	12,91,119.59	हॉ		
205	जमुनाली गांव के दोनों ओर सड़क के किनारे नालों का निर्माण	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	7,13,511.12	हॉ		
206	बीओसीपी के तहत जमुनाली एकतली शाही में रस्सबाटी का निर्माण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	9,47,671.72	हॉ		
207	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत जमुनाली गांव के तालाब खलियामुंडा में स्नान सिटी एवं चोखिंग रूच का निर्माण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,11,457.21	हॉ		
208	हिंगुला क्षेत्र के गांव जमुनाली में कूड़ेदान उपलब्ध कराता एवं लगाना	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,42,124.18	हॉ		
209	बीओसीपी के पास हिंगुला कॉलेज के सामने आरसीसी जल भंडारण टैंक का निर्माण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	99,884.47	हॉ		
210	सीएसआर के तहत कालीमंदिर, जमुनाली के सामने गांव शाही में रस्सबाटी का निर्माण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	10,46,118.18	हॉ		
211	सीएसआर के तहत अब्बाल हाई स्कूल, नटाडा जीपी की चारदीवारी का निर्माण	नद संख्या2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,26,136.67	हॉ		
212	सीएसआर के तहत दनारा गांव में विनोद सागर से दनारा जिली स्टैंडिंग तक कंक्रीट सड़क का निर्माण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	3,34,526.68	हॉ		
213	वर्ष 2018 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव एकदल, (रंजामुंडा शाही, रोड नायक शाही, पुरना शाही, बारापरिया शाही) एवं हिलोई में पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,58,386.98	हॉ		
214	वर्ष 2019 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव नुआसाही, बरल, पसावतीपुर एवं लछमनपुर में पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	5,38,753.20	हॉ		
215	वर्ष 2019 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बडासिघाड़ा एवं सनासिघाड़ा में पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	4,62,508.70	हॉ		
216	वर्ष 2020 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव जन्मसुहाली को पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	5,39,709.00	हॉ		
217	4 माह (मार्च से जून 2020) तक बीए के अंतर्गत गांव छेदीपाडा बंनकुंगी साही, तानवा शाही, कुम्भारा शाही, गोखयात शाही, हरिजन शाही, कैथ शाही, बेहरा शाही, भागार शाही और प्रधान शाही को पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	9,05,889.96	हॉ		
218	वर्ष 2020 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव छेदीपाडा (वाई नं 10) मयुराई शाही एवं भल्ल शाही को पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,11,597.87	हॉ		
219	वर्ष 2020 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव कुदरीपासी एवं बुटबनपुर को पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	10,10,561.30	हॉ		
220	वर्ष 2020 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव कुइयो एवं कुइयो पुनवास कोसली एवं कुइयो हरिजन शाही को पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	8,68,325.08	हॉ		
221	कणपुर में मंदिर व तालाब के बीच नालों का निर्माण	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	17,72,450.00	हॉ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अतिरिक्त की गतिविधियाँ से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए बर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
222	भरतपुर क्षेत्र (आरडीसी वर्क) के अंतर्गत छंदीपाड़ा तहसील कार्यालय में ऊनचला स्वच्छता महिला पंचायत एवं प्रतीक्षालय।	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	11,17,086.00	हॉ		
223	गर्मी में जलापूर्ति के लिए छंदीपाड़ा ओसीसी में पंप का संचालन +	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,00,000.00	हॉ		
224	बाउलपुर आर और आर कोलोनी में नाले और घास काटने की सफाई	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,93,968.44	हॉ		
225	भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत आर और आर कोलोनी बोलपुर में पंप यांत्र्य का दैनिक संचालन पंप यांत्र्य और मोटर का दैनिक संचालन	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,36,480.48	हॉ		
226	पंप यांत्र्य का दैनिक संचालन और आर और आर साइट वीर के लिए पानी की आपूर्ति की रखवाली।	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,39,414.83	हॉ		
227	स्वच्छता (एसएसएस) अभियान के लिए अलग-अलग स्थानों पर बैनर, प्लेकार्ड और अन्य कार्य उपलब्ध कराना	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	85,172.00	हॉ		
228	जगन्नाथ क्षेत्र के तहत एससीएस की सीएसआर पटल के रूप में गुडारा से एससीआई गेट तक दोनों तरफ सीमेंट कंक्रीट नाली सहित विट्रिफाइड सड़क का सुदृढीकरण।	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	2,18,20,299.70	हॉ		
229	एनएससीएस में कोविड-19 अस्पताल के लिए पेशजल की व्यवस्था	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	37,080.00	हॉ		
230	एनएससीएस में कोविड-19 अस्पताल के लिए वाहनों की व्यवस्था	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	55,639.31	हॉ		
231	कोविड-19 योगियों के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	27,38,243.00	हॉ		
232	बालिकाओं के लिए कार्यशाला का आयोजन और वाइप्स और एड्स जागरूकता कार्यक्रम की 31वीं आभासी राष्ट्रीय बैठक	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	74,584.00	हॉ		
233	एनएससीएस में कोविड-19 अस्पताल के लिए चादर, तोलिये, सैनिटाइजिंग अदि से संबंधित व्यय	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,56,03,850.78	हॉ		
234	सीएसआर के तहत नारायण सेवाश्रम के आसपास पाइपलाइन के साथ ओवरहेड टैंक की स्थापना	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	0.12	हॉ		
235	सीएसआर कार्यक्रम के तहत कोविड-19 के खिलाफ लिवरक उपायों के रूप में परिधीय गांवों में वितरित किए जाने वाले दोहरी परत कपड़ा खाले 3000/पांच हजार केसमास्क की आपूर्ति।	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,90,000.00	हॉ		
236	एनएससीएस में कोविड-19 अस्पताल के नए सब-स्टेशन/डीजी सेट का संचालन	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,85,142.00	हॉ		
237	वर्ष 2017 (पीकेजी-6) के लिए जगन्नाथ क्षेत्र के अंतर्गत गांव दिपाइसरावा, तेतुपेई, भंजा कोलोनी एवं गुडारा आदिवासी साही में मोबाइल के माध्यम से अस्थाई पानी की आपूर्ति।	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	0.23	हॉ		
238	वर्ष 2017 के लिए जगन्नाथ क्षेत्र के अंतर्गत रोडशार, चलागढ़, बाघमारा शाही, बाघमारा दुआ साही, स्टेशन बस्ती, घंटापाड़ा हरिजन शाही वार्ड नंबर 1 व 4 के गांवों में मोबाइल के माध्यम से अस्थाई पानी की आपूर्ति (पीकेजी-3)	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	0.35	हॉ		
239	जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत एससीआई के मुख्य सड़क से रेलवे स्टेशन तक संतुलित सीसी सड़क का निर्माण	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	15,295.43	हॉ		
240	वर्ष 2020 के लिए जगन्नाथ क्षेत्र के अंतर्गत सेरिस्पुर (कॉनिहा ब्लोक), पवित्रपुर, दुधुपुर, खटाविलपुर, गौरीपाड़ा अस्पताल एवं पवित्रपुर (नया बलंग) गांवों को पानी के टैंकर के माध्यम से अस्थाई जल आपूर्ति की गई।	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	22,31,616.00	हॉ		
241	जंग के सीएसआर कार्यक्रम के तहत नारायण सेवाश्रम, कुकुडाम में स्वयंसिद्ध पंप के साथ 01 गहरे बोरवेल को बैलना ।	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,83,258.00	हॉ		
242	घंटापाड़ा गांव के दंडलबपा तालाब में स्नान घाट पर मौजूदा सीढ़ियों की मरम्मत और नए सीढ़ियों का निर्माण कराना।	नद संख्या।	हॉ	ओडिशा	अंगुल	384.28	हॉ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	आपूर्ति VII में अधिनियम की मतिविधिओं से संबंधित वस्तुवर्गी	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हो/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सोपनकार संख्या
243	एनएससीएच में कोविड-19 अस्पताल में, नैस सचन के विभिन्न उपकरणों के लिए विजली की आपूर्ति और कनेक्शन।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	3,43,267.42	हो		
244	पीजी छात्रावास के विद्युतीकरण के लिए, एमआईएसआरआर परिसर में स्थापित नए सब-स्टेशन/डीजी सेट का संचालन।	मद संख्या1	हो	ओडिशा	अंगुल	2,02,488.00	हो		
245	एनएससीएच में नए मेडिकल कोर्सिज (एमआईएमएसआर) के लिए व्यय	मद संख्या1	हो	ओडिशा	अंगुल	20,69,331.97	हो		
246	कोविड-19 के विरुद्ध जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों में निवारक उपायों के रूप में वितरित किए जाने वाले 10000 (दस हजार) दोहरी परत वाले कपड़े वाली फेसमास्क की आपूर्ति।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	3,80,000.00	हो		
247	एनएससीएच द्वारा राहत स्वास्थ्य शिविर के लिए दवा की आपूर्ति	मद संख्या1	हो	ओडिशा	अंगुल	59,433.81	हो		
248	जगन्नाथ क्षेत्र के नियोजित तालचर कोलफील्ड्स में स्वच्छता उद्देश्य के लिए फोन केनन मिस्ट क्लोअर और डीजी सेट के माउंटिंग के लिए 24 घंटे इयूटी (2 इंधन और 2 हल्वर के साथ) (एक) टुक जिसका पंजीकरण सं. ओडी 355798 है कि व्यवस्था की गई।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	8,40,494.44	हो		
249	अंगुल में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए, लोकेशन के दौरान 24 घंटे की इयूटी के साथ 25 (पचवीस) दोहरी या समकक्ष वाहनों की व्यवस्था की गई।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	32,39,512.50	हो		
250	कोविड-19 के खिलाफ, सीएसआर कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों में निवारक उपायों के रूप में वितरित किए जाने वाले 5000 (पांच हजार) दोहरी परत वाले कपड़े वाली फेसमास्क की आपूर्ति।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	95,000.00	हो		
251	कोविड-19 के खिलाफ, सीएसआर कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों में निवारक उपायों के रूप में वितरित किए जाने वाले 5000 (पांच हजार) दोहरी परत वाले कपड़े वाली फेसमास्क की आपूर्ति।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	95,000.00	हो		
252	कोविड-19 के विरुद्ध, जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों में निवारक उपायों के रूप में वितरित किए जाने वाले 10000 (दस हजार) दोहरी परत वाले कपड़े वाली फेसमास्क की आपूर्ति।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	1,90,000.00	हो		
253	कोविड-19 के खिलाफ जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों में निवारक उपायों के रूप में वितरित किए जाने वाले 20000 (बीस हजार) दोहरी परत वाले कपड़े वाली फेसमास्क की आपूर्ति।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	3,80,000.00	हो		
254	कोविड-19 के खिलाफ, सीएसआर कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों में निवारक उपायों के रूप में वितरित किए जाने वाले 20000 (बीस हजार) दोहरी परत वाले कपड़े वाली फेसमास्क की आपूर्ति।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	3,95,000.00	हो		
255	कोविड-19 के विरुद्ध, जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों में निवारक उपायों के रूप में वितरित किए जाने वाले 10000 (दस हजार) दोहरी परत वाले कपड़े वाली फेसमास्क की आपूर्ति।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	1,90,000.00	हो		
256	तालचर कोलफील्ड्स के अंतर्गत और आसपास के क्षेत्र को साफ करने की दिशा में फोग केनन के छिड़काव के संचालन सहित डीजी सेट की संचालित करना।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	2,65,500.00	हो		
257	कोविड-19 के खिलाफ, जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों के ग्रामीणों के लिए निवारक उपायों के रूप में 10000 (दस हजार पांच सौ) हेड सेनिटाइजर (शराब आधारित 500 मिली) की आपूर्ति।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	अंगुल	27,67,548.00	हो		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अतिनिम्न की गतिविधियों से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यन्वयन संस्था (सं/नं/ह)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यन्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	संयोजक संख्या
258	जेर के सीएसआर कार्यक्रम के तहत अनन्या महिला मंडल द्वारा साई, धोती आदि की आपूर्ति।	मद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,85,115.00	हॉ		
259	नहरपुर आर एड आर साइट से बीबीएसआरआई ओसीपी, जेर के एनसीएल मोड तक डब्ल्यूपीएम वाली सड़क का विकास।	मद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	4,379.22	हॉ		
260	जगन्नाथ क्षेत्र अंतर्गत सीएसआर कार्यों के तहत मौजूदा पुराने कार्यों की मरम्मत/करत रख प्रदर्शित बोर्ड बनाना।	मद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	31,306.19	हॉ		
261	जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत ड्रा से कंपाउनेटों तक बीटी सड़क का नवीनीकरण।	मद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	7,91,149.61	हॉ		
262	जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत घटापाड़ा हाई स्कूल में सांस्कृतिक पंडाल का निर्माण।	मद संख्या2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	22,351.80	हॉ		
263	सीएसआर योजनाअंतर्गत ग्राम बालेश्वर में 01 गहरे बोरवेल एवं पाइप लाइन का निर्माण।	मद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	22,176.00	हॉ		
264	सीएसआर योजनाअंतर्गत हिलोई गांव के बेहरा शारी में 01 गहरे बोरवेल एवं पाइप लाइन का निर्माण।	मद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	16,501.68	हॉ		
265	एनएससीएच में कोविड-19 अस्पताल को एन-95 मास्क उपलब्ध कराना।	मद संख्या12	हॉ	ओडिशा	अंगुल	2,92,493.26	हॉ		
266	एनएससीएच में कोविड-19 अस्पताल को डिजिटल थर्मामीटर और पल्स ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराना।	मद संख्या12	हॉ	ओडिशा	अंगुल	42,240.00	हॉ		
267	एनसीसीसी द्वारा नवनिर्मित मोडिफाई कॉलेज में कोविड-19 के उद्देश्य से लगे कॉमिटी के लिए आवासीय भूकानों का रखरखाव (45 दिनों के लिए)।	मद संख्या	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,68,469.92	हॉ		
268	वर्ष 2020 के लिए जगन्नाथ क्षेत्र के अंतर्गत चटई हटिया दक्षिण बलदा, बगधर गुंडासाही और खुंडुआसहाल गांवों में पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति।	मद संख्या	हॉ	ओडिशा	अंगुल	16,63,683.53	हॉ		
269	जगन्नाथ क्षेत्र के ग्राम हरिरपुर (कविता प्रबन्ध), दुमुदुगा, सदाशिवपुर एवं गोदीबाधा अस्पताल में वर्ष 2017 के लिए पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति।	मद संख्या	हॉ	ओडिशा	अंगुल	0.42	हॉ		
270	जगन्नाथ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हरिरपुर (कविता प्रबन्ध), दुमुदुगा, सदाशिवपुर एवं गोदीबाधा अस्पताल में वर्ष 2018 (पब्लिक-4) के लिए पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति।	मद संख्या	हॉ	ओडिशा	अंगुल	11,971.68	हॉ		
271	जगन्नाथ क्षेत्र के ग्राम हरिरपुर (कविता प्रबन्ध), पब्लिकपुर, दुमुदुगा, सदाशिवपुर एवं गोदीबाधा अस्पताल में वर्ष 2019 के लिए पानी के टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति।	मद संख्या	हॉ	ओडिशा	अंगुल	0.04	हॉ		
272	जेर के सीएसआर के तहत कोविड-19 के खिलाफ ग्रामीणों के लिए 12000 फस मास्क और सोडियम हाइपोक्लोराइट 5 लीटर की आपूर्ति।	मद संख्या12	हॉ	ओडिशा	अंगुल	13,26,128.00	हॉ		
273	कोविड-19 के खिलाफ सीएसआर कार्यक्रम के तहत परिधीय गांवों में निवारक उपायों के रूप में 10000 (दस हजार) दोहरे परत वाली फेसमास्क की आपूर्ति।	मद संख्या12	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,90,000.00	हॉ		
274	फेसमास्क की आपूर्ति।	मद संख्या	हॉ	ओडिशा	अंगुल	25,30,448.64	हॉ		
275	मंज कालोनी एवं गुडदारा आदियासी साही में मोबाइल के माध्यम से जल की आपूर्ति।	मद संख्या12	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,90,000.00	हॉ		
276	कनिहा क्षेत्र के कविता ओसीपी के अंतर्गत कनिहा तहसील में नगरीय यंत्रोपकरण।	मद संख्या4	हॉ	ओडिशा	अंगुल	5,69,099.65	हॉ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियों से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए वर्ष की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
277	आदित्य प्रसाद गांव के सरकारी जमीन में तालाब की खुदाई	मद संख्या 4	हॉ	ओडिशा	अंगुल	33,722.39	हॉ		
278	कनिस क्षेत्र के कनिस ओसीपी में सीएसआर के तहत जलदा गांव, तेलसिहा, गांव, कसमुंडा गांव में टैंकरी के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	2,25,823.97	हॉ		
279	कनिस क्षेत्र के कनिस ओसीपी के सीएसआर अंतर्गत कनिस प्रखंड के कनिस में कोशल उत्तखन हेतु प्रशिक्षण कक्ष का निर्माण।	मद संख्या 2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	24,21,143.16	हॉ		
280	कनिस क्षेत्र के कनिस ओसीपी के सीएसआर कार्य के तहत कसमुंडा गांव के तलमोसगर तालाब को जोड़ने के लिए नाले की खुदाई का कार्य।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	4,12,977.34	हॉ		
281	सीएसआर के तहत कनिस क्षेत्र के कनिस ओसीपी में 120 दिनों (गर्मी के मौसम) की अवधि के लिए गांव जलदा तेलसिहा, छेलिया, कसमुंडा, जलपुर, आदित्य प्रसाद, गुंदरनाली, गुलेन्दो और मल्लपसी को टैंकरी के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति (सी ईडर-2020)।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	24,64,691.24	हॉ		
282	कनिस ओसीपी के अंतर्गत जलदा तेलसिहा और कसमुंडा गांवों में टैंकरी के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	51,219.07	हॉ		
283	सीएसआर कार्य के तहत कनिस क्षेत्र के कनिस ओसीपी के कनिस प्रखंड के अरकिल हार्ड स्कूल में खेल के मैदान की बाजड़ी बाल का निर्माण।	मद संख्या 2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	11,74,990.57	हॉ		
284	सीएसआर कार्य के तहत कनिस क्षेत्र के कनिस ओसीपी के कनिस ओसीपी के तहत कनिस क्षेत्र के कोवाघा के परिसर की दीवार का निर्माण।	मद संख्या 0	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,78,938.19	हॉ		
285	सीएसआर के तहत कनिस क्षेत्र के कनिस ओसीपी के कामरेई जैपी के तेलसिहा गांव में टैंकरी व धोबीघाट को गहरा करवा और झरना।	मद संख्या 0	हॉ	ओडिशा	अंगुल	4,53,500.98	हॉ		
286	सीएसआर कार्य के तहत कनिस क्षेत्र के कनिस ओसीपी में कामरेई गांव पंचायत के जुलोबाघा गांव के पंचायत तालाब में (दो) स्नानगार (बाथघाट) को गहरा करवा एवं झरना।	मद संख्या 0	हॉ	ओडिशा	अंगुल	4,42,177.45	हॉ		
287	लिमगाज क्षेत्र के कंधल ग्राम पंचायत के मदनमोहनपुर बलुगानुआ साही, बलुगानुआ न्यू साही और बलुगानुआ खमार गांवों में पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	5,19,771.40	हॉ		
288	वर्ष 2019, एलए (फेब्रु-दिसंबर) के तहत 120 दिनों के लिए बालुगानुआ नुआ साही और बलुगानुआ न्यू नुआ साही के पास एकादसीपुर और तालवेर उपखंड के तालवेर सहित बालुगानुआ में पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	4,46,403.76	हॉ		
289	वर्ष 2019, एलए (फेब्रु-VI) के तहत 120 दिनों के लिए तालवेर अनुमंडल के मणिकमारा, कृष्णचंदपुर, रसतपुर, दशरथपुर और एकादसीपुर के पानी की कमी वाले गांवों को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,14,314.82	हॉ		
290	वर्ष 2019 लिमगाज क्षेत्र (फेब्रु-III) के लिए तालवेर अनुमंडल के कंधल, लंगीजोडा और जलदापुर के पानी की कमी वाले गांवों को 120 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	4,58,452.10	हॉ		
291	वर्ष 2019 एलए (फेब्रु-III) के तहत 120 दिनों के लिए तालवेर उपखंड के बलुगानुआ खमार अलादीपुर, सोभाग्य नगर और तालवेरगांव के पानी की कमी वाले गांवों को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,27,200.85	हॉ		
292	वर्ष 2019 एलए (फेब्रु-IV) के तहत 120 दिनों के लिए कंधल सहो साही और तालवेर उपखंड के गोपाल शाही को पानी की कमी वाले गांवों को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,47,616.04	हॉ		
293	वर्ष 2019 में 120 दिनों के लिए तालवेर अनुमंडल के पानी की कमी वाले गांवों बिक्रमपुर, दयानिधिपुर, डेवलिन एवं प्रमोदप्रसाद को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,32,023.51	हॉ		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VIII में अधिनियम की गतिविधियों से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (लक्षों में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हाल ही)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
294	लिंगराज क्षेत्र के कंधल ग्राम पंचायत के लंगीजोडा में पानी की कमी वाले गांवों में जल की आपूर्ति	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	4,000.00	हैं		
295	तालचर अनुमंडल के ग्राम काकीली (भाग-क) एवं सेनाली को जलापूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	5,16,239.00	हैं		
296	तालचर अनुमंडल के गांव धरमपुर एवं खैरापाली को जलापूर्ति	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	4,38,620.00	हैं		
297	वर्ष 2020 के लिए तालचर के ग्राम कदल हाडी साही, अनदीपुर और मदनमोहनपुर (खजुरिया शाही और गोपाल शाही) को जल की आपूर्ति की गई।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	10,85,330.00	हैं		
298	वर्ष 2020 के लिए तालचर के गांव किशोरीपाल, हरिपुर और गुंजवल को पानी की आपूर्ति की गई।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	10,48,954.00	हैं		
299	पानी की किल्लत वाले गांव में जलापूर्ति	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	10,50,968.80	हैं		
300	पानी की कमी वाले गांव स्कोटलैंडपुर, रसनपुर दशरथीपुर, एकादसीपुर में जलापूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	11,59,195.20	हैं		
301	रिवाचरपुर, दयानिधिपुर, न्यू दयानिधिपुर, डोबलिन और प्रमोद प्रसाद को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	5,95,656.40	हैं		
302	जदवल और स्कोटलैंडपुर में जल की आपूर्ति	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	5,67,231.60	हैं		
303	वर्ष 2020 के लिए तालचर के ग्राम कंधल, लंगीजोडा एवं जदुताथपुर में पानी की आपूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	16,80,957.20	हैं		
304	वर्ष 2020 के लिए गमी के मोसम के दौरान तालचर नगर पालिका के पानी की कमी वाले वार्डों की आपूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	65,00,000.00	No	तालचर नगर पालिका	लागू नहीं
305	वर्ष 2020 के लिए गांव कनकली (भाग-बी) एवं तालचर के कालिंदी प्रसाद को जल की आपूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	17,10,226.00	हैं		
306	तालचर अनुमंडल के गांव बलीजोडी, काकुडी एवं विहारपुर को जल की आपूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	5,64,816.40	हैं		
307	तालचर अनुमंडल के गांव स्कोटलैंडपुर, धरमपुर ग्राम पंचायत, दुआसाही कालीली एवं सरलो को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	5,53,208.00	हैं		
308	वर्ष 2020 में लिंगराज क्षेत्र (पिकेजी-IV) के तहत 122 दिनों के लिए तालचर अनुमंडल के पानी की कमी वाले गांवों कंधल, हाडी शाही, अनदीपुर और मदनमोहनपुर (खजुरिया शाही और गोपाल शाही) को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	1,73,265.06	हैं		
309	वर्ष 2020 में लिंगराज क्षेत्र (पिकेजी-द्वितीय) के तहत 122 दिनों के लिए पानी की कमी वाले गांवों बजुगाओ दुआ साही और बजुगा न्यू साही के पास एकादसीपुर के पास और तालचर उप-मंडल के तालचंडा सहित गांवों में पानी की आपूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	81,272.77	हैं		
310	वर्ष 2020 में लिंगराज क्षेत्र (पिकेजी-I) के तहत 122 दिनों के लिए पानी की कमी वाले गांवों बालुगांव थमार, आनंदपुर, सोभाग्यनगर और तालचरना तालचर उप-मंडल के तालचरना गांवों में पानी की आपूर्ति।	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	1,63,473.38	हैं		
311	सीएसआर के तहत सानी मंदिर से आनंदपुर तक नाले का निर्माण	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	19,699.32	हैं		
312	दयानिधिपुर के नर गांव से पुरानी बस्ती तक सीसी रोड का निर्माण	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	0.94	हैं		
313	सीएसआर कार्य एनए के तहत कंधल प्राइमरी स्कूल में किचन रुम का निर्माण	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	924.31	हैं		
314	महिला मंडल, लिंगराज क्षेत्र द्वारा समाज कल्याण कार्य	मद संख्या।	हैं	ओडिशा	अंगुल	14,835.00	हैं		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की गतिविधियाँ से संबंधित वस्तुसूची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए धर्म की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यन्वयन संस्था के माध्यम से	कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से
				राज्य	जिला			
315	सीएसआर योजनान्तर्गत लिमराज क्षेत्र के बलुंगा खमार गांव में नवनिर्मित कल्याणग्रन्थ की पूर्ण वायसिटा।	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,67,154.00	हॉ	सीएसआर संख्या
316	गांव तालाबरेता में सामुदायिक केंद्र का निर्माण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	9,53,934.14	हॉ	
317	ब्लैक टॉप सड़क से बलुंगा पथारों तक सीमेंट कंक्रीट वाली सड़क का निर्माण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	8,72,405.27	हॉ	
318	जाना पाडिया से आनंदपुर होते हुए एनएच-149 तक सड़क का चौड़ीकरण।	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	12,01,025.76	हॉ	
319	आर डी सड़क से विशारिपाल नाला तक सीमेंट कंक्रीट वाली सड़क का निर्माण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,82,609.51	हॉ	
320	लिमराज क्षेत्र के सीएसपी-नाइलो रेलवे संयोजकता को पूरा करने के लिए साइट के समापन हेतु, 3.3 के वही कैम्पसी फीचर की ओवरलेड लाइन का परिवर्तन।	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	3,25,696.00	हॉ	
321	बसीपर युवक सच याले खेल के मैदान में बिजली पोल लगाकर रोशनी करना।	नद संख्या7	हॉ	ओडिशा	अंगुल	2,76,203.00	हॉ	
322	लंगीमोड़ा गांव के तालाबरेता नई बस्ती में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करना।	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	5,13,946.00	हॉ	
323	तालाबड़ा के शमशान घाट तक पहुँचने के लिए मार्ग उपलब्ध करना	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,33,632.14	हॉ	
324	तालाबड़ा ब्राह्मण शाही से एनएच तक सड़क का चौड़ीकरण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	9,18,179.70	हॉ	
325	सीएसआर कार्य एलए के तहत बालुंगा पथार में टॉप रोड से सीमेंटड वाली कंक्रीट सड़क का निर्माण।	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	99,894.74	हॉ	
326	सीएसआर कार्य के तहत गांव तालाबराणा में सामुदायिक केंद्र का निर्माण	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,22,065.86	हॉ	
327	सीएसआर कार्य एलए के तहत आंगलवाडी केंद्र कंपन एवं तलाबड़ा में शिवालय का निर्माण।	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	5,59,619.53	हॉ	
328	गांव में चिल्ड्रन पार्क का निर्माण, सीएसआर कार्य एलए के तहत तालाबराणा	नद संख्या10	हॉ	ओडिशा	अंगुल	9,00,000.00	हॉ	
329	बालुंगा प्राथमिक विद्यालय के आवास हेतु नवम्बर 17 से सितम्बर 18 तक अर्थात् 11 माह तक का मकान बनाना।	नद संख्या2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	49,629.51	हॉ	
330	सीएसआर के तहत महिला मंडल के माध्यम से समाज कल्याण गतिविधियों के लिए महिलाओं के लिए स्टेटर काडिगन की आपूर्ति।	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	24,365.00	हॉ	
331	सिन्टरी पेड की आपूर्ति	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	6,240.00	हॉ	
332	नहिल मंडल के माध्यम से फोल्ड सिस्टम और योकिम स्टिच के साथ खील चेयर की आपूर्ति	नद संख्या3	हॉ	ओडिशा	अंगुल	20,265.00	हॉ	
333	आयकर अधिनियम की धारा 12ए के तहत पेन और स्टूट प्राप्त करने के लिए कर सलाहकार की नियुक्ति के तहत महानदी मेडिकल एजुकेशन ट्रस्ट (एमएनईटी) की सहायता प्रदान करना।	नद संख्या2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	1,18,000.00	हॉ	
334	एमसीएल,अम्बाल तालाब में कोविड-पित पोषित जैव-विनिर्देशीय अपशिष्ट प्रबंधन में किया गया व्यय।	नद संख्या1	हॉ	ओडिशा	अंगुल	7,19,265.00	नहीं	सीएसआर संख्या
335	श्री अरविंदो इंटरनल स्कूल, मातृभूमि, डेरा में विज्ञान प्रयोगशाला का निर्माण।	नद संख्या2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	22,00,000.00	हॉ	जिलाधीश, अंगुल
336	श्री अरविंदो एकीकृत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, डेरा में नवनिर्मित विज्ञान प्रयोगशाला को प्रयोगशाला से संबंधित उपकरण उपलब्ध करना।	नद संख्या2	हॉ	ओडिशा	अंगुल	2,29,400.00	हॉ	

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अतिरिक्त की महसिलियाँ से संबंधित धनसुची	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए वर्ष की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सोपसआर पंजीकरण संख्या
337	एससूएम अस्पताल द्वारा तालाब में कोविड-19 अस्पताल का संचालन	नद संख्या 1	हैं	ओडिशा	अंगुल	12,81,78,990.00	नहीं	एससूएम अस्पताल	लागू नहीं
338	बालासोर में वाटर वार्डिंग मशीन की स्थापना	नद संख्या 1	नहीं	ओडिशा	बालासोर	11,40,000.00	हैं		
339	बरागढ़ जिले के ग्रामीणों को 10 हजार मास्क का वितरण।	नद संख्या 12	नहीं	ओडिशा	बरागढ़	1,89,000.00	हैं		
340	अट्टाबाबा के सरस्वती शिशु मंदिर के लिए प्लंबीयर	नद संख्या 2	हैं	ओडिशा	बरागढ़	5,98,142.00	हैं		
341	एमसीएल के सोपसआर निधि के तहत वीरच स्कूल बरागढ़ के क्षतिग्रस्त चारदीवारी और मुख्य द्वार का निर्माण।	नद संख्या 2	नहीं	ओडिशा	बरागढ़	8,00,250.00	नहीं	जिल्हाधीश Bargarh	लागू नहीं
342	देवगढ़ निर्माण क्षेत्र के लोगों को 10,000 फेस मास्क का वितरण।	नद संख्या 12	नहीं	ओडिशा	देवगढ़	1,87,500.00	हैं	जिला रेड क्रॉस, देवगढ़	लागू नहीं
343	जिला रेड क्रॉस ब्लड बैंक, देवगढ़ को वाहन का प्रावधान	नद संख्या 1	नहीं	ओडिशा	देवगढ़	13,29,661.00	नहीं		
344	कामाख्या नगर जिला स्टेडियम, देवनाल	नद संख्या 7	नहीं	ओडिशा	देवनाल	24,37,600.00	नहीं	जिल्हाधीश देवनाल	लागू नहीं
345	एमसीएल फेज-1 के सोपसआर के अंतर्गत देवनाल के कामाख्य नगर प्रखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास कार्य	नद संख्या 10	नहीं	ओडिशा	देवनाल	18,00,000.00	नहीं	जिल्हाधीश देवनाल	लागू नहीं
346	एमसीएल फेज II के सोपसआर अंतर्गत देवनाल के कामाख्य नगर प्रखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास कार्य	नद संख्या 10	नहीं	ओडिशा	देवनाल	18,00,000.00	नहीं	जिल्हाधीश देवनाल	लागू नहीं
347	एमसीएल सेबलपुर कोविड अस्पताल के लिए चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराना	नद संख्या 1	हैं	ओडिशा	झारसुगुडा	22,31,397.00	हैं		लागू नहीं
348	झारसुगुडा में जिला स्टेडियम का निर्माण	नद संख्या 7	हैं	ओडिशा	झारसुगुडा	48,79,640.00	नहीं	जिल्हाधीश झारसुगुडा	लागू नहीं
349	जिला महेत्सव 2020-जेएसजी	नद संख्या 5	हैं	ओडिशा	झारसुगुडा	10,00,000.00	नहीं	जिल्हाधीश झारसुगुडा	लागू नहीं
350	सेबायर, आईएसएस ऑफिसर वाइल्ड एसोसिएशन द्वारा संचालित भुवनेश्वर के गरीब और स्वाम कच्ची के लिए शैच / स्कूल के लिए वित्तीय सहायता।	नद संख्या 2	नहीं	ओडिशा	बादरा	6,50,000.00	नहीं	सेबायर	लागू नहीं
351	नंदनानन में टॉय ट्रेन का संचालन	नद संख्या 2	नहीं	ओडिशा	बादरा	91,49,970.00	नहीं	वन और पर्यावरण विभाग, उड़ीसा सरकार	लागू नहीं
352	आयुष पटनायक को बैडमिंटन के प्रशिक्षण के लिए आर्थिक सहायता	नद संख्या 7	नहीं	ओडिशा	मयूरभोजी	1,60,000.00	हैं		
353	एमसीएल के सोपसआर फंड के तहत राज्य प्राधिकरण के अनुरोध पर फाली प्रभावित क्षेत्रों के लिए एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा तत्काल आधार पर डीजी सेट की व्यवस्था।	नद संख्या 12	नहीं	ओडिशा	पुरी	43,740.00	नहीं	जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण	लागू नहीं
354	सेबलपुर में निर्माण स्थल पर फसे कर्मचारियों के लिए किराने का सामान	नद संख्या 12	हैं	ओडिशा	सेबलपुर	4,920.00	हैं		
355	स्वास्थ्य सौ सेवा के दौरान टी-शर्ट की आपूर्ति	नद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सेबलपुर	30,975.00	हैं		
356	अप्रैटिस प्रोजेक्ट के लिए चयनित उम्मीदवारों के लिए टी-शर्ट की खरीद।	नद संख्या 2	हैं	ओडिशा	सेबलपुर	12,690.00	हैं		
357	बुरला और उसके आसपास रहने वाले गरीब पुरुषों और महिलाओं को स्वेटर वितरण।	नद संख्या 1	हैं	ओडिशा	सेबलपुर	3,44,137.50	हैं		
358	डॉ इयाक सतरा बालनिकेतन में 2 शीघ्रचल्य ब्लॉक का निर्माण	नद संख्या 1	No	ओडिशा	सेबलपुर	14,01,765.68	हैं		

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अधिनियम की नसिधिरियों से संबंधित वस्तुएँ	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (रुपये में)	कार्यान्वयन का तिथि - प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
339	सरस्वती शिशु मंदिर, मुर्ली में 4 क्लास रूम और एक बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण।	मद संख्या2	हो	ओडिशा	सबलपुर	86,37,822.26	हो		
360	मुनूति बेरा हाई स्कूल में मौजूदा स्कूल भवन की मरम्मत और महिला छात्रावास शीशालय का प्रावधान।	मद संख्या2	हो	ओडिशा	सबलपुर	13,95,130.59	हो		
361	मिर्चोपाड़ा प्राइमरी स्कूल में क्लास रूम क्विचन, डाइनिंग शेड और डेस्क-बेंच का निर्माण।	मद संख्या2	हो	ओडिशा	सबलपुर	24,33,341.47	हो		
362	न्यू रेमन्ता नोडल हाई स्कूल में शीशालय ब्लॉक का निर्माण और साइकिल स्टैंड का स्थापना।	मद संख्या2	हो	ओडिशा	सबलपुर	17,31,565.51	हो		
363	विशेष अभियोग एजेंसी (एसएफ), छछनपाली में बच्चों के लिए अतिरिक्त आवास का निर्माण।	मद संख्या3	हो	ओडिशा	सबलपुर	42,46,717.34	हो		
364	किरवा गांव में सीसी रोड का निर्माण	मद संख्या10	हो	ओडिशा	सबलपुर	19,71,922.36	हो		
365	श्री अरविदा स्कूल मातृशेखर के स्कूल परिसर के खाली स्थान पर धरातलपट्टा।	मद संख्या4	हो	ओडिशा	सबलपुर	6,000.00	हो		
366	बरगढ़ जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 10,000 फेस मास्क प्रदान करना।	मद संख्या12	नहीं	ओडिशा	सबलपुर	1,68,000.00	हो		
367	एनसीएल के आसपास के क्षेत्रों में एमआईपीएड्स के बारे में जागरूकता अभियान, परामर्श और स्थितिनिर्माण।	मद संख्या	हो	ओडिशा	सबलपुर	10,00,000.00	हो		
368	प्रस्तावित कॉन्डि-19 माइक्रोलेन सुविधा में शीशालय सक्षम पोर्टो केबिन उपलब्ध करना।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	सबलपुर	18,62,974.56	हो		
369	सबलपुर में पोलियो रोकथाम शिविर के दौरान भोजन की व्यवस्था के लिए भुगतान।	मद संख्या1	हो	ओडिशा	सबलपुर	10,50,783.00	हो		
370	जिला प्रशासन, सबलपुर को 05 थर्मल स्केनर प्रदान करना।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	सबलपुर	28,998.00	हो		
371	सबलपुर में पोलियो फैलने के दौरान लगी किराये की टेक्सी का भुगतान।	मद संख्या1	हो	ओडिशा	सबलपुर	2,81,862.60	हो		
372	सबलपुर में पोलियो फैलने के दौरान लगी किराये की टेक्सी का भुगतान।	मद संख्या1	हो	ओडिशा	सबलपुर	3,85,439.00	हो		
373	सबलपुर की आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2800 छाता की आपूर्ति।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	सबलपुर	5,31,708.00	हो		
374	सबलपुर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली श्रमिक एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे प्रवासी मजदूरों को भोजन के पैकेट उपलब्ध करना।	मद संख्या12	हो	ओडिशा	सबलपुर	4,96,860.00	हो		
375	डीसीएच सबलपुर और सीसीसी पुल्ला, वीएसएसटी मुर्ली को 10000 फेब्रिकेरायिटर टेबलेट की आपूर्ति।	मद संख्या1	हो	ओडिशा	सबलपुर	2,55,998.00	हो		
376	डीएसएच, सबलपुर को पीपीई किट की आपूर्ति।	मद संख्या1	हो	ओडिशा	सबलपुर	9,40,800.00	हो		
377	स्वच्छ भारत अभियान के दौरान सैनिटरी पैड की आपूर्ति।	मद संख्या1	हो	ओडिशा	सबलपुर	2,43,812.00	हो		
378	सबलपुर की 20 आंगनवाड़ियों को भोजन सही ढंग से उपलब्ध कराना।	मद संख्या2	हो	ओडिशा	सबलपुर	2,84,400.00	हो		
379	एनसीएल के सीएसआर फंड के तहत एससीपी और उसके आसपास संपत्ति के लिए 1000 टी गार्ड उपलब्ध कराना।	मद संख्या4	हो	ओडिशा	सबलपुर	3,33,214.00	नहीं	जिल्लाधी, सबलपुर	लागू नहीं
380	एससीपी जिले में पारंपरिक कला, संस्कृति और हस्तशिल्प के प्रचार और विकास के लिए वित्तीय सहायता।	मद संख्या5	हो	ओडिशा	सबलपुर	10,00,000.00	नहीं	जिल्लाधी, सबलपुर	लागू नहीं
381	जिला रूढ़ क्रॉस शब्दा, सबलपुर को वित्तीय सहायता	मद संख्या1	हो	ओडिशा	सबलपुर	2,00,000.00	नहीं	जिल्लाधी, सबलपुर	लागू नहीं
382	लोक नवोत्थन - 2020 के लिए वित्तीय सहायता	मद संख्या5	हो	ओडिशा	सबलपुर	7,00,000.00	नहीं	जिल्लाधी, सबलपुर	लागू नहीं
383	हिराकुड बांध परिसर में जवाहर उद्यान और गार्प्रीमिनार के बीच हिराकुड रोपट परियोजना की 1 वर्ष की गारंटी।	मद संख्या10	हो	ओडिशा	सबलपुर	55,55,433.00	नहीं	जिल्लाधी, सबलपुर	लागू नहीं

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII में अतिरिक्त की महसिलियों से संबंधित वस्तुओं	स्थानीय क्षेत्र	परियोजना का स्थान		परियोजना के लिए चर्च की गई राशि (लक्षों में)	कार्यान्वयन या तिथि - (हां/नहीं)	कार्यान्वयन का तिथि - कार्यान्वयन संस्था के माध्यम से	
				राज्य	जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
384	सीएसबी जिला लई स्कूल स्वाधार, संबलपुर में 24 लाख की अनुमानित लागत से एपीजे अन्सुल कला, माननीय पूर्व राष्ट्रपति भारत की प्रतिमा की स्थापना।	मद संख्या 5	हां	ओडिशा	संबलपुर	20,40,000.00	नहीं	जिल्लाधीरा, संबलपुर	लागू नहीं
385	एमसीएल के सीएसआर के तहत सासन, रानीखिंडा, संबलपुर के विभिन्न स्थानों पर सोलर एलईडी स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति और व्यवस्थित करना।	मद संख्या 10	हां	ओडिशा	संबलपुर	4,88,268.00	नहीं	जिल्लाधीरा, संबलपुर	लागू नहीं
386	संबलपुर जिले के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को कोविड -19 के दौरान स्वास्थ्य देखभाल के लिए बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए जेनसेट और एयर क्लर की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हां	ओडिशा	संबलपुर	12,40,976.00	हां		
387	एमसीएल के सीएसआर के तहत पोखरीएस स्कूल, चिपिलिना, बसलपुर संबलपुर के सीसीबी के दायित्व विकास के लिए वित्तीय सहायता।	मद संख्या 2	हां	ओडिशा	संबलपुर	4,96,330.00	नहीं	जिल्लाधीरा, संबलपुर	लागू नहीं
388	सुंदरगढ़ जिले के ग्रामीणों के लिए 11,600 फेसमास्क प्रदान करना	मद संख्या 12	हां	ओडिशा	सुंदरगढ़	1,99,920.00	हां		
389	ग्राम विकास द्वारा संचालित जिले में सतत विकास कार्यों की चल रही परियोजना के भाग के रूप में छुट्टे प्रशासन और प्रबंधन व्यय के साथ शीघ्रता और वायस्न घटकों का निर्माण	मद संख्या 1	नहीं	ओडिशा	सुंदरगढ़ और झारखंड	89,04,959.00	नहीं	ग्राम विकास	लागू नहीं
390	कोविड -19 लॉकडाउन से प्रभावित करने हुए प्रवासी परिवारों को सीएसआर पहल के रूप में 5000 बायान्ने पैकेट प्रदान करना।	मद संख्या 12	हां	ओडिशा	संबलपुर, सुंदरगढ़, झारखंड और अंगुली	24,01,248.00	हां		
391	स्वच्छता माह के दौरान परीक्षीय क्षेत्र में वितरण के लिए 2 दोहरी घात, वाली सूती मास्क प्रदान करना	मद संख्या 12	हां	ओडिशा	संबलपुर, सुंदरगढ़, झारखंड और अंगुली	23,99,922.00	हां		
392	स्वच्छता माह 20 के दौरान पुस्तक की आपूर्ति	मद संख्या 1	हां	ओडिशा	संबलपुर, सुंदरगढ़, झारखंड और अंगुली	24,395.00	हां		
393	वर्ष 2020-21 तिगराज क्षेत्र (पौकजी-IV) के लिए 120 दिनों के लिए पानी की कमी वाले गांवों में तालचर अनुसंधान के कृष्णधरपुर, दशरथीपुर और एकादसीपुर में पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हां	ओडिशा	अंगुली	2,20,612.80	नहीं		
394	वर्ष 2020-21 तिगराज क्षेत्र (पौकजी-00-3) के लिए 120 दिनों के लिए पानी की कमी वाले गांवों में तालचर, प्रमोद प्रसाद, मणिकमारा और रसुलपुर और तालचर उपखंड में पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हां	ओडिशा	अंगुली	3,01,098.24	नहीं		
395	वर्ष 2020-21 तिगराज क्षेत्र (पौकजी-वर्ष 2020-21 एलए के लिए पानी की कमी वाले गांवों में तालचर, दशरथपुर, दयानिधिपुर और न्यू दयानिधिपुर तालचर अनुसंधान को पानी की आपूर्ति।	मद संख्या 1	हां	ओडिशा	अंगुली	4,77,078.72	नहीं		
	कुल					44,07,41,622.13			

टेबल - III

पिछले वित्तीय वर्ष में चालू परियोजनाओं के लिए, वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की प्रतिक्रिया पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/जारी)
1	शैल्य संदर्भ में शहरी कक्षाकरण	2018-19	1460	2,48,46,287.56	50,11,495.02	2,38,46,287.56	जारी
2	शैल्य एमसीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत घंटापाड़ा गांव के पास, समनगर सड़क पर ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण का परियोजना पर्यवेक्षण	2016-17	61	22367560.00	52,12,831.00	57,92,939.11	जारी
3	शैल्य एमसीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत गढ़ की स्थापना से संबंधित निक्षेप कार्य	2018-19	36	15789500.00	25,42,668.00	1,53,32,596.00	जारी
4	शैल्य एमसीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत तालचौर कोलफील्ड्स में एनटीपीसी कन्वेंयर से पहले घंटापाड़ा गांव के पास हंडीधुआ चौक से नालवे चौक तक ओवर ब्रिज का निर्माण	2016-17	61	372154776.94	51,41,742.99	11,39,08,957.23	जारी
5	शैल्य एमसीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत तालचौर कोलफील्ड्स में एनटीपीसी कन्वेंयर से पहले घंटापाड़ा गांव के पास हंडीधुआ चौक से नालवे चौक तक ओवर ब्रिज का निर्माण	2019-20	730	38,49,010.85	17,64,200.00	33,25,011.75	जारी
6	शैल्य एमसीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत तालचौर कोलफील्ड्स में एनटीपीसी कन्वेंयर से पहले घंटापाड़ा गांव के पास हंडीधुआ चौक से नालवे चौक तक ओवर ब्रिज का निर्माण	2017-18	1460	9,00,91,949.00	2,18,86,302.00	3,29,45,623.00	जारी
7	शैल्य एमसीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत तालचौर कोलफील्ड्स में एनटीपीसी कन्वेंयर से पहले घंटापाड़ा गांव के पास हंडीधुआ चौक से नालवे चौक तक ओवर ब्रिज का निर्माण	2015-16	2190	55,05,57,632.00	7,44,21,131.00	44,79,84,631.00	जारी
8	शैल्य एमसीएल जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत तालचौर कोलफील्ड्स में एनटीपीसी कन्वेंयर से पहले घंटापाड़ा गांव के पास हंडीधुआ चौक से नालवे चौक तक ओवर ब्रिज का निर्माण	2017-18	1460	4,78,95,586.00	28,049.00	2,15,99,318.00	जारी
9	शैल्य लोककला हलदर आवासी विद्यालय, बुंदेपाली, बरगढ़ में छात्रावास भवन का निर्माण	2019-20	730	21,27,151.00	10,63,375.00	13,89,992.00	जारी
10	शैल्य सीएसआर के तहत सामुदायिक केंद्र, जौली निल रोड, तोरा, बरगढ़ का निर्माण	2019-20	730	22,66,618.00	11,07,809.00	14,47,809.00	जारी
11	शैल्य पंचायत हाई स्कूल गधियापाली, बरगढ़ में कक्षा का निर्माण	2019-20	730	21,00,000.00	2,10,000.00	2,10,000.00	जारी
12	शैल्य जौली हाई स्कूल, बरगढ़ में संगीत का निर्माण	2019-20	730	21,85,000.00	14,20,250.00	14,20,250.00	जारी
13	शैल्य कनाल रोड, बरगढ़ में सामुदायिक भवन का निर्माण	2019-20	730	9,75,600.00	1,46,340.00	1,46,340.00	जारी
14	शैल्य कल्याण मंडप हस्तीपाली जौली निल का निर्माण	2019-20	730	23,77,565.00	11,83,782.00	15,45,417.00	जारी
15	शैल्य जलसंधि में सामुदायिक केंद्र और वाउड्री वॉल का निर्माण	2013-14	2920	6,90,00,000.00	2,11,88,026.00	4,41,88,026.00	जारी
16	शैल्य आरओबी में लखनपुर प्रबन्ध, झारसुगुड़ा के लिए 232 कार्य स्वीकृत किए	2016-17	1530	8,17,11,666.67	1,01,36,712.00	5,91,06,886.00	जारी
17	शैल्य आरओबी में लखनपुर प्रबन्ध, झारसुगुड़ा के लिए 111 कार्य स्वीकृत किए	2016-17	1530	3,80,83,000.00	48,55,114.00	2,68,89,072.00	जारी
18	शैल्य कालाचौर, लाईनेरिया, किरमीरा और झारसुगुड़ा प्रबन्ध में विकास कार्य के लिए अतिरिक्त राशि	2016-17	1825	6,72,00,000.00	17,16,557.00	5,21,67,555.00	जारी
19	शैल्य एमसीएल को सीएसआर फंड के रूप में एमसीएल अधिपति क्षेत्र में रहने वाले निहित भूमिगत परिवार संख्याओं को स्थायी आजीविका प्रदान करना	2018-19	1095	14,22,00,000.00	1,26,00,000.00	1,68,00,000.00	जारी

क्र.सं.	परियोजना का आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की प्रतिवेदन के अंत में खर्च की गई संशुद्ध राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/जारी)
20	शून्य	डीएफओ, पंदल डब्ल्यूएल डिवीजन, बीबीएसआर द्वारा 2017-18 के दौरान बीबीएसआर में वनोत्पन्न गतिविधियों का कार्यान्वयन	2017-18	1460	2,18,83,164.00	55,75,435.00	2,08,83,164.00	जारी
21	शून्य	डीएफओ, पंदल डब्ल्यूएल डिवीजन, बीबीएसआर द्वारा 2018-19 के दौरान बीबीएसआर में वनोत्पन्न गतिविधियों का कार्यान्वयन	2018-19	1460	2,99,98,600.00	23,01,064.00	2,26,86,906.00	जारी
22	शून्य	वर्ष 2018-19 के दौरान डीएफओ, शहर वन विभाग, भुवनेश्वर द्वारा वनोत्पन्न गतिविधियों का कार्यान्वयन अर्थात् शहरी वनोत्पन्न कार्य।	2018-19	1460	2,41,64,720.00	44,26,899.00	2,16,73,047.00	जारी
23	शून्य	उमनाथा जिले में सेवोसई द्वारा आवासीय जिलों के विकास की योजना के तहत परियोजनाएं	2019-20	730	5,71,00,000.00	1,24,47,977.00	1,24,47,977.00	जारी
24	शून्य	कालापापेट, संबलपुर में समुदाय का समान	2016-17	1460	28,77,800.00	33,76,000.00	33,76,000.00	जारी
25	शून्य	संबलपुर के जुबुपुर प्रखंड के भूखंडों में महिलाओं के लिए वनोत्पन्न का निर्माण	2019-20	622	72,76,277.00	53,73,967.31	71,93,036.80	जारी
26	शून्य	संबलपुर विभागीयतालय में महिला छात्रावास का निर्माण	2016-16	2104	5,47,26,774.81	76,93,477.20	3,50,56,864.60	जारी
27	शून्य	बुरला में जल शोधन संयंत्र का निर्माण	2012-13	3285	8,62,10,000.00	1,10,44,563.00	7,43,79,176.00	जारी
28	शून्य	स्वाधीनता संग्रामों (स्वतंत्रता सेनानियों स्मारक) होल, संबलपुर के ऊपर पल्ली मंजिल का निर्माण	2018-19	730	32,98,000.00	12,05,200.00	12,05,200.00	जारी
29	शून्य	लक्ष्मियों के खेतों को नियंत्रित करने के लिए उपकरणों की आपूर्ति	2016-17	1460	4,77,500.00	72,000.00	72,000.00	जारी
30	शून्य	एमसीएस के सीएसआर के तहत सेंट जोसेफ कॉन्वेंट शहर सेक्टर 1 स्कूल, एसबीपी के स्कूल परिसर के किनारे सड़क और नाले का नवीनीकरण	2017-18	1460	1,09,03,74.63	1,63,586.00	1,63,586.00	जारी
31	शून्य	बुरला में खेल परिसर का निर्माण	2014-15	2555	25,00,00,000.00	2,00,00,000.00	2,79,35,700.00	जारी
32	शून्य	विजयलगा ट्यूलिया (पीडब्ल्यूडी) का ई-रिक्शा प्रदान करके स्वरोजगार का प्रारंभ	2017-18	730	25,03,807.00	17,85,000.00	17,85,000.00	जारी
33	शून्य	वर्ष 2017-18 के दौरान डीएफओ, संबलपुर वन्यजीव प्रभाग द्वारा वनोत्पन्न गतिविधियों का कार्यान्वयन अर्थात् शहरी वनोत्पन्न करना।	2017-18	1460	57,80,295.00	15,29,873.75	49,21,731.75	जारी
34	शून्य	वर्ष 2018-19 के दौरान डीएफओ, संबलपुर वन्यजीव प्रभाग द्वारा वनोत्पन्न गतिविधियों का कार्यान्वयन अर्थात् शहरी वनोत्पन्न करना।	2018-19	1460	83,48,620.00	45,55,190.00	68,16,000.00	जारी
35	शून्य	एमसीएस के सीएसआर के तहत हेमगीर प्रखंड वनोत्पन्न जिले के ग्रामीण समुदाय के बीच आहार मंडल द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने की पहल	2019-20	455	23,39,366.00	7,01,810.00	7,01,810.00	जारी
36	शून्य	ओपन द्वारा ओडिशा के 14 जिलों में शांतिचक्र स्मॉल का निर्माण	2015-16	1825	70,67,34,000.00	23,44,000.00	69,23,97,000.00	जारी
37	शून्य	आजीविका बढ़ाने के लिए एमसीएस सतत विकास कार्य की सीएसआर पल के रूप में व्यापक सामुदायिक विकास कार्यक्रम (सीसीडीपी-उपग्रह)।	2019-20	2011	20,28,62,584.00	1,49,58,619.28	2,27,71,619.28	जारी
38	शून्य	तालचर में मेडिकल कॉलेज (एमआईएमएसआर) का निर्माण	2016-17	1825	4,92,62,00,000.00	1,18,55,968.00	4,65,80,26,729.54	जारी
39	शून्य	झारसंगढ़ में शहरी वनोत्पन्न	2018-19	1460	4,02,46,840.00	1,06,69,066.00	3,92,46,840.00	जारी
40	शून्य	वित्तिय वर्ष 2016-17 के लिए वनोत्पन्न में आरक्षित स्वीकृत कार्य (शहर आरक्षित लांडे)	2016-17	1825	16,29,00,000.00	5,02,58,519.00	11,19,88,719.00	जारी
41	शून्य	सीएसआर के तहत भुवनेश्वर नगर, राजीव वनोत्पन्न और बुधगाड़ा में पानी के टैंकर के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति एसओसीपी	2019-20	365	48,5971.00	77,285.56	4,82,285.56	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना का आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की प्रतियोगिता के अंत में खर्च की गई राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/अपूर्ण)
42	शून्य	एसओसीपी, डेव क्षेत्र के पास चिगरोगुडा गांव में पेयजल की आपूर्ति	2019-20	365	497551.60	61,219.20	4,83,219.20	पूर्ण
43	शून्य	एसओसीपी के निकट ग्राम लजपुरा में पेयजल की आपूर्ति	2019-20	365	375570.00	1,09,304.92	3,75,304.92	पूर्ण
44	शून्य	सीएसआर के तहत जिला पुलिस कार्यालय में वरिष्ठ नागरिक / सेनट और आम जनता के लिए स्वागत केंद्र	2019-20	185	2020328.42	2,97,047.19	20,20,328.42	पूर्ण
45	शून्य	सड़ विभाग कर्म का निर्माण। चंडीमल ग्राम पंचायत के अंतर्गत बरपाली बाटिका के भीन्वुडा स्थान में लेट हूप डी डी साई होजस से यमुधरा नदी तक सीमेंट कंक्रीट सड़क का निर्माण	2018-19	90	1662498.20	564.74	16,62,498.20	पूर्ण
46	शून्य	देवगांव के निकट आईबी नदी के तल पर वर्ष 2019-20 के लिए अस्थायी बाल बंध का निर्माण।	2019-20	163	7,24,203.01	7,24,203.01	7,24,203.01	पूर्ण
47	शून्य	ओरिएण्ट परिया द्वारा सीएसआर के तहत बजरजंगमर कोलेज, बजरजंगमर में एसएमएस (छात्र आकादमिक प्रबंधन प्रणाली) के लिए भवन ढाल का निर्माण।	2019-20	223.00	13,46,744.22	1,44,088.14	13,46,744.22	पूर्ण
48	शून्य	प्रतिनिधि सहित नए भवन का निर्माण। बांधवहल में पीयूरीएस को मजिदुद्दा भवन और पानी की आपूर्ति की।	2018-19	90	6,11,542.68	70,237.37	6,26,000.00	पूर्ण
49	शून्य	एलकेपी ओसीपी में गांव तिगिन्गल को 8x1 क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	2019-20	366	6,47,772.80	89,401.52	6,46,663.60	पूर्ण
50	शून्य	एलकेपी ओसीपी में गांव उबडा को 8x1 क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	2019-20	366	6,21,386.24	1,43,900.76	6,05,000.00	पूर्ण
51	शून्य	एलकेपी ओसीपी पर गांव करलाजरी और खलियापाली को 8x1 क्षमता के पानी के टैंकर से पेयजल की आपूर्ति	2019-20	366	7,39,425.76	1,77,259.86	7,26,000.00	पूर्ण
52	शून्य	एलकेपी ओसीपी में गांव लुहरपाड़ा और सहजवहल को 8x1 क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	2019-20	366	6,61,555.20	1,57,685.76	6,45,000.00	पूर्ण
53	शून्य	सीएसआर के तहत गांव येरुलवहल और लेचिपाड़ा में पेयजल की आपूर्ति	2019-20	417	848844.30	80,321.83	9,29,000.00	पूर्ण
54	शून्य	सीएसआर के तहत गांव दारुपाली में पेयजल की आपूर्ति	2019-20	366	559220.88	48,610.46	6,07,000.00	पूर्ण
55	शून्य	बीआईटी में 5 केएल क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा देलपहाड़ एन ए सी (लैंड 8 किमी) में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	2011-12	60	82800.00	7,550.00	82,800.00	पूर्ण
56	शून्य	बीआईटी/एलकेपी में गांव पुरता येरुलवहल, नया येरुलवहल, चुचापाड़ा, जयविदिया और चंगापाड़ा में पेयजल की आपूर्ति	2019-20	90	5,46,000.00	5,01,795.00	5,46,000.00	पूर्ण
57	शून्य	बीआईटी/एलकेपी में लिमटालिया पाड़ा और खलियामुंडा (लैंड 8 किमी) में 5 केएल क्षमता वाले पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	2011-12	60	75000.00	1,875.00	75,000.00	पूर्ण
58	शून्य	गोपापाली में पानी के टैंकर से पेयजल की आपूर्ति (लैंड 1.5 किमी)	2011-12	60	62400.00	5,840.00	62,400.00	पूर्ण
59	शून्य	बीआईटी में 5 केएल क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा फाटा गांव (लैंड 4 किमी) में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति	2011-12	60	44910.00	4,325.50	44,910.00	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना का आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/अंश)
60	शून्य	बीआईटी/एलकेपीए में 05 किलोमीटर क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा कल्याण, पुणे, और बरगडा (लॉड 2-4 किलोमीटर) में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति।	2011-12	60	75000.00	5,445.00	75,000.00	पूर्ण
61	शून्य	बीआईटी में 12 कएल क्षमता के पानी के टैंकर द्वारा दोलगाव पंचायत (लॉड 11 किमी) के तहत नगीपानी, वडीमल, कंसलवले, सेन्टमल और घेरकाटा में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति।	2011-12	60	96912.00	1,124.00	96,912.00	पूर्ण
62	शून्य	बीआईटी/एलकेपीए में 12 कएल क्षमता वाले पानी के टैंकर द्वारा लखनपुर ब्लॉक (लॉड 15 किमी) में पानी के टैंकर द्वारा पेयजल की आपूर्ति।	2011-12	60	140256.00	1,041.00	1,40,256.00	पूर्ण
63	शून्य	सुनारी जीपी में पानी के टैंकर से पेयजल की आपूर्ति (सीसा 20 किमी) बीआईटी में 12 कएल क्षमता वाले पानी के टैंकर द्वारा।	2011-12	60	156960.00	2,828.00	1,56,960.00	पूर्ण
64	शून्य	बीआईटी/एलकेपीए में तहत स्वच्छ अभियान के तहत 29 शौचालयों के लिए पी एंड एम जलपट्टि व्यवस्था की खरीद।	2018-19	90	15,58,000.00	76,503.16	15,58,000.00	पूर्ण
65	शून्य	सीएसआर के तहत कोविड-19 के लिए स्वास्थ्य सामग्री की खरीद।	2019-20	7	73,736.25	73,736.25	73,736.25	पूर्ण
66	शून्य	सीएसआर के तहत वरिष्ठ नागरिकों को वितरण हेतु स्वास्थ्य सामग्री की आपूर्ति।	2019-20	2	1,19,906.00	1,19,906.00	1,19,906.00	पूर्ण
67	शून्य	बेलसरा गांव में सांदायिक केंद्र का निर्माण।	2018-19	120	8,24,620.20	85,008.80	8,24,620.20	पूर्ण
68	शून्य	मोजडा केशरीपाल गांव की सड़क को 720.00 मीटर लंबा चौड़ा करना। तालचर क्षेत्र की सीएसआर गतिविधियों के तहत अर्जुनकाटा जंक्शन से।	2019-20	65	18,56,608.95	1,00,000.00	18,56,608.95	पूर्ण
69	शून्य	सीएसआर के तहत 2020 के दौरान ग्राम वडजोराज में पानी की आपूर्ति (पैकेज 1)।	2019-20	120	92,488.14	6,23,881.14	9,24,881.14	पूर्ण
70	शून्य	गामी के सीएसआर 2020 के दौरान गांव सजोराज, कर्णपुर और वादीही में पानी की आपूर्ति (पैकेज 2)।	2019-20	120	14,11,036.92	10,11,023.91	14,11,036.92	पूर्ण
71	शून्य	बलसरा एलकेपीए से कल्याणपुर गांव होते हुए नदीरा जोर तक पक्के नाले का निर्माण।	2019-20	335	7,20,760.76	7,20,760.76	7,20,760.76	पूर्ण
72	शून्य	बलसराप्रसाद से लक्ष्मण प्रसाद तक सड़क का सुधार (4 किमी)।	2018-19	365	40,00,000.00	40,00,000.00	40,00,000.00	पूर्ण
73	शून्य	जिला महोत्सव अंगुल-२०२० के संबंध में मशाल शोभा यात्रा के संबंध में व्यवस्था।	2019-20	2	78,413.00	78,413.00	78,413.00	पूर्ण
74	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मल्लीबांधा, मुमगुलिन, अंतर्गुडिया और जन्मपुरा में गमी के सीएसआर 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति (पैकेज-13)।	2019-20	120	8,99,999.78	8,99,999.78	8,99,999.78	पूर्ण
75	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव न्यू गोपालप्रसाद, न्यू अंतर्गुडिया, कैथनाली और कुचुमपाल को गमी के सीएसआर 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति (पैकेज-12)।	2019-20	120	10,34,931.74	10,34,931.74	10,34,931.74	पूर्ण
76	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भावगुडिया को गमी के सीएसआर 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति (पैकेज-11)।	2019-20	120	4,98,063.84	4,98,063.84	4,98,063.84	पूर्ण
77	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के सीएसआर कार्यों के तहत निशा गांव के सांदायिक केंद्र का निर्माण।	2019-20	90	6,08,000.56	4,97,385.11	6,08,000.56	पूर्ण
78	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के सीएसआर कार्यों के तहत निशा गांव के निशा बाजार चौक के सामुदायिक केंद्र का निर्माण।	2019-20	90	7,93,354.49	5,70,042.96	7,40,895.49	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना का आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की प्रतियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/अंश)
79	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेलीपुर, तेलीपुर हरिजनसाही, तीपपुर सिंघपाससाही और खुरिगा को पानी की आपूर्ति (पैक-03)	2019-20	120	698303.23	6,69,954.38	6,69,954.38	पूर्ण
80	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सोलाडा को पानी की आपूर्ति (पैक-18)	2019-20	120	1970177.09	19,70,176.42	19,70,176.42	पूर्ण
81	शून्य +	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चिलपुर कुमुडा नकीपासी, हदीसाही, कुमुडा हदीसाही, मरहहरिपुर और अंबापुरी को गर्मी के मौसम 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति। (पैक-16)	2019-20	120	1184461.34	11,84,461.34	11,84,461.34	पूर्ण
82	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बनवपुर एवं बाघवासपुर को गर्मी के मौसम 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति (पैक-15)	2019-20	120	1001749.00	10,01,748.99	10,01,748.99	पूर्ण
83	शून्य	एचर के तहत ग्राम गोपाल प्रसाद, गोपाल प्रसाद खलीसाही (स्कूल शाही), खनार और पटलासाही को गर्मी के मौसम 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति (पैक संख्या 14)	2019-20	120	1502925.69	15,02,925.68	15,02,925.68	पूर्ण
84	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम काकरई, छोटोहरि और पिंवाबन को गर्मी के मौसम 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति। (पैक-25)	2019-20	120	1113259.20	11,13,259.20	11,13,259.20	पूर्ण
85	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मजिक्का, बोरवरपुर, सोलादा देउसासाही, तापगांव पुलित चौकी कलामपुरई, पीपसी कलामपुरई सहित हिंगुला हाई स्कूल, गोलकुला परिवार, शानला सही बलिया सही विचार और अनायामी को गर्मी के मौसम 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति। (पैक-04)	2019-20	120	15,56,761.05	15,56,761.05	15,56,761.05	पूर्ण
86	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कलामपुरई (हदीसाही, हरिजनसाही, कालिकाप्रसाद और कलामपुरई वीसगडिया सहित) को गर्मी के मौसम 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति। (पैक-20)	2019-20	120	1521314.75	15,21,314.15	15,21,314.15	पूर्ण
87	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कुमुडा, कुमुडा तानलासाही, कुमुडा नुआ तानलासाही, कुमुडा तनुलासाही और पुरुनापासी में गर्मी के मौसम 2020 के दौरान पानी की आपूर्ति। (पैक-17)	2019-20	120	2176222.06	21,76,222.06	21,76,222.06	पूर्ण
88	शून्य	HOCIP के 33KV सबस्टेशन से हिंगुला मंदिर तक 6.6KV ओवरहैंड विजली आपूर्ति लाइन का निर्माण।	2019-20	60	758252.42	7,58,252.42	7,58,252.42	पूर्ण
89	शून्य	कंधावरली, बालेश्वरसाही आदि ग्राम को पानी की आपूर्ति	2019-20	120	729938.12	7,29,938.12	7,29,938.12	पूर्ण
90	शून्य	बारपासी ग्राम में पानी की आपूर्ति	2019-20	120	388774.82	3,88,774.82	3,88,774.82	पूर्ण
91	शून्य	बहालसाही ग्राम को पानी की आपूर्ति	2019-20	120	578039.52	5,78,039.00	5,78,039.00	पूर्ण
92	शून्य	दुनारा ग्राम गांधी सागर एवं दुनारा आदिवासी सहिया को पानी की आपूर्ति	2019-20	120	370581.93	3,70,581.92	3,70,581.92	पूर्ण
93	शून्य	गांव तिलीपासी एवं खजूरिया में पानी की आपूर्ति	2019-20	120	714075.21	7,14,075.20	7,14,075.20	पूर्ण
94	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जंगमडिया, तंगार शाही, हदीसाही को पानी की आपूर्ति	2019-20	120	629101.36	6,29,101.36	6,29,101.36	पूर्ण
95	शून्य	ब्लॉस्टिंग ओपरेशन से कलामपुरई गांव के क्षतिग्रस्त मकान की मरम्मत	2019-20	60	1984159.19	6,44,768.96	1984,159.19	पूर्ण
96	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत गांव नकीपासी को पानी की आपूर्ति	2019-20	120	1008838.40	9,78,898.94	10,08,829.50	पूर्ण
97	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अंबल, बदामहिला और सना मडिल्ल में पानी की आपूर्ति	2019-20	120	966109.61	2,17,374.65	9,66,109.60	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना का नाम	परियोजना का नाम	वित्तिय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तिय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तिय वर्ष की प्रतिवेदन के अंत में परियोजना की स्थिति (पूर्ण/आंशिक)
98	शून्य	याम नदवा, बड़ाझरना व बोटियानाडी में पानी की आपूर्ति	2019-20	120	1215801.59	5,22,753.16	पूर्ण
99	शून्य	हिंगुला क्षेत्र के अंतर्गत याम कलानुपुडन, पुरनासाही, नुआसाही, नुआमंडा शाही को पानी की आपूर्ति	2019-20	120	906897.02	9,06,897.02	पूर्ण
100	शून्य	बीओसीपी के तहत मझिका गांव के निदिह स्थान पर छरेल उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	365	8,34,054.56	6,96,949.70	पूर्ण
101	शून्य	हिंगुला क्षेत्र अंतर्गत जमुनाली गांव के कुपारतसाही को पानी की आपूर्ति	2019-20	120	496028.10	4,59,427.16	पूर्ण
102	शून्य	जन्मवसली गांव में प्रवेश द्वार के पास पक्के नाले का निर्माण	2019-20	60	793958.33	7,67,203.07	पूर्ण
103	शून्य	बीओसीपी, हिंगुला क्षेत्र के दनारा मंडप शाही पुराने मप छउस से आरसीसी नाले का निर्माण	2019-20	60	784060.18	7,76,343.97	पूर्ण
104	शून्य	बीओसीपी, हिंगुला क्षेत्र के दनारा गांव के कटासाही में आरसीसी नाले का निर्माण	2019-20	60	782524.38	7,79,417.13	पूर्ण
105	शून्य	जमुनाली गांव के हिंगुला क्षेत्र के आर एड आर साइट के पास नुआमंडा तालाब का गहरा होना	2019-20	60	1321902.73	12,91,119.59	पूर्ण
106	शून्य	जमुनाली गांव के दोनों ओर सड़क के किनारे नाली का निर्माण	2019-20	60	718691.58	7,13,511.12	पूर्ण
107	शून्य	सीएसआर के तहत कलानुपुडन, जमुनाली के सामने गौठा शाही में रस्ताघाटी का निर्माण	2019-20	120	12,32,458.64	12,32,458.64	पूर्ण
108	शून्य	वर्ष 2018 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत गांव एक्कल, (संजामुंडा शाही, रोड नायक शाही, पुरना शाही, बारघोरिया शाही) एवं हिली में पानी के टैंकर के माध्यम से छरेल उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	2017-18	122	14,19,744.08	1,58,386.98	पूर्ण
109	शून्य	वर्ष 2019 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत याम नुआसाही, बहल, पयावतीपुर एवं लछमनपुर में पानी के टैंकर के माध्यम से छरेल उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	2018-19	122	7,75,757.00	5,38,753.20	पूर्ण
110	शून्य	वर्ष 2019 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत याम बडासिचाडा एवं सनसिचाडा में पानी के टैंकर के माध्यम से छरेल उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	2018-19	122	6,18,956.00	4,62,508.70	पूर्ण
111	शून्य	वर्ष 2020 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत याम जन्मवसली को पानी के टैंकर के माध्यम से छरेल उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	122	7,19,612.24	5,39,709.00	पूर्ण
112	शून्य	4 माह (जून से जून 2020) तक वीर के अंतर्गत याम छेदीपाडा क्षेत्रपुरी शाही, तानला शाही, कुम्भार शाही, गोछयात शाही, हरिजन शाही, केय शाही, बेहरा शाही, मानार शाही और प्रधान शाही को पानी के टैंकर के माध्यम से छरेल उपयोग के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	122	12,35,177.00	9,05,889.96	पूर्ण
113	शून्य	वर्ष 2020 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत याम छेदीपाडा (गार्ड नं. 10) मुराई शाही एवं भल्ल शाही को पानी के टैंकर के माध्यम से छरेल उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	122	12,72,606.00	11,11,597.87	पूर्ण
114	शून्य	वर्ष 2020 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत याम कुदारीपासी एवं मुन्दनपुर में पानी के टैंकर के माध्यम से छरेल उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	122	10,57,242.24	10,10,561.30	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना का आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की प्रतिवदन के अंत में खर्च की गई राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/जारी)
115	शून्य	वर्ष 2020 के लिए भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कुइयो एवं कुइयो पुनर्वास कोलोनी एवं कुइयो हरिजन शांति को पानी के टैंकर के माध्यम से घरेलू उद्देश्य के लिए पानी की आपूर्ति।	2019-20	122	13,53,616.00	8,68,325.08	12,87,710.50	पूर्ण
116	शून्य	कणपुर में मोहिर व तालाब के बीच नालों का निर्माण।	2019-20	365	17,72,450.00	17,72,450.00	17,72,450.00	पूर्ण
117	शून्य	भरतपुर क्षेत्र (आखिरी वर्ष) अंतर्गत छेड़पाड़ा तलसील कार्यालय में उच्चधन, स्वच्छता सुविधा, फेजल एवं प्रतीक्षास्थल।	2018-19	161	22,89,628.00	11,17,086.00	22,19,366.13	पूर्ण
118	शून्य	बउलपुर आर एंड आर कोलोनी में नाली और घास काटने की स्फार्ड।	2019-20	365	1,93,969.00	1,93,968.44	1,93,968.44	पूर्ण
119	शून्य	भरतपुर क्षेत्र के अंतर्गत आर एंड आर कोलोनी बोलपुर में पंप घाल्य का दैनिक संचालन पंप, घाल्य और मोटर का दैनिक संचालन।	2017-18	365	8,28,808.00	1,36,480.48	8,28,808.00	पूर्ण
120	शून्य	जगन्नाथ क्षेत्र के तहत एमसीएल की सीएसआर पहल के रूप में गुइया से एफसीआई गेट तक दोनों तरफ सीमेंट कंक्रीट नाली सहित विटुमिनस सड़क का सुर्दीकरण।	2019-20	17	2,59,09,999.70	2,18,20,299.70	2,59,09,999.70	पूर्ण
121	शून्य	सीएसआर के तहत नारायण सेवाश्रम के आसपास पाइपलाइन के साथ ओवरहेड टैंक की स्थापना।	2019-20	3	968,58.59	0.12	9,66,798.12	पूर्ण
122	शून्य	वर्ष 2017 के लिए जगन्नाथ क्षेत्र के अंतर्गत दिआकराना, तेलुई, भाजा कोलोनी और गुइया आदिवासी साक्षी गांवों में मोबाइल पानी के माध्यम से अस्थायी पानी की आपूर्ति (पिकेजी-6)।	2017-18	3	10,62,591.40	0.23	10,62,591.40	पूर्ण
123	शून्य	वर्ष 2017 के लिए जगन्नाथ क्षेत्र के अंतर्गत रोडशर, चलागाड़, बाघमारा शाही, बाघमारा नुआ शाही, स्टेशन बस्ती, घंटापाड़ा हरिजन शाही वार्ड नंबर 1 व 4 के गांवों में मोबाइल पानी के माध्यम से पानी की अस्थायी आपूर्ति (पिकेजी-3)।	2017-18	3	11,82,313.20	0.35	11,82,313.20	पूर्ण
124	शून्य	जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत एफसीआई मुख्य सड़क से रेलवे स्टेशन तक बैलेंस सीसी रोड का निर्माण।	2017-18	1	3,17,591.28	15,295.43	3,17,591.28	पूर्ण
125	शून्य	जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत नारायण सेवाश्रम, गुइया में सवनासिबल पंप के साथ 01 गहरे बोरेल का ड्रिल।	2014-15	24	6,83,258.00	6,83,258.00	6,83,258.00	पूर्ण
126	शून्य	घंटापाड़ा गांव के देउलवंध तालाब में स्नान घाटी पर नाली चरणी की मरम्मत और नए कदम उपलब्ध कराना।	2018-19	12	5,96,417.18	384.28	5,96,417.18	पूर्ण
127	शून्य	25 (पच्चीस) संख्या की समर्पित अंगुल में COVID-19 के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन के दौरान 24 घंटे की ड्यूटी के लिए कोलोनी या संयुक्त वाहनों की सुविधा।	2019-20	2	32,39,512.50	32,39,512.50	32,39,512.50	पूर्ण
128	शून्य	शुचनेपरी आसीपी, जगन्नाथ क्षेत्र के नरहरिपुर आर एंड आर साइट से एमसीएल डायवर्जन रोड तक डेव्यूरीयन रोड का विकास।	2018-19	11	31,75,291.97	4,379.22	31,71,171.19	पूर्ण
129	शून्य	जगन्नाथ क्षेत्र अंतर्गत सीएसआर कार्यों के मौजूदा पुराने कार्यों की मरम्मत का हिस्से बॉर्ड बनाना।	2018-19	1	2,59,110.04	31,306.19	2,59,110.04	पूर्ण
130	शून्य	जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत डेरा से कोण्डोरेली तक वीटी सड़क का नवीनीकरण।	2018-19	11	94,92,892.61	7,91,149.61	94,92,892.61	पूर्ण
131	शून्य	जगन्नाथ क्षेत्र के सीएसआर कार्यक्रम के तहत घंटापाड़ा हाई स्कूल में सांस्कृतिक पड़ल रोड का निर्माण।	2018-19	4	563,930.94	22,351.80	5,45,091.11	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में) का प्रतिवेदन	वित्तीय वर्ष की प्रतिवेदन के अंत में खर्च की गई राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/जारी)
132	शून्य	सीएसआर योजनांतर्गत ग्राम बालेश्वर में 01 दीप बोरेल एवं पाइप लाइन का निर्माण	2016-17	3	761396.00	22,176.00	7,41,437.01	पूर्ण
133	शून्य	सीएसआर योजनांतर्गत हिल्स गांव के रेसरा शाही में 01 गहरे बोरेल एवं पाइप लाइन आदि का निर्माण	2016-17	3	56562.00	16,501.68	5,51,711.58	पूर्ण
134	शून्य	जगन्नाथ क्षेत्र के ग्राम हरिहरपुर (कनिहा प्रखंड), डेहदुमा, सदाशिवपुर एवं गोदीवाधा अस्पताल में वर्ष 2017 के लिए पानी के टैंकर के माध्यम से अस्थायी जल आपूर्ति (पीकेजी-4)	2017-18	3	6,11,892.42	0.42	6,11,892.42	पूर्ण
135	शून्य	जगन्नाथ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हरिहरपुर (कनिहा प्रखंड), डेहदुमा, सदाशिवपुर एवं गोदीवाधा अस्पताल में वर्ष 2018 के लिए पानी के टैंकर के माध्यम से अस्थायी पानी की आपूर्ति (पीकेजी-4)	2018-19	3	8,71,971.68	11,971.68	8,71,971.68	पूर्ण
136	शून्य	जगन्नाथ क्षेत्र के ग्राम हरिहरपुर (कनिहा प्रखंड), पवित्रपुर, डेहदुमा, सदाशिवपुर एवं गोदीवाधा अस्पताल में वर्ष 2019 के लिए पानी के टैंकर के माध्यम से अस्थायी रूप से पानी की आपूर्ति	2019-20	3	1569352.80	0.04	15,62,954.84	पूर्ण
137	शून्य	कनिहा क्षेत्र के कनिहा ओसीपी अंतर्गत कनिहा तहसील में सारणीय खासरोपण	2016-17	730	13,27,688.00	5,69,099.65	13,27,688.00	पूर्ण
138	शून्य	आदित्य प्रसाद गांव में सरकारी जमीन में तालाब की खेदाई	2016-17	70	7,47,913.93	33,722.39	6,89,534.00	पूर्ण
139	शून्य	कनिहा क्षेत्र के कनिहा ओसीपी में सीएसआर के तहत जयदा गांव, तेलसिवा गांव, कंसमुंडा गांव को टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	2019-20	365	4,87,986.00	2,25,823.97	4,87,986.00	पूर्ण
140	शून्य	कनिहा क्षेत्र के कनिहा ओसीपी में सीएसआर अंतर्गत कनिहा प्रखंड के कनिहा में कौशल उन्नयन हेतु प्रशिक्षण कक्षा का निर्माण	2019-20	255	24,21,143.16	24,21,143.16	24,21,143.16	पूर्ण
141	शून्य	कनिहा ओसीपी के अंतर्गत जयदा, तेलसिवा और कंसमुंडा गांवों में टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति	2016-17	365	4,26,826.30	51,219.07	4,26,826.30	पूर्ण
142	शून्य	लिंगराज क्षेत्र के कंधत ग्राम पंचायत के मदनमोहनपुर, बलुंगानुआ साही, बलुंगानु न्यू साही और बलुंगानु खमार गांवों में पानी की आपूर्ति	2019-20	60	863002.2	5,19,771.40	8,63,002.20	पूर्ण
143	शून्य	वर्ष 2019 के लिए तालचर अनुमंडल के एकादसीपुर एवं तालाबेड़ा के निकट बाबुगांव नुआ साही एवं बलुंगानु न्यू नुआ साही सहित बाबुगांव, लिंगराज क्षेत्र (पेकेज-II) सहित पानी की कमी वाले गांवों को 120 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	120	808673.20	4,46,403.76	8,08,673.20	पूर्ण
144	शून्य	वर्ष 2019 के लिए तालचर अनुमंडल के मणिकमारा, कृष्णचंद्रपुर, रसपुर, दशरथपुर और एकादसीपुर के पानी की कमी वाले गांवों, लिंगराज क्षेत्र (पेकेज-VI) को 120 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	120	4,71,196.66	1,14,314.82	4,71,196.66	पूर्ण
145	शून्य	वर्ष 2019 लिंगराज क्षेत्र (पीकेजी-II) के लिए तालचर अनुमंडल के कंधत, नगीजोड़ा और जदुनाथपुर के पानी की कमी वाले गांवों को 120 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	120	12,33,619.20	4,58,452.10	12,23,296.00	पूर्ण
146	शून्य	वर्ष 2019 के लिए लिंगराज क्षेत्र (पीकेजी-I) के लिए 120 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति की कमी वाले गांवों बाबुगांव खमार अनादीपुर, सीमाव्य नगर और तालचर उपखंड के तालाबराता को 120 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति	2019-20	120	6,01,403.52	1,27,200.85	5,96,295.60	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना का आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की प्रतियोगिता की स्थिति (पूर्ण/आंशिक)
147	शून्य	वर्ष 2019 के लिए निगराज क्षेत्र (पैकेज-IV) के लिए 120 दिनों के लिए पानी की आपूर्ति कंधल हंडी सहरी और तालचर उपमंडल के गोपाल शहरी के गांवों की पानी की आपूर्ति	2019-20	120	6,36,130.48	1,47,616.04	पूर्ण
148	शून्य	वर्ष 2019 निगराज क्षेत्र (पैकेज-V) के लिए 120 दिनों के लिए पानी की कमी वाले गांवों विषाधपुर, देवानिचिपुर, डेवलिन और तालचर उपमंडल के प्रोमोडप्रसाद की पानी की आपूर्ति (पैकेज-V)	2019-20	120	6,11,032.32	1,32,023.51	पूर्ण
149	शून्य	निगराज क्षेत्र के कंधल ग्राम पंचायत के लंगीजडा के पानी की कमी वाले गांवों में पानी की आपूर्ति	2019-20	60	2,17,000.00	4,000.00	पूर्ण
150	शून्य	वर्ष 2020 के लिए गमी के मोसन में तालचर नगर पालिका के पानी की कमी वाले गांवों की आपूर्ति	2019-20	122	87,50,000.00	65,00,000.00	पूर्ण
151	शून्य	सोपसभार के तहत सान्नी मंदिर से आनंदपुर तक नाले का निर्माण	2018-19	90	45,34,000.30	19,699.32	पूर्ण
152	शून्य	देवानिचिपुर नए गांव से पुरानी बस्ती तक सोसी रोड	2017-18	90	24,22,765.09	0.94	पूर्ण
153	शून्य	निगराज क्षेत्र में सोपसभार कार्य के तहत कंधल प्राथमिक विद्यालय में किचन रूम का निर्माण	2019-20	45	6,71,186.03	924.31	पूर्ण
154	शून्य	आर डी रोड से किशोरीपाल नाले तक सीमेंट कंक्रीट सड़क का निर्माण	2018-19	60	6,82,609.51	6,82,609.51	पूर्ण
155	शून्य	बाबुगा प्राथमिक विद्यालय के अवास्त हेतु नवम्बर 17 से सितम्बर 18 तक अर्थात् 11 माह का मकान बिलाना	2017-18	334	55000	49,629.51	पूर्ण
156	शून्य	एमसीएल के सोपसभार फंड के तहत पीएच स्कूल बरगड के इतिवस्त सामने की चारदीवारी और मुख्य द्वार का निर्माण	2018-19	365	8,00,250.00	8,00,250.00	पूर्ण
157	शून्य	जिला रेंड हास ब्लक बंक, देवगढ़ को वाहन का प्रावधान	2019-20	30	13,29,661.00	13,29,661.00	पूर्ण
158	शून्य	कामाख्या नगर जिला स्टेडियम टेक्नाल	2017-18	1095	24,37,600.00	24,37,600.00	पूर्ण
159	शून्य	एमसीएल फेज-1 के सोपसभार अंतर्गत टेक्नाल के कामाख्या नगर प्रखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास कार्य	2018-19	730	18,00,000.00	18,00,000.00	पूर्ण
160	शून्य	एमसीएल फेज II के सोपसभार अंतर्गत टेक्नाल के कामाख्या नगर प्रखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास कार्य	2018-19	730	18,00,000.00	18,00,000.00	पूर्ण
161	शून्य	जिला स्टेडियम का निर्माण झारसगढ़	2016-17	1460	15,64,86,154.00	48,79,640.00	पूर्ण
162	शून्य	संवाधर, आईएस आर्किटेक्चर वाइल्स एनोसिएशन द्वारा संचालित भूवनेश्वर के नगीब और झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के लिए श्रेय / स्कूल के लिए वित्तीय सहायता।	2019-20	365	6,50,000.00	6,50,000.00	पूर्ण
163	शून्य	संवाधर, आईएस आर्किटेक्चर वाइल्स एनोसिएशन द्वारा संचालित भूवनेश्वर के नगीब और झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के लिए श्रेय / स्कूल के लिए वित्तीय सहायता।	2016-17	1460	3,00,00,000.00	91,49,970.00	पूर्ण
164	शून्य	एमसीएल के सोपसभार फंड के तहत राज्य प्राधिकरण के अंतर्गत पर पानी प्रभावित क्षेत्रों के लिए एमसीएल के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा तत्काल आधार पर डीजी सेट की व्यवस्था	2019-20	730	11,89,109.00	43,740.00	पूर्ण
165	शून्य	डाॅ. इत्याक सतरा बालनिकेतन में दो शौचालय ब्लॉक का निर्माण	2019-20	240	14,01,765.68	14,01,765.68	पूर्ण

क्र.सं.	परियोजना का नाम	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई	परियोजना अवधि (दिनों में)	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की प्रारंभ की गई संयोजी राशि (रुपये में)	परियोजना की स्थिति (पूर्ण/अपूर्ण)
166	शून्य	एमसीएल के सीएसआर फंड के तहत एसबीवी और उसके आसपास संप्रदाय के लिए 1000 ट्री गाई उपलब्ध कराना	2017-18	30	3,33,214.00	3,33,214.00	3,33,214.00	पूर्ण
167	शून्य	एसबीवी जिले में पारंपरिक कला, संस्कृति और हस्तशिल्प के प्रचार और विकास के लिए वित्तीय सहायता	2017-18	30	10,00,000.00	10,00,000.00	10,00,000.00	पूर्ण
168	शून्य	जिला रूड क्रॉस शाखा, संवलपुर को वित्तीय सहायता	2019-20	365	2,00,000.00	2,00,000.00	2,00,000.00	पूर्ण
169	शून्य	लोक महोत्सव - 2020 के लिए वित्तीय सहायता	2019-20	30	7,00,000.00	7,00,000.00	7,00,000.00	पूर्ण
170	शून्य	हीराकुंड बांध परिसर में जवाहर उद्यान और गांधीमार्ग के बीच हीराकुंड रोपवे परियोजना की 1 वर्ष की वारंटी धारक	2019-20	365	60,00,000.00	55,55,433.00	55,55,433.00	पूर्ण
171	शून्य	सीएसबी जिला हाई स्कूल स्वयंसेवक, संवलपुर में एपीजे अब्दुल कलाम, माननीय पूर्व राष्ट्रपति भारत की प्रतिमा की स्थापना, जिसकी अनुमानित लागत ₹24 लाख।	2016-17	30	24,00,000.00	20,40,000.00	24,00,000.00	पूर्ण
172	शून्य	एमसीएल के सीएसआर के तहत सासन, रानीखिंड, संवलपुर के विभिन्न स्थानों पर सोनर एलईडी स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति और चाल करना।	2018-19	60	5,10,000.00	4,88,268.00	4,88,268.00	पूर्ण
173	शून्य	एमसीएल के सीएसआर के तहत पीयूपीएस स्कूल, चिपिलिमा, संवलपुर में सीसीबी के माध्यम से विकास के लिए वित्तीय सहायता।	2018-19	730	4,96,330.00	4,96,330.00	4,96,330.00	पूर्ण
174	शून्य	ग्राम विकास द्वारा संचालित जिले में सतत विकास कार्यों की चल रही परियोजना के हिस्से के रूप में जुड़े प्रशासन और प्रबंधन धन्य के साथ शौचालय और वायरलेस घटकों का निर्माण	2018-19	320	2,53,12,623.00	89,04,959.00	2,53,12,623.00	पूर्ण
	कुल				8,54,54,65,137.13	47,55,19,366.24	7,00,88,95,595.11	

टैबल - IV

वित्त वर्ष 2020-21 में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से सृजित संपत्तियों का विवरण

क्र.सं.	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि	इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिसके नाम पर ऐसी पूँजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि	सृजित या अधिग्रहीत पूँजीगत संपत्ति एजेंगीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) का विवरण)
1	31-03-2021	15,01,000.00	प्रधानाध्यापक, एकताली यू.पी. स्कूल, एकताली, झारसुगुडा, ओडिशा	एकताली यू.पी. स्कूल, एकताली, झारसुगुडा, ओडिशा के कक्षा के लिए 3 कमरा
2	22-09-2020	9,79,412.11	प्रधानाध्यापक, मिर्छाडिगा प्राइमरी स्कूल, मिर्छाडिगा, झारसुगुडा ओडिशा	मिर्छाडिगा प्राइमरी स्कूल, मिर्छाडिगा, झारसुगुडा ओडिशा के कक्षा के लिए 1 कमरा
3	27-02-2021	4,77,000.00	कार्यकारी अधिकारी, ब्रजराजनगर नगर पालिका, तमतीबहल, ब्रजराजनगर झारसुगुडा, ओडिशा	ब्रजराजनगर नगर पालिका, झारसुगुडा, ओडिशा के बुरोपाडा, मुंडापाडा, लुहारपाडा और नंधुवन नगर के लिए 04 बोरेल
4	30-12-2019	20,20,328.42	पुलिस अधीक्षक, जिला पुलिस कार्यालय, झारसुगुडा, ओडिशा	2 कमरे जिला पुलिस कार्यालय, झारसुगुडा, ओडिशा के लिए
5	12-03-2019	16,62,498.20	सरपंच, चांदीमल जीपी, चांदीमल, झारसुगुडा, ओडिशा	बरपाली गांव, चांदीमल जीपी, झारसुगुडा, ओडिशा में 610 मीटर की सीसी सड़क।
6	20-10-2020	17,90,898.87	कार्यकारी अधिकारी, बेलपाहाड नगर पालिका, बेलपाहाड, झारसुगुडा, ओडिशा,	मिर्छा डेरा गांव, बेलपाहाड नगर पालिका, झारसुगुडा, ओडिशा में 1 सामुदायिक केंद्र
7	16-11-2020	15,89,911.12	कार्यकारी अधिकारी, ब्रजराजनगर नगर पालिका, तमतीबहल, ब्रजराजनगर झारसुगुडा, ओडिशा	रमजा गांव, ब्रजराजनगर नगर पालिका, झारसुगुडा, ओडिशा में 520 मीटर की सीसी सड़क
8	03-03-2020	13,46,744.22	प्राचार्य, ब्रजराजनगर कॉलेज, ब्रजराजनगर, झारसुगुडा, ओडिशा	ब्रजराजनगर कॉलेज, ब्रजराजनगर, झारसुगुडा जिला, ओडिशा में एक होल जलनीमुंडा प्राइमरी स्कूल, राजपुर जीपी, गांधी चौक के पास, जिला झारसुगुडा, ओडिशा में एक कक्षा और चारदीवारी।
9	05-01-2021	7,69,000.00	प्रधानाध्यापक, जलनीमुंडा प्राथमिक विद्यालय, राजपुर जीपी, गांधी चौक के पास, जिला झारसुगुडा, ओडिशा	नेगीपाली, झारसुगुडा, ओडिशा में सखनपुर के गरीब सुखवासी परिवारों के पुनर्वास के लिए सड़क, नाली, पुलिया आदि नेगीपाली स्थल जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास।
10	07-01-2021	76,45,464.18	चौडैओ, सखनपुर ब्लॉक, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	बांधवहल, झारसुगुडा, ओडिशा के पीयूपीएस के लिए गहरी वॉरिंग के माध्यम से मौजूदा भवन और जलापूर्ति संयोजन की मरम्मत/निरपरा।
11	19-01-2019	6,26,000.00	प्रधानाध्यापक, बांधवहल पीयूपीएस, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	कुडालोई गांव, कुडालोई जीपी, झारसुगुडा, ओडिशा में विकलांगों के लिए आरसीसी भवन में ढलान युक्त (रैम) के साथ 1 होल एवं 1 भंडार कक्षा।
12	02-02-2021	16,54,495.98	सरपंच, कुडालोई जीपी, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	बांधवहल कल्याण मंडप, बांधवहल, झारसुगुडा, ओडिशा में चारदीवारी और आंतरिक सीसी रोड।
13	05-03-2021	12,90,000.00	सरपंच, बांधवहल जीपी, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	मनोज पाथी हाई स्कूल, साखामल, झारसुगुडा, ओडिशा में गेट के साथ चारदीवारी।
14	18-10-2020	15,22,605.65	प्रधानाध्यापक, मनोज पाथी हाई स्कूल, साखामल, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	बंजारी गांव, बंजारी जीपी, झारसुगुडा, ओडिशा में विकलांगों के लिए आरसीसी भवन में ढलान युक्त (रैम) के साथ 1 होल एवं 1 भंडार कक्षा।
15	13-01-2021	17,48,917.52	सरपंच, बंजारी जीपी, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	बारताप गांव, बंजारी जीपी, झारसुगुडा, ओडिशा में विकलांगों के लिए आरसीसी भवन में ढलान युक्त (रैम) के साथ 1 होल एवं 1 भंडार कक्षा।
16	11-01-2021	17,58,953.68	सरपंच, बंजारी जीपी, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	जयदीया गांव, बंजारी जीपी, झारसुगुडा, ओडिशा में विकलांगों के लिए आरसीसी भवन में ढलान युक्त (रैम) के साथ 1 होल एवं 1 भंडार कक्षा।
17	11-01-2021	17,40,393.51	सरपंच, बंजारी जीपी, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	अरसीसी भवन में ढलान युक्त (रैम) के साथ 1 होल एवं 1 भंडार कक्षा।
18	19-09-2020	52,23,000.00	सरपंच, बांधवहल जीपी, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	लगभग 700 मीटर लंबाई, 5 मीटर चौड़ी सीसी सड़क तातोपाडा से गौरपाडा तक बांधवहल, झारसुगुडा, ओडिशा के मुख्य सड़क को जोड़ती है।
19	01-02-2021	11,70,560.06	सरपंच, बांधवहल जीपी, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	शान्ति नगर, बांधवहल, झारसुगुडा, ओडिशा में लगभग 330 मीटर लंबाई, 610 मिमी चौड़ाई, 400 मिमी ऊंचाई सड़क।
20	16-04-2020	1,73,460.00	सखनपुर अस्पताल (कोविड -19 अस्पताल), रमतीएल, बांधवहल, झारसुगुडा जिला, ओडिशा	लखनपुर अस्पताल (कोविड -19 अस्पताल), रमतीएल, बांधवहल, झारसुगुडा, ओडिशा के लिए वाटर कूलर सह शोधक।
21	19-10-2020	2,51,340.00	सरपंच, बलिंगा जीपी, बरपाली गांव, हिमगीर-ब्लॉक जिला- सुंदरगढ़ (ओडिशा)	बलिंगा जीपी, बरपाली गांव, हिमगीर-ब्लॉक जिला- सुंदरगढ़ (ओडिशा) में पोल सड़क 20 सोलर स्ट्रीट लाइट।
22	23-10-2020	3,36,300.00	सरपंच, गोपालपुर जीपी, ग्राम रतनपुर, जिला- सुंदरगढ़ (ओडिशा)	गोपालपुर जीपी, ग्राम रतनपुर, जिला- सुंदरगढ़ (ओडिशा) में पोल सड़क 25 सोलर स्ट्रीट लाइट
23	21-02-2021	9,28,222.58	सरपंच, गोपालपुर जीपी, ग्राम रतनपुर, जिला- सुंदरगढ़ (ओडिशा)	गोपालपुर जीपी, गांव रतनपुर, जिला- सुंदरगढ़ (ओडिशा) में एक होल और एक कमरा।

क्र.सं.	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि	इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूँजीगत संपत्ति प्रोजेक्ट है, उनका पता आदि	सृजित या अधिग्रहीत पूँजीगत संपत्ति (पूँजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) का विवरण
24	19-09-2020	4,09,770.00	सरपंच, गोपालपुर जीपी, ग्राम रतनपुर, जिला- सुंदरगढ़ (ओडिशा)	रतनपुर गांव, गोपालपुर जीपी, जिला-सुंदरगढ़ (ओडिशा) में पोल सहित 29 सोलर लाइट।
25	12-05-2019	8,24,620.20	सरपंच, उज्ज्वलपुर जीपी, ब्लॉक तंगरपाली, सुंदरगढ़ (ओडिशा)	बेतसरा गांव, उज्ज्वलपुर जीपी, ब्लॉक तंगरपाली, सुंदरगढ़ (ओडिशा) में एक हिल और एक बमरा
26	14-11-2020	6,95,000.00	प्रधानाध्यापक, सकोसिया हाई स्कूल, अंगुल, ओडिशा	साकोसिया गांव, बनारपाल ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा के साकोसिया हाई स्कूल, के परिसर के चारों ओर चारदीवारी(बाउंडरीवाल)।
27	31-03-2020	7,20,760.76	सरपंच, कर्णपुर ग्राम पंचायत, अंगुल, ओडिशा	तालचर ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा के कर्णपुर गांव में कंक्रीट की नाली।
28	23-06-2019	40,00,000.00	खंड(ब्लॉक) विकास अधिकारी- बनारपाल, अंगुल, ओडिशा	बनारपाल ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा के बनारामप्रसाद गांव से लक्ष्मण प्रसाद गांव, तक (04 किलोमीटर) वाली सड़क का सुधार।
29	15-03-2020	6,08,000.56	ग्राम समिति अध्यक्ष - निशा गांव, अंगुल, ओडिशा	निशा गांव, छेडीपाड़ा ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में सामुदायिक केंद्र भवन।
30	15-03-2020	7,40,895.49	ग्राम समिति अध्यक्ष - निशा गांव, अंगुल, ओडिशा	बानार चौक, निशा गांव, छेडीपाड़ा ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में सामुदायिक केंद्र भवन।
31	23-02-2020	7,58,252.42	अध्यक्ष-श्री हिंगुला ठुकराली ट्रस्ट बोर्ड, गोपालप्रसाद, अंगुल, ओडिशा	श्री हिंगुला मंदिर, गोपालप्रसाद गांव, तालचर ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में 6.6 केवी ओवरहेड विजली आपूर्ति लाइन
32	10-02-2021	19,57,320.26	प्रधानाध्यापक-निशा हाई स्कूल, निशा गांव, अंगुल, ओडिशा	हाई स्कूल परिसर, निशा गांव, छेडीपाड़ा ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में 04 कक्षा
33	10-04-2020	7,67,203.07	अध्यक्ष-ग्राम समिति, जम्बूखाली ग्राम, अंगुल, ओडिशा	जम्बूखाली गांव, तालचर ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में कंक्रीट की नाली
34	07-05-2020	7,76,343.97	अध्यक्ष-ग्राम समिति, दतारा गांव, अंगुल, ओडिशा	मंडप शाही से पुराने पंप हाउस, दतारा गांव, तालचर ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में कंक्रीट की नाली
35	07-05-2020	7,79,417.13	अध्यक्ष-ग्राम समिति, दतारा गांव, अंगुल, ओडिशा	कटासाही, दतारा गांव, तालचर ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में कंक्रीट की नाली
36	07-05-2020	7,13,511.12	सरपंच, जमुनाली ग्राम पंचायत, अंगुल, ओडिशा	जमुनाली गांव, बनारपाल ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में कंक्रीट की नाली
37	03-09-2020	9,47,671.72	सरपंच, जमुनाली ग्राम पंचायत, अंगुल, ओडिशा	एकताली शाही, जमुनाली गांव, बनारपाल ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में रूइसावादी।
38	24-10-2020	99,884.47	सरपंच, कलामुडुई ग्राम पंचायत, अंगुल, ओडिशा	हिंगुला कॉलेज, कलामुडुई गांव, तालचर ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा के पास आरसीसी जल भंडारण टैंक
39	29-07-2019	10,46,118.18	सरपंच, जमुनाली ग्राम पंचायत, अंगुल, ओडिशा	गोला शाही, जमुनाली गांव, बनारपाल ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा में रूइसावादी।
40	11-12-2020	6,26,136.67	प्रधानाध्यापक-अंबापाल हाई स्कूल, अंबापाल गांव, अंगुल, ओडिशा	अंबापाल हाई स्कूल, अंबापाल गांव, छेडीपाड़ा ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा के स्कूल परिसर के चारों ओर चारदीवारी
41	16-12-2020	6,85,561.26	अध्यक्ष-ग्राम समिति, दतारा गांव, अंगुल, ओडिशा	दतारा गांव, तालचर ब्लॉक, अंगुल जिला, ओडिशा के जिनो स्टेडियम के पास सीमेंट कंक्रीट रोड।
42	30-10-2020	17,72,450.00	सरपंच, कर्णपुर, ग्राम-कर्णपुर, तालचर, अंगुल	कर्णपुर गांव, तालचर, अंगुल जिला, ओडिशा में 1 आरसीसी नाला
43	30-06-2019	22,19,366.13	बोर्डिंग, छेडीपाड़ा, छिंदपाड़ा, अंगुल	तहसील कार्यालय, छेडीपाड़ा, अंगुल जिला, ओडिशा में 1 प्रतीमास्थल और 1 बोरवेल।
44	15-03-2021	2,59,09,999.70	कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण तालचर, अंगुल,	गुरुबारा में एफसीआई गेट, तालचर, अंगुल, ओडिशा तक दोनों तरफ सीमेंट कंक्रीट नाली के साथ विटमिनस सड़क।
45	14-11-2019	9,66,798.12	सचिव, नारायण सेवाश्रम, कुकुडांग ग्राम पंचायत, अंगुल, ओडिशा	नारायण सेवाश्रम, कुकुडांग ग्राम पंचायत, अंगुल, ओडिशा में पाइपलाइन कनेक्शन के साथ एक ओवरहेड टैंक।
46	29-03-2018	3,17,591.28	कार्यकारी अभियंता, आरडी विभाग तालचर, अंगुल	अंगुल, ओडिशा तालचर रेलवे स्टेशन के पास घंटाघड़ा ग्राम पंचायत में सीमेंट कंक्रीट वाली सड़क।
47	15-12-2016	6,83,258.00	सचिव, नारायण सेवाश्रम, कुकुडांग ग्राम पंचायत, अंगुल, ओडिशा	नारायण सेवाश्रम, कुकुडांग ग्राम पंचायत, अंगुल, ओडिशा में सबमर्सिबल पंप के साथ बोरवेल।

क्र.सं.	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण तिथि	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि	इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूँजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि	सूचित या अधिग्रहीत पूँजीगत संपत्ति (पूँजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) का विवरण
48	19-02-2020	31,71,171.19	कार्यकारी अभियंता, आरडी विभाग तालचर, अंगुल	हिरमूल ग्राम पंचायत, तालचर, अंगुल, ओडिशा के न्यू नरहरिपुर में डबल्यूएन सड़क।
49	11-01-2020	94,92,892.61	कार्यकारी अभियंता, आरडी विभाग तालचर, अंगुल	इरा ग्राम पंचायत, तालचर, अंगुल, ओडिशा में बिदुमिनस सड़क
50	30-09-2018	5,45,091.11	प्रधानाध्यापक, घटापाड़ा हाई स्कूल, तालचर, ओडिशा	सदपाड़ा हाई स्कूल, तालचर, अंगुल, ओडिशा में सांस्कृतिक पंडाल छाटना।
51	25-05-2017	7,41,437.01	अध्यक्ष, बालेश्वर ग्राम समिति	बालेश्वर गांव, तालचर, अंगुल, ओडिशा में गहरा बोरवेल और पाइपलाइन
52	25-05-2017	5,51,711.58	अध्यक्ष, बहरा शाही ग्राम समिति, हिलोई ग्राम पंचायत	बहरा शाही गांव, हिलोई ग्राम पंचायत, तालचर, अंगुल, ओडिशा में गहरे बोरवेल और पाइपलाइन
53	18-05-2017	6,89,534.00	सरपंच, जरदा पंचायत, कनिहा ब्लॉक, अंगुल, ओडिशा	आदित्य प्रसाद गांव, कनिहा ब्लॉक, जिला अंगुल, ओडिशा में एक तालाब, दो स्नान घाट
54	29-10-2020	24,21,143.16	पशु चिकित्स अधिकारी, कनिहा ब्लॉक, अंगुल, ओडिशा	कनिहा ब्लॉक, जिला अंगुल, ओडिशा में बरानदे के साथ एक होल, एक शौचालय, एक भंडार गृह।
55	24-10-2020	11,74,990.57	प्रधानाचार्य, आरकिल हाई स्कूल, कनिहा ब्लॉक, अंगुल, ओडिशा	आरकिल हाई स्कूल, कनिहा ब्लॉक, अंगुल, ओडिशा में गेट के साथ बाउंड्री वाल
56	08-01-2021	6,78,938.19	ग्राम समिति अध्यक्ष, बदागौबिडा ग्राम, कनिहा प्रखंड, ओडिशा	बदागौबिडा गांव, कनिहा ब्लॉक, ओडिशा के कोठाघरा में गेट के साथ कपांडे वाल
57	26-05-2019	45,34,000.30	बलुंगा ग्राम समिति के अध्यक्ष, रंगधर नाहक - तालचर, ओडिशा	सानी मंदिर से पचाएच की ओर गांव आनंदपुर, तालचर, ओडिशा के आध्यम से 1 किमी की सानी धरमपुर जीपी, तालचर, ओडिशा के नए गांव दयानिधिपुर से पुरानी बस्ती तक 700 मीटर लंबाई और 3.5 मीटर चौड़ाई कंक्रीट की सीमेंट सड़क।
58	15-05-2018	24,22,765.09	सरपंच, धरमपुर जीपी, तालचर, ओडिशा	कांथल प्राइमरी स्कूल, तालचर, ओडिशा में एक निचलन रुम
59	27-08-2019	6,71,186.03	प्रधानाचार्य, कांथल प्राथमिक विद्यालय, तालचर, ओडिशा	तालाबरेना, तालचर, ओडिशा के गांव में पूजा कक्ष के साथ एक सामुदायिक किंड
60	02-12-2020	9,53,934.14	तालाबरेना ग्राम समिति, तालचर, ओडिशा	बलुंगा गांव, तालचर, ओडिशा में ब्लेक टॉप रोड से पथाघरा तक लंबाई 230 मीटर और 3.5 मीटर चौड़ाई कंक्रीट सीमेंट सड़क।
61	09-09-2020	8,72,405.27	बलुंगा ग्राम समिति के अध्यक्ष, रंगधर नाहक - तालचर, ओडिशा	धरमपुर जीपी, तालचर, ओडिशा के आरडी रोड से किशोरीपाल गांव तक लंबाई 158 मीटर और 4.5 मीटर चौड़ाई कंक्रीट की सीमेंट सड़क
62	30-04-2019	6,82,609.51	समिति सदस्य, धरमपुर जीपी, तालचर, ओडिशा	बस्तीधर युवक संघ, किशोरीपाल गांव, तालचर, ओडिशा के खेल के मैदान में बिजली युक्त खमीस्ट्रीट लाइट का निर्माण
63	07-06-2020	2,76,203.00	बस्तीधर युवक संघ, किशोरीपाल गांव, तालचर, ओडिशा	गांव तलाबरेना, तालचर, ओडिशा में सड़क के किनारे स्ट्रीट लाइट
64	25-08-2020	5,13,946.00	तालाबरेना ग्राम समिति, तालचर, ओडिशा	धरमपुर जीपी, तालचर, ओडिशा के कांथल गांव से लंबाई 205 मीटर और 3.5 मीटर चौड़ाई वाली कंक्रीट की सीमेंट सड़क
65	07-12-2020	6,33,632.14	सरपंच, कांथल जी.पी., तालचर, अंगुल, ओडिशा	बलुंगा गांव, तालचर, ओडिशा में ब्लेक टॉप रोड से पथाघरा तक लंबाई 230 मीटर और 3.5 मीटर चौड़ाई की कंक्रीट वाली सीमेंट सड़क।
66	09-09-2020	99,894.74	बलुंगा ग्राम समिति के अध्यक्ष, रंगधर नाहक - तालचर, ओडिशा	तालाबरेना, तालचर, ओडिशा के गांव में पूजा कक्ष के साथ एक सामुदायिक केंद्र।
67	02-12-2020	1,22,065.86	तालाबरेना ग्राम समिति, तालचर, ओडिशा	कांथल ग्राम पंचायत, तालचर, ओडिशा के गांव कांथल और तलाबेडा गांव में आंगनवाड़ी केंद्र के लिए एक-एक सामान्य शौचालय (लड़कियों के लिए एक और लड़कों के लिए एक) की व्यवस्था।
68	13-02-2021	5,59,619.53	सरपंच, कांथल जी.पी., श्रीमती धीरेनो मसुपात्र, तालचर, अंगुल, ओडिशा	गांव तलाबरेना, तालचर, अंगुल, ओडिशा में एक शिक्षा उद्यान (चिह्नित पार्क) श्री अरविंदो इंटरनल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, इरा, अंगुल जिला, ओडिशा में विद्यालय प्रयोगशाला के लिए एक होल
69	17-02-2021	9,00,000.00	तालाबरेना ग्राम समिति, तालचर, अंगुल, ओडिशा	फकीर मोहन गवर्नमेंट मॉडेल कालेज, कालिदासपुर, बलिया, जिला
70	31-12-2020	22,00,003.00	सचिव, श्री अरविंदो इंटरनल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, इरा, अंगुल जिला, ओडिशा	बालासोर, ओडिशा में 2 घाटर बॉडिंग मशीन
71	05-10-2020	11,40,000.00	मुख्य जिला चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य अधिकारी, बालासोर, ओडिशा	ओडिशा ब्लड बैंक, देवगढ़, जिला देवगढ़, ओडिशा के लिए फोर्स ट्रेवलर दरीकल
72	11-12-2019	13,29,661.00	जिलाधीश सह सीईओ, डीआरडीए, देवगढ़, जिला देवगढ़, ओडिशा	

क्र.सं.	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि	पूँजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि	इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या सामर्थी का चिह्न जिनके नाम पर ऐसी पूँजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि	सृजित या अधिग्रहीत पूँजीगत संपत्ति (पूँजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) का विवरण
73	26-06-2018	24,37,600.00	कार्यकारी अधिकारी, एनएसी, कामाख्यानगर, जिला। दैकनाल, ओडिशा	सारंगधर स्टेडियम, कामाख्यानगर, जिला दैकनाल, ओडिशा के मैदान के चारों ओर फुटपाथ
74	11-06-2020	18,00,000.00	प्रखंड(ब्लॉक) विकास पदाधिकारी कामाख्यानगर, जिला। दैकनाल, ओडिशा	कामाख्यानगर, जिला दैकनाल, ओडिशा में 5 सांस्कृतिक केंद्र और 2 खुष्का मंडप
75	11-06-2020	18,00,000.00	प्रखंड(ब्लॉक) विकास पदाधिकारी कामाख्यानगर, जिला। दैकनाल, ओडिशा	कामाख्यानगर, जिला दैकनाल, ओडिशा में 8 सांस्कृतिक केंद्र और 1 खुष्का मंडप
76	05-11-2020	15,48,79,640.00	परियोजना निदेशक, डीआरडीए, झारसूगुडा, ओडिशा	परियोजना निदेशक, डीआरडीए, झारसूगुडा, ओडिशा
77	13-11-2020	2,43,50,000.00	उप, निदेशक, नंदनकानन प्राणी उद्यान, बारंग, भुवनेश्वर, जिला खोरदा, ओडिशा	नंदनकानन प्राणी उद्यान, नंदनकानन रोड, बारंग, भुवनेश्वर, जिला खोरदा, ओडिशा
78	30-10-2020	14,01,765.68	सचिव, डॉ. इसाक सेंतरा बालनिकेतन, फुलझरग, संबलपुर जिला, ओडिशा	डॉ. इसाक सेंतरा बालनिकेतन, फुलझरग, संबलपुर जिला, ओडिशा में 2 शौचालय ब्लॉक (लडकों के लिए 1 और लडकियों के लिए 1)
79	13-12-2020	86,37,822.26	प्रधानाचार्य, सरस्वती शिशु मंदिर, बुलौ, संबलपुर जिला, ओडिशा	सरस्वती शिशु मंदिर, बुलौ, संबलपुर जिला, ओडिशा में 4 स्लास स्न और एक बहुउद्देशीय हॉल
80	13-12-2020	13,95,130.59	प्रधानाचार्य, सुनति बेहरा हाई स्कूल, चौरपुर, संबलपुर जिला, ओडिशा,	सुनति बेहरा हाई स्कूल, चौरपुर, संबलपुर जिला, ओडिशा में 1 शौचालय
81	12-12-2020	24,33,341.47	प्रधानाचार्य, मिथीपाड़ा प्राइमरी स्कूल, संबलपुर, ओडिशा	मिथीपाड़ा प्राइमरी स्कूल, मिथीपाड़ा गांव, संबलपुर जिला, ओडिशा में 2 कक्षा और एक विधान स्न, डाइनिंग शेड और इस्क-बैच के साथ।
82	20-12-2020	17,31,565.51	प्रधानाचार्य, न्यू रामपेला हाई स्कूल, रंगाली, संबलपुर जिला, ओडिशा	न्यू रामपेला हाई स्कूल, रंगाली, संबलपुर जिला, ओडिशा में एक शौचालय ब्लॉक 8 इन्क्यूसी पेन और 2 वॉश बेसिन
83	10-03-2021	42,46,717.34	अध्यक्ष, रक्षिणीनाथ बाल निकेतन, चवनपाली, संबलपुर जिला, ओडिशा	चवनपाली, संबलपुर जिला, ओडिशा के एजेसी, रक्षिणीनाथ बाल निकेतन, ने विशेष भार लेते हुए 2 बहुउद्देशीय हॉल, 1 कार्यालय कक्ष, 1 रसोई कक्ष और 3 शौचालय का निर्माण।
84	11-12-2020	20,18,199.37	ग्राम समिति, किरवा गांव, बुलौ, संबलपुर जिला, ओडिशा	किरवा गांव, बुलौ, संबलपुर जिला, ओडिशा में 520 मीटर वाली कंक्रीट रोड
85	19-05-2020	18,62,974.56	कुलपति, संबलपुर विश्वविद्यालय, बुलौ, संबलपुर जिला, ओडिशा	संबलपुर विश्वविद्यालय, बुलौ, संबलपुर जिला, ओडिशा में 2 पोर्टा युक्त केबिन शौचालय, 2 मुजालय, 2 वाथरूम शामिल हैं।
86	09-12-2020	4,88,268.00	कार्यकारी अभियंता, आर एड बी द्विजीवन, नंबर 2, संबलपुर, ओडिशा	संसाधन गांव, रानीखिंडा संबलपुर, ओडिशा में 4 लाइट और 5 सोलर स्ट्रीट लाइट के साथ 1 डिजिटल पोल्
87	09-12-2020	4,96,330.00	रेड मास्टर, सीसीबी फार्म पीपीएस स्कूल, चिपिलिमा (रूपपाली), संबलपुर जिला, ओडिशा	सीसीबी फार्म पीपीएस स्कूल, चिपिलिमा (रूपपाली), संबलपुर जिला, ओडिशा में बाउंड्री वॉल
88	16-08-2020	2,53,12,623.00	लाभोपार्जन के नाम से घरों में शौचालय बनाया गया तथा ग्रामीण जल आपूर्ति योजना को चालू किया गया जो परमिला समिति सुकुलपाली द्वारा स्वास्थ्य युक्त जल तथा स्वच्छता समिति जोंगापाड़ा - जेनगपाड़ा ग्रामिण जल ओ परमिला समिति - सुंदरगढ़ जिले का गोबरपेटी और ग्रामिण जल ओ परमिला समिति का-देवाबहल और ग्रामिण जल ओ परमिला समिति झारसूगुडा जिले के करलाबद है।	झारसूगुडा के सुंदरगढ़ जिले के करलाबद, गोबरपेटी, जोंगापाड़ा गांवों और देवाबहल, सुकुलपाली गांवों में 364 घरों शौचालय, 375 घरों जल आपूर्ति कनेक्शन, 5 ओवर रूड वॉटर टैंक, 4 बोरेबल और एक खुला टैंक।

फॉर्म संख्या. एम.आर.-3

2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए
सचिवीय लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

{कंपनी अधिनियम, 2013 के खंड 204(1) एवं कंपनी नियमावली (नियुक्ति एवं कार्कर्मिक पारिश्रमिक) 2014 के नियम संख्या 9 के अनुसरण में}

प्रति,
सदस्यगण,
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड,
जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर

हमने 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए मेसर्स महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (तत्पश्चात इसे कंपनी कहा गया है) द्वारा निगमित कार्यों के लिए लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन का सचिवीय लेखा परीक्षण किया। सचिवीय लेखा परीक्षा इस तरीके से किया गया था, जिससे हमें कॉरपोरेट आचरणों / वैधानिक अनुपालन का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने का उचित आधार मिला।

कंपनी की पुस्तकों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तकों, प्रपत्रों व दायर विवरणियों और कंपनी द्वारा बनाए गए अन्य अभिलेखों के हमारे सत्यापन के आधार पर और कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा सचिवीय लेखा परीक्षा के संचालन के दौरान प्रदान की गई जानकारी के आधार पर, जो कि कंपनी द्वारा हमें ई-मेल (जहां भी संभव हो) के माध्यम से प्रदान किए गए दस्तावेजों के आधार पर एवं वर्तमान में चल रही कोविड - 19 महामारी की स्थिति के कारण फोन पर उपलब्ध कराई गई, जानकारी के आधार पर, हम एतद् द्वारा रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लेखा परीक्षित अवधि में निम्न सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया तथा कंपनी के पास निम्नानुसार यथोचित बोर्ड-प्रक्रियाएं व अनुपालन-तंत्र मौजूद हैं।

हमने 31 मार्च 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष में निम्न प्रावधानों के अनुसार कंपनी द्वारा अनुरक्षित बहियों, कागजातों, कार्यवृत्त बहियों, प्रपत्रों व दायर विवरणियों तथा अन्य अभिलेखों की जांच की-

- (i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) तथा उसके तहत बनाये गए नियम।
- (ii) प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 ('एससीआरए') और उसके अधीन बनाये गए नियम (लागू नहीं है।)

- (iii) डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और अधिनियम के अधीन बने नियम और उपनियम, (लागू नहीं हैं।)
- (iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और उसके अधीन बने नियम और विनियम, जिसमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, प्रत्यक्ष निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और बाह्य वाणिज्यिक उधार शामिल हैं, (लागू नहीं हैं।)
- (v) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 ("सेबी अधिनियम") के तहत निर्धारित अधिनियम व दिशा निर्देश, (लागू नहीं हैं।) :-
 - क) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (शेयरों और अधिग्रहणों का पर्याप्त अधिग्रहण) अधिनियम, 2011, यथा संशोधित (लागू नहीं हैं।)
 - ख) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (आंतरिक व्यापार का निषेध) विनियमन, 2015, यथा संशोधित; (लागू नहीं हैं।)
 - ग) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी और प्रकटीकरण आवश्यकताएं जारी करना) नियमन, 2009; (लागू नहीं हैं।)
 - घ) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना व कर्मचारी स्टॉक क्रय योजना) दिशानिर्देश, 1999 (लागू नहीं हैं।)
 - ङ) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) नियमन, 2008 (लागू नहीं हैं।)
 - च) कंपनी अधिनियम व पक्षकारों के साथ निपटान संबंधी भारतीय प्रतिभूति एवं विनियमन बोर्ड (शेयर जारीकरण व अंतरण अभिकर्ता के पंजीयक) नियमन, 1993 (लागू नहीं हैं।)
 - छ) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों का असूचीयन) नियमन 2009 (लागू नहीं हैं।)
 - ज) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (प्रतिभूति का बायबैक) नियमन 1998, (लागू नहीं हैं।)
 - झ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (डिपॉजिटरी एंड प्रतिभागी) नियमन, 2018 ; (लागू नहीं हैं।)
- vi. सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए निगमित शासन पर दिशानिर्देश।
- vii. प्रबंधन ने निम्नलिखित कानूनों को विशेष रूप से कंपनी पर लागू होने के रूप में पहचाना एवं उसकी पुष्टि की है :
 - क) खान अधिनियम, 1952
 - ख) खान रियायत नियमावली, 1960
 - ग) खान बचाव नियम, 1985
 - घ) खान व्यवसायिक प्रशिक्षण नियमावली, 1966
 - ङ) खान (पोस्टिंग ऑफ एक्सट्रेक्ट) नियमावली, 1954
 - च) 1957 खान और खनिज (विकास विनियमन) अधिनियम, 1957
 - छ) भारतीय विद्युत नियमावली, 1985
 - ज) भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1984

- झ) भारतीय विस्फोटक नियमावली, 2008
- ञ) कोयला खान विनियम, 1957
- ट) कोयला खान संरक्षण और विकास अधिनियम, 1974
- ठ) कोयला खान पेंशन योजना, 1998
- ड) कोयला खान भविष्य (विविध प्रावधान) अधिनियम, 1948
- ढ) पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986
- ण) जल (प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम), 1974
- त) वायु (रोकथाम और प्रदूषण नियंत्रण) अधिनियम, 1981
- थ) मजदूरी का भुगतान (खान) नियमावली, 1956
- द) अनर्जित मजदूरी का भुगतान (खान) नियमावली, 1959
- ध) मातृत्व लाभ (खान) नियमावली, 1963
- न) कोलियरी कंट्रोल ऑर्डर, 2000
- न) कोलियरी कंट्रोल नियमावली, 2004
- प) भारतीय खान ब्यूरो (विद्युत पर्यवेक्षक और इलेक्ट्रीशियन) भर्ती नियमावली, 1990

हमने निम्नलिखित लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है:

- i. भारत के कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानक।
- ii. किसी भी स्टॉक एक्सचेंज के साथ कंपनी द्वारा लिस्टिंग समझौते में प्रवेश किया गया (लागू नहीं)
हम राजकोषीय कानूनों के अनुपालन और वित्तीय रिकॉर्ड और खातों की पुस्तकों के रखरखाव पर रिपोर्ट नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वैधानिक लेखा परीक्षा के दौरान वैधानिक लेखा परीक्षक द्वारा इसकी समीक्षा की जानी है।
समीक्षाधीन अवधि के दौरान 'अनुबंध- ख' में निर्दिष्ट टिप्पणियाँ और बिंदुओं के अधीन कंपनी ने कंपनी के लिए लागू अधिनियम, नियम, विनियम, डी.पी.आई. दिशानिर्देश, सचिवीय मानक इत्यादि के प्रावधानों का पालन किया गया है।
हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखा परीक्षा अवधि के दौरान, कंपनी ने कोई विशिष्ट घटना / कार्रवाई नहीं की है जो उपरोक्त उल्लिखित कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों, आदि के अनुसरण में कंपनी के मामलों पर एक बड़ा असर डाल सकता है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि :-

क. बोर्ड की संरचना :

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी के निदेशक मंडल का गठन 'अनुबंध- ख' में निर्दिष्ट टिप्पणियाँ और योग्यताओं के अधीन विधिवत किया गया है। समीक्षाधीन अवधि में निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन

को विधिवत दर्ज किया गया था और कंपनी द्वारा अधिनियम और नियमों के प्रावधानों के अनुपालन में उचित प्रक्रिया का पालन किया गया था।

ख. बैठक का आयोजन

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, बोर्ड की बैठक के लिए सभी निदेशकों को पर्याप्त सूचना दी गई थी। कार्यसूची और कार्यसूची पर विस्तृत टिप्पणी अग्रिम में भेजे गए थे। बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए बैठक से पहले कार्यसूची के विषय पर आगे की जानकारी और स्पष्टीकरण मांगने और प्राप्त करने के लिए एक प्रणाली मौजूद है। बोर्ड समिति की बैठक में सभी निर्णय बहुमत के साथ लिए जाते हैं और अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार इस उद्देश्य के लिए बनाए गए कार्यवृत्त पुस्तक में उन्हें दर्ज किया जाता है।

ग. वार्षिक सामान्य बैठक का आयोजन :

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, देश में कोविड-19 की स्थिति के कारण उत्पन्न महामारी में, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) के सामान्य परिपत्रों दिनांक 5 मई, 2020 साथ ही परिपत्र दिनांक 8 अप्रैल, 2020 और दिनांक 13 अप्रैल, 2020 के अनुसरण में वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए कंपनी की 28वीं वार्षिक आम बैठक दिनांक 19 अगस्त 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) या अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों (ओएवीएम) के माध्यम से आयोजित की गई।

वार्षिक आम बैठक को कम समय के सूचना पर आयोजित किया गया था और कंपनी के सभी सदस्यों की सहमति अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार प्राप्त की गई थी। बैठक से पहले कार्यवृत्त मदों पर जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए एक प्रणाली मौजूद है।

घ. सांविधिक रजिस्टर एवं रिकॉर्ड का रखरखाव :

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी अधिनियम, 2013; डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और नियमों के विभिन्न प्रावधानों के तहत निर्धारित सभी वैधानिक रजिस्टर, रिकॉर्ड और अन्य रजिस्टर, उसमें बनाए गए सभी आवश्यक प्रविष्टियों के साथ ठीक से रखा गया था।

ड. कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार वैधानिक फॉर्म और रिटर्न भरना :

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार विभिन्न प्रपत्र और रिटर्न निर्धारित समय सीमा के भीतर या विस्तारित समय में एमसीए/कंपनियों के रजिस्ट्रार के पास अपेक्षित शुल्क के साथ विधिवत दाखिल किए गए थे।

च. लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों के साथ अनुपालन :

कंपनी के प्रबंधन द्वारा प्रदान की गई समीक्षा और स्पष्टीकरण के तहत वित्तीय वर्ष के दौरान, लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इसके आकार और संचालन के साथ पर्याप्त प्रणालियाँ मौजूद हैं। कानून और विधियों के अनुपालन पर त्रैमासिक रिपोर्ट नियमित रूप से समीक्षा के लिए कंपनी के बोर्ड को प्रस्तुत की जाती है।

छ. बोर्ड के निर्णयों की लेखापरीक्षा और प्रमाणन :

बोर्ड की बैठकों में लिए गए निर्णयों की भी तिमाही आधार पर लेखा परीक्षा की जाती है और इस आशय का प्रमाण पत्र भी जारी किया जाता है कि लिए गए निर्णय डीओपी के दायरे में बोर्ड द्वारा तिमाही आधार पर प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव से प्राप्त किए गए हैं।

ज. लाभांश की घोषणा :

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) (होल्टिंग कंपनी) को वित्तीय वर्ष 2020-21 के संबंध में चालू वर्ष के अनुमानित कर पश्चात लाभ में से सितंबर 2020 तक प्रति रु. 1,000/ के 66,18,363 इक्विटी शेयरों पर 4,000.00 करोड़ रुपये (अर्थात् 6043.79 रुपये प्रति इक्विटी शेयर) की घोषणा की और पहले अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है।

कंपनी ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) (होल्टिंग कंपनी) को वित्तीय वर्ष 2020-21 के संबंध में चालू वर्ष के अनुमानित लाभ में से दिनांक 31.12.2020 तक प्रति रु. 1,000/ के 66,18,363 इक्विटी शेयरों पर 1225.00 करोड़ रुपये (अर्थात् प्रति इक्विटी शेयर 1850.91 रुपये) की घोषणा की और दूसरे अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है।

झ. एमसीएल बोर्ड की उप-समिति का पुनर्गठन

कंपनी के पास बोर्ड की निम्नलिखित सांविधिक समितियाँ हैं :

- i. लेखा परीक्षा समिति
- ii. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता विकास (सीएसआरएसडी) उप-समिति
- iii. नामांकन और पारिश्रमिक उप-समिति
- iv. जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी)

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, लेखा परीक्षा समिति, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता विकास (सीएसआरएसडी) उप-समिति, नामांकन और पारिश्रमिक उप-समिति का पुनः गठन किया गया था।

पुनर्गठित समिति के निहित कार्य और अधिकार का दायरा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 के प्रावधान के अनुसार है, जिसे कंपनी (बोर्ड और उसकी शक्तियों की बैठक) नियमावली, 2014, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के प्रावधानों के साथ डीपीई दिशानिर्देशों और क्रमशः उसके तहत बनाए गए नियमों के साथ पढ़ा जाए।

ग. अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक की नियुक्ति

समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान, श्री भोला नाथ शुक्ला अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने के कारण एमसीएल की सेवाओं से अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के रूप में दिनांक 31.10.2020 से प्रभावी रूप में सेवानिवृत्त हुए। श्री प्रभात कुमार सिन्हा ने 01.11.2020 से प्रभावी रूप में छह महीने की अवधि के लिए या

पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति तक, या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान कंपनी द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर और कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा रिकॉर्ड में लिए गए संबंधित विभाग द्वारा तिमाही अनुपालन रिपोर्ट की समीक्षा पर, हमारी राय में, लागू सामान्य कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इसके आकार और संचालन के अनुरूप कंपनी में पर्याप्त प्रणाली और प्रक्रियाएं तथा नियंत्रण तंत्र मौजूद हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि जैसा कि सूचित किया गया है, कंपनी ने जहाँ भी आवश्यक हो, सुधारात्मक उपायों के लिए कार्रवाई शुरू करने सहित विभिन्न सांविधिक/नियामक प्राधिकरणों से प्राप्त सूचनाओं का उचित रूप से जवाब दिया है।

कृते देब महापात्र एंड कंपनी,

कंपनी सचिव

ह/-

अंचल अग्रवाल, साझेदार,

एफसीएस सं. 9393, सीपी सं: 10548

स्थान : भुवनेश्वर

दिनांक: 10/05/2021

यूडीआईएन : F009393C000279938

टिप्पणी : यह रिपोर्ट हमारे इस तिथि के पत्र के साथ पढ़ी जानी है जिसे 'अनुलग्नक क' और 'अनुलग्नक ख' के रूप में संलग्नित किया गया है और जो इस रिपोर्ट का एक अभिन्न हिस्सा है।

प्रति,
सदस्यगण,
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड,
जागृति विहार, बुर्ला, संबलपुर

‘अनुलग्नक क’

इस तिथि की हमारी रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढ़ा जाना है :

1. सचिवीय रिकॉर्ड का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन सचिवीय रिकॉर्ड पर राय व्यक्त करना है।
2. हमने सचिवीय रिकॉर्ड की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त लेखा परीक्षा पद्धतियाँ और प्रक्रियाओं का पालन किया है। सत्यापन परीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया कि सचिवीय रिकॉर्ड में सही तथ्य परिलक्षित होते हैं। हम मानते हैं कि जिन पद्धतियाँ और प्रक्रियाएँ जिनका हमने अनुसरण किया है, वे हमारी राय को एक उचित आधार प्रदान करते हैं।
3. हमने कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड और लेखा पुस्तकों की शुद्धता और औचित्य का सत्यापन नहीं किया है।
4. जहाँ भी आवश्यक हो, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों आदि के अनुपालन और घटनाओं आदि के बारे में प्रबंधन का प्रतिनिधित्व प्राप्त किया है।
5. कॉर्पोरेट के प्रावधानों और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के अनुपालन की जिम्मेदारी प्रबंधन की है। हमारी जांच परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।
6. सचिवीय लेखा परीक्षा न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का और न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता के बारे में आश्वासन है, जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

कृते देब महापात्र एंड कंपनी,

कंपनी सचिव

ह/-

अंचल अग्रवाल, साझेदार,

एफसीएस सं. 9393, सीपी सं: 10548

स्थान : भुवनेश्वर

दिनांक: 10/05/2021

यूडीआईएन : F009393C000279938

‘अनुलग्नक ख’

सचिवीय लेखा परीक्षक का अवलोकन

क्र.सं	अधिनियम के प्रावधान	टिप्पणियाँ
1.	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 के प्रावधानों और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी के पास अपने कुल निदेशकों की संख्या का कम से कम एक तिहाई स्वतंत्र निदेशकों के रूप में होना चाहिए।	वित्तीय वर्ष की शुरुआत में, सीएमडी सहित कुल नौ (9) निदेशक थे, जिनमें से दो (2) निदेशक स्वतंत्र निदेशक थे। दिनांक 05.09.2020 को, एक (1) स्वतंत्र निदेशक ने अपना कार्यकाल पूरा होने पर पद छोड़ दिया। वित्तीय वर्ष के अंत में, बोर्ड में केवल एक (1) स्वतंत्र निदेशक के साथ बोर्ड की कुल संख्या घटकर आठ (8) हो गई। तदनुसार, बोर्ड की संरचना पूरे वर्ष कंपनी अधिनियम, 2013 और डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों का अनुपालन नहीं कर रही थी।
2.	लेखा परीक्षा समिति की संरचना के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177(2) के प्रावधान के अनुसार, लेखा परीक्षा समिति में बहुमत वाले स्वतंत्र निदेशकों के साथ न्यूनतम तीन निदेशक शामिल होंगे।	कंपनी के पास कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177(2) के तहत समिति में बोर्ड के सदस्यों के इष्टतम संयोजन के संबंध में आवश्यक स्वतंत्र निदेशक पर्याप्त नहीं हैं।
3.	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(1) के प्रावधानों के अनुसार कंपनी के बोर्ड में कम से कम एक महिला निदेशक होनी चाहिए।	वित्तीय वर्ष की शुरुआत में कंपनी के बोर्ड में एक महिला निदेशक है। दिनांक 05.09.2020 को महिला निदेशक के सेवा समाप्ति के पश्चात् बोर्ड में कोई महिला निदेशक नहीं है।

कृते देब महापात्र एंड कंपनी,

कंपनी सचिव

ह/-

अंचल अग्रवाल, साझेदार,

एफ़सीएस सं. 9393, सीपी सं: 10548

स्थान : भुवनेश्वर

दिनांक: 10/05/2021

यूडीआईएन : F009393C000279938

अनुलग्नक - III

निदेशकों की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) के तहत निदेशकों की रिपोर्ट में दी जाने वाली जानकारी को ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी विनिमय, आय एवं व्यय से संबंधित कंपनी नियमावली, 1988 (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में ब्योरे का उल्लेख) के साथ पढ़ा जाए।

अनुलग्नक -I

1. ऊर्जा का संरक्षण

1 (क). विद्युत ऊर्जा संरक्षण के लिए अपनाए गए उपाय

इस वर्ष की ऊर्जा स्थिति के मुख्य विवरण नीचे तुलनात्मक कथन के साथ प्रस्तुत किए गए हैं।

- i. वर्ष 2020-21 के दौरान बिजली की विशिष्ट खपत (कोयले हेतु) वर्ष 2019-20 के 2.23 किलोवाट/ टन की तुलना में 2.37 किलोवाट /टन अर्थात 6.27 % अधिक है।
- ii. 2020-21 के दौरान बिजली की विशिष्ट खपत (समग्र उत्पादन के लिए) (अर्थात कोयला + ओ.बी. हटाकर) वर्ष 2019-2020 के 1.50 किलोवाट / क्यूबिक मीटर की तुलना में 1.33 किलोवाट / क्यूबिक मीटर है जो 11.33 % कम है।
- iii. पॉवर फैक्टर बढ़ाए रखने के लिए वर्ष 2020-21 के दौरान उपरोक्त 0.97 पॉवर फैक्टर के अनुरक्षण के लिए 169.33 लाख रुपए के पावर फैक्टर प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई।
- iv. वर्ष 2020-21 के दौरान सभी आपूर्ति केंद्र के मासिक बिजली बिल के भुगतान की व्यवस्था के लिए हर महीने के चौथे दिन को 201.86 लाख रुपए की छुट वेसको/सीईएसयू से उपलब्ध कराई गई थी।

1. (ख) अक्षय ऊर्जा विकास (सौर ऊर्जा)

- i. 2 एमडबल्यूपी सोलर प्लांट दिनांक 13/10/2014 को 75% के औसत पीआर अनुपात के साथ सफलतापूर्वक चालू किया गया है। आज तक प्लांट ने 1,08,77,805 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन कम किया है।
- ii. एमसीएल में पहले चरण में सोलर रूफ टॉप पावर प्लांट की संस्थापना के लिए 66 सेवा भवनों की पहचान की गई है। जिसमें 16 भवनों को चिन्हित किया गया है जो नोडल अधिकारी (सौर), सीआईएल के निर्देशानुसार 1.21 मेगावाट सौर क्षमता को समायोजित कर सकते हैं। मसीएल ने 15/03/2021 को 1.21 मेगावाट पीक क्षमता के सौर रूफटॉप संयंत्रों का कार्य अर्थात आपूर्ति की शुरुआत की है तथा 2020-21 में 1.21 मेगावाट पीक सोलर रूफटॉप परियोजनाओं को निष्पादित किया जाएगा।

iii. चिह्नित स्थानों को नीचे तालिकाबद्ध किया गया है-

क्र.	क्षेत्र/स्थान	भवन	क्षमता (KWp)
1	ईब वैली क्षेत्र	महाप्रबंधक कार्यालय	65
2		केंद्रीय अस्पताल	335
3	मीरिएंट क्षेत्र	क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय	85
4	सखनपुर क्षेत्र	क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय	45
5		बेलपहाड़ परियोजना अधिकारी कार्यालय	55
6		त्रिवेणी गेस्ट हाउस	25
7	बसुंधरा क्षेत्र	महाप्रबंधक कार्यालय	40
8		मेघदुत सामुदायिक केंद्र	30
9	तालचेर क्षेत्र	सीडब्ल्यूएस तालचेर (3 भवन + 5 शेड)	230
10		डीएवी स्कूल	20
11	जगन्नाथ क्षेत्र	डीएवी स्कूल	155
12	लिंगराज क्षेत्र	क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय	50
13		अस्पताल	5
14		लिंगराज परियोजना अधिकारी कार्यालय	20
15	हिंशुला क्षेत्र	क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय	35
16		बलरामपुर परियोजना अधिकारी कार्यालय	15

1.(ग) ऊर्जा के प्रभावी संरक्षण के लिए बिजली की खपत में संभावित / संभव कमी के लिए उठाए गए कदम

- 0.97 से ऊपर पावर फैक्टर का रख-रखाव: 2019-20 के दौरान 0.97 से अधिक पावर फैक्टर बनाए रखने के लिए 201.86 लाख रुपये का पावर फैक्टर प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।
- पावर फैक्टर के सुधार के लिए कनिहा क्षेत्र में 1 नं. 3X450 केवीएआर कैपसिटर की स्थापना की गई है।
- कनिहा ओसीपी के लिए एक समर्पित 11 केवी ओवरहेड लाइन निर्माणाधीन है। इससे खानों के डीवाटरिंग के लिए डीजल पंप चलाने के लिए डीजल की खपत को कम करने में मदद मिलेगी।
- केवल उच्च स्टार रेटिंग वाले एयर कंडीशनर की खरीद, एयर कंडीशनर के फिल्टर की नियमित सफाई, एयर कंडीशनर के उपयोग न होने पर उसे बंद रखना आदि। खरीदी जा रही सभी नई विंडो और स्प्लिट एयर-कंडीशनर फाइव स्टार रेटिंग के हैं। 2020-21 में खरीदे गए 5 स्टार रेटेड एसी का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.	वातानुकूलन का प्रकार	मात्रा (संख्या)	स्थिति
1	1.5 टन स्प्लिट एसी, 5 स्टार	472	खरीदे गए
3	2 टन स्प्लिट एसी, 5 स्टार	167	खरीद प्रक्रियाधीन

- v. वर्ष 20-21 में 18378 एलईडी लाइट लगाए गए।
- vi. नए उपकरणों के लिए ऊर्जा कुशल विद्युत मोटर्स की खरीद की जा रही है।
- vii. एमसीएल मुख्यालय के अधिकारियों के क्वार्टर में ऊर्जा मीटर लगाए गए हैं। एमसीएल के क्षेत्रों में अधिकारियों के क्वार्टर में ऊर्जा मीटर स्थापित की प्रक्रिया जारी है।
- viii. सिंगल पॉइंट ट्रांसफॉर्मर से मल्टी पॉइंट पोल माउंटेड ट्रांसफार्मर तक टाउनशिप पावर डिस्ट्रीब्यूशन का पुनर्गठन।
- ix. एमसीएल ने अपने विभिन्न सेवा और प्रशासनिक भवनों में सोलर रूफटॉप पावर प्लांट्स की 1.21 मेगावाट पीक (कुल क्षमता) की आपूर्ति की शुरुआत के लिए कार्य सौंपा है।
- x. कम स्तर पर बिजली की अधिकतम मांग को कम करने तथा जितना संभव हो सके टॉड (दिन का समय) प्रोत्साहन उपलब्ध करने के लिए पंपिंग जैसे नियमित लोड को ऑफ-पीक घंटों के दौरान संचालित किया जा रहा है।
- xi. औद्योगिक पम्पों द्वारा ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए, कुछ कदम उठाए गए हैं, जैसे रखरखाव की प्रभावशीलता, पॉटुन का उपयोग आदि।
- xii. पंखों के लिए पारंपरिक चोक और रेग्युलेटर के बजाय इलेक्ट्रॉनिक रेग्युलेटर का उपयोग।
- xiii. ढीली कनेक्शन से बचने और फ्र्यूज के उचित आकार का उपयोग करना।
- xiv. केबल और कंडक्टर के उचित आकार के साथ न्यूनतम संचरण अर्थात् रेटेड क्षमता का सुनिश्चित करना।
- xv. ट्रांसफार्मर की क्षमता का इष्टतम उपयोग जिससे ट्रांसफार्मर के घाटे को कम किया जा सकता है।
- xvi. पावर कैपेसिटर का उपयोग करके ऊर्जा के करीब करीब 0.97 का अनुरक्षण किया गया है, ताकि ऊर्जा क्षति को कम किया जा सके।
- xvii. उचित क्षमता के इलेक्ट्रिक मोटर को सुनिश्चित करते हुए ऊर्जा के हानि को कम करने के लिए स्टेज पम्पिंग / इंटरमीडिएट पम्पिंग को कम कर दिया गया है।
- xviii. ऊर्जा अपव्यय को रोकने के लिए प्रकाश टावर के साथ स्वचालित टाइमर स्विच स्थापित किए गए हैं।
- xix. थोटलिंग से बचने के लिए पंपों के डिजाइन के अनुसार स्कसन और वितरण लाइनों के उचित आकार का उपयोग।
- xx. पाइपलाइनों में कोई रिसाव न हो इसे सुनिश्चित करना ताकि पंपिंग दक्षता में सुधार हो
- xxi. बीयरिंग आदि की उचित स्थिति सुनिश्चित करना।

2. A. ईंधन और लुब्रिकैंट्स:

ईंधन और लुब्रिकैंट्स की उपभोग में कमी लाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए:

1. इंजन, प्रसारण और हाइड्रोलिक संचालित प्रणालियों की आवधिक मरम्मत की जा रही है।
2. डीजल की प्राप्ति, भंडारण, जारी करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) क्षेत्रों में परिचालित की गई है।
3. सीएमपीडीआई द्वारा निर्धारित मानदंडों में विशेष डीजल खपत की नियमित नियमित रूप से निगरानी की जाती है।
4. टायर्स में हवा के दबाव की नियमित रूप से उचित जांच की जाती है।
5. उपकरणों के हाइड्रोलिक तेल के रिसाव को कम करने के लिए होज़ों और उनके मार्ग की आवधिक जांच की जा रही है।
6. उपकरणों की खराबी को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
7. सेल्फ स्टार्टर्स, अल्टर्नेटर्स और बैटरियों की नियमित जांच।
8. उपकरणों को स्वचालित रखने के लिए पर्याप्त बैटरियां प्रदान की जा रही हैं।

2. B. ऊर्जा की खपत और उत्पादन के मापदंडों पर परिणामी प्रभाव के लिए (क) के उपायों का प्रभाव

विवरण	2020-21	2019-20	पिछले वर्ष की तुलना में % परिवर्तन
विद्युत ऊर्जा			
(i) बिजली की विशिष्ट खपत (कोयला के लिए), kWh/टन में	2.37	2.23	(6.27)ए
(ii) बिजली की विशिष्ट खपत (समग्र उत्पादन के लिए) (यानी कोयला + O.B हटाने) kWh/Cu.M में	1.33	1.15	(11.33) ए
ईंधन और स्नेहक			
(i) विभागीय उत्पादन के लिए एचएसडी की लीटर/घन मीटर में खपत	0.928	0.952	-2.5 (अ)
(ii) विभागीय उत्पादन के लिए लुब्रिकैंट्स की लीटर/घन मीटर में खपत	0.0322	0.0390	-17.4 (अ)
(iii) कोयला उत्पादन में एचएसडी की लीटर/टन में खपत।	1.126	1.157	-2.7 (अ)
(iv) कोयला उत्पादन में स्नेहक की लीटर/टन में खपत।	0.0391	0.0474	-17.5 (अ)

अ - अनुकूल

प्र - प्रतिकूल

2. c. विदेशी मुद्रा आय और आउटगो

(i) निर्यात से संबंधित गतिविधियां, निर्यात बढ़ाने, : कंपनी निर्यात गतिविधियों में संलग्न नहीं है।
उत्पादों, निर्यात गतिविधि सेवाओं तथा निर्यात
योजनाओं के विकास हेतु की गयी पहलें

(ii) प्रयुक्त तथा अर्जित विदेशी मुद्रा

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
प्रयुक्त विदेशी मुद्रा:		
(i) आयात का सीआईएफ मूल्य		
क) पुर्जे, स्टोर और स्पेयर पार्ट्स	-	0.39
ख) पूंजीगत माल	7.11	-
(ii) यात्रा	0.04	0.09
(iii) ब्याज	0.06	0.06
(iv) अन्य	--	--
(ख) अर्जित विदेशी मुद्रा	शून्य	शून्य

कॉर्पोरेट शासन की शर्तों के अनुपालन का प्रमाणपत्र

सेवा में,
सदस्यगण
मैसर्स महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

हमने कॉर्पोरेट शासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार मैसर्स महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (इसके बाद "कंपनी" के रूप में संदर्भित) द्वारा 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए कॉर्पोरेट शासन की शर्तों के अनुपालन की जांच की है।

कॉर्पोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी जांच कॉर्पोरेट शासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उसके कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह न तो लेखा परीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति।

हमारी राय में, सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों तथा प्रबंधन द्वारा किए गए अभ्यावेदन के अनुसार, हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने "अनुलग्नक-1" में उल्लिखित निरीक्षण के आधार पर उपर्युक्त लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों में निर्धारित कॉर्पोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

हम पुनः घोषणा करते हैं कि इस तरह का अनुपालन न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही दक्षता या प्रभावशीलता जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

कृते राघव गर्ग एंड एसोसियेट्स
(कंपनी सचिव)

ह/-

सी.एस. राघव गर्ग, ए.सी.एस.

प्रोपराइटर

एमनं. 51644, सीपीनं. 18834

स्थान: संबलपुर

दिनांक: 10.05.2021

यूडीआईएन: A051644C000266628

अनुलग्नक - 1

क. निदेशक मंडल की संरचना :-

एमसीएल के निदेशक मंडल के गठन में 05 कार्यात्मक निदेशक, 02 कार्यकारी अंशकालिक निदेशक (01 सरकारी नामित और 01 सीआईएल नामित निदेशक), 04 स्वतंत्र निदेशक और ईस्ट कोस्ट रेलवे से 01 स्थायी आमंत्रित निदेशक शामिल हैं। 04 स्वतंत्र निदेशकों में से कंपनी में केवल 01 स्वतंत्र निदेशक हैं और अन्य 03 पद रिक्त हैं।

ख. लेखा परीक्षा समिति की संरचना :-

पिछले वर्ष के अनुसार, स्वतंत्र निदेशकों के 02 पद खाली पड़े थे, लेकिन श्रीमती सीमा शर्मा के दिनांक 05.09.2020 को स्वतंत्र निदेशक के पद की समाप्ति के परिणामस्वरूप दिनांक 31.03.2021 तक स्वतंत्र निदेशकों के 03 पद रिक्त पड़े हैं और इन्हें भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान भरा नहीं जा सका है। इसके परिणामस्वरूप लेखा परीक्षा समिति की संरचना के संबंध में डीपीई दिशानिर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है, क्योंकि लेखा परीक्षा समिति के दो- तिहाई सदस्य स्वतंत्र निदेशक होंगे।

कंपनी के प्रबंधन ने कहा है कि कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 03 और स्वतंत्र निदेशकों को शामिल करने के बाद, सभी 03 स्वतंत्र निदेशकों को लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों के रूप में शामिल करके कंपनी की लेखापरीक्षा समिति का पुनर्गठन किया जाएगा। यह डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों का अनुपालन करेगा।

कृते राघव गर्ग एंड एसोसियेट्स
(कंपनी सचिव)

ह/-

सी.एस. राघव गर्ग, ए.सी.एस.

प्रोपराइटर

एमनं. 51644, सीपीनं. 18834

स्थान: संबलपुर

दिनांक: 10.05.2021

कॉर्पोरेट शासन पर रिपोर्ट

कंपनी का दर्शन :

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) की संगठनात्मक प्रणाली में व्यवसाय दर्शन के रूप में कॉर्पोरेट शासन को और अधिक दृढ़ता से एकीकृत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पारदर्शिता, अधिक संगठनात्मक न्याय और कॉर्पोरेट स्थिरता सुनिश्चित करना है।

वर्ष 2010-11 से कॉर्पोरेट शासन पर दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए केंद्र सरकार के निर्देशों के साथ, दिशानिर्देशों का नए परिप्रेक्ष्य और समुचित अध्यवसाय के साथ पुनरावलोकन किया गया है।

इक्विटी, न्याय, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व आदि को सुशासन की कसौटी पर स्वीकार किया गया है, जिसे एमसीएल से संबंधित व्यावसायिक गतिविधियों के हर क्षेत्र में सर्वाधिक उपयोग के लिए आधार मूल्यों के रूप में स्वीकार किया गया है।

निदेशक मंडल-

बोर्ड में कार्यकारी, नामित और स्वतंत्र निदेशकों के सर्वोत्तम संयोजन के सिद्धांत के अनुपालन में, एमसीएल के निदेशक मंडल में दिनांक 31.03.2021 के अनुसार 11 (ग्यारह) निदेशक शामिल हैं, जिसे निम्ननुसार वर्गीकृत किया गया -

क) 05 (पाँच) कार्यकारी निदेशक (अध्यक्ष सह-प्रबंध-निदेशक सहित)

ख) 04 (चार) स्वतंत्र निदेशक

ग) 02 (दो) कार्यकारी अंशकालीन निदेशक (नामांकित)।

इसके अलावा मुख्य प्रचालन प्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, भुवनेश्वर को भी बोर्ड के स्थायी आमंत्रित व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया गया है।

वर्ष 2020-21 के दौरान दिनांक 15.06.2020, 12.08.2020, 30.10.2020, 26.12.2020, 12.01.2021, 02.02.2021, 12.02.2021, 22.02.2021 तथा 22.03.2021 को निदेशकों की उपस्थिति में 80% औसत से अधिक उपस्थिति में नौ (09) बार बैठकें की गईं।

बोर्ड की संरचना, बोर्ड की बैठक तथा पिछली वार्षिक सामान्य बैठक में निदेशकों की उपस्थिति और अन्य कंपनियों में निदेशक पद की संख्या के विवरण के साथ एक तालिका तैयार की जाती है।

नाम तथा पदनाम	श्रेणी	बोर्ड की बैठक		अन्य कंपनियों में निदेशक के पद पर	पिछले एजीएम में उपस्थित	अन्य समितियों में सदस्यता	
		कार्यकाल में आयोजित	उपस्थित				
श्री पी. के. सिन्हा	कार्यकारी	06	06	नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	नहीं	नील	03
श्री बी. एन. शुक्ला	कार्यकारी	03	03	शून्य	हाँ	नील	04
श्री ओ. पी. सिंह	कार्यकारी	09	09	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड	हाँ	08	05
श्री के. आर. वासुदेवन	कार्यकारी	09	09	एमजेएसजे कोल लिमिटेड	हाँ	नील	06
श्री केशव राय	कार्यकारी	09	09	(i) महानदी बेसिन पावर लिमिटेड (ii) महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	हाँ	नील	04
श्री बबन सिंह	कार्यकारी	09	09	(i) वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ii) एमएनएच शक्ति लिमिटेड	हाँ	नील	05
श्री एस. एन. तिवारी	सीआईएल नामांकित	09	08	(i) कोल इंडिया लिमिटेड (ii) नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (iii) वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	हाँ	05	02
श्री नागराज महिराला	सरकारी नामांकित	09	09	(i) नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ii) त्रिपुरा मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	नहीं	07	03
श्री एस. मोहन	स्वतंत्र	09	09	(i) यूनिकोप एडवाइजर प्राइवेट लिमिटेड (ii) यूनिकोप बीजेक्स प्राइवेट लिमिटेड (iii) रेलयोन सॉफ्टवेयर लिमिटेड (iv) सुजीत फिनकोन प्राइवेट लिमिटेड (v) गोल्फ लेदर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (vi) वेसिल रेस्टोरेट्स प्राइवेट लिमिटेड	हाँ	08	02
श्रीमती सीमा शर्मा	स्वतंत्र	02	02		हाँ	03	01

शासन के कुछ विषय जैसे वार्षिक लेखा, पूंजीगत व्यय, कोल विक्रय अनुबंध, श्रमशक्ति बजट, वैधानिक अनुपालन रिपोर्ट आदि बोर्ड की समीक्षा और अनुमोदन के लिए आरक्षित हैं।

निदेशकगणों का पारिश्रमिक :

क) पूर्णकालिक निदेशक

नाम	अन्य निदेशकगण के साथ संबंध	कंपनी के साथ व्यावसायिक संबंध यदि कोई हो	वर्ष 2020-21 के लिए पारिश्रमिक
			पारिश्रमिक पैकेज के सभी तत्व यानी वेतन, कार्य निष्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, पीएफ, पेंशन योगदान आदि (रु.)
श्री पी. के. सिन्हा	शून्य	अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक	0
श्री बी. एन. शुक्ला	शून्य	अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक	83,64,533.63
श्री के. आर. वासुदेवन	शून्य	निदेशक (वित्त)	61,78,655.56
श्री ओ. पी. सिंह	शून्य	निदेशक (तक./संचा.)	80,37,443.76
श्री केशव राय	शून्य	निदेशक (कार्मिक)	47,03,102.66
श्री बबन सिंह	शून्य	निदेशक (तक./यो. एवं परि.)	65,41,476.60

ख) आधिकारिक अंशकालिक निदेशक

कंपनी द्वारा आधिकारिक अंशकालिक निदेशकों को किसी पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जाता है।

ग) गैरआधिकारिक अंशकालिक निदेशक

गैर-आधिकारिक अंशकालिक निदेशकों को बोर्ड/समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क के अलावा किसी पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जाता है।

घ) सेवा अनुबंध, नोटिस अवधि, पृथक्करण शुल्क :

कंपनी के सभी कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। नियुक्ति किसी भी पक्ष द्वारा 03 माह के नोटिस पर अथवा उसके एवज में 03 माह के वेतन के भुगतान पर समाप्त की जा सकेगी।

बोर्ड की समितियाँ :

i. लेखा परीक्षा समिति

एमसीएल का मानना है कि व्यवसाय के सुचारु संचालन के लिए उचित स्वायत्तता के साथ उचित प्रकार से गठित लेखा परीक्षा समिति तथा निर्धारित कार्यक्षेत्र कुशल साधन हो सकते हैं। समिति नियमित अंतराल पर बैठक करती है और यथाशीघ्र मुद्दों का समाधान करती है। लेखापरीक्षा समिति की बैठकें भी उचित कार्यसूची के साथ आयोजित होती हैं और कार्रवाई की रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत की जाती है।

एमसीएल के वित्तीय और जानकारी/सूचना तक लेखा परीक्षा समिति की पहुंच है। समिति द्वारा किए गए अवलोकन की सूचना एमसीएल बोर्ड को दी जाती है। समिति जितनी बार चाहे बैठक कर सकती है लेकिन आशा की जाती है कि तिमाही में कम से कम एक बार बैठक अवश्य होगी।

कार्य क्षेत्र

लेखा परीक्षा समिति का कार्य क्षेत्र और अधिकार कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 के साथ पठित कंपनी (बोर्ड की बैठक और उसकी शक्तियाँ) नियमावली, 2014 के प्रावधानों के अनुसार हैं।

लेखा परीक्षा समिति की संरचना और बैठक का विवरण :

वर्ष के दौरान लेखा-परीक्षा की आठ बैठकें दिनांक 15.06.2020, 07.07.2020, 12.08.2020, 15.09.2020, 30.10.2020, 11.12.2020, 02.02.2021 तथा 22.02.2021 को हुई, बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का ब्यौरा निम्नानुसार है :

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
1.	श्री एस. मोहन	अध्यक्ष	8	8
2.	श्री एम. नागाराजू	सदस्य	8	7
3.	श्री एस. एन. तिवारी	सदस्य	8	5
4.	श्री ओ. पी. सिंह	सदस्य	8	8
5.	श्रीमती सीमा शर्मा	सदस्य	3	3

लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में, निदेशक (वित्त), आंतरिक लेखापरीक्षा के प्रमुख और सांविधिक लेखापरीक्षकों को वित्त, लेखा, लेखापरीक्षा और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली से संबंधित मामलों को स्पष्ट करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

मौजूदा लेखापरीक्षा समिति के अलावा, 2011-12 के दौरान बोर्ड की 134वीं और 135वीं बैठक में कंपनी की रणनीतिक और तकनीकी निर्णय लेने की प्रक्रिया को और मजबूत करने, कॉर्पोरेट प्रशासन का सही ढंग से पालन करने, मानव संसाधन के माध्यम से मूल्यवर्धन और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना की तात्कालिकता को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित उप-समितियों का गठन किया गया है।

ii) तकनीकी उप-समिति :

कार्यक्षेत्र :

एमसीएल बोर्ड के अनुमोदन के लिए परियोजनाओं का मूल्यांकन, निरूपण और सिफारिश।

उप-समिति की संरचना और बैठक का विवरण:

वर्ष के दौरान उपसमिति की पाँच बैठकें दिनांक -04.05.2020, 21.05.2020, 10.06.2020, 13.08.2020 तथा 21.09.2020 को हुईं जिनमें निम्न सदस्य उपस्थित थे :

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थित
1.	श्री पी. के. सिन्हा	अध्यक्ष	0	0
2.	श्री बी. एन. शुक्ला	अध्यक्ष	5	5
3.	श्री ओ. पी. सिंह	सदस्य	5	5
4.	श्री के. आर. वासुदेवन	सदस्य	5	5
5.	श्री केशव राव	सदस्य	5	5
6.	श्री बबन सिंह	सदस्य	5	3

(iii) सीएसआर तथा सतत विकास उप समिति (सी.एस.आर. एंड एस.डी.):

कार्य क्षेत्र :

पुनर्गठित समिति का कार्य क्षेत्र और अधिकार कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 , डीपीई दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार और समय-समय पर एमसीएल बोर्ड द्वारा तय किया जाएगा।

उप-समिति की संरचना और बैठक का विवरण :

वर्ष के दौरान दिनांक 15.06.2020, 17.08.2020, 28.12.2020, 02.02.2021 तथा 22.03.2021 को सीएसआरएसडी उप-समिति की पाँच बैठकें हुई, जिसमें सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार है-

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
1.	श्री के. आर. वासुदेवन	अध्यक्ष	5	5
2.	श्री एस. एन. तिवारी	सदस्य	5	3
3.	श्री एस. मोहन	सदस्य	3	3
4.	श्रीमती सीमा शर्मा	सदस्य	2	2
5.	श्री बबन सिंह	सदस्य	5	5

iv) जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी):

कार्य क्षेत्र :

समिति का कार्यक्षेत्र सीआईएल की नीति और कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार होगा।

उप-समिति की संरचना और बैठक का विवरण :

निम्नलिखित सदस्यों के साथ जोखिम प्रबंधन समिति का गठन 09 फरवरी, 2016 को किया गया तथा दिनांक 24.03.2021 को 01 बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें उपस्थिति निम्नानुसार थी -

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
1.	श्री ओ. पी. सिंह	अध्यक्ष	1	1
2.	श्री के. आर. वासुदेवन	सदस्य	1	1
3.	श्री केशव राव	सदस्य	1	1
4.	श्री बबन सिंह	सदस्य	1	1

v) नामांकन एवं पारिश्रामिक समिति :

कार्य क्षेत्र :

समिति का कार्यक्षेत्र और अधिकार सरकारी राजपत्र में अधिसूचना के अनुसार सरकारी कंपनी को दी गई छूट के आधार पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के अनुसार होगा।

उप-समिति की संरचना और बैठक का विवरण:

वर्ष 2020-21 के दौरान कोई बैठक आयोजित नहीं हुई।

vi) भू-विस्थापित मामलों के लिए उपसमिति:

कार्य क्षेत्र :

कंपनी द्वारा अपनाई जा रही पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना नीति के मौजूदा मानदंडों के अनुसार रोजगार, नकद और मुआवजा आदि के सभी मामलों पर विचार और अनुमोदन करना।

उप-समितियों की संरचना और बैठक का विवरण:

भू-विस्थापित मामलों की उपसमिति की वर्ष में 54 बैठकें दिनांक 02.04.2020, 08.04.2020, 13.04.2020, 24.04.2020, 30.04.2020, 08.05.2020, 16.05.2020, 18.05.2020, 20.05.2020, 23.05.2020, 06.06.2020, 9.06.2020, 11.06.2020, 16.06.2020, 18.06.2020, 23.06.2020, 27.06.2020, 02.07.2020, 10.07.2020, 14.07.2020, 17.07.2020, 26.07.2020, 29.07.2020, 31.07.2020, 06.08.2020, 14.08.2020, 21.08.2020, 22.08.2020, 28.08.2020, 05.09.2020, 14.09.2020, 15.09.2020, 21.09.2020, 25.09.2020, 29.09.2020, 06.10.2020, 09.10.2020, 27.10.2020, 28.10.2020, 05.11.2020, 13.11.2020, 23.11.2020, 01.12.2020, 10.12.2020, 24.12.2020, 31.12.2020, 11.01.2021, 18.01.2021, 25.01.2021, 04.02.2021, 20.02.2021, 08.03.2021, 19.03.2021 तथा

22.03.2021 को हुई, जिनमें सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार रही :

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
1.	श्री पी. के. सिन्हा	अध्यक्ष	15	15
2.	श्री बी. एन. शुक्ला	अध्यक्ष	39	39
3.	श्री ओ. पी. सिंह	सदस्य	54	52
4.	श्री के. आर. वासुदेवन	सदस्य	54	54
5.	श्री केशव राव	सदस्य	54	53
6.	श्री बबन सिंह	सदस्य	50	49
7.	श्री के. के. मिश्रा	सदस्य	04	0

viii) निदेशकों की सशक्त समिति :

एमसीएल बोर्ड ने सीआईएल द्वारा जारी संशोधित डीओपी के अनुपालन में परिपत्र प्रस्ताव 20 (2019-20), दिनांक 02.12.2019 के माध्यम से निदेशकों की सशक्त समिति (ईसीडी) का गठन किया है।

कार्य क्षेत्र :

जैसा कि सीआईएल द्वारा परिचालित संशोधित डीओपी में परिभाषित किया गया है।

उप-समितियों की संरचना और बैठक का विवरण :

समिति ने इस वर्ष के दौरान दिनांक 11.04.2020, 15.06.2020, 12.08.2020, 30.10.2020, 12.01.2021, 02.02.2021 तथा 22.03.2021 को 7(सात) बैठकें की, जिसमें सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार रही :

क्रमांक	नाम	स्थिति	कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	उपस्थिति
1	श्री पी. के. सिन्हा	अध्यक्ष	3	3
2.	श्री बी. एन. शुक्ला	अध्यक्ष	4	4
3.	श्री एम. नागाराजू	सदस्य	7	7
4.	श्री एस. एन. तिवारी	सदस्य	7	7
5.	श्री के. आर. वासुदेवन	सदस्य	7	7
6.	श्री एस. मोहन	सदस्य	7	7

सांविधिक लेखा परीक्षक -

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 के तहत, निम्नलिखित लेखापरीक्षा फर्मों को वर्ष 2020-21 के लिए सांविधिक/शाखा लेखापरीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया।

सांविधिक लेखा परीक्षक :

1. सिंह राय मिश्रा एंड कं.,
(पहली तिमाही के लिए)
सनदी लेखाकार,
फ्लैट नं-207, कृष्णा, झारपाड़ा,
भूबनेश्वर-751006, ओडिशा

2. मेसर्स पम्स एंड एसोसिएट्स
(दूसरी, तीसरी और वार्षिक तिमाही के लिए)
सनदी लेखाकार
प्लॉट नं 506ए, बाया बाबा मठ के पीछे
यूनिट -IX, भूबनेश्वर-751022

शाखा लेखा परीक्षक:

1. मेसर्स एससीएम एसोसिएट्स
(पहली तिमाही के लिए)
सनदी लेखाकार,
98, खारवेल नगर,
केशरी टाकिस कॉम्प्लेक्स,
प्रथम तल, भूबनेश्वर-751001, ओडिशा

2. मेसर्स पम्स एंड एसोसिएट्स
(दूसरी, तीसरी और वार्षिक तिमाही के लिए)
सनदी लेखाकार
प्लॉट नं 506ए, बाया बाबा मठ के पीछे
यूनिट -IX, भूबनेश्वर-751022

लेखा परीक्षा का प्रकार	पारिश्रमिक (रु.)	टिप्पणी
वर्ष 2020-21 के लिए सांविधिक लेखापरीक्षा	रु. 42,41,313.00 (जीएसटी सहित) (प्रधान लेखा परीक्षक को 27,16,765.00 रुपये और शाखा लेखा परीक्षक को 15,24,548.00 रुपये)	वास्तविक खर्च की प्रतिपूर्ति/भुगतान वास्तविक रूप से लेखा परीक्षा शुल्क के 50% तक सीमित है। (प्रधान लेखा परीक्षक के लेखा परीक्षा शुल्क में एमसीएल के चार अनुषंगियों के साथ खातों के समेकन की समीक्षा के लिए शुल्क शामिल है।)
कॉर्पोरेट शासन की शर्तों का अनुपालन	रु.12,000.00	सभी समावेशी।

शेयरधारकों की सामान्य बैठक :

पिछले 03 वर्षों के दौरान आयोजित शेयरधारकों की सामान्य बैठक का विवरण निम्नानुसार है :

वार्षिक सामान्य बैठकें

वर्ष	दिनांक	समय	स्थान	विशेष संकल्प, यदि कोई हो
2018-19	27.07.2018	प्रातः 10.00 बजे	कोयला भवन, परिसर नंबर-4, प्लॉट नं- एएफ-III, एक्शन एरिया -1 ए, न्यूटॉउन, राजरहाट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	शून्य
2019-20	11.07.2019	प्रातः 10.30 बजे	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड जागृति विहार, बुर्ला, सम्बलपुर	दो
2020-21	19.08.2020	प्रातः 10:30 बजे	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड जागृति विहार, बुर्ला, सम्बलपुर	शून्य

विशेष सामान्य बैठक : दिनांक 21.03.2018 यानी 2017-18 को अंतिम असाधारण सामान्य बैठक। इसलिए पिछले तीन वित्तीय वर्ष में कोई असाधारण सामान्य बैठक नहीं।

वर्ष	दिनांक	समय	स्थान	विशेष संकल्प, यदि कोई हो
2018-19	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2019-20	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
2020-21	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

एमसीएल बोर्ड के सदस्यों एवं वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों हेतु व्यापार आचरण एवं आचार संहिता।

कंपनी के निदेशक मंडल ने 29 मार्च, 2008 को कोलकाता में आयोजित 94 वीं बैठक में निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए एक आचार संहिता को अपनाया है जिसे कंपनी की वेबसाइट www.mahanadicoal.in पर भी पोस्ट किया गया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (आईएफसी) पर रिपोर्ट :

एमसीएल के सभी आंतरिक लेखापरीक्षकों ने एमसीएल की प्रचलित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। सभी लेखा परीक्षकों का मत है कि एमसीएल ने सभी भौतिक मामलों में, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (परिचालन नियंत्रण सहित) निर्धारित किए हैं तथा ऐसे नियंत्रण पर्याप्त हैं और वर्ष 2019-20 के दौरान प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

जोखिम प्रबंधन :

प्रभावी जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया हेतु कंपनी के विभिन्न कार्यक्षेत्रों में जोखिम की पहचान, आंकलन एवं नियंत्रण को महत्व देते हुए पारम्परिक, आंतरिक एवं बाह्य जोखिम पर आवश्यक नियंत्रण हेतु नियमित उपाय किये जाते हैं। भूमि अधिग्रहण, वन मंजूरी, भूमि विस्थापितों की समस्याएं कुछ ऐसे महत्वपूर्ण कारक हैं जिन पर प्रबंधन द्वारा लगातार नजर रखी जाती है। कंपनी के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक कारकों जैसे मशीनरी, सुरक्षा, औद्योगिक संबंधों आदि के निवारक रखरखाव को भी उचित महत्व दिया जाता है। एमसीएल में जोखिम प्रबंधन तंत्र के कामकाज की समीक्षा के लिए वर्ष 2011-12 में शीर्ष स्तर पर बोर्ड की एक अलग उप-समिति का गठन किया गया। इसके अलावा, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एन) की आवश्यकताओं के प्रावधानों के अनुपालन के लिए, उक्त समिति को दिनांक 09.02.2016 को एमसीएल बोर्ड द्वारा "जोखिम प्रबंधन समिति" (आरएमसी) के रूप में नामित किया गया है। एमसीएल में जोखिम प्रबंधन से संबंधित मामलों के समन्वय और अनुपालन के लिए महाप्रबंधक (एस एंड आर), एमसीएल को मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ), एमसीएल के आरएमसी प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए नामित किया गया है।

व्हिसल ब्लोअर नीति :

एक सरकारी कंपनी होने के नाते, नियंत्रक व महालेखापरीक्षक, सतर्कता, सीबीआई आदि द्वारा लेखापरीक्षा हेतु कंपनी की गतिविधियाँ खुली हैं। सीआईएल की नीति के अनुरूप एक नीति बनाई गई है जिसका पालन किया जाता है।

लेखांकन कार्य :

वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत लागू अनिवार्य लेखांकन मानकों और प्रासंगिक आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किए जाते हैं।

संचार-साधन :

कंपनी के परिचालन और वित्तीय कार्य निष्पादन को प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्रों और स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाता है। उपरोक्त के अलावा, वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट में दर्शाये जाते हैं।

लेखा परीक्षा योग्यताएं :

कंपनी का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि वह अयोग्य वित्तीय विवरणों को प्रस्तुत करें। 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लेखा पर वैधानिक लेखापरीक्षकों की टिप्पणियों पर प्रबंधन का जवाब निदेशकों के रिपोर्ट के अनुलग्नक के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 के प्रावधानों के तहत एमसीएल के लेखा पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ भी संलग्न हैं।

बोर्ड के सदस्यों का प्रशिक्षण :

कार्यकारी निदेशक, अपने संबंधित कार्यात्मक क्षेत्रों में अपेक्षित विशेषज्ञता और अनुभव रखने के कारण, कंपनी के व्यवसाय मॉडल के साथ-साथ कंपनी के व्यवसाय के जोखिम प्रोफाइल से अवगत होते हैं। अंशकालिक निदेशक कंपनी के व्यवसाय मॉडल से पूरी तरह अवगत हैं। हालांकि, कॉर्पोरेट शासन अभ्यास से बेहतर ढंग से परिचित कराने के उद्देश्य से, स्वतंत्र निदेशकों को शीर्ष संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए नामित किया जाता है। कॉर्पोरेट शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप निदेशकों के लिए एक उपयुक्त प्रशिक्षण नीति भी लागू की गई है।

डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार कॉर्पोरेट शासन का अनुपालन

आपकी कंपनी ने डीपीई द्वारा दिनांक 28.06.2011 को जारी कार्यालय ज्ञापन संख्या डीपीई/14(38)/10-वित्त के अनुसार दिशानिर्देशों को लागू किया है और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुपालन के लिए उसे सीईओ द्वारा एक प्रमाणपत्र दिया गया है।

आपकी कंपनी ने वर्ष 2020-21 के लिए कॉर्पोरेट शासन में 92% का वार्षिक अंक हासिल किया है, जो 'उत्कृष्ट' ग्रेडिंग है।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

क. उद्योग संरचना और विकास:

कोयला - ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत :

कोयला ऊर्जा का प्रमुख, स्थायी और विश्वसनीय स्रोत है। वैश्विक रूप से, वर्ष 1950 के बाद से वाणिज्यिक ऊर्जा के लिए कोयले का उपयोग कम होता जा रहा है, इसका मुख्य कारण है पर्यावरणीय संबंधी मुद्दे और सस्ते तेल और गैस की उपलब्धता। हालाँकि, भारत में परिदृश्य बिल्कुल अलग है, यहां देश के भीतर सीमित तेल के भंडार के साथ कोयला प्रचुर मात्रा में होने एवं आसानी उपलब्ध होने के कारण बिजली उत्पादन में प्रमुख भूमिका निभाता है।

कोयला भंडार :

हमारे देश में जीवाश्म संसाधनों का 97% कोयला मौजूद है। दिनांक. 01.04.2019 तक राष्ट्रीय कोयला इन्वेंटरी ने 326.495 बिलियन टन (बीटी) ठोस कोयला संसाधनों को 1200 मीटर की गहराई तक 68 अलग-अलग कोलफील्ड्स में रखा है, विवरण निम्नानुसार हैं:

क्र.	राज्य	कोलफील्ड्स की संख्या	कोयला भंडार (बि.टन)	भारत का %
1	झारखंड	12	84.506	25.88
2	ओडिशा	2	80.840	24.76
3	छत्तीसगढ़	13	59.908	18.35
4	पश्चिम बंगाल	4	31.690	9.71
5	मध्यप्रदेश	8	28.793	8.82
6	तेलंगाना	1	21.839	6.69
7	महाराष्ट्र	5	12.677	3.88
8	पूर्वोत्तर राज्य	20	1.739	0.53
9	आंध्रप्रदेश	1	1.607	0.49
10	उत्तरप्रदेश	1	1.062	0.33
11	बिहार	1	1.834	0.56
कुल		68	326.495	100

झारखंड के बाद कोयले के आरक्षित भंडार में ओडिशा भारत में दूसरे स्थान पर है। 1 अप्रैल, 2019 तक ओडिशा का कुल कोयला भंडार 80.840 बिलियन टन होने का अनुमान है, जो कुल राष्ट्रीय कोयला भंडार का 24.76% है। ओडिशा के दो कोयला क्षेत्र अर्थात तालचेर और ईब-वैली कोलफील्ड्स एमसीएल के नियंत्रण क्षेत्र के अंतर्गत हैं;

तालचेर सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र (51.220 बिलियन टन) है और ईब-वैली भारत का तीसरा सबसे बड़ा (29.620 बिलियन टन) कोयला क्षेत्र है। 80.840 बिलियन टन कोयला भंडार में से 39.654 बिलियन टन (49.05%)मापे गए कोयला भंडार हैं।

ओडिशा के तालचेर और ईब-वैली कोलफील्ड्स विशाल थर्मल ग्रेड नॉन-कोकिंग कोयला के भंडार हैं, जिसमें सबसे अनुकूल संभावनाएं हैं। मौजूदा थर्मल प्लांट्स और दक्षिणी एवं पश्चिमी भारत से कोयले की मांग बढ़ रही है।

कोयले का ऑफ-टेक और प्रेषण:

वर्ष 2021-22 के लिए एमसीएल ने 182 मिलियन टन के ऑफ-टेक कार्यक्रम हेतु योजना बनाई है।

XI योजना, XII योजना, 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21 के लिए एमसीएल का क्षेत्रवार वास्तविक कोयला ऑफ-टेक कार्यक्रम हेतु और 2021-22 के लिए अनुमान

क्षेत्र	XI योजना					XII योजना					(आंकड़े मिलियन टन में)				
	2007-08 वास्तविक	2008-09 वास्तविक	2009-10 वास्तविक	2010-11 वास्तविक	2011-12 वास्तविक	2012-13 वास्तविक	2013-14 वास्तविक	2014-15 वास्तविक	2015-16 वास्तविक	2016-17 वास्तविक	2017-18 (वास्तविक)	2018-19 वास्तविक	2019-20 वास्तविक	2020-21 (प्र.)	2021-22 (गै.)
उत्पाद	68.09	70.47	70.88	74.73	77.11	88.16	78.223	87.717	91.173	98.550	99.274	102.527	92.679	98.20	131.00
सोर्गेट	0.19	0.17	0.26	0.27	0.23	0.348	0.340	0.432	0.24	0.257	0.186	0.221	0.206	0.17	0.1
उत्पाद	-	-	-	0.02	0.026	0.060	0.0367	0.024	0.004	0.00	0.052	0.053	0.000	0.00	0.00
अन्य	15.35	20.06	27.01 *	27.07	25.16	23.356	35.742	34.828	48.797	44.204	38.750	39.505	41.131	47.64	50.9
कुल	83.63	91.30	98.15	102.09	102.52	111.964	114.342	123.001	140.214	143.011	138.262	142.306	134.016	146.01	182.00

XIवी योजना, XIIवी योजना, 2017-18, 2018-19, 2019-20, 2020-21 के लिए एमसीएल की मोड-वार वास्तविक कोयला आवाजाही और 2021-22 के लिए अनुमान :

ऑफ-टेक या माध्यम	XI योजना					XII योजना					(आकड़े मिलियन टन में)					
	2007-08 वास्तविक	2008-09 वास्तविक	2009-10 वास्तविक	2010-11 वास्तविक	2011-12 वास्तविक	2012-13 वास्तविक	2013-14 वास्तविक	2014-15 वास्तविक	2015-16 वास्तविक	2016-17 वास्तविक	2017-18 (वास्तविक)	2018-19 वास्तविक	2019-20 वास्तविक	2020-21 (प्र.)	2021-22 (गै.)	
रेल	51.68	54.18	55.84	59.24	60.310	68.727	72.2246	81.260	89.079	90.776	89.442	87.384	76.809	96.25	120.15	
रोड	12.16	18.68	23.35	25.12	25.623	25.219	24.506	25.152	34.515	38.210	34.816	42.780	43.261	33.39	43.88	
एमजीआर	18.99	17.08	17.37	16.11	14.797	16.191	15.745	15.166	15.231	12.611	12.588	10.567	12.432	15.15	17.97	
अन्य	1.20	1.36	1.59	1.62	1.791	1.819	1.866	1.423	1.389	1.410	1.416	1.575	1.514	1.21	0.00	
कुल	83.63	91.30	98.15	102.09	102.521	111.959	114.342	123.001	140.214	143.007	138.262	142.306	134.016	146.01	182.00	

कोयले की उपलब्धता:

2008-09 से 2020-21 तक का वास्तविक कोयला उत्पादन और वर्ष 2021-22 के दौरान मौजूदा खदानों, पूर्ण की गई परियोजनाएं एवं एमसीएल में चालू परियोजनाओं का उत्पादन अनुमान नीचे दिया गया है।

परियोजनाएं	(आंकड़े मिलियन टन में)													
	2008-09 वास्तविक	2009-10 वास्तविक	2010-11 वास्तविक	2011-12 वास्तविक	2012-13 वास्तविक	2013-14 वास्तविक	2014-15 वास्तविक	2015-16 वास्तविक	2016-17 वास्तविक	2017-18 वास्तविक	2018-19 वास्तविक	2019-20 वास्तविक	2020-21 (प्र.)	2021-22 (गै.)
मौजूदा खदान	1.32	1.35	1.32	1.333	0.967	0.778	1.127	0.981	0.8936	0.91	0.764	0.751	0.459	0.440
पूर्ण परियोजनाएं	64.85	71.19	73.27	66.645	67.344	59.988	70.906	76.220	77.5699	68.817	59.381	51.872	55.319	60.560
चालू एवं नई परियोजनाएं	30.17	31.54	25.69	35.140	39.584	49.674	49.346	60.70	60.7549	73.331	84.006	87.734	92.232	102.00
कुल	96.34	104.08	100.28	103.118	107.895	110.440	121.379	137.901	139.2084	143.058	144.151	140.357	148.01	163.00

उत्पादकता:

एमसीएल में कोयला उत्पादन और ओसीपी से ओबी हटाने का कार्य संविदात्मक और विभागीय रूप से किया जाता है। कुछ परियोजनाओं में ओबीआर को आउटसोर्स भी किया गया है। एमसीएल की ओएमएस स्थिति इस प्रकार है:

	2008-09 वास्तविक	2009-10 वास्तविक	2010-11 वास्तविक	2011-12 वास्तविक	2012-13 वास्तविक	2013-14 वास्तविक	2014-15 वास्तविक	2015-16 वास्तविक	2016-17 वास्तविक	2017-18 वास्तविक	2018-19 वास्तविक	2019-20 वास्तविक	2020-21 (पी)	2021-22 (पीई)
भूमिगत	1.25	1.29	1.25	1.24	0.97	0.84	0.77	0.67	0.65	0.74	0.73	0.86	0.60	0.56
खुली खदान	23.05	18.89	20.50	20.38	21.34	22.16	22.11	24.24	25.72	31.52	29.45	26.71	32.22	37.49
संपूर्ण	16.59	14.66	15.37	15.36	16.07	16.69	17.10	18.88	20.08	24.22	23.71	22.67	27.05	30.90

स्वॉट विश्लेषण

बल:

- सीआईएल की अनुषंगी कंपनियों के मध्य दूसरे सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी।
- कोयला उत्पादन, उत्पादकता और राजस्व के मामले में वृद्धि का मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड।
- अच्छी कार्य प्रणाली- कुशल, अनुभवी और समर्पित कार्य बल।
- अन्वेषण और खनन योजना की मजबूत क्षमता।
- ओडिशा राज्य में कोयला खनन क्षेत्र में खनन संचालन और देश में प्रमुख उपभोक्ताओं की सेवा।

कमजोरी:

- भूमिगत संचालन से नुकसान।
- कोयला की निकासी बड़े पैमाने पर बाहरी एजेंसियों पर निर्भर करती है और बढ़ते कोयला क्षेत्रों में निकासी सुविधाओं की कमी है।
- उपलब्ध संसाधनों में कम ग्रेड के कोयले का प्रभुत्व।

अवसर:

- विद्युत उत्पादन के लिए विशेष रूप से देश में कोयले की भारी मांग।
- एमसीएल में कोयला खनन की बड़ी भारी संभावना।
- उत्तरी भारत में स्थित विद्युत संयंत्र भी एमसीएल से जुड़े हुए हैं।
- एक स्वस्थ विपणन रणनीति तैयार करने के लिए और उपभोक्ताओं, रेलवे और वाहकों के साथ दीर्घकालिक समझौता तैयार करने के लिए।
- वाशरी की स्थापना के लिए
- सत्ता में विविधीकरण
- तरल (तेल) के लिए कोयला गैसीकरण और कोयले के लिए संयुक्त उपक्रम।

चुनौती :

- खुली कोयला खनन के लिए अधिक भूमि की आवश्यकता।
- भूमि अधिग्रहण और फलस्वरूप सामाजिक विस्थापन।
- पुनर्वास और पुनःस्थापना मुद्दे।
- पर्यावरण प्रदूषण के लिए खुली खदान खनन की विशिष्टता।
- कोयला परिवहन में रेलवे की अपर्याप्तता।
- अधिकांश उपभोक्ता कोयला क्षेत्र से दूर हैं अर्थात् रेल भाड़े में वृद्धि का मतलब है उपभोक्ताओं के लिए उच्च भूमि लागत।
- तटीय आधारित ताप विद्युत संयंत्र के पास आयातित कोयले का इस्तेमाल करने हेतु विकल्प हैं।
- कैप्टिव खनन - बाजार में कोयले की बिक्री के लिए राज्य सरकार की कंपनियों, कुछ केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को ब्लॉक का आवंटन।

A. कार्य निष्पादन:

मुख्य रिपोर्ट में सम्मिलित किया गया है।

B. दृष्टिकोण

सदस्यों को ज्ञात है कि वर्तमान में, एमसीएल में 83.78 मिलियन टन की क्षमता के साथ 39 पूर्ण परियोजनाएँ हैं (समाप्त खानों की क्षमता सहित), जिसमें से 1.95 मिलियन टन की क्षमता वाली 03 परियोजनाएँ XI योजना अवधि के दौरान समाप्त हो गई हैं। कार्यान्वयन के तहत (मार्च 2021 तक) 226.83 मिलियन टन की क्षमता के साथ 15 चालू परियोजनाएँ हैं। 2020-21 के दौरान इन चालू परियोजनाओं से 92.232 मिलियन टन का उत्पादन हुआ है।

बसुंधरा क्षेत्र के ईब-वैली कोलफील्ड्स (गोपालपुर ट्रैक्ट के रूप में ज्ञात है) में पर्याप्त क्षमता है, लेकिन एकमात्र अड़चन कोयला निकासी व्यवस्था है। आपकी कंपनी ने कोयला परिवहन को बढ़ाने के लिए बसुंधरा क्षेत्र से झारसुगुडा रेलवे स्टेशन तक 52 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन पूरी की है।

इसी तरह, तालचेर कोलफील्ड्स में कलिंग-अनगुल लिंक रेलवे लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है। एक बार जब यह खंड पूरा हो जाने पर अनगुल की ओर से खाली रेल रैक का आवागमन होगा और लोडेड रैक को तालचेर की ओर से निकाला जा सकेगा। इससे तालचेर कोलफील्ड्स की रैक आवागमन की क्षमता दोगुनी हो जाएगी।

ग. जोखिम और चिंता:

खनन स्थल विशिष्ट होते हैं एवं इसके स्थान को बदला नहीं जा सकता। इसमें निम्नलिखित जोखिम और चिंताएँ शामिल हैं:

- वन और पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने में देरी।
- पुनर्वास और पुनर्स्थापन की उच्च लागत

- निर्धारित मानदंडों से परे रोजगार की मांग जिसके परिणामस्वरूप लगातार कानून और व्यवस्था की समस्या और खनन और कोयला परिवहन संचालन में बाधा।
- एच.ई.एम.एम. और अन्य विद्युत एवं यान्त्रिकी सामान की खरीद में देरी।

घ. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी आवश्यकता:

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

ङ. परिचालन कार्य निष्पादन के संबंध में वित्तीय निष्पादन पर चर्चा:

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

च. अनेक कार्यरत लोगों के साथ मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध में भौतिक विकास:

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

छ. पर्यावरणीय सुरक्षा एवं संरक्षण, तकनीकी संरक्षण, अक्षय ऊर्जा विकास, विदेशी विनिमय संरक्षण।

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

ज. कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

मुख्य रिपोर्ट में शामिल।

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के स्टैंडअलोन वित्तीय लेखा पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(ख) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम 2013 के तहत दिए गए वित्तीय प्रतिवेदन की रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी की धारा 139(5) के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखा परीक्षक स्वतंत्र लेखा परीक्षा पर आधारित अधिनियम की धारा 143, धारा 143(10) के तहत निर्धारित मानक लेखा परीक्षा के अनुसार वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है। उनके द्वारा 24 जुलाई 2021 को संशोधित लेखा परीक्षा में ऐसा करने का उल्लेख किया गया है, जो 02 जून 2021 को पूर्व में की गई लिखा परीक्षा का अधिक्रमण करती है।

मैंने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के प्रतिनिधि के रूप में कंपनी अधिनियम की धारा 143(6) (क) के अंतर्गत महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण किया है। हमने महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के वित्तीय विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण तैयार किया है लेकिन उसी तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए निम्न अनुलग्नक में सूचीबद्ध अनुषंगी कंपनियों के विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण नहीं किया है। यह अनुपूरक लेखा परीक्षण सांविधिक लेखा परीक्षकों के कार्य दस्तावेजों को एक्सेस के बिना स्वतंत्र रूप से किया गया है और प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखा परीक्षकों, कंपनी के अधिकारियों एवं लेखा रिकॉर्ड के परीक्षण की जानकारी के लिए सीमित है।

अनुपूरक लेखा परीक्षा के दौरान सांविधिक लेखा परीक्षकों के रिपोर्ट में किए गए संशोधन में प्रकाशित लेखा परीक्षा परिणामस्वरूप अधिनियम की धारा 143(6)(ख) के तहत सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर टिप्पणी योग्य कोई बात ध्यान में नहीं आई है।

कृते एवं भारत के नियंत्रक एवं
महालेखा परीक्षक की ओर से
हस्ता./-

(मौसूमी भट्टाचार्य)
महानिदेशक लेखा परीक्षा (कोल)
कोलकाता

स्थान : कोलकाता

दिनांक : 09 अगस्त, 2021

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय लेखा पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 147 (6)(ख) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम 2013 के तहत दिए गए वित्तीय प्रतिवेदन की रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी की धारा 139(5) जिसे अनुभाग 129(4) के साथ पढ़ा जाए, के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखा परीक्षक स्वतंत्र लेखा परीक्षा पर आधारित अधिनियम की धारा 143, जिसे अनुभाग 129(4) के साथ पढ़ा जाए के तहत निर्धारित मानक लेखा परीक्षा के अनुसार वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार है। उनके द्वारा 24 जुलाई 2021 को संशोधित लेखा परीक्षा में ऐसा करने का उल्लेख किया गया है, जो 02 जून 2021 को पूर्व में की गई लिखा परीक्षा का अधिक्रमण करती है।

मैंने भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के प्रतिनिधि के रूप में कंपनी अधिनियम की धारा 143(6) को जिसे अनुभाग 129(4) के साथ पढ़ा जाए के अंतर्गत महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण दिनांक 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण किया है। हमने महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के वित्तीय विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण तैयार किया है लेकिन उसी तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए निम्न अनुलग्नक में सूचीबद्ध अनुषंगी कंपनियों के विवरण का अनुपूरक लेखा परीक्षण नहीं किया है। यह अनुपूरक लेखा परीक्षण सांविधिक लेखा परीक्षकों के कार्य दस्तावेजों को एक्सेस के बिना स्वतंत्र रूप से किया गया है और प्राथमिक रूप से सांविधिक लेखा परीक्षकों, कंपनी के अधिकारियों एवं लेखा रिकॉर्ड के परीक्षण की जानकारी के लिए सीमित है।

अनुपूरक लेखा परीक्षा के दौरान सांविधिक लेखा परीक्षकों के रिपोर्ट में किए गए संशोधन में प्रकाशित लेखा परीक्षा परिणामस्वरूप अधिनियम की धारा 143(6) के तहत सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर टिप्पणी योग्य कोई बात ध्यान में नहीं आई है।

कृते एवं भारत के नियंत्रक एवं
महालेखा परीक्षक की ओर से
हस्ता./-

(मौसूमी भट्टाचार्य)
महानिदेशक लेखा परीक्षा (कोल)
कोलकाता

स्थान : कोलकाता

दिनांक : 09 अगस्त, 2021

अनुलग्नक

अनुषंगी कंपनी का नाम	वर्ष 2020-21 के लिए अनुपूरक लेखा परीक्षा का विवरण
एमजेएसजे कोल लिमिटेड	गैर समीक्षा प्रमाण पत्र जारी
एमएनएच शक्ति लिमिटेड	गैर समीक्षा प्रमाण पत्र जारी
महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	गैर समीक्षा प्रमाण पत्र जारी
महानदी बेसिन पावर लिमिटेड	गैर समीक्षा प्रमाण पत्र जारी

संशोधित स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के सदस्यगण।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर रिपोर्ट

मत

हमने महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड ("कंपनी") के स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों का लेखापरीक्षण किया है, जिसमें 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन पत्र, लाभ और हानि विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी एवं नकद प्रवाह विवरण में परिवर्तन, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी के सारांश सहित वित्तीय विवरणों पर टिप्पणी (इसके पश्चात "स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों" के रूप में संदर्भित) शामिल हैं।

प्रदान की गई जानकारी एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार हमारी राय में, कंपनी अधिनियम 2013 द्वारा आवश्यक जानकारी को उपरोक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के अनुरूप 31 मार्च 2021 तक कंपनी के मामलों का भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत के अनुसार, तथा लाभ (अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय प्रदर्शन) इक्विटी में परिवर्तन और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए उसके नकदी प्रवाह का एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

मत के आधार

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा आयोजित की है। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। हम कंपनी के अधिनियम, 2013 और नियमों के प्रावधानों के तहत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार हम कंपनी से स्वतंत्र हैं। और हमने इन आवश्यकताओं और आचारसंहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में विषय अनुच्छेद का महत्व

क. हम अन्य जानकारियों के तहत वित्तीय विवरण के लिए अतिरिक्त टिप्पणी नोट -38 में प्रकटीकरण पर ध्यान आकर्षित करते हैं - "कंपनी कोविड -19 के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के लिए निरंतर उपाय कर रही है और व्यापार करने में आसानी के लिए कई गुना उपाय लागू किए हैं। कंपनी ने 31 मार्च 2021 को वित्तीय और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि की वसूली सहित वित्तीय विवरण तैयार करने में महामारी के कारण उत्पन्न होने वाले संभावित प्रभावों पर विचार किया है। कंपनी भविष्य की आर्थिक स्थितियों से उत्पन्न होने वाले किसी भी भौतिक परिवर्तन और उसके व्यवसाय पर परिणामी प्रभाव की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगी।"

ख. कंपनी ने ऑन-रोल गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए सीपीआरएमएस-एनई के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर देयता को मान्यता नहीं दी है। बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अभाव में राशि का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। यह अतिरिक्त टिप्पणी-38 (4)- "परिभाषित अंशदान योजना (बी)" के संदर्भ में है।

इस मामले में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले:

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में अत्यंत महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उस पर अपनी राय बनाने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं।

क्र.सं	प्रमुख लेखापरीक्षा मामले	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
1	भारतीय लेखांकन मानक 115 को अपनाने के मद्देनजर राजस्व और अन्य संबंधित शेषों की मान्यता, माप, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की शुद्धता।	हमने नए राजस्व लेखा मानक को अपनाने के प्रभाव की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया। हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और वास्तविक परीक्षण शामिल थे जो इस प्रकार हैं: (i) एफएसए सहित अनुबंधों की शर्तों का सत्यापन। (ii) मात्रा, दर आदि के संबंध में बिक्री का सत्यापन। (iii) सामग्री की डिलीवरी, बिल आदि के संबंध में संग्रह। (iv) आंतरिक रिपोर्ट और आईएफसी रिपोर्ट का विश्लेषण (v) अनुबंधों से उत्पन्न भुगतानों का सत्यापन
2	क. भारतीय लेखांकन मानक 2 "इन्वेंटरी" को अपनाने के मद्देनजर इन्वेंटरी का मूल्यांकन ख. कोयला स्टॉक का मापन: कोयले के क्लोजिंग स्टॉक का मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को बुक वैल्यू पर किया जाएगा और यदि स्टॉक के भौतिक माप के मूल्य (+) (-) 5% में कोई भिन्नता है तो स्टॉक मूल्य के	क. हमने होल्डिंग कंपनी के नए इन्वेंट्री अकाउंटिंग मानक और नीति को अपनाने के प्रभाव की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया। हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और निम्नलिखित का वास्तविक परीक्षण शामिल था: (i) स्टॉक की आवाजाही के लिए कंपनी के पास उपलब्ध रिकॉर्ड का सत्यापन करना। ख. प्रदर्शन की गई प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल हैं: ● समय-समय पर भौतिक सत्यापन और प्रबंधन द्वारा किए गए सर्वेक्षण की प्रक्रिया के संबंध में कोयला स्टॉक के अस्तित्व को स्थापित करने के लिए प्रक्रिया को समझा और प्रबंधन के आंतरिक नियंत्रण का परीक्षण किया, आवधिक सत्यापन कार्यक्रम का दायरा और कवरेज, विश्लेषण सहित ऐसे सत्यापन के परिणाम विसंगतियों, यदि कोई हो;

क्र.सं	प्रमुख लेखापरीक्षा मामले	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
	भौतिक माप पर विचार किया जाएगा। कोल इंडिया लिमिटेड के निर्देशों के अनुसार प्रबंधन को सीआईएल की अन्य सहायक कंपनी से तीसरे पक्ष के माध्यम से हर साल के अंत में समोच्च मानचित्र को ध्यान में रखते हुए भौतिक माप करने की आवश्यकता है। हालांकि, चालू वित्तीय वर्ष के लिए, लॉकडाउन और प्रतिबंधों से संबंधित COVID-19 मामलों में वृद्धि के कारण, कोयले के स्टॉक का भौतिक माप अंतर-क्षेत्रीय टीम द्वारा किया गया है। सीआईएल के आदेश संख्या: सीआईएल/सी-1/सी.स्टॉक/2021/271 दिनांक 29/04/2021 के तहत सीआईएल के निर्देश के अनुसार सहायक स्तर और तदनुसार कोयले के समापन स्टॉक का मूल्यांकन किया गया है। उपरोक्त निर्देशों को ध्यान में रखते हुए वित्तीय में कोयला स्टॉक के बुक वैल्यू पर विचार किया गया है।	• कंपनी द्वारा की गई विश्लेषणात्मक समीक्षाओं का परीक्षण किया जैसे कि उत्पादन और उत्पादन की लागत और खपत विश्लेषण से संबंधित ओबीआर संबंधित लागत। प्रदर्शन की गई लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, और कोविड-19 महामारी की स्थिति के कारण माप को ध्यान में रखते हुए, जिसने सीआईएल की मौजूदा नीति के अनुसार कोयला मापन को स्थगित कर दिया है, कोयला स्टॉक के अस्तित्व पर प्रबंधन का आश्वासन उचित होने के लिए निर्धारित किया गया था। फॉर्म 'एच' के अनुसार क्लोजिंग स्टॉक मात्रा और हमारे द्वारा समीक्षा किए गए कोयला स्टॉक के बुक वैल्यू को देखें।
3	प्राप्तियों की मान्यता, मूल्यांकन, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की शुद्धता	हमने व्यापार प्राप्त्य शीर्ष के तहत बुक की जाने वाली प्राप्तियों की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया। हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और वास्तविक परीक्षण शामिल था: (i) बिक्री, प्राप्तियों/समायोजन और गैर-प्राप्तियों के लिए सृजित प्रावधानों/और बहियों में उनके समायोजन की पहचान/मान्यता। (ii) कंपनी की नीति से परे कुछ पार्टियों के मामले में सुलह के रूप में खातों में दिखाए गए शेष राशि पर निर्भर है।

वित्तीय विवरणों और उस पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी के निदेशक मंडल अन्य जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण में शामिल जानकारी, बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक सहित बोर्ड की रिपोर्ट, व्यापार उत्तरदायित्व रिपोर्ट,

कॉर्पोरेट प्रशासन और शेयरधारक की जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार के आश्वासन निष्कर्ष को व्यक्त नहीं करते हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य सूचनाओं को पढ़ने की है और ऐसा करने में, इस बात पर विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है या हमारे अंकेक्षण के दौरान प्राप्त हमारी जानकारी या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होता है। यदि, हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी का एक महत्वपूर्ण गलत विवरण है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। हमारे पास इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन उत्तरदायित्व

कंपनी के निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए जिम्मेदार है, जो इन स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में है, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं। मामलों की स्थिति (वित्तीय स्थिति), लाभ और हानि (अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय प्रदर्शन), भारतीय लेखा मानकों सहित भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार कंपनी के इक्विटी और नकदी प्रवाह में परिवर्तन का विवरण (भारतीय लेखांकन मानक)) साथ ही अधिनियम की धारा 133 के तहत विनिर्दिष्ट एवं जारी प्रासंगिक नियम।

इस जिम्मेदारी में कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है; उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हों; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है जो एक सही और निष्पक्ष दृश्य देता है और भौतिक गलत विवरण से मुक्त है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंधन कंपनी की एक चालू संस्था के रूप में जारी रखने की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार है, उपयुक्त अनुसार प्रकटीकरण, गोडंग कंसर्न से संबंधित मामलों और इसके आधार पर लेखांकन का उपयोग करने के लिए जब तक कि प्रबंधन या तो कंपनी को समाप्त करने या संचालन बंद करने का इरादा नहीं रखता है या ऐसा करने का कोई वास्तविक विकल्प न हो।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण समग्र रूप से भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा पर मानकों के अनुसार आयोजित एक लेखापरीक्षा हमेशा मौजूद होने पर एक महत्वपूर्ण गलत विवरण का पता लगाएगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें महत्वपूर्ण माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की यथोचित अपेक्षा की जा सकती है।

एसए के अनुसार लेखापरीक्षा के हिस्से के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरे लेखापरीक्षा में पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। हम भी:

- विवरण के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों को पहचानें और उनका आकलन करें, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के लिए लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करें, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले एक से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण का ओवरराइड शामिल हो सकता है।
- परिस्थितियों में उपयुक्त लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखापरीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करें। अधिनियम की धारा 143(3)(i) के तहत, हम इस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हैं और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और निदेशक मंडल द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन के चालू प्रतिष्ठान के आधार पर निदेशक मंडल के उपयोग की उपयुक्तता पर और प्राप्त किए गए लेखापरीक्षा साक्ष्य के आधार पर, क्या घटनाओं या शर्तों से संबंधित एक सामग्री अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि एक भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय परिणामों में संबंधित प्रकटीकरण पर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है या, अपनी राय को संशोधित करने के लिए ऐसे खुलासे अपर्याप्त हैं। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखापरीक्षा की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य

पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाओं या स्थितियों के कारण कंपनी चालू समुत्थान (गोइंग कंसर्न) के रूप में काम करना बंद कर सकती है।

- प्रकटीकरण सहित विवरण की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, और क्या यह विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का इस तरह से प्रतिनिधित्व करता है जिससे निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त होती है।

भौतिकता स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में गलत बयानों का परिमाण है, जो व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, यह संभावना बनाता है कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के उचित जानकारी उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हमने मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार किया है:

(i) हमारे लेखापरीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाना और हमारे कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करना; तथा

(ii) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में किसी भी पहचाने गए गलत विवरण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए।

हम अन्य मामलों के अलावा, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के बारे में शासन के प्रभारियों के साथ संवाद करते हैं, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जिन्हें हम अपने लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम उन लोगों को भी एक बयान प्रदान करते हैं जिन पर शासन का आरोप है कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का पालन किया है, और उन सभी रिश्तों और अन्य मामलों से संवाद करने के लिए जिन्हें हमारी स्वतंत्रता पर उचित रूप से माना जा सकता है, और जहां लागू हो, एव संबंधित सुरक्षा उपाय।

शासन के प्रभारियों के साथ संप्रेषित मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे और इसलिए प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कानून या विनियमन मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण को रोकता नहीं है या जब, अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले को संप्रेषित नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणामों की उचित रूप से अपेक्षा की जाएगी इस तरह के संचार के सार्वजनिक हित के लाभों से अधिक है।

अन्य मामले:

- क. हमने निदेशक मंडल द्वारा अपनाए गए वित्तीय विवरणों पर भुवनेश्वर में दिनांक 02.06.2021 (मूल प्रतिवेदन) पर एक लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की थी। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(क) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों के अनुसार, हमने उक्त लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संशोधित किया है। यह लेखापरीक्षा रिपोर्ट उस मूल रिपोर्ट के स्थान पर है जिसे भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के अवलोकन को मामले के महत्व के बिंदु (ख) के रूप में विचार करने के लिए उपयुक्त रूप से संशोधित किया गया है। मूल प्रतिवेदन की तारीख के बाद

की घटनाओं पर हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया केवल इस पैराग्राफ में उल्लिखित मद में किए गए संशोधन तक ही सीमित है।

ख. कंपनी ने खनन अधिकार के रूप में अलग से घोषणा करने के बजाय अन्य भूमि के तहत अपने खनन अधिकार के मूल्य को शामिल किया है।

ग. कंपनी ने आग, चोरी और संबद्ध गतिविधियों के लिए अचल संपत्तियों (कुछ संपत्तियों जैसे एचईएमएम और सड़क पर चलने वाले वाहनों को छोड़कर), स्टोर और स्पेयर और कोयले के क्लोजिंग स्टॉक जैसी अपनी संपत्ति पर कोई बीमा कवरेज नहीं लिया है। हालांकि, कंपनी ने बीमा के लिए पॉलिसी तैयार करने के लिए होल्डिंग कंपनी से अनुरोध करने के लिए कदम उठाए हैं और साथ ही इसे अंतिम रूप देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी के साथ समझौता किया गया है।

घ. कंपनी की ग्राहकों के साथ आवधिक समाधान/विविध देनदारों की पुष्टि की नीति है। 31.03.2021 को रिकॉर्ड के अनुसार कोयले के प्रावधान पर ग्रेड स्लिपेज और नमी सहित कुल 1428.86 करोड़ रुपये के व्यापार प्राप्तियों में से 31.03.2020 तक 647.73 करोड़ रु., 30.06.2020 तक 0.05 करोड़ और 31.12.2020 तक 8.22 करोड़ रुपये के सुलह का कार्य पूरा कर लिया गया है। 772.86 करोड़ रुपए की बकाया राशि के सुलह का कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, और नीचे दी गई अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, किए गए कार्यों पर हमारी निर्भरता के संबंध में उपरोक्त मामलों के संबंध में संशोधित नहीं है।

हमने निम्न पर भरोसा किया है:

क. ओबीआर लागत के मानक अनुपात और वर्तमान अनुपात के बीच भिन्नता के समायोजन सहित ओवर बर्डन अकाउंटिंग के मामले में एडवांस स्ट्रिपिंग, कोयला एक्सपोज़्ड, औसत/मानक अनुपात, वर्तमान अनुपात, अनुपात भिन्नता आदि में प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत तकनीकी डेटा।

ख. खदान बंद करने की योजना सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) द्वारा तैयार की गई है और खदान बंद करने के खर्च के लिए प्रावधान करने के उद्देश्य से कंपनी के प्रबंधन द्वारा अनुमोदित है।

ग. अचल संपत्तियों की हानि, चाहे तकनीकी हो या अन्यथा के लिए प्रावधान करने के लिए प्रबंधन का मूल्यांकन/अनुमान।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा (11) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2016 ("आदेश") की आवश्यकता के अनुसार, आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर "अनुलग्नक-क" पर हम अभिव्यक्ति प्रस्तुत करते हैं।

2. हम अपनी रिपोर्ट को भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों और उप-निर्देशों पर आधारित "अनुलग्नक-ख" में दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार अधिनियम की धारा 143(5) के अनुसार कंपनी के बही-खातों और अभिलेखों की जांच के आधार पर संलग्न कर रहे हैं।

3. जैसा कि अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा अपेक्षित है, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

क. हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के लिए उपरोक्त भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।

ख. हमारी राय में, पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है कि उपरोक्त भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में कानून द्वारा अपेक्षित उचित लेखा पुस्तकों को कंपनी द्वारा रखा गया है।

ग. तुलन पत्र, लाभ और हानि का विवरण, नकदी प्रवाह विवरण और इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण तैयार करने के उद्देश्य से बनाए गए खाते की प्रासंगिक पुस्तकों के अनुरूप है।

घ. हमारी राय में, उपरोक्त स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखा मानकों का अनुपालन करते हैं।

ङ. कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार निदेशकों की अयोग्यता के संबंध में अधिनियम की धारा 164(2) का प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होता है।

च. कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, "अनुलग्नक-ग" में हमारी अलग रिपोर्ट का अवलोकन करें।

छ. कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार है:

- i. कंपनी ने टिप्पणी -38 के बिंदु संख्या 5 के माध्यम से अपने स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का खुलासा किया है।
- ii. जैसा कि हमें समझाया गया है, कंपनी ने कोई डेरिवेटिव अनुबंध नहीं किया है और कंपनी ने दीर्घकालिक अनुबंधों पर किसी भी महत्वपूर्ण नुकसान का अनुमान नहीं लगाया है, इसलिए इस संबंध में कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है।
- iii. चूंकि कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 (पहले कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205 सी) की धारा 125 (2) के तहत निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में कोई राशि हस्तांतरित नहीं करनी है, इसलिए कोष में किसी भी राशि को स्थानांतरित करने में देरी का मामला उत्पन्न नहीं होता।

कृते पीएएमएस एंड एसोसिएट

सनदी लेखाकार

एफ़आरएन: 316079E

स्थान: भुवनेश्वर

दिनांक: 22.07.2021

ह/-

(सीए सत्यजित मिश्रा, एफ़सीए)

भागीदार

सदस्यता संख्या . 057293

यूडीआईएन: 21057293AAAAHI3807

(अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट के पैराग्राफ 2 में संदर्भित)

मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों में कंपनी के सदस्यों के स्वतंत्र लेखापरीक्षकों को संदर्भित अनुलग्नक में, हम रिपोर्ट करते हैं कि::

- (i) (क) कंपनी ने मात्रात्मक विवरण एवं परिसंपत्तियों की स्थिति समेत पूर्ण विवरणों का समुचित रिकार्ड रखा है।
 ख. उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा कंपनी की स्थायी परिसंपत्तियों की प्रत्यक्ष जांच की गई है। इन जाँचों में वस्तुओं की कोई अनियमितता नहीं देखी गई है।
 ग. हमें दी गई जानकारी तथा व्याख्या के अनुसार तथा कंपनी के रिकार्ड की जांच के आधार पर यह स्पष्ट हुआ है कि कंपनी के पास फ्रीहोल्ड और लीज होल्ड भूमि के लिए क्लीयर टाइटल/लीज डीड है यद्यपि कंपनी के कब्जे में आनंद विहार और जागृति विहार में 58.984 एकड़ भूमि है। कंपनी ने प्रीमियम जमा कर दिया है और उसके पक्ष में भूमि को स्वीकृत करने के लिए आवेदन कर दिया है, जिसके लिए संप्रेषण कार्य निष्पादित किया जाना है।
 उपरोक्त के अलावा, हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण और हमारे द्वारा अभिलेखों की जांच के आधार पर तथा हमें प्रदान की गई सीबी (ए एंड डी) अधिनियम/एलए अधिनियम आदि के तहत भूमि हस्तांतरण राजपत्र अधिसूचनाओं के अनुसार हम रिपोर्ट करते हैं, यद्यपि अचल संपत्तियों (भूमि पट्टा) के शीर्षक को विभिन्न खान क्षेत्रों में राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से कंपनी के नाम स्थानांतरित कर दिया गया है, इसे राज्य सरकार के राजस्व अभिलेखों में रिकॉर्ड के अधिकार (आरओआर) के रूप में दर्ज करने की प्रक्रिया अभी पूरी की जानी शेष है।
- (ii) हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा स्टोर्स और स्पेयर्स की सूची का भौतिक सत्यापन किया गया था। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी राय में कंपनी के आकार और व्यवसाय की प्रकृति के संबंध में उचित अंतराल पर प्रबंधन द्वारा इन्वेंट्री का सत्यापन किया गया है।
 येलो बुक के अनुसार, वार्षिक कोयला स्टॉक मापन सीआईएल में गठित कोल स्टॉक मेजरमेंट टीम द्वारा किया जाना चाहिए। हालाँकि, सीआईएल कार्यालय आदेश संख्या CIL/C-1/C.Stock/20-21/271 दिनांक 29.04.2021 के अनुसार, कोविड -19 मामलों में निरंतर वृद्धि के कारण सहायक स्तर पर गठित अंतर-क्षेत्रीय टीम द्वारा माप किया गया था और तदनुसार कोयले के क्लोजिंग स्टॉक का मूल्यांकन किया गया है। इस संबंध में लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के नोट संख्या: 38 के बिंदु 8(एस) पर उचित खुलासा किया गया है।
- (iii) हमें दी गई सूचना तथा स्पष्टीकरण के अनुसार एवं रिकार्ड की जांच के आधार पर हम सूचित करते हैं कि चालू लेखा बही सहित अल्प अवधि ब्याज का कोल इंडिया लिमिटेड, स्वामित्वधारी कंपनी तथा अनुषंगिक कंपनियों महानदी बेसिन पावर लिमिटेड, एम.जे.एस.जे. कोल लिमिटेड, एम.एन.एच. शक्ति लिमिटेड, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड के साथ अनुरक्षित किया जाता है। हमने यह भी देखा कि कंपनी ने एनएलसी इंडिया लिमिटेड को असुरक्षित ऋण अनुदान के रूप दिया है, जिसे कोयला मंत्रालय की सहमति भी मिली है।

- क. रिकार्ड परीक्षण एवं उपलब्ध सूचना एवं स्पष्टीकरण के आधार पर हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस तरह के दिये गये ऋण के निबंधन एवं शर्त कंपनी के हित के प्रतिकूल नहीं हैं।
- ख. कोल इंडिया लिमिटेड, स्वामित्वधारी कंपनी और अनुषंगी कंपनियों के साथ चालू शेष खाते पर ब्याज की नियमित प्राप्ति की जाती है। चालू जमा के ब्याज दर पर एम.सी.एल. कोल इंडिया लिमिटेड के साथ ब्याज दर जमा करती है तथा एमसीएल की अनुषंगी कंपनियां भी इस प्रकार के ब्याज जमा करने का कार्य करती हैं।
- ग. महानदी बेसिन पॉवर लिमिटेड, एम.जे.एस.जे. कोल इंडिया लिमिटेड, एम.एन.एच. शक्ति लिमिटेड, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड अनुषंगी कंपनियों के साथ चालू खाता के संबंध में कोई बकाया राशि नहीं है क्योंकि पुनः भुगतान अवधि निर्धारित नहीं है तथा वित्त वर्ष के दौरान एनएलसीआईएल को प्रदान किए गए ऋण करने के संबंध में कोई बकाया नहीं है।
- (iv) हमें प्राप्त जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार कर्ज, निवेश तथा गारंटी से संबंधित अधिनियम की धारा-185 तथा 186 के प्रावधान का अनुपालन किया गया है।
- (v) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने जनता से कोई जमा स्वीकार नहीं किया है।
- (vi) कंपनी द्वारा स्वतंत्र रूप से लागत की लेखा परीक्षा की जाती है तथा हमलोग कंपनी (लागत लेखांकन रिकार्ड) नियमावली, 2014 जिसे केंद्रीय सरकार ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148(1) के तहत मोटे तौर पर कंपनी द्वारा अनुरक्षित गत रिकार्ड की समीक्षा की है और हमारा मत है स्पष्ट है कि दिया गया लागत रिकार्ड रखा एवं अनुरक्षित किया गया है।
- (vii) (क) कंपनी के रिकार्ड और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी सामान्यतः अविवादित सांविधिक बकाये जिसमें भविष्यक निधि, आयकर, विक्रय कर, वैट, संपत्ति कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं लागू अन्य सांविधिक बकाये शामिल हैं, को वर्ष के दौरान उपयुक्त प्राधिकारी के पास जमा करती है। वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि को कोई बकाया देय, उसके देय होने की तिथि से छः महीने से अधिक अवधि के लिए निम्न के अलावा बकाया नहीं है:
- (ai) 2013-14 से जनवरी 2021 तक श्रम कल्याण उपकर का प्रावधान किया गया है जिसकी राशि रु. 12.43 करोड़ है। 31.03.2021 के अनुसार भुगतान किया जाना शेष है।

नियम का नाम	बकाया की प्रकृति	राशि (रु.) करोड़ में	अवधि जिससे राशि संबंधित है	नियत तिथि	भुगतान की तिथि	यदि कोई टिप्पणी हो
बीओसीडब ल्यू अधिनियम	श्रम कल्याण उपकर	12.43	2013-14 से जनवरी 2021		अब तक भुगतान नहीं	

(ख) कंपनी के रिकार्ड एवं हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार 31 मार्च 2021 को आयकर, विक्रय कर, संपत्ति कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेस के विवादित बकायों का विवरण नीचे दिया गया है:-

क्र.	नियम का नाम	बकाया की प्रकृति	राशि (रु करोड़ में)	राशि से संबंधित अवधि	फोरम जहां विवाद लंबित है
भरतपुर					
1	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	0.10	1.6.07 to 31.3.12	सहायक आयुक्त, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क और सेवा कर, अंगुल
2	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	86.76	अप्रैल 2006 से फरवरी 2011	सीईएसटीएटी
3	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	1.48	अप्रैल 11 से मार्च 15	माननीय उच्च न्यायालय, ओड़ीशा
4	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	1.13	अप्रैल 11 से मार्च 15	आयुक्त अपील, भुवनेश्वर
5	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	0.05	1-4-16 to 30-6-17	सहायक आयुक्त, अंगुल.
6	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	0.11	1-4-16 से 30-6-17	सहायक आयुक्त, अंगुल.
बसुंधरा					
7	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	6.54	मार्च 2011 से मार्च 2014	सीईएसटीएटी, कोलकाता
8	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	0.03	वित्तीय वर्ष 2009-2012	आयुक्त (अपील)
9	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	0.31	वित्तीय वर्ष 2016-17	सहायक आयुक्त, राउरकेला
हिंगुला					
10	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	161.63	01-03-2011 से 31-03- 2015	माननीय उच्च न्यायालय, कटक
11	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	165.90	01-03-2011 से 31-03- 2015	अधिकरण, कोलकाता , (सीईएसटीएटी)
12	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	0.31	2014-15 एवं 2015-16	आयुक्त, भुवनेश्वर.
13	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	0.15	2013 से 2016	आयुक्त, भुवनेश्वर
14	ओड़ीशा बिक्री कर	बिक्री कर	0.58	1993-94	अधिकरण में लंबित अपील
15	ओड़ीशा बिक्री कर	बिक्री कर	0.01	1995-96	अपर आयुक्त अपील, कटक
16	ओड़ीशा बिक्री कर	बिक्री कर	0.04	2001-02	अपर आयुक्त अपील, कटक
17	ओड़ीशा बिक्री कर	बिक्री कर	0.04	2003-04	अपर आयुक्त अपील, कटक
18	ओड़ीशा प्रवेश कर	ओईटी	1.35	2003-04	अपर आयुक्त अपील, कटक

ईव वैली					
19	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	उत्पाद शुल्क	8.43	मार्च 11 से मार्च 12	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क आयुक्त
20	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	उत्पाद शुल्क	10.15	अप्रैल 12 से फरवरी 13	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क आयुक्त
21	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	उत्पाद शुल्क	7.94	मार्च 13 से दिसंबर 13	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क आयुक्त
22	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	उत्पाद शुल्क	11.46	जनवरी 14 से दिसंबर 14	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क आयुक्त
23	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	उत्पाद शुल्क	2.44	जनवरी 15 से मार्च 15	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क आयुक्त
24	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	उत्पाद शुल्क	0.30	2013-14 एवं 2014-15	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क आयुक्त
25	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	0.02	2008-09	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क आयुक्त
26	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	0.18	2010-11 से 2014-15	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क आयुक्त
27	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	0.03	2016-17 एवं 2017-18	सहायक आयुक्त, झारसुगुडा
28	ओडीशा वैट अधिनियम 2004	राज्य सरकार-बिक्री कर	1.24	1.4.2005 से 30.11.2006	बिक्री कर आयुक्त कटक
29	ओडीशा वैट अधिनियम 2004	राज्य सरकार-बिक्री कर	6.83	जून तिमाही '06 (अर्थात 1.4.2006 से 30.6.2006)	बिक्री कर आयुक्त कटक
30	ओडीशा वैट अधिनियम 2004	राज्य सरकार-बिक्री कर	0.03	2009-10 & 2010-11	बिक्री कर आयुक्त कटक
31	ओडीशा वैट अधिनियम 2004	राज्य सरकार-बिक्री कर	0.86	2013-14	बिक्री कर आयुक्त कटक
32	ओडीशा वैट अधिनियम 2004	राज्य सरकार-बिक्री कर	2.57	01-04-16 to 30-06-17	अपर आयुक्त, एसपीबी
मुख्यालय कमरसियाल					
33	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	196.47	2017-18	आयुक्त, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सेवा कर और सीमा शुल्क, राउरकेला
34	वित्त अधिनियम 1944	सेवा कर	31.64	जुलाई 2012 से 2016-17	माननीय सीईएसटीएटी, कोलकाता
35	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	1296.17	निर्धारण वर्ष 2018-19	सीआईटी (ए), सम्बलपुर

36	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	738.89	निर्धारण वर्ष 2017-18	सीआईटी (ए), सम्बलपुर
37	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	1359.57	निर्धारण वर्ष 2016-17	सीआईटी (ए), सम्बलपुर
38	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	122.01	निर्धारण वर्ष 2015-16	उच्च न्यायालय
39	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	169.14	निर्धारण वर्ष 2015-16	सीआईटी (ए), सम्बलपुर
40	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	96.67	निर्धारण वर्ष 2014-15	ओडीशा उच्च न्यायालय
41	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	54.86	निर्धारण वर्ष 2013-14	ओडीशा उच्च न्यायालय
42	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	40.04	निर्धारण वर्ष 2012-13	ओडीशा उच्च न्यायालय
43	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	3.77	निर्धारण वर्ष 2012-13	डीसीआईटी, एसबीपी एवं उच्च न्यायालय
44	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	12.37	निर्धारण वर्ष 2011-12	ओडीशा उच्च न्यायालय
45	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	34.41	निर्धारण वर्ष 2010-11	ओडीशा उच्च न्यायालय
46	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	7.39	निर्धारण वर्ष 2009-10	ओडीशा उच्च न्यायालय
47	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	12.77	निर्धारण वर्ष 2008-09	ओडीशा उच्च न्यायालय
48	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	2.57	निर्धारण वर्ष 2008-09	डीसीआईटी, सर्वकल -2(1), एसबीपी
49	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	749.85	निर्धारण वर्ष 2015-16	ओडीशा उच्च न्यायालय
50	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	642.53	निर्धारण वर्ष 2014-15	ओडीशा उच्च न्यायालय
51	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	620.87	निर्धारण वर्ष 2013-14	ओडीशा उच्च न्यायालय
52	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	710.57	निर्धारण वर्ष 2012-13	ओडीशा उच्च न्यायालय
53	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	495.97	निर्धारण वर्ष 2011-12	ओडीशा उच्च न्यायालय
54	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	248.85	निर्धारण वर्ष 2010-11	ओडीशा उच्च न्यायालय
55	आयकर अधिनियम	आयकर अधिनियम	46.06	निर्धारण वर्ष 2009-10	ओडीशा उच्च न्यायालय
लखनपुर					
56	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	49.76	2010-11 से 2014-15	सीमा शुल्क उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलेट अधिकरण (सीईएसटीएटी)
57	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	46.09	2011-12 से 2014-15	ओडीशा उच्च न्यायालय

ओरिएंट					
58	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	0.09	2014-15 से 2015-16	आयुक्त (अपील)
59	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	0.01	2007-08	सीईएसटीएटी
60	वित्त अधिनियम, 1994	सेवा कर	0.08	2013	सीईएसटीएटी
तालचेर					
61	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	0.16	2013-14, 2014-15	सहायक आयुक्त, अंगुलु
62	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	0.06	2013-14, 2014-15	सहायक आयुक्त, अंगुलु
63	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	0.73	मार्च 2011 – फरवरी 2015	ओडीशा उच्च न्यायालय
64	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	0.01	2020	आयुक्त, भुवनेश्वर
65	बिक्री कर ओडीशा	बिक्री कर ओडीशा	0.01	1998-99	अपर आयुक्त बिक्री कर, कटक
66	बिक्री कर ओडीशा	बिक्री कर ओडीशा	0.01	1993-94	एसटीओ, ढेंकानल
67	बिक्री कर ओडीशा	बिक्री कर ओडीशा	0.18	2020	अपर आयुक्त बिक्री कर, कटक
68	जीएसटी अधिनियम 2017	जीएसटी	0.05	19.03.2020	कार्यालय आयुक्त (लेखापरीक्षा), जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क
लिंगराज					
69	ओईटी	प्रवेश कर	0.52	1999-2000	सहायक आयुक्त, अंगुलु
70	ओईटी	प्रवेश कर	0.05	2003-2004	ओडीशा उच्च न्यायालय
71	ओईटी	प्रवेश कर	0.05	2004-2005	ओडीशा उच्च न्यायालय
72	वित्त अधिनियम 1994	सेवा कर	0.01	2007-08 से 2014-15	सहायक आयुक्त, अंगुलु
73	वित्त अधिनियम 1994	सेवा कर	0.07	2012-13	सहायक आयुक्त, अंगुलु
74	ओडीशा वैट	सीएसटी	0.01	1998-99	एसीसीटी, कटक ॥ रेंज
75	ओडीशा वैट	सीएसटी	0.16	2000-2001	आयुक्त कटक
76	ओडीशा वैट	सीएसटी	0.01	2004-2005	एसीसीटी, कटक ॥ रेंज
जगन्नाथ					
77	आबकारी अधिनियम	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	0.09	01.03.2011 से 31.03.2015	उच्च न्यायालय
78	आबकारी अधिनियम	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	2.04	40603	सीईएसटीएटी
79	स्वच्छ ऊर्जा उपकर अधिनियम और नियम	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	91.18	2010-11 से 2014-15	सीईएसटीएटी

80	उत्पाद शुल्क अधिनियम	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	68.69	2010-11 से 2014-15	उच्च न्यायालय
81	सीएसटी	सीएसटी	0.27	1985-86	बिक्री कर अधिकरण , कटक
82	सीएसटी	सीएसटी	0.02	1987-88	बिक्री कर अधिकरण , कटक
83	सीएसटी	सीएसटी	0.01	1990-91	बिक्री कर अधिकारी
84	सीएसटी	सीएसटी	0.07	1991-92	बिक्री कर अधिकारी
85	सीएसटी	सीएसटी	1.24	1992-93	बिक्री कर अधिकारी
86	सीएसटी	सीएसटी	1.90	1993-94	अपर आयुक्त, कटक
87	सीएसटी	सीएसटी	0.04	1994-95	बिक्री कर अधिकरण , कटक
88	सीएसटी	सीएसटी	0.18	1995-96	बिक्री कर अधिकरण , कटक
89	सीएसटी	सीएसटी	0.08	1996-97	बिक्री कर अधिकरण , कटक
90	सीएसटी	सीएसटी	0.15	2003-04	अपर आयुक्त, कटक
91	सीएसटी	सीएसटी	0.32	2005-2006	अपर आयुक्त, कटक
92	ओईटी	ओईटी	0.05	2004-05	बिक्री कर अधिकरण , कटक
93	ओएसटी	ओएसटी	0.01	1983-84	बिक्री कर अधिकारी
94	ओएसटी	OST 12(8) OST 12(4)	0.02	1989-90	अपर आयुक्त, कटक
95	ओएसटी	ओएसटी	0.01	1991-92	बिक्री कर अधिकरण , कटक
96	ओएसटी	ओएसटी	0.74	1992-93	बिक्री कर अधिकरण , कटक
97	ओएसटी	ओएसटी	0.01	2001-02	अपर आयुक्त, कटक
98	ओईटी	ओईटी	2.10	01.04.2008 से 31.01.2012	अपर आयुक्त (अपील), कटक
99	वैट	सेक्शन 42/43/44/45 का ओवीएटी अधिनियम	0.95	01.04.2009 से 30.09.2011	अपर आयुक्त (अपील), कटक
100	ओईटी	ओईटी	1.32	01.04.2012 से 31.03.2014	अपर आयुक्त (अपील), कटक
101	वैट	सेक्शन 42/43/44/45 का ओवीएटी अधिनियम	0.07	01.04.2012 से 31.03.2014	अपर आयुक्त (अपील), कटक
102	सीएसटी	सीएसटी (ओ) नियम 1957 के लिए नियम 12(3)	1.05	01.04.2012 से 31.03.2014	अपर आयुक्त (अपील), कटक

103	सीएसटी	सीएसटी (ओ) नियम 1957 के लिए नियम 12(3)	5.97	01.10.2015 से 31.03.2016	बिक्री कर अधिकरण, कटक
104	सीएसटी	सीएसटी (ओ) नियम 1957 के लिए नियम 12(3)	1.82	01.04.2016 से 30.06.2017	अपर आयुक्त (अपील), कटक
105	सीएसटी	सीएसटी (ओ) नियम 1957 के लिए नियम 12(3)	1.50	01.04.2015 से 30.09.2015	अपर आयुक्त (अपील), कटक
106	सीएसटी	सीएसटी (ओ) नियम 1957 के लिए नियम 12(3)	15.35	01.04.2014 से 31.03.2015	अपर आयुक्त (अपील), कटक
107	आईटी	आईटी अधिनियम 1999 के लिए नियम 16	0.32	01.04.2015 से 30.06.2017	अपर आयुक्त (अपील), कटक
108	वित्त अधिनियम 1994	सेवा कर	0.23	2014-15 एवं 2015-16	सहायक आयुक्त

उपरोक्त में से प्रतिवाद के तहत विक्रय कर के लिए राशि रु. 16.98 करोड़ की राशि जमा की गई है। प्रतिवाद के तहत आयकर के लिए रु. 1408.03 करोड़ की राशि जमा की गई है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क के लिए रु. 2.98 करोड़ की राशि जमा की गए हैं।

प्रतिवाद के तहत शुल्क और सेवा कर के लिए रु. 3.02 करोड़ की राशि जमा की गई हैं।

उपरोक्त विवादित बकाया के अलावा, कंपनी की रु. 895.22 करोड़ आकस्मिक रॉयल्टी और रु. 2914.96 करोड़ की पर्यावरण मंजूरी की आकस्मिक देनदारी है, जिसकी नोट संख्या 38-खंड सं. -5(a)(i) के तहत उचित रूप से घोषणा की गई है।

- (viii) प्रबंधन द्वारा हमें दिये गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार वर्ष के दौरान किसी भी वित्तीय संस्था, बैंक या सरकार से किसी भी ऋण या उधारी के पुनर्भुगतान के लिए कंपनी जिम्मेदार नहीं हैं। कंपनी ने किसी भी प्रकार का ऋण जारी नहीं किया है।
- (ix) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने वर्ष के दौरान प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या भावी सार्वजनिक प्रस्ताव (ऋण साधन सहित) तथा आवधिक ऋण के द्वारा कोई राशि नहीं की है। तदनुसार आदेश का अनुच्छेद-3(ix) लागू नहीं है।
- (x) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने लेखा परीक्षा अवधि के दौरान कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा कंपनी में किसी भी प्रकार की धोखा संबंधी सूचना या रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि, कोयले की आपूर्ति के लिए कुछ निजी पार्टियों को लाभ पहुंचाने के लिए संगठन के कुछ कर्मचारियों द्वारा वर्ष 2013-14 से 2017-18 तक कोलकाता बिक्री कार्यालय में खातों में हेरफेर करने का आरोप दायर किया गया था, जिसके संबंध में प्रबंधन ने फॉरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया है, जिसकी रिपोर्ट किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए प्रतीक्षित है।

- (xi) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के रिकार्ड की जांच के आधार पर प्रावधान की धारा-197, अधिनियम की अनुसूची-V में पढ़ी जाये तथा उसके द्वारा आदेशित आवश्यक अनुमोदन के अनुसार कंपनी ने प्रबंधकीय पारिश्रिक का भुगतान/प्रदान किया है। हमारी राय में तथा हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है।
- (xii) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी राय में और कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश का पैरा 3(xii) लागू नहीं होता है।
- (xiii) कंपनी एक राज्य नियंत्रक उद्यम एवं संबंधित पार्टी लेनदेन के साथ भारतीय लेखांकन मानक- 24 के अनुच्छेद- 26 की तहत जरूरी प्रासंगिक विवरण को प्रस्तुत किया गया।
- (xiv) हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के रिकार्ड की जांच के आधार पर कंपनी ने आलोच्य वर्ष के दौरान किसी भी तरह के अधिमान्य आवंटन या निजी स्थानत या पूर्ण या आंशिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर नहीं किया। जैसा कि कंपनी आलोच्य वर्ष के दौरान किसी भी तरह के अधिमान्य आवंटन या निजी स्थानत या पूर्ण या आंशिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर नहीं किया, कंपनी अधिनियम, 2013 धारा 42 के आवश्यकता अनुसार जिस उद्देश्य के लिए फंड बढ़ाया गया उसमें इस्तेमाल राशि के अनुपालन, जो लागू नहीं है।
- (xv) हमें दी गई सूचना एवं मानकीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकार्ड के जांच के आधार पर कंपनी के निदेशकों या उसके साथ जुड़े हुए व्यक्तियों के साथ किसी भी गैर कानूनी लेनदेन में प्रवेश नहीं किया गया है। तब के आदेश का अनुच्छेद -3 (xv) लागू नहीं है।
- (xvi) कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 के धारा 45 आईए के तहत पंजीकृत करने की आवश्यकता नहीं है।

कृते पीएएमएस एंड एसोसिएट

सनदी लेखाकार

एफ़आरएन: 316079E

स्थान: भुवनेश्वर

दिनांक: 22.07.2021

ह/-

(सीए सत्यजित मिश्रा, एफ़सीए)

भागीदार

सदस्यता संख्या . 057293

यूडीआईएन: 21057293AAAAHI3807

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक -ख

वर्ष 2020-21 के लिए वैधानिक लेखा परीक्षकों को कंपनी अधिनियम की 2013 उप (5)143 धारा-के अनुसार दिशानिर्देशों एवं अतिरिक्त दिशानिर्देशों की रिपोर्ट

क्र.	विवरण	लेखा परीक्षक का जवाब
	अनुलग्नक: ख(i)	
1	क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए सिस्टम है? यदि हाँ, तो आईटी सिस्टम के बाहर के खातों की विश्वसनीयता पर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण के निहितार्थ को वित्तीय निहितार्थ, के साथ बताया जा सकता है, यदि कोई हो।	होल्टिंग कंपनी में आईटी प्रणाली के माध्यम से लेन-देन का लेखा-जोखा रखने के लिए कोलनेट के नाम से आईटी प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार अप्रैल 2020 के दौरान आगे की एमआईएस रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों द्वारा अनुमोदित बिक्री बिलिंग अधिकार करने के लिए वास्तविक समय के आधार पर कोलनेट में वित्त मॉड्यूल और बिक्री मॉड्यूल का एकीकरण शुरू किया गया है।
2	क्या कंपनी द्वारा ऋण चुकाने की असमर्थता के कारण किसी मौजूदा ऋण का पुनर्गठन या किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को दिए गए कर्ज / ऋण के आदि ब्याज / छूट / ऑफ राइट का मामला हुआ है? यदि हाँ, तो इसके वित्तीय प्रभाव का उल्लेख करें।	एमसीएल द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार किसी भी ऋणदाता द्वारा छूट पत्र/बट्टे खाते में डालना/ऋण/ब्याज आदि का पुनर्गठन नहीं है।
3	क्या केंद्रीय के योजनाओं विशिष्ट से एजेंसियों राज्य / लिए प्राप्त के शर्तों और नियमों का धनराशि प्राप्य / था गया किया उपयोग उचित अनुसार? विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान, सड़कों और रेल ढांचे के कार्यों के लिए कोयला मंत्रालय, भारत सरकार से पूंजी अनुदान के रूप में कोई सीसीडीए अनुदान प्राप्त नहीं हुआ था। 31.03.2021 तक बकाया राशि रु. 166.86 करोड़ है। उपरोक्त में से आस्थगित आय (नोट -22) के तहत रु. 152.96 करोड़ और नोट 23 'अन्य चालू देयताएँ' में रु. 13.90 करोड़ के वर्तमान अंश प्रदर्शित किया गया है।
	अनुलग्नक: : ख(ii)	
1	क्या समोच्च नक्शे को ध्यान में रखते हुए कोयला स्टॉक माप किया गया था। क्या भौतिक स्टॉक माप रिपोर्ट सभी मामलों में समोच्च नक्शे के साथ हैं? क्या वर्ष के दौरान बनाए गए नए ढेर के लिए सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की गई थी।	हां। येलो बुक के अनुसार, वार्षिक कोयला स्टॉक मापन सीआईएल में गठित कोल स्टॉक मेजरमेंट टीम द्वारा किया जाना चाहिए। हालाँकि, सीआईएल कार्यालय आदेश संख्या CIL/C-1/C.Stock/20-21/271 दिनांक 29.04.2021 के अनुसार, कोविड -19 मामलों में निरंतर वृद्धि के कारण सहायक स्तर पर गठित अंतर-क्षेत्रीय टीम द्वारा माप किया गया था और तदनुसार कोयले के क्लोजिंग स्टॉक का मूल्यांकन किया गया है। कॉटुर मॅप को ध्यान में रखते हुए स्टॉक मापन किया गया है और सभी मामलों में कॉटुर मॅप भौतिक स्टॉक मापन रिपोर्ट बनाई जाती है। वर्ष के दौरान बनाए गए ढिप को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया है।

क्र.	विवरण	लेखा परीक्षक का जवाब
2	क्या कंपनी ने किसी क्षेत्र के विलय / विभाजन / पुनः संरचना के समय परिसंपत्तियों और संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया है। यदि हां, तो क्या संबंधित सहायक ने अपेक्षित प्रक्रिया का पालन किया है?	हमें दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष के दौरान भुवनेश्वरी क्षेत्र को लेखा परीक्षा के तहत दिनांक 26.10.2019 को जगन्नाथ क्षेत्र से अलग किया गया था। प्रबंधन द्वारा परिवर्तन की तिथि पर महालक्ष्मी क्षेत्र में स्थानांतरित आस्तियों के भौतिक सत्यापन के लिए लेखा परीक्षा की गई थी। प्रत्येक तिमाही में स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों द्वारा आस्तियों का भौतिक सत्यापन करना भी कंपनी का कार्य है। इसके अलावा 31.03.2020 को अचल संपत्ति की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर विक्रय कार्यालय, कोलकाता के तहत संपत्ति को 01.04.2020 को मुख्यालय वाणिज्यिक क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। एमसीएल विक्रय कार्यालय, कोलकाता का नाम बदलकर मुख्यालय बिक्री कर दिया गया है।
3	क्या सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों में प्रत्येक खदान के लिए अलग-अलग एस्करो खातों को बनाए रखा गया है। खाते के फंड के उपयोग की भी जांच करें।	कंपनी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ खान-वार एस्करो खातों का रखरखाव कर रहा है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोयला नियंत्रक कार्यालय से प्राप्त अनुमोदन के पश्चात खान बंदी गतिविधि के लिए रु. 90.48 करोड़ के राशि के 50% दावों का निपटान किया है।
4	क्या माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध खनन के लिए दंड का प्रभाव विधिवत माना गया है और इसका हिसाब दिया गया है?	उप निदेशक खान के कार्यालय ने स्वीकृत पर्यावरण मंजूरी सीमा से परे कोयले के उत्पादन के लिए मुआवजे का भुगतान करने के लिए क्षेत्रों को सूचना जारी किया है। एमसीएल पर रु 11212.73 करोड़ का दावा है। कंपनी ने इस तरह के दावों के लिए निगरानी संबंधी प्राधिकरण, कोयला मंत्रालय में संशोधन आवेदन दायर किया है तथा निगरानी संबंधी प्राधिकरण ने रुपये 8297.77 करोड़ के दावे को अलग रखा है और कंपनी द्वारा आकस्मिक देयता के रूप में 2914.96 करोड़ रुपये की शेष राशि की घोषणा की है।

कृते पीएएमएस एंड एसोसिएट

सनदी लेखाकार

एफआरएन: 316079E

स्थान: भुवनेश्वर

दिनांक: 22.07.2021

ह/-

(सीए सत्यजित मिश्रा, एफसीए)

भागीदार

सदस्यता संख्या . 057293

यूडीआईएन: 21057293AAAAHI3807

लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुबंध -ग

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर प्रतिवेदन

कंपनी के वित्तीय विवरणों में दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए स्टैंडअलोन भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षा के संयोजन में, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड ("कंपनी") के वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का लेखा परीक्षाहमारे द्वारा किया गया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के प्रति प्रबंधन का उत्तरदायित्व:-

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया संस्थान ('आईसीएआई') द्वारा जारी वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षा में बताए गए आंतरिक नोट के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए, कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय प्रतिवेदन मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को बनाए रखना एवं स्थापित करना कंपनी प्रबंधन की जिम्मेदारी है। इन जिम्मेदारियों में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत डिजाइन, कंपनी नीतियों के पालन सहित पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का रख-रखाव एवं कार्यान्वयन, व्यापार के व्यवस्थित एवं कुशल संचालन सुनिश्चित करना, अपनी संपत्ति की सुरक्षा, धोखाधड़ी एवं त्रुटियों का पता लगाना और उसकी रोकथाम, सटीकता एवं लेखा-अभिलेखों की पूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी के समयबद्ध प्रस्तुतीकरण शामिल है।

लेखा परीक्षकों का उत्तरदायित्व

लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी के वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के संबंध में मत व्यक्त करना हमारा उत्तरदायित्व है। हमने अधिनियम की धारा-143(10) के तहत निर्दिष्ट एंव चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखा परीक्षा मानकों और लेखा परीक्षा के वित्तीय प्रतिवेदन (मार्गदर्शन नोट) पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर मार्गदर्शकीय नोट के अनुसार लेखा परीक्षा किया है। ये मानक नैतिक आवश्यकता के अनुरूप हैं तथा हमने लेखा परीक्षा इस प्रकार नियोजित व निष्पादित किया है कि हमें जो वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्राप्त हुए वह अनुरक्षित एवं स्थापित हैं एवं वे प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

हमारी लेखा परीक्षा में वित्तीय प्रतिवेदन और उनके संचालन की प्रभावशीलता पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता के संबंध में लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्राप्त करने के लिए मौजूदा सामग्री की कमी से होने वाली जोखिम का आकलन करना, डिजाइन के परीक्षण एवं मूल्यांकन और जोखिम के आकलन के आधार पर आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण पर आंतरिक नियंत्रण को हमारे लेखा परीक्षा में शामिल किया गया है।

हमें विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा से साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय प्रतिवेदन पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखा परीक्षा पर दी गई राय को एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

कंपनी के वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक प्रक्रिया है जिसे वित्तीय प्रतिवेदन की विश्वसनीयता तथा आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी परियोजनाओं के लिए वित्तीय वक्तव्यों की तैयारी के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए बनाया गया है। कंपनी के वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में उन नीतियों और प्रक्रियाओं को शामिल किया गया है जो

1. अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित जो कंपनी के संपत्ति के लेनदेन एवं स्वभाव को उचित रूप से दर्शाएँ।
2. उचित आश्वासन प्रदान करें कि आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय वक्तव्य की तैयारी की अनुमतिप्रदान करने के लिए आवश्यक लेनदेन रिकॉर्ड किए जा रहे हैं तथा कंपनी की प्राप्ति और व्यय कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार ही किए जा रहे हैं; तथा
3. अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग व कंपनी की संपत्ति का निपटान जिसका वित्तीय विवरण पर प्रभाव पड़ सकता है, का समय पर पता लगाएँ एवं रोक-थाम के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करें।

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाएं

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, नियंत्रण की अभिसंधि या नियंत्रणों के अनुचित प्रबंधन ओवरराइड की संभावना सहित, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण सामग्रियों में गलतियाँ हो सकती हैं और इनका पता नहीं लगाया जा सकता है। साथ ही भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि शर्तों में परिवर्तन के कारण वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है, या यह कि नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की मात्रा का ह्रास हो सकता है।

मत

हमारी राय में, धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां, जो भारत में शामिल कंपनियां हैं, के पास सभी भौतिक मामलों में वित्तीय प्रतिवेदन पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली और वित्तीय प्रतिवेदन पर इस तरह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च 2021 तक प्रभावी रूप से चल रहे थे। इंडस्ट्रीयूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी वित्तीय प्रतिवेदन के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में कहा गया है कि कंपनी द्वारा आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आवश्यक घटकों पर विचार करके वित्तीय प्रतिवेदन मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण स्थापित किया गया है।

कृते पीएएमएस एंड एसोसिएट

सनदी लेखाकार

एफ़आरएन: 316079E

ह/-

(सीए सत्यजित मिश्रा, एफ़सीए)

भागीदार

सदस्यता संख्या . 057293

यूडीआईएन: 21057293AAAAHI3807

स्थान: भुवनेश्वर

दिनांक: 22.07.2021

संशोधित स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

सेवामें

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के सदस्यगण

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा पर प्रतिवेदन

मत

हमने महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के (इसके बाद "धारक कंपनी" के रूप में संदर्भित) समेकित भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के समेकित तुलनपत्र में समेकित लाभ-हानि विवरण (अन्य समेकित आय सहित), समेकित नकद प्रवाह विवरण तथा वर्ष के लिए समेकित इक्विटी में परिवर्तन, एवं अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं का सारांश (इसके बाद वित्तीय विवरणों के अनुसार "समेकित भारतीय लेखांकन मानक के रूप में संदर्भित") शामिल है।

हमारी राय, हमारी जानकारी तथा दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, पूर्वोक्त समेकित भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम, 2013 द्वारा आवश्यक जानकारी सही अनुरूपता और भारत में स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों तथा 31 मार्च, 2021 समाप्त वर्ष के लिए समूह की समेकित स्थिति और समेकित लाभ, समेकित व्यापक आय, इक्विटी में समेकित परिवर्तन और और उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए उसके समेकित नकदी प्रवाह का विवरण निष्पक्ष दृष्टिकोण के साथ प्रदान करते हैं।

मत के आधार

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के तहत निर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा आयोजित की गई है। हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा परीक्षा के लिए उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को लेखा परीक्षा की जिम्मेदारियों में आगे वर्णित किया गया है। हम कंपनी के अधिनियम, 2013 और नियमों के प्रावधानों के तहत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ भारत के सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार हम कंपनी से स्वतंत्र हैं साथ ही स्वतंत्रता की आवश्यकताएं जो अधिनियम के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा सबूत और अन्य लेखा परीक्षा द्वारा दिए गए उनकी रिपोर्ट के संदर्भ में अन्य लेखा परीक्षक द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य, अन्य मामले अनुच्छेद के

उप-अनुच्छेद (क) के नीचे दिए गए हैं जो वित्तीय विवरणों के अनुसार समेकित भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण पर हमारी लेखा परीक्षा के लिए पर्याप्त और उचित हैं।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे व्यावसायिक निर्णय में वर्तमान अवधि के लिए समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में अत्यंत महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारे लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उस पर अपनी राय देने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने नीचे वर्णित मामलों को अपनी रिपोर्ट में संप्रेषित किए जाने वाले प्रमुख लेखापरीक्षा मामलों के रूप में निर्धारित किया है।

क्रमांक	प्रमुख लेखापरीक्षा मामले	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
1	भारतीय लेखांकन मानक 115 को स्वीकार करने की दृष्टि से राजस्व और अन्य संबंधित शेषों की पहचान, माप, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की शुद्धता	हमने नए राजस्व लेखा मानक के प्रभाव को स्वीकार करने के लिए की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया। हमारे लेखापरीक्षा में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मौलिक परीक्षण शामिल हैं जो इस प्रकार हैं: (i) एफएसए सहित अनुबंधों की शर्तों का सत्यापन। (ii) मात्रा, दर आदि के संबंध में बिक्री का सत्यापन (iii) बिल के संबंध में सामग्री की डिलीवरी, संग्रह आदि। (iv) आंतरिक रिपोर्ट और आईएफसी रिपोर्ट का विश्लेषण (v) अनुबंधों से उत्पन्न भुगतानों का सत्यापन
2	a. भारतीय लेखांकन मानक 2 "इन्वेंटरी" को स्वीकार करने की दृष्टि से इन्वेंटरी का मूल्यांकन b. कोयला स्टॉक का मापन: कोयले के क्लोजिंग स्टॉक का मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को बुक वैल्यू पर किया जाएगा और यदि स्टॉक के भौतिक माप के मूल्य में कोई भिन्नता है तो स्टॉक मूल्य के भौतिक माप पर (+)/(-) 5% का विचार किया जाएगा।	क. हमने धारक कंपनी के नए इन्वेंट्री अकाउंटिंग मानक और नीति को स्वीकार करने के प्रभाव की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया। हमारे लेखापरीक्षा में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और निम्नलिखित का मौलिक परीक्षण शामिल है: (i) स्टॉक की आवाजाही के लिए कंपनी के पास उपलब्ध रिकॉर्ड का सत्यापन करना।

कमांक	प्रमुख लेखापरीक्षा मामले	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
	कोल इंडिया लिमिटेड के निर्देशों के अनुसार प्रबंधन को सीआईएल की अन्य अनुषंगी कंपनी से तीसरे पक्ष के माध्यम से प्रत्येक वर्ष के अंत में कांटोर मेंप को ध्यान में रखते हुए भौतिक मापन करने की आवश्यकता है। हालांकि, चालू वित्तीय वर्ष के लिए, कोविड-19 मामलों में वृद्धि, लॉकडाउन और प्रतिबंधों के कारण, कोयले के स्टॉक का भौतिक माप अंतर-क्षेत्रीय टीम द्वारा किया गया है। सीआईएल के आदेश संख्या: सीआईएल/सी-1/सी.स्टॉक/2021/271 दिनांक 29/04/2021 के तहत सीआईएल के निर्देश के अनुसार अनुषंगी स्तर और तदनुसार कोयले के समापन स्टॉक का मूल्यांकन किया गया है। उपरोक्त निर्देशों को ध्यान में रखते हुए वित्तीय मूल्य पर कोयला स्टॉक के बुक वैल्यू पर विचार किया गया है।	ख. कार्य निष्पादन की प्रक्रियाओं में निम्नलिखित शामिल हैं: ● आवधिक सत्यापन कार्यक्रम का क्षेत्र और कवरेज, यदि कोई विसंगति हो तो विश्लेषण सहित ऐसे सत्यापन के परिणाम का समय-समय पर भौतिक सत्यापन और प्रबंधन द्वारा किए गए सर्वेक्षण की प्रक्रिया के संबंध में कोयला स्टॉक के मौजूदगी की बनाए रखने के लिए प्रक्रिया को समझना और प्रबंधन के आंतरिक नियंत्रण का परीक्षण करना ; ● कंपनी द्वारा की गई विश्लेषणात्मक समीक्षाओं का परीक्षण करना जैसे कि उत्पादन लागत के साथ ओबीआर संबंधित लागत और खपत विश्लेषण से संबंधित समीक्षा । लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के निष्पादन के आधार पर और कोविड-19 महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सीआईएल की मौजूदा नीति के अनुसार कोयला मापन को स्थगित कर दिया है, फॉर्म 'एच' के अनुसार क्लोजिंग स्टॉक मात्रा और हमारे द्वारा समीक्षा किए गए कोयला स्टॉक के बुक वैल्यू के अनुसार प्रबंधन का आश्वासन था कि कोयला स्टॉक का उचित निर्धारण है।
3	प्राप्तियों की पहचान, मूल्यांकन, प्रस्तुति और प्रकटीकरण की शुद्धता	हमने व्यापार प्राप्त्य मद के तहत बुक की जाने वाली प्राप्तियों की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया है। हमारे लेखापरीक्षा में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और निम्नलिखित मौलिक परीक्षण शामिल है: (i) बिक्री की पहचान / मान्यता, प्राप्तियों / समायोजन और गैर-प्राप्त्य के लिए बनाए गए प्रावधानों में उनका समायोजन। (ii) खातों में प्रदर्शित शेष पर विश्वास है क्योंकि कंपनी की नीति से भिन्न कुछ पार्टियों के मामले में सुलह लंबित है।

वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी के निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं की तैयारी के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण में शामिल जानकारी, बोर्ड रिपोर्ट सहित अनुबंध की रिपोर्ट, व्यावसायिक उत्तरदायी रिपोर्ट, कॉर्पोरेट प्रशासन और शेयरधारक की जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें समेकित वित्तीय विवरण और हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारा मत अन्य जानकारी को शामिल नहीं करती है और हम निष्कर्ष के किसी भी आश्वासन को व्यक्त नहीं करते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अन्य सूचनाओं को पढ़ते हुए इस बात पर विचार करें कि क्या अन्य जानकारी समेकित वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है या हमारे अंकेक्षण के दौरान प्राप्त हमारी जानकारी या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत होता है। हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि यदि इस अन्य जानकारी में कोई महत्वपूर्ण विवरण गलत है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। हमारे पास इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में विषय अनुच्छेद का महत्व

- (a) हम अन्य सूचनाओं के तहत वित्तीय विवरण के अतिरिक्त टिप्पणी नोट -38 में प्रकटीकरण पर ध्यान आकर्षित करते हैं - "कंपनी कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के लिए निरंतर उपाय कर रही है और व्यवसाय करने में सुगमता के लिए कई उपाय किए हैं। कंपनी ने 31 मार्च 2021 को वित्तीय और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि की वसूली सहित वित्तीय विवरण तैयार करने में महामारी के कारण उत्पन्न होने वाले संभावित प्रभावों पर विचार किया है। कंपनी भविष्य की आर्थिक स्थितियों से उत्पन्न होने वाले किसी भी भौतिक परिवर्तन और उसके व्यवसाय पर परिणामी प्रभाव की बारीकी से निगरानी रखना जारी रखेगी।
- (b) कंपनी ने कार्यरत गैर कार्यकारी कर्मचारियों के लिए सीपीआरएमएस-एनई के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर देयता को मान्यता नहीं दी है। बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अभाव में राशि का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। यह अतिरिक्त नोट-38(4) - "परिभाषित अंशदान योजना (बी)" के संदर्भ में है।
इस संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं है।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी के निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 (तत्पश्चात "अधिनियम" के रूप में संदर्भित) की आवश्यकता के अनुसार इन समेकित वित्तीय वक्तव्यों की तैयारी एवं प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, जो समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित लाभ और हानि (अन्य व्यापक आय सहित वित्तीय प्रदर्शन), कंपनी में इक्विटी और समेकित नकदी प्रवाह में समेकित परिवर्तन, आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार, अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानक सहित संबंधित नियमों का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। समूह में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल समूह, अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड के रखरखाव, संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए ; उचित लेखांकन नीतियों का चयन और आवेदन; निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हैं; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो कि लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो कि समेकित भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं, के लिए जिम्मेदार हैं, जिसका उपयोग कंपनी के निदेशकों द्वारा पूर्वोक्त रूप में समेकित वित्तीय विवरण की तैयारी के उद्देश्य से किया गया है।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, समूह में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल समूह की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार हैं, जो एक लाभकारी कारोबार वाला संस्थान है, संस्थान से संबंधित मामलों का खुलासा करना और लेखांकन के चलते संस्थान के आधार का उपयोग करना, जब तक प्रबंधन या तो संबंधित संस्थाओं को समाप्त करने या संचालन को रोकने का इरादा रखता है, या ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

कंपनियों के कंपनी निदेशक मंडल समूह की वित्तीय प्रतिवेदन प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समेकित वित्तीय विवरणों के रूप समग्र रूप से वित्तीय विवरण के भौतिक गलतफहमी से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और लेखापरीक्षा की रिपोर्ट जारी करने के लिए जिसमें हमारी राय भी शामिल है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह निर्दिष्ट लेखा परीक्षण के मानकों के अनुसार लेखा परीक्षा हमेशा मौजूद होने पर किसी सामग्री के गलत विवरण का पता लगाने की गारंटी नहीं है। गलतियाँ धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती हैं और माना जाता है

कि सामग्री, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, उन्हें यथोचित रूप से इन समेकित वित्तीय वक्तव्यों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उम्मीद की जा सकती है।

एसएस के अनुसार एक लेखा परीक्षा के अंश के रूप में, हम व्यवसाय संबंधी निर्णय लेते हैं और पूरे लेखा परीक्षा में व्यवसाय संबंधी संशयात्मकता को बनाए रखते हैं। हम:

- धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण समेकित वित्तीय विवरणों की सामग्री के गलत विवरण की आशंका को पहचानें और उनका आकलन करते हैं, उन आशंकाओं के लिए उत्तरदायी प्रक्रियाओं की रचना और निष्पादन करते हैं और लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं, जो हमारे मत के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हो। धोखाधड़ी से उत्पन्न सामग्री के गलत विवरण का पता न लगाने का जोखिम त्रुटि से उत्पन्न से बड़ा होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत प्रस्तुति, या आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना शामिल हो सकती है।
- लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रचना करने के लिए लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करते हैं जो परिस्थितियों में उपयुक्त हैं। अधिनियम की धारा 143 (3) (i) के तहत, हम इस बात पर भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियां जो भारत में निगमित की गई हैं, उनके पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और इस तरह के नियंत्रणों की संचालन प्रभावशीलता है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित घोषणाओं की तर्कशीलता का मूल्यांकन करते हैं।
- लेखांकन के सतत मुद्दों के आधार को प्रबंधन की उपयुक्तता पर और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्यों के आधार पर निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या घटनाओं या परिस्थितियों से संबंधित सामग्री अनिश्चितता है जो समूह के सतत मुद्दों की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह कर सकते हैं। यदि हम निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई सामग्री अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में समेकित वित्तीय विवरणों में संबंधित खुलासों पर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है या यदि इस तरह के खुलासे अपर्याप्त हैं, तो हमारे मत को संशोधित करने की आवश्यकता नहीं है। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की प्राप्त अद्यतन रिपोर्ट के साक्ष्य पर आधारित हैं। यद्यपि भावी घटनाओं या स्थितियों के कारण समूह सतत मुद्दों को बंद कर सकता है।
- घोषणा सहित समेकित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करते हैं कि क्या समेकित वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुति देते हैं।
- समेकित वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करने के लिए समूह के अंतर्गत संस्थाओं की वित्तीय जानकारी के संबंध में पर्याप्त यथोचित लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं। हम समेकित वित्तीय विवरणों में ऐसी संस्थाओं के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा दिशा, पर्यवेक्षण और निर्देशन करने के लिए उत्तरदायी हैं, जिनके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों में भौतिकता, गलतफहमी का परिमाण है, जो व्यक्तिगत या समूहिक रूप से इसे संभव बनाता है कि समेकित वित्तीय विवरणों का एक यथोचित जानकारी उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हम (i) हमारे लेखा परीक्षा कार्य के अंतर्गत योजना बनाने और हमारे कार्य के परिणामों के मूल्यांकन में मात्रात्मक भौतिकता और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं; और (ii) समेकित वित्तीय विवरणों में चिन्हित किसी भी गलत विवरणों के प्रभाव का मूल्यांकन करते हैं।

आंतरिक नियंत्रण में किन्हीं महत्वपूर्ण कमियों सहित जिसे लेखा परीक्षा के दौरान चिन्हित किया जाता है, अन्य योजनाबद्ध कार्य-क्षेत्र, लेखा परीक्षा का समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्ष के मामलों में हम शासन विधि के लोगों साथ संवाद करते हैं जो कंपनी के नियंत्रण और इस तरह की अन्य संस्थाओं के समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल, जिसके हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं।

हम, कंपनी द्वारा नियंत्रित उन लोगों को भी एक विवरण प्रदान करते हैं जिसका हमने स्वतंत्र लेखा परीक्षा के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों में जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय के साथ संवाद करते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता पर उचित माना जा सकता है।

शासन के प्रभारी लोगों से बातचीत के मामलों से हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण और प्रमुख हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में कानून या विनियमन मामले के संबंध में सार्वजनिक प्रकटीकरण न होने पर इन मामलों का वर्णन करते हैं या अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में प्रतिकूल परिणामों के कारण किसी मामले की चर्चा नहीं की जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सार्वजनिक हित के लाभों के प्रतिकूल परिणाम होने की अपेक्षा होगी।

अन्य मामलों

क. हमने निदेशक मंडल द्वारा अपनाए गए वित्तीय विवरणों पर भुवनेश्वर में समेकित वित्तीय विवरण दिनांक 02.06.2021 (मूल प्रतिवेदन) पर एक लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की थी। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(क) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों के अनुसार, हमने उक्त लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संशोधित किया है। यह लेखापरीक्षा रिपोर्ट उस मूल रिपोर्ट के स्थान पर है जिसे भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के अवलोकन को मामले के महत्व के बिंदु (ख) के रूप में विचार करने के लिए उपयुक्त रूप से संशोधित किया गया है। मूल प्रतिवेदन की तारीख के बाद की घटनाओं पर हमारी लेखापरीक्षा प्रक्रिया केवल इस पैराग्राफ में उल्लिखित मद में किए गए संशोधन तक ही सीमित है।

ख. हमने चार अनुषंगी कंपनियों के वित्तीय विवरणों/वित्तीय सूचनाओं का लेखा परीक्षा नहीं किया, जिनके वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी में 31 मार्च 2021 को 313.34 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति

प्रदर्शित हैं तथा उस तिथि पर समाप्त वित्त वर्ष के लिए रु. 3.18 करोड़ का कुल राजस्व और रु. 2.54 करोड़ का शुद्ध नकद प्रवाह दर्शाया गया है, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में माना गया है। समेकित वित्तीय विवरणों में समूह के रु.0.70 करोड़ के लाभ का हिस्सा भी शामिल है (31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में समेकित किया गया है) जिनका हमारे द्वारा लेखा-परीक्षा नहीं किया गया है। इन वित्तीय विवरणों/वित्तीय सूचनाओं की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है, जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत की गई है और जहां तक यह इन अनुषंगी कंपनियों के संबंध में राशियाँ और घोषणाओं से संबंधित समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय और जहां तक हमारे अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (3) और (11) के संदर्भ में उपरोक्त अनुषंगी कंपनियों से संबंधित रिपोर्ट है, पूरी तरह से अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

- ग. कंपनी ने खनन अधिकार के रूप में अलग से घोषणा करने के बजाय अन्य भूमि के तहत अपने खनन अधिकार के मूल्य को शामिल किया है।
- घ. कंपनी ने आग, चोरी और संबद्ध गतिविधियों के लिए अचल संपत्तियों, स्टोर और स्पेयर और कोयले के क्लोजिंग स्टॉक जैसी अपनी संपत्ति पर कोई बीमा कवरेज नहीं लिया है। हालांकि, कंपनी ने बीमा के लिए पॉलिसी तैयार करने के लिए होल्डिंग कंपनी से अनुरोध करने के लिए कदम उठाए हैं और साथ ही मामले को अंतिम रूप देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी के साथ समझौता किया गया है।
- ड. कंपनी की ग्राहकों के साथ आवधिक समाधान/विविध देनदारों की पुष्टि की नीति है। 31.03.2021 को रिकॉर्ड के अनुसार कोयले के प्रावधान पर ग्रेड स्लिपेज और नमी सहित कुल 1428.86 करोड़ रुपये के व्यापार प्राप्तियों में से 31.03.2020 तक 647.73 करोड़ रु., 30.06.2020 तक 0.05 करोड़ और 31.12.2020 तक 8.22 करोड़ रुपये के सुलह का कार्य पूरा कर लिया गया है। 772.86 करोड़ रुपये की बकाया राशि के सुलह का कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

समेकित वित्तीय वक्तव्यों पर हमारी राय, और नीचे दी गई अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, उपरोक्त मामलों के संबंध में संशोधित नहीं की गई है, जो काम पर हमारी निर्भरता और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के संबंध में है।

अन्य वैधानिक और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी किए गए निर्देशों और उप-निर्देशों के "अनुलग्नक -क" में कंपनी और लेखा परीक्षकों की 4 सहायक कंपनियों की रिपोर्ट की पुस्तकों और रिकॉर्डों के आधार पर हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण को हम अधिनियम की धारा 143 (5) के संदर्भ में अपनी रिपोर्ट को संलग्न कर रहे हैं।

2. जैसा कि अधिनियम की धारा 143 (3) द्वारा आवश्यक है, हम अपने लेखापरीक्षा के आधार पर रिपोर्ट करते हैं.:

- क) हमने उन सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों को मांगा है और प्राप्त किया है जो हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए सबसे अच्छा है, जैसा कि वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षा प्रयोजनों के लिए आवश्यक था।
- ख) हमारी राय में, कंपनी द्वारा अभी तक उक्त समेकित भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों की तैयारी से संबंधित कानून के अनुसार आवश्यक उचित लेखा पुस्तकें रखी गई हैं क्योंकि यह उन पुस्तकों की हमारी परीक्षा और अन्य लेखा परीक्षा रिपोर्ट से सामने आती है।
- ग) समेकित तुलनपत्र, लाभ और हानि के समेकित विवरण और इस रिपोर्ट के साथ समेकित नकदी प्रवाह विवरण के साथ समेकित भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों की तैयारी के उद्देश्य के लिए बनाए गए खाते की संबंधित पुस्तकों के साथ सहमति है।
- घ) हमारी राय में, पूर्वोक्त समेकित भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण, अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखांकन मानकों का अनुपालन करते हैं, जो जारी किए गए संबंधित नियमों के साथ पढ़े जाते हैं।
- ङ) कारपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी किया गया अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 की नियमों के अनुसार सरकारी कंपनी होने के नाते, हमें सूचित किया जाता है कि निदेशकों की अयोग्यता के संबंध में अधिनियम की धारा 164 (2) का प्रावधान समूह के तहत कंपनियों पर लागू नहीं है।
- च) समूह की वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और इस तरह के नियंत्रणों के संचालन की प्रभावशीलता के संबंध में, अनुलग्नक ख में हमारी अलग प्रतिवेदन का संदर्भ लें।

अनुलग्नक : ख

- छ) कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियमावली 11 तथा हमारी राय और हमारी जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में,
 - i. नोट -38 के क्रमांक संख्या 5, के समेकित वित्तीय वक्तव्यों (भारतीय लेखांकन मानक के अनुपालन) में इसकी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमेबाजी के प्रभाव का खुलासा किया गया है।
 - ii. जैसा कि हमें समझाया गया है कि समूह ने किसी भी व्युत्पन्न अनुबंध में प्रवेश नहीं किया है और दीर्घकालिक अनुबंधों पर किसी भी प्रकार के भौतिक नुकसान की कल्पना नहीं की है, इसलिए इस खाते पर कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

चूंकि समूह कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 (पूर्व में कंपनी अधिनियम, 1956 के पूर्व धारा 205 सी) की धारा 125 (2) के तहत आवश्यक रूप से निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में कोई राशि हस्तांतरित नहीं करनी है अतः फंड में किसी भी राशि को स्थानांतरित करने में देरी उत्पन्न नहीं होती है।

कृते पीएएमएस एंड एसोसिएट

सनदी लेखाकार

एफआरएन: 316079E

स्थान: भुवनेश्वर

दिनांक: 22.07.2021

ह/-

(सीए सत्यजित मिश्रा, एफसीए)

भागीदार

सदस्यता संख्या . 057293

यूडीआईएन: 21057293AAAAHI3807

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक - क

वर्ष 2020-21 के लिए वैधानिक लेखा परीक्षकों को कंपनी अधिनियम 2013 की उप-धारा 143(5) के अनुसार दिशानिर्देशों एवं अतिरिक्त दिशानिर्देशों की रिपोर्ट

क्र. सं.	विवरण	लेखा परीक्षक का जवाब
	भाग: क	
1	क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए सिस्टम है? यदि हाँ, तो आईटी सिस्टम के बाहर के खातों की विश्वसनीयता पर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण के निहितार्थ को वित्तीय निहितार्थ, के साथ बताया जा सकता है, यदि कोई हो।	होल्टिंग कंपनी में आईटी प्रणाली के माध्यम से लेन-देन का लेखा-जोखा रखने के लिए कोलनेट के नाम से आईटी प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार अप्रैल 2020 के दौरान आगे की एमआईएस रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों द्वारा अनुमोदित बिफ्री बिलिंग अधिकार करने के लिए वास्तविक समय के आधार पर कोलनेट में वित्त मॉड्यूल और बिफ्री मॉड्यूल का एकीकरण शुरू किया गया है। जैसा कि चार सहायक कंपनियों (एमजेएसजे कोल लिमिटेड को छोड़कर, जहां एमसीएल के आईटी प्रणाली के माध्यम से लेन-देन किया जाता है) के वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा रिपोर्ट किया गया है कि, सभी लेखा लेनदेन को संसाधित करने के लिए आईटी प्रणाली संबंधित सहायकों में मौजूद नहीं है, हालांकि यह खातों की अखंडता को प्रभावित नहीं करेगा।
2	क्या कंपनी द्वारा ऋण चुकाने की असमर्थता के कारण किसी मौजूदा ऋण का पुनर्गठन या किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को दिए गए कर्ज / ऋण / ब्याज आदि के छूट / राइट ऑफ का मामला हुआ है? यदि हाँ, तो इसके वित्तीय प्रभाव का उल्लेख करें।	एमसीएल द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार किसी भी ऋणदाता द्वारा छूट पत्र/बट्टे खाते में डालना/ऋण/ब्याज आदि का पुनर्गठन नहीं है। जैसा कि चार सहायक कंपनियों के सांविधिक लेखा-परीक्षकों द्वारा रिपोर्ट किया गया है कि मौजूदा ऋण में छूट पत्र / बट्टे खाते में डालना/ ऋण / ब्याज इत्यादि का पुनर्गठन नहीं है।
3	क्या केंद्रीय / राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त / प्राप्य धनराशि का नियमों और शर्तों के अनुसार उचित उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान, सड़कों और रेल ढांचे के कार्यों के लिए कोयला मंत्रालय, भारत सरकार से पूंजी अनुदान के रूप में कोई सीसीडीए अनुदान प्राप्त नहीं हुआ था। 31.03.2021 तक बकाया राशि रु. 166.86 करोड़ है। उपरोक्त में से आस्थगित आय (नोट -22) के तहत रु. 152.96 करोड़ और नोट 23 'अन्य चालू देयताएँ' में रु. 13.90 करोड़ के वर्तमान अंश प्रदर्शित किया गया है। जैसा कि चार सहायक कंपनियों के वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा रिपोर्ट किया गया था कि केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजना के लिए कोई धन प्राप्त नहीं हुआ था।

क्र. सं.	विवरण	लेखा परीक्षक का जवाब
	भाग : ख	
1	क्या समोच्च नक्शे को ध्यान में रखते हुए कोयला स्टॉक माप किया गया था। क्या भौतिक स्टॉक माप रिपोर्ट सभी मामलों में समोच्च नक्शे के साथ हैं? क्या वर्ष के दौरान बनाए गए नए ढेर के लिए सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की गई थी।	हां। येलो बुक के अनुसार, वार्षिक कोयला स्टॉक मापन सीआईएल में गठित कोल स्टॉक मेजरमेंट टीम द्वारा किया जाना चाहिए। हालांकि, सीआईएल कार्यालय आदेश संख्या CIL/C-1/C.Stock/20-21/271 दिनांक 29.04.2021 के अनुसार, कोविड -19 मामलों में निरंतर वृद्धि के कारण सहायक स्तर पर गठित अंतर-क्षेत्रीय टीम द्वारा माप किया गया था और तदनुसार कोयले के क्लोजिंग स्टॉक का मूल्यांकन किया गया है। कॉंट्रोल मॅप को ध्यान में रखते हुए स्टॉक मापन किया गया है और सभी मामलों में कॉंट्रोल मॅप भौतिक स्टॉक मापन रिपोर्ट बनाई जाती है। वर्ष के दौरान बनाए गए ढिप को सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया है।
2	क्या कंपनी ने किसी क्षेत्र के विलय / विभाजन / पुनः संरचना के समय परिसंपत्तियों और संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया है। यदि हां, तो क्या संबंधित सहायक नए अपेक्षित प्रक्रिया का पालन किया है?	हमें दी गई जानकारी के अनुसार वर्ष के दौरान भुवनेश्वरी क्षेत्र को लेखा परीक्षा के तहत दिनांक 26.10.2019 को जगन्नाथ क्षेत्र से अलग किया गया था। प्रबंधन द्वारा परिवर्तन की तिथि पर महालक्ष्मी क्षेत्र में स्थानांतरित आस्तियों के भौतिक सत्यापन के लिए लेखा परीक्षा की गई थी। प्रत्येक तिमाही में स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्मों द्वारा आस्तियों का भौतिक सत्यापन करना भी कंपनी का कार्य है। इसके अलावा 31.03.2020 को अचल संपत्ति की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर विक्रय कार्यालय, कोलकाता के तहत संपत्ति को 01.04.2020 को मुख्यालय वाणिज्यिक क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। एमसीएल विक्रय कार्यालय, कोलकाता का नाम बदलकर मुख्यालय बिक्री कर दिया गया है। जैसा कि चार अनुषंगी कंपनियों के वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा रिपोर्ट किया गया था कि यहाँ कोई विलय/विभाजन/पुनः संरचना नहीं थी।
3	क्या सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों में प्रत्येक खदान के लिए अलग-अलग एस्करो खातों को बनाए रखा गया है। खाते के फंड के उपयोग की भी जांच करें।	एमसीएल, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ खान-वार एस्करो खातों का रखरखाव कर रहा है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोयला नियंत्रक कार्यालय से प्राप्त अनुमोदन के पश्चात खान बंदी गतिविधि के लिए रु. 90.48 करोड़ के राशि के 50% दावों का निपटान किया है।

4	क्या माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध खनन के लिए दंड का प्रभाव विधिवत माना गया है और इसका हिसाब दिया गया है?	उप निदेशक खान के कार्यालय ने स्वीकृत पर्यावरण मंजूरी सीमा से परे कोयले के उत्पादन के लिए मुआवजे का भुगतान करने के लिए क्षेत्रों को सूचना जारी किया है। एमसीएल पर रु 11212.73 करोड़ का दावा है। कंपनी ने इस तरह के दावों के लिए निगरानी संबंधी प्राधिकरण, कोयला मंत्रालय में संशोधन आवेदन दायर किया है तथा निगरानी संबंधी प्राधिकरण ने रुपये 8297.77 करोड़ के दावे को अलग रखा है और कंपनी द्वारा आकस्मिक देयता के रूप में 2914.96 करोड़ रुपये की शेष राशि की घोषणा की है। वर्ष के दौरान अन्य अनुषंगी कंपनियों के पास कोई खनन गतिविधि नहीं है।

कृते पीएएमएस एंड एसोसिएट

सनदी लेखाकार

एफ़आरएन: 316079E

स्थान: भुवनेश्वर

दिनांक: 22.07.2021

ह/-

(सीए सत्यजित मिश्रा, एफ़सीए)

भागीदार

सदस्यता संख्या . 057293

यूडीआईएन: 21057293AAAAHI3807

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों पर उस तिथि पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक - ख

कंपनी के वित्तीय विवरणों में दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षा के संयोजन में, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड ("धारक कंपनी") और उसकी सहायक कंपनियाँ जो भारत की कंपनियों में शामिल हैं, के वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का लेखा परीक्षा हमारे द्वारा किया गया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के प्रति प्रबंधन का उत्तरदायित्व:-

भारत के चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी किए गए वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की स्थिति के आवश्यक घटक को ध्यान में रखते हुए कंपनी द्वारा वित्तीय प्रतिवेदन मानदंड पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को बनाए रखने और स्थापित करने, धारक कंपनी एवं इसके अनुषंगियों के संबंधित निदेशक प्रभाग की जिम्मेदारी है। इन जिम्मेदारियों में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत डिजाइन, कंपनी नीतियों के पालन सहित पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का रख-रखाव और कार्यान्वयन, व्यापार के व्यवस्थित और अनुकूल संचालन सुनिश्चित करना, अपनी संपत्ति की सुरक्षा, आशंका और त्रुटियों का पता लगाना और उसकी रोकथाम, और लेखा परीक्षा-अभिलेखों की पूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी के समय पर समयबद्ध प्रस्तुतीकरण शामिल है।

लेखा परीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व है कि हम लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी के इन वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर अपना मत व्यक्त करें। हमने अधिनियम की धारा-143(10) के तहत निर्दिष्ट एवं आई.सी.ए.आई द्वारा जारी किया गया लेखा परीक्षा मानकों और लेखा परीक्षा के वित्तीय प्रतिवेदन (मार्गदर्शन नोट) पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर मार्गदर्शकीय नोट के अनुसार लेखा परीक्षा किया है। ये मानक नैतिक आवश्यकता के अनुरूप हैं तथा हमने लेखा परीक्षा इस प्रकार नियोजित व निष्पादित किया कि हमें जो वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्राप्त हुए वह अनुरक्षित एवं स्थापित हैं एवं वे प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता एवं उनके परिचालन प्रभाव के बारे में हमारे लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया शामिल है। वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करने के लिए मौजूदा सामग्री की कमजोरी से होने वाली जोखिम का आकलन करना। डिजाइन के परीक्षण एवं मूल्यांकन और जोखिम के आकलन के आधार पर आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता भारतीय लेखांकन मानक के वित्तीय विवरण पर आंतरिक नियंत्रण को हमारे लेखा परीक्षा में शामिल किया गया है।

हमें विश्वास है कि हमने जो लेखा परीक्षा से साक्ष्य प्राप्त किए हैं और अन्य लेखा परीक्षण ने अपने प्रतिवेदन के संदर्भ में जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे अन्य अनुच्छेदों में उल्लिखित हैं। वित्तीय प्रतिवेदन पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारे लेखा परीक्षा की राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

कंपनी के वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक प्रक्रिया है जिसे वित्तीय प्रतिवेदन की विश्वसनीयता तथा आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी परियोजनाओं के लिए वित्तीय वक्तव्यों की तैयारी के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए बनाया गया है। कंपनी के वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में उन नीतियों और प्रक्रियाओं को शामिल किया गया है जो

1. अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित जो कंपनी के संपत्ति के लेनदेन एवं स्वभाव को उचित रूप से दर्शाएँ
2. उचित आश्वासन प्रदान करें कि आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय वक्तव्य की तैयारी की अनुमति प्रदान करने के लिए आवश्यक लेनदेन रिकॉर्ड किए जा रहे हैं तथा कंपनी की प्राप्ति और व्यय कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार ही किए जा रहे हैं; तथा
3. अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग व कंपनी की संपत्ति का निपटान जिसका वित्तीय विवरण पर प्रभाव पड़ सकता है, का समय पर पता लगाएँ एवं रोक-थाम के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करें।

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाएं :-

वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, नियंत्रण की अभिसंधि या नियंत्रणों के अनुचित प्रबंधन ओवरराइड की संभावना सहित, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण सामग्रियों में गलतियाँ हो सकती हैं और इनका पता नहीं लगाया जा सकता है। साथ ही भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन हैं कि शर्तों में परिवर्तन के कारण वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है, या यह कि नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन की मात्रा का ह्रास हो सकता है।

मत

हमारी राय में, धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां, जो भारत में शामिल कंपनियां हैं, के पास सभी भौतिक मामलों में वित्तीय प्रतिवेदन पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली और वित्तीय प्रतिवेदन पर इस तरह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च 2021 तक प्रभावी रूप से चल रहे थे। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी वित्तीय प्रतिवेदन के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शन नोट में कहा गया है कि कंपनी द्वारा आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आवश्यक घटकों पर विचार करके वित्तीय प्रतिवेदन मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण स्थापित किया गया है।

अन्य मामले

कंपनियों के लेखा परीक्षकों से संबंधित प्रतिवेदन अधिनियम की धारा 143 (3) (1) के तहत अब तक सहायक कंपनियों से संबंधित हमारी उपरोक्त प्रतिवेदन वित्तीय प्रतिवेदन पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और संचालन प्रभावशीलता पर आधारित हैं, जो भारत में शामिल कंपनियाँ हैं।

स्थान: भुवनेश्वर

दिनांक: 22.07.2021

कृते पीएएमएस एंड एसोसिएट

सनदी लेखाकार

एफ़आरएन: 316079E

ह/-

(सीए सत्यजित मिश्रा, एफ़सीए)

भागीदार

सदस्यता संख्या . 057293

यूडीआईएन: 21057293AAAAHI3807

तुलनपत्र

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
आस्तियां			
गैर चालू आस्तियां			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	3	8,227.31	7,243.88
(ख) पूंजीगत प्रगतिशील कार्य	4	2,085.24	1,448.09
(ग) अन्वेषण और मूल्यांकन आस्तियां	5	137.79	124.73
(घ) अमूर्त आस्तियां	6	4.84	4.69
(ङ.) वित्तीय आस्तियां			
(i) निवेश	7	766.66	1,075.41
(ii) ऋण	8	126.29	626.20
(iii) अन्य वित्तीय आस्तियां	9	1,152.95	1,115.98
(च) आस्थगित कर आस्तियां (निवल)	-	-	-
(i) अन्य गैर-चालू आस्तिघ्नां	10	616.44	352.79
कुल गैर चालू आस्तियां (क)		13,117.52	11,991.77
चालू आस्तियां			
(क) वस्तु सूची	12	1,103.52	793.62
(ख) वित्तीय आस्तियां			
(i) निवेश	7	3,056.03	0.46
(ii) व्यापार प्राप्तियाँ	13	1,292.63	1,323.07
(iii) नगद एवं नगद समतुल्य	14	1,010.55	71.43
(iv) अन्य बैंक शेष	15	7,250.00	12,303.35
(v) ऋण	8	500.00	500.32
(vi) अन्य वित्तीय आस्तियां	9	421.19	631.50
(ग) वर्तमान कर आस्तियां (निवल)	-	2,628.04	2,524.68
(घ) अन्य चालू आस्तियां	11	2,625.16	2,705.50
कुल चालू आस्तियां (ख)		19,887.12	20,853.93
कुल परिसंपत्तियाँ (क+ख)		33,004.64	32,845.70

तुलनपत्र जारी.....		(₹ करोड़ में)	
	टिप्पणी संख्या	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
इक्विटी एवं देयताएं			
इक्विटी			
क) इक्विटी शेयर पूँजी	16	661.84	661.84
ख) अन्य इक्विटी	17	4,871.20	3,261.27
कंपनी के इक्विटीधारकों के कारण इक्विटी		5,533.04	3,923.11
गैर नियंत्रित ब्याज	-	-	-
कुल इक्विटी (क)		5,533.04	3,923.11
देयताएं :			
गैर-चालू देयताएं			
(क) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	5.03	5.48
(ii) भुगतान योग्य व्यापार	-	-	-
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	20	19.22	39.02
(ख) प्रावधान	21	19,074.94	20,152.14
(ग) आस्थगित कर देयताएँ (निवल)		529.58	307.04
(घ) अन्य गैर चालू दायिताएँ	22	152.96	166.87
कुल गैर चालू दायिताएं (ख)		19,781.73	20,670.55
चालू देयताएं :			
(क) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	-	1,706.45
(ii) भुगतान योग्य व्यापार	19	-	-
सूक्ष्म और लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि		0.18	0.39
सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों की कुल बकाया राशि		257.87	408.98
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	20	2,212.24	1,888.58
(ख) अन्य चालू देयताएं	23	4,018.84	3,351.04
(ग) प्रावधान	21	1,200.74	896.60
(घ) चालू कर देयताएं(निवल)	-	-	-
कुल चालू देयताएं (ग)		7,689.87	8,252.04
कुल इक्विटी एवं देयताएं (क+ख+ग)		33,004.64	32,845.70

साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

ह/-
(ए के सिंह)
कंपनी सचिव

ह/-
(ए के पांडे)
उप-महाप्रबंधक (वित्त)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते, पाम्स एंड एसोसियेट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या. 316079ई

ह/-
(के आर वसुदेवन)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 07915732

ह/-
(पी के सिन्हा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध-निदेशक
डीआईएन: 07599781

ह/-
(सीए सत्यजित मिश्रा)
साझेदार
सदस्यता संख्या. 057293

दिनांक : 29.05.2021
स्थान: बुर्ला

लाभ-हानि विवरण

		(₹ करोड़ में)	
	टिप्पणी संख्या	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
<u>संचालन से राजस्व</u>			
क विक्रय (निवल अन्य उगाही)	24	14,474.08	14,162.00
ख अन्य संचालन राजस्व(निवल अन्य उगाही)	-	2,018.25	1,649.17
(I) संचालनों से राजस्व (क+ख)	-	16,492.33	15,811.17
(II) अन्य आय	25	1,039.71	1,860.76
(III) कुल आय (I+II)	-	17,532.04	17,671.93
<u>(IV) व्यय</u>			
उपभोग की गई सामग्री की लागत व्यापार के लिए माल की खरीद	26	705.87	598.71
तैयार माल के बस्तुसूची में परिवर्तन/कार्य में प्रगति और व्यापार में स्टॉक	27	282.34 (294.23)	60.80 (280.67)
कर्मचारी हितलाभ पर व्यय	28	3,218.73	3,154.85
बिजली पर व्यय	-	153.30	131.31
कापरेट सामाजिक दायित्व पर व्यय	29	168.44	165.50
मरम्मत	30	169.55	161.18
संविदात्मक व्यय	31	3,370.67	2,594.68
वित्तीय लागत	32	68.38	80.31
मूल्यहास / परिशोधन / हानि पर व्यय	-	572.65	494.74
प्रावधान	33	73.87	2.48
बढ़ते खाते डालना	34	-	-
अन्य व्यय	35	784.85	790.66
स्ट्रीपिंग गतिविधि समायोजन	-	(1,059.17)	1,071.91
कुल व्यय (IV)	-	8,215.25	9,026.46
(V) असाधारण मर्दों और कर पूर्व लाभ (III-IV)	-	9,316.79	8,645.47
(VI) अपवादात्मक मर्द	-	-	-
(VII) कर पूर्व लाभ (V-VI)	-	9,316.79	8,645.47
<u>(VIII) कर संबंधी व्यय</u>			
चालू कर	36	2,292.54	2,261.36
आस्थगित कर	-	151.90	(43.28)
कुल कर व्यय (VIII)	-	2,444.44	2,218.08
(IX) सतत प्रचालन से अवधि के लिए लाभ (VII-VIII)	-	6,872.35	6,427.39

	टिप्पणी सं.	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
(X) संचालन अवरुद्ध होने से लाभ/(हानि)		-	-
(XI) संचालन अवरुद्ध होने पर व्याज व्यय		-	-
(XII) संचालन अवरुद्ध होने से लाभ/(हानि) (कर पश्चात) (X-XI)		-	-
(XIII) संयुक्त उद्यम /एसोसियेट्स के शेयर से लाभ/(हानि)		-	-
(XIV) वर्ष के लिए लाभ (IX+XII+XIII)		6,872.35	6,427.39
अन्य व्यापक आय	37		
क. (i) ऐसे मदें जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं होंगे		(50.00)	(104.82)
(ii) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		(12.58)	(26.38)
ख. (i) मदें जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किए जाएंगे		-	-
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किया जाएगा		-	-
(XV) कुल अन्य व्यापक लाभ		(37.42)	(78.44)
(XVI) अवधि के लिए कुल व्यापक आय (XIV+XV) (व्यापक लाभ (हानि) वर्ष के लिए लाभ/(हानि) और अवधि के लिए अन्य व्यापक लाभ)		6,834.93	6,348.95
लाभ का कारण :			
कंपनी के मालिक		6,872.35	6,427.39
गैर नियंत्रित व्याज		6,872.35	6,427.39
अन्य व्यापक आय का कारण :			
कंपनी का मालिक		(37.42)	(78.44)
गैर नियंत्रित व्याज		(37.42)	(78.44)
कुल व्यापक लाभ के कारण :			
कंपनी के मालिक		6,834.93	6,348.95
गैर नियंत्रित व्याज		-	-
		6,834.93	6,348.95
(XVII) प्रति इक्वीटी शेयर आय(संचालन जारी रखने हेतु) (₹. में):			
(1) मूल		10,327.22	9,592.93
(2) मंजूर		10,327.22	9,592.93
(XVIII) प्रति इक्वीटी शेयर आय(संचालन अवरुद्ध करने हेतु) (₹. में):			
(1) मूल		-	-
(2) मंजूर		-	-
(XIX) प्रति इक्वीटी शेयर आय(संचालन जारी रखने एवं अवरुद्ध करने हेतु) (₹. में):			
(1) मूल		10,327.22	9,592.93
(2) मंजूर		10,327.22	9,592.93

साथ में दी गई टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

ह/-
(ए के सिंह)
कंपनी सचिव

ह/-
(ए के पांडे)
उप.महाप्रबंधक (वित्त)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते, पाउंस एंड एसोसियेट्स
सन्दी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या, 316079ई

ह/-
(के आर वसुदेवन)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 07915732

ह/-
(पी के सिन्हा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध-निदेशक
डीआईएन:07599781

ह/-
(सीए सत्यजित मिश्रा)
साझेदार
सदस्यता संख्या, 057293

दिनांक : 29.05.2021
स्थान: बुर्ला

31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए नगद प्रवाह

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
क प्रचालन गतिविधियों से नगद प्रवाह:		
करपूर्व लाभ(ओसीआई सहित)	9,266.79	8,540.65
समायोजन के लिए:		
स्थायी आस्तियों का ह्रास/हानि	572.65	494.74
बैंक जमा पर ब्याज	(563.31)	(1,134.42)
वित्तीय गतिविधियों संबंधी वित्तीय लागत	11.77	0.77
अनवाइन्डिंग का डिस्काउन्ट	56.61	79.54
स्थायी आस्तियों की बिक्री पर लाभ/हानि	(0.88)	(0.51)
विनियम दर का उत्तर-चढ़ाव	0.22	0.41
स्ट्रीपिंग गतिविधियों का समायोजन	(1,059.17)	1,071.91
निवेश से ब्याज/लाभांश	(170.12)	(384.64)
प्रावधान किए गए और बढ़ते खाते में डाले गए	308.19	39.53
चालू / गैर चालू आस्तियों और देयताओं से पहले परिचालन लाभ निम्न के लिए समायोजन :	8,422.75	8,707.98
समायोजन के लिए :		
वस्तुसूची	(309.90)	(291.32)
व्यापार से प्राप्त	(2.83)	(839.36)
गैर चालू ऋण, अग्रिम, अन्य वित्तीय आस्तियाँ , अन्य आस्तियाँ	199.29	255.28
चालू ऋण, अग्रिम, अन्य वित्तीय आस्तियाँ , अन्य आस्तियाँ	5,281.68	(218.64)
चालू/गैर चालू प्रावधान, अन्य वित्तीय देयताएं एवं अन्य देयताएं	760.95	(126.31)
संचालन से उत्पन्न नगद	14,351.94	7,487.63
भुगतान/वापस किए गए आयकर	(2,250.00)	(4,303.13)
असाधारण मदों से पूर्ण नगद प्रवाह	12,101.94	3,184.50
असाधारण मदें	-	-
संचालन गतिविधियों से निवल नगद (क)	12,101.94	3,184.50

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
ख निवेश गतिविधियों से नगद प्रवाह		
अचल आस्तियों की खरीद	(2,206.44)	(1,395.49)
अचल आस्तियों की बिक्री पर लाभ/हानि	0.88	0.51
निवेश में बदलाव	(2,746.82)	1,000.37
बैंक जमा से संबंधित व्याज	563.31	1,134.42
निवेश से व्याज/लाभांश	170.12	384.64
निवेश गतिविधियों में प्रयुक्त निवल नगद (ख)	(4,218.95)	1,124.45
ग वित्तीय गतिविधियों से नगद प्रवाह		
उधार में बदलाव	(1,706.88)	1,706.26
विनियम दर में उतार-चढ़ाव	(0.22)	(0.41)
वित्तीय गतिविधियों से संबंधित व्याज एवं वित्तीय लागत	(11.77)	(0.77)
इक्विटी शेयर पर लाभांश	(5,225.00)	(5,225.00)
इक्विटी शेयर पर लाभांश कर	-	(1,074.01)
वित्तीय गतिविधियों में प्रयुक्त निवल नगद (ग)	(6,943.87)	(4,593.93)
नगद एवं नगद समतुल्य में निवल वृद्धि/(कमी) (क+ख+ग)	939.12	(284.98)
वर्ष के प्रारम्भ में नगद एवं नगद समतुल्य	71.43	356.41
अवधि के अंत में नगद एवं नगद समतुल्य	1,010.55	71.43

उपरोक्त विवरण अप्रत्यक्ष विधि से तैयार किया गया है
वर्तमान अवधि के बर्गीकरण की पुष्टि करने के लिए पिछले वर्ष के
आंकड़ों को पुनर्बर्गीकृत किया गया है।

ह/-
(ए के सिंह)
कंपनी सचिव

ह/-
(ए के पांडे)
उप-महाप्रबंधक (वित्त)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते, पाम्स एंड एसोसियेट्स
सन्दी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या. 316079ई

ह/-
(के आर वसुदेवन)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 07915732

ह/-
(पी के सिन्हा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध-निदेशक
डीआईएन: 07599781

ह/-
(सीए सत्यजित मिश्रा)
साझेदार
सदस्यता संख्या. 057293

दिनांक : 29.05.2021
स्थान: बुर्ला

31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए इन्विटी में बदलाव का विवरण (₹ करोड़ में)

विवरण	01.04.2019 तक शेयर		वर्ष के दौरान इन्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन		31.03.2020 तक शेयर		वर्ष के दौरान इन्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन		31.03.2021 तक शेयर	
क. इन्विटी शेयर पूंजी	कुल	अन्य रिजर्व	कुल	अन्य रिजर्व	कुल	अन्य रिजर्व	कुल	अन्य रिजर्व	कुल	अन्य रिजर्व
पूर्ण रूप से चुकाए गए ₹ 1000 प्रत्येक के 6618363 इन्विटी शेयर	661.84	-	661.84	-	661.84	-	661.84	-	661.84	-
य. अन्य इन्विटी										
01.04.2019 तक शेयर	44.29	-	44.29	-	44.29	-	44.29	-	44.29	-
संयोजन नीति में परिवर्तन पूर्व अवधि त्रुटियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान योग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान समायोजन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान लाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्गणन(कर का निवसन)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विवरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
समान्य रिजर्व कोसे अंतरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य रिजर्व कोसे अंतरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अंतरिम लाभोंश	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अंतिम लाभोंश	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्पोरेट लाभोंश कर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बाईबैक वितरण कर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
31.03.2020 तक शेयर	44.29	-	44.29	-	44.29	-	44.29	-	44.29	-
01.04.2020 तक शेयर	44.29	-	44.29	-	44.29	-	44.29	-	44.29	-
वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान समायोजन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान लाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्गणन(कर का निवसन)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विवरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
समान्य रिजर्व से को अंतरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य रिजर्व से को अंतरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अंतरिम लाभोंश	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अंतिम लाभोंश	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्पोरेट लाभोंश कर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बाई बैक वितरण कर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
31.03.2021 तक शेयर	44.29	-	44.29	-	44.29	-	44.29	-	44.29	-

वित्तीय विवरणी के लिए टिप्पणी

टिप्पणी : 1 कॉर्पोरेट जानकारी

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल), एक मिनीरत्न कंपनी है, जिसका मुख्यालय संबलपुर, ओडिशा में है, जिसे 3 अप्रैल, 1992 को कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की 100% सहायक कंपनी के रूप में शामिल किया गया था जिसमें ओडिशा राज्य में स्थित खानों में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की संपत्ति और देयताएं शामिल थी।

कंपनी मुख्य रूप से कोयले का खनन और उत्पादन करती है। कंपनी के प्रमुख उपभोक्ता बिजली और इस्पात क्षेत्र हैं। अन्य क्षेत्रों के उपभोक्ताओं में सीमेंट, उर्वरक, ईट-भट्ठे आदि शामिल हैं।

ओडिशा में एमसीएल की 4 सहायक कंपनी हैं। समूह संरचना की जानकारी टिप्पणी संख्या 38 में वर्णित है।

टिप्पणी 2: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

2.1 वित्तीय विवरण की तैयारी का आधार

भारतीय लेखांकन मानक नियमावली, 2015, कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) के तहत अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक (भा.लेखा.मा.) के अनुसार, कंपनी का वित्तीय विवरण तैयार किया गया है।

ii) मापन को ऐतिहासिक लागत के आधार पर वित्तीय विवरणों के अनुसार तैयार किया गया है, सिवाय इसके कि

- कुछ वित्तीय संपत्तियों और देयताओं को उचित मूल्य पर मापा जाता है (अनुच्छेद 2.15 में वित्तीय साधनों पर लेखांकन नीति देखें)
- परिभाषित लाभ योजना- संपत्ति योजना को उचित मूल्य पर मापा जाता है।
- वस्तुसूची पर लागत या एनआरवी इनमें से जो भी कम हो (अनुच्छेद 2.21 में वर्णित लेखांकन नीति का अवलोकन करें)।

2.1.1 पूर्ण अंकों में राशि

इन वित्तीय विवरणों में राशि जब तक कि अन्यथा अपेक्षित न हो तब तक करोड़ रुपए दो दशमलव अंको तक राउंड किए जाएंगे।

2.2 चालू एवं गैर- चालू वर्गीकरण

कंपनी चालू / गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर तुलनपत्र में संपत्ति एवं देनदारियों को प्रस्तुत करती है। कंपनी द्वारा एक परिसंपत्ति को चालू के रूप में तब माना जाता है, जब:

- (क) अपने सामान्य संचालन चक्र में यह अपेक्षित है कि संपत्ति स्वीकार की जाये व बेची या उपभोग की जाये।
(ख) सबसे पहले संपत्ति की देयताओं को व्यापार हेतु बनाए रखना अपेक्षित होगा।
(ग) रिपोर्टिंग अवधि के बाद 12 माह के भीतर परिसंपत्तियों की पहचान की गई हो।
(घ) आस्ति नकद समकक्ष (लेखांकन नीति 7 में यथा-परिभाषित) रूप में तब तक रहती है जब तक आस्ति को रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए विनिमय किए जाने या देयता के निपटान के लिए उपयोग किए जाने पर प्रतिबंध न लगा दिया गया हो। अन्य सभी आस्तियों को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

कंपनी द्वारा देयताओं को चालू में स्वीकार किया जाएगा, जब :

- क) अपने सामान्य संचालन चक्र में अपेक्षित देयताएं स्थापित की गई हो।
ख) सबसे पहले देयताओं को व्यवसाय हेतु बनाए रखना अपेक्षित होगा।
ग) रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर देयता का निपटान किया जाना है ;
घ) रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम 12 माह के लिए देयताओं के निपटान को स्थगित करने के लिए सशर्त अधिकार नहीं होंगे। देयता की शर्तें जो कि काउंटर पार्टी के विकल्प पर हो सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप इक्विटी के जारी करने के मुद्दों के निपटारे का परिणाम इसके वर्गीकरण को प्रभावित नहीं करता है।

अन्य सभी देयताएं गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत हैं।

2.3 राजस्व मान्यता

ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त राजस्व

ग्राहकों के साथ अनुबंधों से प्राप्त राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब वस्तुओं या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को उस राशि पर हस्तांतरित किया जाता है जिससे यह प्रदर्शित हो सके कि ग्राहक को सेवायें हस्तांतरित करने के लिए कंपनी एक्सचेंज हेतु हकदार होने की उम्मीद रखती हो। कंपनी ने आमतौर पर यह निष्कर्ष निकाला है कि यह अपनी राजस्व व्यवस्था में श्रेष्ठ है क्योंकि यह आमतौर पर ग्राहकों को स्थानांतरित करने से पहले वस्तुओं या सेवाओं को नियंत्रित करती है।

निम्नलिखित पाँच चरणों का उपयोग करते हुये भारतीय लेखांकन मानक 115 के सिद्धांतों को लागू किया जाता है :

चरण 1: अनुबंध की पहचान :

ग्राहक के साथ अनुबंध के लिए कंपनी तभी जिम्मेदारी लेती है जब ग्राहक द्वारा निम्नलिखित सभी मानदंडों को पूरा किया जाता है

- क) अनुबंध के पक्षकारों को अनुबंध को स्वीकार करना होता है और वे अपने संबंधित दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं ;

- ख) कंपनी स्थानांतरित किए जाने वाले वस्तु या सेवाओं से संबंधित प्रत्येक पार्टी के अधिकारों की पहचान कर सकती है;
- ग) कंपनी हस्तांतरित की जाने वाली वस्तुओं या सेवाओं के लिए भुगतान की शर्तों की पहचान कर सकती है;
- घ) अनुबंध में वाणिज्यिक विषय (यानी, अनुबंध के प्रत्याशित बदलाव स्वरूप जोखिम, समय, कंपनी के भविष्य के नकदी प्रवाह की राशि); और
- ङ) यह संभव है कि कंपनी उस पर विचार करेगी जिसके लिए वह ग्राहक को हस्तांतरित की जाने वाली वस्तुओं या सेवाओं के एक्स्चेंज के लिए हकदार होगी। तय की गई राशि जिस पर कंपनी हकदार होगी, वह अनुबंध में निर्दिष्ट कीमत से कम हो सकती है, यदि तय की गई राशि परिवर्तनशील है क्योंकि कंपनी ग्राहक को मूल्य रियायत, बट्टा, छूट, धन वापसी, क्रेडिट की पेशकश कर सकती है या प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस, या इसी तरह पारितोषिक प्रदान कर सकती है।

अनुबंधों का संयोजन

कंपनी दो या दो से अधिक अनुबंधों को समेकित करती है यदि एक ही ग्राहक द्वारा एक ही समय में या एक ही समय के आस-पास अनुबंध दाखिल की जाती है (या ग्राहक के संबंधित पक्षों) और अनुबंध एक एकल अनुबंध के रूप में मान्य होगा, यदि निम्न में से एक या अधिक मानदंडों को पूरा किया जाता है :

- क) एकल वाणिज्यिक उद्देश्य के साथ एकमुश्त में अनुबंध तय की जा सकती है;
- ख) अनुबंध में भुगतान की जाने वाली तय राशि दूसरे अनुबंध के निष्पादन या कीमत पर निर्भर करती है; या
- ग) अनुबंध में तय की गई वस्तु या सेवाएँ (या प्रत्येक अनुबंध में तय किए गए कुछ वस्तु या सेवाएँ) एकल प्रदर्शनकारी दायित्व हैं।

अनुबंध संशोधन

कंपनी एक अलग अनुबंध के रूप में अनुबंध संशोधन के लिए उत्तरदायी है यदि निम्न दोनों स्थितियाँ मौजूद हैं:

- क) अनुबंध की गुंजाइश बढ़ जाती है क्योंकि तय किए गए वस्तुओं या सेवाओं से यदि वे अलग हों,
- ख) अनुबंध की कीमत तय की गई कीमत से बढ़ सकती है यह कंपनी की स्टैंड-अलोन अतिरिक्त तय की गई वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री मूल्यों और उस मूल्य के कोई उपयुक्त समायोजन जो विशेष अनुबंध के परिस्थितियों को दर्शाता हो।

चरण 2: कार्य –निष्पादन दायित्वों की पहचान :

अनुबंध करते समय, कंपनी ग्राहक के साथ अनुबंध में तय किए गए वस्तुओं या सेवाओं का आकलन करती है और प्रत्येक प्रतिबद्धता ग्राहक को हस्तांतरित करने के लिए निष्पादन बाध्यता के रूप में पहचान करती है कि :

क) वस्तुओं या सेवाओं (वस्तुओं या सेवाओं का एक समूह) जो अलग हैं; या

ख) अलग-अलग वस्तुओं या सेवाओं की एक श्रृंखला जो काफी हद तक एक समान होती है और ग्राहक के लिए स्थानांतरण का समान पैटर्न होता है।

चरण 3: लेन-देन मूल्य का निर्धारण

कंपनी अनुबंध की निबंधन और लेन-देन की कीमत निर्धारित करने के लिए उसके प्रथागत व्यवसाय आचरण व अनुबंध की शर्तों का ध्यान रखती है। लेन-देन का मूल्य तय की गई वह राशि है, जिसके बारे में कंपनी उम्मीद करती है कि वह तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशियों को छोड़कर, किसी ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं को हस्तांतरित करने हेतु एक्स्चेंज के लिए हकदार होगी। एक ग्राहक के साथ एक अनुबंध में तय किए गए प्रतिबद्धता में नियत राशि, परिवर्तनीय राशि या दोनों शामिल हो सकते हैं।

लेन- देन मूल्य निर्धारित करते समय, कंपनी निम्नलिखित में से सभी के प्रभावों का ध्यान रखती है :

- परिवर्तनीय स्वीकार्यता ;
- परिवर्तनीय निर्णय के आकलन;
- महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक का अस्तित्व ;
- गैर-नकद निर्णय;
- ग्राहक को देय निर्णय

बट्टा, छूट, प्रतिदाय, क्रेडिट, मूल्य रियायतें, प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस, या अन्य समान पारितोषकों के कारण तय की गई राशि भिन्न हो सकती है। यदि कंपनी भविष्य में होने वाली घटना के होने या न होने पर विचार करती है तो प्रतिबद्ध निर्णय भी भिन्न हो सकता है ।

कुछ अनुबंधों में, दंड निर्दिष्ट हैं। ऐसे मामलों में, अनुबंध के सारांश के अनुसार दंड की गणना की जाती है। जहां लेन-देन के मूल्य के निर्धारण में जुर्माना निहित है, यह परिवर्तनीय निर्णय का हिस्सा है।

कंपनी लेन-देन मूल्य में केवल कुछ हद तक अनुमानित परिवर्तनीय निर्णय की राशि को शामिल करती है जिससे अत्यधिक संभावना है कि मान्य संचयी राजस्व की राशि में एक महत्वपूर्ण व्युत्क्रम तब नहीं होगा जब परिवर्तनीय निर्णय से जुड़ी अनिश्चितता को बाद में दूर किया जाए।

कंपनी एक महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक के प्रभावों के लिए तय की गई प्रतिबद्ध राशि को समायोजित नहीं करती है यदि वह अनुबंध की आरंभ में अपेक्षा करता है, कि उस अवधि के दौरान जब वह ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुएं या सेवाएं हस्तांतरित करता है और जब ग्राहक उस वस्तु या सेवा के लिए भुगतान करता है, तो वह अवधि एक वर्ष या उससे कम की हो।

यदि कंपनी ग्राहक से भुगतान प्राप्त करती है और कंपनी ग्राहक को उस भुगतान के कुछ या पूर्ण प्रतिदाय की उम्मीद करती है तो कंपनी प्रतिदाय दायित्व को स्वीकार करती है। प्रतिदाय दायित्व को प्राप्त भुगतान (या प्राप्य) की उस राशि के आधार पर तय किया जाता है, जिसके लिए कंपनी स्वत्वाधिकारी की उम्मीद नहीं करती है (यानी लेनदेन मूल्य में शामिल नहीं की गई राशि) प्रतिदाय दायित्व (और लेन-देन मूल्य में संगत परिवर्तन और, इसलिए, अनुबंध दायित्व) को परिस्थितियों में बदलाव के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अद्यतित किया जाता है।

अनुबंध की प्रारंभ होने के बाद, लेनदेन की कीमत विभिन्न कारणों से बदल सकती है, जिसमें अनिश्चित घटनाओं का समाधान या परिस्थितियों में अन्य परिवर्तन शामिल हैं जो उस भुगतान की राशि को बदल सकती, जिसके लिए कंपनी प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं के लिए एक्सचेंज में हकदार होने की उम्मीद करती है।

चरण 4: लेन-देन मूल्य का आवंटन :

लेन-देन मूल्य का आवंटन करते समय कंपनी का उद्देश्य कंपनी के लिए प्रत्येक निष्पादन दायित्व (या अलग-अलग वस्तुओं या सेवा) के लिए उस राशि पर लेनदेन मूल्य आवंटित करना है जो इसमें कंपनी को ग्राहक को दिए गए माल या सेवाओं को हस्तांतरित करने के लिए एक्सचेंज में कंपनी द्वारा अपेक्षित हकदार होने की भुगतान की गई राशि को प्रदर्शित करती है।

संबंधित स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य आधार पर प्रत्येक निष्पादन दायित्व के लिए लेन-देन मूल्य आवंटित करने के लिए कंपनी अनुबंध में प्रत्येक निष्पादन बाध्यता के आधार पर अलग वस्तुओं या सेवाओं के अनुबंध के प्रारंभ पर स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य निर्धारित करती है और उन स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्यों के अनुपात में लेन-देन मूल्य आवंटित करती है।

चरण 5: राजस्व को मान्यता देना :

कंपनी राजस्व को तब मान्यता देती है जब (या जैसे) कंपनी ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं को हस्तांतरित करके निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है। वस्तु या सेवा तब हस्तांतरित की जाती है जब (या जैसे) ग्राहक उस वस्तु या सेवा का नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।

कंपनी समय पर वस्तु या सेवा का नियंत्रण हस्तांतरित करती है, और इसलिए, कंपनी समय पर निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है और राजस्व को मान्यता देती है, यदि निम्न मानदंडों में से एक को पूरा किया जाता है:

- क) ग्राहक कंपनी के साथ-साथ कंपनी के निष्पादन द्वारा प्राप्त लाभों को प्राप्त करता है और उनका उपभोग करता है, जैसा कि कंपनी प्रदर्शन करती है;
- ख) कंपनी का निष्पादन संपत्ति सृजित करता है या बढ़ाता है और जितनी संपत्ति सृजित या बढ़ाई जाती है, उतना ही ग्राहक उसे संपत्ति के रूप में नियंत्रित करता है ;
- ग) कंपनी का निष्पादन कंपनी के लिए एक वैकल्पिक उपयोग के साथ आस्ति सृजित नहीं करती है तो कंपनी को अब तक के निष्पादन के लिए भुगतान का प्रवर्तनीय अधिकार है।

प्रत्येक निष्पादन बाध्यता को समय पर पूरा करने लिए, कंपनी उस निष्पादन बाध्यता की पूर्ण प्राप्ति की प्रगति को ध्यान में रख कर समय पर राजस्व को मान्यता देती है।

कंपनी समय पर पूर्ण प्रत्येक निष्पादन बाध्यता की प्रगति को आँकने के लिए एक पद्धति को लागू करती है और कंपनी उस पद्धति को समान निष्पादन बाध्यताओं और समान परिस्थितियों में हमेशा लागू करती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, कंपनी समय पर पूर्ण निष्पादन बाध्यता की पूर्ण समाधान की दिशा में अपनी प्रगति का पुनः आंकलन करती है।

कंपनी अनुबंध के अंतर्गत तय किए गए शेष सामानों या 'सेवाओं के सापेक्ष ग्राहक को स्थानांतरित की गई वस्तुओं या सेवाओं के मूल्य के प्रत्यक्ष आंकलन के आधार पर राजस्व मान्यता के लिए उत्पाद पद्धति लागू को करती है। उत्पाद पद्धति में आज तक पूर्ण किए गए निष्पादन सर्वेक्षण, प्राप्त परिणामों के मूल्यांकन, प्राप्त उपलब्धि , व्यतीत समय और उत्पादित इकाइयाँ या सुपुर्द इकाइयाँ जैसे पद्धतियां शामिल हैं।

जैसे-जैसे समय के साथ हालात बदलते हैं, कंपनी निष्पादन बाध्यता के परिणाम में किसी भी बदलाव को दर्शाने की प्रगति के अपने उपाय को अद्यतन करती है। कंपनी की प्रगति के आंकलन में इस तरह के बदलावों को भारतीय लेखांकन मानक 8, लेखांकन नीतियों, लेखांकन अनुमानों और त्रुटियों में परिवर्तन के अनुसार लेखांकन अनुमान में परिवर्तन के रूप में जाना जाता है।

कंपनी सिर्फ समय पर पूर्ण निष्पादन बाध्यता के लिए राजस्व को मान्यता देती है, यदि जब कंपनी निष्पादन बाध्यता की पूर्ण समाधान के लिए अपनी प्रगति का आंकलन यथोचित रूप से करती है। जब (या जैसे) निष्पादन बाध्यता पूरा हो जाता है, तो कंपनी लेन-देन मूल्य की राशि को राजस्व के रूप में मान्यता देती है जो कि परिवर्तनीय भुगतान के अनुमानों को शामिल नहीं करता है जो उस निष्पादन बाध्यता के लिए आवंटित होता है।

यदि निष्पादन बाध्यता समय पर पूरा नहीं होता, तो कंपनी एक समय में निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है। उस समय को निर्धारित करने के लिए, जिस पर ग्राहक प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं पर नियंत्रण प्राप्त करता है और कंपनी निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है, कंपनी नियंत्रण हस्तांतरण के संकेतकों को तय करती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन केवल यहाँ तक सीमित नहीं हैं:

- क) कंपनी के पास वस्तु या सेवा के भुगतान का अधिकार होता है;
- ख) ग्राहक के पास वस्तु या सेवा कानूनी हक होता है ;
- ग) कंपनी ने वस्तु या सेवा के भौतिक कब्जे को हस्तांतरित कर दिया है;
- घ) ग्राहक के पास महत्वपूर्ण जोखिम और वस्तु या सेवा का स्वामित्व होता है
- ङ) ग्राहक ने वस्तु या सेवा को स्वीकार कर लिया है।

जब अनुबंध के लिए किसी पार्टी ने निष्पादन किया है, तो कंपनी, कंपनी के निष्पादन और ग्राहक के भुगतान के बीच के संबंध के आधार पर अनुबंध को अनुबंध आस्ति या अनुबंध देयता के रूप में तुलन पत्र में प्रस्तुत करती है। कंपनी अलग-अलग प्राप्य के रूप में भुगतान करने के लिए बिना शर्त अधिकार प्रस्तुत करती है।

अनुबंध संपत्ति:

एक अनुबंध संपत्ति ग्राहक को हस्तांतरित वस्तुओं या सेवाओं के बदले में निर्णय का अधिकार है। यदि कंपनी ग्राहक पर विचार करने से पहले या भुगतान देय होने से पहले किसी वस्तु या सेवाओं को किसी ग्राहक को हस्तांतरित करती है, तो अनुबंध आस्ति अर्जित निर्णय के लिए मान्यता प्राप्त है जो सशर्त है।

व्यापार प्राप्य :

एक प्राप्य राशि कंपनी के अधिकार का प्रतिनिधित्व करती है, जो शर्तहीन है (यानी, भुगतान से पूर्व केवल समय बीतने की आवश्यकता होती है)।

अनुबंध देयताएँ :

अनुबंध देयता ग्राहक को वस्तुओं या सेवाओं को स्थानांतरित करने का दायित्व रखती है जिससे कंपनी को ग्राहक के विचार प्राप्त होते हैं (विचार की राशि बकाया है)। यदि कोई ग्राहक कंपनी द्वारा ग्राहक को माल या सेवाओं को हस्तांतरित करने से पहले प्रतिफल का भुगतान करता है, तो भुगतान किए जाने या देय (जो भी पहले हो) होने पर एक अनुबंध दायित्व को मान्यता दी जाती है। जब कंपनी अनुबंध के तहत प्रदर्शन करती है तो अनुबंध देनदारियों को राजस्व के रूप में मान्यता दी जाती है।

ब्याज

प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके ब्याज आय की पहचान की जाती है।

लाभांश

भुगतान प्राप्त करने के अधिकार स्थापित होने पर निवेश से लाभांश आय को मान्यता दी जाती है।

अन्य दावे

अन्य दावों (ग्राहकों से देरी से वसूली पर ब्याज सहित) की गणना तब की जाती है जब प्राप्ति निश्चित होती है तथा विश्वसनीय रूप में मापन किया जा सकता है।

2.4 सरकार से अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि उचित आश्वासन न हो कि कंपनी उनसे जुड़ी शर्तों का पालन करेगी तथा यह निश्चित है कि अनुदान प्राप्त होगा।

सरकारी अनुदान को लाभ और हानि के विवरण में व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसमें कंपनी संबंधित लागतों को खर्च के रूप में मान्यता देती है जिससे अनुदान की क्षतिपूर्ति की जाती है।

आस्तियों से संबंधित सरकारी अनुदानों को आस्थगित आय के रूप में अनुदान की स्थापना करके तुलनपत्र में प्रस्तुत किया जाता है और परिसंपत्ति के उपयोगी समय पर व्यवस्थित आधार पर लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

आय से संबंधित अनुदान (यानी संपत्ति के अलावा अन्य अनुदान) सामान्य शीर्षक 'अन्य आय' के तहत लाभ या हानि के विवरण के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

सरकारी अनुदान जो खर्च या नुकसान के मुआवजे के रूप में या भविष्य में संबंधित लागत को तत्काल वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से प्राप्य होते हैं, उसे उस अवधि के लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त है जिसमें यह प्राप्य हो जाते हैं।

सरकारी अनुदान या संवर्धक योगदान का सीधा संबंध "संपत्ति कोष" से है जिसे मान्यता प्राप्त है जो "शेयरधारकों के फंड" का हिस्सा है।

2.5 पट्टे

यदि अनुबंध क्षतिपूर्ति के बदले में एक निश्चित अवधि के लिए किसी पहचान की गई संपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देती है तो संविदा एक पट्टा है या उसमें पट्टा शामिल है।

2.5.1 पट्टेदार के रूप में कंपनी -

प्रारंभ तिथि पर, एक पट्टेदार लागत पर उपयोग के अधिकार की संपत्ति (राइट-टू-यूज एसेट) और पट्टे के भुगतान के वर्तमान मूल्य पर एक पट्टा देयता को मान्यता देगा जिसका उस तिथि पर सभी पट्टों के लिए भुगतान नहीं किया जाता है जब तक कि पट्टे की अवधि 12 महीने या उससे कम की या अंतर्निहित परिसंपत्ति कम मूल्य की न हो।

तत्पश्चात् राइट-टू-यूज एसेट को लागत मॉडल का उपयोग करके मापा जाता है, जबकि पट्टा देयता को, पट्टा देयता में ब्याज दर्शाने के लिए बढ़ती वहन राशि, किए गए पट्टा भुगतान को दर्शाने के लिए वहन राशि को घटाकर, किसी पुनर्मूल्यांकन या पट्टा संशोधन को दर्शाने के लिए वहन राशि के पुनर्मूल्यांकन द्वारा मापा जाता है।

वित्त प्रभारों को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागतों में मान्यता दी जाती है, जब तक कि लागतों को अन्य लागू मानकों को लागू करने वाली किसी अन्य परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि में शामिल नहीं किया जाता है। संपत्ति के उपयोगी जीवन पर उपयोग के अधिकार का मूल्यहास किया जाता है, यदि पट्टा पट्टे की अवधि के अंत तक संपत्ति के स्वामित्व को पट्टेदार को हस्तांतरित करता है या यदि संपत्ति के उपयोग के अधिकार की लागत दर्शाती है कि पट्टेदार खरीद के विकल्प का प्रयोग करेंगे। अन्यथा, पट्टेदार उपयोग की संपत्ति का मूल्यहास प्रारंभ तिथि से उपयोग के अधिकार की संपत्ति के उपयोगी जीवन के अंत तक या पट्टे की अवधि के अंत तक करेगा।

2.5.2 पट्टादाता के रूप में कंपनी

सभी पट्टे या तो परिचालन पट्टे या वित्त पट्टे के रूप में हैं।

एक पट्टे को एक वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित आस्तियों के स्वामित्व के लिए मूलतः सभी प्रासंगिक जोखिम एवं पुरस्कार को स्थानांतरित करता है। एक पट्टे को एक परिचालन पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित आस्तियों के स्वामित्व के लिए मूलतः सभी प्रासंगिक जोखिम एवं पुरस्कार को स्थानांतरित नहीं करता है।

परिचालन पट्टा - यदि पेटर्न का एक अन्य व्यवस्थित आधार अधिक प्रतिनिधिक नहीं होता जिसमें अंतर्निहित आस्ति के उपयोग से लाभ कम होता है, तब परिचालन पट्टे से प्राप्त परिचालन भुगतान को स्ट्रेट लाइन आधार पर आय के रूप में स्वीकार किया जाता है।

वित्तीय पट्टा एक वित्त पट्टे के तहत रखी गई संपत्ति को शुरू में इसकी तुलनपत्र में मान्यता दी जाती है और पट्टे में शुद्ध निवेश को मापने के लिए पट्टे में निहित व्याज दर का उपयोग करके पट्टे में शुद्ध निवेश के बराबर राशि पर उन्हें प्राप्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

2.6 बिक्रय हेतु गैर-चालू संपत्ति

यदि इनकी कुल राशि निरंतर उपयोग के बजाय बिक्री के माध्यम से पुनर्प्राप्त की गई हो, तो कंपनी गैर चालू संपत्तियों को वर्गीकृत एवं उसे बिक्री हेतु आयोजित करती है। बिक्रय को पूरा करने के लिए आवश्यक क्रियाओं में, बिक्री में महत्वपूर्ण बदलावों की संभावना न होने एवं बिक्री हेतु वापस लिए गए निर्णय का संकेत होना चाहिए। प्रबन्धन वर्गीकरण की तिथि से 1 वर्ष के भीतर अपेक्षित बिक्रय करने हेतु प्रतिबद्ध है।

जब विनिमय में वाणिज्यिक सार होता है तब इन उद्देश्यों के लिए, बिक्री लेनदेन में अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियों के लिए गैर-चालू परिसंपत्तियों के आदान-प्रदान को भी शामिल किया जाता है। विक्रय वर्गीकरण के लिए आयोजित मानदंडों को केवल तब तक ही माना जाता है जब तक कि परिसंपत्तियां या निपटान समूह अपने वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध होते हो, केवल ऐसी शर्तों के लिए जो ऐसी संपत्ति (या निपटान समूहों) की बिक्री के लिए सामान्य और प्रथागत हैं इसकी बिक्री की अत्यधिक संभावना है और इसे वास्तव में बेचा जाएगा पर उसका त्याग नहीं किया जाएगा। संपत्ति या निष्पादन समूह वर्तमान स्थिति के अनुसार इसे निष्पादित करने के लिए सक्षम हो सकेगा, जब

- प्रबंधन का उपयुक्त स्तर परिसंपत्ति (या निपटान समूह) को बेचने की योजना के लिए प्रतिबद्ध है।
- एक क्रेता का पता लगाने और योजना को पूरा करने के लिए एक सक्रिय कार्यक्रम शुरू किया गया है।
- संपत्ति (निष्पादन समूह) के विक्रय मूल्य के लिए सटिक कदम उठाए जा रहे हैं जिसे चालू कीमत के अनुरूप इसका व्यावहारिक मूल्य आकलित किया जाना अपेक्षित हो।
- यह विक्रय वर्गीकरण की तिथि से 1 वर्ष के अंदर अनुमानतः तैयार कर ली जाएगी तथा
- इस योजना से संबंधित सभी यथोचित योजना जिसमें कतिपय कुछ संशोधन व सुधार आवश्यक हो उसकी भी समीक्षा कर तैयार करना अपेक्षित होगा ताकि जरूरत पड़ने पर इस योजना को निरस्त भी किया जा सके।

2.7 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

जमीन की खरीदी ऐतिहासिक लागत पर की जाती है। इस ऐतिहासिक लागत में भूमि अधिग्रहण से जुड़े खर्च, पुनर्वास खर्च, पुनःस्थापन लागत तथा संबंधित विस्थापित व्यक्तियों को रोजगार के बदले दिए गए मुआवजे आदि शामिल हैं।

मान्यता के बाद, अन्य सभी परिसंपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों की मद को कम लागत पर किसी भी संचित मूल्यहास और लागत मॉडल के तहत किसी भी संचित हानि के नुकसान पर ले जाया जाता है। किसी भी संपत्ति की कीमत, संयंत्र तथा उसके उपकरण में निम्नलिखित तथ्यों का होना वांछित है।

- क) व्यापार छूट में मिले कटौती के बाद इनका क्रय मूल्य जिसमें निर्यात शुल्क तथा गैर-वापसी क्रय शुल्क शामिल हो।
- ख) स्थान तक संपत्ति को लाने के लिए किसी भी प्रत्यक्ष व्यय/सामयिक व्यय तथा प्रबंधन द्वारा क्षमतानुसार परिचालन के लिए उठाया गया अत्यावश्यक कदम।

ग) सामग्री के परिवर्धन तथा हटाये जाने हेतु प्रारंभिक अनुमानित खर्च तथा समेकित स्थान तक इसे पहुँचाने के लिए व इसके व्यवहार के लिए जिसे समूह ने उस स्थिति में खर्च किया है जब इस सामग्री को उसने अपने आधिपत्य में रखा हो या एक निर्धारित अवधि के अन्तर्गत उसका व्यवहार किया गया हो, जिसके लिए उसने अपना निवेश किया था।

संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण में खर्च किए गए प्रत्येक अंश को कुल लागत के अनुसार विखंडित कर साफ-साफ दर्शाया जाना अपेक्षित है। हालांकि, पीपीई के मद के महत्वपूर्ण भाग (एस) में एक ही उपयोगी जीवन और अवमूल्यन विधि है, जो मूल्यहास शुल्क निर्धारित करने के लिए एक साथ समूहबद्ध होती है।

'मरम्मत और रखरखाव' के लिए वर्णित दिन-प्रतिदिन की सेवा की लागत को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, जिसमें समान खर्च होता है।

संपत्ति, संयंत्र और उसके उपकरण का कुल मूल्य बदले जाने वाले उपकरण के यथोचित पाठ की राशि के मूल्य के समतुल्य होगा, जिससे यह लाभ होगा कि इस उपकरण की राशि भविष्य में भी वित्तीय लाभ प्रदान करेगी जो कि कंपनी के लिए लाभकारी होगा एवं इसका मूल्य आवृत्ति के रूप में भी आकलित किया जाएगा। इस उपकरण के मूल्य को उसके स्थान पर परिवर्तित किया जाएगा, जिससे निम्नलिखित विक्रेत्रीकरण नीति के अनुरूप विकेंद्रित करना अपेक्षित होगा।

जब वृहद स्तर पर निरीक्षण किया जाएगा तो इसके मूल्य को निर्देशित किया जाएगा, जो इस संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के रूप में परिवर्तित हो चुका था और इस तारतम्य में भविष्य के लाभांश के साथ कंपनी के उपयोग के लिए भी लाया जाएगा तथा इन सामग्रियों का मूल्य सटीक रूप से आकलित किया जायेगा। विगत जांच के लागत की शेष वहन राशि (भौतिक भाग के रूप में चिन्हित) अस्वीकृत की जाएगी।

संपत्ति, संयंत्र या उपकरण के एक मद को निपटान पर या संपत्ति के निरंतर उपयोग से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं होने पर अमान्य कर दिया जाता है। संपत्ति संयंत्र और उपकरण के ऐसे अमान्यता से उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को लाभ और हानि में पहचाना जाता है। फ्रीहोल्ड भूमि को छोड़कर संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यहास, संपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन पर स्ट्रेट लाइन आधार पर लागत मॉडल के अनुसार निम्नानुसार प्रदान किया जाता है :

अन्य भूमि

(पट्टेकृत भूमि सहित)

-परियोजना की अवधि या पट्टे की अवधि जो भी कम हो

भवन	-	3-60 वर्ष
सड़क	-	3-10 वर्ष
दूरसंचार	-	3-9 वर्ष
रेलवे साईडिंग	-	15 वर्ष
संयंत्र एवं उपकरण	-	5-30 वर्ष
कम्प्यूटर एवं लैपटॉप	-	3 वर्ष
कार्यालय के उपकरण	-	3-6 वर्ष
फर्नीचर या फिकचर	-	10 वर्ष
वाहन	-	8-10 वर्ष

तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर प्रबंधन का मानना है कि उपयोगी जीवन दिये गए सर्वोत्तम अवधि का प्रतिनिधित्व करता है जिस पर प्रबंधन को संपत्ति का उपयोग करने की अपेक्षा होती है। इसलिए आस्तियों का उपयोगी जीवन कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसूची II के भाग सी के तहत निर्धारित उपयोगी जीवन से भिन्न होगा।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में संपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन की समीक्षा की जाती है।

संपत्ति, संयंत्र या उपकरण का अवशिष्ट मूल्य आस्ति की कुछ वस्तुओं को छोड़कर मूल संपत्ति का 5% माना जाता है, जिसमें कोयला टब, घुमावदार रस्सियाँ, ढुलाई की रस्सियाँ, स्टोविंग पाइप और सुरक्षा लैम्प आदि सम्मिलित है, जिसके लिए तकनीकी तौर पर अनुमानित उपयोगी जीवन एक वर्ष के साथ शून्य अवशिष्ट मूल्य के रूप में निर्धारित की जाती है।

वर्ष के दौरान जोड़े गए/निकाले गए सम्पत्तियों पर मूल्यह्रास अतिरिक्त/निपटान के महीने के संदर्भ में प्रो-राटा के आधार पर प्रदान किया जाता है।

कोयला धारण क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) (सीबीए) अधिनियम 1957 के तहत अन्य भूमि का मूल्य अधिग्रहित भूमि के रूप में शामिल है, भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के तहत भूमि अधिग्रहण के अंतर्गत मुआवजा, पारदर्शिता के अधिकार, पुनर्वास और पुनर्स्थापना (आरएफसीटीएलएएआर) अधिनियम 2013 के तहत सरकारी भूमि के दीर्घकालीन हस्तांतरण आदि शामिल है, जो कि परियोजना के शेष जीवन के आधार पर परिशोधित होते हैं और पट्टेकृत भूमि के मामले में इस तरह के परिशोधन पट्टे की अवधि पर आधारित होते हैं या इनमें से जो भी कम हो, के तहत परियोजना के शेष राशि पर आधारित होते हैं।

पूरी तरह से मूल्यह्रास संपत्ति, सक्रिय उपयोग के लिए अनुपयुक्त, संपत्ति, संयंत्र उपकरण के तहत इसके अवशिष्ट मूल्य पर सर्वेक्षण की गई संपत्ति के रूप में अलग से प्रकट की जाती है और हानि के लिए परीक्षण किया जाता है।

कंपनी द्वारा कुछ परिसंपत्तियों के निर्माण/विकास पर किए गए पूंजीगत व्यय जो उत्पादन, माल की आपूर्ति या कंपनी की किसी भी मौजूदा संपत्ति तक पहुंच के लिए आवश्यक हैं, उन्हें संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के तहत इवेलिंग एसेट के रूप में पहचाना जाता है।

भारतीय लेखा मानक में संक्रमण

कंपनी ने पिछले जीएएपी के अनुसार मापे गए भारतीय लेखांकन मानक में परिवर्तन की तारीख को वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त अपनी सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के लिए लागत मॉडल के अनुसार वहन मूल्य जारी रखने हेतु चयन किया है।

2.8 खदान बंदी, साइट का उद्धार एवं डिक्मिसिनिंग बाध्यताएँ-

भूमि सुधार एवं संरचनाओं के निषेध के लिए कंपनी के कार्य में भू-तल एवं भूमिगत दोनों प्रकार के खदानों पर भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के निर्देशानुसार होने वाले खर्च सम्मिलित हैं। कंपनी खदान बंदी क्षेत्र की मरम्मत एवं निषेध कार्य के आंकलन से संबंधित कार्य पर भविष्य में होने वाली नगद खर्च एवं उस पर लगने वाले खर्च का विस्तृत लेखा जोखा तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर करती है। खदान बंदी व्यय अनुमोदित खदान बंदी योजना के अनुसार उपलब्ध करायी जाती है। खर्च के आंकलन मुद्रा स्फीति के अनुसार बढ़ते हैं एवं इसकी दर कम होने पर घटते हैं, जो मुद्रा और जोखिमों के समय मूल्य के वर्तमान बाजार के मूल्यांकन को सूचित करती है। यथा प्रावधान में वर्णित कार्य को सम्पन्न करने के लिए आवश्यक अनुमानित खर्च के वर्तमान मूल्य को सूचित किया जाता है। कंपनी सुधार एवं खदान बंदी के समापन के देय धन से संलग्न संपत्ति का लेखा जोखा रखती है। कार्य तथा संपत्ति देयधन को खर्च होने की समयावधि में मान्यता प्राप्त होती है। क्षेत्र के मरम्मत के समस्त मूल्य को सूचित करने वाली संपत्ति (केंद्रीय खनन योजना एवं रचना संस्थान समिति के आंकलन के अनुसार) खदान बंदी योजना के अनुसार पीपीई में एक भिन्न वस्तुओं के रूप में जानी जाएगी तथा शेष परियोजना खदान के जीवनकाल के आधार पर परिशोधित होगी।

रियायत का प्रभाव खत्म होते ही समय के साथ प्रावधान के मूल्य में उत्तरोत्तर बढ़ोत्तरी होगी। एक खर्च के रूप में इसे वित्तीय खर्च माना जाता है।

अग्रिम अनुमोदित खदान की योजना के अनुसार इस उद्देश्य से एक विशेष निलंब निधि खाता रखे जाने का प्रावधान है।

कुल खान बंद करने के दायित्वों को कार्य का हिस्सा बनाने हेतु साल दर साल प्रगतिशील खनन बंद के खर्चों को शुरू में निलंब खाते से प्राप्त किया जाता है और उसके बाद उस वर्ष में उनका दायित्व के साथ समायोजन किया जाता है जिसमें राशि प्रमाणित एजेंसी की सहमति के बाद इसे वापस लेने का अधिकार रखती है।

2.9 अन्वेषित एवं मूल्यांकित परिसंपत्तियाँ -

अन्वेषित तथा मूल्यांकित आस्तियां में पूंजीगत लागत शामिल होती है जो कि कोयला और संबन्धित संसाधनों की खोज के कारण उत्पन्न होती है। तकनीकी व्यवहार्यता के निर्धारण और पहचान वाले संसाधन की व्यावसायिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन निम्न बातों को ध्यान में रख कर किया जाता है:

- समन्वेषण के अधिकारों का अधिग्रहण;
- ऐतिहासिक अन्वेषण डेटा का शोध और विश्लेषण ;
- स्थलाकृतिक, भौगोलिक, रासायनिक और भूभौतिक अध्ययन के माध्यम से अन्वेषित आधार सामग्री को उपलब्ध करना
- अन्वेषित ड्रिलिंग, ट्रेचिंग तथा नमूने ;
- संसाधनों की मात्रा तथा उनके संवर्ग का निर्धारण करना एवं जाँचना ;
- परिवहन तथा आधारिक संरचनाओं की आवश्यकताओं का सर्वेक्षण ;
- बाजार और वित्त अध्ययन का आयोजन ;

उपरोक्त में कर्मचारी पारिश्रमिक, उपयोग किए गए सामग्री और ईंधन की लागत, ठेकेदारों को भुगतान आदि शामिल हैं।

चूंकि अंतर्निहित घटक, भविष्य के अन्वेषण में किए गए अपेक्षित कुल लागतों के निरर्थक/ अविवेच्य भाग को दर्शाता है एवं इन लागतों को अन्य पूंजीगत अन्वेषण लागतों एवं मूल्यांकन आस्तियों के रूप में दर्ज किया जाता है।

परियोजना की तकनीकी व्यवहार्यता एवं व्यावसायिक व्यवहार्यता की लंबित निर्धारण के आधार पर परियोजना पर अन्वेषण एवं मूल्यांकन लागत का भुगतान किया जाता है तथा उसे गैर मौजूदा आस्तियों के तहत एक अलग मत के रूप में प्रकट किया जाता है, जिसे बाद में कम लागत के संचित हानि/ प्रावधान के रूप में मापा जाता है।

एक बार साबित होने के बाद भंडार का निर्धारण एवं खानों/परियोजनाओं के विकास हेतु मंजूरी अन्वेषण एवं परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन पूंजीगत कार्य के तहत विकास में स्थानांतरित की गई है। हालांकि यदि यह साबित होता है कि भंडार का निर्धारण नहीं किया गया है तो अन्वेषण तथा मूल्यांकन की गई आस्तियों को अस्वीकृत किया जाएगा।

2.10 विकास व्यय

प्रमाणित किये गए भंडार का निर्धारण किया जाता है एवं खान/परियोजनाओं के विकास हेतु स्वीकृत निर्माण के तहत परिसम्पत्ति के रूप में पूंजीगत अन्वेषण एवं मूल्यांकन लागत पहचाने जाते हैं तथा विकास शीर्ष के तहत पूंजीगत कार्य की प्रगति के घटक के रूप में प्रकट किया जाता है। सभी विकास हेतु व्यय पूंजीकृत किये जाते हैं। पूंजीकृत विकास व्यय, विकास चरण के दौरान निकाले गए कोयले की बिक्री से प्राप्त शुद्ध आय है।

वाणिज्यिक संचालन:

परियोजना/खानों को राजस्व में लाया जाता है; धारणीय आधार पर उत्पादन हेतु परियोजना/खान की वाणिज्यिक तत्परता, परियोजना प्रतिवेदन में विशेष रूप से वर्णित शर्तों या निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर स्थापित की जाती है।

- क) अनुमोदित परियोजना प्रतिवेदन के आधार पर वित्तीय वर्ष के आरंभ में जिसमें कि परियोजना ने निर्धारित क्षमता का 25% उत्पादन प्राप्त किया है या
- ख) कोयले के 2 साल के उत्पादन, या
- ग) वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ से जिसमें उत्पादन मूल्य कुल मूल्य से ज्यादा हो

उपर्युक्त में जो भी पहले घटित हो।

राजस्व में लाये जाने पर अन्य खनन आधारित संरचना के नामकरण के तहत आस्तियों के अंतर्गत पूंजीगत कार्य को सम्पत्ति घटक, संयंत्र एवं उपकरण के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया है। 20 वर्षों में राजस्व के तहत लाये गए खदान या चालित परियोजना जो भी कम हो, के वर्ष से अन्य खनन आधारित संरचना परिशोधित की जाती है।

2.11 अमूर्त परिसंपत्तियाँ

प्राप्त अमूर्त आस्तियाँ लागत के प्रारम्भिक पहचान पर मापे जाते हैं। व्यापार संयोजन में प्राप्त अमूर्त परिसम्पत्तियों की लागत, अधिग्रहण तारीख पर उनके उचित मूल्य हैं। प्रारम्भिक मान्यता के अनुसार अमूर्त सम्पत्ति किसी भी संचित परिशोधन (उनके उपयोगी कार्यकाल में प्रत्यक्ष आधार पर गणना की जाती है) एवं संचित नुकसान यदि कोई हो, पर खर्च किये जाते हैं।

आंतरिक रूप से उत्पन्न अमूर्त सम्पत्ति को पूंजीकृत विकास लागत को छोड़कर पूंजीकृत नहीं किया जाता है। इसके अलावा संबन्धित व्यय उस अवधि के हानि व लाभ के विवरण एवं व्यापक आय के रूप में पहचाने जाते हैं, जिसमें व्यय किया गया है। अमूर्त सम्पत्ति के उपयोगिता को सीमित/अनिश्चितकाल के रूप में मूल्यांकित किया जाता है। सीमित उपयोगिता के साथ अमूर्त परिसंपत्तियों को उनके उपयोगी आर्थिक जीवन पर परिशोधित किया जाता है

एवं जब भी संकेत मिले कि अमूर्त सम्पत्ति में घाटा होगा, तभी इन कमियों का मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित होगा। परिशोधन अवधि एवं सीमित उपयोगी जीवन के साथ एक अमूर्त सम्पत्ति के लिए परिशोधन विधि कम से कम प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है। अपेक्षित उपयोगी जीवन या परिसंपत्तियों में अंकित भविष्य के आर्थिक लाभों के उपभोग को अपेक्षित पद्धति द्वारा परिशोधन अवधि या विधि को संशोधित करने हेतु ध्यान में लाया जाता है एवं लेखांकन अनुमानों में उसे परिवर्तन के रूप में माना जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियों पर परिशोधित व्यय को लाभ व हानि के विवरण में स्वीकार किया गया है।

एक अमूर्त परिसम्पत्ति उनके अनिश्चित उपयोगिता के साथ परिशोधित नहीं की जाती अपितु प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में कमी हेतु उसका परीक्षण किया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्ति की अमान्यता से उत्पन्न लाभ व हानि को शुद्ध निपटान आय एवं परिसंपत्ति की वर्तमान राशि में अंतर के रूप में मापा जाता है एवं लाभ तथा हानि के रूप में उसे मान्यता दी जाती है।

हालांकि, बिक्री के लिए पहचाने गए या बाहरी एजेंसियों को बेचे जाने के लिए प्रस्तावित ब्लॉकों के कारण अन्वेषण और मूल्यांकन परिसंपत्तियां (अर्थात् सीआईएल के लिए चिह्नित नहीं किए गए ब्लॉक के लिए) को अमूर्त संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है एवं हानि के लिए परीक्षण भी किया गया है।

अमूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त सॉफ्टवेयर की लागत का उपयोग करने के कानूनी अधिकार की अवधि या तीन वर्ष की अवधि, जो भी कम हो, में सीधी रेखा पद्धति पर शून्य अवशिष्ट मूल्य के साथ परिशोधन किया जाता है ;

अनुसंधान और विकास को व्यय होने पर व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

2.12 परिसंपत्तियों की हानि (वित्तीय परिसंपत्तियों के अलावा) -

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल्यांकन करती है कि क्या कोई संकेत है कि एक परिसंपत्ति की हानि हो सकती है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो कंपनी संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। एक परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि उपयोग में परिसंपत्ति या नकद-उत्पादक इकाई के मूल्य से अधिक है और इसका उचित मूल्य निपटान की लागत कम है, और एक व्यक्तिगत संपत्ति के लिए निर्धारित किया जाता है, जब तक कि परिसंपत्ति नकद प्रवाह उत्पन्न नहीं करती है जो कि अन्य संपत्ति या संपत्ति के समूह से काफी हद तक स्वतंत्र हैं, जिस स्थिति में वसूली योग्य राशि उस नकद-उत्पादक इकाई के लिए निर्धारित की जाती है जिससे परिसंपत्ति संबंधित है।

कंपनी हानि के परीक्षण के उद्देश्य से अलग-अलग खानों को अलग नकद उत्पन्न करनेवाली इकाइयों के रूप में मानती है।

यदि वर्तमान राशि परिसंपत्ति से प्राप्त अनुमानित राशि से कम हो तो वर्तमान परिसंपत्ति राशि को प्राप्त राशि से घटाया जाता है एवं हानि से हुई कमी को लाभ व हानि के विवरण में स्वीकार किया जाता है।

2.13 निवेश संपत्ति

संपत्ति (भूमि या भवन या भवन का हिस्सा या दोनों) उत्पादन में उपयोग करने या वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति में या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग के लिए या व्यवसायों के सामान्य क्रम में विक्रय के बजाय किराये अर्जन या पूंजी वृद्धि या दोनों के लिए है, जिसे निवेश संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

निवेश संपत्ति को शुरू में संबंधित लेनदेन लागत सहित इसकी लागत पर, और जहां उधार लागत लागू हो, के अनुसार मापा जाता है।

निवेश संपत्तियों का मूल्यहास उनके अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी- रेखा पद्धति का उपयोग करके किया जाता है।

2.14 वित्तीय साधन

एक वित्तीय साधन एक अनुबंध है जो एक इकाई की वित्तीय संपत्ति एवं वित्तीय देयता और किसी अन्य इकाई की इक्विटी साधन को जन्म देता है।

2.14.1 वित्तीय परिसंपत्तियाँ

2.14.1 प्रारंभिक मान्यता और माप

सभी वित्तीय आस्तियों को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में जिन्हें लाभ या हानि के माध्यम से लेनदेन लागत सहित उचित मूल्य पर दर्ज नहीं किया जाता है, ऐसा वित्तीय संपत्ति के अधिग्रहण के कारण हैं। वित्तीय परिसंपत्तियों की खरीद या बिक्री जिसके लिए विनियमन या सम्मेलन द्वारा स्थापित समय सीमा के भीतर बाजार स्थान (नियमित तरीके से व्यापार) में परिसंपत्तियों की डिलीवरी की आवश्यकता होती है, उन्हें व्यापार तिथि पर मान्यता दी जाती है, अर्थात्, जिस तारीख को कंपनी संपत्ति खरीदने या बेचने के लिए प्रतिबद्ध होती है।

2.14.2 अनुवर्ती मापन

वित्तीय परिसंपत्तियों को अनुवर्ती माप हेतु चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है :

- परिशोधित लागत पर ऋण साधन
- अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर ऋणसाधन (एफ.वी.टी.ओ.सी.आई)।
- लाभ-हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर ऋण, व्युत्पन्न और इक्विटी साधन। (एफवीटीपीएल)
- अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी साधन (एफ.वी.टी.ओ.सी.आई)।

2.14.2.1 परिशोधित लागत पर ऋण साधन

निम्नलिखित दोनों शर्तों के पूरा होने के उपरांत परिशोधित लागत पर ऋण साधन मापे जाते हैं।

- क) परिसंपत्तियों को व्यापार मॉडल के अन्तर्गत बनाए रखने का प्रावधान है, जिसका उद्देश्य परिसंपत्तियों के संविदात्मक नगदी प्रवाह का संग्रह करना है और
- ख) परिसंपत्तियों के संविदात्मक शर्तों के तहत नगदी प्रवाह की निर्दिष्ट तिथि पर भुगतान किए गए मूल एवं ब्याज की राशि को बकाया राशि में सम्मिलित किया गया है।

प्रारंभिक माप के बाद, प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग (ईआईआर) करते हुए ऐसे वित्तीय परिसंपत्तियों को परिशोधित लागत पर मापा जाता है। परिशोधन लागत की गणना अधिग्रहण पर किसी भी छूट या प्रीमियम और शुल्क या लागत जो ईआईआर का एक अभिन्न अंग है, को ध्यान में रखकर की जाती है। ईआईआर परिशोधन को लाभ या हानि में वित्तीय आय में शामिल किया जाता है। कमी के कारण हुई हानियों को लाभ व हानि में स्वीकार किया गया है।

2.14.2.2 एफ.वी.टी.ओ.सी.आई में ऋण साधन

अगर निम्नलिखित दोनों मानदंडों को प्राप्त कर लिया गया हो तो डेब्ट इंस्ट्रुमेंट को एफ.वी.टी.ओ.सी.आई में रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

- क) संविदात्मक नगदी प्रवाह के संग्रह तथा वित्तीय परिसंपत्ति के विक्रय दोनों के द्वारा व्यापार मॉडल के उद्देश्य को प्राप्त किया गया।
- ख) परिसंपत्ति संविदात्मक नगदी प्रवाह एसपीपीआई का प्रतिनिधित्व करता है।

एफ.वी.टी.ओ.सी.आई श्रेणी के अंतर्गत शामिल डेब्ट इंस्ट्रुमेंट को उचित मूल्य पर प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर शुरू में मापा जाता है। उचित मूल्य संचार को अन्य विस्तृत आय में पहले से ही मान्यता प्राप्त है। वैसे कंपनी ने पीएंडएल में ब्याज आय, क्षति, नुकसान तथा बदलाव और विदेशी मुद्रा लाभ या हानि को पहचान लिया है। परिसंपत्तियों के गैर पहचान जो कि ओसीआई में पहचाने गए हैं को संचयी लाभ या नुकसान के तहत पीएंडएल के लिए इक्विटी में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। ब्याज अर्जित होने पर अर्जित किये गए एफवीटीओसीआई डेब्ट इंस्ट्रुमेंट कोई आईआर पद्धति का उपयोग करते हुए ब्याज आय के रूप में रिपोर्ट किया जाता है।

2.14.2.3 एफवीटीपीएल में डेब्ट इंस्ट्रुमेंट :

डेब्ट इंस्ट्रुमेंट के लिए एफवीटीपीएल एक अवशिष्ट श्रेणी के रूप में है। कोई भी ऋण साधन, जो परिशोधन लागत पर या एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकरण के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, उसे एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

इसके साथ ही, कंपनी एक ऋण साधन को नामित करने का चुनाव कर सकती है, जो एफवीटीपीएल में परिशोधन लागत या एफवीटीओसीआई मानदंड (जिसे 'बेमेल लेखांकन' के रूप में संदर्भित किया जाता है) को पूरा करते हैं। दैसे ऐसे चुनाव की अनुमति सिर्फ तभी दी जाएगी जब ऐसा करना एक पहचाने गए असंगति को कम या समाप्त करने के लिए उचित हो। कंपनी ने एफवीटीपीएल के रूप में किसी ऋण साधन को निर्दिष्ट नहीं किया है।

एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल ऋण साधन को उचित मूल्य पर पीएंडएल में पहचाने गए सभी बदलावों के साथ मापा जाता है।

2.14.2.4 अनुषंगी, सहयोगियों तथा संयुक्त उद्यमों में इक्विटी निवेश

भारतीय लेखांकन मानक 101 (भारतीय लेखांकन मानक में प्रथम बार अंगीकरण) एवं पिछले जीएएपी के अनुसार इन निवेशों की वहन राशि संक्रमण की तिथि में उल्लेखित लागत राशि के रूप में निर्धारित की जाएगी। बाद में अनुषंगियों, सहयोगियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश किये गए मूल्य को मापा जाता है।

समेकित वित्तीय विवरणी से संबंधित भारतीय लेखांकन मानक 28 के पैरा 10 में विहित इक्विटी प्रणाली के अनुसार सहयोगियों तथा संयुक्त उद्यमों में इक्विटी निवेश की गणना की जाती है।

2.14.2.5 अन्य इक्विटी निवेश

भारतीय लेखांकन मानक 109 के दायरे में सम्मेलित सभी अन्य इक्विटी निवेश के लाभ एवं हानि को उचित मूल्य पर मापा जाता है।

अन्य सभी इक्विटी इंस्ट्रुमेंट में परिवर्तन के उपरांत कंपनी उचित मूल्य में प्रस्तुत करने हेतु चुनाव कर सकती है। कंपनी ऐसा चुनाव इंस्ट्रुमेंट दर इंस्ट्रुमेंट के आधार पर करती है। वर्गीकरण आरंभिक पहचान करने हेतु की गई है जो कि अटल है।

अगर कंपनी एफवीटीओसीआई पर इक्विटी इंस्ट्रुमेंट को वर्गीकृत करने का निर्णय लेती है तब ओसीआई में पहचाने गए लाभांश को छोड़कर इंस्ट्रुमेंट पर सभी उचित मूल्य में परिवर्तन हो जाता है। ओसीआई से पीएंडएल में, यहां तक कि निवेश की राशि में भी, कोई पुनरावृत्ति नहीं हुई है। कंपनी इक्विटी के भीतर संचयी लाभ या हानि को स्थानांतरित कर सकती है।

एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल इक्विटी इंस्ट्रूमेंट को पीएण्डएल में पहचाने गए सभी बदलावों के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है।

2.14.2.6 मान्यता रद्द करना

एक वित्तीय परिसंपत्ति (या जहां लागू हो, परिसंपत्ति के एक भाग या समान वित्तीय परिसंपत्ति का एक भाग) की मान्यता को प्राथमिक स्तर पर रद्द किया गया (जैसे तुलनपत्र से हटाया गया), जब

- परिसंपत्तियों से नगद प्रवाह को प्राप्त करने का अधिकार समाप्त हो गया हो या
- कंपनी ने परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अपने अधिकारों को अंतरित कर दिया है या एक 'पास-थ्रू' व्यवस्था के तहत किसी तीसरे पक्ष को भौतिक देरी के बिना प्राप्त नकदी प्रवाह का पूरा भुगतान करने का दायित्व ग्रहण किया है या तो :
 - (क) कंपनी ने परिसंपत्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार को काफी हद तक अंतरित कर दिया है या
 - (ख) कंपनी ने न तो हस्तांतरित किया है और न ही संपत्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार को काफी हद तक बनाए रखा है लेकिन परिसंपत्ति पर नियंत्रण को अंतरित अवश्य किया है।

जब कंपनी ने परिसंपत्ति से प्राप्त नगद प्रवाह पर अपने अधिकार को स्थानांतरित किया या निकासी व्यवस्था में प्रवेश किया तो यह मूल्यांकित हुआ कि इसने किस हद तक स्वामित्व के जोखिमों एवं पुरस्कारों को बरकरार रखा है। कंपनी ने न तो संपत्ति को हस्तांतरित किया, न ही संपत्ति के सभी पुरस्कारों व जोखिम को बनाए रखा और न ही उनके नियंत्रण को हस्तांतरित किया। जब कंपनी सतत भागीदारी को बनाए रखने तथा स्थानांतरित संपत्ति की पहचान रखने का प्रयास करती है, तो ऐसे मामलों में कंपनी भी एक सहयोगी देयता की पहचान करती है। हस्तांतरित परिसंपत्ति और संबंधित देयता को उस आधार पर मापा जाता है जो कंपनी द्वारा बनाए गए अधिकारों और दायित्वों को दर्शाता है। सतत भागीदारी जो कि संपत्ति पर प्रतिभूति के रूप में चिन्हित है जिसे संपत्ति के मूल तथा जारी राशि के आवश्यकतानुसार चुकाया जाता है, उसे निम्न स्तर पर मापा जाता है।

2.14.2.7 वित्तीय संपत्ति की हानि (उचित मूल्य को छोड़कर)

भारतीय लेखांकन मानक 109 के अनुसार कंपनी निम्नलिखित वित्तीय परिसंपत्तियों तथा क्रेडिट जोखिमों के अनावरण के माप तथा उसमें हुई हानि के लिए कंपनी अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) के मॉडल को लागू करती है।

- क. वित्तीय परिसंपत्तियां उदाहरणतः ऋण प्रतिभूति, व्यापार प्राप्त, बैंक बैलेन्स इत्यादि, जो कि डेब्ट इंस्ट्रूमेंट हैं और जिनका मापन परिशोधित लागत पर किया जाता है।
- ख. वित्तीय परिसंपत्ति जो डेब्ट इंस्ट्रूमेंट हैं तथा उसे एफवीटीओसीआई पर मापा जाता है।
- ग. भारतीय लेखांकन मानक 17 के अंतर्गत प्राप्त पट्टे।

घ. व्यापार प्राप्त या नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्राप्त करने का कोई संविदात्मक अधिकार जो कि भारतीय लेखांकन मानक 115 के दायरे में लेनदेन के परिणामस्वरूप होता है।

हानि भत्ता की पहचान के लिए कंपनी ने निम्न सरल दृष्टिकोण का पालन किया:-

- प्राप्त कारोबार या अनुबंध राजस्व प्राप्त करने योग्य तथा
- भारतीय लेखांकन मानक 17 के अंतर्गत लेनदेन से प्राप्त सभी पट्टे।

सरलीकृत दृष्टिकोण के आवेदन के लिए कंपनी को क्रेडिट जोखिम में परिवर्तन को ट्रैक करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसके बजाय, यह प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर आजीवन अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) के आधार पर इसकी प्रारंभिक मान्यता से ही हानि भत्ता को मान्यता देता है।

2.14.3 वित्तीय देयताएँ

2.14.3.1 आरंभिक पहचान तथा माप -

कंपनी की वित्तीय देयताएं व्यापार तथा अन्य प्राप्त, ऋण और उधारसहित बैंक ओवरड्राफ्ट को शामिल करती है।

ऋण और उधार लेने के मामले में तथा विशेषकर लेनदेन की लागतों पर शुद्ध भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय देयताएँ प्रारंभिक स्तर पर उचित मूल्य में दर्शायी जाती हैं।

2.14.3.2 अनुवर्ती माप -

वित्तीय देयताओं की माप उनके वर्गीकरण पर निर्भर करती है जो कि नीचे वर्णित है।

2.14.3.3 लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएँ

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएँ व्यापार और वित्तीय देनदारियों के लिए आयोजित वित्तीय देयताओं में शामिल की जाती हैं, जिसे लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर नामित किया गया है। व्यापार के लिए आयोजित रूप में वित्तीय देयताओं को तब वर्गीकृत किया जाता है जब वे निकट अवधि में पुनर्खरीद के प्रयोजन के लिए उपलब्ध हो। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा व्युत्पन्न डैब्ट इन्स्ट्रुमेंट को भी शामिल किया गया है, जिसे भारतीय लेखांकन मानक 109 के अनुसार पारिभाषित प्रतिरक्षा संबंध में प्रतिरक्षा इन्स्ट्रुमेंट के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया जाता है। सेपरेटड इम्बेडेड डेरीवेटिव्स को भी उस समय तक व्यापार के लिए आयोजित रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब तक कि इन्हें प्रभावी प्रतिरक्षा उपकरण के रूप में चिन्हित नहीं किया जाता।

देयताओं पर लाभ या हानियों को व्यापार के लिए आयोजित लाभ या हानि के रूप में पहचाना गया है।

वित्तीय देनदारियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर दर्ज किया गया है, जैसा कि मान्यता की प्रारम्भिक तिथि पर नामित है तथा सिर्फ तब ही जब भारतीय लेखांकन मानक 109 के मानदंड संतुष्टीजनक पाये जाते हैं। एफवीटीपीएल में नामित देयताओं के निष्पक्ष मूल्य पर लाभ/हानि जो कि जोखिम ऋण में परिवर्तन के कारण है तथा इसे ओसीआई में मान्यता प्राप्त है। इन लाभ-हानियों को बाद में पीएंडएल में स्थानान्तरित नहीं किया जा सकता है। हालांकि कंपनी इक्विटी के भीतर संचयी लाभ या हानि को स्थानान्तरित कर सकती है। ऐसी देयताओं को उचित मूल्य पर अन्य सभी परिवर्तनों के साथ लाभ तथा हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है। कंपनी ने लाभ तथा हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर किसी वित्तीय देयताओं को नामित नहीं किया है।

2.14.3.4 परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ

प्रारम्भिक मान्यता के पश्चात, इन्हें बाद में प्रभावी ब्याज दर का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है। जब प्रभावी ब्याज पर परिशोधन की प्रक्रिया द्वारा देयताओं को वापस लिया जाता है, तब लाभ या हानि में नफा या नुकसान को पहचाना जाता है। परिशोधित लागत का आकलन अधिग्रहण और शुल्क या लागतों पर किसी भी छूट या प्रीमियम को ध्यान में रखते हुए की जाती है, जो कि प्रभावी ब्याज दर का अभिन्न हिस्सा है। प्रभावी ब्याज दर परिशोधन को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागत के रूप में शामिल किया गया है। यह श्रेणी आम तौर पर उधार लेने पर लागू होती है।

2.14.3.5 मान्यता वापस लेना

एक वित्तीय देयता की मान्यता को तब वापस लिया जाता है जब देयताओं के तहत दायित्व का निर्वहन रद्द या समाप्त हो गया हो। जब एक मौजूदा वित्तीय देयता को उसी ऋणदाता से दूसरे द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है, या मौजूदा देयता की शर्तों को काफी हद तक संशोधित किया जाता है, तो ऐसे विनिमय या संशोधन को मूल देयता की मान्यता और एक नई देयता की मान्यता के रूप में माना जाता है। एक वित्तीय देयता (या एक वित्तीय दायित्व का हिस्सा) की अग्रणी राशि के बीच का अंतर समाप्त हो गया या किसी अन्य पार्टी को स्थानान्तरित कर दिया गया और भुगतान की गई किसी भी गैर-नकद संपत्ति को हस्तांतरित या ग्रहण की गई देनदारियों सहित, लाभ या हानि में मान्यता दी जाएगी।

2.14.4 वित्तीय देयताओं का पुनः वर्गीकरण :

कंपनी प्रारंभिक मान्यता पर वित्तीय संपत्तियों और देनदारियों का वर्गीकरण करती है। प्रारंभिक मान्यता के बाद, वित्तीय परिसंपत्तियां जो कि इक्विटी साधन एवं वित्तीय देनदारियां हैं उसे पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा। वित्तीय परिसंपत्तियों जो ऋण साधन हैं, का पुनर्वर्गीकरण केवल तभी किया जाता है जब उन परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यवसाय मॉडल में कोई बदलाव होता है। व्यवसाय मॉडल में कम बदलाव होने की उम्मीद है। कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन आंतरिक और बाह्य बदलाव के परिणामस्वरूप व्यापार मॉडल में परिवर्तन करता है जो कंपनी के संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे बदलाव बाहरी पार्टियों के लिए स्वतः स्पष्ट है। व्यवसाय मॉडल में परिवर्तन तब होता है जब कंपनी या तो ऐसी गतिविधि शुरू करती है या बंद

कर देती है जो उसके संचालन के लिए महत्वपूर्ण है। कंपनी वित्तीय परिसंपत्ति को पुनः पेश करती है या पुनःवर्गीकृत करती है, जो कि व्यापार मॉडल में बदलाव के तुरंत बाद आगामी प्रतिवेदन का पहला दिन समझा जाता है। कंपनी पहले से स्वीकृत किसी लाभ हानि (लाभ व हानि में कमी सहित) या ब्याज को पुनःवर्णित नहीं करती है।

निम्नलिखित सारणी पुनःवर्गीकरण विधि तथा उनकी जिम्मेदारियों को दर्शाते हैं:-

वास्तविक वर्गीकरण	संशोधित वर्गीकरण	लेखांकनविधि
परिशोधित लागत	एफवीटीपीएल	पुनःवर्गीकृत तिथि पर उचित मूल्य को मापा जाता है। पिछले परिशोधित लागत तथा उचित मूल्य के अंतर को पीएंडएल के रूप में पहचाना जाता है।
एफवीटीपीएल	परिशोधित लागत	पुनःवर्गीकृत तिथि पर उचित मूल्य उनके वर्तमान में जारी कुल राशि का प्रतिनिधित्व करती है। ईआईआर की गणना नये जारी किये गये राशि के आधार पर की जाती है।
परिशोधित लागत	एफवीटीओसीआई	पुनः वर्गीकृत तिथि पर उचित मूल्य को मापा जाता है। परिशोधित लागत तथा उचित मूल्य के अंतर को ओसीआई में पहचाना जाता है। पुनर्वर्गीकरण के कारण ईआईआर में बदलाव नहीं किया गया।
एफवीटीओसीआई	परिशोधित लागत	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य उसकी नई परिशोधित लागत वाली राशि होगी। हालांकि ओसीआई में लाभ या हानि को उचित मूल्य के हिसाब से समायोजित किया गया है। जिसके फलस्वरूप परिसंपत्तियों को मापा जाता है जिस तरह वे हमेशा से परिशोधित मूल्य पर मापे जाते हैं।
एफवीटीपीएल	एफवीटीओसीआई	पुनःवर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य उसकी नई जारी की गई राशि होगी, जिसमें किसी अन्य राशि के समायोजन की आवश्यकता नहीं होगी।
एफवीटीओसीआई	एफवीटीपीपीएल	परिसंपत्तियां उचित मूल्य पर ही मापी जाएंगी। ओसीआई में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि को पुनः जमा करने की तिथि में पीएंडएल के रूप वर्गीकृत किया गया।

2.14.5 वित्तीय साधन को पूरा करना :

वित्तीय संपत्ति तथा वित्तीय देयताओं को पूरा किया गया और समेकित तुलनपत्र में शुद्ध राशि की सूचना दी गई। अगर उसे प्राप्त मात्रा में पूरा करने हेतु वर्तमान में कानूनी अधिकार मिलते हो, तो संपत्ति को प्राप्त करने साथ ही साथ देयताओं के निपटान हेतु एक शुद्ध आधार पर समझौता किया जा सकता है।

2.14.6 नगद एवं नगद समकक्ष

तुलनपत्र में नकद और नकद समकक्ष में बैंकों और हाथ में नकद और तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ अल्पकालिक जमा शामिल हैं, जो मूल्य में परिवर्तन के एक महत्वहीन जोखिम के अधीन हैं। नकदी प्रवाह के समेकित विवरण के प्रयोजन के लिए, नकद और नकद समकक्षों में नकद और अल्पकालिक जमा, जैसा कि ऊपर परिभाषित किया गया है, कुल बकाया बैंक ओवरड्राफ्ट, क्योंकि उन्हें कंपनी के नकद प्रबंधन का एक अभिन्न अंग माना जाता है, शामिल हैं।

2.15 उधार लेने की लागत-

उधार लेने की विशिष्ट लागत के रूप में और जब वह अधिग्रहण निर्माण या परिसंपत्तियों का उत्पादन करने के लिए सीधे रूप से जुड़े हुए हो, तो उसे छोड़कर खर्च किया जा सकता है जो संपत्ति अपने उपयोग के लिए पर्याप्त अवधि लेती है उस स्थिति में उन्हें उन तारीखों तक परिसंपत्तियों की लागत के एक हिस्से के रूप में पंजीकृत तब तक किया जा सकता है जब तक कि संपत्ति उसके इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हो जाती है।

2.16 कर निर्धारण

आयकर व्यय वर्तमान में देय और स्थगित कर के योग को दर्शाता है।

वर्तमान कर एक अवधि के लिए कर योग्य लाभ (कर नुकसान) के संबंध में आयकरों की देय राशि (वसूली योग्य) होती है। लाभ-हानि और अन्य व्यापक आय के रिपोर्ट के अनुसार कर योग्य लाभ आयकर से पहले लाभ से अलग होते हैं क्योंकि उनमें आय या व्यय की वस्तुओं को शामिल नहीं किया जाता है जो कि अन्य वर्षों में कर योग्य है अथवा उन्हें घटाया भी जा सकता है और बाद में उसमें उन वस्तुओं को शामिल नहीं किया जाता है, जो कभी भी कर योग्य या घटाए गए होते हैं। वर्तमान कर के लिए कंपनी की देनदारियों को रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक मूल रूप से अधिनियमित किए गए दरों का उपयोग करते हुए उसकी गणना की जाती है।

आस्थगित कर देनदारियों को आमतौर पर सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर आस्तियों को आमतौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतरों के लिए इस हद तक मान्यता दी जाती है कि यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके लिए उन कटौती योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है। ऐसे संपत्ति और देनदारियों को उस अवधि तक मान्यता प्राप्त नहीं होगी, जब तक कि सद्भावना से या अन्य परिसंपत्तियों के प्रारंभिक मान्यता (व्यापार समायोजन के अलावा अन्य) से अस्थाई अंतर उत्पन्न न हुआ हो एवं लेनदेन की देयताएं जो न केवल कर योग्य लाभ को प्रभावित करती हैं अपितु लेखांकन लाभ को भी प्रभावित करती हैं।

आस्थगित कर देनदारियों को सहायक कंपनियों और सहयोगियों में निवेश से जुड़े कर योग्य अस्थायी अंतर के लिए मान्यता दी जाती है, सिवाय इसके कि जहां कंपनी अस्थायी अंतर के उत्क्रमण को नियंत्रित करने में सक्षम है और यह संभव है कि अस्थायी अंतर निकट भविष्य में विपरीत नहीं

होगा। इस तरह के निवेश और हितों से जुड़े कटौती योग्य अस्थायी अंतर से उत्पन्न होनेवाली आस्थगित कर संपत्ति को केवल उस सीमा तक मान्यता दी जाती है जहाँ यह संभव है कि अस्थायी अंतर के लाभों का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ होगा।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में आस्थगित कर संपत्ति के वहन राशि की समीक्षा की जाती है और उसे इस हद तक कम कर दिया गया है कि यह संभव नहीं है कि संपत्ति के किसी या सभी हिस्से को पुनः प्राप्त करने की अनुमति के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा। प्रत्येक रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में अमान्यता प्राप्त आस्थगित कर संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है और इसे इस हद तक मान्यता दी जाती है कि आस्थगित कर संपत्ति के सभी या कुछ हिस्सों को पुनः प्राप्त करने की अनुमति के लिए पर्याप्त कर लाभ उपलब्ध हो सके।

आस्थगित कर संपत्तियों और देनदारियों को कर दरों पर मापा जाता है और इसे उस अवधि में लागू करने की अपेक्षा भी की जाती है, जिससे कि कर दरों (तथा कर कानून) पर आधारित देनदारियों व परिसंपत्तियों का निपटारा किया जा सके। इसे रिपोर्टिंग तिथि के अंत तक लागू या मूल रूप से अधिनियमित किया जाता है।

आस्थगित कर देनदारियों और परिसंपत्तियों की माप उसके कर परिणामों को दर्शाती है, जो इस रीति का अनुसरण करती है जिसमें कंपनी को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिसंपत्तियों और देनदारियों की संख्या को व्यवस्थित करने की उम्मीद होती है।

संबन्धित मदों को छोड़कर चालू और आस्थगित कर को क्रमशः उनके अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में स्वीकार किया गया है। चालू और आस्थगित कर को अन्य व्यापक आय में सीधे इक्विटी के अंतर्गत लाभ या हानि के रूप में स्वीकार किया जाता है। जब चालू कर या आस्थगित कर व्यावसायिक संगठन के प्रारम्भिक लेखांकन में आते हैं तो उसके कर प्रभाव को व्यावसायिक संगठन के लेखांकन में शामिल किया जाता है।

2.17 कर्मचारी हितलाभ

2.17.1 अल्पावधि हितलाभ

सभी कर्मचारी अल्पावधि हितलाभ उस अवधि में मान्य होते हैं जिस अवधि में वे खर्च किए जाते हैं।

2.17.2 रोजगार पश्चात लाभ एवं अन्य कर्मचारियों के लिए दीर्घावधि लाभ

2.17.2.1 पारिभाषित योगदान योजनाएं :

एक पारिभाषित योगदान योजना भविष्य निधि और पेंशन के लिए एक रोजगार के पश्चात प्राप्त होने वाली लाभ योजना है जिसके तहत कंपनी कानून के एक अधिनियम के तहत गठित एक अलग वैधानिक निकाय (कोयला खान भविष्य निधि) द्वारा बनाई गई निधि में निश्चित योगदान का भुगतान

करती है और कंपनी के पास आगे की राशियों के भुगतान हेतु कोई भी कानून एवं रचनात्मक दायित्व नहीं होता है। परिभाषित योगदान योजनाओं में योगदान के लिए कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के अवधि के दौरान लाभ और हानि के बयान में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में पहचाना जाता है।

2.17.2.2 पारिभाषित योगदान योजनाएं :

पारिभाषित लाभ योजनाएं एक पारिभाषित योगदान योजनाओं के अलावा एक अन्य रोजगार लाभ योजनाएं भी हैं। पारिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में कंपनी के शुद्ध दायित्व की गणना भविष्य के लाभ की राशि का अनुमान लगाकर की जाती है जो कर्मचारियों ने वर्तमान और पूर्व अवधि में अपनी सेवा के बदले अर्जित की है। लाभ में रियायत अपने वर्तमान मूल्य को लेकर किया जाता है तथा संपत्तियों के उचित मूल्य के द्वारा उसे कम भी किया जा सकता है, यदि कोई हो। छूट की दर रिपोर्टिंग तिथि पर भारत सरकार की प्रतिभूतियों के प्रचलित बाजार पर आधारित होती है, जिनकी परिपक्वता तिथियां कंपनी के दायित्वों की शर्तों के अनुरूप होती हैं और जिन्हें उसी मुद्रा में मूल्यांकित किया जाता है जिसमें लाभ का भुगतान किए जाने की उम्मीद होती है।

बीमांकिक मूल्यांकन के प्रयोग में छूट दर के बारे में धारणाएं परिसंपत्तियों पर अपेक्षित वसूल किए गए भावी दर, वेतन वृद्धि दर तथा नैतिकता दर आदि के अंतर्गत शामिल होती हैं। इस तरह के अनुमान इन योजनाओं की दीर्घावधि के कारण अनिश्चितताओं के अधीन हैं। अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग कर प्रत्येक तुलनपत्र पर अंकित होती हैं जिनकी गणना बीमांकिक द्वारा की जाती है। जब गणना कंपनी के हित में हों, तो भविष्य में योजना के योगदान में कमी या योजना से धन वापसी के रूप में आर्थिक लाभों में स्वीकृत परिसंपत्तियों का उपलब्ध वर्तमान मूल्य पर सीमित किया जाता है। यदि योजना देनदारियों के समाधान पर या योजना के दौरान वसूली योग्य हो तो कंपनी को आर्थिक लाभ उपलब्ध होगा।

कुल पारिभाषित देयताओं का पुनःमाप किया जाता है जिसमें परिसंपत्ति योजना (ब्याज छोड़कर) पर वसूली को ध्यान में लेते हुए बीमांकिक लाभ व हानि को शामिल किया गया हो तथा परिसंपत्तियों (ब्याज छोड़कर यदि कोई हो) का प्रभाव अन्य व्यापक आय में तुरंत स्वीकार किया जाता है। कंपनी निर्धारित अवधि के लिए पारिभाषित लाभ दायित्वों को मापने एवं उपयोग होने वाली छूट दर को लागू करने के लिए शुद्ध पारिभाषित लाभ देयताओं (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज (आय) निर्धारित करती है। इसके बाद वार्षिक अवधि के दौरान पारिभाषित लाभ देयताएं (परिसंपत्ति) योगदान और लाभ भुगतान के परिणामों के फलस्वरूप प्राप्त पारिभाषित लाभ देयताओं के अंतर्गत परिसंपत्तिओं में परिवर्तन करती है। पारिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित कुल ब्याज खर्च एवं अन्य खर्चों को लाभ व हानि में स्वीकार किया जाता है।

जब योजना से प्राप्त लाभों में बढ़ोतरी की जाती है तब कर्मचारियों द्वारा पिछले सेवा से संबंधित बढ़ाये गए लाभों को लाभ व हानि विवरण में खर्च के रूप में दर्शाया जाता है।

2.17.3 अन्य कर्मचारी हितलाभ

कुछ अन्य कर्मचारी लाभ योजनाएँ जैसे- एलटीए, एलटीसी, लाइव कवर स्कीम, समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना, व्यवस्थापन भत्ता, सेवानिवृत्त के पश्चात चिकित्सा लाभ योजना तथा खान में हुई दुर्घटनाओं में मृतकों के आश्रितों के लिए रियायत आदि उपर्युक्त वर्णित परिभाषित लाभ योजनाओं को मान्यता प्राप्त है। इन लाभों में विशिष्ट निधिकरण नहीं है।

2.18 विदेशी मुद्रा

भारतीय रुपए (आईएनआर) आर्थिक क्षेत्र में प्रमुख मुद्रा होने के कारण कंपनी ने अपने मुख्य संचालनों के लिए मुद्रा एवं कार्यात्मक मुद्रा को भारतीय रूप में प्रतिवेदित किया है।

लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दर का उपयोग करते हुए कंपनी ने विदेशी मुद्राओं में हुए लेनदेन को प्रतिवेदित मुद्रा में परिवर्तित किया है। प्रतिवेदित अवधि के अंत में बकाया विदेशी मुद्राओं में अंकित मौद्रिक संपत्ति और देयताएं, प्रतिवेदित अवधि के अंत में प्रचलित विनिमय दरों पर बदली की जाती है। मौद्रिक संपत्ति एवं देयताओं का निपटान अवधि के दौरान प्रारंभिक पहचान पूर्व से परिवर्तित दर पर भिन्न मौद्रिक संपत्ति एवं देयताओं के दर में परिवर्तित होने के कारण होती है, इसे भिन्न विनिमय लाभ व हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है।

विदेशी मुद्रा में अंकित गैर मौद्रिक मदों को लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दरों में शामिल किया जाता है।

2.19 स्ट्रिपिंग गतिविधि व्यय/समायोजन

खुली खदान खनन के मामलों में, खदान के अनुपयोगी सामानों (ओवरबर्डन) जैसे मिट्टी एवं चट्टान को कोयला सीम के ऊपर से निकालना आवश्यक होता है ताकि कोयला एवं उसके निष्कर्षण को प्राप्त किया जा सके। इस कचरे को हटाने की गतिविधि को 'स्ट्रिपिंग' के रूप में जाना जाता है। खुली खदानों में कंपनी को खानों की सुरक्षा (तकनीकी रूप से अनुमानित) करने हेतु ऐसे खर्चों का सामना करना पड़ता है।

इसलिए खानों को राजस्व खाते में लाये जाने के बाद एक नीति के अंतर्गत प्रतिवर्ष एक बिलियन टन की क्षमता के साथ खानों में स्ट्रिपिंग की लागत पर, स्ट्रिपिंग गतिविधि परिसंपत्ति और अनुपात विवरण के समायोजन पर एवं प्रत्येक खदान पर तकनीकी मूल्यांकन वाले औसत स्ट्रिपिंग अनुपात (ओबी:कोयला) के रूप में खर्च किया जाता है।

स्ट्रिपिंग गतिविधियों के तहत परिसंपत्ति एवं तुलनपत्र की तिथि में अनुपात भिन्नता की कुल शेष राशि को गैर वर्तमान प्रावधान/अन्य गैर वर्तमान परिसंपत्तियों के शीर्ष के अंतर्गत स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन के रूप में अंकित किया जाता है।

रिकॉर्ड के अनुसार प्रतिवेदित अपशिष्ट पदार्थों की मात्रा ओबीआर लेखांकन अनुपात जहां प्रतिवेदित मात्रा एवं मापी गई मात्रा में भिन्नता हो, को दो वैकल्पिक अनुमेय सीमा के भीतर गणना हेतु ध्यान में लाया जाता है जैसा कि नीचे उल्लेखित है -

खान के ओबीआर का वार्षिक क्वांटम	विचलन की अनुमेय सीमाएं (%)
1 मिलियन घन-मीटर से कम	+/- 5%
1 से 5 मिलियन घन-मीटर के बीच	+/- 3%
5 मिलियन घन-मीटर से अधिक	+/- 2%

हालांकि जहां उपरोक्त भिन्नता मुनासिब सीमा से परे हो, तो वहां उसे मात्रा के रूप में माना जाएगा।

1 मिलियन टन से कम क्षमता वाले खानों के मामलों में उपरोक्त नीति लागू नहीं होगी और वर्ष के दौरान खर्च किये गए स्ट्रीपिंग गतिविधि के वास्तविक लागत को लाभ और हानि के रूप में मान्यता प्राप्त होगी।

2.20 वस्तु सूची

2.20.1 कोयला भंडार :

कोल/कोक की वस्तुसूची कम लागत और शुद्ध वसूली मूल्य पर दर्शायी जाती है। वस्तुसूची की लागत की गणना औसत भार पद्धति के माध्यम से की जाती है। शुद्ध प्राप्य मूल्य वस्तु की अनुमानित बिक्री मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है और बिक्री करने के लिए सभी आवश्यक लागत को पूर्ण भी करती है।

कोल आरक्षित स्टॉक खाते में यह माना जाता है कि जहां आरक्षित स्टॉक और मापी गई स्टॉक के बीच का अंतर +/-5% तक हो या ऐसे मामलों में जहां अंतर +/-5% से अधिक हो वहां उसे मापा हुआ स्टॉक माना जायेगा। शुद्ध वास्तविक मूल्य या लागत में से जो भी कम हो, ऐसे स्टॉक मूल्यवान समझे जायेंगे।

कोयला, कोक फाइन कोयला और कोक जुर्माना कम लागत या शुद्ध वसूली मूल्य पर मूल्यवान होते हैं और उसे कोयला स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

कोल के भंडार स्लरी (कोकिंग/सेमी-कोकिंग) मध्यम स्तर के वाशरी और उनके उत्पाद शुद्ध वसूली मूल्य पर मूल्यवान होते हैं और उन्हें कोल स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

2.20.2 भंडार और पुर्जे

केंद्रीय और क्षेत्रीय भंडार में भंडार और स्पेयर पार्ट्स (जिसमें कमजोर उपकरण भी शामिल हैं) के स्टॉक की कीमत स्टोर लेजर के रूप में मानी जाती है एवं औसत विधि के आधार पर उसके मूल्य की गणना महत्वपूर्ण होती है। भंडारों और स्पेयर पार्ट्स की सूची में कोयला खदानों/ उप-भंडार/डीलिंग कैप/उपभोक्ता केंद्रों को वर्ष के अंत तक केवल भौतिक रूप से सत्यापित स्टोर के अनुसार मूल्यवान समझा जायेगा।

अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त और अप्रचलित भंडार और पुर्जों के लिए 100% की दर से एवं विगत 5 वर्षों से जो भंडार व पुर्जे उपयोग में नहीं लाये गए हैं उनके लिए 50% की दर का प्रावधान बनाया गया।

2.20.3 अन्य वस्तु सूची

कार्य की प्रगति सहित कार्यशाला के कार्यों को लागत पर महत्व दिया जाता है।। प्रेस कार्य का स्टॉक (कार्य प्रगति के साथ) मुद्रण प्रेस में स्टेशनरी और केंद्रीय अस्पताल में दवाओं की लागत मूल्य पर निर्धारित होती है।

हालांकि स्टेशनरी (प्रिंटिंग प्रेस में लाने के अलावा) ईंटों रेत, दवाइयों (केंद्रीय अस्पताल को छोड़कर) विमान के पुर्जों और स्क्रेप आदि को सूची में उल्लेखित नहीं किया जाता है क्योंकि उनका मूल्य महत्वपूर्ण नहीं होता।

2.21 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं एवं संपत्तियां

प्रावधान को तब मान्यता प्राप्त होता है जब कंपनी की पिछली घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) उसे प्राप्त हो, और यह संभव है कि दायित्वों का निपटान करने के लिए आर्थिक लाभों की आवश्यकता होनी आवश्यक है और उसे दायित्वों की विश्वसनीयता के रूप में भी लिया जा सकता है। जहां समय मूल्यवान है वहां दायित्व का निपटान करने के लिए अपेक्षित व्यय को वर्तमान मूल्य के अनुरूप रखा जाता है।

सभी प्रावधानों की समीक्षा प्रत्येक तुलनपत्र तिथि पर की जाती है और वर्तमान सर्वोत्तम अनुमान को दर्शाने के लिए उसका समायोजन किया जाता है।

जहां यह संभव ना हो कि आर्थिक लाभों का आउटफ्लो आवश्यक होगा या राशि का सटीक रूप से अनुमान नहीं लगाया गया हो, तो वहाँ दायित्वों को आकस्मिक देयताओं के रूप में प्रकट किया जाना प्रासंगिक हो जाता है जब तक कि आर्थिक लाभ के आउटफ्लो की संभावना रिमोट नहीं होती। संभावित दायित्व के अस्तित्व की केवल एक या अधिक भावी अनिश्चित घटनाओं की उपस्थिति या गैर-घटना से पुष्टि की जाएगी, जो कि पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं होगी एवं जब तक कि आर्थिक लाभ के आउटफ्लो की संभावना रिमोट नहीं होती, तब तक उन्हें प्रासंगिक देनदारियों के रूप में प्रकट किया जाएगा।

प्रासंगिक संपत्तियों को वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त नहीं है। हालांकि जब आय की प्राप्ति वास्तव में निश्चित होती है, तो संबंधित कोई भी संपत्ति आकस्मिक संपत्ति नहीं होती है और इनकी मान्यताएं यथोचित होती हैं।

2.22 उपार्जित शेयर

अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों को भारित औसत संख्या द्वारा कर के बाद शुद्ध लाभ से विभाजित करके प्रति शेयर मूल आय की गणना की जाती है। प्रति शेयरों में मंदित आय की गणना इक्विटी शेयरों की औसत लाभ को विभाजित करके की जाती है, जो कि शेयरों की मूल आय से प्राप्त होती है और इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या जो कि सभी डाइल्यूटिव संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी की जाती है।

2.23 निर्णय, आकलन और धारणाएं

भारतीय लेखांकन मानक के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी में लेखांकन नीतियों के आवेदन को प्रभावित करने वाले अनुमान, निर्णय और धारणाएं बनाने के लिए प्रबंधन की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों और संपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशि, वित्तीय विवरणों की तारीख पर आकस्मिक संपत्तियों और देनदारियों के प्रकटीकरण और रिपोर्ट अवधि के दौरान राजस्व और व्यय की राशि को प्रभावित करता है। जटिल और व्यक्तिपरक निर्णयों से जुड़े लेखांकन नीतियों का उपयोग और इन वित्तीय विवरणों में धारणाओं के उपयोग का खुलासा किया गया है। लेखांकन परिणाम समय - समय पर परिवर्तित होते रहते हैं। वास्तविक परिणाम अनुमानित लागत से भिन्न होते हैं। अनुमान के आधार पर इनकी निरंतर समीक्षा की जाती है और समयानुरूप लेखा अनुमानों का पुनर्निरीक्षण एवं उनका संशोधन भी किया जाता है। सामग्रियों को उनके वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में प्रभावी रूप से प्रकट किया जाता है।

2.23.1 निर्णय :

कंपनी की लेखांकन नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया में प्रबंधन ने निम्न फैसले लिए हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण प्रकाश वित्तीय वक्तव्यों में मान्यता प्राप्त राशियों पर डाला गया है :

2.23.1.1 लेखांकन नीतियों का निर्माण

लेखांकन नीतियां ऐसे वित्तीय वक्तव्य हैं जिसमें लेनदेन, अन्य घटनाओं और शर्तों के बारे में प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होती है, जिसके लिए वे आवेदन करते हैं। जिन नीतियों का प्रभाव अव्यवस्थित हो उन नीतियों को लागू करने की आवश्यकता नहीं होती।

प्रबंधन ने भारतीय लेखांकन मानक के अभाव में जो विशिष्ट रूप से लेनदेन, घटना की स्थिति पर लागू होते हैं, के अंतर्गत अपने निर्णयानुसार लेखांकन नीतियों के विकास तथा उसे लागू करने के लिए तथा परिणाम प्राप्त करने हेतु निम्न जानकारीयाँ उद्धृत की हैं।

क) उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णय लेने के अनुरूप और

ख) वित्तीय वक्तव्यों में विश्वसनीयता

i) कंपनी ईमानदारी से वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नगदी प्रवाह का प्रतिनिधित्व करती है।

ii) न कि केवल कानूनी रूप को दर्शाती है वरन लेन-देन, अन्य घटनाओं और शर्तों के आर्थिक सार को दर्शाती है

iii) तटस्थ है अर्थात् पूर्वाग्रह से मुक्त,

iv. मितव्ययी, तथा

iv. सभी सामग्रियां पूर्ण रूप से निरंतरता पर आधारित होती हैं।

निर्णय लेने में प्रबंधन निम्नलिखित स्रोतों को अवरोही क्रम में संदर्भित करता है, और उनकी प्रयोज्यता पर विचार करता है :

क. भारतीय लेखांकन मानक में लेनदेन से संबंधित मुद्दों की आवश्यकताएं, और

ख. ढांचे में संपत्ति, देयताएँ, आय तथा व्यय के लिए परिभाषाएं, मान्यता मानदंड और माप।

निर्णय लेने के लिए प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानक बोर्ड की सबसे हाल की घोषणाओं पर विचार करती है और उनकी अनुपस्थिति में अन्य मानक स्थापित निकायों जो कि सामान्य विचारात्मक तंत्र का उपयोग करते हुए लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन साहित्य और स्वीकृत उद्योग कार्य का विकास करती है जिससे कि उपरोक्त अनुच्छेद में स्रोतों के साथ विवाद की स्थिति न पैदा हो।

कंपनी खनन क्षेत्र का संचालन करती है (एक ऐसा क्षेत्र जहां अन्वेषण, मूल्यांकन, उत्पादन चरण का विकास विभिन्न स्थलाकृति और भू-क्षेत्र के इलाकों पर आधारित है, जो दशकों से चल रहे पट्टे में फैला हुआ है और जहां लगातार परिवर्तन की संभावनाएं होती हैं) जहां लेखांकन नीतियों की वृद्धि हुई है। पिछले कई दशकों से अनुसंधान समितियों द्वारा विशिष्ट उद्योग प्रथाओं की नियमावली के रूप में उसे अनुमोदित किया गया है। कंपनी लेखांकन साहित्य के विकास के साथ-साथ लेखांकन नीतियों के भी विकास का प्रयास करती है और इसमें भारतीय लेखांकन मानक 8 के अनुसार विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है।

लेखांकन के प्रोद्गवन आधार का उपयोग करते हुए वित्तीय विवरण गोइंग कंसर्न के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

2.23.1.2 सामग्रियाँ

भारतीय लेखांकन मानक उन वस्तुओं पर लागू होता है जो भौतिक हैं। प्रबंधन विचार करते हुए यह निर्णय लेते हैं कि एकीकृत वस्तुओं या वस्तुओं के समूह को वित्तीय विवरणों में सामग्री के रूप में लिया जा सकता है। सामग्री का आकलन वस्तुओं के आकार और प्रकृति के अनुरूप किया जाता है। निर्णायक कारण यह है कि उपयोगकर्ता वित्तीय निर्णयों के आधार पर निर्णय लेते हैं जो कि भूलचूक से आर्थिक निर्णय को प्रभावित भी करते हैं। प्रबंधन भारतीय लेखांकन मानक के मदों का निर्धारण करते हुए आवश्यकताओं को पूर्ण करती है एवं किसी विशेष परिस्थिति में या तो प्रकृति या किसी मद की मात्रा या कुल वस्तुओं का निर्धारण भी करती है। इसके अलावा कंपनी अपने जरूरत के अनुरूप मौजूदा सभी वस्तुओं को अलग से रखती है ताकि नियमानुरूप जब उन्हें इनकी आवश्यकता हो तब इनका उपयोग किया जा सके।

यदि कंपनी के अंतिम लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार ऐसी सभी त्रुटियाँ और चूक कुल परिचालन से कुल राजस्व (सांविधिक लेवी का शुद्ध) के 1% से अधिक नहीं हैं तो दिनांक 01.04.2019 से प्रभावी पूर्व अवधि से संबंधित चालू वर्ष में खोजी गई त्रुटियों / चूक को महत्वहीन माना जाता है और उसे चालू वर्ष के दौरान समायोजित किया जाता है।

2.23.1.3 परिचालन पट्टा -

कंपनी ने पट्टा समझौते में प्रवेश किया है। कंपनी शर्तों और निबंधन समझौते के मूल्यांकन के आधार पर यह निर्धारित करती है कि पट्टे आर्थिक जीवन के वाणिज्यिक संपत्ति का मुख्य भाग और परिसंपत्ति के उचित मूल्य के रूप में गठित नहीं किए जा सकते हैं, ताकि जो बरकरार है वे सभी महत्वपूर्ण जोखिमों, स्वामित्व और परिचालन पट्टे को अनुबंध खाते में रखे जा सके।

2.23.2 आकलन और धारणाएँ-

रिपोर्टिंग तिथि पर भविष्य और अनुमान अनिश्चितता के अन्य प्रमुख स्रोतों से संबंधित प्रमुख धारणाएं, जिनमें अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन मात्रा में सामग्री समायोजन करने का एक महत्वपूर्ण जोखिम है, नीचे वर्णित हैं। समेकित वित्तीय विवरण तैयार करते समय उपलब्ध मापदंडों के आधार पर कंपनी ने अपनी धारणाओं और अनुमानों को आधार बनाया। मौजूदा परिस्थितियों और भविष्य के विकास के बारे में धारणाएं, हालांकि, बाजार में बदलाव या कंपनी के नियंत्रण से बाहर होने वाली परिस्थितियों के कारण बदल सकती हैं। ऐसे बदलाव जब घटित होते हैं तब मान्यताओं में परिलक्षित होते हैं।

2.23.2.1 गैरवित्तीय सम्पत्तियों की हानि

अगर किसी परिसंपत्ति या नकद उत्पन्न करने वाली इकाई का वहन मूल्य उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक हो, तो यह हानि का संकेत है, जो कि इसके उचित मूल्य से निपटने की कम लागत और उपयोग में इसके मूल्य से अधिक है। कंपनी हानि के परीक्षण के उद्देश्य से अलग-अलग खानों को अलग नकद उत्पादन इकाइयों के रूप में मानती है। उपयोग की जाने वाली गणक मान डीसीएफ मॉडल पर आधारित होती है। नगदी प्रवाह को अगले पाँच वर्षों के लिए बजट से प्राप्त किया जाता है और जिसमें पुनर्गठन की गतिविधियां शामिल नहीं की जाती, जिसके लिए कंपनी अभी तक प्रतिबद्ध नहीं है एवं जिसमें सीजीयू की परिसंपत्तियों के प्रदर्शनों का भविष्य में उपयोग किया जा सके। वसूली राशि संवेदनशील होती है जो कम दर पर डीसीएफ मॉडल के साथ-साथ अपेक्षित भावी नगदी और प्रविष्टि प्रयोजन के विकास दर को बढ़ाती है। यह अनुमान अन्य खनन के बुनियादी ढांचे के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है। विभिन्न सीजीयू के लिए वसूली योग्य राशि का निर्धारण करने के लिए प्रमुख मान्यताओं का वर्णन किया गया है और जिसे आगे संबन्धित टिप्पणियों में भी वर्णित किया गया है।

2.23.2.2 कर

अस्थायी परिसंपत्तियों को अप्रयुक्त कर हानियों के लिए उस सीमा तक मान्यता प्राप्त है, जिस सीमा तक कर लगाने योग्य लाभों की उपलब्धता को उनके घाटे में भी उपयोग किया जा सके। संभावित समय और भविष्य के कर योग्य लाभ के स्तर के साथ-साथ भविष्य की कर योजना रणनीतियों के आधार पर, आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मात्रा निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय की आवश्यकता होती है।

2.23.2.3 परिभाषित लाभ योजनाएं

पारिभाषित लाभ, ग्रेच्युटी योजना और अन्य रोजगार चिकित्सा लाभों की लागत और ग्रेच्युटी दायित्वों के वर्तमान मूल्य का निर्धारण बीमांकिक मूल्यांकन से किया जाता है। मूल्यांकन में विभिन्न धारणाएँ शामिल होती हैं, जो भविष्य में वास्तविक विकास से भिन्न हो सकती हैं। इसमें छूट दर, भविष्य में वेतन बढ़ोतरी और मृत्यु दर का निर्धारण शामिल है।

मूल्यांकन और इसकी दीर्घकालिक प्रकृति में शामिल जटिलता, परिभाषित लाभ, दायित्वों की मान्यताओं में परिवर्तन अत्यंत ही संवेदनशील होते हैं। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में सभी मान्यताओं की समीक्षा की जाती है। सबसे अधिक परिवर्तन होने वाला विषय छूट दर होता है। भारत में संचालित योजनाओं के लिए उपर्युक्त छूट दर को निर्धारित करने में प्रबंधन सरकारी बॉन्ड के ब्याज दरों के साथ मुद्रित रोजगार के ब्याज दायित्वों पर विचार करती है।

मृत्यु दर देश के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध मृत्यु दर की सारणी पर आधारित होते हैं। मृत्यु दर के सारणी में बदलाव केवल जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर आधारित होती है। भावी वेतन वृद्धि और ग्रेच्युटी की बढ़ोतरी भविष्य की मुद्रास्फीति की दर पर आधारित होती है।

2.23.2.4 वित्तीय साधनों का उचित मूल्य माप

जब तुलन पत्र में दर्ज वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के उचित मूल्य को सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतों के आधार पर मापा नहीं जा सकता, तो उनका उचित मूल्य डीसीएफ मॉडल के साथ आम तौर पर स्वीकृत मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके मापा जाता है। जहां तक संभव हो इन मॉडलों को बाजार से लिया जाता है। परंतु जहां तक संभव ना हो, वहाँ उचित मूल्यों को स्थापित करने के लिए निर्णायक परिणामों की आवश्यकता पड़ती है। निर्णय में नगदी की जोखिम, क्रेडिट जोखिम, अस्थिरता और अन्य प्रासंगिक इनपुट जैसे विचाराधीन निवेश शामिल होते हैं। धारणाओं में परिवर्तन और अनुमानित ऐसे कारक वित्तीय रिपोर्ट में दिये गए उचित मूल्य को प्रभावित करते हैं।

2.23.2.5 विकास के तहत अमूर्त संपत्तियां

कंपनी लेखांकन नीति के अनुसार विकास के तहत एक परियोजना के लिए अमूर्त संपत्ति का पूंजीकरण करती है। आम तौर पर जब परियोजना की रिपोर्ट तैयार की जाती है, तब निर्णयों के आधार पर प्रबंधन द्वारा प्रारम्भिक पूंजी लागत की तकनीक और आर्थिक व्यवहार को स्वीकार किया जाता है।

2.23.2.6 खान बंदी, साइट पुनः स्थापना व डीकमिस्निंग दायित्वों के लिए प्रावधान

खान बंदी, साइट पुनः स्थापना और डीकमिस्निंग दायित्व के प्रावधान के उचित मूल्य का निर्धारण करने हेतु छूट दरों, साइट पुनः स्थापना और निराकरण की अपेक्षित लागत और उन लागतों के अपेक्षित समय के संबंध में अनुमान लगाए जाते हैं। कंपनी परियोजना/खान के जीवन के आधार पर डीसीएफ पद्धति का उपयोग करते हुए प्रावधान का अनुमान लगाती है:

- अनुमानित लागत कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों में विनिर्दिष्ट के अनुसार प्रति हेक्टर होगी।
- छूट दर (प्रति कर दर) जो कि समय के वर्तमान मूल्यों के मूल्यांकन और देनदारियों के लिए वर्तमान बाजार द्वारा किए गए आकलन को दर्शाती है।

2.24 संक्षेपों का प्रयोग:

क.	सीजीयू	नगद उत्पाद इकाई	ठ.	ईसीएल	ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ख.	डीसीएफ	रियायती नगद प्रवाह	ड.	बीसीसीएल	भारत कुकिंग कोल लिमिटेड
ग.	एफवीटीओसीआई	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	ढ.	सीसीएल	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
घ.	एफवीटीपीएल	लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य	ण.	एसईसीएल	साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ङ.	जीएएपीई	सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्त	त.	एमसीएल	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
च.	भा.लेखा.मा.	भारतीय लेखांकन मानक	थ.	एनसीएल	नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
छ.	ओसीआई	अन्य व्यापक आय	द.	डब्ल्यूसीएल	वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ज.	पी एंड एल	लाभ एवं हानि	ध.	सीएमपीडीआईएल	सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इन्स्टिट्यूट लिमिटेड
झ.	पीपीई	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	न.	एनईसी	नॉर्दर्न ईस्टर्नकोलफील्ड्स
ञ.	एसपीपीआई	केवल मूलधन और ब्याज का भुगतान	प.	आईआईसीएम	इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ कोल मैनेजमेंट
ट.	ईआईआर	प्रभावी ब्याज दर	फ.	सीआईएल	कोल इंडिया लिमिटेड

7 सौअंडरल्ल से दिनांक 17.04.2017 को परिचालित समिति की विचारिश के अनुसार घटक लेखणन का पलन किया जा रहा है।

[illegible]

2. कंपनी के पक्ष में भूमि का हस्तांतरण घिरेख फाउ नामलों में निष्पादन के लिए लंबित है।

महोदय, मैं विभिन्न रूप से प्रधान मंत्री के कार्यालय अगुनामिनि लगत शक्ति है। जो मद्रास की हिस् ४५ की एट दर पर एट थे जाती है जो उचित मूल्य और जोखिम की यानमान बजार दर को दर्शाती है।

4. नोट 2.7 में वर्णित उपयोगी कार्यकाल के आधार पर मूल्यह्रास दर्शाया गया है।

उपरोक्त रेल कोरिडोर में ₹ 1124.36 करोड़ की राशि के तहत एक सख्त कना शामिल है।

उपरोक्त रत्न कार्डर नं. १/24.36 करोड़ का रत्न टुकड़ा खरीद कर शासन है। उपरोक्त रत्न कार्डर नं. १/3.72 करोड़ के स्टैंड बाई उपकरण और स्टोर और पर्ज शामिल हैं जो पीपीई के रूप में मान्यता के मादंडों को पूरा करते हैं लेकिन अभी तक स्टोर से जारी नहीं किए गए हैं। उपरोक्त संग्रह और मशीनरी नं. १/3.72 करोड़ के स्टैंड बाई उपकरण और स्टोर और पर्ज शामिल हैं जो पीपीई के रूप में मान्यता के मादंडों को पूरा करते हैं लेकिन अभी तक स्टोर से जारी नहीं किए गए हैं।

7 सौअंडरल्ल से दिनांक 17.04.2017 को परिचालित समिति की विचारिश के अनुसार घटक लेखणन का पलन किया जा रहा है।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी 4 : प्रगतिशील प्रोजेक्ट कार्य

	भवन निर्माण (जलापूर्ति, सड़कों और कलवर्ट सहित)	संवर्धन एवं उपकरण	रेलवे साइडिंग	अन्य खनन संरचना/ विकास	निर्माणधीन रेल कोरिडोर	अन्य	कुल (र करोड़ में)
सकल वहन राशि :							
1 अप्रैल 2019 तक	183.39	537.64	135.84	501.02	-	-	1,357.89
जोड़	94.12	210.77	51.41	210.95	-	-	567.25
प्रोजेक्ट	(56.24)	(229.04)	(93.59)	(64.60)	-	-	(443.47)
घटाव /समायोजन	(14.89)	(0.66)	(2.25)	(1.61)	-	-	(19.41)
31 मार्च 2020 तक	206.38	518.71	91.41	645.76	-	-	1,462.26
1 अप्रैल 2020 तक	206.38	518.71	91.41	645.76	-	-	1,462.26
जोड़	184.49	254.28	117.40	315.20	0.26	-	871.63
प्रोजेक्ट	(80.04)	(74.00)	-	(73.75)	-	-	(227.79)
घटाव /समायोजन	(0.11)	0.55	(8.26)	4.17	0.26	-	(3.39)
31 मार्च 2021 तक	310.72	699.54	200.55	891.38	0.52	-	2,102.71
संचित प्रावधान एवं हानि							
1 अप्रैल 2019 तक	0.11	12.76	0.12	1.19	-	-	14.18
वर्ष के लिए प्रभार	-	-	-	-	-	-	-
हानि	-	-	-	-	-	-	-
घटाव /समायोजन	-	(0.01)	-	-	-	-	(0.01)
31 मार्च 2020 तक	0.11	12.75	0.12	1.19	-	-	14.17
1 अप्रैल 2020 तक	0.11	12.75	0.12	1.19	-	-	14.17
अवधि के लिए प्रभार	-	-	-	-	-	-	-
हानि	3.30	-	-	-	-	-	3.30
घटाव /समायोजन	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2021 तक	3.41	12.75	0.12	1.19	-	-	17.47
निवल वहन राशि							
31 मार्च 2021 तक	307.31	686.79	200.43	890.19	0.52	-	2,085.24
31 मार्च 2021 तक	206.27	505.96	91.29	644.57	-	-	1,448.09

टिप्पणी :

1. उपरोक्त विकास में बाणिज्यहल से जविका रेलवे साइडिंग तक दू लेन सहक को फोर लेन सड़क के चौड़ाकरण लिए 232.74 करोड़ और एक्स्प-10 पर बांकीवहल से भंडावहल तक फोर लेन सड़कों के निर्माण के लिए 139.84 करोड़ रुपये की सक्षम संपत्ति शामिल है।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी -5 : अन्वेषण और मूल्यांकन आस्तियां

	(₹ करोड़ में)
	अन्वेषण और मूल्यांकन लागत
सकल वहन राशि:	
1 अप्रैल 2019 तक	143.08
जोड़	13.88
घटाव /समायोजन	(32.23)
31 मार्च 2020 तक	124.73
1 अप्रैल 2020 तक	124.73
जोड़	17.21
घटाव /समायोजन	(4.15)
31 मार्च 2021 तक	137.79
संचित प्रावधान एवं हानि	
1 अप्रैल 2019 तक	-
वर्ष के लिए प्रभार	-
हानि	-
घटाव /समायोजन	-
31 मार्च 2020 तक	-
1 अप्रैल 2020 तक	-
अवधि के लिए प्रभार	-
हानि	-
घटाव /समायोजन	-
31 मार्च 2021 तक	-
निवल वहन राशि	
31 मार्च 2021 तक	137.79
31 मार्च 2020 तक	124.73

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी -6 : अन्य अमूर्त(इंटेजीवल) परिसंपत्तियां

	(₹. करोड़ में)			
	कंप्यूटर साफ्टवेयर	अन्वेषणीय अमूर्त परिसंपत्तियां	अन्य	कुल
सकल वहन राशि:				
1 अप्रैल 2019 तक जोड़	0.60	4.58	-	5.18
घटाव /समायोजन	-	-	-	-
31 मार्च 2020 तक	-	(0.02)	-	(0.02)
	0.60	4.56	-	5.16
1 अप्रैल 2020 के तक जोड़	0.60	4.56	-	5.16
घटाव /समायोजन	0.17	-	-	0.17
31 मार्च 2021 तक	-	-	-	-
	0.77	4.56	-	5.33
संचित अमूर्त एवं हानि				
1 अप्रैल 2019 तक वर्ष के लिए प्रभार हानि	0.44	-	-	0.44
घटाव /समायोजन	0.02	-	-	0.02
31 मार्च 2020 तक	-	-	-	-
	0.01	-	-	0.01
	0.47	-	-	0.47
1 अप्रैल 2020 के तक अवधि के लिए प्रभार हानि	0.47	-	-	0.47
घटाव /समायोजन	0.02	-	-	0.02
31 मार्च 2021 तक	-	-	-	-
	-	-	-	-
	0.49	-	-	0.49
निवल वहन राशि				
31 मार्च 2021 तक	0.28	4.56	-	4.84
31 मार्च 2020 तक	0.13	4.56	-	4.69

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी- 7(i) : निवेश

गैर चालू	(₹ करोड़ में)				
	प्रतिशतता (%) धारक	चालू वर्ष में शेयरों की संख्या/(गत वर्ष)	चालू वर्ष प्रति शेयर अंकित मूल्य/ (गत वर्ष)	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
शेयर में निवेश					
अनुषंगी कंपनियों में इक्विटी शेयर					
एमएनएच शक्ति लिमिटेड.	70%	59570000/ (59570000)	10.00	59.57	59.57
एमजेएसजे कोल लिमिटेड	60%	57060000/ (57060000)	10.00	57.06	57.06
एमबीपीएल	100%	50000/ (50000)	10.00	0.05	0.05
एमसीआरएल	64%	32000/(32000)	10.00	0.03	0.03
गैर-व्यापार (उद्धृत)					
सुरक्षित बॉण्ड में					
7.55 % सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त 2021 सीरीज 79 बॉण्ड		-/ (20000)	100000/(100000)	-	200.00
8% सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त बॉण्ड		1000/ (1087537)	1000/(1000)	-	108.75
7.22 % सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त बॉण्ड		4999/ (4999)	1000100/ (1000100)	499.95	499.95
7.22 % सुरक्षित प्रतिदेय आरईसी कर-मुक्त बॉण्ड		1500000/ (1500000)	1000/(1000)	150.00	150.00
कुल :				766.66	1075.41
अनुद्धत निवेश की कुल राशि				116.71	116.71
उद्धृत निवेश की कुल राशि				649.95	958.70
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य				661.18	986.85
निवेश -मूल्य में हानि की कुल राशि :				-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी- 7 : निवेश

चालू:	(₹ करोड़ में)			
	एनएवी			
	यूनिटों की संख्या (चालू वर्ष/(गत वर्ष))	(रुपए में)	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
व्यापार (गैरउद्धृत)				
म्यूचुअल फंड निवेश				
एसबीआई प्रीमियर लिक्विड फंड	8527627.045/ (546.257)	3221.62	2,747.28	0.06
गैर व्यापार (उद्धृत)				
सुरक्षित बांड में				
7.55 % सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त 2021 सीरीज 79 बांड	20000/-	100000.00	200.00	-
8% सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त बांड	1087537/-	1000/-	108.75	-
कुल :			3,056.03	0.46
उद्धृत निवेश की कुल राशि			200.00	-
अनुद्धृत निवेश की कुल राशि			2,856.03	0.46
अनुद्धृत निवेश का बाजार मूल्य			2,747.28	0.46
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य			325.34	-
निवेश -मूल्य में हानि की कुल राशि :			-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी- 8 : ऋण

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
गैर-चालू		
अन्य ऋण		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	1.29	1.20
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	125.00	625.00
क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
जमा से हानि	-	-
घटाव: संदेहास्पद ऋण हेतु भत्ते	- 126.29	- 626.20
कुल	126.29	626.20
वर्गीकरण		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	1.29	1.20
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	125.00	625.00
क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
जमा से हानि	-	-
चालू		
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
अन्य ऋण		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	-	0.32
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	500.00	500.00
क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
जमा से हानि	-	-
घटाव: संदेहास्पद ऋण हेतु भत्ते	- 500.00	- 500.32
कुल	500.00	500.32
वर्गीकरण		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	-	0.32
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	500.00	500.00
क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
क्रेडिट से हानि	-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी-9 :अन्य वित्तीय आस्तियां

(₹ करोड़ में)

गैर चालू	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
बैंक जमा	-	-
जमा :		
खदान बंदी योजना के तहत बैंक में जमा	1,119.04	1,082.09
उपयोगिता हेतु सिक्कुरिटी डिपोजिट	33.91	33.89
घटाय: संदिग्ध जमा के लिए भत्ता	-	-
	33.91	33.89
अन्य जमा और प्राप्त्य	0.16	0.16
घटाय: संदिग्ध जमा और प्राप्त्य के लिए भत्ता	0.16	0.16
	-	-
कुल	1152.95	1115.98

टिप्पणी

1.. कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार और कोयला नियंत्रक के साथ समझौते के बाद अनुसूचित बैंकों के साथ खदान बंद करने के लिए एस्क्रो खातों में ₹ 1119.04 करोड़ जमा।

एस्क्रो खाते में शेष	31.03.2021	31.03.2020
प्रारम्भिक तिथि पर इस्क्रो खाते में शेष राशि	1,082.09	978.51
वृद्धि : वर्तमान अवधि के दौरान जमा शेष राशि	79.60	66.97
वृद्धि : अवधि के दौरान ब्याज क्रेडिट	47.83	60.87
घटाव-वर्तमान अवधि के दौरान वापस ली गई राशि	90.48	24.26
समापन तिथि पर एस्करो खाते (गैर चालू) में शेष	1,119.04	1,082.09

(₹ करोड़ में)

चालू	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
जमा :		
सीआईएस / अनुबंधी कंपनियों के साथ चालू खाता	170.79	94.91
घटाय: संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
	170.79	94.91
असुरक्षित दीर्घकालिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता	-	-
अर्जित ब्याज	204.15	528.43
दावे एवं अन्य प्राप्त्य	46.31	8.22
घटाय: संदिग्ध जमा के लिए भत्ता	0.06	0.06
	46.25	8.16
कुल	421.19	631.50

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी -10 : अन्य गैर-चालू आस्तियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक		31.03.2020 तक	
(i) पूँजीगत अग्रिम	490.00		292.50	
घटाव: संदेहास्पद अग्रिम हेतु प्रावधान	0.65	489.35	0.65	291.85
(ii) पूँजीगत अग्रिम के अलावा अन्य अग्रिम				
(क) उपयोगिताओं के लिए सुरक्षा जमा	-		-	
घटाव: संदेहास्पद जमा हेतु प्रावधान	-	-	-	-
(ख) अन्य जमा और अग्रिम	12.55		13.66	
घटाव: संदेहास्पद जमा हेतु प्रावधान	-	12.55	-	13.66
(ग) प्रगतिशील खदान बंदी पर किया गया व्यय		114.54		47.28
कुल		616.44		352.79

टिप्पणी

वर्गिकरण

असुरक्षित - अच्छा माना गया

616.44

352.79

- संदेहास्पद माना गया

0.65

0.65

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी -11 : अन्य चालू आस्तियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक		31.03.2020 तक	
(क) राजस्व के लिए अग्रिम (माल एवं सेवा)	277.00		304.39	
घटाव: संदेहास्पद अग्रिम हेतु प्रावधान	6.50	270.50	6.54	297.85
(ख) वैधानिक बकाए का अग्रिम भुगतान	30.31		144.27	
घटाव: संदेहास्पद अग्रिम हेतु प्रावधान	-	30.31	-	144.27
(ग) संबंधित पार्टियों को अग्रिम				
(घ) अन्य अग्रिम एवं जमा	1,451.43		1,528.03	
घटाव: संदेहास्पद दावे के लिए प्रावधान	0.02	1,451.41	0.02	1,528.01
(ङ) प्रगतिशील खदान बंदी पर किया गया व्यय		101.69		182.00
(च) इनपूट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	771.25		553.37	
घटाव: प्रावधान		771.25	-	553.37
कुल		2,625.16		2,705.50

नोट- प्रगतिशील खान बंदी व्यय सीएमपीडीआईएल द्वारा लेखा परीक्षा के बाद इन उद्देश्यों के लिए अनुरक्षित एस्करो खाते से प्राप्त किया जाना है और सीसीओ को दावा प्रस्तुत किया गया है।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी - 12 : वस्तुसूची

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
(क) कोयले का स्टॉक	990.76	704.56
विकासाधीन कोयला	-	-
कोयले का स्टॉक (निवल)	990.76	704.56
(ख) भंडार एवं पुर्जों का स्टॉक (लागत)	81.62	69.76
योग: मार्गस्थ भंडार	3.64	0.03
भंडार एवं पुर्जों का निवल स्टॉक (लागत पर)	85.26	69.79
(ग) केन्द्रीय अस्पताल में औषधियों का स्टॉक	0.73	0.53
(घ) कार्यशाला कार्य प्रेस कार्य	26.77	18.74
	1,103.52	793.62

मूल्यांकन की विधि: टिप्पणी संख्या- 2.20 के "वस्तुसूची" पर महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां देखें।

टिप्पणी-12 का अनुसूचक
(परिमाण लाख टन में) (मूल्य लाख रु. में)

टैबल:क

अवधि के अंत में बुक स्टॉक के साथ खाते में अपनाए गए बंद स्टॉक से मिलान

	सफल स्टॉक		नग्न वैल्यू स्टॉक		वैल्यू स्टॉक	
	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य
1. (क) 01.04.20 को आरंभिक स्टॉक	198.79	72,399.04	-	-	198.79	72,399.04
(ख) 5% से अधिक कमी	1.17	1,943.39	-	-	1.17	1,943.39
आरंभिक लेखा में लिए गए स्टॉक	197.62	70,455.65	-	-	197.62	70,455.65
2. (क) अवधि में उत्पादन	1,480.13	14,68,801.26	-	-	1,480.13	14,68,801.26
(ख) कोयले का क्रय	25.03	7,288.53	-	-	25.03	7,288.53
3. उप कुल (1+क+2)	1,703.95	15,48,488.83	-	-	1,703.95	15,48,488.83
4. अवधि के लिए ऑफ टैक						
(क) बाहर प्रेषण	1,442.08	14,40,401.81	-	-	1,442.08	14,40,401.81
(ख) कारगारों में कोयला खपत	-	-	-	-	-	-
(ग) स्व खपत	0.02	36.79	-	-	0.02	36.79
(घ) क्रय किए गए कोयले का प्रेषण	25.00	7,006.19	-	-	25.00	7,006.19
कुल(फ)	1,467.10	14,47,444.79	-	-	1,467.10	14,47,444.79
5. उत्पन्न स्टॉक	236.85	1,01,044.04	-	-	236.85	1,01,044.04
6. मापा गया स्टॉक	236.60	99,243.30	-	-	236.60	99,243.30
7. अंतर (5-6)	0.25	1,800.74	-	-	0.25	1,800.74
8. अंतर का ब्रेक-अप :						
(क) 5% के अंदर अधिक	2.42	890.13	-	-	2.42	890.13
(ख) 5% के अंदर कमी	1.50	723.16	-	-	1.50	723.16
(ग) 5% से अधिक	-	-	-	-	-	-
(घ) 5% से अधिक की कमी	1.17	1,967.71	-	-	1.17	1,967.71
9. बलॉजिंग स्टॉक अपनाया गया (6-8क+8घ)	235.68	99,076.33	-	-	235.68	99,076.33

अंतिम कोयला स्टॉक का सारांश

टैबल :ख

	अंतिम कोयला स्टॉक का सारांश				धारा/ देशांतर कोयला				अन्य उत्पाद		कुल	
	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य
आरंभिक स्टॉक (लेखा परीक्षित)	-	-	198.79	72,399.04	-	-	-	-	-	-	198.79	72,399.04
5% से अधिक की कमी	-	-	1.17	1,943.39	-	-	-	-	-	-	1.17	1,943.39
समायोजित आरंभिक स्टॉक (वैल्यू)	-	-	197.62	70,455.65	-	-	-	-	-	-	197.62	70,455.65
उत्पादन	-	-	1,480.13	14,68,801.26	-	-	-	-	-	-	1,480.13	14,68,801.26
कोयले का क्रय	-	-	25.03	7,288.53	-	-	-	-	-	-	25.03	7,288.53
ऑफटैक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(क) बाहर प्रेषण	-	-	1,442.08	14,40,401.81	-	-	-	-	-	-	1,442.08	14,40,401.81
(ख) कारगारों में कोयला खपत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ग) स्व खपत	-	-	0.02	36.79	-	-	-	-	-	-	0.02	36.79
(घ) क्रय किए गए कोयले का प्रेषण	-	-	25.00	7,006.19	-	-	-	-	-	-	25.00	7,006.19
उत्पन्न अंतिम स्टॉक	-	-	236.85	1,01,044.04	-	-	-	-	-	-	236.85	1,01,044.04
मापा : कमी	-	-	236.60	99,243.30	-	-	-	-	-	-	236.60	99,243.30
अतिरिक्त	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अंतिम स्टॉक	-	-	235.68	99,076.33	-	-	-	-	-	-	235.68	99,076.33

आंतरिक सर्वेक्षण माप टीमों ने कोयले का भौतिक रूप से रजिस्ट्रार को सौंप दिया है। कुल अंतर 0.25 टन की कमी है। इस अंतर का कारण स्टाक (खाने/कोयलीयर) पर +/- 5% के भीतर कोयला स्टॉक के भौतिक सत्यापन पर मिली कमी/वृद्धि को लेखा नीति के अनुसार अनदेखा किया जाता है।

5% से अधिक की कमी का विवरण निम्न प्रकार है :

क्षेत्र	खदान	बुक स्टॉक (लाख टन में)		मापा गया स्टॉक (लाख टन में)		% अंतर	
		31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
ओरिएंट	खदान संख्या 3-जी 9	0.12	0.12	-	-	100.00	100.00
	एचबीएम-जी 9	0.30	0.30	-	-	100.00	100.00
तालचौर	खदान-जी 8	0.50	0.50	-	-	100.00	100.00
	तालचौर-जी 8	0.25	0.25	-	-	100.00	100.00
कुल		1.17	1.17	-	-	-	-

पोलिसी के अनुसार जब अंतर +/- 5% से अधिक है, उस मामले में मापा गए स्टॉक को लेखा में लिया जाता है। दिनांक 31.03.2021 के अनुसार 1.17 लाख टन के परिमाण के लिए 1.17 लाख टन के अंतर के मूल्य को लेखा में शामिल किया गया।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी -13 : व्यापार से प्राप्त

(₹. करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
चालू व्यापार से प्राप्त		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	-	-
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	1,292.63	1323.07
क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
- क्रेडिट हानि	85.55	52.28
घटाव: खराब और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ते	85.55	52.28
	1292.63	1323.07
कुल	1292.63	1323.07
टिप्पणी:		
1 देय तिथि से छह महीने से कम अवधि के लिए बकाया ऋण	1213.79	1294.63
2 नियत तिथि से छः माह से अधिक अवधि लिए बकाया ऋण।	78.84	28.44
संदेहास्पद ऋण	85.55	52.28
	1378.18	1375.35

टिप्पणी:

- 1 कंपनी के निदेशक एवं अधिकारियों से व्यक्तिगत या संयुक्त रूप में कोई भी व्यापार एवं अन्य प्राप्त बकाया नहीं है। न ही किसी फर्म व निजी कंपनियां जिसमें कोई निदेशक, निदेशक सदस्य, भागीदार है, से किसी प्रकार का व्यापार व अन्य प्राप्त बकाया नहीं है।
- 2 उपरोक्त व्यापार प्राप्तियां ₹ 48.72 करोड़ (₹ 155.63 करोड़) के कोयले की गुणवत्ता भिन्नता और ₹ 1.96 करोड़ के कोयले पर नमी (शून्य) का निवल प्रावधान है।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी- 14 : नगद एवं नगद समतुल्य

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
(क) बैंक में शेष		
- जमा खातों में (3 महीने तक परिपक्वता के साथ)	937.10	-
- चालु खाता में क. (सीएलटीडी खाता इत्यादि) सहित ब्याज ख. गैर ब्याज वहन	16.86	53.23
- नगद क्रेडिट खातों में	56.59	18.20
(ख) भारत से बाहर बैंक खाता में शेष	-	-
(ग) उपलब्ध चेक, ड्राफ्ट एवं स्टाम्प	-	-
(घ) उपलब्ध नगद	-	-
(ङ) भारत के बाहर उपलब्ध नगद	-	-
(च) अन्य	-	-
कुल नकद और नकद समतुल्य	1010.55	71.43

टिप्पणी:

- नगद और नकद समकक्ष में, तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ उपलब्ध बैंक में नगद, स्वीप खाता तथा सावधि जमा शामिल हैं।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी- 15 : अन्य बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
बैंक में शेष		
जमा लेखा	7,223.41	12,276.99
जमा खाते (विशिष्ट उद्देश्य के लिए नीचे नोट-2 देखें)	26.59	26.36
चल रही परियोजनाओं के लिए सीएसआर फंड	-	-
कुल	7,250.00	12,303.35

- अन्य बैंक शेष में सावधि जमा और अन्य बैंक जमा शामिल हैं जो की प्रतिवेदन की प्रारंभिक तिथि से 12 महीनों के भीतर नगद के रूप में वसूल किया जाना अपेक्षित है।
- ₹ 26.59 करोड़ (₹ 26.36 करोड़) से अधिक जमा खाता (विशिष्ट उद्देश्य के लिए) न्यायालय के निर्देश के अनुसार, विभिन्न सरकारी प्राधिकरण और बैंक गारंटी जारी करने के लिए बनाया गया है। अधिक जानकारी के लिए लेखा के नोट-38 अतिरिक्त टिप्पणी के तहत अन्य मामलों के बिन्दु 8 (एफ) देखें।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी- 16: इक्विटी शेयर पूंजी

	(रु. करोड़ में)	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
प्राधिकृत		
प्रत्येक ₹1000 का 77,58,200 इक्विटी शेयर	775.82	775.82
	775.82	775.82
निर्गत, अभिदत्त एवं प्रदत्त		
प्रत्येक 1000 रुपये के 6618363 इक्विटी शेयर	661.84	661.84
कुल	661.84	661.84

टिप्पणी:

- 1 कंपनी में 5% से अधिक शेयर रखनेवाले प्रत्येक शेयरधारक के शेयर

शेयरधारकों के नाम	शेयरधारकों की संख्या (1000 रूपए प्रत्येक का)	कुल शेयरों का प्रतिशत
कोल इंडिया लिमिटेड (नियंत्रक कंपनी) एवं इसकी नामितों	6618363	100

- 2 31.03.2021 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान, समूह ने कोई इक्विटी शेयर जारी या वापस नहीं किए हैं।
- 3 31.03.2020 को समाप्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोई इक्विटी शेयर जारी या वापस नहीं खरीदा था।
- 4 31.03.2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान, समूह ने निविदा के माध्यम से रु. 1000 के अंकित मूल्य के 442967 शेयर खरीदे थे, जिनका पूरा भुगतान कर समाप्त किया गया था।
- 5 31.03.2018 को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान, समूह ने 5649064 की संख्या में बोनस शेयर जारी किए थे, यानी पूरी तरह से भुगतान किए गए 4 मौजूदा इक्विटी शेयरों के हर 1 की संख्या में रु.1000 के अंकित मूल्य के पूरी तरह से भुगतान किए गए हैं।
- 6 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के दौरान, समूह ने निविदा प्रस्ताव के माध्यम से पूरी तरह से भुगतान किए गए रु. 1000 के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों की 451743 वापस खरीद ली और उन शेयरों को समाप्त कर दिया।
- 7 समूह के पास सिर्फ एक ही श्रेणी के इक्विटी शेयर है जिनका अंकित मूल्य प्रति शेयर ₹ 1000 है इक्विटी शेयर धारक को समय-समय पर घोषित लाभांश को प्राप्त करने एवं शेयर धारकों की बैठक में उनके शेयरों के लिए मतदान करने का अधिकारी है।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां
टिप्पणी- 17 : अन्य इक्वीटी

(₹ करोड़ में)

	अन्य रिजर्व		सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित आय	अन्य व्यापक आय	कुल
	कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व	पूँजीगत रिजर्व				
01.04.2019 तक शेष	44.29	-	1,947.30	1,201.38	18.36	3,211.33
वर्ष के दौरान जोड़	-	-	-	-	-	-
लेखांकन नीति में परिवर्तन	-	-	-	-	-	-
पूर्व अवधि बुद्धियां	-	-	-	-	-	-
01.04.2019 के अनुसार पुनःघोषित शेष	44.29	-	1,947.30	1,201.38	18.36	3,211.33
वर्ष के दौरान जोड़	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान समायोजन	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान लाभ	-	-	-	6,427.39	-	6,427.39
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मापन(नियत कर)	-	-	-	-	(78.44)	(78.44)
विनियोग	-	-	-	-	-	-
सामान्य रिजर्व में / से स्थानांतरण	-	-	321.37	(321.37)	-	-
अन्य रिजर्व में / से स्थानांतरण	-	-	-	-	-	-
अंतरिम लाभभांश	-	-	-	(5,225.00)	-	(5,225.00)
अंतिम लाभभांश	-	-	-	-	-	-
कोर्पोरेट लाभभांश कर	-	-	-	(1,074.01)	-	(1,074.01)
वाईबैक पर कर	-	-	-	-	-	-
31.03.2020 तक शेष	44.29	-	2,268.67	1,008.39	(60.08)	3,261.27
01.04.2020 तक शेष	44.29	-	2,268.67	1,008.39	(60.08)	3,261.27
अवधि के दौरान जोड़	-	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान समायोजन	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान लाभ	-	-	-	-	-	-
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मापन(नियत कर)	-	-	-	-	(37.42)	(37.42)
विनियोग	-	-	-	-	-	-
सामान्य रिजर्व में / से स्थानांतरण	-	-	343.62	(343.62)	-	-
अन्य रिजर्व में / से स्थानांतरण	-	-	-	-	-	-
अंतरिम लाभभांश	-	-	-	(5,225.00)	-	(5,225.00)
अंतिम लाभभांश	-	-	-	-	-	-
वाईबैक पर कर	-	-	-	-	-	-
31.03.2021 तक शेष	44.29	-	2,612.29	2,312.12	(97.50)	4,871.20

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी 18: उधार

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
गेर-चालू		
अवधि ऋण		
-बैंकों से	5.03	5.48
-अन्य पार्टियों से	-	-
संबंधित पार्टियों से ऋण	-	-
अन्य ऋण	-	-
कुल	5.03	5.48
वर्गीकरण		
सुरक्षित	-	-
असुरक्षित	5.03	5.48
चालू		
मांग पर लौटाने वाले ऋण		
-बैंकों से	-	-
-बैंक ओवरड्राफ्ट	-	-
-बैंकों से अन्य ऋण	-	1,706.45
अन्य से	-	-
संबंधित पार्टियों से ऋण	-	-
कुल	-	1,706.45
वर्गीकरण		
सुरक्षित	-	-
असुरक्षित	-	-

टिप्पणी :

1. फ्रांस के लेभर से 4 हाइड्रोलिक शोवेल की खरीद के लिए नेशनल बैंक ऑफ पेरिस और नैटेक्सिस बैंक के साथ समझौते के माध्यम से ऋण की व्यवस्था की गई थी। 31.03.2021 (पुनर्भुगतान के बाद निचल) में ₹ 5.67 करोड़ ऋण बकाया है। (जो 31.03.2020 को ₹ 6.10 करोड़ था)।

शेष का विवरण निम्न प्रकार से हैं:-

	यूरो में	₹ करोड़ में
01.04.2020 के अनुसार शेष	734397.22	6.10
31.03.2021 को समाप्त वर्ष के दौरान पुनः भुगतान	74113.58	0.64
विनिमय अंतर	-	0.21
31.03.2021 के अनुसार शेष	6,60,283.64	5.67
₹. 0.64 करोड़ के दीर्घकालिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता को ₹. 5.67 करोड़ के शेष से बाहर रखा गया है और नोट 20 'अन्य वित्तीय देनदारियों' में दर्शाया गया है।		

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी- 19 : भुगतान योग्य व्यापार

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
चालू		
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों	0.18	0.39
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अलावा	257.87	408.98
कुल	258.05	409.37

टिप्पणी :

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
व्यापार देय - सूक्ष्म और लघु उद्यमों का कुल बकाया		
क) अवधि समाप्ती के अनुसार मूलधन और ब्याज राशि का भुगतान शेष है, लेकिन बकाया नहीं है।	0.18	0.39
ख) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के संदर्भ में कंपनी द्वारा अवधि के दौरान नियत दिन से परे आपूर्तिकर्ता को भुगतान की राशि के साथ ब्याज का भुगतान किया गया ।	-	-
ग) भुगतान में विलंब की अवधि के लिए देय ब्याज और देय (वर्ष के दौरान नियत दिन से परे जिसका भुगतान किया गया है) लेकिन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को नहीं जोड़ा गया है।	-	-
घ) अर्जित ब्याज और अवधि के अंत तक शेष नहीं ।	-	-
इ) आगे के वर्षों में भी देय और देय ब्याज, ऐसी तारीख तक जब तक कि उपरोक्तानुसार बकाया ब्याज वास्तव में छोटे उद्यम को भुगतान नहीं किया जाता है।	-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी- 20 : अन्य वित्तीय देयताएं

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
गैर चालू		
प्रतिभूति जमा	17.36	36.48
अग्रिम राशि	-	-
अन्य(सुरक्षा जमा-मैनेजमेंट प्रशिक्षण)	1.86	2.54
	19.22	39.02
चालू		
सीआईएल के चालू खाता के साथ	-	9.80
दीर्घकालिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता	0.64	0.62
प्रतिभूति जमा	292.39	202.14
अमानत राशि	56.78	48.16
पूंजीगत व्यय के लिए देय	1,291.83	1,117.44
वेतन और मजदूरी के लिए देयताएँ	248.03	258.30
अन्य	322.57	252.12
कुल	2,212.24	1,888.58

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां
टिप्पणी- 21 : प्रावधान

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
गैर चालू कर्मचारी हितलाभ उपदान	-	-
अवकाश नकदीकरण	107.58	125.60
- अन्य कर्मचारी हितलाभ	93.17	104.33
	200.75	229.93
स्थल पुनः स्थापना/खदान बंदी स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	878.56	867.40
अन्य	17,995.63	19,054.81
कुल	19,074.94	20,152.14
चालू कर्मचारी हितलाभ उपदान	39.43	57.05
अवकाश नकदीकरण	56.97	26.92
अनुग्रह राशि	137.45	135.39
- परफार्मेंस संबंधित पे	121.09	153.97
- अन्य कर्मचारी हितलाभ	55.85	36.04
	410.79	409.37
अन्य	789.95	487.23
कुल	1,200.74	896.60

टिप्पणी

1. खदान बंदी के लिए प्रावधान

खदान बंदी योजना को बनाने के संबंध में कौयला मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त दिशानिर्देशों का अनुसरण करते हुए एक प्रावधान किया गया। ऐसे प्रावधान सीएमपीडीआईएल (कोल इंडिया लिमिटेड की अनुबंधी) के तकनीकी मूल्यांकन के अनुसार बनाए जाते हैं। प्रत्येक खदान बंदी व्ययों के लिए (सीएमपीडीआई द्वारा यथा मूल्यांकित) के लिए देयता में 8% की छुट दी गई है तथा ऐसे प्रावधान के बनने के 01 साल तक खदान बंदी देयता को पूंजीकृत किया गया है। 31.03.2021 के अनुसार प्रावधानों को पूरा करने के लिए डिस्काउंट को अनदेखा करके अनुवर्ती वर्ष में प्रावधान का पुनः मूल्यांकन किया गया है।

2. स्थल बहाली / खदान बंदी का समाधान* (गैर चालू और चालू) :

	31.03.2021	31.03.2020
प्रारंभिक तिथि को स्थल पुनः स्थापना/खदान बंदी का प्रावधान :	867.40	812.13
वृद्धि: एमसीपी में संशोधन के कारण प्रावधान में परिवर्तन	42.51	-
वृद्धि: वर्तमान अवधि के लिए प्रभारित प्रावधान की अनुपलब्धता (पूँजीकृत सहित)	59.37	79.80
घटाय : एमसीपी प्रावधान एस्को खाते से प्रतिपूर्ति के लिए समायोजित	90.72	24.53
स्थल पुनः स्थापना/ खदान बंदी प्रावधान	878.56	867.40

"*देउलबेरा कोलियरी के अस्थिर कामकाज के भंडारण(स्टोविंग)और स्थिरीकरण की दिशा में किए गए प्रावधान में वेतन और ₹ 0.24 करोड़ मजदूरी के समायोजन के अलावा ₹ 9.44 करोड़ (विभागीय वेतन और ₹ 18.21 करोड़ के वेतन को छोड़कर) की व्यापक योजना में स्थल बहाली/खान बंदी व्यय के प्रावधान में ₹ 3.60 करोड़ शामिल है। रेत भंडारण के माध्यम से देउलबेरा कोलियरी के अस्थिर कामकाज के स्थिरीकरण की योजना में विभागीय जनशक्ति की अनुमानित लागत ₹ 18.21 करोड़ भी शामिल है, जिसके लिए अलग से प्रावधान नहीं किया गया है, क्योंकि यह लाभ और हानि के लिए प्रभारित सामान्य वेतन और मजदूरी का हिस्सा है। एमसीपी प्रावधान में ₹ 0.24 करोड़ एस्को खाते से प्रतिपूर्ति के लिए समायोजित किया गया है। एमसीपी के प्रावधान में बसुंधरा (पूर्व) के लिए भूमि के सुधार के लिए ₹ 0.79 करोड़ भी शामिल है।"

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियां

टिप्पणी- 22 : अन्य गैर चालू देयताएँ

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
आस्थगित आय (सीसीडीए अनुदान)	152.96	166.87
कुल	152.96	166.87

1. आस्थगित आय में कोयला खान (संरक्षण और विकास) अधिनियम, 1974 के तहत पूंजीगत प्रकृति के कामों के लिए मिलने वाली अनुपात शामिल हैं।

टिप्पणी- 23 : अन्य चालू देयताएँ

(₹. करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
वैधानिक बकाया:	1,014.11	816.35
ग्राहकों/ अन्य से अग्रिम	2,958.75	2,479.36
अन्य देयताएँ	45.98	55.33
कुल	4,018.84	3,351.04

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी - 24 : संचालन से राजस्व

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
क. कोयले का विक्रय	23,619.94	22,834.92
घटाव :वैधानिक लेवी	9,145.86	8,672.92
कोयले का विक्रय (निवल) (क)	14,474.08	14,162.00
ख. अन्य संचालन राजस्व		
बालू भरने और सुरक्षात्मक कार्य हेतु अनुदान	-	-
लदाई एवं अतिरिक्त परिवहन प्रभार	1,392.40	1,039.18
घटाव :वैधानिक लेवी	66.30	49.48
	1,326.10	989.70
निकासी सुविधा शुल्क	726.76	692.44
घटाव :वैधानिक लेवी	34.61	32.97
	692.15	659.47
अन्य संचालन राजस्व (निवल)(ख)	2,018.25	1,649.17
संचालन से राजस्व (क+ख)	16,492.33	15,811.17

टिप्पणी:-

1. उपरोक्त कोयले की बिक्री में अनुमानित कोयले की गुणवत्ता अंतर(रिवर्सल का निवल) ₹.105.07 करोड़ की (गतवर्ष ₹ 101.95 करोड़) की वृद्धि हुई है और कोयले में नमी के प्रावधान के लिए ₹ 1.98 करोड़ की कमी आई है।

2. पैराग्राफ 8(m) के बिन्दु 'एन' का संदर्भ लें। नोट 38 लेखा के लिए अतिरिक्त टिप्पणी के तहत भारतीय लेखांकन मनका 115 के अनुसार असंगठित राजस्व की घोषणा के लिए अन्य जानकारी दी गई है।

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी - 25 : अन्य आय

	(₹. करोड़ में)	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
ब्याज से आय	733.42	1432.26
लाभांश से आय	0.01	86.80
<u>अन्य</u>		
आस्तियों की बिक्री से लाभ	0.88	0.51
विदेशी मुद्रा लेनदेन पर लाभ	-	-
म्यूचुअल फंड की बिक्री पर लाभ/(हानि)	36.41	-
विनिमय दर में भिन्नता	-	-
पट्टा किराया	5.94	11.81
देयता / प्रावधान वापस किया (राइट बैक)	147.36	208.88
उचित मूल्य परिवर्तन (निवल)	6.21	-
विविध आय	109.48	120.50
कुल	1,039.71	1,860.76

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 26 :सामग्री खपत की लागत

	(₹. करोड़ में)	
	31.03.2021	31.03.2020
	तक	तक
विस्फोटक	189.66	143.70
लकड़ी	0.16	0.19
तेल एवं लुब्रिकेंट	338.52	278.44
एचईएमएम के पुर्जे	118.75	126.08
अन्य उपभोज्य भंडार और पुर्जे	58.78	50.30
कुल	705.87	598.71

टिप्पणी 27 : तैयार माल की सूची में परिवर्तन, कार्य प्रगति पर और व्यापार में स्टॉक

	(₹. करोड़ में)	
	31.03.2021	31.03.2020
	तक	तक
कोयले का प्रारंभिक स्टॉक	704.56	425.46
कोयले का अंतिम स्टॉक	990.76	704.56
क. कोयले की सूची में परिवर्तन	(286.20)	(279.10)
कार्यशाला निर्मित तैयार माल और कार्य प्रगति एवं प्रेस जॉब का प्रारंभिक स्टॉक	18.74	17.17
कार्यशाला निर्मित तैयार माल और कार्य प्रगति का अंतिम स्टॉक	26.77	18.74
ख. कर्मशाला की वस्तुसूची में परिवर्तन	(8.03)	(1.57)
व्यापार में स्टॉक की सूची में परिवर्तन (कम/अधिक)	(294.23)	(280.67)

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 28 :कर्मचारी हितलाभ व्यय

(₹. करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
वेतन और मजदूरी (भत्ता और बोनस सहित इत्यादि)	2,354.12	2296.51
भविष्य निधि और अन्य निधि में अंशदान	664.46	639.32
कर्मचारी कल्याण व्यय	200.15	219.02
	3,218.73	3,154.85

नोट 29: कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
सीएसआर व्यय	168.44	165.50
कुल	168.44	165.50

क. सीएसआर व्यय का गतिविधिवार विवरण:-

भूख, गरीबी और कुपोषण का अनुमूलन	164.86	51.47
विशेष शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने वाले व्यवसायिक कौशल सहित शिक्षा	10.82	79.13
लैंगिक समानता और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों के समक्ष आने वाली असमानताओं को कम करने के उपाय	0.97	0.66
पर्यावरण स्थिरता	4.12	7.26
राष्ट्रीय विरासत, कला और संस्कृति का संरक्षण	0.94	4.10
सशस्त्र बलों के सिपाहियों, युद्ध में हुई विधवाओं और उनके आश्रितों का हितलाभ	-	-
ग्रामीण खेलों, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालंपिक खेलों और ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण	3.23	6.20
सामाजिक आर्थिक विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निधि में योगदान	-	-
इन्फ्रस्ट्रक्चर या अनुसंधान विकास परियोजनाओं में योगदान	1.22	-
विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में योगदान	-	-
ग्रामीण विकास परियोजनाएं	16.88	15.95
गंदी बस्ती का विकास	-	-
राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण गतिविधियों सहित आपदा प्रबंधन	2.30	0.73

ख. सीएसआर व्यय ब्रेक-अप

(क) वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली आवश्यक राशि	168.44	156.50
(ख) वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली राशि बोर्ड द्वारा स्वीकृत	205.34	156.50
(ग) वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि:		
(i) किसी भी संपत्ति का निर्माण / अधिग्रहण	45.93	146.68
(ii) उपरोक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्य पर	159.41	18.82

ग. चालू परियोजना के अलावा अत्यधिक राशि (धारा 135(5))	प्रारंभिक शेष	6 माह के भीतर अनुसूची VII में निर्दिष्ट फंड में जमा राशि	वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली राशि	वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि
-	-	-	-	-

घ. व्यय की गई अधिक राशि (धारा 135(5))

वर्षवार विवरण	प्रारंभिक शेष	वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली राशि	वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि
2020-21	-	168.44	205.34
			36.90

ङ. चालू परियोजना (धारा 135(6))

वर्षवार विवरण	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान व्यय हेतु आवश्यक राशि	वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि		अंतिम जमा	
	कंपनी के साथ	भिन्न सीएसआर अत्यधिक खाले में		कंपनी के बैंक खाते से	अलग सीएसआर अत्यधिक खाले से	कंपनी के साथ	भिन्न सीएसआर अत्यधिक खाले में
-	-	-	-	-	-	-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 30 : मरम्मतें

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
भवन	89.89	96.89
संयंत्र एवं मशीनरी	76.94	60.20
अन्य	2.72	4.09
कुल	169.55	161.18

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 31 : संविदात्मक व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
परिवहन शुल्क:	1,427.37	1,139.43
वैगन लदाई	81.25	67.28
संयंत्र एवं उपकरण भाड़ा पर लेना	1,762.55	1,309.60
अन्य संविदात्मक कार्य	99.50	78.37
कुल	3,370.67	2,594.68

टिप्पणी 32 : वित्तीय लागत

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
व्याज पर व्यय		
उधार	11.77	0.77
छूट का अनवाइंडिंग (पुनःस्थापना)	56.61	79.54
अन्य	-	-
कुल	68.38	80.31

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 33 : प्रावधान (परिवर्तन (रिवर्सल)का निवल)

(₹. करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
संदिग्ध ऋण	45.40	-
संदिग्ध अग्रिम एवं दावे		0.02
अंकार एवं पुर्ज	0.07	
अन्य	28.40	2.46
कुल	73.87	2.48
टिप्पणी:		
अन्य :-		
सुर्वेड ऑफ	10.76	2.46
रोयल्टी, एनएमईटी और डीएमएफ की कम	17.64	
वसूली की मांग	28.40	2.46

टिप्पणी 34 : बढ़ते खाते (गत प्रावधानों का निवल)

(₹. करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
संदिग्ध ऋण	-	-
घटाव :- पूर्व प्रदत्त	-	-
संदिग्ध अग्रिम	-	-
घटाव :- पूर्व प्रदत्त	-	-
कुल	-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 35 : अन्य व्यय

(₹. करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
यात्रा व्यय	7.94	19.18
प्रशिक्षण व्यय	2.68	8.96
दूरभाष एवं डाक खर्च	5.65	5.65
विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार	2.63	7.00
भाड़ा प्रभार	0.16	0.06
विलंब शुल्क	0.85	19.18
सुरक्षा व्यय	106.59	113.07
सीआईएल का सेवा प्रभार	148.01	140.36
भाड़ा प्रभार	64.55	51.53
सीएमपीडीआई प्रभार	21.43	22.30
विधिक व्यय	4.43	7.83
परामर्श शुल्क	2.45	1.26
कम लदान शुल्क	87.63	93.50
विक्रय/अस्वीकार/सर्वेऑफ आस्तियां पर हानी	0.71	0.35
लेखा परीक्षकों का मानदेय एवं व्यय		
- लेखा परीक्षा शुल्क के लिए	0.19	0.19
- कर संबंधी मामले के लिए	-	-
- अन्य सेवाओं के लिए	0.17	0.13
- व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए	0.13	0.08
आंतरिक एवं अन्य लेखा परीक्षा शुल्क पर व्यय	2.88	2.84
पुनर्वास शुल्क	87.61	80.37
किराया	0.50	0.43
दर एवं कर	40.47	23.72
बीमा	0.85	0.90
विनियम दर में अंतर से हानि	0.22	0.41
बचाव/सुरक्षा हेतु व्यय	2.59	2.58
डेड रेन्ट/सरफेस रेन्ट	0.67	0.58
साईडिंग अनुरक्षण शुल्क	50.98	38.30
आर एंड डी व्यय	0.46	0.02
पर्यावरण और वृक्षारोपण व्यय	22.22	23.91
शेयरों के बायबैक पर व्यय	-	-
विविध व्यय	119.20	125.97
कुल	784.85	790.66

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 36 : कर व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
चालू वर्ष स्थगित कर एमएटी क्रेडिट पात्रता पिछले वर्षों में	2289.49 151.90 - 3.05	2124.36 (43.28) - 137.00
कुल	2,444.44	2,218.08
भारतीय आंतरिक कर दर से गुणित व्यय और लेखा लाभ का समाधान		
कर पूर्व लाभ/(हानि)	9,316.79	8,645.47
भारत की वैधानिक आयकर दर 25.168%	2,344.85	2,175.89
घटाव : आय कर से छूट	(17.80)	(39.64)
जोड़ : कर उद्देश्यों के लिए गैर-कटौती व्यय पिछले वर्ष के लिए समायोजन	114.34 3.05	(55.17) 137.00
एमएटी प्रावधानों के तहत कर के लिए समायोजन	-	-
लाभ और हानि विवरण में आयकर व्यय की सूचना दी गई है	2,444.44	2,218.08
प्रभावी आयकर दर:	26.24%	24.57%

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 37 : अन्य व्यापक आय

(₹. करोड़ में)

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
(क) (i) लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किए जानेवाले मदें परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनः मापन	(50.00)	(104.82)
	(50.00)	(104.82)
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनः मापन	(12.58)	(26.38)
	(12.58)	(26.38)
कुल (क)	(37.42)	(78.44)
(ख) (i) लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किए जानेवाले मदें संयुक्त उद्यमों में ओसीआई का शेयर	-	-
	-	-
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किया जाएगा संयुक्त उद्यमों में ओसीआई का शेयर	-	-
	-	-
कुल (ख)	-	-
कुल (क+ख)	(37.42)	(78.44)

टिप्पणी - 38: 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वित्तीय विवरण हेतु अतिरिक्त टिप्पणियाँ (स्टैंडअलोन)

1. उचित मूल्य मापन

क) बर्गवार वित्तीय साधन

(रु. करोड़ में)

	31.03.2021		31.03.2020	
	एफवीपी वाईएल	परिशोधित लागत	एफवीपीवाई एल	परिशोधित लागत
वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
निवेश*				
सुरक्षित बांड		849.95		958.70
सहकारी शेयर		0.00		0.00
म्यूचुअल फंड / आईसीडी	2856.03		0.46	
ऋण		626.29		1126.52
जमा एवं प्राप्त्य		FALSE		1747.48
व्यापार प्राप्त्य **		1292.63		1323.07
नगद एवं नगद समतुल्य		1010.55		71.43
अन्य बैंक शेष		7250.00		12303.35
वित्तीय देयताएँ				
उधार		5.03		1711.93
व्यापार देय ***		258.05		409.37
प्रतिभूति जमा एवं बयाना		366.53		286.78
अन्य देयताएँ ***		1864.93		1640.82

* "सहायक/संयुक्त उद्यमों में इक्विटी शेयरों में निवेश को इक्विटी पदों का उपयोग करके मापा जाता है जो 31.03.2021 को ₹ 116.71 करोड़ (31.03.2020 को ₹ 116.71 करोड़) हैं और से ऊपर शामिल नहीं हैं।"

** कोयला गुणवत्ता की भिन्नता के लिए भत्ता और व्यापार प्राप्त्य से घटाए गए कोयले पर नमी का प्रावधान।

ख) उचित मूल्य अनुक्रम

वित्तीय साधन के उचित मूल्यों को निर्धारित करने हेतु लिए गए फैसलों एवं अनुमानों को नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है, जिसे (क) उचित मूल्य पर मापा तथा पहचाना जाता है एवं (ख) परिशोधित लागत पर मापा जाता है तथा जिसके लिए वित्तीय विवरणी में उचित मूल्यों का उल्लेख भी किया गया है। उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए उपयोग किये गए इनपुट की विश्वसनीयता के बारे में एक संकेत प्रदान करने हेतु कंपनी ने अपने वित्तीय साधन को लेखांकन मानक के तहत निर्धारित तीन स्तरों में विभाजित किया है।

(रु. करोड़ में)

उचित मूल्य पर वित्तीय संपत्तियों और देयताओं को मापा गया	31.03.2021		31.03.2020	
	स्तर 1	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 3
एफवीटीपीएल में वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
निवेश :				
म्यूचुअल फंड/आईसीडी	2856.03		0.46	

उचित मूल्य पर वित्तीय संपत्तियों और देयताओं को मापा गया -आवर्ती उचित मूल्य प्रकट किया गया	31.03.2021		31.03.2020	
	स्तर 1	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 3
वित्तीय परिसंपत्तियाँ				
निवेश :				
सुरक्षित बांड		849.95		958.70
सहकारी शेयर				
ऋण		626.29		1126.52
जमा एवं प्राप्त्य		FALSE		1747.48
व्यापार प्राप्त्य		1292.63		1323.07
नगद एवं नगद समतुल्य		1010.55		71.43
अन्य बैंक शेष		7250.00		12303.35
वित्तीय देयताएँ				
उधार		5.03		1711.93
व्यापार देय		258.05		409.37
प्रतिभूति जमा एवं बयाना		366.53		286.78
अन्य देयताएँ		1864.93		1640.82

प्रत्येक स्तर का एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।:

स्तर 1: स्तर 1 पदानुक्रम में उद्धृत कीमतों का उपयोग करके वित्तीय साधनों का मूल्यांकन किया गया है। इसमें म्यूचुअल फंड शामिल है जिसका मूल्यांकन रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार क्लोजिंग नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) का उपयोग करके किया जाता है।

स्तर 2: ये वित्तीय उपकरण जिनका सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं किया गया है, उनके उचित मूल्य का निर्धारण मूल्यांकन तकनीक का उपयोग करके किया जाना अपेक्षित है, जो कि निरीक्षण बाजार के आंकड़ों के उपयोग को अधिक बढ़ाता है एवं इकाई विशिष्ट के अनुमानों पर यथासंभव कम निर्भर करता है। उचित मूल्य के लिए जरूरी सभी महत्वपूर्ण निविष्टियाँ स्तर-2 में उपकरण के रूप में शामिल की गई हैं।

स्तर 3: यदि एक या अधिक महत्वपूर्ण निविष्टियाँ प्रत्यक्ष बाजार के आंकड़ों पर आधारित नहीं हो तो उपकरण स्तर 3 में उसे शामिल किया जाएगा। यह निवेश, सुरक्षा जमा और स्तर 3 में शामिल अन्य देनदारियों के मामले में है।

(ग) उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए मूल्यांकन तकनीक का उपयोग:

मूल्यांकन तकनीक का उपयोग वित्तीय साधनों के लिए किया जाता है, जिसमें बाजार में उपकरणों के उद्धृत कीमत (एनएवी) को म्यूचुअल फंड में निवेश के संबंध में शामिल किया गया है।

(घ) महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष इनपुट का उपयोग कर उचित मूल्य मापन:

वर्तमान में कोई भी उल्लेखनीय अप्रभावित निवेश का प्रयोग कर उचित मूल्य का मापन नहीं किया गया है।

(ङ) वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देनदारियों के उचित मूल्य, परिशोधित लागत पर मापे जाते हैं

उनके अल्पावधि के कारण व्यापार प्राप्तियों की वर्तमान राशि, अल्पावधि जमा, नकद एवं नकद समकक्ष तथा व्यापार भुगतान को उनके उचित मूल्यों के समान ध्यान में लिया जाता है।

कंपनी का मानना है कि सुरक्षा जमा को महत्वपूर्ण वित्तीय घटक में शामिल न किया जाये। माइलस्टोन के रूप में (सुरक्षा जमा) भुगतान कंपनी के प्रदर्शन के साथ मेल खाते हैं और अनुबंध के लिए वित्तीय प्रावधान के अतिरिक्त अन्य कारणों के रख-रखाव की अपेक्षित राशि को पूर्ण करती है। यदि ठेकेदार अनुबंध के तहत अपने दायित्वों को पूर्ण करने में असफल होते हैं तो प्रत्येक माइलस्टोन भुगतान निदिष्ट प्रतिशत धारण कर कंपनी के हित की रक्षा करते हैं। तदुसार, सुरक्षा जमा की लेन-देन लागत को प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य माना जाता है और बाद में उसे अमूर्त लागत पर मापा जाता है।

महत्वपूर्ण अनुमान: एक सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं करने वाले वित्तीय साधनों का उचित मूल्य मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। कंपनी एक विधि का चयन करने के लिए अपने निर्णय का उपयोग करती है और प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उपयुक्त धारणा बनाती है।

3 वित्तीय जोखिम प्रबंधन

वित्तीय जोखिम प्रबंधन उद्देश्य एवं नीतियां

कंपनी के मुख्य देयताओं में ऋण, उधार, व्यापार एवं अन्य देय आदि शामिल हैं। इन वित्तीय देयताओं का मुख्य उद्देश्य कंपनी के संचालन हेतु उन्हें वित्तीय सहायता एवं गारंटी प्रदान करना है। कंपनी के मुख्य वित्तीय परिसंपत्तियों में संचालन से सीधे व्युत्पन्न ऋण, व्यापार एवं अन्य प्राप्तियां, नगद एवं नगद समकक्ष शामिल हैं।

कंपनी बाजार क्रेडिट एवं नकदी जोखिम के प्रभाव में है। कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन इन जोखिमों की निगरानी करते हैं। कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन जोखिम समिति के द्वारा अवलंबित किए गए हैं, जो परस्पर वित्तीय जोखिम तथा समूह के लिए उपयुक्त वित्तीय जोखिमों के शासन ढांचे पर अपनी सलाह देते हैं। जोखिम समिति अपना आधासन निदेशक मंडल को देती है कि कंपनी की वित्तीय जोखिम गतिविधियों के लिए उचित नीतियां एवं प्रक्रिया द्वारा शासित होती हैं तथा वित्तीय जोखिम कंपनी के नीतियों एवं जोखिम बैंकों के उद्देश्यानुसार पहचाने, मापे एवं प्रबंधित किए जाते हैं। निदेशक मंडल जोखिमों के प्रबंधन हेतु की गई समीक्षा एवं नीतियों से सहमत है, जो संक्षेप में नीचे दिए गए हैं।

यह टिप्पणी जोखिम के स्रोतों की जानकारी देती है जिससे यह स्पष्ट है कि यह इसके इकाई के संपर्क में है तथा किस तरह यह जोखिम एवं वित्तीय लेखांकन विवरण के प्रभावों का प्रबंधन करती है।

जोखिम	जोखिम से उत्पन्न	माप	प्रबंधन
क्रेडिट जोखिम	नकद एवं नकद समकक्ष, परिशोधित लागत पर मापे गए वित्तीय परिसंपत्तियां, व्यापार प्राप्तियां	कालप्रभाव विश्लेषण / क्रेडिट रेटिंग	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश), बैंक जमा क्रेडिट सीमा विविधीकरण एवं अन्य प्रतिभूतियां
नकदी जोखिम	उधार एवं अन्य देयताएं	वार्षिक नकदी प्रवाह	प्रतिबद्धित क्रेडिट लाइन उपलब्धता एवं उधार की सुविधाएं
बाजार जोखिम – विदेशी विनियम	भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन, मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति एवं देयताएं	नकदी प्रवाह का संवेदनशीलता पूर्वानुमान	लेखा समिति एवं वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से निगरानी एवं समीक्षा
बाजार जोखिम – व्याज दर	नकद एवं नकद समकक्ष, बैंक जमा तथा म्यूचुअल फंड	नकदी प्रवाह का संवेदनशीलता पूर्वानुमान	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश), वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से निगरानी एवं समीक्षा

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21

भारत सरकार द्वारा जारी किए गए डीपीई के दिशानिर्देशानुसार निदेशक मंडल द्वारा कंपनी के जोखिम का प्रबंधन किया जाता है। मंडल अत्यधिक नगदी निवेश की नीतियों सहित कुल प्रबंधन जोखिम हेतु लिखित रूप में मूलधन प्रदान करती है।

क्रेडिट जोखिम प्रबंधन:

प्राप्तियां मुख्य रूप से कोयले की बिक्री से उत्पन्न होती हैं। कोयले की बिक्री ई-नीलामी एवं ईंधन आपूर्ति अनुबंध(एफ.एस.ए.) के माध्यम से की गई बिक्री के अंतर्गत वर्गीकृत है।
यूहद आर्थिक जानकारी (जैसे की विनियामक परिवर्तन) को ईंधन आपूर्ति अनुबंध(एफ.एस.ए.) एवं ई-नीलामी शर्तों के हिस्से के रूप में शामिल किया गया है।

ईंधन आपूर्ति अनुबंध (एफएसए)

एन.सी.डी.पी. के शर्तों के अनुसार एवं इस पर विचार करते हुए हम अपने ग्राहकों या राज्य नामांकित एजेंसियों के साथ कानूनी तौर पर लागू किये गए एफएसए में प्रवेश करते हैं, जो बदले में अंतिम ग्राहकों(इंड कस्टमर्स) के साथ उचित वितरण व्यवस्था में प्रवेश करता है। हमारे एफएसए को निम्न तरीके से वर्गीकृत किया जा सकता है :

- ऊर्जा उपयोगिता क्षेत्र, राज्य ऊर्जा उपयोगिता, निजी ऊर्जा उपयोगिता (पीपीयूस) तथा स्वतंत्र ऊर्जा उत्पादक (आईपीयूस) में ग्राहकों के साथ (एफएसएएस);
- गैर ऊर्जा उद्योग (कैपिटल पावर प्लांट(सीपीपीएस)) में ग्राहकों के साथ एफएसएएस; तथा
- राज्य द्वारा नामित एजेंसियों के साथ एफएसएएस।

ई-नीलामी योजना-

जो ग्राहक कोयला की आवश्यकताओं को एनसीडीपी के अंतर्गत उपलब्ध संस्थागत तंत्र के माध्यम से पूर्ण नहीं कर पा रहे हैं, उनको कोयला उपलब्ध कराने हेतु कोयला ई-नीलामी योजना का प्रारंभ किया गया है। उदाहरणतः एनसीडीपी के तहत आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु आवंटन में की गई कमी, मौसम के अनुरूप कोयले की आवश्यकताओं का उपयोग एवं सीमित कोयले की आवश्यकताएं जो दीर्घायु लिफ्टेज की आधारस्ति नहीं देते हैं, वे इसके अंतर्गत आते हैं। ई-नीलामी के तहत प्रस्तावित कोयले की मात्रा की समीक्षा कोल मंत्रालय द्वारा समय-समय पर की जाती है।

अपेक्षित क्रेडिट हानि के लिए प्रावधान: कंपनी संदेहपूर्ण/परिसंपत्ति में हुए क्रेडिट हानि हेतु अपेक्षित क्रेडिट जोखिम हानि को जीवन भर अपेक्षित क्रेडिट हानि द्वारा प्रदान करती है। (सरलीकृत दृष्टिकोण)

सरलीकृत दृष्टिकोण के तहत व्यापार प्राप्तियां हेतु अपेक्षित क्रेडिट हानि :-

दिनांक-31.03.2021 के अनुसार

विवरण	दो महीनों के लिए	छः माह के लिए	एक वर्ष के लिए	2 वर्ष के लिए	3 वर्ष के लिए	3 वर्ष से अधिक के लिए	कुल
कुल बहन राशि	1,049.41	164.37	57.72	26.90	22.42	57.36	1,378.18
अपेक्षित हानि दर %			21.57%	84.21%	99.48%	49.08%	6.21%
अपेक्षित क्रेडिट हानि (हानि भत्ता प्रावधान)			12.45	22.65	22.3	28.15	85.55

31.03.2020 के अनुसार

विवरण	दो महीनों के लिए	छः माह के लिए	एक वर्ष के लिए	2 वर्ष के लिए	3 वर्ष के लिए	3 वर्ष से अधिक के लिए	कुल
कुल बहन राशि	920.80	373.82	16.98	0.09	5.45	58.21	1375.35
अपेक्षित हानि दर						89.81%	3.80%
अपेक्षित क्रेडिट हानि (हानि भत्ता प्रावधान)						52.28	52.28

हानि भत्ता प्रावधान का समाधान - व्यापार प्राप्त

दिनांक-01.04.2020 तक हानि भत्ता	(रु. करोड़ में)
हानि भत्ता में परिवर्तन	52.28
दिनांक-31.03.2021 तक हानि भत्ता	33.27
	85.55

वित्तीय परिसम्पत्तियों में हुए हानि हेतु किये गए महत्वपूर्ण आकलन एवं निर्णय

ऊपर बताए गए वित्तीय संपत्ति के लिए हानि प्रावधान की धारणा अपेक्षित हानि दर तथा न्यूनतम जोखिम पर आधारित होती है। कंपनी इन मान्यताओं को बनाने के लिए अतीत के इतिहास, मौजूदा बाजार की स्थिति और प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में किए गए हानि के आकलनों के आधार पर इनपुट का चयन करती है।

नगदी जोखिम

विवेकपूर्ण नगदी जोखिम प्रबंधन देय दायित्वों को पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध क्रेडिट सुविधाओं की पर्याप्त मात्रा के तहत नगदी और बिक्री योग्य प्रतिभूतियों को बनाए रखता है तथा धन की उपलब्धता को भी दर्शाता है। अंतर्निहित व्यवसायों की प्रकृति के कारण कंपनी भंडार की प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए वित्त पोषण में लचीलापन रखता है।

बाजार जोखिम

क) विदेशी मुद्रा जोखिम

विदेशी मुद्रा जोखिम भविष्य के वाणिज्यिक लेन-देन, मान्य संपत्तियों या एक मुद्रा में मूल्यवर्ग देनदारियों से उत्पन्न होती है जो कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा (भारतीय रुपये) नहीं है। कंपनी विदेशी मुद्रा लेनदेन से उत्पन्न होने वाली विदेशी विनिमय जोखिम को प्रदर्शित होता है। विदेशी ऑपरेशन के संबंध में विदेशी विनिमय जोखिम को अप्रभावी माना जाता है। कंपनी आयात भी करती है और नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई द्वारा जोखिम प्रबंधन किया जाता है। कंपनी की एक नीति है जिसे लागू किया जाता है, जब विदेशी मुद्रा जोखिम प्रभावी हो जाती है।

ख) नगदी प्रवाह एवं उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम

कंपनी में उत्पन्न मुख्य ब्याज दर जोखिम बैंक जमा पर ब्याज दर में बदलाव के कारण उत्पन्न होता है जो नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम को कंपनी पर प्रकट करता है। कंपनी की नीति अपनी अधिकांश जमा राशि को निश्चित दर पर बनाए रखने की है।

कंपनी सार्वजनिक उपक्रम के विभाग, क्रेडिट सीमित बैंक जमा विविधिकरण एवं अन्य प्रतिभूतियों से प्राप्त दिशानिर्देशों का उपयोग कर जोखिम प्रबंधन करता है।

पूँजी प्रबंधन

कंपनी एक सरकारी इकाई होने के नाते वित्त मंत्रालय के तहत निवेश विभाग एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन के दिशानिर्देशों के अनुसार अपनी पूँजी का प्रबंध करती है।

कंपनी की पूँजी संरचना निम्नानुसार है :

	(रु. करोड़ में)	
	31.03.2021	31.03.2020
इक्विटी शेयर पूँजी	661.84	661.84
दीर्घकालिक ऋण	5.03	5.48

4 कर्मचारी लाभ : मान्यता और माप (भारतीय लेखांकन मानक-19)

परिभाषित लाभ योजनाएं :

क) उपदान

कंपनी पात्र कर्मचारियों को कवर करते हुए उपदान, रोजगार के बाद परिभाषित लाभ योजना ("उपदान योजना") प्रदान करती है। उपदान योजना पूरी तरह से भारतीय जीवन बीमा निगम के ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित है, जिसमें नियोक्त का योगदान मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 2.01% है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने 5 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा की है, सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर उपदान राशि प्राप्त करने का हकदार है (महीने में 15 दिन/26 दिन * अंतिम आहरित वेतन और महंगाई भत्ता* सेवा के पूर्ण वर्ष)। उपदान भुगतान अधिनियम 1972 के संशोधित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए, कंपनी से अलग होने के समय अधिकतम 0.20 करोड़ रुपये है। उपदान योजना के संबंध में बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त देयता या परिसंपत्ति रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य है, जिसमें से योजना संपत्ति का उचित मूल्य कम है। परिभाषित लाभ दायित्व की गणना प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके बीमांकिक द्वारा की जाती है। अनुभव समायोजन और बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले पुनः माप लाभ और हानियों को उस वर्ष में मान्यता दी जाती है, जिसमें वे सीधे अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में होते हैं।

ख) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - अधिकारी (सीपीआरएमएसई)

कंपनी के पास सेवानिवृत्ति के उपरान्त चिकित्सा लाभ योजना की सुविधा है जिसे सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियाँ (सीपीआरएमएसई) के अधिकारियों के लिए अंशदायी पोस्ट सेवानिवृत्ति चिकित्सा योजना के रूप में जाना जाता है, केवल भारत में कंपनी अस्पताल / पैनल में शामिल अस्पतालों या बाहरी मरीज / अधिवास में अधिकारियों और उनके जीवनसाथी को चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है, अधिकतम सीमा तक, सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति के कारण या चिकित्सा आधार पर कंपनी द्वारा उन्हें अलग किया जाता है या समय-समय पर लागू और लागू होने वाली सामान्य कोयला संवर्ग या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत सेवानिवृत्ति की जाती है। सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों की सेवाओं से इस्तीफा देने वाले अधिकारी को सदस्यता नहीं दी जाती है। किसी सीमा के निर्दिष्ट बीमारियों को छोड़कर, संयुक्त रूप से या अलग-अलग सेवानिवृत्त अधिकारियों और पति या पत्नी के लिए पूरे जीवन के दौरान प्रतिपूर्ति योग्य अधिकतम राशि 25 लाख रुपये है। इस योजना को केवल इस उद्देश्य से कि कंपनी स्तर पर सीआईएल द्वारा बनाए गए ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है, जिसमें नियोक्त का योगदान प्रति माह मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 2% होता है।

परिभाषित योगदान योजनाएं

क) भविष्य निधि और पेंशन

कंपनी पात्र कर्मचारियों के निर्धारित वेतन के निर्धारित प्रतिशत तथा: 12 प्रतिशत तथा 7 प्रतिशत मूल वेतन एवं महंगाई भत्ता के पूर्व निर्धारित भविष्य निधि तथा पेंशन के अंशदान का भुगतान एक अलग ट्रस्ट जिसका नाम कोयला खान भविष्य निधि (सीएमपीएफ) है से करती है। इस निधि में अंशदान की राशि दिनांक: 31.03.2021 तक वर्ष में 423.04 करोड़ रही है।

ख) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - गैर-कार्यकारी (सीपीआरएमएसई-एनई)

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक भाग के रूप में, कंपनी गैर-कार्यकारी (सीपीआरएमएसई-एनई) के लिए अंशदायी सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा योजना प्रदान कर रही है, जिसमें कंपनी द्वारा निश्चित राशि का योगदान किया जा रहा है और लाभ और हानि के विवरण के लिए चार्ज किया जाता है।

ग) सीआईएल अधिकारी परिभाषित अंशदान पेंशन योजना (एनपीएस)

कंपनी कंपनी के अधिकारियों को रोजगार के बाद अंशदायी पेंशन योजना प्रदान करती है जिसे "सीआईएल अधिकारी परिभाषित अंशदान पेंशन

योजना -2007" (नई पेंशन योजना "एनपीएस" के रूप में जाना जाता है) के रूप में जाना जाता है। एनपीएस को कंपनी स्तर पर अलग ट्रस्ट के

माध्यम से चलाया जाता है जो पूरी तरह से इस उद्देश्य के लिए गठित है। नियोजन का योगदान मूल और महंगाई भत्ते के 6.99% लाभ और हानि के

विवरण के लिए प्रसारित किया जाता है।

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

क) नकदीकरण भुगतान

कंपनी कंपनी के अधिकारियों को 30 दिनों की कुल अर्जित अवकाश (ईएल) और 20 दिनों के आधे भुगतान अवकाश (एचपीएल) का लाभ प्रदान करती है, जो हर साल जनवरी और जुलाई के पहले दिन अर्धवार्षिक आधार पर अर्जित और जमा किया जाता है। सेवा के दौरान, 75% ईएल जमा शेष राशि प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में एक बार भुगतान किया जा सकता है, जो अधिकतम 60 दिनों के ईएल नकदीकरण की सीमा के अधीन है। संवित एचपीएल को सेवा की अवधि के दौरान नकदीकरण की अनुमति नहीं है। सेवानिवृत्ति पर, ईएल और एचपीएल को एक साथ नकदीकरण के लिए मना जाता है, जो एचपीएल के कम्प्यूटेशन के बिना 300 दिनों की समय सीमा के अधीन है। गैर-अधिकारियों (कर्मचारियों) के मामले में, अवकाश का नकदीकरण राष्ट्रीय कोयला मजदूरी समझौते (एनसीडब्ल्यूए) द्वारा परिचालित है और वर्तमान में कामगार प्रति वर्ष 15 दिनों की दर से अर्जित अवकाश का नकदीकरण प्राप्त करने का हकदार है और जिसे मृत्यु के उपरांत उक्त सेवा को समाप्त की जाती है, सेवानिवृत्ति, और वीआरएस, शेष अवकाश या 150 दिन जो भी कम हो, को भुगतान करने की अनुमति है। इसलिए अर्जित अवकाश की देनदारियों को सेवा के दौरान और साथ ही कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के बाद निपटारा किया जाता है। अतः उन्हें अनुमानित इकाई क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके रिपोर्टिंग अवधि तक कर्मचारियों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के संबंध में दिए जाने वाले अपेक्षित भविष्य भुगतान को वर्तमान मूल्य के रूप में मापा जाता है। रिपोर्टिंग अवधि के अंत में याजार प्रतिफल का उपयोग करके लाभों को छूट दी जाती है, जिसमें संबंधित दायित्व की शर्तों के अनुसार होती है। यह योजना पूरी तरह से भारतीय जीवन बीमा निगम के विश्वास के माध्यम से चित पोषित है।

ख) जीवन बीमा योजना (एलसीएस)

वैतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के हिस्से के रूप में, कंपनी के पास जीवन बीमा योजना के तहत जमा लिंक बीमा योजना है, जिसे 1976 के में श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया है, जिसे "कोल इंडिया लिमिटेड की जीवन बीमा योजना" (एलसीएस) के रूप में जाना जाता है। योजना के तहत 01.10.2017 से 1,25,000 रुपये की राशि का भुगतान किया गया है। योजना के तहत देयता प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार कंपनी द्वारा वहन की जाती है।

ग) व्यवस्थापन भत्ता

वैतन समझौते के हिस्से के रूप में, एनसीडब्ल्यूए के तहत शासित सभी गैर-अधिकारी संवर्ग कर्मचारियों को 31.10.2010 या उसके बाद सेवानिवृत्ति भत्ते के रूप में 12000/- रुपये की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के लिए देयता को प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

घ) समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (जीपीएआईएस)

कंपनी ने "कोल इंडिया एक्जीक्यूटिव्स ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट इश्योरेंस स्कीम" (जीपीएआईएस) के तहत व्यक्तिगत दुर्घटना के प्रति कंपनी के अधिकारियों को कवर करने के लिए यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से समूह बीमा योजना ली है। जीपीएआईएस दुनिया भर में 24 घंटे में सभी प्रकार की दुर्घटनाओं को कवर करता है। योजना का प्रीमियम कंपनी द्वारा वहन किया जाता है। योजना के लिए देयता को प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

झ) अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)

वैतन समझौते के भाग के रूप में, गैर-अधिकारी कर्मचारी 4 साल के ब्लॉक में एक बार अपने निवास स्थान और "भारत भ्रमण" के लिए यात्रा

सहायता के हकदार हैं। निवास स्थान और "भारत भ्रमण" का दौरा करने के लिए क्रमशः रु 8000/- और रु 12000/- की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के तहत देयता को प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

च) खान दुर्घटना लाभ पर आशितों को मुआवजा

वैतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक भाग के रूप में, कंपनी कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923 के तहत स्वीकार्य लाभ प्रदान करती है। दिनांक 07.11.2019 से घातक खनन दुर्घटना के मामले में कर्मचारी के परिजनों को 15 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया जाता

है। इस योजना के तहत देयता को प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

परिभाषित लाभ योजनाओं, परिभाषित योगदान योजनाओं और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाओं की वित्तीय स्थिति, जिनका मूल्यांकन बीमांकिक आधार पर किया जाता है, निम्नानुसार हैं:

(i) फंडेड

- उपदान
- अवकाश नकदीकरण
- चिकित्सा लाभ
- भविष्य निधि
- सेवा निवृत्त योजनाएं
- अनफंडेड

(ii) अनफंडेड

- जीवन सुरक्षा योजना
- व्यवस्थापन भत्ता
- समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा
- यात्रा छुट्टी रियायत
- खान दुर्घटना लाभ पर आशितों को मुआवजा

विवरण	(रु. करोड़ में)		
	दिनांक -01.04.2020 पर प्रारंभिक बीमांकिक देयता	वर्ष के दौरान चुद्धित देयता	दिनांक- 31.03.2021 पर समाप्त बीमांकिक देयता
उपदान	1,247.11	71.69	1,318.80
अर्जित फुट्टी	340.86	38.70	379.56
अर्ध वेतन फुट्टी	61.91	7.99	69.90
जीवन सुरक्षा योजना	6.14	(0.17)	5.97
अधिकारियों के लिए निपटान भत्ता	6.16	0.25	6.41
गैर-अधिकारियों के लिए निपटान भत्ता	9.23	(0.21)	9.02
समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना	0.12	-	0.12
यात्रा फुट्टी रियायत	28.78	(0.45)	28.33
अधिकारियों के लिए चिकित्सा लाभ	115.22	11.53	126.75
गैर-अधिकारियों के लिए चिकित्सा लाभ	5.07	4.48	9.55
खान दुर्घटना लाभ पर आश्रितों को मुआयजा	27.21	0.67	27.88
कुल	1847.81	134.48	1982.29

दिनांक-31.03.2021 के अनुसार उपदान देयता का बीमांकिक मूल्यांकन भारतीय लेखांकन मानक 19 (2015) के अनुसार प्रमाणपत्र

(रु. करोड़ में)

1.

परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
वर्ष के प्रारंभ में कार्य का वर्तमान मूल्य	1,247.11	1,115.30
चालू सेवा लागत	77.36	70.18
व्याज लागत	80.87	69.45
प्रतिभागी योगदान	-	-
योजना संशोधन: वर्ष के अंत में निहित भाग (पूर्व सेवा)	-	-
योजना संशोधन: वर्ष के अंत में गैर-निहित भाग (पूर्व सेवा)	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण कार्य में बीमांकिक(लाभ)/घाटा	(26.10)	83.94
जनसांख्यिकीय धारणा में परिवर्तन के कारण दायित्वों पर बीमांकिक लाभ/हानि	-	-
अप्रत्याशित अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ)/घाटा	72.67	34.26
अन्य कारणों से दायित्वों पर बीमांकिक लाभ/हानि	-	-
विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
भुगतान किया गया लाभ	133.11	126.01
भुगतान किया गया लाभ	-	-
दायित्व का निपटान/हस्तांतरण	-	-
कटौती लागत	-	-
निपटान लागत	-	-
अन्य (मूल्यांकन तिथि के अंत में अस्थिर देयता)	-	-
अवधि के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,318.80	1,247.11

(रु. करोड़ में)

2.

संपत्ति योजना के उचित मूल्य में परिवर्तन	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
वर्ष के प्रारंभ में संपत्ति योजना का उचित मूल्य	1,190.06	1,092.78
व्याज आय	81.52	72.12
कर्मचारी योगदान	144.33	137.80
प्रतिभागियों का योगदान	-	-
अधिश्रृंखल/व्यापार संयोजन	-	-
निपटान लागत	-	-
भुगतान लाभ	133.11	126.01
संपत्ति सीलिंग का प्रभाव	-	-
विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
प्रशासनिक व्यय और बीमा प्रीमियम	-	-
व्याज आय को छोड़कर योजनागत आस्तियों पर प्रतिलाभ	(3.43)	13.37
अवधि के अंत में योजना परिसंपत्ति का उचित मूल्य	1,279.37	1,190.06

3.	तुलनपत्र में सामंजस्य प्रदर्शित करती विवरणी		(रु. करोड़)
		31.03.2021	31.03.2020
	लगाई गई राशि की स्थिति	(39.44)	(57.05)
	अप्रत्याशित पिछली सेवा लागत	-	-
	वर्ष के अंत में अप्रत्याशित बीमांकिक लाभ/हानि	-	-
	मापन के बाद की तिथि नियोजन का योगदान (अपेक्षित)	-	-
	अनफंडेड उपाजित/प्रोपेड पेशन लागत	-	-
	संपत्ति निधि	1,279.37	1,190.06
	देयता निधि	1,318.80	1,247.11

4.	योजना मान्यताओं को दर्शाते वक्तव्य ::		31.03.2021	31.03.2020 के अनुसार
	फ़ूट दर	6.85%	6.85%	6.60%
	संपत्ति योजना पर अपेक्षित लाभ	6.85%	6.85%	6.60%
	मुआवजा बढ़ोतरी दर (वैतन मुद्रास्फीति)	अधिकारी- 9.00%	अधिकारी- 9.00%	कर्मचारी- 6.25%
		कर्मचारी- 6.25%	कर्मचारी- 6.25%	
	पेशन वृद्धि दर	अनुपलब्ध		
	औसत अपेक्षित भाविष्य सेवा (शेष जीवन कार्य)	13.14		
	मृत्युदर तालिका	आईएएलएम 2006-2008 परम		
	उम्र में सेवानिवृत्ति	60	60	
	पूर्व सेवानिवृत्ति एवं अशक्तता	0.30%	0.30%	

5.	लाभ व हानि विवरण में चिन्हित किए गए व्यय		(रु. करोड़ में)
		समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2021	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2020
	वर्तमान सेवा लागत	77.36	70.18
	पूर्व सेवा लागत(निर्दिष्ट)	-	-
	पूर्व सेवा लागत (गैर-निर्दिष्ट)	-	-
	शुद्ध व्याज लागत	(0.65)	(2.67)
	निपटान पर लागत(हानि)/(लाभ)	-	-
	कटौती पर लागत (हानि)/(लाभ)	-	-
	बीमांकिक लाभ हानि केवल पिछले वर्ष के लिए लाभ	-	-
	कर्मचारी अपेक्षित योगदान	-	-
	विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का शुद्ध प्रभाव	-	-
	लाभ लागत (लाभ व हानि विवरण में चिन्हित किए गए व्यय)	76.71	67.51

6.	अन्य व्यापक आय		(रु. करोड़ में)
		समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2021	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2020
	वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण कार्य में बीमांकिक (लाभ)/हानि	(26.10)	83.94
	जनसांख्यिकीय धारणा में परिवर्तन के कारण दायित्वों पर बीमांकिक लाभ/हानि	-	-
	बीमांकिक (लाभ)/अप्रत्याशित अनुभव के कारण दायित्वों पर हानि	72.67	34.26
	अन्य कारणों से दायित्वों पर बीमांकिक लाभ/हानि	-	-
	कुल बीमांकिक लाभ/हानि	46.57	118.20
	योजना परिसंपत्ति की वापसी, व्याज आय को छोड़ कर	(3.43)	13.37
	संपत्ति सीलिंग का प्रभाव	-	-
	अवधि समाप्ति पर उपलब्ध शेष	50.00	104.82
	अन्य व्यापक आय में निर्दिष्ट अवधि में निवल (आय)/व्यय	50.00	104.82

7.	अंतिम मापन अवधि पर योजनागत आस्तियों का आवंटन		31.03.2020
	नकद और नकद समकक्ष	-	-
	निवेशित राशि	-	-
	योगिक	-	-
	संपत्ति समर्थित प्रतिभूतियां	-	-
	सरचित कृण	-	-
	वास्तविक सम्पदाएं	-	-

विशेष जमा योजना	-	-
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	-	-
भारत सरकार की संपत्ति	-	-
कॉरपोरेट बॉन्ड	-	-
ऋण प्रतिभूतियां	-	-
वार्षिकी अनुबंध/बीमा निधि	-	-
अन्य	-	-
कुल	-	-

8.	अंतिम मापन अवधि पर योजनागत आस्तियों के % में कुल आबंटन	31.03.2021	31.03.2020
	नकद और नकद समकक्ष	-	-
	निर्देशित राशि	-	-
	यौगिक	-	-
	संपत्ति समर्थित प्रतिभूतियां	-	-
	सरचित ऋण	-	-
	वास्तविक सम्पदाएं	-	-
	विशेष जमा योजना	-	-
	राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	-	-
	भारत सरकार की परिसंपत्ति	-	-
	कॉरपोरेट बॉन्ड	-	-
	ऋण प्रतिभूतियां	-	-
	वार्षिकी अनुबंध/बीमा निधि	-	-
	अन्य	-	-
	कुल	-	-

9.	मृत्यु दर तालिका	
	आयु	मृत्यु दर (प्रति वर्ष)
	25	0.000931
	30	0.000977
	35	0.001202
	40	0.00168
	45	0.002579
	50	0.004436
	55	0.007513
	60	0.011162
	65	0.015932
	70	0.024058

10.	उपदान देयता का संवेदनशीलता विश्लेषण	31.03.2021		31.03.2020	
		वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
	एस्ट दर (-/+ 0.5%)	1269.31	1371.95	1201.64	1295.77
	संवेदनशीलता के आधार पर परिवर्तन %	-3.753%	4.030%	-3.646%	3.902%
	वैतन वृद्धि (-/+ 0.5%)	1348.74	1288.27	1275.96	1217.79
	संवेदनशीलता के आधार पर परिवर्तन %	2.270%	-2.315%	2.313%	2.351%
	दुर्घटना दर (-/+ 0.5%)	1318.87	1318.74	1248.25	1245.98
	संवेदनशीलता के आधार पर परिवर्तन %	0.005%	-0.005%	0.091%	-0.091%
	मृत्यु दर (-/+ 10%)	1319.36	1318.25	1254.62	1239.60
	संवेदनशीलता के आधार पर परिवर्तन %	0.042%	-0.042%	0.602%	-0.602%

11.	नगद प्रवाह की जानकारी प्रदर्शित करती तालिका	(रु. करोड़ में)
	आगामी वर्ष के लिए कुल (संग्रहित)	1335.97
	न्यूनतम निधि आवश्यकताएं	105.23
	कंपनी का विवेकाधिकार	-

12.

अनुमानित भावी भुगतान के लिए लाभ सूचना (पिछली सेवा)	(रु. करोड़ में)
वर्ष	
1	131.82
2	137.48
3	141.91
4	139.02
5	144.65
6 to 10	644.37
10 वर्ष से अधिक	1,272.85
अतीत और भविष्य की सेवा के लिए कुल छूट रहित भुगतान	-
पिछली सेवा से संयोजित कुल छूट रहित भुगतान	2,612.10
व्याज के लिए कम छूट	1,293.30
अनुमानित लाभ दायित्व	1,318.80

13.

शुद्ध आवधिक लाभ लागत के अगले वर्ष के दृष्टिकोण को दर्शाने वाला विवरण।	(रु. करोड़ में)
अगली अवधि के लिए वर्तमान सेवा लागत (केवल नियोज्य भाग)	79.30
अगली अवधि के लिए व्याज लागत	85.82
योजना संपादन पर अपेक्षित प्रतिफल	90.34
अपरिचित विगत सेवा लागत	-
अवधि के अंत में अपरिचित बीमाकिक/लाभ हानि	-
निपटान लागत	-
कटौती लागत	-
अन्य (बीमाकिक लाभ/हानि)	-
लाभ लागत	74.79

14.

शुद्ध देयता का विभाजन	31.03.2021	31.03.2020
चालू देयता	127.53	124.22
गैर-चालू देयता	1191.27	1122.89
शुद्ध देयता	1318.80	1247.11

दिनांक-31.03.2021 में छुट्टी नकदीकरण लाभ (ई.एल./एच.पी.एल.) के रूप में बीमाकिक मूल्यांकन भारतीय लेखांकन मानक 19 (2015) के अनुसार प्रमाण-पत्र

1.

परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
वर्ष के प्रारंभ में कार्य का वर्तमान मूल्य	402.77	341.19
चालू सेवा लागत	28.51	27.01
व्याज लागत	26.61	19.33
सहभागी योगदान	-	-
योजना संशोधन: अवधि के अंत में निहित भाग (पूर्व सेवा)	-	-
योजना संशोधन: अवधि के अंत में गैर-निहित भाग (पूर्व सेवा)	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण कार्य में बीमाकिक(लाभ)/घाटा	-11.09	33.34
जनसांख्यिकीय धारणा में परिवर्तन के कारण दायित्वों पर बीमाकिक लाभ/हानि	-	-
अप्रत्याशित अनुभव के कारण बीमाकिक (लाभ)/घाटा	31.27	78.61
अन्य कारणों से दायित्वों पर बीमाकिक लाभ/हानि	-	-
विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
भुगतान किए गए लाभ	28.61	96.71
अधिग्रहण समायोजन	-	-
दायित्व का निपटान/स्थानांतरण	-	-
कटौती लागत	-	-
निपटान लागत	-	-
अन्य (मूल्यांकन तिथि के अंत में अस्थिर देयता)	-	-
अवधि के अंत में कार्य का वर्तमान मूल्य	449.46	402.77

संपत्ति योजना के उचित मूल्य में परिवर्तन	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
वर्ष के प्रारंभ में संपत्ति योजना का उचित मूल्य	252.11	273.16
व्याज आय	17.27	18.03
कर्मचारी योगदान	44.16	58.54
प्रतिभागियों का योगदान	-	-
अधिग्रहण/व्यापार संयोजन	-	-
निपटान लागत	-	-
भुगतान किए गए लाभ	28.61	96.71
संपत्ति सीलिंग का प्रभाव	-	-
विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
प्रशासनिक व्यय और बीमा प्रीमियम	-	-
व्याज आय छोड़कर संपत्ति योजना पर लाभ	0.59	(0.90)
अवधि के अंत में संपत्ति योजना का उचित मूल्य	285.53	252.11

तुलनपत्र में सामंजस्य प्रदर्शित करती विवरणी	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
नियोजित राशि की स्थिति	(163.92)	(150.65)
संपत्ति निधि	285.53	252.11
देयता निधि	449.46	402.77

योजना मान्यताओं को दर्शाते वक्तव्य :	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
छूट दर	6.85%	6.60%
संपत्ति योजना पर अपेक्षित लाभ	6.85%	6.60%
मुआवजा बढ़ोतरी दर (वैतन मुद्रास्फीति)	अधिकारियों के लिए 9.00% और कर्मचारियों के लिए 6.25%	अधिकारियों के लिए 9.00% और कर्मचारियों के लिए 6.25%
पेंशन वृद्धि दर	अनुपलब्ध	
औसत अपेक्षित भाविष्य सेवा (शेष जीवन कार्य)	13,14	14
नैतिकता तालिका	आईएएलएम 2006-2008 परम	
उम्र में सेवानिवृत्ति	60	60
पूर्व सेवानिवृत्ति एवं अशक्तता	0.30% p.a.	0.30% p.a.
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति	उपेक्षित	उपेक्षित

लाभ व हानि विवरण में चिन्हित किए गए व्यय	समाप्त वर्ष के लिए के अनुसार	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2020
वर्तमान सेवा लागत	28.51	27.01
भूतपूर्व सेवा लागत(निर्दिष्ट)	-	-
भूतपूर्व सेवा लागत (गैर-निर्दिष्ट)	-	-
शुद्ध व्याज लागत	9.34	1.30
निपटान पर लागत(हानि)/(लाभ)	-	-
कर्तव्य पर लागत (हानि)/(लाभ)	-	-
शुद्ध बीमांकिक लाभ / हानि	19.58	112.85
कर्मचारी अपेक्षित योगदान	-	-
विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का शुद्ध प्रभाव	-	-
लाभ लागत (लाभ व हानि विवरण में चिन्हित किए गए व्यय)	57.43	141.16

मृत्यु दर तालिका	मृत्यु दर (प्रति वर्ष)
Age	
25	0.000931
30	0.000977
35	0.001202
40	0.00168
45	0.002579
50	0.004436
55	0.007513
60	0.011162
65	0.015932
70	0.024058

संवेदनशीलता का विश्लेषण	31.03.2021		31.03.2020	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (-/+ 0.5%)	428.29	472.55	384.58	422.54
संवेदनशीलता के आधार पर परिवर्तन %	-4.709%	5.138%	-4.516%	4.908%
येतन वृद्धि (-/+ 0.5%)	472.22	428.39	422.18	384.72
संवेदनशीलता के आधार पर परिवर्तन %	5.065%	-4.688%	4.821%	-4.48%
दुर्घटना दर (-/+ 0.5%)	449.41	449.5	403.92	401.62
संवेदनशीलता के आधार पर परिवर्तन %	-0.010%	0.010%	0.29%	-0.285%
मृत्यु दर (-/+ 10%)	449.31	449.60	405.17	400.36
संवेदनशीलता के आधार पर परिवर्तन %	-0.032%	0.032%	0.597%	-0.597%

अनुमानित भायी भुगतान के लिए लाभ सूचना (पिछली सेवा)	(रु. करोड़ में)
वर्ष	
1	31.06
2	37.08
3	39.62
4	40.41
5	43.63
6 से 10	204.66
10 वर्ष से अधिक	680.75
अतीत और भविष्य की सेवा के लिए कुल छूट रहित भुगतान	-
पिछली सेवा से संबंधित कुल छूट रहित भुगतान	1,077.21
व्याज के लिए कम छूट	627.75
अनुमानित लाभ दायित्व	449.46

शुद्ध देयता का विभाजन	(रु. करोड़ में)	
	31.03.2021	31.03.2020
	31.03.2021	के अनुसार
चालू देयता	30.05	26.92
गैर-चालू देयता	419.41	375.85
शुद्ध देयता	449.46	402.77

5 अपरिचित वस्तुएं

क) आकस्मिक देयताएं

1. कंपनी के सम्मुख दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया

(रु. करोड़ में)

	केंद्र सरकार	राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरण	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	अन्य	कुल
01.04.2020 को प्रारंभ	6,998.50	3,939.90	1.13	204.25	11,143.78
वर्ष के दौरान वृद्धि	1,496.77	233.14	-	71.73	1,801.64
वर्ष के दौरान निपटाए गए दावे:					
क. ओपनिंग बैलेंस	75.85	156.61	-	11.36	243.82
ख. वर्ष के दौरान वृद्धि	-	0.06	-	-	0.06
31.03.2021 को समापन	8,419.42	4,016.37	1.13	264.62	12,701.54

(रु. करोड़ में)

आकस्मिक देयता			
क्र. सं.	विवरण	31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
1	केंद्रीय सरकार		
	आयकर	7,465.34	6,244.20
	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	327.94	327.77
	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	504.85	308.32
	केंद्रीय विप्री कर	-	-
	सेवा कर	120.11	117.62
	अन्य	1.18	0.59
	उप-योग	8,419.42	6,998.50

2	राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरण		
	रोयल्टी	895.22	666.29
	पर्यावरण मंजूरी	2,914.96	2,914.96
	बिजली कर/घैट	44.39	170.48
	प्रवेश कर	5.76	4.70
	विजली शुल्क	-	-
	एमएडीए	-	-
	अन्य	-	-
	उप योग	156.04	183.47
3	केंद्रीय सांख्यिकीय क्षेत्र के उच्चम	4,016.37	3,939.90
	गण्यस्थता कार्यवाही		
	कंपनी के खिलाफ मुकदमा चल रहा है		
	अन्य	1.13	1.13
	उप योग	1.13	1.13
4	अन्य: (यदि कोई हो)		
	विविध - भूमि और अन्य	32.88	33.02
	कर्मचारी संबंधित और आदि	231.74	171.23
	उप योग	264.62	204.25
	कुल योग	12,701.54	11,143.78

II. गारंटी:

31.03.2021 को जारी की गई बैंक गारंटी ₹ 53.29 करोड़ (₹ 8.80 करोड़) है।

III. साख पत्र और लेटर ऑफ कम्फर्ट

31.03.2021 तक बकाया साख पत्र ₹ 51.42 करोड़ (₹ 36.99 करोड़) और लेटर ऑफ कम्फर्ट ₹ 1.35 करोड़ (₹ 4.35 करोड़) है।

ख) प्रतिबद्धता

संधिदा की अनुमानित राशि जिसे पूंजी खाते में खर्च किया जाता है,

लेकिन जिसे उपलब्ध नहीं कराया गया है:-

अन्य प्रतिबद्धताएं: ₹ 5497.61 करोड़ (₹ 2989.10 करोड़)।

6 समूह सूचना

नाम	मुख्य गतिविधियाँ	निगमनो का देश	% इक्विटी ब्याज	
			31.03.2021	31.03.2020
एमएनएच शक्ति लिमिटेड	कोयला उत्पादन	भारत	70%	70%
एमजेएसजे कोल लिमिटेड	कोयला उत्पादन	भारत	60%	60%
महानदी बेसिन पावर लिमिटेड	कोयला उत्पादन	भारत	100%	100%
महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	रेल कोरिडोर परियोजनाओं का निर्माण और संचालन	भारत	64%	64%

7 अन्य जानकारी

क) प्रावधान

भारतीय लेखांकन मानक -37 के प्रावधानों के तहत दिनांक 31.03.2020 तक कर्मचारी लाभ छोड़कर विभिन्न प्रावधानों की स्थिति एवं संचरण योजांकित है, जो कि नीचे दिए गए हैं

प्रावधान	01.04.2020 के अनुसार प्रारंभिक शेष	वर्ष के दौरान बढोत्तरी	वर्ष के दौरान वापस/समायोजित करें	31.03.2021 के अनुसार समाप्त शेष
नोट 3:- संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण				
संपत्तियों की हानि एवं कमी	48.04	11.74	(1.65)	58.13
नोट 4: पूंजीगत कार्य प्रगति पर:				
सीडप्लयआइपी के तहत	14.17	3.30	-	17.47
नोट 5: अन्येषण एवं मूल्यांकन परिसंपत्तियाँ				
प्रावधान एवं हानि :	-	-	-	-

नोट 8: ऋण :				
अन्य ऋण :	-	-	-	-
नोट 9: अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां :				
उपयोगिता के लिए प्रतिभूति जमा	-	-	-	-
अन्य जमा एवं प्राप्त्य	0.16	-	-	0.16
दावे एवं अन्य प्राप्त्य	0.06	-	-	0.06
नोट 10: अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां:				
अग्रिम पूंजी	0.65	-	-	0.65
उपयोगिता के लिए प्रतिभूति जमा	-	-	-	-
अन्य जमा एवं अग्रिम	-	-	-	-
नोट 11: अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां:				
राजस्व के लिए अग्रिम (वस्तु एवं सेवाएं)	6.54	-	(0.04)	6.50
सांख्यिक बकायों का अग्रिम भुगतान	-	-	-	-
अन्य अग्रिम और जमा	0.02	-	-	0.02
नोट 13:- प्राप्त्य व्यापार :				
गलत एवं संदिग्ध प्रावधानों हेतु प्रावधान :	52.28	66.87	(33.60)	85.55
नोट 21:- गैर चालू एवं चालू प्रावधान				
उपदान	-	-	-	-
कुट्टी के बदले नकद भुगतान	-	-	-	-
अनुदान	135.39	137.45	(135.39)	137.45
कार्यनिष्पादन से संबंधित भुगतान	153.97	52.99	(85.87)	121.09
अन्य कर्मचारी लाभ	-	-	-	-
एनसीडब्ल्यूए-X	-	-	-	-
अधिकारी वेतन संशोधन	-	-	-	-
साइट का मरम्मत/कीकरण/माइन क्लोजर	867.40	101.63	(90.48)	878.55
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	19,054.81	524.03	(1,583.21)	17,995.63
अन्य	487.23	789.95	(487.23)	789.95

ख) सेगमेंट रिपोर्टिंग

कंपनी मुख्य रूप से कोयले के उत्पादन और बिक्री के एकल खंड व्यवसाय में लगी हुई है। व्याज और अन्य आय से होने वाली आय का कुल राजस्व 10% से कम है; इसलिए इसके लिए कोई अलग खंड की मान्यता प्राप्त नहीं है।

ग) प्रति शेयर आय

क्र. सं.	विवरण	दिनांक-31.03.2021 को समाप्त वर्ष	दिनांक-31.03.2020 को समाप्त वर्ष
i)	इक्विटी शेयर धारकों के लिए कर के बाद शुद्ध लाभ	6872.35	6427.39
ii)	भारित बकाया औसत इक्विटी शेयर	6618363	6618363
iii)	रुपए में प्रति शेयर मूल एवं लघु आय (अंकित मूल्य) (₹.1000 प्रति शेयर)	₹ 10,383.76	₹ 9,711.45

घ) संबंधित पार्टी प्रकटीकरण

संबंधित पक्षों की सूची इस प्रकार है:-

नाम	पदनाम	से प्रभावित
श्री पी.के. सिन्हा	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक	01.11.2020
श्री बी.एन.शुक्ल	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक	14.06.2019-31.10.2020
श्री ओ.पी. सिंह	निदेशक (तकनीकी-संचालन)	01.09.2016
श्री के.आर. वासुदेवन	निदेशक (वित्त)	04.02.2018
श्री बबन सिंह	निदेशक (तकनीकी-पी एंड पी)	29.04.2020
श्री के.राव	निदेशक (कार्मिक)	18.12.2019
श्री ए के सिंह	कंपनी सचिव	19.11.2012
श्री सीमा शर्मा	स्वतंत्र निदेशक	06.09.2017-05.09.2020
श्री एस.एन. तिवारी	अशकालिक आधिकारिक निदेशक	23.12.2019
श्री नागराज मदीराला	अशकालिक आधिकारिक निदेशक	17.03.2020
श्री एस.मोहन	स्वतंत्र निदेशक	10.07.2019

2. प्रमुखप्रबंधकीय कर्मियों का पारिश्रमिक

क्र. सं.	सीएमडी, पूर्णकालिक निदेशक एवं कंपनी सचिव को भुगतान	(रु. करोड़ में)	
		दिनांक- 31.03.2021 को समाप्त वर्ष	दिनांक- 31.03.2020 को समाप्त वर्ष
i)	अल्पावधि कर्मचारी लाभ		
	सकल धेतन	2.25	1.36
	चिकित्सा लाभ	-	-
	अभुलाब्धियाँ एवं अन्य लाभ	-	-
ii)	रोजगार लाभ के उपरांत पी.एफ एवं अन्य निधि का योगदान	0.20	0.13
iii)	समाप्ति लाभ	-	-
	कुल	2.45	1.49

टिप्पणी:

i) इसका अलावा, पूर्णकालिक निदेशकों को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, सार्वजनिक उद्यम व्यूरो के ओ.एम. नं 2(18)/पी.सी.-64, दिनांक-20.11.1964 को संशोधित प्रावधानों के अनुसार 750 कि.मी. पर रियायत दर के भुगतान पर निजी यात्रा के लिए कारों का उपयोग करने हेतु अनुमति दी गई है।

स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान

क्र. सं.	स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान	(रु. करोड़ में)	
		दिनांक- 31.03.2021 को समाप्त वर्ष	दिनांक- 31.03.2020 को समाप्त वर्ष
i)	वैठक शुल्क	0.07	0.13

प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों की बकाया राशि

क्र. सं.	विवरण	(रु. करोड़ में)	
		31.03.2021 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
i)	देय राशि	शून्य	शून्य
ii)	प्राप्य राशि	शून्य	शून्य

समूह के अंतर्गत संबंधित पार्टी लेनदेन

कंपनी ने अपनी होल्डिंग कंपनी, सहायक कंपनियों और सह-सहायक कंपनियों के साथ लेन-देन किया है जिसमें शीर्ष शुल्क, लीज रेंट, सहायक कंपनियों द्वारा रखे गए फंड पर व्याज, आईआईसीएम शुल्क और चालू खाते के माध्यम से या दूसरों की ओर से किए गए अन्य खर्च शामिल हैं।

संबंधित पक्षों के नाम	संबंधित पक्षों के ऋण	संबंधित पक्षों से ऋण	अन्य सेवाएं					चालू खाता शेष (देय)/प्राप्तियां	बकाया शेष (देय)/प्राप्तियां
			एपेक्स प्रभार	पुनर्स्थापना प्रभार	अनुपयोगिता द्वारा रखी गई निधियां पर व्याज	एलडीवीएम और सीआईटीएम सी	भंडार सामग्री		
सीआईएल	-	-	148.01	87.61	0.20	-	-	32.30	-
बीसीसीएल	-	-	-	-	-	-	0.02	-	-
सीसीएल	-	-	-	-	-	-	(0.02)	-	-
सीएमपीडीआईएल	-	-	-	-	-	-	-	-	(37.76)
ईसीएल	-	-	-	-	-	0.25	0.30	-	-
एनसीएल	-	-	-	-	-	-	0.38	-	-
एसईसीएल	-	-	-	-	-	-	0.99	-	-
डब्ल्यूसीएल	-	-	-	-	-	-	0.44	-	-
एमबीपीएल	-	-	-	-	0.86	-	-	26.91	-
एमसीआरएल	-	-	-	-	2.50	-	-	106.72	-
एमएनएच शक्ति लिमिटेड	-	-	-	-	0.02	-	-	0.83	-
एमजेएसजे कोल लिमिटेड	-	-	-	-	0.11	-	-	4.03	-

कोस्टक में दिए गए अंक शुद्ध आय या क्रेडिट शेष को दर्शाते हैं।

ड) समान शासी कराधान कानूनों द्वारा लगाए गए आय पर करों से आस्थगित कर संपत्ति और देयता की भरपाई की जा रही है।

आस्थगित कर परिसंपत्ति/दायित्व :

	(रु. करोड़ में)	
	31.03.2021	31.03.2020
क. आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ:-		
संदिग्ध अग्रिमों, दावों और ऋणों के लिए प्रावधान	13.01	13.05
कर्मचारी लाभ	59.00	59.14
अन्य	28.25	28.25
(ए) का कुल	100.26	100.44
ख. विलम्बित टैक्स देयता:-		
अचल संपत्तियों से संबंधित	388.15	163.77
अन्य	241.69	243.71
(बी) का कुल	629.84	407.48
निचल आस्थगित कर परिसंपत्ति/(आस्थगित कर देयता) (ए-बी)	(529.58)	(307.04)

8 अन्य मामलें :-:-

क) निधिगत आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए कंपनी ने मासिक आधार पर 7% ब्याज देयता पर एन.एल.सी.आई.एल. को 2000 करोड़ का ऋण दिया है एवं मूलधन का पुनर्भूतगतान 48 माह तक समान किरातों में होगा। एनएलसीआईएल को यह ऋण पात्र निवेश के रूप में सीपीएसई द्वारा अधिशेष निधियों के निवेश पर दिशानिर्देशों के खंड 8 (iv) के अंतर्गत शामिल है। 31.03.2021 तक बकाया ऋण शेष राशि ₹ 625.00 करोड़ है।

ख) प्राकृतिक संसाधन और ऊर्जा प्रबंधन संस्थान एमसीएल(एमआईएनआईएम) का निर्माण

कंपनी प्रारंभिक अनुमानित कुल राशि रु.138.83 करोड़ के साथ ठेकेदार मेसर्स एनवीसीसी के माध्यम से 'एमसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज एंड एनर्जी मैनेजमेंट (एमआईएनआईएम)' का निर्माण कर रही है। निर्माण कार्य रोक दिया गया क्योंकि भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण ने पहले अनुमोदन के प्रस्ताव पर विचार नहीं किया। हालाँकि 02.11.2018 को भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण ने ने एमसीएल के पक्ष में आवश्यक अनुमति दे दी है। एमओयू को दिनांक 09.01.2020 से दो साल की अवधि के लिए पुनर्सत्यापित किया गया है और उपरोक्त कार्य 12 माह के भीतर पूरा किया जाना है तथा संशोधित परियोजना लागत रु.155.33 करोड़ है। कंपनी ने 31.03.2021 तक संस्थान के निर्माण पर ₹121.45 करोड़ खर्च किए हैं।कोविड-19 के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ है।

कंपनी प्रारंभिक अनुमानित कुल राशि रु.138.83 करोड़ के साथ ठेकेदार मेसर्स एनवीसीसी के माध्यम से 'एमसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल रिसोर्सेज एंड एनर्जी मैनेजमेंट (एमआईएनआईएम)' का निर्माण कर रही है। निर्माण कार्य रोक दिया गया क्योंकि भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण ने पहले अनुमोदन के प्रस्ताव पर विचार नहीं किया। हालाँकि 02.11.2018 को भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण ने ने एमसीएल के पक्ष में आवश्यक अनुमति दे दी है। एमओयू को दिनांक 09.01.2020 से दो साल की अवधि के लिए पुनर्सत्यापित किया गया है और उपरोक्त कार्य 12 माह के भीतर पूरा किया जाना है तथा संशोधित परियोजना लागत रु.155.33 करोड़ है। कंपनी ने 31.03.2021 तक संस्थान के निर्माण पर ₹121.45 करोड़ खर्च किए हैं।कोविड-19 के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ है।

ग) चालिआपंडा मौजा, पुरी में भूमि:

पुरी नगर पालिका के साथ 99 वर्ष के पट्टा अवधि (दिनांक-01.04.1996 से प्रभावी) से 05 करोड़ रुपये चालिआपंडा मौजा, पुरी की भूमि जिसकी कीमत रुपये 0.94 करोड़ (चाउंडरी वाल के लिए जमा सहित) है, पट्टे के तौर पर लिया गया है। हालाँकि तहसीलदार, पुरी द्वारा दिये गए कार्यालय जापन संख्या-7206 दिनांक-21.08.2004, कलेक्टर, पुरी को संवोधित की गई एक प्रतिलिपि एमसीएल, भुवनेश्वर को "स्वीट वॉटर जोन" के तहत आती है तथा इस क्षेत्र को आवास एवं शहरी विकास विभाग में सरकार द्वारा प्रतिबंधित किया गया है। जैसा कि कथित भूमि स्वीट वॉटर जोन के तहत आती है, इसलिए तहसीलदार, पुरी में 2008-09 तक भाड़े के साथ ही उपकर स्वीकार किया है। इसके अलावा निदेशक (कार्मिक), एमसीएल ने पत्र सं. 4707 दिनांक 08.01.2019, द्वारा कलेक्टर, पुरी को स्टाल प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए वैकल्पिक जमीन सौंपने का अनुरोध किया। भूमि के वैकल्पिक भाग के आवंटन के लिए 05.12.2019 को डीजीएम, एमसीएल द्वारा कलेक्टर, पुरी को पत्र लिखा गया है। इसके बाद, उप. महाप्रबंधक, एमसीएल और सीएम (खनन) ने 18.12.2020 को कलेक्टर, पुरी से मुलाकात की। कलेक्टर का मत था कि नगर पालिका द्वारा भूमि उनके अधिकार क्षेत्र से परे गलत तरीके से एमसीएल को पट्टे पर दी गई थी, इसलिए नगर पालिका एमसीएल के पक्ष में कोई वैकल्पिक भूमि आवंटित नहीं कर सकती है और पूर्व में नगर पालिका, पुरी के पास जमा की गई भूमि के प्रीमियम की वापसी के लिए आवेदन करने का सुझाव दिया। एमसीएल अब भूमि के प्रीमियम की वापसी की प्रक्रिया में है।

घ) वर्ष के दौरान, कंपनी ने ओसीपीएल और एनएलसीआईएल से ₹ 282.34 करोड़ की राशि का कोयला खरीदा है। खरीदे गए कोयले की बिक्री की राशि ₹ 359.26 करोड़ है, उस पर सतह परिवहन शुल्क ₹ 54.14 करोड़ और निकासी सुविधा शुल्क ₹ 12.50 करोड़ है। खरीदे गए कोयले का क्लोजिंग स्टॉक ₹ 0.61 करोड़ है।

झ) कंपनी पर ₹ 1706.45 करोड़ का बकाया ऋण था जिसे इस अधिध के दौरान चुका दिया गया है। इसके अलावा, कंपनी ने टीडीआर गिरवी रखकर चलनिधि की कमी के कारण वर्ष के दौरान विभिन्न तिथियों पर विभिन्न बैंकों से कुल ₹ 2646.20 करोड़ का ऋण लिया है, जिसे 31.03.2021 तक चुकाया गया

ञ) विभिन्न सरकारी प्राधिकरण, न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशानुसार ₹ 26.59 करोड़ (PY-26.36 करोड़) का जमा खाता (निर्दिष्ट उद्देश्य के लिए) खोला गया है, टिप्पणी -9 और टिप्पणी-15 के तहत बैंक गारंटी के मुद्दे दर्शाए गए हैं। विवरण निम्नानुसार है:

नोट-15- ₹ 26.59 करोड़

i. न्यायालय के आदेशानुसार वर्ष 2005-06 में विस्फोटक दर अनुबंधों में वसूली गई मूल्य अंतर की राशि ₹ 6.74 करोड़ सावधि जमा में शामिल है।

ii. मैसर्स आईआरसी लोजिस्टिक्स लिमिटेड की बैंक गारंटी के नकदीकरण के लिए माननीय उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश से सावधि जमा में ₹ 0.24 करोड़ शामिल है।

iii. माननीय उच्च न्यायालय, कटक के आदेशानुसार मैसर्स श्री महावीर फेरो अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में 2015 की लिखित याचिका सं. 3109 के अंतिम परिणाम तक 40% टेपरिंग मनी के रूप में ₹ 0.20 करोड़ सावधि जमा में शामिल है।

iv. माननीय उच्च न्यायालय, कटक (ओडिशा) के अंतरिम आदेश से ₹ 6.98 करोड़ सावधि जमा में शामिल है अर्थात् किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक में विवादित भूमि में शामिल मुआवजे की शेष राशि के लिए जमा किया जाए।

v. मैसर्स मॉटेकार्लो लिमिटेड (एमसीएल) और मैसर्स कुणाल स्ट्रक्चर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (केएसआईपीएल) संयुक्त उधम द्वारा प्रस्तुत बैंक गारंटी के नकदीकरण के बारे में ओडिशा के माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार ₹ 1.25 करोड़ सावधि खाते में जमा की गई है।

vi. अनुबंधी कंपनी-मैसर्स एमजेएसजे कोल लिमिटेड की ओर से ब्लॉकों के आवंटन की शर्तों को पूरा करने हेतु भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में बैंक गारंटी जारी करने के लिए लेटर ऑफ कंफोट जारी करने के लिए स्टेट बैंक इंडिया के गृहणाधिकार के तहत निर्धारित 4.50 करोड़ की राशि जमा की गई है।

vii. तीन महीने के अग्रिम जल शुल्क 1.336 क्यूसेक पानी के निकालने के लिए बैंक गारंटी जारी करने के लिए कार्यकारी अभियंता मेन डैम डिवीजन, बुर्ला के पक्ष में ₹ 0.11 करोड़ की सावधि जमा राशि निर्धारित की गई है।

viii. ओआईटीडीएस के संबंध में दूर संचार विभाग, भारत सरकार से मोबाइल रेडियो ट्रेकिंग सर्विस हेतु लाइसेंस प्राप्त करने के लिए बैंक गारंटी जारी करने के लिए ₹ 0.03 करोड़ जमा है।

ix. एक अधिकारी द्वारा नकद गबन के विरुद्ध माननीय जिला न्यायालय सुंदरगढ़ के माध्यम से अर्जित विशेष अधिध जमा व्याज सहित ₹ 2.27 करोड़ के बैंक डिपॉजिट वसूल किया गया है जो वापस लिया गया है जो न्यायालय द्वारा लंबित मामले का अंतिम रूप है।

x. बैंक के पास ₹ 0.37 करोड़ के बैंक में जमा है जो हस्ताक्षरित एमओयू / अनुबंध पर वाटर डैम डिवीजन के पक्ष में है।

xi. लीलारी नात्ता से आहरण(झों) हेतु अनुबंध के निष्पादन के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 0.02 करोड़ की बैंक जमा राशि है।

xii. ओडिशा के माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों पर मैसर्स उत्कल राजमार्गों के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 1.26 करोड़ की बैंक जमा राशि है।

xiii. कार्यकारी अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रभाग, बुर्ला के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 0.08 करोड़ की बैंक राशि जमा है।

xiv. कार्यकारी अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रभाग, बुर्ला के लिए टीडीआर के रूप में ₹ 1.20 करोड़ की बैंक राशि जमा है।

xv. एमआईएमएसआर के लिए संस्थागत भवन योजना की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए तमदा(टीएमडीए) के पक्ष में बैंक गारंटी जारी करने के लिए ₹ 0.85 करोड़ बैंक डिपॉजिट में शामिल है।

xvi. जल वर के अनुबंध के निष्पादन हेतु कार्यपालन यंत्री, बुर्ला सिंचाई प्रमंडल के पक्ष में एफडीआर के रूप में ₹ 0.37 करोड़ जमा है।

छ) एमसीएल में, 22 ओपन कास्ट माइंस और 12 भूमिगत खदान हैं, जिनमें से 4 ओपन कास्ट माइंस और 5 अंडरग्राउंड माइंस गैर-उत्पादक हैं और 3 ओपन कास्ट माइंस और 3 अंडरग्राउंड माइंस विकासशील हैं:-

गैर उत्पादक खानों की सूची:-

क्र.सं.	खदान का नाम	गैर उत्पादक होने के कारण
1	छंडिपड़ा ओसीपी	खदान बंद होने के कारण।
2	लित्तारी ओसीपी	लित्तारी ओसीपी की खनन योजना मार्च 2018 तक वैध थी।
3	साउथ बलडा ओसीपी	कोयला भंडार निःशेष होने के कारण।
4	बसुंधरा ईस्ट ओसीपी	कोयले के सम्पूर्ण निष्कर्षण के कारण खदान बंद है।
5	हिंगिर रामपुर कोलियरी	ओरिएंट एरिया से जारी खदान बंदी सूचना के साथ इस खदान को 27.05.2013 से छोड़ दिया गया है।
6	ओरिएंट खदान नं.4 भूमिगत	क. दिनांक 02.07.2017 से डेवलपमेंट पैच की अनुपलब्धता के कारण उत्पादन बंद कर दिया गया है क्योंकि खदान की पूरी संपत्ति पहले से ही विकसित है और चरण II के वन कंस्ट्रिक्ट के अभाव में डिप्लोयमेंट के लिए अनुमति नहीं है। ख. सेवानिवृत्ति आदि के कारण ओरिएंट क्षेत्र में श्रमशक्ति की कमी है। चूंकि ओरिएंट क्षेत्र की अन्य खानों की उत्पादक इकाइयों में श्रमशक्ति की कमी है, इस खदान की उपलब्ध श्रमशक्ति को लाभकारी उपयोग के लिए अन्य उत्पादक खानों में स्थानांतरित कर दिया गया है। अब खदान को आउटसोर्स मोड में चलाने की प्रक्रिया चल रही है।
7	तालचर भूमिगत	डीएमएस, भुवनेश्वर की सूचना संख्या - 010686 / बीबीआर-डीएच / सीओ -6 / नोटिस -22 ए (1/2015/2015/4562) द्वारा खानों अधिनियम 1952 की धारा 22 ए (1) का पालन नहीं करने के कारण अस्थायी रूप से कोयले का खनन बंद। दिनांक 03.09.2015, डिफ्ट टॉप सेक्शन (वर्तमान में काम कर रहे) को तीसरी प्रविष्टि प्रदान करने के लिए, और CMR-2017 के प्रावधान के अनुसार, आरईजी नं. - 158 (3) उत्पादन 24.02.2018 से निलंबित कर दिया गया था।
8	देउलबेरा भूमिगत	उत्पादन को नोटिस से रोकना पड़ा। अधीक्षण अभियंता की नोटिस कि पानी राइट बैंक कैनाल में छोड़ा जाएगा, जिसके नीचे खदान का काम दिनांक 19.07.2006 तक चालू था।
9	हॉडिधुआ भूमिगत	भारी नुकसान के कारण दिनांक 16.09.1998 से उत्पादन रोक दिया गया है।

विकासशील खदानों की सूची:-

क्र.	विकास खदान
1	तालचर वेस्ट (भूमिगत)
2	जगन्नाथ (भूमिगत)
3	नटराज भूमिगत
4	सियारमाल ओसीपी
5	बसुंधरा वेस्ट (विस्तार) ओसीपी
6	सुमद्रा ओसीपी

ज) लेखा में रखे गए प्रावधान

धोमी गति से चलने वाले / नॉन-मूविंग / अप्रचलित भंडार, दावों को प्राप्य, अग्रिमों, संदिग्ध ऋणों आदि को खातों में किए गए प्रावधान को संभावित नुकसान को कवर करने के लिए पर्याप्त माना जाता है।

झ) चालू संपत्ति, ऋण और अग्रिम आदि

प्रबंधन के विचार से अचल संपत्ति के अतिरिक्त अन्य संपत्ति और गैर चालू निवेश का मूल्य, कम से कम व्यवसाय के सामान्य अवधि के दौरान वसूली पर या जिस पर मूल्य निर्धारित किया जाता है, के बराबर होता है।

- ग) चालू देयताएँ
जहाँ वास्तविक देयताएँ नहीं मापी जा सकती, वहाँ अनुमानित देयताएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।
- घ) शेष की पुष्टि
शेष की पुष्टि एवं सामंजस्य, नगद एवं बैंक शेष, निश्चित ऋण एवं अग्रिम, दीर्घकालिक देयताएँ और चालू देयताओं के आधार पर किया जाता है। सभी संदिग्ध एवं अपुष्ट शेषों के लिए प्रावधान रखा गया है।
- च) कोविड-19 का प्रभाव
कंपनी कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के लिए निरंतर उपाय कर रही है और सरोकार में सुविधा के लिए कई उपाय लागू किए हैं। कंपनी ने महामारी के कारण उत्पन्न होने वाले संग्राहित प्रभावों पर विचार करते हुए 31 मार्च 2021 को वित्तीय और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों के वृद्धन राशि की वसूली सहित वित्तीय विवरण तैयार किया है। कंपनी भविष्य की आर्थिक स्थितियों से उत्पन्न होने वाले किसी भी भौतिक परिवर्तन और उसके व्यवसाय पर परिणामी प्रभाव की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगी।
- छ) अधिसूचना संख्या के अनुसार जी.एस.आर. 463(ई) दिनांक 24 जुलाई, 2020 को भारतीय लेखा मानक 1 (वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति) में भौतिकता की परिभाषा को प्रतिस्थापित किया गया है। तदनुसार, महत्वपूर्ण लेखा नीति में भौतिकता पर नीति को संशोधित किया गया है। हालांकि, उपरोक्त परिवर्तन का कोई वित्तीय प्रभाव नहीं है।
- ज) हाल की घोषणाएँ:
24 मार्च, 2021 को, कोर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने एक अधिसूचना के माध्यम से कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III में संशोधन किया। 1 अप्रैल, 2021 से संशोधन अनुसूची III के संशोधित खंड I, II और III लागू हैं। कंपनी अपने वित्तीय विवरणों पर संशोधनों के प्रभाव का मूल्यांकन कर रही है।
- झ) पृथक राजस्व जानकारी:
नीचे दी गई तालिका भारतीय एएस 115 की आवश्यकता के अनुसार ग्राहकों की जानकारी के लिए अनुबंध में अलग-अलग राजस्व प्रस्तुत कि गई है,

(रु. करोड़ में)			
पृथक राजस्व जानकारी	31.03.2021 को को समाप्त वर्ष	For the period ended 31.12.2019	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
माल एवं सेवा के प्रकार:-			
कोयला	14,474.08	10,008.75	14,162.00
अन्य	-	-	-
कोयला विक्रय और अन्य से कुल राजस्व	14,474.08	FALSE	14,162.00
ग्राहकों के प्रकार			
पावर सेक्टर	5,518.28	6,301.37	8,791.46
गैर-पावर सेक्टर	8,955.80	3,707.38	5,370.54
अन्य सेवाएँ	-	-	-
कोयला विक्रय और अन्य से कुल राजस्व	14,474.08	10,008.75	14,162.00
संचिदा के प्रकार			
एफएसए	10,824.25	8,262.90	11,420.70
ई-ऑफ्सन	3,649.83	1,745.84	2,741.30
अन्य	-	-	-
कोयला विक्रय और अन्य से कुल राजस्व	14,474.08	10,008.74	14,162.00
माल एवं सेवा का समय			
ठीक समय पर सामग्रियों का अंतरण	14,474.08	10,008.75	14,162.00
समय के बाद सामग्रियों का अंतरण	-	-	-
ठीक समय पर सेवाओं का अंतरण	-	-	-
समय के बाद सेवाओं का अंतरण	-	-	-
कोयला विक्रय से कुल राजस्व	14,474.08	10,008.75	14,162.00

- प) वर्ष के दौरान, कंपनी ने पुरानी देनदारियों और प्रावधानों के लिए ₹ 39.75 करोड़ की राशि वापस की है जो 31.03.2020 तक 5 वर्षों से अधिक समय से अनधियाचित थी।
- फ) वर्ष के दौरान, कंपनी ने पुराने देनदारों के लिए ₹ 3.73 करोड़ की राशि को बूट्टे खाते में डाल दिया है, जिसके लिए पूर्व के वर्षों में संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया गया था।
- ब) वर्ष के दौरान, वसुंधरा (वेस्ट) ओसीपी के लिए 21.51 एम.क्यूएम ओवरबर्डन की मात्रा के लिए ₹ 844.86 करोड़ और बेलपहाड़ ओसीपी के लिए 15.09 एम.क्यूएम मात्रा के ओवरबर्डन के लिए ₹ 262.62 करोड़ के अतिरिक्त अनुपात आरक्षित राशि को 01.04.2020 तक वापस ले लिया गया है।

ग) थेनो ब्रुक के अनुसार, वार्षिक कोयला स्टॉक मापन सीआईएल में गठित कोल स्टॉक मेजरमेंट टीम द्वारा किया जाना चाहिए। तथापि, सीआईएल कार्यालय आदेश संख्या सीआईएल/सी-1/सी स्टॉक/20-21/271 दिनांक 29.04.2021 के अनुसार, कोविड-19 मामलों में निरंतर वृद्धि के कारण, माप सहायक स्तर पर गठित अंतर-क्षेत्रीय दल द्वारा किया गया था और तदनुसार कोयले के अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन किया गया।

ग) कोयला गुणवत्ता भिन्नता की गणना के लिए दिनांक 23.03.2021 के महाप्रबंधक (वित्त), सीआईएल से प्राप्त कोयला गुणवत्ता भिन्नता (सीक्यूवी) की गणना की एक समान पद्धति का पालन किया गया है।

घ) कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 से सभी पूंजीगत व्यय पर जीएसटी का पूंजीकरण किया है और 24.12.2020 को आयोजित 415वीं सीआईएल बोर्ड बैठक के निर्णय के अनुसार कंपनी अधिनियम 2013 और आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के अनुसार मूल्यह्रास का दावा किया।

र) महत्वपूर्ण लेखा नीति:

कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों के अनुसार कंपनी द्वारा अपनाई गई लेखांकन नीतियों को स्पष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीति (टिप्पणी-2) का मसौदा तैयार किया गया है।

ख) अन्य:

i. पिछले वर्ष के ऑकड़ों को जहाँ भी आवश्यक समझा गया, पुनर्गठित, पुनर्समूहित और पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

ii. नोट - 1 और 2 क्रमशः कॉरपोरेट सूचना और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों को प्रस्तुत करता है, नोट 3 से 23, 31 मार्च 2020 के अनुसार तुलन पत्र को तथा नोट 24 से 37 में उसी तिथि पर समाप्त अवधि के लिए लाभ-हानि के विवरण शामिल हैं तथा नोट- 38 वित्तीय विवरणों के लिए अतिरिक्त टिप्पणी को दर्शाता है।

नोट 1 से 38 तक हस्ताक्षर।

ह/-
(ए के सिंह)
कंपनी सचिव

ह/-
(ए के पांडे)
उप-महाप्रबंधक (वित्त)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते, पाम्स एंड एसोसियेट्स
सन्दी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या. 316079ई

ह/-
(के आर वसुदेवन)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 07915732

ह/-
(पी के सिन्हा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध-निदेशक
डीआईएन: 07599781

ह/-
(सीए सत्यजित मिश्रा)
साझेदार
सदस्यता संख्या. 057293

दिनांक : 29.05.2021
स्थान: बुर्ला

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

समेकित तुलनपत्र

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
आस्तियां			
गैर चालू आस्तियां			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	3	8,227.56	7,244.17
(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर	4	2,200.85	1,515.56
(ग) अन्वेषण और मूल्यांकन आस्तियां	5	137.79	124.73
(घ) अमूर्त आस्तियां	6	4.84	4.69
(ङ) वित्तीय आस्तियां			
(i) निवेश	7	649.95	958.70
(ii) ऋण	8	126.29	626.20
(iii) अन्य वित्तीय आस्तियां	9	1,153.70	1,116.73
(च) आस्थगित कर आस्तियां (निवल)		-	-
(छ) अन्य गैर-चालू आस्तियां	10	624.79	361.32
कुल गैर चालू आस्तियां (क)		13,125.77	11,952.10
चालू आस्तियां			
(क) वस्तुसूची	12	1,103.52	793.62
(ख) वित्तीय आस्तियां			
(i) निवेश	7	3,056.03	0.46
(ii) व्यापार प्राप्त्य	13	1,292.63	1,323.07
(iii) नगद एवं नगद समतुल्य	14	1,093.14	151.48
(iv) अन्य बैंक शेष	15	7,250.00	12,303.35
(v) ऋण	8	500.00	500.32
(vi) अन्य वित्तीय आस्तियां	9	363.94	617.90
(ग) चालू कर आस्तियां (निवल)		2,631.46	2,527.99
(घ) अन्य चालू आस्तियां	11	2,628.82	2,708.89
कुल चालू आस्तियां (ख)		19,919.54	20,927.08
कुल आस्तियां (क+ख)		33,045.31	32,879.18

समेकित तुलनपत्र

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
इक्विटी एवं देयताएं			
इक्विटी			
क) इक्विटी शेयर पूँजी	16	661.84	661.84
(ख) अन्य इक्विटी	17	4,838.60	3,230.56
कंपनी के इक्विटी धारकों के लिए इक्विटी		5,500.44	3,892.40
गैर नियंत्रित व्याज	-	57.50	57.04
कुल इक्विटी (क)		5,557.94	3,949.44
देयताएं			
गैर-चालू देयताएं			
(क) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	5.03	5.48
(ii) व्यापार प्राप्त्य	-	-	-
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	20	19.22	39.02
(ख) प्रावधान	21	19,074.94	20,152.14
(ग) आस्थगित कर देयताएं (निवल)	-	529.58	307.04
(घ) अन्य गैर-चालू देयताएं	22	152.96	166.87
कुल गैर-चालू देयताएं (ख)		19,781.73	20,670.55
चालू देयताएं			
(क) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	-	1,706.45
(ii) व्यापार प्राप्त्य	19	0.18	0.39
सूक्ष्म और लघु उद्यम के कुल बकाया राशि		257.95	409.05
सूक्ष्म और लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों के कुल बकाया राशि		2,229.04	1,895.58
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	20	4,018.92	3,351.12
(ख) अन्य चालू देयताएं	21	1,200.74	896.60
(ग) प्रावधान	-	-	-
(घ) चालू कर देयताएं (निवल)		7,706.83	8,259.19
कुल चालू देयताएं (ग)		7,706.83	8,259.19
कुल इक्विटी एवं देयताएं (क+ख+ग)		33,046.50	32,879.18

संगत टिप्पणी वित्तीय विवरणी का अभिन्न अंग है।

ह/-
(ए के सिंह)
कंपनी सचिव

ह/-
(ए के पांडे)
उप-महाप्रबंधक (वित्त)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते, पाम्स एंड एसोसियेट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या. 316079ई

ह/-
(के आर वसुदेवन)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 07915732

ह/-
(पी के सिन्हा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध-निदेशक
डीआईएन: 07599781

ह/-
(सीए सत्यजित मिश्रा)
साझेदार
सदस्यता संख्या. 057293

दिनांक : 29.05.2021
स्थान: बुर्ला

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

समेकित लाभ एवं हानि विवरण

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
संचालन से राजस्व			
क विक्रय ((अन्य लेवी से कुल)	24	14,474.08	14,162.00
ख अन्य संचालन राजस्व (अन्य लेवी से कुल)		2,018.25	1,649.17
(I) प्रचालन से राजस्व (क+ख)		16,492.33	15,811.17
(II) अन्य आय	25	1,039.40	1,861.34
(III) कुल आय (I+II)		17,531.73	17,672.51
(IV) व्यय			
उपभोग की गई सामग्री की लागत	26	705.87	598.71
बिक्री के लिए माल की खरीद		282.34	60.80
तैयार माल के वस्तुसूची में परिवर्तन / कार्य में प्रगति और व्यापार में स्टॉक	27	(294.23)	(280.67)
कर्मचारी लाभ व्यय	28	3,219.84	3,155.05
बिजली व्यय		153.30	131.31
कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व व्यय	29	168.44	165.50
मरम्मत	30	169.55	161.18
संविदात्मक व्यय	31	3,370.67	2,594.68
वित्तीय लागत	32	68.38	80.31
मूल्यह्रास / परिशोधन / हानि व्यय		572.66	512.11
प्रावधान	33	73.87	2.48
बट्टे खाते में डालना	34	-	-
अन्य व्यय	35	784.85	791.62
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन		(1,059.17)	1,071.91
कुल व्यय (IV)		8,216.37	9,044.99
(V) असाधारण मदों और कर पूर्व लाभ(III-IV)		9,315.36	8,627.52
(VI) असाधारण मदें			
(VII) कर पूर्व लाभ (V-VI)		9,315.36	8,627.52
(VIII) कर व्यय	36		
चालू कर		2,292.54	2,262.81
आस्थगित कर		151.90	(43.28)
कुल कर व्यय (VIII)		2,444.44	2,219.53
(IX) सतत प्रचालन से अवधि के लिए लाभ (VII-VIII)		6,870.92	6,407.99

समेकित लाभ एवं हानि विवरण

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी संख्या	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
(X) बंद संचालन से लाभ/(हानि)		-	-
(XI) बंद संचालन के कर व्यय		-	-
(XII) बंद संचालन से लाभ/(हानि) (कर पश्चात) (X-XI)		-	-
(XIII) संयुक्त उद्यम / सहयोगी के शेयर में लाभ/(हानि)		-	-
(XIV) वर्ष के लिए लाभ(IX+XII+XIII)		6,870.92	6,407.99
अन्य व्यापक आय	37		
क (i) मदे जो लाभ या हानि में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		(50.00)	(104.82)
(ii) आयकर से संबंधित मदे जो लाभ या हानि में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा		(12.58)	(26.38)
ख (i) मदे जो लाभ या हानि में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		-	-
(ii) आयकर से संबंधित मदे जो लाभ या हानि में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		-	-
(XV) कुल अन्य व्यापक आय		(37.42)	(78.44)
(XVI) वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (XIV + XV) (अवधि के लिए लाभ (हानि) और अन्य व्यापक आय शामिल हैं)		6,833.50	6,329.55
मुनाफे का कारण:			
कंपनी के मासिक		6,870.46	6,415.56
अनियंत्रित व्याज		0.46	(7.57)
		6,870.92	6,407.99
अन्य व्यापक आय का कारण:			
कंपनी के मासिक		(37.42)	(78.44)
अनियंत्रित व्याज		-	-
		(37.42)	(78.44)
कुल व्यापक आय का कारण:			
कंपनी के मासिक		6,833.04	6,337.12
अनियंत्रित व्याज		0.46	(7.57)
		6,833.50	6,329.55
(XVII) आय प्रति इक्विटी शेयर (जारी संचालन के लिए):			
(1) मूलभूत		10,325.06	9,563.62
(2) तरलीकृत		10,325.06	9,563.62
(XVIII) आय प्रति इक्विटी शेयर (बंद संचालन के लिए):			
(1) मूलभूत		-	-
(2) तरलीकृत		-	-
(XIX) आय प्रति इक्विटी शेयर (बंद संचालन एवं जारी के लिए):			
(1) मूलभूत		10,325.06	9,563.62
(2) तरलीकृत		10,325.06	9,563.62

संगत टिप्पणी वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग है।

ह/-

(ए के सिंह)

कंपनी सचिव

ह/-

(ए के पांडे)

उप-महाप्रबंधक (वित्त)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार

कृते, पाम्स एंड एसोसियेट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पंजीकरण संख्या. 316079ई

ह/-

(सीए सत्यजित मिश्रा)

साझेदार

सदस्यता संख्या. 057293

ह/-

(के आर वसुदेवन)

निदेशक (वित्त)

डीआईएन: 07915732

ह/-

(पी के सिन्हा)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध-निदेशक

डीआईएन: 07599781

दिनांक : 29.05.2021

स्थान: बुर्ला

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नगद प्रवाह

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
क प्रचालन गतिविधियों से नगद प्रवाह:		
कर पूर्व लाभ	9,265.36	8,522.70
समायोजन के लिए :		
अचल आस्तियों का मूल्यहास / हानि	572.66	512.11
बैंक जमा पर व्याज	(563.31)	(1,134.42)
वित्त पोषण गतिविधि से संबंधित वित्त लागत	11.77	0.77
अनवर्द्धित डिस्काउंट	56.61	79.54
स्थायी आस्तियों के विक्रय पर लाभ / हानि	(0.88)	(0.51)
विनियम दर का उतार-चढ़ाव	0.22	0.41
स्ट्रिपिंग गतिविधियों का समायोजन	(1,059.17)	1,071.91
निवेश से व्याज / लाभांश	(169.81)	(385.22)
बनाए गए प्रावधान और बटुटे खाते में डालना चालू/ गैर चालू संपत्तियों और देयताओं से पूर्व संचालन लाभ समायोजन के लिए:	311.49	39.50
	8,424.94	8,706.79
समायोजन के लिए :		
वस्तु सूची	(309.90)	(291.32)
व्यापार से प्राप्त	(2.83)	(839.36)
गैर चालू ऋण/अशिम अन्य वित्तीय आस्तियों अन्य आस्तियों	199.47	253.35
चालू ऋण, अशिम, अन्य वित्तीय आस्तियों , अन्य आस्तियों	5,324.80	(271.68)
चालू/ गैर चालू प्रावधान, अन्य वित्तीय देयताएं और अन्य देयताएं	770.76	(121.99)
संचालन से अर्जित नगद	14,407.24	7,435.79
आयकर भुगतान /प्रतिदाय	(2,250.28)	(4,303.67)
विलंबित कर देयताएँ		
असाधारण वस्तुओं से पहले नकदी प्रवाह	12,156.96	3,132.12
असाधारण सामग्री	-	-
संचालन गतिविधियों से नियत नगद (क)	12,156.96	3,132.12

ख निवेश गतिविधियों से नगद प्रवाह		
स्थिर आस्तियों का क्रय	(2,257.85)	(1,339.32)
स्थायी परिसंपत्तियों के विक्रय पर लाभ/हानि	0.88	0.51
निवेश में बदलाव	(2,746.82)	1,000.37
बैंक जमा से संबंधित ब्याज	563.31	1,134.42
निवेश से ब्याज / लाभांश	169.81	385.22
निवेश की गतिविधियों में प्रयुक्त निवल नगद (ख)	(4,270.67)	1,181.20
ग वित्तीय गतिविधियों से नगद प्रवाह		
उधार में बदलाव	(1,706.88)	1,706.26
विनियम दर का उतार-चढ़ाव	(0.22)	(0.41)
वित्त गतिविधियों से संबंधित ब्याज और वित्त लागत	(11.77)	(0.77)
इक्विटी शेयरों पर लाभांश	(5,225.00)	(5,225.00)
इक्विटी शेयरों पर लाभांश पर कर	-	(1,074.01)
वित्तीय गतिविधियों में प्रयुक्त निवल नगद (ग)	(6,943.87)	(4,593.93)
नगद और नगद समतुल्य में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग)	942.42	(280.61)
वर्ष के प्रारम्भ में नगद एवं नगद समतुल्य	151.48	432.09
वर्ष के अंत में नगद और नगद समतुल्य	1,093.90	151.48

उपरोक्त विवरण अप्रत्यक्ष विधि पर तैयार किया गया है।
पिछले वर्ष के आंकड़े को वर्तमान अवधि में किए गए वर्गीकरण की पुष्टि
के लिए पुनः वर्गीकृत किया गया है।

हमारे द्वारा संलग्न रिपोर्ट के अनुरूप

ह/-
(ए के सिंह)
कंपनी सचिव

ह/-
(ए के पांडे)
उप-महाप्रबंधक (वित्त)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते, पाय्स एंड एसोसियेट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या, 316079ई

ह/-
(के आर वसुदेवन)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 07915732

ह/-
(पी के सिन्हा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध-निदेशक
डीआईएन: 07599781

ह/-
(सीए सत्यजित मिश्रा)
साझेदार
सदस्यता संख्या. 057293

दिनांक : 29.05.2021

स्थान: बुर्ला

31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित नगद प्रवाह (र करोड़ में)

अ. प्रशासन गतिविधियों से नगद प्रवाह:

विवरण	01.04.2019 तक वर्ष प्रतिवर्ती शेयर पूंजी में बदलाव	31.03.2020 तक वर्ष	वर्ष के दौरान प्रतिवर्ती शेयर पूंजी में बदलाव	01.04.2020 तक वर्ष प्रतिवर्ती शेयर पूंजी में बदलाव
पूर्ण भुगतान किए गए प्रति रु. 1000 के 6618163 इक्विटी शेयर	661.84	-	661.84	-
		661.84	-	661.84

ब. अन्य इक्विटी

विवरण	अन्य रिजर्व		समाप्त रिजर्व	प्रतिवर्तित आय	अन्य व्यापक आय	प्रतिवर्तित व्यय	कुल (प्रतिवर्तित व्यापक आय)
	पूर्व प्रवर्तित रिजर्व	वर्ष के दौरान प्रतिवर्ती शेयर पूंजी में बदलाव					
01.04.2019 तक वर्ष संचालन गति में परिवर्तन पूर्व अवधि के लिए	44.29	-	1,947.30	1,182.50	18.36	64.61	3,192.45
01.04.2019 का पूर्व अवधि शेयर	44.29	-	1,947.30	1,182.50	18.36	64.61	3,192.45
वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान समावजन	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान लाभ	-	-	-	6,415.56	-	(7.57)	6,415.56
प्रतिवर्तित लाभ योजनाओं का प्रतिवर्ती (कर का निवृत्त)	-	-	-	-	(79.44)	-	(79.44)
प्रतिवर्तित लाभ योजनाओं का प्रतिवर्ती (कर का निवृत्त)	-	-	-	-	-	-	-
समाप्त रिजर्व कोर से अंतरण	-	-	321.37	(321.37)	-	-	-
अन्य रिजर्व कोर से अंतरण	-	-	-	-	-	-	-
अंतरित लाभों	-	-	-	(5,225.00)	-	-	(5,225.00)
अंतरित लाभों	-	-	-	-	-	-	-
क्यापिटल लाभों पर	-	-	-	(1,074.01)	-	-	(1,074.01)
क्यापिटल लाभों पर	-	-	-	-	-	-	-
01.04.2020 तक वर्ष	44.29	-	2,268.67	977.68	(60.08)	57.04	3,230.56
01.04.2020 तक वर्ष	44.29	-	2,268.67	977.68	(60.08)	57.04	3,230.56
वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान समावजन	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान लाभ	-	-	-	6,870.46	-	0.46	6,870.46
प्रतिवर्तित लाभ योजनाओं का पुनर्निर्माण का निवृत्त	-	-	-	-	(37.42)	-	(37.42)
प्रतिवर्तित लाभ योजनाओं का पुनर्निर्माण का निवृत्त	-	-	-	-	-	-	-
समाप्त रिजर्व से कोर अंतरण	-	-	343.62	(343.62)	-	-	-
अन्य रिजर्व से कोर अंतरण	-	-	-	-	-	-	-
अंतरित लाभों	-	-	-	(5,225.00)	-	-	(5,225.00)
अंतरित लाभों	-	-	-	-	-	-	-
क्यापिटल लाभों पर	-	-	-	-	-	-	-
क्यापिटल लाभों पर	-	-	-	-	-	-	-
31.03.2021 तक वर्ष	44.29	-	2,612.29	2,279.52	(97.50)	57.50	4,838.60

वित्तीय विवरणी के लिए टिप्पणी (समेकित)

टिप्पणी 1: कॉर्पोरेट जानकारी

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, एक मिनी रत्न कंपनी है, जिसका मुख्यालय संबलपुर ओडिशा में स्थित है, जिसे 3 अप्रैल 1992 को कोल इंडिया लिमिटेड की 100% अनुषंगी कंपनी के रूप में शामिल किया गया था जिसमें ओडिशा राज्य में स्थित खानों में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की संपत्ति एवं देयताएं शामिल थी।

कंपनी मुख्य रूप से कोयले का खनन और उत्पादन करती है। कंपनी के प्रमुख उपभोक्ता ऊर्जा और इस्पात क्षेत्र हैं अन्य क्षेत्रों के उपभोक्ताओं में सीमेंट, उर्वरक, ईट-भट्ठे आदि सम्मिलित हैं।

ओडिशा में एमसीएल की 4 अनुषंगी कंपनियां हैं। समूह संरचना की जानकारी टिप्पणी संख्या 38 में वर्णित है।

टिप्पणी 2: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

2.1 वित्तीय विवरणों की तैयारी का आधार

- i. कंपनी के वित्तीय विवरण (एमसीएल समेकित) कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 की धारा 133 के तहत अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक के अनुसार तैयार किए गए हैं।
- ii. वित्तीय विवरण को ऐतिहासिक अंकन लागत के आधार पर तैयार किया गया है, सिवाय इसके कि
 - उचित वित्तीय आस्ति और देयताओं को उचित मूल्य पर मापा जाता है (अनुच्छेद 2.15 में वित्तीय साधनों पर लेखांकन नीति देखें)
 - परिभाषित लाभ योजना को आस्ति योजना के उचित मूल्य पर मापा जाता है।
 - वस्तु सूची पर लागत या एनआरवी, इनमें से जो भी कम हो (अनुच्छेद 2.21 में वर्णित लेखांकन नीति का अवलोकन करें)।

2.1.1 पूर्ण अंकों में राशि

इन वित्तीय विवरणों में राशि जब तक कि अन्यथा अपेक्षित न हो तब तक रुपए करोड़ में" दो दशमलव अंको तक राउंड ऑफ किए जाएंगे।

2.2. समेकन का आधार

2.2.1 अनुषंगियां

अनुषंगी कंपनियां वे संस्थाएं हैं जिन पर कंपनी का नियंत्रण है। एक इकाई पर कंपनी तब तक नियंत्रण करता है, जब तक कंपनी को इकाई के साथ अपनी भागीदारी से परिवर्तनीय लाभ हो या लाभ पर इनका अधिकार हो तथा इकाई की गतिविधियों को निर्देशित कर उन लाभों को प्रभावित करने की क्षमता हो। कंपनी को नियंत्रण हस्तांतरित होने की तिथि से इसकी अनुषंगियों को समेकित किया जाता है। नियंत्रण समाप्त होने की तिथि से उन्हें डिक्ॉन्सॉलिडेट कर दिया जाता है।

कंपनी द्वारा व्यापारिक संयोजन के लिए लेखांकन के अधिग्रहण विधि का उपयोग किया जाता है।

कंपनी आस्ति, देयताओं, इक्विटी, नकदी प्रवाह, आय एवं व्यय की वस्तुओं को शामिल करने के उपरांत मुख्य कंपनी एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों के वित्तीय विवरण को जोड़ती है। इंटर कंपनी लेन-देन, शेष राशि और समूह कंपनियों के बीच लेन-देन पर अप्राप्त अभिलाभ को समाप्त कर दिया जाता है। समूह कंपनियों के मध्य अप्राप्त हानियों को भी समाप्त कर दिया गया है, जब तक अंतरित आस्तियों की क्षति का प्रमाण नहीं मिलता है। एमसीएल के समेकित सभी कंपनियाँ समरूप अंतरण तथा समान परिस्थितियों में घटनाओं के लिए आमतौर पर एमसीएल द्वारा अपनाई गयी नीतियों का पालन करती है। एमसीएल के समेकित एक सहायक कंपनी विशेष के महत्वपूर्ण विचलन के मामलों में एमसीएल के समेकित लेखांकन नीतियों के अनुरूप होने के लिए इस तरह के एक सहायक समूह के वित्तीय विवरण के लिए उचित समायोजन किया जाता है।

अनुषंगियों के परिणामों और इक्विटी में गैर-नियंत्रित हित को पृथक रूप से क्रमशः लाभ एवं हानि विवरण, इक्विटी में बदलाव के समेकित विवरण एवं तुलन-पत्र में दर्शाया गया है।

2.2.2 सहायिकाएँ

सहायक कंपनियां वे संस्थाएं हैं जिन पर कंपनी का महत्वपूर्ण प्रभाव होता है लेकिन उस पर कोई नियंत्रण या संयुक्त नियंत्रण नहीं होता। यह वह मामला है जहां कंपनी के पास 20% से 50% तक का मताधिकार होता है।

लागत के रूप में मान्यता प्राप्त होने के पश्चात सहयोगी कंपनियों में निवेश का लेखा-जोखा लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग कर किया जाता है, जब तक बिक्री के लिए आयोजित निवेश व इसके एक हिस्से को वर्गीकृत नहीं किया जाता है, जिसका लेखा-जोखा भारतीय लेखांकन मानक 105 के अनुरूप किया जाएगा।

कंपनी अपनी सहायक कंपनियों में शुद्ध निवेश को उद्देश्यपूर्ण साक्ष्य के आधार पर कम करती है।

2.2.3 संयुक्त व्यवस्था

संयुक्त व्यवस्था वह व्यवस्था है जहां कंपनी एक या एक से अधिक पार्टियों के साथ संयुक्त नियंत्रण करती है।

संयुक्त नियंत्रण अनुबंध की सहमति से सहमत होने की वह व्यवस्था है, जहां प्रासंगिक गतिविधियों से संबंधित फैसले को साझा करने के लिए पार्टियों के सर्वसम्मत संकल्प की आवश्यकता होती है।

संयुक्त व्यवस्था को संयुक्त अभियान या संयुक्त उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वर्गीकरण संयुक्त व्यवस्था के कानूनी ढांचे के बजाए प्रत्येक निवेशक के अनुबंध के अधिकारों और दायित्व पर निर्भर करता है।

2.2.4 संयुक्त संचालन

संयुक्त संचालन वह संयुक्त व्यवस्था है जिसके तहत कंपनी को संपत्ति से संबंधित देयताओं के लिए आस्तियों और देयताओं के अधिकार मिले हैं।

कंपनी आस्तियों, देयताओं, राजस्व और संयुक्त संचालन के खर्चों और उसके किसी भी संयुक्त रूप में आयोजित किए गए आस्तियों, देयताओं, राजस्व और व्ययों का अपना प्रत्यक्ष अधिकार रखती है। इसे उचित शीर्षकों के तहत वित्तीय वक्तव्य में शामिल किया गया है।

2.2.5 संयुक्त उद्यम

संयुक्त उद्यम वे संयुक्त व्यवस्थाएं हैं जिसमें कंपनी को शुद्ध संपत्ति व्यवस्था के अधिकार प्राप्त हैं।

समेकित तुलन-पत्र में लागत के रूप में मान्यता प्राप्त होने के पश्चात संयुक्त उद्यम में हितों का लेखा-जोखा इक्विटी पद्धति का उपयोग कर किया जाता है।

लागत के रूप में मान्यता प्राप्त होने के पश्चात संयुक्त उद्यम में निवेश का लेखा-जोखा लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग कर किया जाता है, जब तक बिक्री के लिए आयोजित निवेश व इसके एक हिस्से को वर्गीकृत नहीं किया जाता, जिसका लेखा-जोखा भारतीय लेखांकन मानक 105 के अनुरूप किया जाएगा।

कंपनी अपनी संयुक्त उद्यम में शुद्ध निवेश को उद्देश्यपूर्ण साक्ष्य के आधार पर कम करती है।

2.2.6 इक्विटी पद्धति

लेखांकन की इक्विटी पद्धति के तहत निवेश को शुरुआती लागत पर मान्यता प्राप्त है, इसके बाद कंपनी के शेयरों के अधिग्रहण के लाभ व हानि में निवेशक के नुकसान को पहचानने के लिए तथा कंपनी शेयरों के अन्य व्यापक आय में निवेशक के अन्य व्यापक आय को पहचानने के लिए उसका समायोजन किया जाता है। सहयोगियों और संयुक्त उद्यम से प्राप्त या प्राप्त होने वाली लाभांश को निवेश की मात्रा में कमी के रूप में लिया जाता है।

जब कंपनी के इक्विटी शेयर के निवेश में नुकसान, जो इकाई के हितों के बराबर या उससे अधिक हो जाता है, जिसमें किसी अन्य असुरक्षित दीर्घकालिक प्राप्त्य भी शामिल है, तो कंपनी अधिक नुकसान नहीं पहचानती है जब तक कि अन्य इकाई की तरफ से कार्य या भुगतान न किया गया हो।

कंपनी और उसके सहयोगियों एवं संयुक्त उपक्रम के बीच लेन-देन के फायदे इन संस्थाओं में कंपनी के हित की सीमा तक समाप्त हो जाते हैं। अनावृत नुकसान भी समाप्त हो जाते हैं जब तक कि अपनाई गई लेन देन की नीतियों में संपत्ति की हानि का सबूत नहीं मिलता, कंपनी द्वारा अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिए जहां आवश्यक हो वहां निवेशक को ध्यान में रखते हुए इक्विटी की लेखांकन नीतियों में बदलाव किया जाता है।

2.2.7 स्वामित्व के हितों में बदलाव

कंपनी इक्विटी स्वामित्व के साथ लेन देन की प्रक्रिया में होने वाले गैर नियंत्रण हितों के नुकसान को नियंत्रित करती है। स्वामित्व के हितों में बदलाव वर्तमान राशियों के नियंत्रण एवं गैर-नियंत्रण हितों को उनके संबंधित सहायक कंपनियों में दर्शाने हेतु समायोजित करती है। गैर-नियंत्रित हितों की राशि में एवं किसी भुगतान या प्राप्त किए गए उचित मूल्य में किसी भी प्रकार के अंतर को इक्विटी के भीतर स्वीकार किया जाएगा।

जब कंपनी नियंत्रण, संयुक्त नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव के नुकसान के कारण एक निवेश हेतु समेकित या इक्विटी खाते को समाप्त करती है तो किसी भी इक्विटी में बनाए गए हित लाभ व हानि में स्वीकार किए गए वर्तमान राशि में बदलाव सहित उसके उचित मूल्य पर पुनः मापे जाते हैं। यह उचित मूल्य सहयोगी कंपनी, संयुक्त उद्यम व वित्तीय संपत्ति के बनाए गए हित के रूप में लेखांकन प्रयोजन हेतु वर्तमान राशि होंगे। इसके अलावा उस इकाई के संबंध में अन्य व्यापक आय में पहले से स्वीकृत राशि का विवरण दिया जाता है जैसे कि कंपनी में संबंधित संपत्ति या देयताओं का सीधे निपटारा किया गया है। इसका मतलब यह हो सकता है कि अन्य व्यापक व्यय में पहले से स्वीकृत राशियों का लाभ व हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है।

यदि संयुक्त उद्यम व सहयोगी कंपनी में स्वामित्व हित कम है परंतु संयुक्त नियंत्रण व महत्वपूर्ण प्रभाव बने हुए हैं तो केवल अन्य व्यापक व्यय में पहले से स्वीकृत राशि का समानुपात शेयर हानि व लाभ में जहां आवश्यक हो वर्गीकृत किया जाएगा।

2.3 चालू एवं गैर-चालू वर्गीकरण

कंपनी अपने तुलन-पत्र में चालू/ गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर आस्तियों एवं देयताओं को प्रस्तुत करती है। कंपनी द्वारा किसी आस्ति को चालू तब माना जाता है जब,

- क. यह सामान्य परिचालन चक्र में आस्तियों की वसूली अथवा बिक्री अथवा इसके उपभोग की इच्छा रखती है।;
- ख. यह आस्ति को मुख्य तौर पर व्यापार के उद्देश्य के लिए रखती है;
- ग. यह रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीने के भीतर आस्ति के वसूली की अपेक्षा रखती है; अथवा
- घ. आस्ति नकद व नकद समकक्ष (लेखांकन नीति 7 में यथा-परिभाषित) रूप में तब तक रहती है जब तक आस्ति को रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए विनिमय किए जाने या देयता के निपटान के लिए उपयोग किए जाने पर प्रतिबंध न लगा दिया गया हो। अन्य सभी आस्तियों को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

क. कंपनी के द्वारा किसी देयता को चालू के रूप में तब माना जाता है जब:

- क. यह अपने सामान्य परिचालन चक्र में देयता के निपटान की अपेक्षा रखती है।;
 - ख. इसकी देयता मुख्य तौर पर व्यापार के लिए होती है।;
 - ग. रिपोर्टिंग अवधि के 12 माह के भीतर बकाये देयता का निपटान किया जाना है; अथवा
 - घ. रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम 12 माह के लिए देयता के निपटान को आस्थगित करने का शर्तहीन अधिकार इसके पास नहीं है। प्रतिरूप के विकल्प पर किसी देयता के जो नियम
- इक्विटी- विपत्रों को जारी करके इसके निपटान के फलस्वरूप हो सकते थे, वे इसके वर्गीकरण को प्रभावित नहीं करते हैं।

अन्य सभी देयताओं को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

2.4 राजस्व स्वीकृति

ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त राजस्व

ग्राहकों के साथ अनुबंधों से प्राप्त राजस्व को तब मान्यता दी जाती है जब वस्तुओं या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को उस राशि पर हस्तांतरित किया जाता है जो उस प्रतिफल को दर्शाता है जिसके लिए कंपनी उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले हकदार होने की अपेक्षा करती है। कंपनी ने आमतौर

पर यह निष्कर्ष निकाला है कि यह अपनी राजस्व व्यवस्था में प्रमुख है क्योंकि यह आमतौर पर ग्राहकों को स्थानांतरित करने से पहले वस्तुओं या सेवाओं को नियंत्रित करता है।

निम्नलिखित पाँच चरणों का उपयोग करते हुये भारतीय लेखांकन मानक 115 के सिद्धांतों को लागू किया जाता है:

चरण 1: अनुबंध की पहचान:

कंपनी किसी ग्राहक के साथ अनुबंध तभी करती है जब निम्नलिखित सभी मानदंड पूरे होते हैं:

- क. अनुबंध के पक्षकारों को अनुबंध को स्वीकार करना होता है और वे अपने संबंधित दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं;
- ख. कंपनी स्थानांतरित किए जाने वाले वस्तु या सेवाओं से संबंधित प्रत्येक पार्टी के अधिकारों की पहचान कर सकती है;
- ग. कंपनी हस्तांतरित की जाने वाली वस्तुओं या सेवाओं के लिए भुगतान की शर्तों की पहचान कर सकती है;
- घ. अनुबंध में वाणिज्यिक विषय वस्तु है (अर्थात कंपनी के भविष्य के नकदी प्रवाह का जोखिम, समय या राशि अनुबंध के परिणामस्वरूप बदलने की उम्मीद है); तथा
- ङ. यह संभव है कि कंपनी उस पर विचार करेगी जिसके लिए वह ग्राहक को हस्तांतरित की जाने वाली वस्तुओं या सेवाओं हेतु विनिमय के लिए हकदार होगा। तय की गई राशि जिस पर कंपनी हकदार होगी, वह अनुबंध में निर्दिष्ट कीमत से कम हो सकती है, यदि तय की गई राशि परिवर्तनशील है क्योंकि कंपनी ग्राहक को मूल्य रियायत, बट्टा, छूट, धन वापसी, क्रेडिट की पेशकश कर सकती है या प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस, या इसी तरह पारितोषिक प्रदान किए जा सकते हैं।

अनुबंधों का संयोजन

कंपनी दो या दो से अधिक अनुबंधों को समेकित करती है यदि एक ही ग्राहक द्वारा एक ही समय में या एक ही समय के आस-पास अनुबंध दाखिल की जाती है (या ग्राहक के संबंधित पक्षों) और अनुबंध एक एकल अनुबंध के रूप में मान्य होगा, यदि निम्न में से एक या अधिक मानदंडों को पूरा किया जाता है।

- क. एकल वाणिज्यिक उद्देश्य के साथ एक मुश्त में अनुबंध तय की जा सकती है;
- ख. अनुबंध में भुगतान किए जाने वाले तय राशि दूसरे अनुबंध के निष्पादन या कीमत पर निर्भर करती है; या
- ग. अनुबंध में तय किए गए वस्तु या सेवाएँ (या प्रत्येक अनुबंध में तय किए गए कुछ वस्तु या सेवाएँ) एकल कार्य निष्पादन दायित्व हैं।

अनुबंध संशोधन

कंपनी एक अलग अनुबंध के रूप में अनुबंध संशोधन के लिए उत्तरदायी है यदि निम्न दोनों स्थितियां मौजूद हैं:

क. अनुबंध की गुंजाइश बढ़ जाती है क्योंकि तय किए गए वस्तुओं या सेवाओं से यदि वे अलग हों,

ख. अनुबंध की कीमत तय की गई कीमत से बढ़ सकती है यह कंपनी की स्टैंड-अलोन अतिरिक्त तय की गई वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री मूल्यों और उस मूल्य के कोई उपयुक्त समायोजन जो विशेष अनुबंध के परिस्थितियों को दर्शाता हो।

चरण 2: कार्यनिष्पादन दायित्वों की पहचान

अनुबंध की शुरुआत में, कंपनी एक ग्राहक के साथ अनुबंध में तय किए गए सामान या सेवाओं का आकलन करती है और ग्राहक को हस्तांतरित करने के प्रत्येक वादे को एक प्रदर्शन दायित्व के रूप में पहचानती है।

क. वस्तुओं या सेवाओं (वस्तुओं या सेवाओं का एक समूह) जो अलग हैं; या

ख. विशिष्ट वस्तुओं या सेवाओं की एक श्रृंखला जो काफी हद तक समान हैं और जिनका ग्राहक को हस्तांतरण का समान पैटर्न है।

चरण 3: लेन-देन मूल्य का निर्धारण

कंपनी लेन-देन की कीमत निर्धारित करने के लिए अनुबंध की शर्तों और इसकी प्रथागत व्यावसायिक कार्यों पर विचार करती है। लेन-देन का मूल्य तय की गई वह राशि है, जिसके संबंध में कंपनी आशा करती है कि वह तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशियों को छोड़कर, किसी ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं को हस्तांतरित करने हेतु विनिमय के लिए हकदार होगी। एक ग्राहक के साथ एक अनुबंध में तय किए गए प्रतिबद्धता में नियत राशि, परिवर्तनीय राशि या दोनों शामिल हो सकते हैं।

लेन-देन की कीमत के निर्धारण के समय, एक कंपनी निम्नलिखित सभी प्रभावों पर विचार करती है:

- परिवर्तनीय स्वीकार्यता;
- परिवर्तनीय निर्णय के आकलन;
- महत्वपूर्ण वित्त पोषण घटक का अस्तित्व;
- गैर-नकद प्रतिफल;
- ग्राहक को देय प्रतिफल

बट्टा, छूट, प्रतिदाय, क्रेडिट, मूल्य रियायतें, प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस, या अन्य समान पारितोषकों के कारण तय की गई राशि भिन्न हो सकती है। यदि कंपनी भविष्य में होने वाली घटना के होने या न होने पर विचार करती है तो प्रतिबद्ध निर्णय भी भिन्न हो सकता है।

कुछ अनुबंधों में, दंड निर्दिष्ट हैं। ऐसे मामलों में, अनुबंध के सारांश के अनुसार दंड की गणना की जाती है। जहां लेन-देन के मूल्य के निर्धारण में जुर्माना निहित है, यह परिवर्तनीय निर्णय का हिस्सा है।

कंपनी लेन-देन की कीमत में अनुमानित परिवर्तनीय प्रतिफल की कुछ या सभी राशि को केवल उस सीमा तक शामिल करती है, जिसकी अत्यधिक संभावना है कि मान्यता प्राप्त संचयी राजस्व की राशि में एक महत्वपूर्ण उलट फेर तब नहीं होगा जब परिवर्तनशील प्रतिफल से जुड़ी अनिश्चितता बाद में हो।

कंपनी एक महत्वपूर्ण वित्त पोषण घटक के प्रभावों के लिए तय की गई प्रतिबद्ध राशि को समायोजित नहीं करती है यदि वह अनुबंध की आरंभ में अपेक्षा करता है, कि उस अवधि के दौरान जब वह ग्राहक को प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाएं हस्तांतरित करता है और जब ग्राहक उस वस्तु या सेवा के लिए भुगतान करता है, तो वह अवधि एक वर्ष या उससे कम की हो।

कंपनी प्रतिदाय दायित्व को स्वीकार करती है यदि कंपनी ग्राहक से भुगतान प्राप्त करती है और कंपनी ग्राहक को उस भुगतान के कुछ या पूर्ण प्रतिदाय की उम्मीद करती है। प्रतिदाय दायित्व को प्राप्त भुगतान (या प्राप्य) की उस राशि के आधार पर तय किया जाता है, जिसके लिए कंपनी स्वत्वाधिकारी की उम्मीद नहीं करती है (यानी लेन-देन मूल्य में शामिल नहीं की गई राशि) प्रतिदाय दायित्व (और लेन-देन मूल्य में संगत परिवर्तन और, इसलिए, अनुबंध दायित्व) को परिस्थितियों में बदलाव के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अद्यतन किया जाता है।

अनुबंध की प्रारंभ होने के बाद, लेन-देन की कीमत विभिन्न कारणों से बदल सकती है, जिसमें अनिश्चित घटनाओं का समाधान या परिस्थितियों में अन्य परिवर्तन शामिल हैं जो उस भुगतान की राशि को बदल सकती है, जिसके लिए कंपनी प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं के लिए विनिमय में हकदार होने की उम्मीद करती है।

चरण 4: लेन-देन मूल्य का आवंटन:

लेन-देन मूल्य का आवंटन करते समय कंपनी का उद्देश्य कंपनी के लिए प्रत्येक कार्यनिष्पादन दायित्व (या अलग-अलग वस्तुओं या सेवा) के लिए उस राशि पर लेन-देन मूल्य आवंटित करना है

जो इस में कंपनी को ग्राहक को दिए गए माल या सेवाओं को हस्तांतरित करने के लिए विनिमय में कंपनी द्वारा अपेक्षित हकदार होने की भुगतान की गई राशि को प्रदर्शित करती है।

संबंधित स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य आधार पर प्रत्येक कार्यनिष्पादन दायित्व के लिए लेन-देन मूल्य आवंटित करने के लिए कंपनी अनुबंध में प्रत्येक कार्यनिष्पादन बाध्यता के आधार पर अलग वस्तुओं या सेवाओं के अनुबंध के प्रारंभ पर स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य निर्धारित करती है और उन स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्यों के अनुपात में लेन-देन मूल्य आवंटित करती है।

चरण 5: राजस्व को दर्शाना:

कंपनी राजस्व को तब दर्शाती है जब (या जैसे) कंपनी ग्राहक को प्रतिबद्ध माल या सेवाओं को अंतरित करके निष्पादन बाध्यता को पूरा करती है। वस्तु या सेवा तब हस्तांतरित की जाती है जब (या जैसे) ग्राहक उस वस्तु या सेवा का नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।

कंपनी समय पर माल या सेवा का नियंत्रण हस्तांतरित करती है, और इसलिए, कंपनी समय पर कार्यनिष्पादन बाध्यता को पूरा करती है और राजस्व को मान्यता देती है, यदि निम्न मानदंडों में से एक को पूरा किया जाता है:

क. ग्राहक कंपनी के साथ-साथ कंपनी के निष्पादन द्वारा प्राप्त लाभों को प्राप्त करता है और उनका उपभोग करता है, जैसा कि कंपनी प्रदर्शन करती है;

ख. कंपनी का निष्पादन संपत्ति सृजित करता है या बढ़ाता है और जितनी संपत्ति सृजित या बढ़ाई जाती है, उतना ही ग्राहक उसे संपत्ति के रूप में नियंत्रित करता है।

ग. कंपनी का कार्यनिष्पादन कंपनी के लिए एक वैकल्पिक उपयोग के साथ आस्ति सृजित नहीं करती है तो कंपनी को अब तक के निष्पादन के लिए भुगतान का प्रवर्तनीय अधिकार है।

समय के साथ संतुष्ट प्रत्येक कार्यप्रदर्शन दायित्व के लिए, कंपनी उस प्रदर्शन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में प्रगति को मापकर समय के साथ राजस्व को पहचानती है।

कंपनी समय के साथ संतुष्ट प्रत्येक प्रदर्शन दायित्व के लिए प्रगति को मापने का एक ही तरीका लागू करती है और कंपनी उस पद्धति को समान प्रदर्शन दायित्वों और समान परिस्थितियों में लगातार लागू करती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, कंपनी समय के साथ संतुष्ट एक कार्यनिष्पादन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति को फिर से मापती है।

कंपनी अनुबंध के तहत वादा किए गए शेष वस्तुओं या सेवाओं के सापेक्ष तिथि को हस्तांतरित वस्तुओं या सेवाओं के मूल्य के प्रत्यक्ष माप के आधार पर राजस्व को पहचानने के लिए आउटपुट विधियों को लागू करती है। आउटपुट विधियों में ऐसे तरीके शामिल हैं जैसे कि आजतक पूर्ण किए गए प्रदर्शन के सर्वेक्षण, प्राप्त परिणामों का मूल्यांकन, प्राप्त उपलब्धि, व्यतीत समय और उत्पादित इकाइयाँ या सुपुर्द इकाइयाँ।

जैसे-जैसे समय के साथ परिस्थितियाँ बदलती हैं, कंपनी निष्पादन बाध्यता के परिणाम में किसी भी बदलाव को दर्शाने की प्रगति के अपने उपाय को अद्यतन करती है। कंपनी की प्रगति के आंकलन में इस तरह के बदलावों को भारतीय लेखांकन मानक 8, लेखांकन नीतियों, लेखांकन अनुमानों और त्रुटियों में परिवर्तन के अनुसार लेखांकन अनुमान में परिवर्तन के रूप में जाना जाता है।

कंपनी सिर्फ समय पर पूर्ण निष्पादन बाध्यता के लिए राजस्व को मान्यता देती है, यदि जब कंपनी निष्पादन बाध्यता की पूर्ण समाधान के लिए अपनी प्रगति का आंकलन यथोचित रूप से करती है। जब (या जैसे) निष्पादन बाध्यता पूरा हो जाता है, तो कंपनी लेन-देन मूल्य की राशि को राजस्व के रूप में मान्यता देती है जो कि परिवर्तनीय भुगतान के अनुमानों को शामिल नहीं करता है जो उस कार्यनिष्पादन बाध्यता के लिए आवंटित होता है।

यदि कार्यनिष्पादन कर्तव्य समय पर पूरा नहीं हो, तो कंपनी एक निर्धारित समय में कार्यनिष्पादन पूरा करती है। उस समय को निर्धारित करने के लिए, जिस पर ग्राहक प्रतिबद्ध वस्तुओं या सेवाओं पर नियंत्रण प्राप्त करता है और कंपनी कार्यनिष्पादन बाध्यता को पूरा करती है, कंपनी नियंत्रण हस्तांतरण के संकेतकों को तय करती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन यहाँ तक सीमित नहीं हैं:

- क. कंपनी के पास माल या सेवा के भुगतान का अधिकार होता है;
- ख. ग्राहक के पास माल या सेवा का कानूनी हक होता है;
- ग. कंपनी ने वस्तु या सेवा के भौतिक कब्जे को स्थानांतरित कर दिया है;
- घ. ग्राहक के पास महत्वपूर्ण जोखिम और माल या सेवा का स्वामित्व होता है।
- ड. ग्राहक ने माल या सेवा को स्वीकार कर लिया है।

जब अनुबंध के किसी भी पक्ष ने कार्यनिष्पादन किया है, तो कंपनी, कंपनी के कार्यनिष्पादन और ग्राहक के भुगतान के बीच संबंधों के आधार पर अनुबंध को अनुबंध संपत्ति या अनुबंध देयता के रूप में तुलन-पत्र में प्रस्तुत करती है। कंपनी प्राप्य के रूप में अलग से विचार करने के लिए कोई भी बिना शर्त अधिकार प्रस्तुत करती है।

अनुबंध आस्ति:

एक अनुबंध संपत्ति, ग्राहक को हस्तांतरित वस्तुओं या सेवाओं के बदले में, निर्णय का अधिकार है। यदि कंपनी ग्राहक पर विचार करने से पहले या भुगतान देय होने से पहले किसी वस्तु या सेवाओं को किसी ग्राहक को हस्तांतरित करती है, तो अनुबंध आस्ति अर्जित निर्णय के लिए मान्यता प्राप्त है जो सशर्त है।

व्यापार प्राप्य:

एक प्राप्य कंपनी के अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है जो बिना शर्त है (यानी, विचार के भुगतान से पहले केवल समय बीतने की आवश्यकता है)।

अनुबंध देयताएं:

अनुबंध देयता ग्राहक को वस्तुओं या सेवाओं को स्थानांतरित करने का दायित्व रखती है जिससे कंपनी को ग्राहक के विचार (या विचार की राशि देय है) प्राप्त होते हैं। ग्राहक के विचार करने से पूर्व कंपनी ग्राहक को वस्तुओं या सेवाओं को हस्तांतरित करती है, जब भुगतान किया जाता है या देय (जो भी पहले हो) तब अनुबंध देयता को दर्शाया जाता है।

ब्याज

भुगतान प्राप्त करने के अधिकार स्थापित होने पर निवेश से लाभांश आय को दर्शाया जाता है।

लाभांश

भुगतान प्राप्त करने के अधिकार स्थापित होने पर निवेश से लाभांश आय को दर्शाया जाता है।

अन्य दावे

अन्य दावों (ग्राहकों से विलंबित ब्याज पर प्राप्ति) की गणना तब कि जाती है, जब प्राप्ति की निश्चितता होती है तथा विश्वसनीय रूप से मापन किया जा सकता है।

2.5 सरकार से अनुदान

सरकारी अनुदानों को तब तक मान्यता नहीं दी जाती है जब तक कि उचित आश्वासन न हो कि कंपनी उनसे जुड़ी शर्तों का पालन करेगी और उचित निश्चितता है कि अनुदान प्राप्त होगा।

सरकारी अनुदान को लाभ और हानि के विवरण में व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसमें कंपनी संबंधित लागतों को खर्च के रूप में मान्यता देती है जिससे अनुदान की क्षतिपूर्ति की जाती है।

आस्तियों से संबंधित सरकारी अनुदानों को आस्थगित आय के रूप में अनुदान की स्थापना करके तुलन पत्र में प्रस्तुत किया जाता है और परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन पर व्यवस्थित आधार पर लाभ और हानि के विवरण में पहचाना जाता है।

आय से संबंधित अनुदान (यानी संपत्ति के अलावा अन्य अनुदान) सामान्य शीर्षक 'अन्य आय' के तहत लाभ या हानि के विवरण के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

एक सरकारी अनुदान/सहायता जो पहले से किए गए खर्चों या हानियों के मुआवजे के रूप में या भविष्य से संबंधित लागतों के बिना कंपनी को तत्काल वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से प्राप्य हो जाती है, को उस अवधि के लाभ या हानि में मान्यता दी जाती है जिसमें यह प्राप्य हो जाता है।

सरकार अनुदान या संवर्धक योगदान की प्रकृति में सीधे "कैपिटल रिजर्व" में दी गई है जो "शेयर धारकों के फंड" का हिस्सा है।

2.6 पट्टे

यदि एक अनुबंध विचार के बदले में समय की अवधि के लिए किसी पहचाने गयी आस्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देता है, तो वह अनुबंध पट्टा है, या पट्टे को सम्मिलित करता है।

2.6.1 पट्टेदार के रूप में कंपनी

प्रारंभ तिथि पर, एक पट्टेदार लागत पर उपयोग के अधिकार की संपत्ति और पट्टे के भुगतान के वर्तमान मूल्य पर एक पट्टा देयता को मान्यता देगा जो उस तिथि पर सभी पट्टों के लिए भुगतान नहीं किया जाता है जब तक कि पट्टे की अवधि 12 महीने या उससे कम न हो या अंतर्निहित परिसंपत्ति कम मूल्य की न हो।

इसके बाद, उपयोग के अधिकार की संपत्ति को लागत मॉडल का उपयोग करके मापा जाता है, जबकि लीज देयता को लीज देयता पर ब्याज को प्रतिबिंबित करने के लिए वहन राशि में वृद्धि करके, लीज भुगतान को प्रतिबिंबित करने के लिए वहन राशि को कम करके और तथा पुनर्मूल्यांकन या पट्टे में संशोधन दर्शाने हेतु वहन राशि को पुनरांकित कर आँका जाता है।

वित्त प्रभावों को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागतों में मान्यता दी जाती है, जब तक कि लागतों को अन्य लागू मानकों को लागू करने वाली किसी अन्य परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि में

शामिल नहीं किया जाता है। संपत्ति के उपयोगी जीवन पर उपयोग के अधिकार का मूल्यहास किया जाता है, यदि पट्टा पट्टे की अवधि के अंत तक संपत्ति के स्वामित्व को पट्टेदार को हस्तांतरित करता है या यदि उपयोग के अधिकार की संपत्ति की लागत दर्शाती है कि पट्टेदार खरीद विकल्प का प्रयोग करेंगे। अन्यथा, पट्टेदार उपयोग-से-उपयोग की संपत्ति का मूल्यहास प्रारंभ तिथि से लेकर उपयोग के अधिकार की संपत्ति के उपयोगी जीवन के अंत तक या पट्टे की अवधि के अंत तक करेगा।

2.6.2 पट्टादाता के रूप में कंपनी

सभी पट्टे या तो परिचालन पट्टे या वित्त पट्टे के रूप में हैं।

एक पट्टे को एक वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह एक अंतर्निहित परिसंपत्ति के स्वामित्व के लिए प्रासंगिक सभी जोखिमों और प्रतिफलों को पर्याप्त रूप से अंतरित करता है। एक पट्टे को परिचालन पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह एक अंतर्निहित परिसंपत्ति के स्वामित्व के लिए प्रासंगिक सभी जोखिमों और प्रतिफलों को पर्याप्त रूप से अंतरित नहीं करता है

परिचालन पट्टे - परिचालन पट्टों से पट्टे पर भुगतान को या तो सीधी से आय के रूप में मान्यता दी जाती है जब तक कि कोई अन्य व्यवस्थित आधार उस पैटर्न का अधिक प्रतिनिधित्व न हो जिसमें अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोग से लाभ कम हो।

वित्तीय पट्टे - एक वित्त पट्टे के तहत रखी गई आस्ति को शुरू में इसकी तुलन-पत्र में दर्शाया जाता है और पट्टे में शुद्ध निवेश को आँकने के लिए पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग करके पट्टे में शुद्ध निवेश के बराबर राशि के रूप में प्राप्त के रूप में प्रस्तुत करता है।

2.7 बिक्री हेतु गैर चालू संपत्ति

कंपनी गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों और (या निपटान समूहों) को बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत करती है यदि उनकी अग्रणीत राशि मुख्य रूप से निरंतर उपयोग के बजाय बिक्री के माध्यम से वसूल की जाएगी। बिक्री को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्रवाइयों से संकेत मिलता है कि यह संभावना नहीं है कि बिक्री में महत्वपूर्ण बदलाव किए जाएंगे या बेचने का निर्णय वापस ले लिया जाएगा। प्रबंधन को वर्गीकरण की तारीख से एक वर्ष के भीतर अपेक्षित बिक्री के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

इन उद्देश्यों के लिए, बिक्री लेनदेन में अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियों के लिए गैर-चालू परिसंपत्तियों का आदान-प्रदान शामिल होता है, जब एक्सचेंज में वाणिज्यिक पदार्थ होता है। बिक्री वर्गीकरण के लिए मानदंड तभी पूरा माना जाता है जब संपत्ति या निपटान समूह अपनी वर्तमान स्थिति में तत्काल बिक्री के लिए उपलब्ध हो, केवल ऐसी शर्तों के अधीन जो ऐसी परिसंपत्तियों (या निपटान समूहों) की

बिक्री के लिए सामान्य और प्रथागत हैं, इसकी बिक्री अत्यधिक संभावना है; और यह वास्तव में बेचा जाएगा, छोड़ा नहीं जाएगा। कंपनी परिसंपत्ति या निपटान समूह की बिक्री को अत्यधिक संभावित मानती है जब:

- प्रबंधन का उपयुक्त स्तर परिसंपत्ति (या निपटान समूह) को बेचने की योजना के लिए प्रतिबद्ध है,
- एक खरीदार का पता लगाने और योजना को पूरा करने के लिए एक सक्रिय कार्यक्रम शुरू किया गया हो
- संपत्ति (निष्पादन समूह) के विक्रय मूल्य के लिए सटिक कदम उठाए जा रहे हैं जिसे चालू कीमत के अनुरूप इसका व्यवहारिक मूल्य को आकलित किया जाना अपेक्षित हो,
- यह विक्रय वर्गीकरण की तिथि से 1 वर्ष के अंदर अनुमानतः तैयार कर ली जाएगी, तथा
- इस योजना से संबंधित सभी यथोचित योजना जिसमें कतिपय कुछ संशोधन व सुधार आवश्यक हो उसकी भी समीक्षा कर तैयार करना अपेक्षित होगा ताकि जरूरत पड़ने पर इस योजना को निरस्त भी किया जा सके।

2.8 संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

जमीन की खरीदी ऐतिहासिक लागत पर की जाती है। इस ऐतिहासिक लागत में भूमि अधिग्रहण से जुड़े खर्च, पुनर्वास खर्च, पुनःस्थापन लागत तथा संबंधित विस्थापित व्यक्तियों को रोजगार के बदले दिए गए मुआवजे आदि शामिल हैं।

मान्यता के बाद, अन्य सभी आस्तियों, संयंत्रों और उपकरणों की मद को कम लागत पर किसी भी संचित मूल्यह्रास और लागत मॉडल के तहत किसी भी संचित हानि के नुकसान पर ले जाया जाता है। किसी भी संपत्ति की कीमत, संयंत्र तथा उसके उपकरण में निम्नलिखित तथ्यों का होना वांछित है:

- क. व्यापार छूट में मिले कटौती के बाद इनका क्रय मूल्य जिसमें निर्यात शुल्क तथा गैर-वापसी क्रय शुल्क शामिल हो।
- ख. स्थान तक संपत्ति को लाने के लिए किसी भी प्रत्यक्ष व्यय/सामयिक व्यय तथा प्रबंधन द्वारा क्षमतानुसार परिचालन के लिए उठाया गया अत्यावश्यक कदम।
- ग. सामग्री के परिवर्धन तथा हटाये जाने हेतु प्रारंभिक अनुमानित खर्च तथा समेकित स्थान तक इसे पहुँचाने के लिए व इसके व्यवहार के लिए जिसे कंपनी ने उस स्थिति में खर्च किया है जब इस सामग्री को उसने अपने आधिपत्य में रखा हो या एक निर्धारित अवधि के अंतर्गत उसका व्यवहार किया गया हो, जिसके लिए उसने अपना निवेश किया था।

संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण में खर्च किए गए प्रत्येक अंश को कुल लागत के अनुसार विखंडित कर साफ-साफ दर्शाया जाना अपेक्षित है। हालांकि, पीपीई के मद के महत्वपूर्ण भाग (एस) में एक ही

उपयोगी जीवन और अवमूल्यन विधि है, जो मूल्यहास शुल्क निर्धारित करने के लिए एक साथ समूहबद्ध होती है।

'मरम्मत और रखरखाव' के लिए वर्णित दिन-प्रतिदिन की सेवा की लागत को उस अवधि में लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है, जिसमें समान खर्च होता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की एक वस्तु की कुल लागत के संबंध में महत्वपूर्ण भागों को बदलने की बाद की लागत को मद की वहन राशि में मान्यता दी जाती है, यदि यह संभव है कि मद से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्रवाहित होंगे; और वस्तु की लागत को मजबूती से मापा जा सकता है। न पुर्जों की वहन राशि जिन्हें प्रतिस्थापित किया गया है, उन्हें नीचे उल्लिखित मान्यता रद्द करने की नीति के अनुसार अमान्य कर दिया गया है।

जब प्रमुख निरीक्षण किया जाता है, तो इसकी लागत को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मद की वहन राशि में एक प्रतिस्थापन के रूप में पहचाना जाता है यदि यह संभव है कि मद से जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी को प्रवाहित होंगे; और वस्तु की लागत को मजबूती से मापा जा सकता है। पिछले निरीक्षण (भौतिक भागों से अलग) की लागत की किसी भी शेष वहन राशि को अमान्य कर दिया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र या उपकरण की एक वस्तु को निपटान पर या संपत्ति के निरंतर उपयोग से भविष्य में कोई आर्थिक लाभ की उम्मीद नहीं होने पर अमान्य कर दिया जाता है। संपत्ति संयंत्र और उपकरण की एक वस्तु की ऐसी मान्यता से उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को लाभ और हानि के रूप में पहचाना जाता है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यहास, फ्रीहोल्ड भूमि को छोड़कर, संपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी तरीके साईं लागत मॉडल के अनुसार निम्नानुसार प्रदान किया जाता है:

अन्य भूमि

(पट्टेकृत भूमि सहित) : परियोजना की अवधि या पट्टा अवधि में से जो भी कम हो

भवन : 3-60 वर्ष

सड़क : 3-10 वर्ष

दूरसंचार : 3-9 वर्ष

रेलवे साईडिंग : 15 वर्ष

संयंत्र एवं उपकरण : 5-30 वर्ष

कम्प्यूटर एवं लैपटॉप : 3 वर्ष

कार्यालय के उपकरण : 3-6 वर्ष

फर्नीचर व फिक्सचर : 10 वर्ष

वाहन : 8-10 वर्ष

तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर, प्रबंधन का मानना है कि ऊपर दिया गया उपयोगी जीवन उस सर्वोत्कृष्ट अवधि को दर्शाता है जिस पर प्रबंधन परिसंपत्ति का उपयोग करने की अपेक्षा करता है। इसलिए संपत्ति का उपयोगी जीवन कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के भाग सी के तहत निर्धारित उपयोगी जीवन से भिन्न हो सकता है।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में संपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन की समीक्षा की जाती है।

संपत्ति, संयंत्र या उपकरण का अवशिष्ट मूल्य आस्ति की कुछ वस्तुओं को छोड़कर मूल संपत्ति का 5% माना जाता है, जिसमें कोयला टब, घुमावदार रस्सियाँ, दुलाई की रस्सियाँ, स्टोविंग पाइप और सुरक्षा लैम्प आदि सम्मिलित हैं, जिसके लिए तकनीकी तौर पर अनुमानित उपयोगी जीवन एक वर्ष के साथ शून्य अवशिष्ट मूल्य के रूप में निर्धारित की जाती है।

वर्ष के दौरान जोड़ी गई/निपटान की गई संपत्ति पर मूल्यह्रास अतिरिक्त/निपटान के महीने के संदर्भ में आनुपातिक आधार पर प्रदान किया जाता है।

कोयला धारण क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) (सीबीए) अधिनियम 1957 के तहत "अन्य भूमि" का मूल्य अधिग्रहित भूमि के रूप में शामिल है, भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के तहत भूमि अधिग्रहण के अंतर्गत मुआवजा, पारदर्शिता के अधिकार, पुनर्वास और पुनर्स्थापना (आर.एफ.सी.टी.एल.ए.ए.आर) अधिनियम, 2013 के तहत सरकारी भूमि के दीर्घकालीन हस्तांतरण आदि शामिल हैं, जोकि परियोजना के शेष जीवन के आधार पर परिशोधित होता है और पट्टेकृत भूमि के मामले में इस तरह के परिशोधन पट्टे की अवधि पर आधारित होते हैं या इनमें से जो भी कम हो के तहत परियोजना के शेष राशि पर आधारित होते हैं।

पूरी तरह से विखंडित, उपयोग के लिए अनुपयुक्त संपत्तियों को दर्शाया जाता है जो इस संपत्ति, संयंत्र या उपकरण के अंतर्गत इसके समाहित मूल्य को केवल दर्शाते ही नहीं हैं अपितु जांचकर इसकी संपुष्टि भी करते हैं।

कंपनी द्वारा कुछ परिसंपत्तियों के निर्माण/विकास पर किए गए पूंजीगत व्यय जो उत्पादन, माल की आपूर्ति या कंपनी की किसी भी मौजूदा संपत्ति तक पहुंच के लिए आवश्यक हैं, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के तहत सक्षम संपत्ति के रूप में पहचाने जाते हैं।

भारतीय लेखांकन मानक में परिवर्तन

कंपनी ने लागत मॉडल के अनुसार वहन मूल्य जारी रखने के लिए चुना है (इसकी सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए जैसा कि वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त है, जैसा कि भारतीय लेखांकन मानक में परिवर्तन के तारीख पर जीएएपी के अनुसार मापा गया है।

2.9 खदान बंदी, साइट का उद्धार एवं डिक्मिसिनिंग बाध्यताएँ

भूमि सुधार एवं संरचनाओं के निषेध के लिए कंपनी के कार्य में भू-तल एवं भूमिगत दोनों प्रकार के खदानों पर भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के निर्देशानुसार होने वाले खर्च सम्मिलित हैं। कंपनी खदान बंदी क्षेत्र की मरम्मत एवं निषेध कार्य का आकलन इस कार्य पर भविष्य में होने वाली नगद खर्च एवं लगाने वाली खर्च की विस्तृत लेखा-जोखा तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर करती है। खदान बंदी व्यय अनुमोदित खदान बंदी योजना के अनुसार उपलब्ध करायी जाती है। खर्च के आकलन मुद्रास्फीति के अनुसार बढ़ते हैं एवं इसकी दर कम होने पर घटते हैं, जो मुद्रा और जोखिमों के समय मूल्य के वर्तमान बाजार के मूल्यांकन को सूचित करती है। यथा प्रावधान में वर्णित कार्य को सम्पन्न करने के लिए आवश्यक अनुमानित खर्च के वर्तमान मूल्य को सूचित किया जाता है। कंपनी सुधार एवं खदान बंदी के समापन के देय धन से संलग्न संपत्ति का लेखा जोखा रखती है। कार्य तथा संपत्ति देय धन को खर्च होने की समयावधि में मान्यता प्राप्त होती है। क्षेत्र के मरम्मत के समस्त मूल्य को सूचित करने वाली संपत्ति (केंद्रीय खनन योजना एवं रचना संस्थान समिति के आकलन के अनुसार) खदान बंदी योजना के अनुसार पीपीई में एक भिन्न वस्तुओं के रूप में जानी जाएगी तथा शेष परियोजना/ खदान के जीवन काल के आधार पर परिशोधित होगी।

रियायत का प्रभाव खत्म होते ही समय के साथ प्रावधान के मूल्य में उतरोत्तर बढ़ोतरी होगी। एक खर्च के रूप में इसे वित्तीय खर्च माना जाता है।

अग्रिम अनुमोदित खदान बंदी योजना के अनुसार इस उद्देश्य से एक विशेष निलंबनिधि खाता रखे जाने का प्रावधान है।

कुल खान बंद करने के दायित्वों को कार्य का हिस्सा बनाने हेतु साल दर साल प्रगतिशील खनन बंद के खर्चों को शुरू में निलंबखाते से प्राप्त किया जाता है और उसके बाद उस वर्ष में उनका दायित्व के साथ समायोजन किया जाता है जिसमें राशि प्रमाणित एजेंसी की सहमति के बाद इसे वापस लेने का अधिकार रखती है।

2.10 अन्वेषित एवं मूल्यांकित आस्तियाँ -

अन्वेषित तथा मूल्यांकित आस्तियों में पूंजीगत लागत शामिल होती हैं जो कि कोयला और संबन्धित संसाधनों की खोज के कारण उत्पन्न होती हैं। तकनीकी व्यवहार्यता के निर्धारण और पहचान वाले संसाधन की व्यावसायिक व्यवहार्यता के मूल्यांकन निम्न बातों के तहत सम्मिलित किये गये हैं:

- अन्वेषण के अधिकारों का अधिग्रहण।
- ऐतिहासिक अन्वेषण डेटा के शोध एवं विश्लेषण;

- स्थलाकृतिक, भौगोलिक, रासायनिक और भू-भौतिक अध्ययन के माध्यम से अन्वेषित आधार सामग्री को उपलब्ध करना;
- अन्वेषित ड्रिलिंग, ट्रेचिंग तथा नमूने;
- संसाधनों की मात्रा तथा उनके संवर्ग का निर्धारण करना एवं जाँचना;
- परिवहन तथा आधारिक संरचनाओं की आवश्यकताओं का सर्वेक्षण;
- बाजार का आयोजन तथा वित्त अध्ययन;

उपर्युक्त संस्करण में कर्मचारी पारिश्रमिक, उपयोग किए गए सामग्री एवं ईंधन की लागत, ठेकेदारों को किए गए भुगतान आदि शामिल हैं।

चूंकि अमूर्त घटक समग्र अपेक्षित मूल्य लागतों के एक नगण्य/अभेद्य हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और भविष्य के दोहन से वसूल किया जाता है, इन लागतों को अन्य पूंजीकृत अन्वेषण लागतों के साथ अन्वेषण और मूल्यांकन संपत्ति के रूप में दर्ज किया जाता है।

तकनीकी व्यवहार्यता और परियोजना की वाणिज्यिक व्यवहार्यता के निर्धारण के लंबित परियोजना के आधार पर अन्वेषण और मूल्यांकन लागतों को परियोजना के आधार पर पूंजीकृत किया जाता है और गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों के तहत एक अलग लाइन आइटम के रूप में खुलासा किया जाता है। बाद में उन्हें लागत कम संचित हानि/प्रावधान पर मापा जाता है।

एक बार साबित होने के बाद भंडार का निर्धारण एवं खानों/ परियोजनाओं के विकास हेतु मंजूरी अन्वेषण एवं परिसंपत्तियों का मूल्यांकन पूंजीगत कार्य के तहत "विकास" में स्थानांतरित की गई है। हालांकि यदि यह साबित होता है कि भंडार का निर्धारण नहीं किया गया है तो अन्वेषण तथा मूल्यांकन की गई आस्तियों को अस्वीकृत किया जाएगा।

2.11 विकास व्यय

जब प्रमाणित भंडार निर्धारित किए जाते हैं और खानों/परियोजना के विकास को मंजूरी दी जाती है, पूंजीकृत अन्वेषण और मूल्यांकन लागत को निर्माणाधीन संपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है और "विकास" शीर्षक के तहत प्रगति पर पूंजीगत कार्य के एक घटक के रूप में खुलासा किया जाता है। बाद के सभी विकास व्यय भी पूंजीकृत हैं। पूंजीकृत विकास व्यय विकास चरण के दौरान निकाले गए कोयले की बिक्री से प्राप्त आय का शुद्ध है।

वाणिज्यिक संचालन:

परियोजना/खानों को राजस्व में लाया जाता है; जब स्थायी आधार पर उत्पादन के लिए किसी परियोजना/खान की व्यावसायिक तत्परता या तो परियोजना रिपोर्ट में विशेष रूप से बताई गई शर्तों के आधार पर या निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर स्थापित की जाती है:

- क. अनुमोदित परियोजना प्रतिवेदन के आधार पर वित्तीय वर्ष के आरंभ में जिसमें कि परियोजना ने निर्धारित क्षमता का 25% उत्पादन प्राप्त किया है या
- ख. कोयले के 2 साल के उत्पादन, या
- ग. वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ से जिसमें उत्पादन मूल्य कुल मूल्य से ज्यादा हो,

जो भी घटना पहले हो।

राजस्व में लाए जाने पर, पूंजीगत कार्य के तहत चल रही संपत्ति को "अन्य खनन अवसंरचना" नाम के तहत संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के एक घटक के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। अन्य खनन अवसंरचना का परिशोधन उस वर्ष से किया जाता है जब खदान को 20 वर्षों में राजस्व के तहत लाया जाता है या परियोजना का कामकाजी जीवन जो भी कम हो।

2.12 अमूर्त आस्तियाँ

अर्जित अमूर्त संपत्ति को लागत पर प्रारंभिक मान्यता पर मापा जाता है। एक व्यावसायिक संयोजन में अर्जित अमूर्त संपत्ति की लागत अधिग्रहण की तिथि पर उनका उचित मूल्य है। प्रारम्भिक मान्यता के अनुसार अमूर्त सम्पत्ति किसी भी संचित परिशोधन (उनके उपयोगी कार्यकाल में प्रत्यक्ष आधार पर गणना की जाती है) एवं संचित नुकसान यदि कोई हो, पर खर्च किये जाते हैं।

आंतरिक रूप से उत्पन्न अमूर्त पूंजीकृत विकास लागत को छोड़कर पूंजीकृत नहीं किया जाता है। इसके अलावा संबन्धित व्यय उस अवधि के हानि व लाभ के विवरण एवं व्यापक आय के रूप में पहचाने जाते हैं, जिसमें व्यय किया गया है। अमूर्त सम्पत्ति के उपयोगिता को सीमित/ अनिश्चित काल के रूप में मूल्यांकित किया जाता है। सीमित उपयोगिता के साथ अमूर्त आस्तियों को उनके उपयोगी आर्थिक जीवन पर परिशोधित किया जाता है एवं जब भी संकेत मिले कि अमूर्त सम्पत्ति में घाटा होगा, तभी इन कमियों का मूल्यांकन किया जाना अपेक्षित होगा। परिशोधन अवधि एवं सीमित उपयोगी जीवन के साथ एक अमूर्त सम्पत्ति के लिए परिशोधन विधि कम से कम प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है। अपेक्षित उपयोगी जीवन या आस्तियों में अंकित भविष्य के आर्थिक लाभों के उपभोग को अपेक्षित पद्धति द्वारा परिशोधन अवधि या विधि को संशोधित करने हेतु ध्यान में लाया जाता है एवं लेखांकन अनुमानों में उसे परिवर्तन के रूप में माना जाता है। अमूर्त आस्तियों पर परिशोधित व्यय को लाभ व हानि के विवरण में स्वीकार किया गया है।

एक अमूर्त आस्ति उनके अनिश्चित उपयोगिता के साथ परिशोधित नहीं की जाती अपितु प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में कमी हेतु उसका परीक्षण किया जाता है।

अमूर्त आस्ति की पहचान न होने से उत्पन्न लाभ व हानि को शुद्ध निपटान आय एवं आस्ति की वर्तमान राशि में अंतर के रूप में मापा जाता है, जिसे कि लाभ व हानि में मान्यता प्राप्त है।

अन्वेषण और मूल्यांकन आस्तियों को बेचने हेतु पहचाने गए ब्लॉक या बाहरी एजेंसियों को बेचने का प्रस्ताव प्रदान किया गया है (अर्थात्, सीआईएल के निर्धारित नहीं किए गए ब्लॉक के लिए) तथा अमूर्त संपत्ति के रूप में उसे वर्गीकृत भी किया गया है एवं हानि के लिए परीक्षण भी किया गया है।

मूर्त संपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त सॉफ्टवेयर की लागत का उपयोग करने के कानूनी अधिकार की अवधि या तीन वर्ष, जो भी कम हो, प्रत्यक्ष पद्धति के आधार पर परिशोधन किया जाता है; शून्य अवशिष्ट मूल्य के साथ।

अनुसंधान और विकास को व्यय होने पर व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है।

2.13 आस्तियों की हानि (वित्तीय आस्तियों के अलावा):

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में आस्तियों में कमी का आकलन करती है। यदि ऐसा कोई संकेत मौजूद है, तो कंपनी संपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। आस्तियों से प्राप्त राशि, आस्ति या उपयोगिता से उत्पन्न इकाई मूल्य एवं व्यक्तिगत आस्तियों को निर्धारित करने हेतु निर्धारित मूल्य में वृद्धि की जाती है। जब तक आस्ति में नगदी प्रवाह नहीं की गई हो तो वह अन्य आस्तियों या आस्तियों के समूह से स्वतंत्र होती है जिसमें नगद उत्पन्न इकाई आस्तियों से जुड़ी होती है, उसके लिए प्राप्त राशि निर्धारित की जाती है। हानि परीक्षण हेतु कंपनी व्यक्तिगत खदान के रूप में नगदी उत्पन्न इकाई पर विचार करती है।

यदि वर्तमान राशि आस्ति से प्राप्त अनुमानित राशि से कम हो तो वर्तमान आस्ति राशि को प्राप्त राशि से घटाया जाता है एवं हानि से हुई कमी को लाभ व हानि के विवरण में स्वीकार किया जाता है।

2.14 निवेश संपत्ति

संपत्ति (भूमि या भवन या भवन का हिस्सा या दोनों) किराये या पूंजी वृद्धि या दोनों के लिए धारित है, न कि वस्तुओं या सेवाओं के उत्पादन या आपूर्ति में या प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने के लिए; या व्यवसायों के सामान्य क्रम में बिक्री को निवेश संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

निवेश संपत्ति का आकलन प्रारम्भिक रूप से इसके लागत के आधार पर किया जाता है तथा इस से संबन्धित लेनदेन लागत पर भी लागू किया जाता है

निवेशित सम्पत्तियों का मूल्यहास विधि के तहत उनके प्रत्यक्ष उपयोगी जीवन पर आधारित होते हैं।

2.15 वित्तीय साधन

वित्तीय साधन एक अनुबंध हैं जो कि आस्ति और किसी अन्य वित्तीय इकाई को देयता या इक्विटी उपकरण प्रदान करती है।

2.15.1 वित्तीय आस्तियाँ

2.15.1 प्रारंभिक स्वीकृति और माप

वित्तीय आस्तियाँ जिन्हें लाभ या हानि के उचित मूल्य पर साथ ही वित्तीय आस्तियों के विशेष रूप से अधिग्रहण के मामलों में एवं सभी वित्तीय आस्तियों को उचित मूल्य पर आरंभिक स्तर पर पहचाना जाता है। खरीदारी या वित्तीय आस्तियों की बिक्री जो बाजार की जगह पर विनियमन या सम्मेलन द्वारा स्थापित समय सीमा के भीतर आस्तियों की वितरण के लिए आवश्यक होती है, उन्हें व्यापार तिथि पर मान्यता प्राप्त है अर्थात् वह तिथि जिसमें कंपनी की संपत्ति को खरीदने या बेचने की प्रतिबद्धता है।

2.15.2 आगामी माप

वित्तीय आस्तियों को आगामी माप हेतु चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

- ऋण उपकरणों पर परिशोधित लागत
- अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर ऋण साधन (एफ.वी.टी.ओ.सी.आई)।
- लाभ-हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर ऋण, व्युत्पन्न और इक्विटी साधन। (एफवीटीपीएल)
- उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी साधनों के माध्यम से अन्य व्यापक आय। (एफवीटीओसीआई)।

2.15.2.1 परिशोधित लागत पर ऋण साधन

निम्नलिखित दोनों शर्तों के पूरा होने के उपरांत ऋण साधन परिशोधित लागत पर मापे जाते हैं:

- क. आस्तियों को व्यापार मॉडल के अंतर्गत बनाए रखने का प्रावधान है, जिसका उद्देश्य आस्तियों के संविदात्मक नगद प्रवाह संग्रह करना है और
- ख. नगदी प्रवाह की निर्दिष्ट तिथि पर आस्तियों के संविदात्मक शर्तों के तहत भुगतान किए गए मूल एवं ब्याज (एसपीपीआई) की राशि को बकाया राशि में सम्मिलित किया गया है।

प्रारंभिक माप के बाद प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग (ईआईआर) करते हुए ऐसे वित्तीय आस्तियों को परिशोधित लागत पर मापा जाता है। परिशोधित लागत की गणना अधिग्रहण पर या अभिगत प्रभावी ब्याज या शुल्क जिस पर ईआईआर के एक भाग के रूप में अधिग्रहण की कीमत पर व्यक्त होती है। ईआईआर वित्तीय आय के तहत लाभ और हानि के अंतर्गत परिशोधित होती है। लाभ व हानि में कमी के कारण हुई हानियों को स्वीकार किया गया है।

2.15.2.2 एफ.वी.टी.ओ.सी. आई में ऋण साधन

एक 'ऋण साधन' को एफ.वी.टी.ओ.सी.आई के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि निम्नलिखित दोनों मानदंड पूरे होते हैं:

- क. व्यापार मॉडल का उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करके और वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचकर दोनों को प्राप्त किया जाता है, और
- ख. आस्ति संविदात्मक नकदी प्रवाह एसपीपीआई का प्रतिनिधित्व करता है।

एफ.वी.टी.ओ.सी.आई श्रेणी के अंतर्गत शामिल ऋण साधन को उचित मूल्य पर प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर आरम्भ में मापा जाता है। उचित मूल्य संचार को अन्य विस्तृत आय में पहले से ही मान्यता प्राप्त है। वैसे कंपनी ने पी एंड एल में ब्याज आय, क्षति, नुकसान तथा बदलाव और विदेशी मुद्रा लाभ या हानि को पहचान लिया है। आस्तियों के गैर पहचान जो कि ओसीआई में पहचाने गए हैं, को संचयी लाभ या नुकसान के तहत पी एंड एल के लिए इक्विटी में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है। ब्याज अर्जित होने पर अर्जित किये गए एफवीटीओसीआई ऋण साधन को ब्याज में जिस ईआईआर तरीके का उपयोग किया जाता है, उसी रूप में रिपोर्ट किया जाता है।

2.15.2.3 एफवीटीपीएल में ऋण साधन

एफवीटीपीएल ऋण साधनों के लिए एक अवशिष्ट श्रेणी है। कोई भी ऋण साधन, जो परिशोधन लागत पर या एफवीटीओसीआई के रूप में वर्गीकरण के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, उसे एफवीटीपीएल के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

इसके साथ ही कंपनी एक ऋण साधन को नामित करने का चुनाव भी कर सकती है। जो एफवीटीपीएल में ऋण चुकाने की लागत तथा एफवीटीओसीआई के मानदंडों को पूरा करते हैं। वैसे ऐसे चुनाव की अनुमति सिर्फ तभी दी जाएगी जब ऐसा करना एक पहचाने गए असंगति को कम या समाप्त करने के लिए उचित हो।

एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल ऋण साधनों को पी एंड एल में मान्यता प्राप्त सभी परिवर्तनों के साथ उचित मूल्य पर मापा जाता है।

2.15.2.4 अनुषंगी, सहयोगियों तथा संयुक्त उद्यमों में इक्विटी निवेश

भारतीय लेखांकन मानक 101 (भारतीय लेखांकन मानक में प्रथम बार अंगीकरण) एवं पिछले जीएएपी के अनुसार इन निवेशों की वहन राशि संक्रमण की तिथि में उल्लेखित लागत राशि के रूप में निर्धारित की जाएगी। बाद में अनुषंगियों, सहयोगियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश किये गए मूल्य को मापा जाता है।

समेकित वित्तीय विवरणी से संबंधित भारतीय लेखांकन मानक 28 के पैरा 10 में विहित इक्विटी प्रणाली के अनुसार सहयोगियों तथा संयुक्त उद्यमों में इक्विटी निवेश की गणना की जाती है।

2.15.2.5 अन्य इक्विटी निवेश

भारतीय लेखांकन मानक 109 के दायरे में सम्मिलित सभी अन्य इक्विटी निवेश के लाभ एवं हानि को उचित मूल्य पर मापा जाता है।

अन्य सभी इक्विटी साधनों में परिवर्तन के उपरांत कंपनी उचित मूल्य में प्रस्तुत करने हेतु चुनाव कर सकती है। कंपनी ऐसा चुनाव साधन-से-साधन के आधार पर करती है। वर्गीकरण आरंभिक पहचान करने हेतु की गई है जो कि अटल है।

अगर कंपनी एफवीटीओसीआई पर इक्विटी साधन को वर्गीकृत करने का निर्णय लेती है तब ओसीआई में पहचाने गए लाभांश को छोड़कर साधन पर सभी उचित मूल्य में परिवर्तन हो जाता है। पी एंड एल से ओसीआई में यहां तक कि निवेश की राशि में भी कोई पुनरावृत्ति नहीं हुई है। हालांकि, कंपनी इक्विटी के भीतर संचयी लाभ या हानि को स्थानांतरित कर सकती है।

पीएंड एल में पहचाने गए सभी बदलावों के साथ उचित मूल्य पर एफवीटीपीएल श्रेणी में शामिल इक्विटी इंस्ट्रूमेंट को मापा जाता है।

2.15.2.6 मान्यता रद्द करना

एक वित्तीय परिसंपत्ति (या, जहां लागू हो, एक वित्तीय परिसंपत्ति का एक हिस्सा या समान वित्तीय परिसंपत्तियों के समूह का हिस्सा) प्राथमिक रूप से अमान्य हो जाती है (यानी तुलन पत्र से हटा दी जाती है) जब:

- आस्तियों से नगद प्रवाह को प्राप्त करने का अधिकार समाप्त हो गया हो, या
- कंपनी ने आस्तियों से नगद प्रवाह को प्राप्त करने के अधिकार को स्थानांतरित किया या प्राप्त नगद प्रवाह का भुगतान करने हेतु दायित्व निकासी व्यवस्था के अंतर्गत तीसरी पार्टी के लिए

बिना सामग्री विलंब के ग्रहण किया और या तो (क) कंपनी ने आस्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार को काफी हद तक स्थानांतरित कर दिया है या (ख) कंपनी ने न तो हस्तांतरित किया है और न ही संपत्ति के सभी जोखिम और पुरस्कार को काफी हद तक बनाए रखा है लेकिन आस्ति पर नियंत्रण को स्थानांतरित अवश्य किया है।

जब कंपनी ने आस्ति से प्राप्त नगद प्रवाह पर अपने अधिकार को स्थानांतरित किया या निकासी व्यवस्था में प्रवेश किया तो यह मूल्यांकित हुआ कि इसने किस हद तक स्वामित्व के जोखिमों एवं पुरस्कारों को बरकरार रखा है। कंपनी ने न तो संपत्ति को हस्तांतरित किया, न ही संपत्ति के सभी पुरस्कारों व जोखिम को बनाए रखा और न ही उनके नियंत्रण को हस्तांतरित किया। जब कंपनी सतत भागीदारी को बनाए रखने तथा स्थानांतरित संपत्ति की पहचान रखने का प्रयास करती है, तो ऐसे मामलों में कंपनी भी एक सहयोगी देयता की पहचान करती है। स्थानांतरित संपत्ति तथा सहयोगी देयता को एक आधार पर मापा जाता है। कंपनी द्वारा उसके दायित्वों तथा अधिकारों को प्रतिबंधित किया जाता है। सतत भागीदारी जो कि संपत्ति पर प्रतिभूति के रूप में चिन्हित है जिसे संपत्ति के मूल तथा जारी राशि के आवश्यकतानुसार चुकाया जाता है, उसे निम्न स्तर पर मापा जाता है।

2.15.2.7 वित्तीय संपत्ति की हानि (उचित मूल्य को छोड़कर)

भारतीय लेखांकन मानक 109 के अनुसार, कंपनी निम्नलिखित वित्तीय परिसंपत्तियों और क्रेडिट जोखिम, हानि की माप और पहचान के लिए अपेक्षित क्रेडिट लॉस (ईसीएल) मॉडल लागू करती है:

- क. वित्तीय आस्तियां जो कि ऋण साधन हैं और जिनका मापन परिशोधित लागत पर किया जाता है उदाहरणतः ऋण प्रतिभूति, व्यापार प्राप्त, बैंक बैलेन्स इत्यादि।
- ख. वित्तीय आस्ति जो ऋण साधन है तथा उसे एफवीटीओसीआई पर मापा जाता है।
- ग. भारतीय लेखांकन मानक 17 के अंतर्गत प्राप्त पट्टे।
- घ. व्यापार प्राप्त्य या नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्राप्त करने का कोई संविदात्मक अधिकार जो भारतीय लेखांकन मानक 115 के दायरे में लेनदेन के परिणामस्वरूप होता है।

हानि भत्ता की पहचान के लिए कंपनी ने निम्न सरल दृष्टिकोण का पालन किया:-

- व्यापार प्राप्त्य या अनुबंध राजस्व प्राप्त्य; और
- भारतीय लेखांकन मानक 17 के अंतर्गत लेनदेन से प्राप्त सभी पट्टे

सरलीकृत दृष्टिकोण के आवेदन के लिए कंपनी को क्रेडिट जोखिम में परिवर्तनों को ट्रैक करने की आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, यह प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर, इसकी प्रारंभिक मान्यता से ही, आजीवन ईसीएल के आधार पर मूल्यहास भत्ता को मान्यता देता है।

2.15.3 वित्तीय देयताएँ

2.15.3.1 आरंभिक पहचान तथा माप-

कंपनी की वित्तीय देयताएं व्यापार तथा अन्य ऋण देयताओं और उधार सहित बैंक ओवरड्राफ्ट को शामिल करती है।

ऋण और उधार लेने के मामले में तथा विशेष कर लेन देन की लागतों पर शुद्ध भुगतान करने हेतु सभी वित्तीय देयताएँ प्रारम्भिक स्तर पर उचित मूल्य में दर्शायी जाती है।

2.15.3.2 अनुवर्ती माप

वित्तीय देयताओं की माप उनके वर्गीकरण पर निर्भर करती है जो कि नीचे वर्णित है:

2.15.3.3 लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएँ

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताओं में व्यापार के लिए धारित वित्तीय देयताओं और लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देयताएं शामिल हैं। वित्तीय देयताओं को व्यापार के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि वे निकट अवधि में पुनर्खरीद के उद्देश्य से खर्च की जाती हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा दर्ज किए गए व्युत्पन्न वित्तीय साधन भी शामिल हैं जिन्हें भारतीय लेखांकन मानक 109 द्वारा परिभाषित हेज संबंधों में हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित नहीं किया गया है। अलग-अलग एम्बेडेड डेरिवेटिव को भी ट्रेडिंग के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब तक कि उन्हें प्रभावी हेजिंग इंस्ट्रुमेंट के रूप में नामित नहीं किया जाता है।

देयताओं पर लाभ या हानियों को व्यापार के लिए आयोजित लाभ या हानि के रूप में पहचाना गया है।

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देयताओं को मान्यता की प्रारंभिक तिथि के रूप में नामित किया जाता है, और केवल तभी जब भारतीय लेखांकन मानक 109 में मानदंड संतुष्टजनक होते हैं। एफवीटीपीएल के रूप में नामित देयताओं के लिए, उचित मूल्य लाभ/हानि को स्वयं के क्रेडिट जोखिम में परिवर्तन के कारण ओसीआई में मान्यता प्राप्त है। ये लाभ/हानि बाद में पी एंड एल को हस्तांतरित नहीं किए जाते हैं। हालाँकि, कंपनी संचयी लाभ या हानि को इक्विटी के भीतर स्थानांतरित कर सकती है। ऐसी देयता के उचित मूल्य में अन्य सभी परिवर्तनों को लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी गई है। कंपनी ने लाभ और हानि के माध्यम से किसी भी वित्तीय दायित्व को उचित मूल्य के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया है।

2.15.3.4 परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ

प्रारम्भिक मान्यता के पश्चात इन्हें बाद में प्रभावी ब्याज दर का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है। जब प्रभावी ब्याज पर परिशोधन की प्रक्रिया द्वारा देयताओं को वापस लिया जाता है, तब लाभ या हानि में नफा या नुकसान को पहचाना जाता है। परिशोधित लागत का आकलन अधिग्रहण और शुल्क या लागतों पर किसी भी छूट या प्रीमियम को ध्यान में रखते हुए की जाती है, जो कि प्रभावी ब्याज दर का अभिन्न हिस्सा है। प्रभावी ब्याज दर परिशोधन को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागत के रूप में शामिल किया गया है। यह श्रेणी आमतौर पर उधार लेने पर लागू होती है।

2.15.3.5 मान्यता रद्द करना

एक वित्तीय देयता की मान्यता को तब वापस लिया जाता है जब देयताओं के तहत दायित्व का निर्वहन रद्द या समाप्त हो गया हो। जब वित्तीय देयताओं को समान ऋण दाता के साथ विभिन्न शर्तों पर पुनःप्रतिस्थापित किया जाता है तब यह मौजूदा देयताओं के शर्तों को संशोधित करेगा, तत्पश्चात इस तरह के एक विनियम या संशोधन को मूल दायित्व की मान्यता और एक नई देयता की पहचान के रूप में माना जाएगा। किसी अन्य पार्टी को समझाए गए या हस्तांतरित किये गये वित्तीय लेन देन राशि और उसमें से किसी भी हस्तांतरित आस्तियों या दायित्वों सहित भुगतान किए गए विचारों को लाभ व हानि के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

2.15.4 वित्तीय देयताओं का पुनःवर्गीकरण

कंपनी प्रारंभिक मान्यता पर वित्तीय संपत्तियों और देयताओं का वर्गीकरण करती है। प्रारंभिक मान्यता के बाद वित्तीय आस्तियां जो कि इक्विटी साधन एवं वित्तीय देयताएं हैं उसे पुनःवर्गीकृत किया जाएगा। वित्तीय देयताएं वे ऋण साधन हैं जिनका पुनःवर्गीकरण सिर्फ तभी किया जा सकता है जब उनके व्यावसायिक मॉडल की आस्तियों में बदलाव किया जाए। कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन आंतरिक और बाह्य बदलाव के परिणाम स्वरूप व्यापार मॉडल में परिवर्तन करता है जो कंपनी के संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं और बाहरी पार्टियों के लिए स्वतः स्पष्ट है। व्यापार मॉडल में परिवर्तन तब होता है जब कंपनी महत्वपूर्ण संचालन हेतु कार्य को प्रारंभ या समाप्त करती है। कंपनी वित्तीय आस्ति को पुनः पेश करती है या पुनः वर्गीकृत करती है, जो कि व्यापार मॉडल में बदलाव के तुरंत बाद आगामी प्रतिवेदन का पहला दिन समझा जाता है। कंपनी पहले से स्वीकृत किसी लाभ हानि (लाभ व हानि में कमी सहित) या ब्याज को पुनःवर्णित नहीं करती है।

निम्नलिखित सारणी पुनःवर्गीकरण विधि तथा उनकी जिम्मेदारियों को दर्शाते हैं -:

वास्तविक वर्गीकरण	संशोधित वर्गीकरण	लेखांकन विधि
परिशोधित लागत	एफवीटीपीएल	उचित मूल्य को पुनर्वर्गीकरण तिथि पर मापा जाता है। पिछली परिशोधन लागत और उचित मूल्य के बीच अंतर को पी एंड एल में मान्यता दी गई है।
एफवीटीपीएल	परिशोधित लागत	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य इसकी नई सकल वहन राशि बन जाती है। ईआईआर की गणना नई सकल वहन राशि के आधार पर की जाती है।
परिशोधित लागत	एफवीटीओसीआई	उचित मूल्य को पुनर्वर्गीकरण तिथि पर मापा जाता है। पिछली परिशोधन लागत और उचित मूल्य के बीच अंतर को ओसीआई में मान्यता दी गई है। पुनर्वर्गीकरण के कारण ईआईआर में कोई परिवर्तन नहीं।
एफवीटीओसीआई	परिशोधित लागत	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य इसकी नई परिशोधन लागत वहन राशि बन जाती है। हालाँकि, ओसीआई में संचयी लाभ या हानि को उचित मूल्य के विरुद्ध समायोजित किया जाता है। नतीजतन, परिसंपत्ति को मापा जाता है जैसे कि इसे हमेशा परिशोधन लागत पर मापा गया हो।
एफवीटीपीएल	एफवीटीओसीआई	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य इसकी नई अग्रणीत राशि बन जाती है। किसी अन्य समायोजन की आवश्यकता नहीं है।
एफवीटीओसीआई	एफवीटीपीएल	परिसंपत्तियों को उचित मूल्य पर मापा जाना जारी है। ओसीआई में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि को पुनर्वर्गीकरण तिथि पर पी एंड एल में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है।

2.15.5 वित्तीय साधन को पूरा करना

वित्तीय आस्ति तथा वित्तीय देयताओं को पूरा किया गया और समिति द्वारा तुलन पत्र में शुद्ध राशि की सूचना दी गई। अगर उसे प्राप्त मात्रा में पूरा करने हेतु वर्तमान में कानूनी अधिकार मिलते हो, तो संपत्ति को प्राप्त करने साथ ही साथ देयताओं के निपटान हेतु एक शुद्ध आधार पर समझौता किया जा सकता है।

2.15.6 नकद और नकद समकक्ष

तुलन पत्र में नकद और नकद समकक्ष में बैंकों और हाथ में नकद और तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ अल्पकालिक जमा शामिल हैं, जो मूल्य में परिवर्तन के एक महत्वहीन जोखिम के अधीन हैं। नकदी प्रवाह के समेकित विवरण के प्रयोजन के लिए, नकद और नकद समकक्षों में नकद और अल्पकालिक जमा शामिल हैं, जैसा कि ऊपर परिभाषित किया गया है, बकाया बैंक ओवरड्राफ्ट का शुद्ध है क्योंकि उन्हें कंपनी के नकद प्रबंधन का एक अभिन्न अंग माना जाता है।

2.16. उधार लेने की लागत

उधार लेने की लागत को खर्च किए जाने या खर्च किया जाता है, सिवाय इसके कि जहां वे सीधे तौर पर अर्हक संपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए जिम्मेदार होते हैं यानी ऐसी संपत्ति जो अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार होने के लिए आवश्यक रूप से पर्याप्त समय लेती है, जिस स्थिति में उन्हें भाग के रूप में पूंजीकृत किया जाता है जब तक अर्हक आस्ति अपने इच्छित उपयोग के लिए तैयार नहीं हो जाती।

2.17 कर निर्धारण

आयकर व्यय वर्तमान में देय और आस्थगित कर के योग को दर्शाता है।

वर्तमान कर एक अवधि के लिए कर योग्य लाभ (कर हानि) के संबंध में देय (वसूली योग्य) आयकर की राशि है। कर योग्य लाभ "आयकर से पहले लाभ" से भिन्न होता है जैसा कि लाभ और हानि और अन्य व्यापक आय के विवरण में बताया गया है क्योंकि इसमें आय या व्यय की वस्तुओं को शामिल नहीं किया गया है जो अन्य वर्षों में कर योग्य या कटौती योग्य हैं और इसमें उन वस्तुओं को शामिल नहीं किया गया है जो कभी भी कर योग्य या कटौती योग्य नहीं हैं। वर्तमान कर के लिए कंपनी की देयता की गणना उन कर दरों का उपयोग करके की जाती है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक अधिनियमित या वास्तविक रूप से अधिनियमित की गई हैं।

आस्थगित कर देयताओं को आम तौर पर सभी कर योग्य अस्थायी अंतरों के लिए मान्यता दी जाती है। आस्थगित कर संपत्ति को आम तौर पर सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतर के लिए मान्यता दी जाती है। यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके खिलाफ उन कटौती

योग्य अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है। ऐसी संपत्ति और देयताओं को मान्यता नहीं दी जाती है यदि अस्थायी अंतर सद्भावना से या अन्य परिसंपत्तियों और देयताओं की प्रारंभिक मान्यता (व्यापार संयोजन के अलावा) से उत्पन्न होता है जो न तो कर योग्य लाभ और न ही लेखांकन लाभ को प्रभावित करता है।

जहां कंपनी अस्थायी अंतर के उत्क्रम को नियंत्रित करने में सक्षम है या उसको छोड़कर सहायिकाओं तथा अनुषंगियों में निवेश करती है, वहां ऐसे कर योग्यों के अस्थायी अंतरों के लिए आस्थगित कर देयताओं को मान्यता प्राप्त होती है। यह संभव है कि अस्थायी अंतर निकट भविष्य में रद्द नहीं होगी, ऐसे निवेशों तथा ब्याजों के साथ जुड़े अथवा घटाए गए अस्थायी अंतर से उत्पन्न आस्थगित कर आस्तियों को कुछ हद तक मान्यता प्राप्त है, यह संभव है कि वहां अस्थायी अंतरों के लाभ का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगी।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में आस्थगित कर संपत्ति के वहन राशि की समीक्षा की जाती है और उसे कम भी किया जा सकता है। यह संभव नहीं है कि संपत्ति के किसी या सभी हिस्से को पुनःप्राप्त करने की अनुमति के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा। प्रत्येक रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में अमान्यता प्राप्त आस्थगित कर संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है और इसे इस हद तक मान्यता दी जाती है कि आस्थगित कर संपत्ति के सभी या कुछ हिस्सों को पुनःप्राप्त करने की अनुमति के लिए पर्याप्त कर लाभ उपलब्ध हो सके।

आस्थगित कर संपत्तियों और देयताओं को कर दरों पर मापा जाता है और इसे उस अवधि में लागू करने की अपेक्षा भी की जाती है, जिससे कि कर दरों (तथा कर कानून) पर आधारित देयताओं व आस्तियों का निपटारा किया जा सके। इसे रिपोर्टिंग तिथि के अंत तक लागू या मूल रूप से अधिनियमित किया जाता है।

आस्थगित कर देयताओं और परिसंपत्तियों का माप उन कर परिणामों को दर्शाता है जो उस तरीके से अनुसरण करेंगे जिस तरह से कंपनी को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, अपनी संपत्ति और देयताओं की वहन राशि को पुनर्प्राप्त या व्यवस्थित करने की उम्मीद है।

संबन्धित मदों को छोड़कर चालू और आस्थगित कर को क्रमशः उनके अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में स्वीकार किया गया है। चालू और आस्थगित कर को अन्य व्यापक आय में सीधे इक्विटी के अंतर्गत लाभ या हानि के रूप में स्वीकार किया जाता है। जब चालू कर या आस्थगित कर व्यावसायिक संगठन के प्रारम्भिक लेखांकन में आते हैं तो उसके कर प्रभाव को व्यावसायिक संगठन के लेखांकन में शामिल किया जाता है।

2.18 कर्मचारी हित लाभ

2.18.1 अल्पावधि हित लाभ

कर्मचारियों के सभी अल्पावधि लाभ को उस अवधि में मान्यता प्राप्त होते हैं जिस अवधि तक वे खर्च किए जाते हैं।

2.18.2 रोजगार पश्चात लाभ एवं अन्य कर्मचारियों के लिए दीर्घावधि लाभ

2.18.2.1 पारिभाषित योगदान योजनाएं:

भविष्य निधि एवं पेंशन के लिए पारिभाषित योगदान योजनाएं जो कि रोजगार पश्चात प्राप्त होने वाली लाभ योजनाएं हैं, जिसके अंतर्गत कंपनी कानून के अधिनियमन के तहत गठित एक अलग सांविधिक निकाय द्वारा रखी गई निधि में निश्चित योगदान का भुगतान करती है और कंपनी के पास आगे की राशियों के भुगतान हेतु कोई भी कानून एवं रचनात्मक दायित्व नहीं होता है। पारिभाषित योगदान योजनाओं में योगदान के लिए कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के अवधि के दौरान लाभ और हानि के बयान में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में पहचाना जाता है।

2.18.2.2 पारिभाषित लाभ योजनाएं-

पारिभाषित लाभ योजनाएं एक पारिभाषित योगदान योजनाओं के अलावा एक अन्य रोजगार लाभ योजनाएं भी हैं। उपदान, छुट्टी भुगतान आदि पारिभाषित लाभ योजनाएं हैं। पारिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में कंपनी की शुद्ध दायित्वों को भविष्य लाभ राशियों के तहत आकलन कर के गणना की जाती है, जिसे कर्मचारियों ने अपने सेवा के बदले वर्तमान और पूर्व की अवधि में अर्जित किया है। लाभ में रियायत अपने वर्तमान मूल्य को लेकर किया जाता है तथा संपत्तियों के उचित मूल्य के द्वारा उसे हटाया भी जाता है, इनमें से जो भी उचित हो, के द्वारा कार्य निष्पादित किया जाता है। छूट की दर जो कि वर्तमान समय में कंपनी के दायित्वों में उल्लेखित शर्तों के अंतर्गत परिपक्व होने वाली रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों की मौजूदा बाजार पर आधारित होती है और यह एक ही मुद्रा में अंकित होगी, जिसमें लाभ का भुगतान करने की अपेक्षा होती है।

बीमांकिक मूल्यांकन के प्रयोग में छूट दर के बारे में धारणाएं आस्तियों पर अपेक्षित वसूल किए गए भावी दर, वेतन वृद्धि दर तथा नैतिकता दर आदि के अंतर्गत शामिल होती हैं। इस तरह के अनुमान इन योजनाओं की दीर्घावधि के कारण अनिश्चितताओं के अधीन हैं। अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग कर प्रत्येक तुलनपत्र पर अंकित होती हैं जिनकी गणना बीमांकिक द्वारा की जाती है। जब गणना कंपनी के हित में हों, तो भविष्य में योजना के योगदान में कमी या योजना से धन वापसी के रूप में आर्थिक लाभों में स्वीकृत आस्तियों का उपलब्ध वर्तमान मूल्य पर सीमित किया जाता है। यदि योजना देयताओं के समाधान पर या योजना के दौरान वसूली योग्य हो तो कंपनी को आर्थिक लाभ उपलब्ध होगा।

कुल पारिभाषित देयताओं का पुनःमाप किया जाता है जिसमें आस्ति योजना (ब्याज छोड़कर) पर वसूली को ध्यान में लेते हुए बीमांकिक लाभ व हानि को शामिल किया गया हो तथा आस्तियों (ब्याज छोड़कर यदि कोई हो) का प्रभाव अन्य व्यापक आय में तुरंत स्वीकार किया जाता है। कंपनी निर्धारित अवधि के लिए पारिभाषित लाभ दायित्वों को मापने एवं उपयोग होने वाली छूट दर को लागू करने के लिए शुद्ध पारिभाषित लाभ देयताओं (आस्ति) पर शुद्ध ब्याज (आय) निर्धारित करती है। इसके बाद वार्षिक अवधि के दौरान पारिभाषित लाभ देयताएं (आस्ति) योगदान और लाभ भुगतान के परिणामों के फलस्वरूप प्राप्त पारिभाषित लाभ देयताओं के अंतर्गत आस्तिओं में परिवर्तन करती है।

पारिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित कुल ब्याज खर्च एवं अन्य खर्चों को लाभ व हानि में स्वीकार किया जाता है। जब योजना से प्राप्त लाभों में बढ़ोतरी की जाती है तब कर्मचारियों द्वारा पिछले सेवा से संबंधित बढ़ाये गए लाभों को लाभ व हानि विवरण में खर्च के रूप में दर्शाया जाता है।

2.18.3 Other Employee benefits/ अन्य कर्मचारी हितलाभ

कुछ अन्य कर्मचारी लाभ योजनाएँ जैसे- एलटीए, एलटीसी, लाइव कवर स्कीम, समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना, व्यवस्थापन भत्ता, सेवा निवृत्त के पश्चात चिकित्सा लाभ योजना तथा खान में हुई दुर्घटनाओं में मृतकों के आश्रितों के लिए रियायत आदि उपर्युक्त वर्णित पारिभाषित लाभ योजनाओं को मान्यता प्राप्त है। इन लाभों में विशिष्ट निधिकरण नहीं है।

2.19 विदेशी मुद्रा

भारतीय रुपए (आईएनआर) आर्थिक क्षेत्र में प्रमुख मुद्रा होने के कारण कंपनी ने अपने मुख्य संचालनों के लिए मुद्रा एवं कार्यात्मक मुद्रा को भारतीय रुप में प्रतिवेदित किया है।

लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दर का उपयोग करते हुए कंपनी ने विदेशी मुद्राओं में हुए लेन देन को प्रतिवेदित मुद्रा में परिवर्तित किया है। प्रतिवेदित अवधि के अंत में बकाया विदेशी मुद्राओं में अंकित मौद्रिक संपत्ति और देयताएं, प्रतिवेदित अवधि के अंत में प्रचलित विनिमय दरों पर बदली की जाती है। मौद्रिक संपत्ति एवं देयताओं का निपटान अवधि के दौरान प्रारंभिक पहचान पूर्व से परिवर्तित दर पर भिन्न मौद्रिक संपत्ति एवं देयताओं के दर में परिवर्तित होने के कारण होती है, इसे भिन्न विनिमय लाभ व हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त है।

विदेशी मुद्रा में अंकित गैर मौद्रिक मदों को लेनदेन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दरों में शामिल किया जाता है।

2.20 स्ट्रिपिंग गतिविधि व्यय/समायोजन

खुली खदान, खनन के मामलों में खदान के अनुपयोगी सामानों (ओवरबर्डन) जैसे मिट्टी एवं चट्टान को कोयला सीम के ऊपर से निकालना आवश्यक होता है ताकि कोयला एवं उसके निष्कर्षण को प्राप्त

किया जा सके। खुली खदानों में कंपनी को खानों की सुरक्षा (तकनीकी रूप से अनुमानित) करने हेतु ऐसे खर्चों का सामना करना पड़ता है।

इसलिए एक नीति के अंतर्गत प्रतिवर्ष 1 लाख टन की क्षमता के साथ खानों में स्ट्रिपिंग की लागत पर, स्ट्रिपिंग गतिविधि आस्ति और अनुपात विवरण के समायोजन पर एवं प्रत्येक खदान पर तकनीकी मूल्यांकन वाले औसत स्ट्रिपिंग अनुपात (ओबी:कोयला) के रूप में खर्च किया जाता है। खानों के बाद खाते को राजस्व में लाया जाता है।

स्ट्रिपिंग गतिविधियों के तहत आस्ति एवं तुलनपत्र की तिथि में अनुपात भिन्नता की कुल शेष राशि को गैर वर्तमान प्रावधान/ अन्य गैर वर्तमान आस्तियों के शीर्ष के अंतर्गत स्ट्रिपिंग गतिविधि के समायोजन के रूप में अंकित किया जाता है।

रिकॉर्ड के अनुसार प्रतिवेदित अपशिष्ट पदार्थों की मात्रा ओबीआर लेखांकन अनुपात जहां प्रतिवेदित मात्रा एवं मापी गई मात्रा में भिन्नता हो, को दो वैकल्पिक अनुमेय सीमा के भीतर गणना हेतु ध्यान में लाया जाता है जैसा कि नीचे उल्लेखित है।

खान के ओबीआर का वार्षिक क्वांटम	विचलन की अनुमानित सीमाएं
1 मिलियन घन-मीटर से कम	+/- 5%
1 से 5 मिलियन घन-मीटर के बीच	+/- 3%
5 मिलियन घन-मीटर से अधिक	+/- 2%

हालांकि, जहां उपरोक्त भिन्नता मुनासिब सीमा से परे हो ,तो वहां उसे मात्रा के रूप में माना जाएगा।

1 मिलियन टन से कम क्षमता वाले खानों के मामलों में उपरोक्त नीति लागू नहीं होगी और वर्ष के दौरान खर्च किये गए स्ट्रीपिंग गतिविधि के वास्तविक लागत को लाभ और हानि के रूप में मान्यता प्राप्त होगी।

2.21 वस्तु सूची

2.21.1 कोयला भंडार:

कोल/कोक की वस्तुसूची कम लागत और शुद्ध वसूली मूल्य पर दर्शायी जाती है। वस्तुसूची की लागत की गणना भारित औसत पद्धति के माध्यम से की जाती है। निवल प्राप्य मूल्य वस्तु की अनुमानित बिक्री मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है और बिक्री करने के लिए सभी आवश्यक लागत को पूर्ण भी करती है।

कोल आरक्षित स्टॉक खाते में यह माना जाता है कि जहां आरक्षित स्टॉक और मापी गई स्टॉक के बीच का अंतर $\pm 5\%$ तक हो या ऐसे मामलों में जहां अंतर $\pm 5\%$ से अधिक हो वहां उसे मापा हुआ स्टॉक माना जायेगा। शुद्ध वास्तविक मूल्य या लागत में से जो भी कम हो, ऐसे स्टॉक मूल्यवान समझे जायेंगे।

कोयला एवं कोक-फाइन कोयला कम लागत या शुद्ध वसूली मूल्य पर मूल्यांकित होते हैं और उसे कोयला स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

कोल के भंडार स्लरी (कोकिंग/सेमी-कोकिंग) मध्यम स्तर के वाशरी और उनके उत्पाद शुद्ध वसूली मूल्य पर मूल्यवान होते हैं और उन्हें कोल स्टॉक के हिस्से के रूप में माना जाता है।

2.21.2 भंडार और पुर्जे

केंद्रीय और क्षेत्रीय भंडार स्टॉक और कल पुर्जे (जिसमें अव्यवस्थित उपकरण भी शामिल हैं) के स्टॉक को मूल्य भंडार लेजर में प्रदर्शित शेष राशि के अनुसार माना जाता है और भारित औसत पद्धति के आधार पर गणना की गई लागत पर मूल्यांकित किया जाता है। कोलियरी/उप-भंडार/ड्रिलिंग कैम्प/उपभोक्ता केंद्रों पर पड़े भंडार और कल पुर्जे की सूची को वर्ष के अंत में केवल भौतिक रूप से सत्यापित भंडार के अनुसार माना जाता है और लागत पर मूल्यांकित किया जाता है।

अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त और अप्रचलित भंडार और पुर्जों के लिए 100% की दर से एवं विगत 5 वर्षों से जो भंडार व पुर्जे उपयोग में नहीं लाये गए हैं उनके लिए 50% की दर का प्रावधान बनाया गया।

2.21.3 अन्य वस्तु सूची

कार्यशाला के कार्यों का मूल्यांकन उनके कार्य की प्रगति पर निर्धारित होती है। प्रेस कार्य का स्टॉक (कार्य प्रगति के साथ) मुद्रण प्रेस में स्टेशनरी और केंद्रीय अस्पताल में दवाओं की लागत मूल्य पर निर्धारित होती है।

हालांकि स्टेशनरी (प्रिंटिंग प्रेस में लाने के अलावा) ईंटों, रेत, दवाइयों (केंद्रीय अस्पताल को छोड़कर) विमान के पुर्जों और स्कैप आदि को सूची में उल्लेखित नहीं किया जाता है क्योंकि उनका मूल्य महत्वपूर्ण नहीं होता।

2.22 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं एवं संपत्तियां

प्रावधान को तब मान्यता प्राप्त होता है जब कंपनी की पिछली घटना के परिणाम स्वरूप वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) उसे प्राप्त हो, और यह संभव है कि दायित्वों का निपटान करने के लिए आर्थिक लाभों की आवश्यकता होनी आवश्यक है और उसे दायित्वों की विश्वसनीयता के रूप में

भी लिया जा सकता है। जहां समय मूल्यवान है वहां दायित्व का निपटान करने के लिए अपेक्षित व्यय को वर्तमान मूल्य के अनुरूप रखा जाता है।

सभी प्रावधानों की समीक्षा प्रत्येक तुलनपत्र तिथि पर की जाती है और वर्तमान सर्वोत्तम अनुमान को दर्शाने के लिए उसका समायोजन किया जाता है।

जहां यह संभावना हो कि आर्थिक लाभों का आउटफ्लो आवश्यक होगा या राशि का सटीक रूप से अनुमान नहीं लगाया गया हो, तो वहाँ दायित्वों को आकस्मिक देयताओं के रूप में प्रकट किया जाना प्रासंगिक हो जाता है जब तक कि आर्थिक लाभ के आउटफ्लो की संभावना रिमोट नहीं होती। संभावित दायित्व के अस्तित्व की केवल एक या अधिक भावी अनिश्चित घटनाओं की उपस्थिति या गैर-घटना से पुष्टि की जाएगी, जो कि पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं होगी एवं जब तक कि आर्थिक लाभ के आउटफ्लो की संभावना रिमोट नहीं होती, तब तक उन्हें प्रासंगिक देयताओं के रूप में प्रकट किया जाएगा।

प्रासंगिक संपत्तियों को वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त नहीं है। हालांकि जब आय की प्राप्ति वास्तव में निश्चित होती है, तो संबंधित कोई भी संपत्ति आकस्मिक संपत्ति नहीं होती है और इनकी मान्यताएं यथोचित होती हैं।

2.23 उपार्जित शेयर

अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों को भारित औसत संख्या द्वारा कर के बाद शुद्ध लाभ से विभाजित करके प्रति शेयर मूल आय की गणना की जाती है। प्रति शेयरों में मंदित आय की गणना इक्विटी शेयरों की औसत लाभ को विभाजित करके की जाती है, जो कि शेयरों की मूल आय से प्राप्त होती है और इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या जो कि सभी डिलिटिव संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी की जाती है।

2.24 निर्णय, आकलन और धारणाएं

भारतीय लेखांकन मानक के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी में लेखांकन नीतियों के लागू करने को प्रभावित करने वाले अनुमान, निर्णय और धारणाएं बनाने के लिए प्रबंधन की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों और संपत्तियों और देयताओं की रिपोर्ट की गई राशि, वित्तीय विवरणों की तारीख पर आकस्मिक संपत्तियों और देयताओं के प्रकटीकरण और रिपोर्ट अवधि के दौरान राजस्व और व्यय की राशि को प्रभावित करता है। जटिल और व्यक्ति पर निर्णयों से जुड़े लेखांकन नीतियों का उपयोग और इन वित्तीय विवरणों में धारणाओं के उपयोग का खुलासा किया गया है। लेखांकन परिणाम समय-समय पर परिवर्तित होते रहते हैं। वास्तविक परिणाम अनुमानित लागत से भिन्न होते हैं।

अनुमान के आधार पर इनकी निरंतर समीक्षा की जाती है और समयानुरूप लेखा अनुमानों का पुनर्निरीक्षण एवं उनका संशोधन भी किया जाता है। सामग्रियों को उनके वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में प्रभावी रूप से प्रकट किया जाता है।

2.24.1 निर्णय

कंपनी की लेखांकन नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया में प्रबंधन ने निम्नलिखित फैसले लिए हैं, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण प्रकाश वित्तीय वक्तव्यों में मान्यता प्राप्त राशियों पर डाला गया है:

2.24.1.1 लेखांकन नीतियों का निर्माण

लेखांकन नीतियां ऐसे वित्तीय वक्तव्य हैं जिसमें लेनदेन, अन्य घटनाओं और शर्तों के बारे में प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होती है, जिसमें वे प्रयुक्त हैं। जिन नीतियों का प्रभाव अव्यवस्थित हो उन नीतियों को लागू करने की आवश्यकता नहीं होती।

प्रबंधन ने भारतीय लेखांकन मानक के अभाव में जो विशिष्ट रूप से लेनदेन, घटना की स्थिति पर लागू होते हैं, के अंतर्गत अपने निर्णयानुसार लेखांकन नीतियों के विकास तथा उसे लागू करने के लिए तथा परिणाम प्राप्त करने हेतु निम्न जानकारीयों उद्धृत की हैं।

- क. उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णय लेने के अनुरूप और
- ख. वित्तीय वक्तव्यों में विश्वसनीयता:

(i.) कंपनी ईमानदारी से वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन और नगदी प्रवाह का प्रतिनिधित्व करती है।
(ii) आर्थिक लेनदेन, अन्य घटनाएं और स्थितियां अवैध रूप से प्रतिबिंबित हैं। (iii) तटस्थ, अर्थात् पूर्वाग्रह से मुक्त है (iv) विवेकी, तथा (v) सभी सामग्रियां पूर्ण रूप से निरंतरता पर आधारित होती हैं।

निर्णय लेने में प्रबंधन निम्नलिखित स्रोतों को अवरोही क्रम में संदर्भित करता है, और उनकी प्रयोज्यता पर विचार करता है:

- क. भारतीय लेखांकन मानक में लेनदेन से संबंधित मुद्दों की आवश्यकताएं, और
- ख. परिभाषित मानदंड और आस्तियां, देनदारी आय और खर्च की अवधारणा।

निर्णय लेने के लिए प्रबंधन अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानक बोर्ड की सबसे हाल की घोषणाओं पर विचार करती है और उनकी अनुपस्थिति में अन्य मानक स्थापित निकायों जो कि सामान्य विचारात्मक तंत्र का उपयोग करते हुए लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन साहित्य और स्वीकृत उद्योग कार्य का विकास करती है जिससे कि उपरोक्त अनुच्छेद में स्रोतों के साथ विवाद की स्थिति न पैदा हो।

कंपनी खनन क्षेत्र का संचालन करती है (एक ऐसा क्षेत्र जहां अन्वेषण, मूल्यांकन, उत्पादन चरण का विकास विभिन्न स्थलाकृति और भू-क्षेत्र के इलाकों पर आधारित है, जो दशकों से चल रहे पट्टे में फैला हुआ है और जहां लगातार परिवर्तन की संभावनाएं होती हैं) जहां लेखांकन नीतियों की वृद्धि हुई है। पिछले कई दशकों से अनुसंधान समितियों द्वारा विशिष्ट उद्योग प्रथाओं की नियमावली के रूप में उसे अनुमोदित किया गया है। कंपनी लेखांकन साहित्य के विकास के साथ-साथ लेखांकन नीतियों के भी विकास का प्रयास करती है और इसमें भारतीय लेखांकन मानक 8 के विकास का विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है।

वित्तीय वक्तव्यों को लेखांकन के आधार पर तैयार किया जाता है।

2.24.1.2 सामग्रियाँ

भारतीय लेखांकन मानक सामग्री युक्त वस्तुओं का उपयोग करती है। प्रबंधन विचार करते हुए यह निर्णय लेते हैं कि एकीकृत वस्तुओं या वस्तुओं के समूह को वित्तीय विवरणों में सामग्री के रूप में लिया जा सकता है। सामग्री का आकलन वस्तुओं के आकार और प्रकृति के अनुरूप किया जाता है। निर्णायक कारण यह है कि उपयोगकर्ता वित्तीय निर्णयों के आधार पर निर्णय लेते हैं जो कि भूल चूक से आर्थिक निर्णय को प्रभावित भी करते हैं। प्रबंधन भारतीय लेखांकन मानक के मदों का निर्धारण करते हुए आवश्यकताओं को पूर्ण करती है एवं किसी विशेष परिस्थिति में या तो प्रकृति या किसी मद की मात्रा या कुल वस्तुओं का निर्धारण भी करती है। इसके अलावा कंपनी अपने जरूरत के अनुरूप मौजूदा सभी वस्तुओं को अलग से रखती है ताकि नियमानुरूप जब उन्हें इनकी आवश्यकता हो तब इनका उपयोग किया जा सके।

01.04.2019 से पूर्व की अवधि से संबंधित चालू वर्ष में पाई गई त्रुटियों / चूक को महत्वहीन माना जाता है और चालू वर्ष के दौरान समायोजित किया जाता है, कंपनी के अंतिम लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण के अनुसार यदि ऐसी सभी त्रुटियाँ और चूक कुल परिचालन से कुल राजस्व (सांविधिक लेवी का शुद्ध) के 1% से अधिक नहीं हैं। ।

2.24.1.3 परिचालन पट्टा

कंपनी ने पट्टा समझौते में प्रवेश किया है। कंपनी शर्तों और निबंधन समझौते के मूल्यांकन के आधार पर यह निर्धारित करती है कि पट्टे आर्थिक जीवन के वाणिज्यिक संपत्ति का मुख्य भाग और आस्ति के उचित मूल्य के रूप में गठित नहीं किए जा सकते हैं, ताकि जो बरकरार है वे सभी महत्वपूर्ण जोखिमों, स्वामित्व और परिचालन पट्टे को अनुबंध खाते में रखे जा सके।

2.24.2 आकलन और धारणाएँ

रिपोर्टिंग तिथि में भावी भविष्य और अन्य महत्वपूर्ण स्रोतों के बारे में मुख्य धारणाएँ दी गई हैं, जो कि अगले वित्तीय वर्ष में आस्तियों और देयताओं की मात्रा के रूप में समायोजित किए जायेंगे, जिनका विवरण नीचे दिया गया है। कंपनी आकलन और धारणाओं के आधार पर समेकित वित्तीय वक्तव्यों को तैयार करती है। कंपनी भविष्य में होने वाले विकास जिसमें बाजार में होने वाली परिवर्तनों पर मौजूदा परिस्थिति के अनुरूप उन पर नियंत्रण रखती है। ऐसे बदलाव तब होते हैं जब वे घटित होती हैं।

2.24.2.1 गैर वित्तीय सम्पत्तियों की हानि

अगर किसी आस्ति या नकद उत्पन्न करने वाली इकाई का वहन मूल्य उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक हो, तो हानि का संकेत है, जोकि इसके उचित मूल्य से निपटने की कम लागत और उपयोग में इसके मूल्य से अधिक है। कंपनी हानि के परीक्षण के उद्देश्य से अलग-अलग खानों को अलग नकद उत्पादन इकाइयों के रूप में मानती है। उपयोग की जाने वाली गणक मान डीसीएफ मॉडल पर आधारित होती है। नगदी प्रवाह को अगले पाँच वर्षों के लिए बजट से प्राप्त किया जाता है और जिसमें पुनर्गठन की गतिविधियाँ शामिल नहीं की जाती, जिसके लिए कंपनी अभी तक प्रतिबद्ध नहीं है एवं जिसमें सीजीयू की आस्तियों के प्रदर्शनों का भविष्य में उपयोग किया जा सके। वसूली राशि संवेदनशील होती है जो कम दर पर डीसीएफ मॉडल के साथ-साथ अपेक्षित भावी नगदी और प्रविष्टि प्रयोजन के विकास दर को बढ़ाती है। यह अनुमान अन्य खनन के बुनियादी ढांचे के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है। विभिन्न सीजीयू के लिए वसूली योग्य राशि का निर्धारण करने के लिए प्रमुख मान्यताओं का वर्णन किया गया है और जिसे आगे संबन्धित टिप्पणियों में भी वर्णित किया गया है।

2.24.2.2 कर

अस्थायी आस्तियाँ को अप्रयुक्त कर हानियों के लिए उस सीमा तक मान्यता प्राप्त है, जिस सीमा तक कर लगाने योग्य लाभों की उपलब्धता को उनके घाटे में भी उपयोग किया जा सके। प्रबंधन के महत्वपूर्ण निर्णयों की आवश्यकता इसलिए है कि आस्थगित कर आस्तियों की राशि का निर्धारण किया जा सके जिससे वह पहचाने जा सके। उपरोक्त समय के आधार पर और भविष्य में कर के लाभों के स्तर के साथ भावी कर योजनाओं के तहत रणनीतियाँ बनाई जायेंगी।

2.24.2.3 योजनाओं के लाभ की परिभाषा

पारिभाषित लाभ, ग्रेजुएटी योजना और अन्य रोजगार चिकित्सा लाभों की लागत और ग्रेजुएटी दायित्वों के वर्तमान मूल्य का निर्धारण बीमांकिक मूल्यांकन से किया जाता है। मूल्यांकन में

विभिन्न धारणाएँ शामिल होती हैं, जो भविष्य में वास्तविक विकास से भिन्न हो सकती हैं। इसमें छूट दर, भविष्य में वेतन बढ़ोतरी और मृत्यु दर का निर्धारण शामिल किया जाता है।

मूल्यांकन और इसकी दीर्घकालिक प्रकृति में शामिल जटिलता, परिभाषित लाभ, दायित्वों की मान्यताओं में परिवर्तन अत्यंत ही संवेदनशील होते हैं। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि में सभी मान्यताओं की समीक्षा की जाती है। सबसे अधिक परिवर्तन होने वाला विषय छूट दर होता है। भारत में संचालित योजनाओं के लिए उपर्युक्त छूट दर को निर्धारित करने में प्रबंधन सरकारी बॉन्ड के ब्याज दरों के साथ मुद्रित रोजगार के ब्याज दायित्वों पर विचार करती है।

मृत्यु दर देश की सार्वजनिक रूप से उपलब्ध मृत्यु दर तालिकाओं पर आधारित है। जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के जवाब में उन मृत्यु दर तालिकाओं में अंतराल पर ही परिवर्तन होता है। भविष्य के वेतन में वृद्धि और ग्रेच्युटी में वृद्धि अपेक्षित भविष्य की मुद्रास्फीति दर पर आधारित है।

2.24.2.4 वित्तीय साधनों का उचित मूल्य माप

जब तुलनपत्र में दर्ज वित्तीय आस्तियों और वित्तीय देयताओं के उचित मूल्य को सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतों के आधार पर मापा नहीं जा सकता, तो उनका उचित मूल्य डीसीएफ मॉडल के साथ आमतौर पर स्वीकृत मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके मापा जाता है। जहां तक संभव हो इन मॉडलों को बाजार से लिया जाता है। परंतु जहां तक संभावना हो, वहाँ उचित मूल्यों को स्थापित करने के लिए निर्णायक परिणामों की आवश्यकता पड़ती है। निर्णय में नगदी की जोखिम, क्रेडिट जोखिम, अस्थिरता और अन्य प्रासंगिक इनपुट जैसे विचाराधीन निवेश शामिल होते हैं। धारणाओं में परिवर्तन और अनुमानित ऐसे कारक वित्तीय रिपोर्ट में दिये गए उचित मूल्य को प्रभावित करते हैं।

2.24.2.5 विकास के तहत अमूर्त संपत्तियां

कंपनी ने लेखांकन नीति के अनुसार अमूर्त आस्तियों का उपयोग परियोजना के विकास के लिए किया है। आमतौर पर जब परियोजना की रिपोर्ट तैयार की जाती है, तब निर्णयों के आधार पर प्रबंधन द्वारा प्रारम्भिक पूँजी लागत की तकनीक और आर्थिक व्यवहार को स्वीकार किया जाता है।

2.24.2.6 खानों को बंद करने, साइट पुनः स्थापना व डीकमिस्निंग दायित्वों के लिए प्रावधान

खदानों को बंद करने के लिए उचित कारणों का होना अनिवार्य है। साइट पुनः स्थापना और डीकमिस्निंग दायित्व निम्न छूट दर पर प्राप्त होती है। साइट पुनः स्थापना और निराकरण अपेक्षित समय पर एवं अपेक्षित लागत के अनुरूप होते हैं। कंपनी परियोजना/ खानों में डीसीएफ पद्धति को चलाने का प्रावधान करती है।

- कोल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों में विनिर्दिष्ट, के अनुसार अनुमानित लागत प्रति हेक्टर होगी।
- छूट दर (प्रति कर दर) जो समय के वर्तमान मूल्यों के मूल्यांकन और देयताओं के लिए वर्तमान बाजार द्वारा किए गए आकलन को दर्शाती है।

2.25 संक्षेपों का प्रयोग:

क.	सीजीयू	नगद उत्पाद इकाई	ठ.	ईसीएल	ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ख.	डीसीएफ	रियायती नगद प्रवाह	ड.	बीसीसीएल	भारत कुकिंग कोल लिमिटेड
ग.	एफवीटीओसीआई	अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य	ढ.	सीसीएल	सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
घ.	एफवीटीपीएल	लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य	ण.	एसईसीएल	साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ङ.	जीएपीआई	सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्त	त.	एमसीएल	महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
च.	भा.लेखा.मा.	भारतीय लेखांकन मानक	थ.	एनसीएल	नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
छ.	ओसीआई	अन्य व्यापक आय	द.	डब्ल्यूसीएल	वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ज.	पी एंड एल	लाभ एवं हानि	ध.	सीएमपीडीआईएल	सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इस्टिट्यूट लिमिटेड
झ.	पीपीई	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	न.	एनईसी	नॉर्दर्न ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
ञ.	एसपीपीआई	केवल मूलधन और ब्याज का भुगतान	प.	आईआईसीएम	इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ कोल मैनेजमेंट
ट.	ईआईआर	प्रभावी ब्याज दर	फ.	सीआईएल	कोल इंडिया लिमिटेड

सम्मिलित द्वितीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 3 : संघति, संयंत्र और उपकरण

पूर्ण स्वामित्व - धारती भूमि	अन्य भूमि	भूमि सुधार / साइट पुनर्व्यापना समय	संयंत्र एवं उपकरण	दूरसंचार	रेलवे लाईनिंग	फर्नीचर व फिक्स्चर	कार्यालय उपकरण	वाहन	स्टाई-जन्स	अन्य खर्च अपार संरचना	सर्ह आक की मई आस्टियां	अन्य	कुल
सकल घटन राशि:													
1 अप्रैल 2019 तक	4,181.69	316.19	590.02	1,384.48	27.06	154.60	21.28	19.96	-	1,254.57	15.53	-	8,019.39
जोड़	503.60	-	52.32	438.33	0.56	94.69	2.04	3.17	-	244.81	5.28	-	1,348.83
घटाव /समायोजन	(64.55)	(5.37)	(0.15)	(17.28)	(0.06)	-	0.27	(0.59)	-	(1.18)	(1.18)	-	(91.86)
31 मार्च 2020 तक	4,620.74	310.82	642.19	1,805.53	27.56	249.29	23.59	22.54	-	1,498.53	19.63	-	9,276.56
1 अप्रैल 2020 के तक	4,620.74	310.82	642.19	1,805.53	27.56	249.29	23.59	22.54	-	1,498.53	19.63	-	9,276.56
जोड़	978.61	46.89	147.22	342.99	1.46	0.89	4.98	1.26	0.01	32.72	19.62	-	1,586.68
घटाव /समायोजन	6.84	(4.38)	79.80	(147.61)	3.06	49.49	(0.01)	(8.81)	1.49	(1,269.63)	(2.76)	-	(168.30)
31 मार्च 2021 तक	5,606.19	353.33	869.21	2,000.91	32.08	299.67	28.56	26.67	1,124.56	261.62	36.49	-	10,694.74
संचित-न्यूनताएं एवं सनि													
1 अप्रैल 2019 तक	520.67	145.32	58.47	571.22	18.96	40.97	8.36	8.55	-	137.54	5.62	-	1,524.60
घट के लिए प्रभार	207.48	8.48	29.22	129.43	3.49	14.89	2.08	2.52	-	118.86	-	-	520.39
सनि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3.17	-	3.17
घटाव /समायोजन	0.41	-5.36	0.04	(7.91)	-0.02	-	(1.20)	(0.51)	-	-0.47	(0.71)	-	(15.97)
31 मार्च 2020 तक	728.56	148.44	87.73	692.74	22.43	55.86	9.44	10.56	-	255.93	8.08	-	2,032.19
1 अप्रैल 2020 के तक	728.56	148.44	87.73	692.74	22.43	55.86	9.44	10.56	-	255.93	8.08	-	2,032.19
अप्रति के लिए प्रभार	198.88	20.01	64.38	186.72	1.87	21.44	2.45	2.90	74.96	18.27	-	-	597.66
सनि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	11.74	-	11.74
घटाव /समायोजन	(23.65)	-	21.35	(137.58)	0.53	20.01	0.45	(5.96)	149.10	(198.09)	(1.65)	-	(174.41)
31 मार्च 2021 तक	903.79	168.45	173.46	741.88	24.83	97.31	12.34	14.54	224.06	76.11	18.17	-	2,467.18
नियत घटन राशि													
31 मार्च 2021 तक	4,702.40	184.88	695.75	1,259.03	7.25	202.56	16.22	14.43	900.30	185.51	18.32	-	8,227.56
31 मार्च 2020 तक	3,892.18	162.38	554.46	1,112.79	5.13	193.43	14.15	13.03	-	1,242.60	11.55	-	7,244.17

[illegible]

2. कंपनी के पक्ष में भूमि का हस्तांतरण विवेक कुछ नामों में निष्पादन के लिए लक्षित है।

3. **भूमि पुनर्वसन / स्मान पुनर्वसन** : सागत में विधित त्व से बढात बढ होने के कारण अनुमानित सागत धामित रहे है, जो मुद्रास्फीति के लिए (५% प्रतिवर्ष) तत्पश्चात ४% की ह्रास दर पर ह्रास दी जाती है जो उपरित मूल्य और जीवित के मर्मत खर्च दर को दायित है।

4. नोट 2.8 में वर्णित उपयोगी कार्यकाल के आधार पर मूल्यवृद्ध दरारवा गजा है।

५.रैलवे ट्रैक को सशस्त्र करने हेतु रु. 1124.35 करोड़ उपरोक्त अन्य खनन व्ययसंरचना में शामिल है।

6. उपर्युक्त संघर्ष और मशीनों में रु. 13.72 करोड़ के उपकरण और स्टोर और पूर्ण शक्ति के जो नए पीपीई और और

7.सीआईएस से दिनांक 17.04.2017 को परीष्ठाभित्त तमिति की सिफारिश के अनुसार धृष्टता संकायन का पालन किया जा रहा है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 4 : पूँजीगत कार्य प्रगति पर							(₹ करोड़ में)
	भवन (पानी की आपूर्ति, सड़कों और कान्बिट सहित)	संयंत्र एवं उपकरण	रेलवे साइडिंग	अन्य खनन अवसरचना / विकास	निर्माणाधीन रेल कोरिडोर	अन्य	कुल
सकल वहन राशि :							
1 अप्रैल 2019 तक जोड़	183.39	537.64	135.84	530.64	30.67	-	1,418.18
पूँजीकरण घटाव /समायोजन	94.12	210.77	51.41	212.65	21.78	-	590.73
31 मार्च 2020 तक	(56.24)	(229.04)	(93.59)	(64.60)	-	-	(443.47)
	(14.89)	(0.66)	(2.25)	(0.55)	-	-	(18.35)
	206.38	518.71	91.41	678.14	52.45	-	1,547.09
1 अप्रैल 2020 तक जोड़	206.38	518.71	91.41	678.14	52.45	-	1,547.09
पूँजीकरण घटाव /समायोजन	184.49	254.28	117.40	317.31	46.30	-	919.78
31 मार्च 2021 तक	(80.04)	(74.00)	-	(73.75)	-	-	(227.79)
	(0.12)	0.55	(8.26)	4.17	0.26	-	(3.40)
	310.71	699.54	200.55	925.87	99.01	-	2,235.68
संचित प्रावधान एवं हानि							
1 अप्रैल 2019 तक वर्ष के लिए प्रभार हानि	0.11	12.76	0.12	1.19	-	-	14.18
घटाव /समायोजन	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2020 तक	-	(0.01)	-	17.36	-	-	17.36
	0.11	12.75	0.12	18.55	-	-	31.53
1 अप्रैल 2020 तक अवधि के लिए प्रभार हानि	0.11	12.75	0.12	18.55	-	-	31.53
घटाव /समायोजन	3.30	-	-	-	-	-	3.30
31 मार्च 2021 तक	-	-	-	-	-	-	-
	3.41	12.75	0.12	18.55	-	-	34.83
निवल वहन राशि							
31 मार्च 2021 तक	307.30	686.79	200.43	907.32	99.01	-	2,200.85
31 मार्च 2021 तक	206.27	505.96	91.29	659.59	52.45	-	1,515.56

टिप्पणी :

1. उपरोक्त विकास में बांकीबाहाल से कनिका रेलवे साइडिंग तक दो लेन सड़क से चार लेन सड़क के चौड़ीकरण के लिए ₹ 232.74 करोड़ की संपत्ति और एसएच - 10 पर बांकीबाहाल से भंडाबाहाल तक चार लेन सड़कों के निर्माण के लिए ₹ 139.84 करोड़ शामिल है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

(₹ करोड़ में)

टिप्पणी 5 :अन्वेषण और मूल्यांकन आस्तियां

	अन्वेषण और मूल्यांकन लागत
सकल वहन राशि:	
1 अप्रैल 2019 तक	158.40
जोड़	13.88
घटाव /समायोजन	(47.55)
31 मार्च 2020 तक	124.73
1 अप्रैल 2020 तक	124.73
जोड़	17.21
घटाव /समायोजन	(4.15)
31 मार्च 2021 तक	137.79
संचित प्रावधान एवं हानि	
1 अप्रैल 2019 तक	-
वर्ष के लिए प्रभार	-
हानि	-
घटाव /समायोजन	-
31 मार्च 2020 तक	-
1 अप्रैल 2020 तक	-
अवधि के लिए प्रभार	-
हानि	-
घटाव /समायोजन	-
31 मार्च 2021 तक	-
निवल वहन राशि	
31 मार्च 2021 तक	137.79
31 मार्च 2020 तक	124.73

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 6 : अन्य अमूर्त आस्तियाँ

	(₹ करोड में)			
	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	अन्येषनीय अमूर्त परिसंपत्तियाँ	अन्य	कुल
सकल वहन राशि:				
1 अप्रैल 2019 तक	0.60	4.58	-	5.18
जोड़	-	-	-	-
घटाव /समायोजन	-	(0.02)	-	(0.02)
31 मार्च 2020 तक	0.60	4.56	-	5.16
1 अप्रैल 2020 के तक	0.60	4.56	-	5.16
जोड़	0.17	-	-	0.17
घटाव /समायोजन	-	-	-	-
31 मार्च 2021 तक	0.77	4.56	-	5.33
संचित अमूर्त एवं हानि				
1 अप्रैल 2019 तक	0.44	-	-	0.44
वर्ष के लिए प्रभार	0.02	-	-	0.02
हानि	-	-	-	-
घटाव /समायोजन	0.01	-	-	0.01
31 मार्च 2020 तक	0.47	-	-	0.47
1 अप्रैल 2020 के तक	0.47	-	-	0.47
अवधि के लिए प्रभार	0.02	-	-	0.02
हानि	-	-	-	-
घटाव /समायोजन	-	-	-	-
31 मार्च 2021 तक	0.49	-	-	0.49
निवल वहन राशि				
31 मार्च 2021 तक	0.28	4.56	-	4.84
31 मार्च 2020 तक	0.13	4.56	-	4.69

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 7(i) : निवेश

गैर-चालू

	(गतवर्ष)/चालू वर्ष के शेयरों की संख्या	(गतवर्ष)/चालू वर्ष के प्रति शेयरों का अंकित मूल्य	(₹ करोड़ में)	
			31.03.2021	31.03.2020 के अनुसार
गैर व्यापार (उद्धृत)				
सुरक्षित बांड में				
7.55 % सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त 2021 सीरीज 79 बांड	-(20000)	/(100000)	-	200.00
8% सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त बांड	/(1087537)	/(1000)	-	108.75
		1000/100/		
7.22 % सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त बांड	4999/(4999)	(1000/100)	499.95	499.95
7.22 % सुरक्षित प्रतिदेय आरईसी कर-मुक्त बांड	1500000/(1500000)	1000/(1000)	150.00	150.00
कुल:			649.95	958.70

गैर उद्धृत निवेश की कुल राशि:

-

उद्धृत निवेश की कुल राशि:

649.95

उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य:

661.18

निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि:

986.85

-

टिप्पणी 7(ii) : निवेश

चालू

	वर्तमान अवधि / (गत वर्ष) इकाइयों की	एनएवी (₹ में)	(₹ करोड़ में)	
			31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
व्यापार (गैरउद्धृत)				
म्यूचुअल फंड निवेश				
एसबीआई प्रीमियर लिक्विड फंड	8527627.045/ (546.257)	3221.62	2,747.28	0.06
गैर व्यापार (उद्धृत)				
सुरक्षित बांड में				
7.55 % सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त 2021 सीरीज 79 बांड	20000/ -	100000.00	200.00	-
8% सुरक्षित अपरिवर्तित आईआरएफसी कर-मुक्त बांड	1087537/	1000/	108.75	-
कुल :			3,056.03	0.46
उद्धृत निवेश की कुल राशि			200.00	-
अनुद्धृत निवेश की कुल राशि			2,856.03	0.46
अनुद्धृत निवेश का बाजार मूल्य			2,747.28	0.46
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य			325.34	-
निवेश -मूल्य में हानि की कुल राशि :			-	-

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 8 : ऋण

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
गैर-चालू		
अन्य ऋण		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	1.29	1.20
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	125.00	625.00
क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
जमा से हानि	-	-
घटाव: संदेहास्पद ऋण हेतु भत्ते	-	-
	126.29	626.20
कुल	126.29	626.20
वर्गीकरण		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	1.29	1.20
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	125.00	625.00
क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
जमा से हानि	-	-
चालू		
चालू		
अन्य ऋण		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	-	0.32
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	500.00	500.00
क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
जमा से हानि	-	-
घटाव: संदेहास्पद ऋण हेतु भत्ते	-	-
	500.00	500.32
कुल	500.00	500.32
वर्गीकरण		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	-	0.32
- असुरक्षित, जिसे अच्छा समझा गया	500.00	500.00
क्रेडिट जोखिम में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
क्रेडिट से हानि	-	-

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 9: अन्य वित्तीय आस्तियां

गैर-चालू	(₹ करोड़ में)			
	के अनुसार			
	31.03.2021 तक		31.03.2020 तक	
बैंक जमा	-		-	
जमा :				
खदान बंदी योजना के तहत बैंक में जमा	1119.04		1,082.09	
उपयोगिता हेतु सिव्यूरिटी डिपोजिट	33.91		33.89	
घटाव: संदिग्ध जमा के लिए भत्ता	-		-	
	33.91		33.89	
अन्य जमा और प्राप्त्य	0.91		0.91	
घटाव: संदिग्ध जमा और प्राप्त्य के लिए भत्ता	0.16		0.16	
	0.75		0.75	
कुल	1153.70		1116.73	

टिप्पणी:

1. कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार और कोयला नियंत्रक के साथ समझौते के बाद अनुसूचित बैंकों के साथ खदान बंद करने के लिए एस्क्रो खातों में ₹ 1119.04 करोड़ जमा।

2. न्यायालय के निर्देशानुसार करोड़ ₹1.66 करोड़ (₹2.13 करोड़) से अधिक के बैंक डिपॉजिट किए जाते हैं।

एस्क्रो खाता शेष	31.03.2021	31.03.2020
प्रारंभिक तिथि पर इस्क्रो खाते में शेष राशि	1,082.09	978.51
वृद्धि : वर्तमान अवधि के दौरान जमा शेष राशि	79.60	66.97
वृद्धि : अवधि के दौरान व्याज क्रेडिट	47.83	60.87
घटाव-वर्तमान अवधि के दौरान वापस ली गई राशि	90.48	24.26
समापन तिथि पर एस्क्रो खाते (गैर चालू) में शेष	1,119.04	1,082.09

चालू :

		(₹ करोड़ में)	
	के अनुसार		
	31.03.2021	31.03.2020 तक	
जमा :			
सीआईएल / अनुषंगी कंपनियों के साथ चालू खाता	32.30	-	
घटाव: संदिग्ध अशिमों के लिए प्रावधान	-	32.30	
असुरक्षित दीर्घकालिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता	-	-	
अर्जित ब्याज	204.67	529.02	
दावे और अन्य प्राप्त्य	127.03	88.94	
घटाव: संदिग्ध दावों के लिए भत्ता	0.06	0.06	
कुल	363.94	617.90	

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी 10 : अन्य गैर चालू आस्तियां

	(₹ करोड़ में)			
	के अनुसार			
	31.03.2021 तक		31.03.2020 तक	
(i) पूंजीगत अग्रिम	498.33		301.02	
घटाव: संदेहास्पद अग्रिम हेतु प्रावधान	0.65	497.68	0.65	300.37
(ii) पूंजीगत अग्रिम के अलावा अन्य अग्रिम				
(क) उपयोगिताओं के लिए सुरक्षा जमा	0.02		0.01	
घटाव: संदेहास्पद जमा हेतु प्रावधान	-	0.02	-	0.01
(ख) अन्य जमा और अग्रिम	12.55		13.66	
घटाव: संदेहास्पद जमा हेतु प्रावधान	-	12.55	-	13.66
(ग) प्रगतिशील खदान बंदी पर किया गया व्यय		114.54		47.28
कुल		624.79		361.32
टिप्पणी				
वर्गिकरण				
असुरक्षित - अच्छा माना गया		624.79		361.32
- संदेहास्पद माना गया		0.65		0.65

टिप्पणी 11 : अन्य चालू आस्तियां

	(₹ करोड़ में)			
	के अनुसार			
	31.03.2021 तक		31.03.2020 तक	
(क) राजस्व के लिए अग्रिम (माल एवं सेवा)	277.00		304.39	
घटाव: संदेहास्पद अग्रिम हेतु प्रावधान	6.50	270.50	6.54	297.85
(ख) वैधानिक बकाए का अग्रिम भुगतान	30.31		144.27	
घटाव: संदेहास्पद अग्रिम हेतु प्रावधान	-	30.31	-	144.27
(ग) संबंधित पार्टियों को अग्रिम		-		-
(घ) अन्य अग्रिम एवं जमा	1,455.09		1,531.42	
घटाव: संदेहास्पद दावे के लिए प्रावधान	0.02	1,455.07	0.02	1,531.40
(ङ) प्रगतिशील खदान बंदी पर किया गया व्यय		101.69		182.00
(च) इनपूट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	771.25		553.37	
घटाव: प्रावधान	-	771.25	-	553.37
कुल :		2,628.82		2,708.89

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 12 : वस्तुसूची

	(₹ करोड़ में)	
	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
(क) कोयले का स्टॉक	990.76	704.56
विकासाधीन कोयला	-	-
कोयला स्टॉक (निवल)	990.76	704.56
(ख) भंडार एवं पुर्जों का स्टॉक (लागत)	81.62	69.76
योग: मार्गस्थ भंडार	3.64	0.03
भंडार एवं पुर्जों का निवल स्टॉक (लागत पर)	85.26	69.79
(ग) केन्द्रीय अस्पताल में औषधियों का स्टॉक	0.73	0.53
(घ) कार्यशाला कार्य और प्रेस कार्य	26.77	18.74
	1,103.52	793.62

मूल्यांकन पद्धति : टिप्पणी संख्या- 2.21 के "वस्तुसूची" पर महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां देखें।

टिप्पणी-12 का अनुवर्णन

(परिमाण लाख टन में) (मूल्य लाख रुपये में)

तालिका -क

अवधि के अंत के किताबी स्टोक के साथ लेखा में अपनई गई अंतिम स्टोक का विवरण

	समग्र स्टोक		विविध के उपयोग स्टोक		विविध योग्य स्टोक	
	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य
1. (क) 01.04.20 को आरंभिक स्टोक	198.79	72,399.04	-	-	198.79	72,399.04
(ख) 5% से अधिक कमी	1.17	1,943.39	-	-	1.17	1,943.39
आरंभिक लेखा में लिए गए स्टोक	197.62	70,455.65	-	-	197.62	70,455.65
2. (क) अवधि में उत्पादन	1,480.13	14,68,801.26	-	-	1,480.13	14,68,801.26
(ख) कोचिंग का खर्च	25.03	7,288.53	-	-	25.03	7,288.53
3. उप कुल (1+2)	1,703.95	15,48,488.83	-	-	1,703.95	15,48,488.83
4. अवधि के लिए ओक टैक						
(क) बाहर देयन	1,442.08	14,40,401.81	-	-	1,442.08	14,40,401.81
(ख) वापसी में कोचिंग खपत	-	-	-	-	-	-
(ग) स्व खपत	0.02	36.79	-	-	0.02	36.79
(घ) अन्य लिए गए कोचिंग का देयन	25.00	7,006.19	-	-	25.00	7,006.19
कुल(क)	1,467.10	14,47,444.79	-	-	1,467.10	14,47,444.79
5. उपयुक्त स्टोक	236.85	1,01,044.04	-	-	236.85	1,01,044.04
6. मापा गया स्टोक	236.60	99,243.30	-	-	236.60	99,243.30
7. अंतर (6-5)	0.25	1,800.74	-	-	0.25	1,800.74
8. अंतर का ब्रेक-अप :						
(क) 5% के अंदर अधिक	2.42	890.13	-	-	2.42	890.13
(ख) 5% के अंदर कमी	1.50	723.16	-	-	1.50	723.16
(ग) 5% से अधिक	-	-	-	-	-	-
(घ) 5% से अधिक की कमी	1.17	1,967.71	-	-	1.17	1,967.71
9. क्लोजिंग स्टोक अगला मापा (6-8+5)	235.68	99,076.33	-	-	235.68	99,076.33

कोचिंग के अंतिम स्टोक का सारांश

	कोचिंग कोचिंग		नन-कोचिंग		परिष्कृत कोचिंग/अपरिष्कृत कोचिंग		कुल	
	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य	परिमाण	मूल्य
आरंभिक स्टोक (लेखा परीक्षा)	-	-	198.79	72,399.04	-	-	198.79	72,399.04
5% से अधिक की कमी	-	-	1.17	1,943.39	-	-	1.17	1,943.39
आरंभिक आरंभिक स्टोक (टैक्स)	-	-	197.62	70,455.65	-	-	197.62	70,455.65
उत्पादन	-	-	1,480.13	14,68,801.26	-	-	1,480.13	14,68,801.26
कोचिंग का खर्च	-	-	25.03	7,288.53	-	-	25.03	7,288.53
उपयुक्त	-	-	1,442.08	14,40,401.81	-	-	1,442.08	14,40,401.81
(क) बाहर देयन	-	-	-	-	-	-	-	-
(ख) वापसी में कोचिंग खपत	-	-	-	-	-	-	-	-
(ग) स्व खपत	-	-	0.02	36.79	-	-	0.02	36.79
(घ) अन्य लिए गए कोचिंग का देयन	-	-	25.00	7,006.19	-	-	25.00	7,006.19
उपयुक्त अंतिम स्टोक	-	-	236.85	1,01,044.04	-	-	236.85	1,01,044.04
घटाव : कमी	-	-	1.17	1,967.71	-	-	1.17	1,967.71
अंतिम स्टोक	-	-	235.68	99,076.33	-	-	235.68	99,076.33

आंतरिक सर्वेक्षण माप टीमें में कोचिंग का शैक्षिक रूप से स्टोक का सत्यापन किया है। कुछ क्षेत्रों में भी बाहरी टीमें द्वारा सत्यापन किया गया है। कुछ स्टोक (खान / कोचिंग) पर +/- 5% के भीतर कोचिंग स्टोक के शैक्षिक सत्यापन में कई गई कमी / वृद्धि को लेखा नैतिक के अनुसार अनदेखा किया जाता है।

5% से अधिक की कमी का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्षेत्र	खदान	एक स्टोक (लाख टन में)		मापा गया स्टोक (लाख टन में)		% अंतर	
		31.03.21 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार	31.03.21 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार	31.03.21 के अनुसार	31.03.2020 के अनुसार
ओरियंट	माइन नं.-3	0.12	0.12	-	-	100.00	100.00
	एचबीएम-जी	0.30	0.30	-	-	100.00	100.00
तामपेर	मंदिरा-जी	0.50	0.50	-	-	100.00	100.00
	तामपेर-जी5	0.23	0.23	-	-	100.00	100.00
कुल		1.17	1.17	-	-	-	-

पोलिटी के अनुसार जब अंतर +/- 5% से अधिक है, उस मामले में मापा गए स्टोक की गणना लेखा में की जाती है तथा दिनांक 31.03.2021 के अनुसार 19.68 करोड़ मूल्य के 1.17 लाख टन कोचिंग को भी लेखा में शामिल किया गया।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 13 : व्यापार से प्राप्त

	(₹ करोड़ में)	
	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
चालू		
व्यापार से प्राप्त		
- सुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	-	-
- असुरक्षित जिसे अच्छा समझा गया	1292.63	1323.07
- क्रेडिट जोखिम में महत्वपूर्ण वृद्धि	-	-
- क्रेडिट हानि	85.55	52.28
घटाव : खराब और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ते	85.55	52.28
	1292.63	1323.07
कुल	1292.63	1323.07

टिप्पणी:

1 देय तिथि से छह महीने से कम अवधि के लिए बकाया ऋण	1,213.79	1294.63
2 नियत तिथि से छः माह से अधिक अवधि लिए बकाया ऋण।	78.84	28.44
- संदेहास्पद	85.55	52.28
	1378.18	1375.35

टिप्पणी:

- कंपनी के निदेशक एवं अधिकारियों से व्यक्तिगत या संयुक्त रूप में कोई भी व्यापार एवं अन्य प्राप्त्य बकाया नहीं है। न ही किसी फर्म व निजी कंपनियां जिसमें कोई निदेशक, निदेशक सदस्य, भागीदार है, से किसी प्रकार का व्यापार व अन्य प्राप्त्य बकाया नहीं है।
- उपरोक्त व्यापार प्राप्तियां ₹ 48.72 करोड़ (₹ 155.63 करोड़) के कोयले की गुणवत्ता भिन्नता और ₹ 1.96 करोड़ के कोयले पर नमी (शून्य) का निवल प्रावधान है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 14 : नगद एवं नगद समतुल्य

(₹ करोड़ में)

	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
(क) बैंक में शेष		
- जमा खातों में		
(3 महीने तक परिपक्वता के साथ)	937.10	-
- चालु खाता में		
क.(सीएलटीडी खाता इत्यादि) सहित ब्याज	99.09	132.36
ख. गैर ब्याज वहन	56.95	19.12
- नगद क्रेडिट खातों में	-	-
(ख) भारत से बाहर बैंक खाता में शेष	-	-
(ग) उपलब्ध चेक, ड्राफ्ट एवं स्टाम्प	-	-
(घ) उपलब्ध नगद	-	-
(ङ) भारत के बाहर उपलब्ध नगद	-	-
(च) अन्य	-	-
कुल नगद और नगद समतुल्य	1,093.14	151.48

टिप्पणी:

1 नगद और नकद समकक्ष में, तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ उपलब्ध बैंक में नगद, स्वीप खाता तथा सावधि जमा शामिल हैं।

टिप्पणी- 15 : अन्य बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
बैंक में शेष	-	-
- जमा लेखा	7,223.41	12,276.99
जमा खाते (विशिष्ट उद्देश्यों के लिए - नीचे नोट 2 देखें)	26.59	26.36
कुल	7,250.00	12,303.35

1. अन्य बैंक शेष में सावधि जमा और अन्य बैंक जमा शामिल हैं जो की प्रतिवेदन की प्रारंभिक तिथि से 12 महीने के भीतर नगद के रूप में वसूल किया जाना अपेक्षित है ।

2. ₹ 26.59 करोड़ (₹ 26.36 करोड़) से अधिक जमा खाता (विशिष्ट उद्देश्य के लिए) न्यायालय के निर्देश के अनुसार, विभिन्न सरकारी प्राधिकरण और बैंक गारंटी जारी करने के लिए बनाया गया है। अधिक जानकारी के लिए लेखा के नोट-38 अतिरिक्त टिप्पणी के तहत अन्य मामलों के बिन्दु 8 (एफ) देखें।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 16 : इक्विटी शेयर पूँजी

	(₹ करोड़ में)	
	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
प्राधिकृत		
प्रत्येक ₹1000 का 77,58,200 इक्विटी शेयर	775.82	775.82
	775.82	775.82
निर्गत, अभिदत्त एवं प्रदत्त		
प्रत्येक 1000 रुपये के 6618363 इक्विटी शेयर	661.84	661.84
	661.84	661.84

टिप्पणी:

- 1 कंपनी में 5% से अधिक शेयर रखनेवाले प्रत्येक शेयरधारक के शेयर

शेयरधारकों के नाम	शेयरधारकों की संख्या (1000 रुपए प्रत्येक का)	कुल शेयरों का प्रतिशत
कोल इंडिया लिमिटेड (नियंत्रक कंपनी) एवं इसकी नामित	6618363	100

- 2 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के दौरान, समूह ने कोई इक्विटी शेयर जारी या वापस नहीं किए हैं।
- 3 31.03.2020 को समाप्त वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोई इक्विटी शेयर जारी या वापस नहीं खरीदा था।
- 4 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के दौरान, समूह ने निविदा के माध्यम से ₹. 1000 के अंकित मूल्य के 442967 शेयर खरीदे थे, जिनका पूरा भुगतान कर समाप्त किया गया था।
- 5 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के दौरान, समूह ने 5649064 बोनस शेयर जारी किए थे, अर्थात् ₹.1000 के अंकित मूल्य के पूर्ण रूप से भुगतान किए गए 4 मौजूदा इक्विटी शेयरों जिसके प्रत्येक शेयर का भुगतान किया गया है।
- 6 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के दौरान, समूह ने निविदा प्रस्ताव के माध्यम से पूरी तरह से भुगतान किए गए ₹. 1000 के अंकित मूल्य के 451743 इक्विटी शेयर वापस खरीद लिए हैं और उन शेयरों को समाप्त कर दिया गया।
- 7 समूह के पास सिर्फ ₹. 1000/प्रति शेयर अंकित मूल्य का एक ही श्रेणी के इक्विटी शेयर है इक्विटी शेयर धारक को समय-समय पर घोषित लाभांश को प्राप्त करने एवं शेयर धारकों की बैठक में उनके शेयरों के लिए मतदान करने का अधिकार है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 17 : अन्य इक्योटी

	अन्य रिजर्व			सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित आय	अन्य व्यापक आय	कुल
	कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व	पूंजीगत रिजर्व	अन्य रिजर्व				
01.04.2019 तक शेष	44.29	-	-	1,947.30	1,182.50	18.36	3,192.45
वर्ष के दौरान जोड़	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जोड़	-	-	-	-	-	-	-
लेखांकन नीति में परिवर्तन	-	-	-	-	-	-	-
पूर्व अवधि त्रुटियाँ	-	-	-	-	-	-	-
01.04.2019 के अनुसार पुनःधारित शेष	44.29	-	-	1,947.30	1,182.50	18.36	3,192.45
वर्ष के दौरान जोड़	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान समायोजन	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के दौरान लाभ	-	-	-	-	6,415.56	-	6,415.56
परिमितित लाभ योजनाओं का पुनर्गणना(नियत कर)	-	-	-	-	-	(78.44)	(78.44)
वित्तियोग	-	-	-	-	-	-	-
सामान्य रिजर्व में / से स्थानांतरण	-	-	-	321.37	(321.37)	-	-
अन्य रिजर्व में / से स्थानांतरण	-	-	-	-	-	-	-
अंतरिम लाभोश	-	-	-	-	(5,225.00)	-	(5,225.00)
अंतिम लाभोश	-	-	-	-	-	-	-
कोर्पोरेट लाभोश कर	-	-	-	-	(1,074.01)	-	(1,074.01)
बाईबैक पर कर	-	-	-	-	-	-	-
31.03.2020 तक शेष	44.29	-	-	2,268.67	977.68	(60.08)	3,230.66
01.04.2020 तक शेष	44.29	-	-	2,268.67	977.68	(60.08)	3,230.66
अवधि के दौरान जोड़	-	-	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान समायोजन	-	-	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान लाभ	-	-	-	-	6,870.46	-	6,870.46
परिमितित लाभ योजनाओं का पुनर्गणना(नियत कर)	-	-	-	-	-	(37.42)	(37.42)
वित्तियोग	-	-	-	-	-	-	-
सामान्य रिजर्व में / से स्थानांतरण	-	-	-	343.62	(343.62)	-	-
अन्य रिजर्व में / से स्थानांतरण	-	-	-	-	-	-	-
अंतरिम लाभोश	-	-	-	-	(5,225.00)	-	(5,225.00)
अंतिम लाभोश	-	-	-	-	-	-	-
बाईबैक पर कर	-	-	-	-	-	-	-
31.03.2021 तक शेष	44.29	-	-	2,612.29	2,279.52	(97.50)	4,838.60

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 18 : उधार

	(₹ करोड़ में)	
	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
<u>गैर-चालू</u>		
अवधि ऋण		
-बैंकों से	5.03	5.48
-अन्य पार्टियों से	-	-
संबंधित पार्टियों से ऋण	-	-
अन्य ऋण	-	-
कुल	<u>5.03</u>	<u>5.48</u>
वर्गीकरण		
सुरक्षित	-	-
असुरक्षित	5.03	5.48
<u>चालू</u>		
मांग पर लौटाने वाले ऋण		
-बैंकों से	-	-
-बैंक ओवरड्राफ्ट	-	-
-बैंकों से अन्य ऋण	-	1,706.45
अन्य से	-	-
संबंधित पार्टियों से ऋण	-	-
कुल	<u>-</u>	<u>1,706.45</u>
वर्गीकरण		
सुरक्षित	-	-
असुरक्षित	-	-

टिप्पणी :

1. फ्रांस के लेभर से 4 हाइड्रोलिक शोवेल की खरीद के लिए नेशनल बैंक ऑफ पेरिस और नैटैक्सिस बैंक के साथ समझौते के माध्यम से ऋण की व्यवस्था की गई थी। 31.03.2021 (पुनर्भुगतान के बाद निवल) में ₹ 5.67 करोड़ ऋण बकाया है। (जो 31.03.2020 को ₹6.10 करोड़ था)।

शेष का विवरण निम्नवत है :

	यूरो में	₹ करोड़ में
01.04.2020 के अनुसार शेष	7,34,397.22	6.10
31.03.2021 को समाप्त वर्ष के दौरान पुनः भुगतान	74,113.58	0.64
विनिमय अंतर	-	0.21
31.03.2021 के अनुसार शेष	6,60,283.64	5.67

₹ 0.64 करोड़ के दीर्घकालिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता को ₹ 5.67 करोड़ के शेष से बाहर रखा गया है और नोट-20 'अन्य वित्तीय देनदारियों' में दर्शाया गया है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 19 : भुगतान योग्य व्यापार

(₹ करोड़ में)

	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
चालू सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए	0.18	0.39
अन्य भुगतान हेतु व्यापार	257.95	409.05
कुल	258.13	409.44

टिप्पणी :

	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
व्यापार देय - सूक्ष्म और लघु उद्यमों का कुल बकाया		
क) अवधि समाप्ती के अनुसार मूलधन और ब्याज राशि का भुगतान शेष है, लेकिन बकाया नहीं है।	0.18	0.39
ख) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के संदर्भ में कंपनी द्वारा अवधि के दौरान नियत दिन से परे आपूर्तिकर्ता को भुगतान की राशि के साथ ब्याज का भुगतान किया गया ।	-	-
ग) भुगतान में विलंब की अवधि के लिए देय ब्याज और देय (वर्ष के दौरान नियत दिन से परे जिसका भुगतान किया गया है) लेकिन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को नहीं जोड़ा गया है।	-	-
घ) ब्याज अर्जित किया गया और अवधि के अंत तक शेष नहीं।		-
ड) उपरोक्तानुसार उस तिथि तक जब बकाया ब्याज वास्तव में छोटे उद्यम को भुगतान नहीं किया जाता है, उत्तरवर्ती वर्षों में भी शेष और देय ब्याज	-	-

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 20 : अन्य वित्तीय देनदारियां

	(₹ करोड़ में)	
	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
गैर चालू		
सुरक्षा जमा	17.36	36.48
अग्रिम राशि	-	-
अन्य(सुरक्षा जमा- प्रबंधन प्रशिक्षु)	1.86	2.54
	<u>19.22</u>	<u>39.02</u>
चालू		
सीआईएल के चालू खाता के साथ	-	9.80
दीर्घकालिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता	0.64	0.62
प्रतिभूति जमा	292.46	202.21
अमानत राशि	56.82	48.19
पूँजीगत व्यय के लिए देय	1,301.93	1,120.49
वेतन और मजदूरी के लिए देयताएँ	249.54	259.20
अन्य	327.65	255.07
कुल	2,229.04	1,895.58

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी
टिप्पणी- 21 : प्रावधान

	(₹ करोड़ में)	
	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
गैर-चालू		
कर्मचारी हितलाभ		
-उपदान	-	-
- अवकाश नगदीकरण	107.58	125.60
-अन्य कर्मचारी हितलाभ	93.17	104.33
	200.75	229.93
स्थल पुनःस्थापना/खदान बंदी	878.56	867.40
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	17,995.63	19,054.81
अन्य	-	-
कुल	19,074.94	20,152.14
चालू		
कर्मचारी हितलाभ		
- उपादान	39.43	57.05
- अवकाश नगदीकरण	56.97	21.83
- अनुग्रह राशि	137.45	135.39
- परफार्मेंस संबंधित पे	121.09	159.06
- अन्य कर्मचारी हितलाभ	55.85	36.04
	410.79	409.37
स्थल पुनःस्थापना/खदान बंदी	-	-
अन्य	789.95	487.23
कुल	1,200.74	896.60

टिप्पणी

1. खदान बंदी के लिए प्रावधान

कोयला मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त दिशानिर्देशों का अनुसरण करते हुए खान बंदी योजना बनाने के संबंध में एक प्रावधान किया गया। इसे प्रावधान सीएमपीडीआईएल (कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी) के तर्कों की मूल्यांकन के अनुसार बनाए जाते हैं। प्रत्येक खदान बंदी व्ययों के लिए (सीएमपीडीआई द्वारा यथा मूल्यांकित) देयता में 8% की छुट दी गई है तथा इसे प्रावधान के बनने के 01 साल तक खदान बंदी देयता को पूंजीकृत किया गया है। 31.03.2021 के अनुसार प्रावधानों को पूरा करने के लिए डिस्काउंट को अनदेखा करके अनुवर्ती वर्ष में प्रावधान का पुनःमूल्यांकन किया गया है।

2. स्थल बहाली / खदान बंदी का समाधान* (गैर चालू और चालू):

	31.03.2021	31.03.2020
प्रारंभिक तिथि को स्थल पुनः स्थापना/ खदान बंदी का प्रावधान :	867.40	812.13
वृद्धि: एमसीपी में संशोधन के कारण प्रावधान में परिवर्तन	42.51	-
वृद्धि: वर्तमान अवधि के लिए प्रभारित प्रावधान की अनुपलब्धता (पूँजीकृत सहित)	59.37	79.80
घटाव : एमसीपी प्रावधान एस्को खाते से प्रतिपूर्ति के लिए समायोजित	90.72	24.53
स्थल पुनः स्थापना/ खदान बंदी प्रावधान	878.56	867.40

*देउलबेरा कोलियरी के भंडारण (स्टोविंग) और अस्थिर कामकाज के स्थिरीकरण की दिशा में किए गए प्रावधान के कारण स्थल पुनः

स्थापना/खान बंदी व्यय के लिए किए गए प्रावधान में ₹ 3.60 करोड़ शामिल हैं में वेतन और मजदूरी के समायोजन के अलावा ₹ 9.44 करोड़

(विभागीय वेतन और ₹ 18.21 करोड़ के वेतन को छोड़कर) की व्यापक योजना में स्थल बहाली/खान बंदी व्यय के प्रावधान में ₹ 3.84 करोड़

शामिल है। रेत भंडारण के माध्यम से देउलबेरा कोलियरी के अस्थिर कामकाज के स्थिरीकरण की योजना में विभागीय जनशक्ति की अनुमानित

लागत ₹ 18.21 करोड़ भी शामिल है, जिसके लिए अलग से प्रावधान नहीं किया गया है।

एमसीपी के प्रावधान में बसुंधरा (पूर्व) के लिए भूमि सुधार के लिए ₹ 0.79 करोड़ भी शामिल है।"

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 22 : अन्य गैर चालू देयताएं

	(₹ करोड़ में)	
	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
आस्थगित आय (सीसीडीए अनुदान)	152.96	166.87
कुल	152.96	166.87

1. कोयला खान (संरक्षण और विकास) अधिनियम, 1974 के तहत, आस्थगित आय में पूंजीगत प्रकृति के कार्यों के लिए मिलने वाली सब्सिडी शामिल है।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 23 : अन्य चालू देयताएं

	(₹ करोड़ में)	
	के अनुसार	
	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
वैधानिक बकाया:	1,014.19	816.43
ग्राहकों से अग्रिम/अन्य	2,958.75	2479.36
अन्य देयताएं	45.98	55.33
कुल	4,018.92	3,351.12

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 24 : संचालन से राजस्व

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
क. कोयले का विक्रय	23,619.94	22,834.92
घटाव : वैधानिक लेवी	9,145.86	8,672.92
विक्रय (निवल) (क)	14,474.08	14,162.00
ख. अन्य संचालन राजस्व		
बालू भरने और रक्षात्मक कार्य	-	-
हेतु अनुदान	-	-
लदाई एवं अतिरिक्त परिवहन प्रभार	1,392.40	1,039.18
घटाव : वैधानिक लेवी	66.30	49.48
	1,326.10	989.70
निकासी सुविधा शुल्क	726.76	692.44
घटाव : वैधानिक लेवी	34.61	32.97
	692.15	659.47
अन्य संचालन राजस्व (निवल)(ख)	2,018.25	1,649.17
संचालन से राजस्व (क+ख)	16,492.33	15,811.17

टिप्पणी :-

1. उपरोक्त कोयले की बिक्री में अनुमानित कोयले की गुणवत्ता अंतर(रिवर्सल का निवल) ₹.105.07 करोड़ की (गतवर्ष ₹ 101.95 करोड़) की वृद्धि हुई है और कोयले में नमी के प्रावधान के लिए ₹ 1.98 करोड़ की कमी आई है।
2. भारतीय लेखा मानक 115 के अनुसार अलग-अलग राजस्व के प्रकटीकरण के लिए नोट-38 अतिरिक्त टिप्पणियों के तहत अन्य मामलों के बिंदु 7 (पी) का संदर्भ लें।
3. उपरोक्त संचालन से प्राप्त राजस्व में शामिल खरीदे गए कोयले की बिक्री के संबंध में नोट - 38 अतिरिक्त टिप्पणियों के तहत अन्य मामलों के बिंदु 7 (डी) का संदर्भ लें।

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 25 : अन्य आय

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
व्याज आय	733.11	1432.84
लाभांश आय	0.01	86.80
<u>अन्य</u>		
आस्तियां की बिक्री पर लाभ	0.88	0.51
विदेशी मुद्रा विनिमय से लाभ	-	-
म्यूचुअल फंड की बिक्री पर लाभ/(हानि)	36.41	-
विनिमय दर में भिन्नता	-	-
पट्टा पर किराया	5.94	11.81
देयता / प्रावधान प्रतिलेखन (राइट बैक)	147.36	208.88
उचित मूल्य परिवर्तन (निवल)	6.21	-
विविध आय	109.48	120.50
कुल	1,039.40	1,861.34

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी-26 : उपयुक्त सामग्रियों की लागत

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
विस्फोटक	189.66	143.70
लकड़ी	0.16	0.19
तेल एवं लुब्रिकेंट	338.52	278.44
एचईएमएम के पुर्जे	118.75	126.08
अन्य उपभोग्य भंडार और पुर्ज	58.78	50.30
कुल	705.87	598.71

टिप्पणी -27 : तैयार माल की वस्तु सूची, कार्य प्रगति पर एवं व्यापार स्टॉक में परिवर्तन

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
कोयले का प्रारंभिक स्टॉक	704.56	425.46
कोयले का अंतिम स्टॉक	990.76	704.56
क. कोयले की सूची में परिवर्तन	(286.20)	(279.10)
कार्यशाला निर्मित तैयार माल और कार्य प्रगति एवं प्रेस जॉब का प्रारंभिक स्टॉक	18.74	17.17
कार्यशाला निर्मित तैयार माल और कार्य प्रगति का अंतिम स्टॉक	26.77	18.74
ख. कर्मशाला की वस्तुसूची में परिवर्तन	(8.03)	(1.57)
व्यापार में कर्मशाला की वस्तुसूची में परिवर्तन (क+ख) (घटाव/अभिवृद्धि)	(294.23)	(280.67)

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 28 : कर्मचारी हितलाभ एवं व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन और मजदूरी (भत्ता और बोनस इत्यादि)	2,355.23	2,296.71
भविष्य निधि और अन्य निधि में अंशदान कर्मचारी कल्याण हेतु व्यय	664.46 200.15	639.32 219.02
	3,219.84	3,155.05

टिप्पणी- 29 : सीएसआर संबंधी व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
सीएसआर पर व्यय	168.44	165.50
कुल	168.44	165.50

क. सीएसआर व्यय का गतिविधिवार विवरण:-

ग्राम, गरीबी और कुपोषण का उन्मूलन	164.86	51.47
विशेष शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने वाले व्यावसायिक कौशल सहित शिक्षा उन्मूलन	10.82	79.13
लैंगिक समानता और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों के समावेश आने वाली असमानताओं को कम करने के उपाय	0.97	0.66
पर्यावरण स्थिरता	4.12	7.26
राष्ट्रीय विरासत, कला और संस्कृति का संरक्षण	0.94	4.10
सशस्त्र बलों के सिपाहियों, युद्ध में हुई विधवाओं और उनके आश्रितों का हितलाभ	-	-
ग्रामीण खेलों, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालंपिक खेलों और ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण	3.23	6.20
सामाजिक आर्थिक विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निधि में योगदान	-	-
इन्फ्रस्ट्रक्चर या अनुसंधान विकास परियोजनाओं में योगदान	1.22	-
विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में योगदान	-	-
ग्रामीण विकास परियोजनाएं	16.88	15.95
गंदी बस्ती का विकास	-	-
राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण गतिविधियों सहित आपदा प्रबंधन	2.30	0.73

ख. सीएसआर व्यय ब्रेक-अप

(क) वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली आवश्यक राशि	168.44	156.50
(ख) वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली राशि बॉर्डर द्वारा स्वीकृत	205.34	156.50
(ग) वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि:		
(i) किसी भी संपत्ति का निर्माण / अधिग्रहण	45.93	146.68
(ii) उपरोक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्य पर	159.41	18.82

ग. बाह्य परियोजना के अलावा अत्यधिक राशि (धारा 135(5))	प्रारंभिक शेष	6 माह के भीतर अनुसूची VII में निर्दिष्ट फंड में	वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली राशि	वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि
-	-	-	-	-

घ. व्यय की गई अधिक राशि (धारा 135(5))

वर्षवार विवरण	प्रारंभिक शेष	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि
2020-21	-	168.44	205.34
			36.90

ङ. बाह्य परियोजना (धारा 135(6))

वर्षवार विवरण	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान व्यय हेतु आवश्यक राशि	वर्ष के दौरान व्यय की गई		अंतिम जमा	
	कंपनी के साथ	भिन्न सीएसआर अत्यधिक खाते में		कंपनी के बैंक खाते से	अलग सीएसआर अत्यधिक खाते से	कंपनी के साथ	भिन्न सीएसआर अत्यधिक खाते में
-	-	-	-	-	-	-	-

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 30 : मरम्मत

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
भवन	89.89	96.89
संयंत्र एवं यंत्र	76.94	60.20
अन्य	2.72	4.09
कुल	169.55	161.18

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 31 : संविदात्मक व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
परिवहन शुल्क:	1,427.37	1139.43
वैगन लदाई	81.25	67.28
संयंत्र एवं उपकरण भाड़ा पर लेना	1,762.55	1,309.60
अन्य संविदात्मक कार्य	99.50	78.37
कुल	3,370.67	2,594.68

टिप्पणी- 32 : वित्तीय लागत

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
व्याज पर व्यय		
उधार	11.77	0.77
रूट का अनवाइंडिंग (पुनःस्थापना)	56.61	79.54
अन्य	-	-
कुल	68.38	80.31

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी 33 : प्रावधान (परिवर्तन (रिवर्सल)का निवल)

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
संदिग्ध ऋण	45.40	-
संदिग्ध अग्रिम एवं दावे	-	0.02
भंडार एवं पुर्ज	0.07	-
अन्य	28.40	2.46
कुल	73.87	2.48

टिप्पणी :

1 अन्य:-

सर्वे-आफ किया गया

10.76	2.46
10.76	2.46

टिप्पणी 34 : बट्टे खाते (गत प्रावधानों का निवल)

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
संदिग्ध ऋण	-	-
घटाव :- पूर्व प्रदत्त	-	-
संदिग्ध अग्रिम	-	-
घटाव :- पूर्व प्रदत्त	-	-
कुल	-	-

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 35 अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
यात्रा व्यय	7.94	19.21
प्रशिक्षण व्यय	2.68	8.96
दूरभाष एवं डाक खर्च	5.65	5.66
विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार	2.63	7.00
भाड़ा प्रभार	0.16	0.06
विलंब शुल्क	0.85	19.18
सुरक्षा व्यय	106.59	113.07
सीआईएल का सेवा प्रभार	148.01	140.36
भाड़ा प्रभार	64.55	51.53
सीएमपीडीआई प्रभार	21.43	22.30
विधिक व्यय	4.43	8.60
परामर्श शुल्क	2.45	1.28
कम लदान शुल्क	87.63	93.50
विक्रय/अस्वीकार/सर्वेऑफ आस्तियां पर हानी	0.71	0.35
लेखा परीक्षकों का मानदेय एवं व्यय		
- लेखा परीक्षा शुल्क के लिए	0.19	0.22
- कर संबंधी मामले के लिए	-	-
- अन्य सेवाओं के लिए	0.17	0.13
- व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए	0.13	0.09
आंतरिक एवं अन्य लेखा परीक्षा शुल्क पर व्यय	2.88	2.84
पुनर्वास शुल्क	87.61	80.37
किराया	0.50	0.49
दर एवं कर	40.47	23.72
बीमा	0.85	0.90
विनियम दर में अंतर से हानि	0.22	0.41
बचाव/सुरक्षा हेतु व्यय	2.59	2.58
डेट रेंट/सरफेस रेंट	0.67	0.58
साईडिंग अनुरक्षण शुल्क	50.98	38.30
आर एंड डी व्यय	0.46	0.02
पर्यावरण और वृक्षारोपण व्यय	22.22	23.91
शेयरों के बायबैक पर व्यय	-	-
विविध व्यय	119.20	126.00
कुल	784.85	791.62

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी- 36 : कर व्यय

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
चालू वर्ष	2,289.49	2125.81
स्थगित कर	151.90	(43.28)
एमएटी क्रेडिट पात्रता	-	-
पिछले वर्षों में	3.05	137.00
कुल	2,444.44	2,219.53
31.03.20 के लिए भारतीय आंतरिक कर दर से गुणित व्यय और लेखा लाभ का समाधान कर पूर्व लाभ/(हानी)	9315.36	8,627.52
भारत की वैधानिक आयकर दर 25.168%	2,344.49	2,171.37
घटाव : आय कर से छूट	(17.80)	(39.64)
योग: कर उद्देश्यों के लिए गैर-कटौती व्यय	115.15	(49.20)
पिछले वर्ष के लिए समायोजन	3.05	137.00
एमएटी प्रावधानों के तहत कर के लिए समायोजन लाभ और हानि विवरण में आयकर व्यय की सूचना दी गई है	-	-
	2,444.89	2,219.53
प्रभावी आयकर दर:	26.25%	25.73%

समेकित वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणी

टिप्पणी-37 : अन्य व्यापक आय

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
(क) (i) लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किए जानेवाले मदें		
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनःमापन	(50.00)	(104.82)
	(50.00)	(104.82)
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		
परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनःमापन	(12.58)	(26.38)
	(12.58)	(26.38)
कुल (क)	(37.42)	(78.44)
(ख) (i) लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किए जानेवाले मदें		
संयुक्त उद्यमों में ओसीआई का शेयर	-	-
	-	-
(ii) उन मदों से संबंधित आयकर जो लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किया जाएगा		
संयुक्त उद्यमों में ओसीआई का शेयर	-	-
	-	-
कुल (ख)	-	-
कुल (क+ख)	(37.42)	(78.44)

टिप्पणी-38: 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वित्तीय विवरण हेतु अतिरिक्त टिप्पणियाँ-समेकित

1 संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्थाओं और सहायक कंपनियों में समेकन और व्याज की वित्तीय रिपोर्टिंग के सिद्धांत

- i) 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए समेकन में प्रयुक्त सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण उसी रिपोर्टिंग तिथि तक तैयार किए जाते हैं, जो मूल कंपनी की थी।
- ii) समेकित वित्तीय विवरण महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, इसकी आंशिक/पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों, अर्थात् एमएनएच शक्ति लिमिटेड, एमजेएसजे कोल लिमिटेड, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड और महानदी बेसिन पावर लिमिटेड से संबंधित हैं।

iii) समूह के वित्तीय विवरणों को इसकी चार सहायक कंपनियों के साथ समेकित किया गया है जो निम्नानुसार हैं:

कोयला मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार संयुक्त उपम समझौते के आधार पर सहायक कंपनियों को शामिल करने पर, एमसीएल ने पूंजी और अन्य व्यय के लिए पैसा / स्थानांतरित डेबिट जमा किया है।

31.03.2021 को सहायक कंपनियों की स्थिति इस प्रकार है:-

सहायक कंपनी का नाम	पता	निगमन की तारीख	समिष्टि में हिस्सेदारी (%)		गैर-नियंत्रित व्याज (₹ करोड़ में)	
			31.03.2021	31.03.2020	31.03.2021	31.03.2020
1) एम.एन.एच. शक्ति लिमिटेड	आनंद विहार, बुर्ला, संजयपुर	16.07.2008	70.00%	70.00%	27.36	27.12
2) एम.जे.एस.जे. कोल लिमिटेड	हाउस नं.-42, प्रथम तल, आनंद नगर, हफिग पारा, अंगुल	13.08.2008	60.00%	60.00%	30.02	30.20
3) महानदी बेसिन पावर लिमिटेड	प्लॉट नंबर जी-3, मंचेवर रेलवे कॉलोनी, भुवनेश्वर	02.12.2011	100.00%	100.00%	-	-
4) महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	एम.डी.एफ. कक्षा, कॉर्पोरेट कार्यालय, एमसीएल मुख्यालय, जागृति विहार, बुर्ला, संजयपुर	31.08.2015	64.00%	64.00%	(0.30)	(0.28)

समेकन में उपरोक्त सहायक कंपनी के 31.03.2021 को समाप्त वर्ष तक के सीमित समीक्षा वित्तीय विवरणों पर विचार किया गया है।

ii) इन समेकित वित्तीय विवरणों के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और टिप्पणियां समूह की समेकित स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए सूचनात्मक प्रकटीकरण और एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करने के लिए अभिप्रेत हैं। इस उद्देश्य को स्वीकार करते हुए, समूह ने व्यक्तिगत वित्तीय विवरणों से केवल ऐसी नीतियों और टिप्पणियों का खुलासा किया है, जो आवश्यक प्रकटीकरण को उचित रूप से प्रस्तुत करती हैं।

iii) सहायक कंपनियों/संयुक्त उपमों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी (कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के अनुसार)

संस्था का नाम	शुद्ध संपत्ति, यानी कुल संपत्ति घटा कुल देनदारियां		लाभ या हानि में हिस्सा		अन्य व्यापक आय में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
	समेकित शुद्ध संपत्ति के रूप में	समेकित शुद्ध संपत्ति के प्रतिशत के रूप में	समेकित लाभ या हानि के प्रतिशत के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित अन्य व्यापक आय के प्रतिशत के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित आय के प्रतिशत के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)
सहायक कंपनी								
भारतीय								
1) एम.एन.एच. शक्ति लिमिटेड	1.63	90.69	0.02	1.28	-	-	0.02	1.28
2) एम.जे.एस.जे. कोल लिमिटेड	1.33	74.04	(0.01)	(0.44)	-	-	(0.01)	(0.44)
3) महानदी बेसिन पावर लिमिटेड	(0.11)	(5.97)	(0.00)	(0.04)	-	-	(0.00)	(0.04)
4) महानदी कोल रेलवे लिमिटेड	(0.02)	(0.87)	(0.00)	(0.06)	-	-	(0.00)	(0.06)
कुल (क)	2.84	157.89	0.01	0.74	-	-	0.01	0.74
संयुक्त उपम (निष्पक्ष पद्धति के अनुसार नियेश)								
भारतीय	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (ख)	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (क+ख)	2.84	157.89	0.01	0.74	-	-	0.01	0.74

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

2 उचित मूल्य अंयन

(क) वर्गवार वित्तीय साधन

(₹ करोड़ में)

	31.03.2021		31.03.2020	
	एफ.वी.टी.पी. एल.	परिशोधित लागत	एफ.वी.टी.पी. एल.	परिशोधित लागत
वित्तीय आस्तियां				
निवेश*				
सुरक्षित बांड		849.95		958.70
सहकारी शेयर		-		-
म्यूचुअल फंड/आईसीडी	2856.03		0.46	
ऋण		626.29		1126.52
जमा और प्राप्त्य		1517.64		1734.63
व्यापार प्राप्त्य**		1292.63		1323.07
नकद और नकद समकक्ष		1093.14		151.48
अन्य बैंक बैलेंस		7250.00		12303.35
वित्तीय देनदारियां				
उधार		5.03		1711.93
व्यापार देनदारियां		258.13		409.44
प्रतिभूति जमा और बचाना राशि		366.64		286.88
अन्य देनदारियां		1881.62		1647.72

* सहायक/संयुक्त उपभोग में इक्विटी शेयरों में निवेश को इक्विटी पदों का उपयोग करके मापा जाता है जो 31.03.2021 को ₹ 116.71 करोड़ (31.03.2020 तक ₹ 116.71 करोड़) हैं तथा जो उपरोक्त में शामिल नहीं हैं।

** कोयला गुणवत्ता भिन्नता के लिए भता और व्यापार प्राप्त्य से घटाए गए कोयले पर नमी का प्रावधान।

ख) उचित मूल्य अनुक्रम

वित्तीय साधन के उचित मूल्यों को निर्धारित करने हेतु लिए गए फैसलों एवं अनुमानों को नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है, जिसे (क) उचित मूल्य पर मापा तथा पहचाना जाता है एवं (ख) परिशोधित लागत पर मापा जाता है तथा जिसके लिए वित्तीय विवरणों में उचित मूल्यों का उल्लेख भी किया गया है। उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए उपयोग किये गए इनपुट की विश्वसनीयता के बारे में एक संकेत प्रदान करने हेतु समूह ने अपने वित्तीय साधन को लेखांकन मानक के तहत निर्धारित तीन स्तरों में विभाजित किया है।

(₹ करोड़ में)

उचित मूल्य पर वित्तीय आस्तियां और देयताओं को मापा गया	31.03.2021		31.03.2020	
	स्तर I	स्तर III	स्तर I	स्तर III
एफवीटीपीएल में वित्तीय आस्तियां				
निवेश:				
म्यूचुअल फंड/आईसीडी	2856.03		0.46	

परिशोधन लागत पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां और देनदारियां जिसके लिए उचित मूल्यों को प्रकट किया गया	31.03.2021		31.03.2020	
	स्तर I	स्तर III	स्तर I	स्तर III
वित्तीय आस्तियां				
निवेश :				
सुरक्षित बांड		849.95		958.70
सहकारी शेयर		0.00		0.00
ऋण		626.29		1126.52
जमा और प्राप्त्य		1517.64		1734.63
व्यापार प्राप्त्य		1292.63		1323.07
नकद और नकद समकक्ष		1093.14		151.48
अन्य बैंक बैलेंस		7250.00		12303.35
वित्तीय देयताएं				
उधार		5.03		1711.93
व्यापार देय		258.13		409.44
प्रतिभूति जमा एवं बचाना		366.64		286.88
अन्य देयताएं		1881.62		1647.72

प्रत्येक स्तर का एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

स्तर 1: स्तर 1 पदानुक्रम में उद्धृत कीमतों का उपयोग करके वित्तीय साधनों का मूल्यांकन किया गया है। इसमें म्यूचुअल फंड्स शामिल हैं, जिन्हें रिपोर्टिंग तिथि के अनुसार सकल आस्ति मूल्य (एन.ए.वी.) का उपयोग कर मूल्यांकित किया जाता है।

स्तर 2: वे वित्तीय उपकरण जिनका सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं किया गया है, उनके उचित मूल्य का निर्धारण मूल्यांकन तकनीक का उपयोग करके किया जाना अपेक्षित है, जो कि निरीक्षण बाजार के आंकड़ों के उपयोग को अधिक बढ़ाता है एवं इकाई विशिष्ट के अनुमानों पर यथार्थतः कम निर्भर करता है। उचित मूल्य के लिए जरूरी सभी महत्वपूर्ण निविष्टियाँ स्तर-2 में उपकरण के रूप में शामिल की गई हैं।

स्तर 3: यदि एक या अधिक महत्वपूर्ण निविष्टियाँ प्रत्यक्ष बाजार के आंकड़ों पर आधारित नहीं हो तो उपकरण स्तर 3 में उसे शामिल किया जाएगा। यह निवेश, सुरक्षा जमा और स्तर 3 में शामिल अन्य देनदारियों का मामला है।

(ग) उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए मूल्यांकन तकनीक का उपयोग:

मूल्यांकन तकनीक का उपयोग वित्तीय साधनों के लिए किया जाता है, जिसमें बाजार में उपकरणों के उद्धृत कीमत (एन.ए.वी.) को म्यूचुअल फंड में निवेश के संबंध में शामिल किया गया है।

(घ) महत्वपूर्ण अप्रत्यक्ष इनपुट का उपयोग कर उचित मूल्य मापन:

वर्तमान में कोई भी उल्लेखनीय अप्रभावित निवेश का प्रयोग कर उचित मूल्य का मापन नहीं किया गया है।

(ङ) वित्तीय आस्तियों एवं देयताओं के उचित मूल्य, परिशोधित लागत पर आँके जाते हैं

उनके अल्पावधि के कारण व्यापार प्राप्ति की वर्तमान राशि, अल्पावधि जमा, नकद एवं नकद समकक्ष तथा व्यापार भुगतान को उनके उचित मूल्यों के समान ध्यान में लिया जाता है।

समूह का मानना है कि सुरक्षा जमा को महत्वपूर्ण वित्तीय घटक में शामिल न किया जाये। माइलस्टोन के रूप में (सुरक्षा जमा) भुगतान समूह के प्रदर्शन के साथ मेल खाते हैं और अनुबंध के लिए वित्तीय प्रावधान के अतिरिक्त अन्य कारणों के रख-रखाव की अपेक्षित राशि को पूर्ण करती है। यदि ठेकेदार अनुबंध के तहत अपने दायित्वों को पूर्ण करने में असफल होते हैं तो प्रत्येक माइलस्टोन भुगतान निर्दिष्ट प्रतिशत धारण कर कंपनी के हित की रक्षा करते हैं। ऋतुसार, सुरक्षा जमा की लेन-देन लागत को प्रारंभिक मान्यता पर उचित मूल्य माना जाता है और बाद में उसे अमूर्त लागत पर आँका जाता है।

महत्वपूर्ण अनुमान: एक सक्रिय बाजार में कारोबार नहीं करने वाले वित्तीय साधनों का उचित मूल्य मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। समूह एक विधि का चयन करने के लिए अपने निर्णय का उपयोग करता है और प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उपयुक्त धारणा बनाता है।

3 वित्तीय जोखिम प्रबंधन

वित्तीय जोखिम प्रबंधन उद्देश्य एवं नीतियाँ

समूह के मुख्य देयताओं में ऋण, उधार, व्यापार एवं अन्य देय आदि शामिल हैं। इन वित्तीय देयताओं का मुख्य उद्देश्य कंपनी के संचालन हेतु उन्हें वित्तीय सहायता एवं गारंटी प्रदान करना है। समूह के मुख्य वित्तीय आस्तियों में संचालन से सीधे व्युत्पन्न ऋण, व्यापार एवं अन्य प्राप्ति, नगद एवं नगद समकक्ष शामिल हैं।

समूह बाजार जोखिम, क्रेडिट जोखिम एवं नकदी जोखिम के संपर्क में है। समूह के वरिष्ठ प्रबंधन इन जोखिमों की निगरानी करते हैं। समूह के वरिष्ठ प्रबंधन जोखिम समिति के द्वारा मंडित किए गए हैं, जो परस्पर वित्तीय जोखिम तथा समूह के लिए उपयुक्त वित्तीय जोखिमों के शासन ढांचे पर अपनी सलाह देते हैं। जोखिम समिति समूह की वित्तीय जोखिम गतिविधियों के लिए अपना आशासन निदेशक मंडल को देती है जो कि उचित नीतियों एवं प्रक्रिया द्वारा शासित होती हैं तथा वित्तीय जोखिम समूह के नीतियों एवं जोखिम बैंकों के उद्देश्यानुसार पहचाने, मापे एवं प्रबंधित किए जाते हैं। निदेशक मंडल जोखिमों के प्रबंधन हेतु की गई समीक्षा एवं नीतियों से सहमत है, जो संक्षेप में नीचे दिए गए हैं।

यह टिप्पणी जोखिम के स्रोतों की जानकारी देती है जिससे यह स्पष्ट है कि यह इसके इकाई के संपर्क में है तथा किस तरह यह जोखिम एवं वित्तीय लेखांकन विवरण के प्रभावों का प्रबंधन करती है।

जोखिम	जोखिम से उत्पन्न	अंकन	प्रबंधन
क्रेडिट जोखिम	नकद एवं नकद समकक्ष, परिशोधित लागत पर मापे गए वित्तीय परिसंपत्तियाँ, व्यापार प्राप्ति	विक्षेपण/ क्रेडिट रेटिंग	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश), बैंक जमा क्रेडिट सीमा विधिीकरण एवं अन्य प्रतिभूतियाँ
नकदी जोखिम	उधार एवं अन्य देयताएं	वार्षिक नकदी प्रवाह	प्रतिबद्धित क्रेडिट लाइन उपलब्धता एवं उधार की सुविधाएं
बाजार जोखिम-विदेशी विनियम	भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन, मान्यता प्राप्त परिसंपत्ति एवं देयताएं	नकदी प्रवाह का संवेदनशीलता पूर्वानुमान	लेखा समिति एवं वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से निगरानी एवं समीक्षा
बाजार जोखिम-व्याज दर	नकद एवं नकद समकक्ष, बैंक जमा तथा म्यूचुअल फंड	नकदी प्रवाह का संवेदनशील पूर्वानुमान	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश), वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से निगरानी एवं समीक्षा

भारत सरकार द्वारा जारी किए गए डीपीई के दिशानिर्देशानुसार निदेशक मंडल द्वारा समूह के जोखिम का प्रबंधन किया जाता है। मंडल अत्यधिक नगदी निवेश की नीतियों सहित कुल प्रबंधन जोखिम हेतु लिखित रूप में मूलधन प्रदान करती है।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

क्रेडिट जोखिम प्रबंधन:

पासियां मुख्य रूप से कोयले की बिक्री से उत्पन्न होती हैं। कोयले की बिक्री ई-नीलागी एवं ईंधन आपूर्ति अनुबंध(एफ.एस.ए.) के माध्यम से की गई बिक्री के अंतर्गत वर्गीकृत हैं।
वृहद आर्थिक जानकारी (जैसे की विनियामक परिवर्तन) को ईंधन आपूर्ति अनुबंध(एफ.एस.ए.) एवं ई-नीलागी शर्तों के हिस्से के रूप में शामिल किया गया है।

ईंधन आपूर्ति अनुबंध (एफएसए)

एन.सी.डी.पी. के शर्तों के अनुसार एवं इस पर विचार करते हुए समूह अपने ग्राहकों या राज्य नामांकित एजेंसियों के साथ कानूनी तौर पर लागू किये गए एफएसए में प्रवेश करते हैं, जो बदले में अंतिम ग्राहकों(इंड कस्टमर्स) के साथ उचित वितरण व्यवस्था में प्रवेश करता है। हमारे एफएसए को निम्न तरीके से वर्गीकृत किया जा सकता है।

- ऊर्जा उपयोगिता क्षेत्र, राज्य ऊर्जा उपयोगिता, निजी ऊर्जा उपयोगिता (पीपीयूएस) तथा स्वतंत्र ऊर्जा उत्पादक (आईपीपीएस) में ग्राहकों के साथ (एफएसएएस)।
- गैर ऊर्जा उपयोग (कैपिटल पावर प्लांट(सीपीपीएस)) में ग्राहकों के साथ एफएसएएस।
- राज्य द्वारा नामित एजेंसियों के साथ एफएसएएस।

ई-नीलागी योजना-

जो ग्राहक कोयला की आवश्यकताओं को एनसीडीपी के अंतर्गत उपलब्ध संस्थागत तंत्र के माध्यम से पूर्ण नहीं कर पा रहे हैं, उनके कोयला उपलब्ध कराने हेतु कोयला ई-नीलागी योजना का प्रारंभ किया गया है। उदाहरणतः एनसीडीपी के तहत आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु आवंटन में की गई कमी, मौसम के अनुरूप, कोयले की आवश्यकताओं का उपयोग एवं सीमित कोयले की आवश्यकताएं जो दीर्घावधि लिंकेज की आवश्यकता नहीं देते हैं, इसके अंतर्गत आते हैं। ई-नीलागी के तहत प्रस्तावित कोयले की मात्रा की समीक्षा कोल मंत्रालय द्वारा समय-समय पर की जाती है।

प्रत्याशित ऋण हानि के लिए प्रावधान: समूह संदिग्ध/ऋण बाधित आस्तियों के लिए जीवन भर प्रत्याशित ऋण हानि (सरलीकृत दृष्टिकोण) द्वारा अपेक्षित ऋण जोखिम हानि प्रदान करता है।
सरलीकृत दृष्टिकोण के तहत व्यापार प्राप्ति के लिए अपेक्षित ऋण हानि:-

31.03.2021 तक

विवरण	दो माह के लिए बकाया	छः माह के लिए बकाया	एक वर्ष के लिए बकाया	2 वर्ष के लिए बकाया	3 वर्ष के लिए बकाया	3 वर्ष से अधिक के लिए बकाया	(₹ करोड़ में) कुल
निवल यत्न राशि	1,049.41	164.37	57.72	26.90	22.42	57.36	1,378.18
अपेक्षित हानि दर	-	-	21.57%	84.21%	99.48%	49.08%	6.21%
अपेक्षित क्रेडिट हानि (हानि भत्ता प्रावधान)	-	-	12.45	22.65	22.3	28.15	85.55

31.03.2021 तक

विवरण	दो माह के लिए बकाया	छः माह के लिए बकाया	एक वर्ष के लिए बकाया	2 वर्ष के लिए बकाया	3 वर्ष के लिए बकाया	3 वर्ष से अधिक के लिए बकाया	(₹ करोड़ में) कुल
निवल यत्न राशि	920.8	373.82	16.98	0.09	5.45	58.21	1375.35
अपेक्षित हानि दर	-	-	-	-	-	89.81%	0.038
अपेक्षित क्रेडिट हानि (हानि भत्ता प्रावधान)	-	-	-	-	-	52.28	52.28

हानि भत्ता प्रावधान का समाधान - व्यापार प्राप्य

विवरण	(₹ करोड़ में)
01.04.2020 तक हानि भत्ता	52.28
हानि भत्ता में परिवर्तन	33.27
31.03.2021 तक हानि भत्ता	85.55

वित्तीय आस्तियों में हुए हानि हेतु किये गए महत्वपूर्ण आकलन एवं निर्णय :-

ऊपर बताए गए वित्तीय संपत्ति के लिए हानि प्रावधान की धारणा अपेक्षित हानि दर तथा न्यूनतम जोखिम पर आधारित होती है। समूह इन मान्यताओं को बनाने के लिए समूह के इतिहास, मौजूदा बाजार की स्थिति और प्रत्येक रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में किए गए हानि के आकलनों के आधार पर इनपुट का चयन करती है।

नगदी जोखिम

विवेकपूर्ण नगदी जोखिम प्रबंधन देय दायित्वों को पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध क्रेडिट सुविधाओं की पर्याप्त मात्रा के तहत नगदी और बिक्री योग्य प्रतिभूतियों को बनाए रखता है तथा धन की उपलब्धता को भी दर्शाता है। अंतर्निहित व्यवसायों की प्रकृति के कारण कंपनी भंडार की प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए वित्त पोषण में लचीलापन रखता है।

बाजार जोखिम

(क) विदेशी मुद्रा जोखिम

विदेशी मुद्रा जोखिम भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन और मान्यता प्राप्त आस्तियों या देयताओं से उत्पन्न होती है, जो एक मुद्रा में होती है जो कंपनी के कार्यात्मक (आईएनआर) नहीं है। समूह विदेशी मुद्रा लेनदेन से उत्पन्न होने वाले विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में है। विदेशी ऑपरेशन के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम को महत्वपूर्ण माना जाता है। समूह भी आयात करता है और जोखिम नियमित अनुवर्ती द्वारा प्रबंधित किया जाता है। समूह की एक नीति है जिसे विदेशी मुद्रा जोखिम महत्वपूर्ण होने पर लागू किया जाता है।

(ख) नगदी प्रवाह एवं उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम

समूह का मुख्य ब्याज दर जोखिम बैंक जमाओं से उत्पन्न होता है, ब्याज दर में परिवर्तन के साथ समूह नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम को उजागर करता है। समूह की नीति अपनी अधिकांश जमा राशियों को नियत दर पर बनाए रखने की है।

समूह सार्वजनिक उद्यम के विभाग, क्रेडिट सीमित बैंक जमा विविधिकरण एवं अन्य प्रतिभूतियों से प्राप्त दिशानिर्देशों का उपयोग कर जोखिम प्रबंधन करता है।

वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21

पूँजी प्रबंधन
समूह एक सरकारी इकाई होने के नाते वित्त मंत्रालय के तहत निवेश विभाग एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन के दिशानिर्देशों के अनुसार अपनी पूँजी का प्रबंध करती है।

कंपनी की पूँजी संरचना निम्नानुसार है-

	(₹ करोड़ में)	
	31.03.21	31.03.20
कुचिटी शेयर पूँजी	661.84	661.84
दीर्घकालिक ऋण	5.03	5.48

4 कर्मचारी लाभ: मान्यता और मापन (भारतीय लेखांकन मानक-19)

परिभाषित लाभ योजनाएं::

क) ग्रेच्युटी
कंपनी ग्रेच्युटी प्रदान करती है जो नियोजन के बाद परिभाषित लाभ योजना ("ग्रेच्युटी योजना") के अंतर्गत पात्र कर्मचारियों पर लागू होती है। यह ग्रेच्युटी योजना पूरी तरह से ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित है जिसका रख-रखाव भारतीय जीवन बीमा निगम करता है जिसमें नियोजन का योगदान मूल वेतन का 2.01% है। प्रत्येक कर्मचारी जिन्होंने 5 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा पूर्ण कर ली हो, वे सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर की ग्रेच्युटी राशि प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं जो (एक महीने में 15 दिन/26 दिन * अंतिम आहरित वेतन और महंगाई भत्ता* सेवा के पूर्ण वर्ष) ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 के संशोधित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए कंपनी से अलग होने के समय अधिकतम 0.20 करोड़ रुपये की होती है। ग्रेच्युटी योजना के संबंध में वैलुएस शीट में मान्यता प्राप्त देयता या परिसंपत्ति रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य है जिसमें से योजना संपत्ति का उचित मूल्य घटा दिया जाता है। परिभाषित लाभ दायित्व की गणना प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके बीमांकित की जाती है। अनुभव समायोजन और बीमांकित मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले पुनः माप लाभ और हानियों को उस वर्ष के अनुरूप मान्य होती है जिसमें वे सीधे अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के हकदार होते हैं।

ख) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - कार्यकारी (सी.पी.आर.एम.एस.ई.)
कंपनी सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ प्रदान करती है जिसे कंटीन्यूटरी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल स्कीम के नाम से जाना जाता है जिसमें अधिष्ठाता आयु पूर्ण करने पर हुये सेवानिवृत्त या चिकित्सा आधार पर सेवा से मुक्त किये गये या सामान्य कोल कैंसर के अंतर्गत स्वेचिछक सेवानिवृत्त योजना के अंतर्गत समय-समय पर लागू नियमानुसार सेवानिवृत्त किये गये हो जिसमें CIL और उसकी सहायक कंपनियों (CPRMSE) के कार्यकारी को जो केवल भारत में कंपनी के अस्पताल / पैन्ल में शामिल अस्पतालों या आउट पोस्ट / अधिवास में अधिकारियों और उनके जीवनसाथी को एक निर्धारित सीलिंग के अंतर्गत चिकित्सा सुविधा प्रदान करती है। कोल इंडिया लिमिटेड या इसकी सहायक कंपनियों से जिन्होंने त्याग पत्र दिया है उन्हें इसकी सदस्यता नहीं दी जाती है। बिना किसी ऊपरी सीमा के निर्दिष्ट बीमारियों को छोड़कर, संयुक्त रूप से या अलग-अलग साथ में लिए गए सेवानिवृत्त अधिकारियों और पत्नी या पत्नी के लिए पूरे जीवन के दौरान प्रतिवर्ष योग्य अधिकतम राशि ₹ 25 लाख निर्धारित है। इस योजना को केवल इस उद्देश्य के लिए समूह स्तर पर सीआईएल द्वारा बनाए गए ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है, जिसमें नियोजन का योगदान प्रति माह मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 2% है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर किए गए बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर योजना के लिए देयता की पहचान की जाती है।

परिभाषित योगदान योजनाएं

क) भविष्य निधि और पेंशन

कंपनी पात्र कर्मचारी के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर पूर्व निर्धारित दरों पर भविष्य निधि और पेंशन कोष के लिए निश्चित योगदान का भुगतान करती है अर्थात् मूल वेतन का 12% और 7% क्रमशः भविष्य निधि और पेंशन कोष के लिए महंगाई भत्ता नामक एक अलग ट्रस्ट को कोयला। खान भविष्य निधि (सीएनपीएफ)। 31.03.2021 को समाप्त तिमाही के लिए निधि में योगदान ₹ 423.04 करोड़ (31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 384.13 करोड़) को लाभ और हानि के विवरण (टिप्पणी 28) में मान्यता दी गई है।

ख) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - गैर-कार्यकारी (सी.पी.आर.एम.एस.ई.-एन.ई.)

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक भाग के रूप में, कंपनी गैर-कार्यकारियों (सीपीआरएमएसई-एनई) के लिए अंशदायी पोस्ट-रिटायरमेंट मेडिकेयर योजना प्रदान कर रही है, जिसमें कंपनी द्वारा निश्चित राशि का योगदान किया जा रहा है और लाभ और हानि के विवरण के लिए चार्ज किया जा रहा है।

ग) सीआईएल कार्यकारी परिभाषित अंशदान पेंशन योजना (एनपीएस)

कंपनी के अधिकारियों को कंपनी रोजगार के बाद अंशदायी पेंशन योजना प्रदान करती है जिसे "सीआईएल कार्यकारी परिभाषित अंशदान पेंशन योजना -2007" (नई पेंशन योजना "एनपीएस") के रूप में जाना जाता है। एनपीएस को इस उद्देश्य के लिए गठित समूह स्तर पर अलग ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित किया जा रहा है। कंपनी का दायित्व है कि यह मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30% से अधिक न हो, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभ-कार्यकारी वाली सीपीआरएमएसई या किसी अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के लिए नियोजन के योगदान को घटाकर ट्रस्ट में योगदान करे। मूल और महंगाई भत्ते के 6.99% के वर्तमान नियोजन योगदान को लाभ और हानि के विवरण के लिए प्रभावित किया जा रहा है।

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

क) छुट्टी नगदीकरण

कंपनी अधिकारियों को 30 दिनों की कुल अर्जित छुट्टी (ईएल) और 20 दिनों के आधे भुगतान अवकाश (एचपीएल) का लाभ प्रदान करती है, जो हर साल जनवरी और जुलाई के पहले दिन अधिवारिक आधार पर अर्जित और जमा की जाती है। सेवा के दौरान, 75% ईएल जमा शेष राशि प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में एक बार भुनाई जा सकती है, जो अधिकतम 60 दिनों के ईएल नकदीकरण की सीमा के अधीन है। संचित एचपीएल को सेवा की अवधि के दौरान नकदीकरण की अनुमति नहीं है। सेवानिवृत्ति पर, ईएल और एचपीएल को एक साथ नकदीकरण के लिए माना जाता है, जो एचपीएल के विनिमय के बिना 300 दिनों की अवकाश या 150 दिनों की दर से अर्जित अवकाश या नकदीकरण पाने के हकदार है और मूल्य सेवानिवृत्ति और वीआरएस के कारण सेवा समाप्त होने पर, कामगार प्रति वर्ष 15 दिनों की दर से अर्जित अवकाश या नकदीकरण पाने के हकदार है और मूल्य सेवानिवृत्ति और वीआरएस के कारण सेवा समाप्त होने पर, कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के बाद निपटान की उम्मीद है। इसलिए उन्हें अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संबंध में किए जाने वाले अपेक्षित भविष्य के भुगतान के वर्तमान मूल्य के रूप में मापा जाता है। रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार प्रतिफल का उपयोग करके लाभों को छूट दी जाती है, जिसमें संबंधित दायित्व की शर्तों के अनुसार शर्तें होती हैं। यह योजना पूरी तरह से भारतीय जीवन बीमा निगम के ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित है।

ख) जीवन बीमा योजना (एल.सी.एस.)

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक हिस्से के रूप में, कंपनी के पास जमा लिंक बीमा योजना, 1976 के तहत जीवन बीमा योजना है, जिसे श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिस्थित किया गया है, जिसे "कोल इंडिया लिमिटेड की लाइफ कवर योजना" (एलसीएस) के रूप में जाना जाता है। योजना के तहत 01.10.2017 से 1,25,000 रुपये की राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के तहत देयता प्रत्येक वैलुएस शीट तिथि पर बीमांकित मूल्यांकन के अनुसार कंपनी द्वारा पहचान की जाती है।

ग) निपटान भत्ता

वेतन समझौते के हिस्से के रूप में, एनसीडब्ल्यू के तहत शासित सभी गैर-कार्यकारी कैंडिडेट कर्मचारियों को 31.10.2010 को या उसके बाद सेवानिवृत्ति भत्ते के रूप में 12000/- रुपये की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के लिए देयता को प्रत्येक वैलुएस शीट तिथि पर बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

घ) समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (जीपीएआईएस)

कंपनी ने "कोल इंडिया एक्जीक्यूटिव्स ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट इश्योरेंस स्कीम" (जीपीएआईएस) के रूप में जानी जाने वाली व्यक्तिगत दुर्घटना के खिलाफ कंपनी के अधिकारियों को कवर करने के लिए थूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से समूह बीमा योजना ली है। GPAIS दुनिया भर में 24 घंटे के आधार पर सभी प्रकार की दुर्घटनाओं को कवर करता है। योजना का प्रीमियम कंपनी द्वारा वहन किया जाता है। योजना के लिए देयता प्रत्येक बेलेंस शीट तिथि पर बीमाधिक मूल्यांकन के आधार पर पहचानी जाती है।

झ) अवकाश यात्रा रियायत (एनटीसी)

वेतन समझौते के एक हिस्से के रूप में, गैर-कार्यकारी कर्मचारी 4 साल के ब्लॉक में एक बार अपने गृह नगर और "भारत ग्राहण" के लिए यात्रा सहायता के हकदार हैं। होम टाउन और "भारत ग्राहण" का दौरा करने के लिए क्रमशः 8000/- और 12000/- रुपये की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के लिए देयता को प्रत्येक तुलन पत्र तिथि पर बीमाधिक मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

च) खान दुर्घटना लाभ पर आश्रितों को मुआवजा

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक हिस्से के रूप में, कंपनी कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923 के तहत स्वीकार्य लाभ प्रदान करती है। दिनांक 07.11.2019 से एक घातक खदान दुर्घटना के मामले में एक कर्मचारी के परिजनों को 15 लाख रुपये की राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के लिए देयता प्रत्येक तुलन पत्र तिथि पर बीमाधिक मूल्यांकन के आधार पर पहचानी जाती है।

परिभाषित लाभ योजनाओं, परिभाषित योगदान योजनाओं और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाओं की वितीय स्थिति, जिनका मूल्यांकन बीमाधिक आधार पर किया जाता है, निम्नानुसार है:

(i) वित्त घोषित

- रेच्युटी
- फुट्टी नगदीकरण
- चिकित्सा लाभ
- भविष्य निधि
- पेंशन योजनाएं

(ii) निधिरहित

- जीवन बीमा योजना
- निपटान भत्ता
- समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा
- अवकाश यात्रा रियायत
- खदान दुर्घटना लाभ पर आश्रितों को मुआवजा

बीमाधिक द्वारा मूल्यांकन के आधार पर दिनांक-31.03.2021 तक कुल देयता ₹1847.81 करोड़ है, जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है।

विवरण	दिनांक- 01.04.2020 पर प्रारंभिक बीमाधिक देयता	(₹ करोड़ में)	
		वर्ष के दौरान वृद्धिशील देयता	दिनांक- 31.03.2021 को समाप्त बीमाधिक देयता
उपदान	1,247.11	71.69	1,318.80
अर्जित अवकाश	340.86	38.70	379.56
अर्ध वेतन अवकाश	61.91	7.99	69.90
जीवन सुरक्षा योजना	6.14	(0.17)	5.97
अधिकारियों के लिए निपटान भत्ता	6.16	0.25	6.41
गैर-अधिकारियों के लिए निपटान भत्ता	9.23	(0.21)	9.02
सफल व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना	0.12	-	0.12
अवकाश यात्रा रियायत	28.78	(0.45)	28.33
अधिकारियों के लिए चिकित्सा लाभ	115.22	11.53	126.75
गैर-अधिकारियों के लिए चिकित्सा लाभ	5.07	4.48	9.55
खान दुर्घटना लाभ पर आश्रितों को मुआवजा	27.21	0.67	27.88
कुल	1,847.81	134.48	1,982.29

31.03.2021 को उपदान देयता का वास्तविक मूल्यांकन भारतीय लेखांकन मानक 19 (2015) के प्रमाण पत्र अनुसार

परिभाषित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	(₹ करोड़ में)	
	31.03.2021	31.03.2020
तक	तक	तक
अवधि के प्रारंभ में कार्य का वर्तमान मूल्य	1,247.11	1,115.30
चालू सेवा लागत	77.36	70.18
व्याज लागत	80.87	69.45
सहभाग्य योगदान	-	-
योजना संशोधन: अवधि के अंत में निहित भाग (पूर्व सेवा)	-	-
योजना संशोधन: अवधि के अंत में गैर-निहित भाग (पूर्व सेवा)	-	-
वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण कार्य में बीमाधिक(लाभ)/हानि	(26.10)	83.94
जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण कार्य पर बीमाधिक लाभ/हानि	-	-
अप्रत्याशित अनुभव के कारण बीमाधिक (लाभ)/हानि	72.67	34.26
अन्य कारणों के कारण बीमाधिक लाभ/हानि	-	-
विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
लाभ प्रदत्त	133.11	126.01
अधिसूचना समायोजन	-	-
कार्य का निपटान/हस्तांतरण	-	-
कटौती लागत	-	-
निपटान लागत	-	-
अन्य (मूल्यांकन तिथि के अंत में अस्थिर देयता)	-	-
अवधि के अंत में कार्य का वर्तमान मूल्य	1,318.80	1,247.11

2.	योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	31.03.2021	31.03.2020
	तक	तक	
	वर्ष की शुरुआत में योजना परिसंपत्ति का उचित मूल्य	1,190.06	1,092.78
	व्याज आय	81.52	72.12
	नियोजन योगदान	144.33	137.80
	प्रतिभागियों का योगदान	-	-
	अधिश्रृंखल/व्यापार संयोजन	-	-
	निपटान लागत	-	-
	लाभ प्रदत्त	133.11	126.01
	संपत्ति सीमा का प्रभाव	-	-
	विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
	प्रशासनिक व्यय और बीमा प्रीमियम	-	-
	व्याज आय को छोड़कर योजनागत आस्तियों पर प्रतिलाभ	(3.43)	13.37
	अवधि के अंत में योजना परिसंपत्ति का उचित मूल्य	1,279.37	1,190.06

3.	तुलनपत्र में सामंजस्य प्रदर्शित करती विवरणी	31.03.2021	31.03.2020
	तक	तक	
	वित्त पोषित स्थिति	(39.44)	(57.05)
	अपरिचित पूरे सेवा लागत	-	-
	वर्ष के अंत में अपरिचित बीमाधिक (लाभ)/हानि	-	-
	मापन के बाद की तिथि नियोजन योगदान (अपेक्षित)	-	-
	अनिधिक उपार्जित/पूर्वदात वृत्ति लागत	-	-
	आस्तित्व निधि	1,279.37	1,190.06
	देयता निधि	1,318.80	1,247.11

4.	योजना मान्यताओं को दर्शाती विवरणी:	31.03.2021	31.03.2020
	तक	तक	
	छूट दर	6.85%	6.60%
	संपत्ति योजना पर अपेक्षित लाभ	6.85%	6.60%
	मुआवजा बढ़ोतरी दर (वैतन मुद्रास्फीति)	Executives- 9.00%	Executives- 9.00%
		Non- Executives- 6.25%	Non- Executives- 6.25%
	पेंशन वृद्धि दर	N/A	
	औसत अपेक्षित मध्यम की सेवा (शेष कामकाजी जीवन)	13.14	
	मृत्यु दर	आईएएलएन 2006-2008	
	तात्त्विका	अलटीमेट	
	सेवानिवृत्ति की आय	60	60
	प्रारंभिक सेवानिवृत्ति और दिव्यांगता	0.30% p.a.	0.30% p.a.

5.	लाभ व हानि विवरण में चिन्हित किए गए व्यय	समाप्त वर्ष के लिए	समाप्त वर्ष के लिए
		31.03.2021	31.03.2020
	वर्तमान सेवा लागत	77.36	70.18
	पूर्व सेवा लागत (निहित)	-	-
	पूर्व सेवा लागत (गैर-निहित)	-	-
	शुद्ध व्याज लागत	(0.65)	(2.67)
	निपटान पर लागत (हानि)/(लाभ)	-	-
	कटौती पर लागत (हानि)/(लाभ)	-	-
	केवल पिछले वर्ष के लिए लागू बीमाधिक लाभ हानि	-	-
	कर्मचारी अपेक्षित योगदान	-	-
	विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन का शुद्ध प्रभाव	-	-
	लाभ लागत (लाभ/हानि विवरण में मान्य व्यय)	76.71	67.51

6.	अन्य व्यापक आय	समाप्त वर्ष के लिए	समाप्त वर्ष के लिए
		31.03.2021	31.03.2020
	वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण कार्य में बीमाधिक (लाभ)/हानि	(26.10)	83.94
	जनसांख्यिकीय धारण में परिवर्तन के कारण कार्य में बीमाधिक लाभ/हानि	-	-
	अप्रत्याशित अनुभव के कारण बीमाधिक (लाभ)/हानि	72.67	34.26
	अन्य कारणों से दायित्वों में बीमाधिक लाभ/हानि	-	-
	कुल बीमाधिक लाभ/हानि	46.57	118.20
	व्याज आय को छोड़कर योजना परिसंपत्ति की वापसी	(3.43)	13.37
	संपत्ति सीमा का प्रभाव	-	-
	अवधि के अंत में शेष राशि	50.00	104.82
	अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त अवधि के लिए निवल (आय)/व्यय	50.00	104.82

7.	अंतिम मापन अवधि पर योजना परिसंपत्ति का निधारण	तक	31.03.2020
	नकद और नकद समकक्ष	-	-
	निवेशित राशि	-	-
	व्युत्पन्न	-	-
	संपत्ति समर्थित प्रतिभूतियां	-	-
	संचित ऋण	-	-
	अचल सम्पदाएं	-	-
	विशेष जमा योजना	-	-
	राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	-	-
	भारत सरकार की संपत्ति	-	-
	निगमित बॉन्ड	-	-
	ऋण प्रतिभूतियां	-	-
	वार्षिकी अनुबंध/वीमा निधि	-	-
	अन्य	-	-
	कुल	-	-

8.	मापन अवधि के अंत में योजनागत संपत्ति के प्रतिशत में कुल आवंटन	तक	31.03.2020
	नकद और नकद समकक्ष	-	-
	निवेशित राशि	-	-
	व्युत्पन्न	-	-
	संपत्ति समर्थित प्रतिभूतियां	-	-
	संचित ऋण	-	-
	अचल सम्पदाएं	-	-
	विशेष जमा योजना	-	-
	राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	-	-
	भारत सरकार की संपत्ति	-	-
	निगमित बॉन्ड	-	-
	ऋण प्रतिभूतियां	-	-
	वार्षिकी अनुबंध/वीमा निधि	-	-
	अन्य	-	-
	कुल	-	-

9.	मृत्यु दर तालिका	
	आयु	मृत्यु दर (प्रति वर्ष)
	25	0.000984
	30	0.001056
	35	0.001282
	40	0.001803
	45	0.002874
	50	0.004946
	55	0.007888
	60	0.011534
	65	0.0170085
	70	0.0258545

10.	उपदान देयता का संवेदनशील विश्लेषण	तक		31.03.2020	
		वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
	फूट दर (-/+ 0.5%)	1,269.31	1,371.95	1,201.64	1,295.77
	संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-3.753%	4.030%	-3.646%	3.902%
	वेतन वृद्धि (-/+ 0.5%)	1,348.74	1,288.27	1,275.96	1,217.79
	संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	2.270%	-2.315%	2.313%	2.351%
	दुर्घटना दर (-/+ 0.5%)	1,318.87	1,318.74	1,248.25	1,245.98
	संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	0.005%	-0.005%	0.091%	-0.091%
	मृत्यु दर (-/+ 10%)	1,319.36	1,318.25	1,254.62	1,239.60
	संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	0.042%	-0.042%	0.602%	-0.602%

11.	नगदी प्रवाह की जानकारी को प्रदाशित करता विवरण	(₹ करोड़ में)
	अगले वर्ष कुल (अपेक्षित)	1,335.97
	न्यूनतम निधिकरण आवश्यकताएं	105.23
	कंपनी का निर्णय	-

12.	लाभ सूचना अनुमानित भावी भुगतान (पिछली सेवा)	(₹ करोड़ में)
	वर्ष	
	1	131.82
	2	137.48
	3	141.91
	4	139.02
	5	144.65
	6 से 10	644.37
	10 वर्ष से अधिक	1,272.85
	भूतपूर्व एवं भविष्य सेवा में छूट न दिए गए कुल भुगतान	-
	पूर्व सेवा से संबंधित छूट रहित कुल भुगतान	2,612.10
	व्याज हेतु कम छूट	1,293.30
	अनुमानित लाभ दायित्व	1,318.80

13.	नियत आवधिक लाभ लागत के अगले वर्ष के घटक को दर्शाने वाला दृष्टिकोण का विवरण	(₹ करोड़ में)
	आगामी अवधि के लिए चालू सेवा लागत(वेवल नियोजित अंश)	79.30
	आगामी अवधि के लिए हित लाभ	85.82
	योजना परिसंपत्ति पर अपेक्षित लाभ	90.34
	गैर मान्यता प्राप्त भूतपूर्व सेवा लागत	-
	गैर मान्यता प्राप्त वीमांकिक/अवधि के अंत में लाभ-हानि	-
	निपटान लागत	-
	संक्षेप लागत	-
	अन्य(वीमांकिक लाभ/हानि)	-
	लाभ लागत	74.79

14.	कुल देयता का विभाजन	तक	(₹ करोड़ में)
	चालू देयता	127.53	124.22
	गैर-चालू देयता	1,191.27	1,122.89
	शुद्ध देयता	1,318.80	1,247.11

दिनांक-31.03.2021 में छूटटी नकदीकरण लाभ (ई.एल./एच.पी.एल.) के रूप में वीमांकिक मूल्यांकन भारतीय लेखांकन मानक 19 (2015) के अनुसार प्रमाण-पत्र

1.	परिभाषित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	तक	तक	(₹ करोड़ में)
		31.03.2021	31.03.2020	
	वर्ष के प्रारंभ में कार्य का वर्तमान मूल्य	402.77	341.19	
	चालू सेवा लागत	28.51	27.01	
	व्याज लागत	26.61	19.33	
	प्रतिमागी योगदान	-	-	
	योजना संशोधन: वर्ष के अंत में निहित भाग (पूर्व सेवा)	-	-	
	योजना संशोधन: वर्ष के अंत में गैर-निहित भाग (पूर्व सेवा)	-	-	
	वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण कार्य में वीमांकिक(लाभ)/घाटा	(11.09)	33.34	
	जनसांख्यिकीय धारणा में परिवर्तन के कारण दायित्वों पर वीमांकिक लाभ/हानि	-	-	
	अप्रत्याशित अनुभव के कारण वीमांकिक (लाभ)/घाटा	31.27	78.61	
	अन्य कारणों से दायित्वों पर वीमांकिक लाभ/हानि	-	-	
	विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-	
	लाभ प्रदत्त	28.61	96.71	
	अधिग्रहण समायोजन	-	-	
	कार्य का निपटान/हस्तांतरण	-	-	
	कटौती लागत	-	-	
	निपटान लागत	-	-	
	अन्य (मूल्यांकन तिथि के अंत में अस्थिर देयता)	-	-	
	अवधि के अंत में कार्य का वर्तमान मूल्य	449.46	402.77	

2.	योजनागत आस्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	(₹ करोड़ में)	
		तक 31.03.2021	तक 31.03.2020
	वर्ष की शुरुआत में योजना परिसंपत्ति का उचित मूल्य	252.11	273.16
	व्याज आय	17.27	18.03
	नियोक्ता योगदान	44.16	58.54
	प्रतिभागियों का योगदान	-	-
	अधिग्रहण/व्यापार संयोजन	-	-
	निपटान लागत	-	-
	लाभ प्रदत्त	28.61	96.71
	संपत्ति सीमा का प्रभाव	-	-
	विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
	प्रशासनिक व्यय और बीमा प्रीमियम	-	-
	व्याज आय को छोड़कर योजनागत आस्तियों पर प्रतिलाभ	0.59	(0.90)
	अवधि के अंत में योजना परिसंपत्ति का उचित मूल्य	285.53	252.11

3.	तुलनपत्र में सामंजस्य प्रदर्शित करती विवरणी	(₹ करोड़ में)	
		तक 31.03.2021	तक 31.03.2020
	वित्त पोषित स्थिति	(163.92)	(150.65)
	संपत्ति पूंजी	285.53	252.11
	निधि देयता	449.46	402.77

4.	योजना मान्यताओं को दर्शाती विवरणी:		
		तक 31.03.2021	तक 31.03.2020
	छूट दर	6.85%	6.60%
	संपत्ति योजना पर अपेक्षित लाभ	6.85%	6.60%
	मुआवजा बढ़ोतरी दर (वैतन मुद्रास्फीति)	9.00% for Executives and 6.25% for Non-Executives	9.00% for Executives and 6.25% for Non-Executives
	पेंशन वृद्धि दर	N/A	
	औसत अपेक्षित भविष्य की सेवा (शेष कामकाजी जीवन)	13.14	14
	मृत्यु दर	आईएएलएम 2006-2008	
	तालिका	अल्टीमेट	
	सेवानिवृत्ति की आयु	60	60
	प्रारंभिक सेवानिवृत्ति और दिव्यांगता	0.30% p.a.	0.30% p.a.
	स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति	उपेक्षित	उपेक्षित

5.	लाभ व हानि विवरण में चिन्हित किए गए व्यय	(₹ in Crore)	
		31.03.2021 को समाप्त	31.03.2020 को समाप्त
	वर्तमान सेवा लागत	28.51	27.01
	पूर्व सेवा लागत (निहित)	-	-
	पूर्व सेवा लागत (गैर-निहित)	-	-
	शुद्ध व्यय लागत	9.34	1.30
	निपटान पर लागत (हानि/(लाभ))	-	-
	कटौती पर लागत (हानि/(लाभ))	-	-
	शुद्ध वीमाकिक लाभ/हानि	19.58	112.85
	कर्मचारी अपेक्षित योगदान	-	-
	विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन का शुद्ध प्रभाव	-	-
	लाभ लागत (लाभ/हानि विवरण में मान्य व्यय)	57.43	141.16

6.	मृत्यु दर तालिका
आयु	मृत्यु दर (प्रति वर्ष)
25	0.000984
30	0.001056
35	0.001282
40	0.001803
45	0.002874
50	0.004946
55	0.007888
60	0.011534
65	0.0170085
70	0.0258545

7. संवेदनशील विक्षेपण	00-01-1900		31.03.2020	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (-/+ 0.5%)	428.29	472.55	384.58	422.54
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में %परिवर्तन	-4.709%	5.138%	-4.516%	4.908%
वेतन वृद्धि (-/+ 0.5%)	472.22	428.39	422.18	384.72
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में %परिवर्तन	5.065%	-4.688%	4.821%	-4.48%
दृष्टान्त दर (-/+ 0.5%)	449.41	449.5	403.92	401.62
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में %परिवर्तन	-0.010%	0.010%	0.00285	-0.285%
मृत्यु दर (-/+ 10%)	449.31	449.60	405.17	400.36
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में %परिवर्तन	-0.032%	0.032%	0.597%	-0.597%

8.	लाभ सूचना अनुमानित भावी भुगतान (पिछली सेवा)	(₹ करोड़ में)
	वर्ष	
	1	31.06
	2	37.08
	3	39.62
	4	40.41
	5	43.63
	6 से 10	204.66
	10 वर्ष से अधिक	680.75
	भूतपूर्व एवं भविष्य सेवा में छूट न दिए गए कुल भुगतान	-
	पूर्व सेवा से संबंधित छूट रहित कुल भुगतान	1,077.21
	ब्याज हेतु कम छूट	627.75
	अनुमानित लाभ दायित्व	449.46

9.	Bifurcation of Net Liability	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
	चालू देयता	30.05	26.92
	गैर-चालू देयता	419.41	375.85
	शुद्ध देयता	449.46	402.77

5 अपरिचित गर्दे

क) आकस्मिक देयतार्य

1. कंपनी पर किये गए दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है।

	केंद्र सरकार	राज्य सरकार और स्थानीय अधिकारी	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	अन्य	कुल
खुलने की तिथि 01.04.2020	7,004.42	3,939.90	1.13	226.50	11,171.95
वर्ष के दौरान वृद्धि	1,502.34	233.14	-	71.73	1,807.21
वर्ष के दौरान निपटारा गए दावे:					
क. प्रारंभिक क्षेप से	75.85	156.61	-	11.36	243.82
ख. वर्ष के दौरान संयोजन से	-	0.06	-	-	0.06
31.03.2021 को: समाप्त	8,430.91	4,016.37	1.13	286.87	12,735.28

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

		[₹ करोड़ में]	
आकस्मिक देयता		31.03.2021	31.03.2020
क्र. सं.	विवरण	तक	तक
1	केंद्रीय सरकार		
	आयकर	7,471.26	6,250.12
	केंद्रीय उत्पाद शुल्क	327.94	327.77
	स्वच्छ ऊर्जा उपकर	504.85	308.32
	केंद्रीय विनि कर	-	-
	सेवा कर	125.68	117.62
	अन्य	1.18	0.59
	उप-योग	8,430.91	7,004.42
2	राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरण		
	रोयल्टी	895.22	666.28
	पर्यावरण मंजूरी	2,914.96	2,914.96
	बिंकी कर/यैट	44.39	170.48
	प्रवेश कर	5.76	4.70
	विद्युत शुल्क	-	-
	एमएडीए	-	-
	अन्य	156.04	183.48
	उप-योग	4,016.37	3,939.90
3	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपम		
	मध्यस्थता कार्यवाही		
	कंपनी के अधीन मुकदमेबाजी के विरुद्ध मुकदमा	1.13	1.13
	अन्य		
	उप-योग	1.13	1.13
4	अन्य (यदि कोई हो)		
	विविध - भूमि और अन्य	32.88	33.02
	कर्मचारी संबंधित और आदि	253.99	193.48
	उप-योग	286.87	226.50
	कुल योग	12,735.28	11,171.95

भारत सरकार, कोयला मंत्रालय से एमसीएल की सहायक कंपनी एमजेएसजे कोल लिमिटेड को प्राप्त पत्र एफ.संख्या-47011/7(6)/93-CPAM/CA दिनांक-09 जुलाई, 2013 के तहत 20% बीजी (अर्थात् ₹ 22.248 करोड़) की कटौती के संबंध में समूह के निजी शेयरधारक इसके विरुद्ध गाननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में अपील करने के लिए कार्यवाही कर रहे हैं। यह कटौती समूह द्वारा निर्दिष्ट/विस्तारित समय सीमा तक लक्षित उत्पादन को पूरा करने में सक्षम नहीं होने को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित की गई है।

एमजेएसजे कोल लिमिटेड ने कोयला मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली के माध्यम से कार्य करते हुए भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में ₹ 22.248 करोड़ की राशि के लिए भारतीय स्टेट बैंक, तालचौर द्वारा जारी एक बैंक गारंटी संख्या 50/48 प्रस्तुत की है, जो 01.04.2021 को 6 महीने (01.04.2021 से 30.09.2021 तक) के लिए संख्या -50/48 के तहत नवीनीकृत किया गया है।

II. गारंटी:

31.03.2021 को जारी की गई बैंक गारंटी ₹ 75.54 करोड़ (मूल कंपनी का हिस्सा ₹ 66.64 करोड़) (₹ 31.05 करोड़ (मूल कंपनी का हिस्सा ₹ 13.15 करोड़)) है।

III. साख्य पत्र

31.03.2021 तक बकाया साख्य पत्र ₹ 51.42 करोड़ (₹ 36.99 करोड़) है।

ख) प्रतिबद्धताएं

पूँजीगत खाते पर निष्पादित होने वाली शेष अनुबंधों की अनुमानित राशि, जिसके लिए प्रावधान नहीं किया गया: ₹ 1641.62 करोड़ (₹ 1671.33 करोड़)।

अन्य प्रतिबद्धताएं: ₹ 5497.61 करोड़ (₹ 2989.10 करोड़)।

6 अन्य जानकारी

क) प्रावधान

दिनांक 31.03.2021 तक कर्मचारी लाभ छोड़कर विभिन्न प्रावधानों की स्थिति एवं संचार वीमसंकित है, जो कि नीचे दिए गए हैं:

[₹ करोड़ में]				
प्रावधान	01.04.2020 के अनुसार	वर्ष के दौरान योज्य	वर्ष के दौरान वापस/समायोजित करें	31.03.2021 के अनुसार
नोट 3: संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण :				
आस्तियों की हानि:	48.04	11.74	(1.65)	58.13
नोट 4: पूँजीगत कार्य प्रगति पर:				
सीडब्ल्यूआईपी के तहत:	31.53	3.30	-	34.83
नोट 5: आस्तियों का अक्षयण एवं मूल्यांकन:				
प्रावधान एवं हानि:	-	-	-	-
नोट 8: ऋण :				
अन्य ऋण :	-	-	-	-
नोट 9: अन्य वित्तीय आस्तियाँ :				
उपयोगिता के लिए प्रतिभूति जमा				
अन्य जमा एवं प्राप्त्य	0.75	-	-	0.75
दावे एवं अन्य प्राप्त्य :	0.06	-	-	0.06

नोट 10- अन्य गैर चालू आस्तियाँ :				
अग्रिम पूँजी	0.65	-	-	0.65
उपयोगिता के लिए प्रतिभूति जमा	-	-	-	-
अन्य जमा और अग्रिम	-	-	-	-
नोट 11- अन्य वर्तमान आस्तियाँ:				
राजस्व के लिए अग्रिम (मात और सेवाएं)	6.54	-	(0.04)	6.50
सांख्यिक द्रव्य राशि का अग्रिम भुगतान	-	-	-	-
अन्य अग्रिम और जमा	0.02	-	-	0.02
नोट 13- व्यापार प्राप्तियाँ :				
अशोधित एवं सदिग्ध कर्णों के लिए प्रावधान :	52.28	66.87	(33.60)	85.55
नोट 21- गैर चालू एवं चालू प्रावधान :				
उपदान	-	-	-	-
छुट्टी का नगदीकरण	-	-	-	-
अनुग्रहपूर्वक	135.39	137.45	(135.39)	137.45
प्रदर्शन से संबंधित भुगतान	153.97	52.99	(85.87)	121.09
अन्य कर्मचारी लाभ	-	-	-	-
एनपीडब्ल्यूए-ए	-	-	-	-
कार्यकारी वित्तन संशोधन	-	-	-	-
साइड का जीर्णोद्धार/खान बंदी	867.40	101.63	(90.48)	878.55
ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	19,054.81	524.03	(1,583.21)	17,995.63
अन्य	487.23	789.95	(487.23)	789.95

ख) संगमैट रिपोर्टिंग

संगमैट मुख्य रूप से कोयले के उत्पादन और बिजली के एकल खंड व्यवसाय में लगा हुआ है। व्याज और अन्य आय से होने वाली आय कुल राजस्व के 10% से कम है; इसलिए इसके लिए कोई अलग खंड मान्यता प्राप्त नहीं है।

ग) प्रति शेयर आय

क्र.सं.	विवरण	दिनांक-31.03.2021 को	दिनांक-31.03.2020 को
i)	इक्विटी शेयर धारकों के लिए कर के बाद शुद्ध लाभ	मसाम वर्ष 6869.73	मसाम वर्ष 6407.99
ii)	भारित बकाया औसत इक्विटी शेयर	6618363	6618363
iii)	रुप में प्रति शेयर मूल एवं लघु आय (अंकित मूल्य ₹ 1000 प्रति शेयर)	₹ 10,379.80	₹ 9,682.14

घ) संबंधित पार्टी प्रकटीकरण

संबंधित पक्षों की सूची इस प्रकार है:-

नाम	पदनाम	से प्रभावित
श्री पी.के. सिन्हा	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक	01.11.2020
श्री वी.एन.शुक्ल	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक	14.06.2019-31.10.2020
श्री ओ.पी. सिंह	निदेशक (तकनीकी-संचालन)	01.09.2016
श्री के.आर. वासुदेवन	निदेशक (वित्त)	04.02.2018
श्री बबन सिंह	निदेशक (तकनीकी-पी एंड पी)	29.04.2020
श्री के.राव	निदेशक (कार्मिक)	18.12.2019
श्री ए के सिंह	कंपनी सचिव	29.11.2012
सुश्री सीमा शर्मा	स्वतंत्र निदेशक	06.09.2017-05.09.2020
श्री एस.एन. तिवारी	अंशकालिक आधिकारिक निदेशक	23.12.2019
श्री नागराज मदीराला	अंशकालिक आधिकारिक निदेशक	17.03.2020
श्री एस.मोहन	स्वतंत्र निदेशक	10.07.2019

प्रमुख प्रबंधकीय कार्यों का पारिश्रमिक

क्र.सं.	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशकों और कंपनी सचिव को भुगतान	31.03.2021 को समाप्त वर्ष	31.03.2020 को समाप्त वर्ष
i)	अत्याधिक कर्मचारों लाभ		
	सकल वित्तन	2.25	1.36
	प्रतिनिधित्व लाभ	-	-
	अनुलाभ और अन्य लाभ	-	-
ii)	रोजगार लाभ के उपरांत		
	ए.एफ.ए. अन्य निधि का योगदान	0.20	0.13
iii)	समाप्ति लाभ		
	कुल	2.45	1.49

टिप्पणी:

(i) इसके अलावा, पूर्णकालिक निदेशकों को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, सार्वजनिक उपक्रम व्यूरो के ओ.एम.नं 2(18)/पी.सी.-64, दिनांक-20.11.1964 को संशोधित प्रावधानों के अनुसार 750 कि.मी. पर रियायत दर के भुगतान पर निजी यात्रा के लिए कारों का उपयोग करने हेतु अनुमति दी गई है।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियाँ

स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान

		(₹ करोड़ में)	
क्र. सं.	स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान	31.03.2021 को समाप्त वर्ष	31.03.2020 को समाप्त वर्ष
i)	बैठक शुल्क	0.07	0.13

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का बकाया शेष

		(₹ करोड़ में)	
क्र. सं.	विवरण	31.03.2021 तक	31.03.2020 तक
i)	देय राशि	शून्य	शून्य
ii)	प्राप्य राशि	शून्य	शून्य

समूह के अंतर्गत संबन्धित पक्षों के साथ लेन-देन

कंपनी ने अपनी होल्डिंग कंपनी, सहायक कंपनियों और सह-सहायक कंपनियों के साथ लेन-देन किया है जिसमें शीर्ष शुल्क, लीज रेंट, सहायक कंपनियों द्वारा रखे गए पूंजी पर ब्याज, IFCM शुल्क और चालू खाते के माध्यम से या दूसरों की ओर से किए गए अन्य खर्च शामिल हैं।

संबन्धित पार्टियों का नाम	संबन्धित पार्टियों का ऋण	संबन्धित पार्टियों को ऋण	अन्य सेवाएं					चालू खाता शेष (देय)/प्राप्तियां	"बकाया शेष (देय)/प्राप्य"
			एपेक्स प्रभार	पनस्थान प्रभार	अनुपंगियों द्वारा रखी गई निधियां पर ब्याज	एलडीबीएम और सीआईटीएम सी	भंडार सामग्री		
सीआईएल	-	-	148.01	87.61	0.20	-	-	32.30	-
बीसीसीएल	-	-	-	-	-	-	0.02	-	-
सीसीएल	-	-	-	-	-	-	(0.02)	-	-
सीएमपीडीआईएल	-	-	-	-	-	-	-	-	(37.76)
ईसीएल	-	-	-	-	-	0.25	0.30	-	-
एनसीएल	-	-	-	-	-	-	0.38	-	-
एसईसीएल	-	-	-	-	-	-	0.99	-	-
इन्फ्यूसीएल	-	-	-	-	-	-	0.44	-	-
एमबीपीएल	-	-	-	-	0.86	-	-	26.91	-
एमसीआरएल	-	-	-	-	2.50	-	-	106.72	-
एमएनएच धातु लिमिटेड	-	-	-	-	0.02	-	-	0.83	-
एमजेएसके कोल लिमिटेड	-	-	-	-	0.11	-	-	4.03	-

कोष्ठक में दिए गए आंकड़े शुद्ध आय या क्रेडिट बैलेंस को दर्शाते हैं।

इ.) आस्थगित कर संपत्ति और देयता की भरपाई की जा रही है क्योंकि वे कर निर्धारण कानूनों द्वारा लगाए गए आय पर करों से संबंधित हैं।

आस्थगित कर आस्ति/दायित्व :

		(₹ करोड़ में)	
क्र.	आस्थगित कर आस्ति/दायित्व:	31.03.21	31.03.20
संदिग्ध अग्रिमों, दावों और ऋणों के लिए प्रावधान		13.01	13.05
कर्मचारी लाभ		59.00	59.14
अन्य		28.25	28.25
(क) का कुल		100.26	100.44
ख. आस्थगित कर देयता:			
अचल संपत्तियों से संबंधित		388.15	163.77
अन्य		241.69	243.71
(ख) का कुल		629.84	407.48
निवल आस्थगित कर परिसंपत्ति/(आस्थगित कर देयता) (क-ख)		(529.58)	(307.04)

7 अन्य मामलें:-

क) समूह ने एनएलसीआईएल को पिछले वर्षों में मासिक आधार पर देय 7% ब्याज की दर से सामान्य वित्त पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ₹ 2000 करोड़ का ऋण दिया है और मूलधन की वापसी 48 मासिक समान किश्तों के अंतर्गत की है। एनएलसीआईएल को यह ऋण धात्र निवेश के रूप में सीपीएसई द्वारा अधिशेष निधि के निवेश पर दिशानिर्देशों के खंड 8 (iv) के अंतर्निहित किया गया है। 31.03.21 को बकाया ऋण शेष राशि ₹ 625.00 करोड़ है।

ख) एमसीएल प्राकृतिक संसाधन और ऊर्जा प्रबंधन संस्थान (एमआईएनआरईएम) का निर्माण

समूह एक संस्थान 'एमसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल रिसोर्स एंड एनर्जी मैनेजमेंट (एमआईएनआरईएम), भुवनेश्वर' का निर्माण कर रहा है, ठेकेदार मेसर्स एनवीसीसी के माध्यम से जिसका प्रारंभिक अनुमानित कुल मूल्य ₹ 138.83 करोड़ है। भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण द्वारा पहले अनुमोदन के प्रस्ताव पर विचार नहीं किये जाने के कारण निर्माण कार्य रोक दिया गया। हालांकि 02.11.2018 को बीडीए ने एमसीएल के पक्ष में आवश्यक अनुमति प्रदान की है। एमओयू को 09.01.2020 से दो वर्ष की अवधि के लिए पुनर्विध किया गया है और उपरोक्त कार्य को 12 महीने के भीतर पूरा किया जाना है और संशोधित परियोजना लागत ₹ 155.33 करोड़ है। समूह ने 31.03.2021 तक संस्थान के निर्माण के लिए ₹ 121.45 करोड़ खर्च किए हैं। कोविड-19 के कारण निर्माण कार्य रुका हुआ है।

ग) बालीपांडा मौजा, पुरी में भूमि

बलियापांडा मौजा, पुरी में 5 एकड़ भूमि की राशि ₹ 0.94 करोड़ (चारदीवारी के लिए जमा सहित) की लीज पुरी नगरपालिका से 99 वर्षों की लीज अवधि के साथ ली गई जो कि 01.04.1996 से प्रभावी है। तथापि, तहसीलदार पुरी ने अपने कार्यालय आपन सं.7206 दिनांक 21.08.2004 में एमसीएल, भुवनेश्वर को एक प्रति के साथ कलेक्टर पुरी को संबोधित करते हुए कहा कि उक्त क्षेत्र "स्वेदजल क्षेत्र" के अंतर्गत आता है तथा आवास एवं शहरी विकास विभाग में सरकार द्वारा इसे प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। यद्यपि उक्त भूमि स्वेदजल क्षेत्र के अंतर्गत आती है, तहसीलदार, पुरी ने 2008-09 तक उपकर सहित भू-कर स्वीकार किया है। इसके अलावा निदेशक(कार्मिक), एमसीएल द्वारा पत्र संख्या-4707 दिनांक- 08.01.2019 को स्टाल परियोजना शुरू करने के लिए वैकल्पिक भूमि जल्द से जल्द सौंपने हेतु कलेक्टर, पुरी से अनुरोध किया। भूमि के वैकल्पिक भाग के आवंटन के लिए 05.12.2019 को डीजीएम, एमसीएल द्वारा कलेक्टर, पुरी को पत्र लिखा गया है। इसके बाद उप महाप्रबंधक एमसीएल और मुख्य प्रबंधक(खनन) ने 18.12.2020 को कलेक्टर, पुरी से मुलाकात की। कलेक्टर का मत था कि नगर पालिका द्वारा भूमि उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर गलत तरीके से एमसीएल को पट्टे पर दी गई थी, इसलिए नगर पालिका एमसीएल के पक्ष में कोई वैकल्पिक भूमि आवंटित नहीं कर सकती है और पूर्व में नगर पालिका, पुरी के पास जमा की गई भूमि के प्रीमियम की वापसी के आवेदन के लिए सुझाव दिया। एमसीएल अब भूमि के प्रीमियम की वापसी की प्रक्रिया में है।

घ) वर्ष के दौरान, समूह ने ओसीपीएल और एनएलसीआईएल से ₹ 282.34 करोड़ की राशि का कोयला खरीदा है। खरीदे गए कोयले की विक्री की राशि ₹ 359.26 करोड़ है, उस पर सतह परिवहन शुल्क ₹ 54.14 करोड़ और निकासी सुविधा शुल्क ₹ 12.50 करोड़ है। खरीदे गए कोयले का अंतिम भंडार ₹ 0.61 करोड़ है।

ङ) समूह पर ₹ 1706.45 करोड़ का बकाया ऋण था जिसे इस अवधि के दौरान चुका दिया गया है। इसके अलावा, समूह ने विभिन्न बैंकों से टीडीआर गिरवी रखकर चलनिधि की कमी के कारण अलग-अलग स्थितियों पर कुल ₹ 2201.20 करोड़ का ऋण लिया है, जिसे 31.03.2021 तक चुका दिया गया है।

च) विभिन्न सरकारी प्राधिकरण, न्यायालय द्वारा दिये गए निर्देशानुसार ₹ 26.59 करोड़ (पीवाई- ₹ 26.36 करोड़) का जमा खाता (विशिष्ट उद्देश्य के लिए) खोला गया है। टिप्पणी-9 और टिप्पणी-15 के तहत बैंक गारंटी के मुद्दे दर्शाये गए हैं। विवरण निम्नानुसार है:-

नोट-15- ₹ 26.59 करोड़

i. न्यायालय के आदेशानुसार वर्ष 2005-06 में विस्पेटक दर अनुबंधों में वसूली गई मूल्य अंतर की राशि ₹ 6.74 करोड़ सावधि जमा में शामिल हैं।

ii. जो मैसर्स आईआरसी लोजिस्टिक्स लिमिटेड की बैंक गारंटी के नकदीकरण के लिए माननीय उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश से सावधि जमा में ₹ 0.24 करोड़ शामिल हैं।

iii. माननीय उच्च न्यायालय, कटक के आदेशानुसार मेसर्स श्री महावीर फेरो अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में 2015 की लिखित याचिका सं. 3109 के अंतिम परिणाम तक 40% टेपरिंग मनी के रूप में ₹ 0.20 करोड़ सावधि जमा में शामिल है।

iv. माननीय उच्च न्यायालय, कटक (ओडिशा) के अंतरिम आदेश से ₹ 6.98 करोड़ सावधि जमा में शामिल है अर्थात् किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक में विवादित भूमि में शामिल मुआवजे की शेष राशि के लिए जमा किया जाए।

v. मैसर्स मॉटेकालो लिमिटेड (एमसीएल) और मैसर्स कुणाल स्ट्रक्चर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (केएसआईपीएल) संयुक्त उद्यम द्वारा प्रस्तुत बैंक गारंटी के नकदीकरण के बारे में ओडिशा के माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार ₹ 1.25 करोड़ सावधि खाते में जमा की गई है।

vi. अनुबंधी कंपनी-मेसर्स एमजेएसजे कोल लिमिटेड की ओर से ब्लॉकों के आवंटन की शर्तों को पूरा करने हेतु भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में बैंक गारंटी जारी करने के लिए लेटर ऑफ कंफ़िर्मेशन जारी करने के लिए स्टेट बैंक इंडिया के गृहणाधिकार के तहत निर्धारित 4.50 करोड़ की राशि जमा की गई है।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियां

vii. तीन महीने के अग्रिम जल शुल्क और नौ महीने तक 1.336 क्यूसेक पानी को निकालने के लिए बैंक गारंटी जारी करने हेतु कार्यकारी अभियंता मेन डैम डिवाजन, बुर्ला के पक्ष में रु. 0.11 करोड़ की सावधि जमा राशि निर्धारित की गई है।

viii. ओआईटीडीएस के संबंध में दूर संचार विभाग, भारत सरकार से मोबाइल रेडियो ट्रंकिंग सर्विस के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए बैंक गारंटी जारी करने के लिए रु. 0.03 करोड़ जमा हैं।

ix. एक अधिकारी द्वारा नकद गबन के विरुद्ध माननीय जिला न्यायालय सुंदरगढ़ के माध्यम से अर्जित विशेष अवधि जमा ब्याज सहित रु. 2.27 करोड़ के बैंक डिपॉजिट वसूल किया गया है जो वापस लिया गया है जो न्यायालय द्वारा लंबित मामले का अंतिम रूप है।

x. श्रमशा: रु. 0.37 करोड़ की बैंक जमा राशि बैंक के पास रखी गई है जिसे जल बांध प्रभाग के पक्ष में एमओयू/हस्ताक्षरित करार के विरुद्ध गिरवी रखा गया है।

xi. लिलारी नाले से ड्रों के लिए अनुबंध के निष्पादन के लिए टीडीआर के रूप में रु. 0.02 करोड़ की बैंक जमा राशि है।

xii. कार्यकारी अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रभाग, बुर्ला के लिए टीडीआर के रूप में रु. 1.26 करोड़ की बैंक राशि जमा है।

xiii. कार्यकारी अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रभाग, बुर्ला के लिए टीडीआर के रूप में रु. 0.08 करोड़ की बैंक राशि जमा है।

xiv. कार्यकारी अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रभाग, बुर्ला के लिए टीडीआर के रूप में रु. 1.20 करोड़ की बैंक राशि जमा है।

xv. एमआईएमएसआर के लिए संस्था भवन योजना की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए तमदा(टीएमडीए) के पक्ष में बीजी जारी करने के लिए रु. 0.97 करोड़ बैंक डिपॉजिट में शामिल हैं।

xvi. जल कर के अनुबंध के निष्पादन हेतु कार्यकारी अभियंता, बुर्ला सिंचाई प्रमंडल के पक्ष में एफडीआर के रूप में रु. 0.37 करोड़ जमा है।

छ) एमसीएल में, 22 खुली और 12 भूमिगत खदान हैं, जिनमें से 4 खुली खदान और 5 भूमिगत खदान गैर-उत्पादक हैं और 3 खुली खदान और 3 भूमिगत खदान विकासशील हैं:-

गैर उत्पादक खदानों की सूची:-

क्रमांक	खदान का	गैर उत्पादक होने के लिए कारण
1	छंडिपड़ा ओसीपी	खदान बंद होने के कारण।
2	लिलारी ओसीपी	लिलारी ओसीपी की खनन योजना मार्च 2018 तक वैध थी।
3	साउथ बलंडा ओसीपी	कोयला भंडार निःशेष होने के कारण।
4	बसुंधरा ईस्ट ओसीपी	कोयले के सम्पूर्ण निष्कर्षण के कारण खदान बंद है।
5	हिंमिर रामपुर कोलियरी भूमिगत	ओरिएंट एरिया से जारी खदान बंदी सूचना के साथ इस खदान को 27.05.2013 से छोड़ दिया गया है।
6	ओरिएंट खदान नं. 4 भूमिगत	क. दिनांक 02.07.2017 से डेवलपमेंट पैच की अनुपलब्धता के कारण उत्पादन बंद कर दिया गया है क्योंकि खदान की पूरी संपत्ति पहले से ही विकसित है और चरण II के वन क्लीयरेंस के अभाव में डिप्लोयरिंग के लिए अनुमति नहीं है। ख. सेवानिवृत्ति आदि के कारण ओरिएंट क्षेत्र में श्रमशक्ति की कमी है। चूंकि ओरिएंट क्षेत्र की अन्य खानों की उत्पादक इकाइयों में श्रमशक्ति की कमी है, इस खदान की उपलब्ध श्रमशक्ति को लाभकारी उपयोग के लिए अन्य उत्पादक खानों में स्थानांतरित कर दिया गया है। अब खदान को आउटसोर्स मोड में चलाने की प्रक्रिया चल रही है।
7	तालचैर भूमिगत	डीएमएस, भुवनेश्वर की सूचना संख्या - 010686/बीबीआर-डीएच/सीओ -6/नोटिस -22 ए (1/2015/2015/4562) द्वारा खानों अधिनियम 1952 की धारा 22 ए (1) का पालन नहीं करने के कारण अस्थायी रूप से कोयले का खनन बंद। दिनांक 03.09.2015, ड्रिफ्ट टॉप सेक्शन (वर्तमान में काम कर रहे) को तीसरी प्रविष्टि प्रदान करने के लिए, और CMR-2017 के प्रावधान के अनुसार, आरईजी नं. - 158 (3) उत्पादन 24.02.2018 से निलंबित कर दिया गया था।
8	देउलबेरा भूमिगत	उत्पादन को नोटिस से रोकना पड़ा। अधीक्षण अभियंता की नोटिस कि पानी राइट बैंक कैनाल में छोड़ा जाएगा, जिसके नीचे खदान का काम दिनांक 19.07.2006 तक चालू था
9	हंडिधुआ भूमिगत	भारी नुकसान के कारण दिनांक 16.09.1998 से उत्पादन रोक दिया गया है।

विकासशील खदानों की सूची:-

क्र.सं.	विकासशील खदान
1	तालघेर वेस्ट (भूमिगत)
2	जगन्नाथ (भूमिगत)
3	नटराज भूमिगत
4	सियारमाल ओसीपी
5	बसुंधरा वेस्ट (विस्तार) ओसीपी
6	सुभद्रा ओसीपी

ज) लेखों में रखे गए प्रावधान

धीमी गति से चलने वाले /नॉन-मूविंग /अप्रचलित भंडार, दावों को प्राप्य, अग्रिमों, संदिग्ध ऋणों आदि के खिलाफ खातों में किए गए प्रावधान को संभावित नुकसान को कवर करने के लिए पर्याप्त माना जाता है।

झ) चालू आस्ति, ऋण और अग्रिम आदि

प्रबंधन के विचार से अचल संपत्ति के अतिरिक्त अन्य संपत्ति और गैर चालू निवेश का मूल्य कम से कम व्यवसाय के सामान्य अवधि के दौरान वसूली पर या जिस पर मूल्य निर्धारित किया जाता है, के बराबर होता है।

ञ) चालू देयताएँ

जहां वास्तविक देयताएँ नहीं मापी जा सकती, वहाँ अनुमानित देयताएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

ट) शेष की पुष्टि

शेष की पुष्टि एवं सामंजस्य, नगद एवं बैंक शेष, निश्चित ऋण एवं अग्रिम, दीर्घकालिक देयताएँ और चालू देयताओं के आधार पर किया जाता है। सभी संदिग्ध एवं अपुष्ट शेषों के लिए प्रावधान रखा गया है।

ठ) सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट किये गए अन्य मामले:-

i) 24 सितंबर 2014 को, माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने 1993-2012 के दौरान किए गए 204 कोयला ब्लॉकों के आवंटन की प्रक्रिया को रद्द कर दिया और आवंटन प्रक्रिया को मनमाना और आवंटन को गैरकानूनी बताते हुए रद्द कर दिया। तदनुसार, गोपालप्रसाद वेस्ट (एमजेएसजे कोल लिमिटेड, एमसीएलकी अनुबंधी कंपनी) और तलाबीरा II & III (एमएनसीएल शक्ति लिमिटेड, एमसीएलकी अनुबंधी कंपनी) सहित उत्कल ए नाम के कोल ब्लॉकों को जिसे पहले समूह के पक्ष में आवंटित किया गया था, डिप्लोकेट कर दिया गया।

ii) कोल माइंस (विशेष प्रावधान) अधिनियम 2015 के प्रावधानों के अनुसार, 17 फरवरी 2016 को लिखे गए अपने पत्र के अनुसार सरकार ने नैवेली लिग्नाइट कोरपोरेशन लिमिटेड (पिछले आवंटियों में से एक) को तलाबीरा II और III कोयला ब्लॉक आवंटित किया है। एमएनएसजे शक्ति लिमिटेड, एमसीएल की अनुबंधी कंपनी को नामांकित प्राधिकारी, कोयला मंत्रालय द्वारा भूमि के अधिग्रहण, प्रगति और अमूर्त आस्ति में पूंजीगत कार्य के लिए इसके द्वारा खर्च की गई राशि के माध्यम से नए आवंटियों से मुआवजा प्राप्त करने का अधिकार प्रदान किया गया है। मुआवजा नामित प्राधिकारी द्वारा कोयला खान (विशेष प्रावधान) अधिनियम के तहत निर्धारित किया जा रहा है और चरणबद्ध तरीके से समूह द्वारा प्राप्त किया जाएगा।

कंपनी कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के लिए निरंतर उपाय कर रही है और व्यवसाय करने में आसानी के लिए कई उपाय लागू किए हैं। कंपनी ने 31 मार्च 2021 को वित्तीय और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि की वसूली सहित वित्तीय विवरणों की तैयारी में महामारी के कारण उत्पन्न होने वाले संभावित प्रभावों पर विचार किया है। समूह भविष्य की आर्थिक स्थितियों और उसके व्यवसाय पर परिणामी प्रभाव से उत्पन्न होने वाले किसी भी भौतिक परिवर्तन की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगा।

अ) अधिसूचना संख्या-जी.एस.आर. 463(ई), दिनांक-24 जुलाई, 2020 के तहत भारतीय लेखांकन मानक 1 (वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति) में भौतिकता की परिभाषा को प्रतिस्थापित किया गया है। तदनुसार, महत्वपूर्ण लेखा नीति में भौतिकता पर नीति को संशोधित किया गया है। हालांकि, उपरोक्त परिवर्तन का कोई वित्तीय प्रभाव नहीं है।

ग) हाल की घोषणाएं:

24 मार्च, 2021 को, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) ने एक अधिसूचना के माध्यम से कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III में संशोधन किया। 1 अप्रैल, 2021 से संशोधन अनुसूची III के संशोधित डिवीजन I, II और III लागू हैं। समूह अपने वित्तीय विवरणों पर संशोधनों के प्रभाव का मूल्यांकन कर रहा है।

त) भिन्न-भिन्न राजस्व जानकारी:-

नीचे दी गई तालिका भारतीय लेखांकन मानक 115 की आवश्यकता के अनुसार ग्राहकों की जानकारी के साथ अनुबंध से भिन्न-भिन्न राजस्व प्रस्तुत करती है, कोयले और अन्य की बिक्री से राजस्व के लिए ग्राहक के साथ अनुबंध करती है।

महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियाँ

(रु. करोड़ में)			
व्यवसाय जानकारी	31.03.2021 को को समस्त वर्ष के लिए	For the period ended 31.12.2019	31.03.2020 को समस्त वर्ष के लिए
सामग्री या सेवा के प्रकार			
कोयला	14,474.08	10,008.75	14,162.00
अन्य	-	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	14474.08	10008.75	14162
ग्राहकों के प्रकार			
विद्युत क्षेत्र	5,518.28	6,301.37	8,791.46
गैर-विद्युत क्षेत्र	8,955.80	3,707.38	5,370.54
अन्य या सेवाएं	-	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	14474.08	10008.75	14162.00
अनुबंध के प्रकार			
एफ.एस.ए.	10,824.25	8,262.90	11,420.70
ई-निलामी	3,649.83	1,745.84	2,741.30
अन्य	-	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	14474.08	10008.74	14162.00
सामग्री या सेवा का समय			
एक समय में माल का हस्तांतरण	14,474.08	10,008.75	14,162.00
समय के साथ स्थानांतरित किया गया माल	-	-	-
एक समय में स्थानांतरित की गई सेवाएं	-	-	-
समय के साथ स्थानांतरित की गई सेवाएं	-	-	-
कोयले और अन्य की बिक्री से कुल राजस्व	14474.08	10008.75	14162.00

- था) वर्ष के दौरान, समूह ने पुरानी देनदारियों और प्रावधानों के लिए ₹ 39.75 करोड़ की राशि वापस लिखी है जो 31.03.2020 तक 5 वर्षों से अधिक समय से दायर रहित थी।
- दा) वर्ष के दौरान, समूह ने पुराने देनदारों के लिए ₹ 3.73 करोड़ की राशि को बढ़ते खाते में डाल दिया है, जिसके लिए पहले के वर्षों में संदिग्ध ऋणों का प्रावधान किया गया था।
- धा) वर्ष के दौरान, वसुंधरा (डब्ल्यू) ओसीपी के लिए 21.51 एम.क्यूएम ओवरवर्डन की मात्रा के लिए ₹ 844.86 करोड़ और बेलपल्लु ओसीपी के लिए 15.09 एम. कम मात्रा के ओवरवर्डन के लिए ₹ 262.62 करोड़ के अतिरिक्त अनुपात विवरण आरक्षित राशि को 01.04.2020 तक वापस ले लिया गया है।
- ना) थेलो बुक के अनुसार, वार्षिक कोयला स्टॉक मापन सीआईएल में गठित कोल स्टॉक मेजरमेंट टीम द्वारा किया जाना चाहिए। हालांकि, सीआईएल कार्यालय आदेश संख्या सीआईएल/सी-1/सी स्टॉक/20-21/271 दिनांक 29.04.2021 के अनुसार, कोविड-19 मामलों में लगातार वृद्धि के कारण, मापन अंतर-क्षेत्रीय टीम द्वारा किया गया था, जिसका गठन किया गया था। सहायक स्तर और तदनुसार कोयले के बंद स्टॉक का मूल्यांकन किया गया है।
- पा) कोयला गुणवत्ता भिन्नता की गणना के लिए महाप्रबंधक(वित्त), कोल इंडिया लिमिटेड से दिनांक 23.03.2021 को प्राप्त कोयला गुणवत्ता भिन्नता (सीक्यूवी) की गणना एक समान पद्धति का पालन कर किया गया है।
- फा) समूह ने वित्त वर्ष 2020-21 से सभी पूंजीगत व्यय पर जीएसटी का पूंजीकरण किया है और 24.12.2020 को आयोजित 415 वीं सीआईएल बोर्ड बैठक के निर्णय के अनुसार कंपनी अधिनियम 2013 और आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों के अनुसार मूल्यांकन का दावा किया है।
- वा) महत्वपूर्ण लेखांकन नीति
कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत कोरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों के अनुसार कंपनी द्वारा अपनाई गई लेखांकन नीतियों को स्पष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीति (टिप्पणी-2) का मसौदा तैयार किया गया है।
- भा) अन्य
i. पिछले वर्ष के अंकड़ों को जहाँ भी आवश्यक समझा गया, पुनर्वर्गीकृत, पुनर्समूहित और पुनर्व्यवस्थित किया गया है।
ii. टिप्पणी - 1 और 2 क्रमशः कोरपोरेट जानकारी और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, टिप्पणी 3 से 23 बैलेंस शीट के 31.03.2021 तक का हिस्सा हैं और 24 से 37 उस तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ और हानि के विवरण का हिस्सा हैं। टिप्पणी - 38 वित्तीय विवरणों के अतिरिक्त टिप्पणियों का प्रतिनिधित्व करता है।

टिप्पणी 1 से 38 तक हस्ताक्षर

ह/-
(ए के सिंह)
कंपनी सचिव

ह/-
(ए के पांडे)
उप-महाप्रबंधक (वित्त)

संलग्न हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते, पाम्स एंड एसोसियेट्स
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या. 316079ई

ह/-
(के आर वसुदेवन)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 07915732

ह/-
(पी के सिन्हा)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध-निदेशक
डीआईएन: 07599781

ह/-
(सीए सत्यजित मिश्रा)
साझेदार
सदस्यता संख्या. 057293

दिनांक : 29.05.2021
स्थान: बुर्ला